बड़े देश का
Bada Bank

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report 2018-19

TOWARDS A BRIGHTER TOMORROW

पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक !

punjab national bank
...the name you can BANK upon !

श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पंजाब नैशनल बैंक ने श्री अरुण जेटली, माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री, भारत सरकार से उन्नत पहुंच और सेवा उत्कृष्टता (EASE) सुधार सूचकांक पुरस्कार, ग्राहक जवाबदेही पुरस्कार, उत्तरदायी बैंकिंग पुरस्कार, क्रेडिट ऑफ–टेक पुरस्कार और वित्तीय समावेशन को मजबूती प्रदान करना तथा डिजिटलाइजेशन पुरस्कार श्रेणी में प्रथम रनर अप पुरस्कार प्राप्त किया।

Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO Punjab National Bank receiving awards from Shri Arun Jaitley, Hon'ble Union Minister for Finance, Govt. of India for Enhanced Access and Service Excellence (EASE) Reforms Index Award, Customer Responsiveness Award, Responsible Banking Award , the Credit Off-take Award and the First Runners Up in Deepening Financial inclusion and Digitalization Award category

श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पंजाब नैशनल बैंक, बैंक के 125 वें स्थापना दिवस पर भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए।

Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO, Punjab National Bank presenting the Memento to Hon'ble Vice President of India Shri M.Venkaiah Naidu on 125th Foundation Day of the Bank.

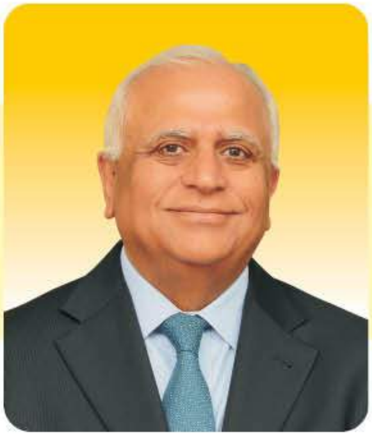

चेयरमैन की डेस्क से
From the Chairman's Desk

प्रिय शेयरधारक,

पीएनबी के अध्यक्ष के रूप में आपको लिखते हुए और वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए बैंक के प्रदर्शन और पहलों की वार्षिक रिपोर्ट साझा करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है।

प्रारंभ में, हमारे सभी हितधारकों को मेरा विशेष अभिवादन क्योंकि आपके बैंक ने अपनी अत्यंत शानदार यात्रा के 125 वें वर्ष में सराहनीय प्रगति जारी रखी है। जिन्होने 125 वर्षों की इन रोमांचक यात्रा के दौरान, आपका बैंक 1894 के दौरान लाहौर में अपनी उत्पत्ति से देश के सबसे बड़े और सबसे प्रमुख बैंक में से एक में रूपांतरित हुआ। इस घटनापूर्ण अवधि में, बैंक को कई सफलताएँ मिलीं और कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें1930 के दशक की बहुत बड़ी मंदी और 1947 की विभाजन की घटना शामिल है।

आपका बैंक कई उथल–पुथल वाली घटनाओं से निरापद बाहर निकल आया और वास्तवः में "सुदृढ़ता" के साथ बैंक का गौरव पुनः अर्जित किया। हम भूतपूर्व और वर्तमान कर्मचारियों को इस बेहतरीन संस्था के निर्माण के प्रति उनके उल्लेखनीय दृष्टिकोण, संपूर्ण प्रतिबद्धता और अटूट उत्साह के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। वे "असल नायक" थे जिन्होंने अमिट पदचिह्न छोड़े। हम बैंक के महान नेतृत्व को सलाम करते हैं जिन्होंने हमारी नींव को सुदृढ़ बनाया है और वर्तमान संरक्षकों की सराहना करते हैं जिन्होंने अपने योग्य पूर्ववर्तियों द्वारा छोड़ी गई जिम्मेदारी को जारी रखा।

हमें अपनी समृद्ध विरासत पर गर्व है जो हमारे इस विश्वास को दर्शाता है कि पंजाब नैशनल बैंक "मूल्यवान ग्राहक संबंधों" के आधार पर बना है। बैंक ने इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान अपने "मूल मूल्यों" और "उत्कृष्टता का अनुसरण करने" की भावना को कायम रखा है। अपनी आत्मा में राष्ट्र के प्रति समर्पण के साथ, अपने रीढ़ के रूप में अखंडता, अपने उद्देश्य के रूप में ग्राहक संतुष्टि प्रसन्नता और अपने वादे के अनुरूप निरंतर नवोन्मेष के साथ आपके बैंक ने एक अनूठा ब्रांड बनाया है जिसे व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है और अपने ग्राहकों के बीच लगातार विश्वास बनाए रखता है। 125 वर्षों की इस यात्रा ने आपके बैंक को एक बड़ी और सुदृढ़ संस्था में विकसित करने में सक्षम बनाया है जिसकी 6980 से अधिक शाखाएँ हैं, जो 110 मिलियन ग्राहकों की सेवा कर रही हैं।

आर्थिक समीक्षा
वैश्विक अर्थव्यवस्था

लगभग सभी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक गतिविधियों में गिरावट के कारण कैलेंडर वर्ष 2018 की दूसरी छमाही के दौरान वैश्विक वृद्धि की गति धीमी हो गयी। कई कारकों के मेल ने, जैसे यूएस–चीन व्यापार तनाव, यूरोज़ोन में कमज़ोर कारोबार विश्वास, चीन में छाया बैंकिंग में गिरावट, मौद्रिक नीति के सामान्यीकरण के कारण उधार लागत में वृद्धि, ने वैश्विक वृद्धि को घटाने में योगदान दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव के बावजूद प्रमुख विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति मंद रही जिसे प्रमुख उत्पादकों द्वारा उत्पादन में कटौती और कुछ निर्यातकों के बीच आपूर्ति में व्यवधान बढ़ा है।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक वृद्धि में जो गिरावट आई थी वर्ष 2019 में उसमें और 3.2% तक गिरावट का अनुमान है। चीन–अमेरिका व्यापार युद्ध से वैश्विक वृद्धि में और गिरावट आने का खतरा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी उच्च व्यापार तनाव, आर्थिक नीतियों पर अनिश्चितता और कारोबारी विश्वास में कमी के परिणामस्वरूप वर्ष 2020 में 2.9% के सीमांत अनुमानित वृद्धि के साथ वर्ष 2019 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए अपने अनुमानों को कम करके 2.7% का अनुमान लगाया है।

सभी प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं और अधिकांश विकासशील क्षेत्रों में ग्रोथ आउटलुक घरेलू और बाहरी दोनों कारकों के कारण कमजोर हो गया है, जिसमें अधिक व्यापक और भली भांति लक्षित नीति प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है

भारतीय अर्थव्यवस्था

वित्तीय वर्ष 2018–19 की चौथी तिमाही के लिए जारी जीडीपी डेटा संख्या में, वृद्धि दर चौथी तिमाही में 5.8% कम हो गई है जो 5 वर्षों में सबसे कम है, पूरे वर्ष के लिए अनुमानित वृद्धि दर

Dear Shareholders,

It is my pleasure to write to you as the Chairman of PNB and share the Annual Report of the Bank's performance and initiatives for the financial year 2018-19.

At the outset, my special greetings to all our stakeholders as your Bank continues to make admirable progress in its 125th year of a very momentous journey. During this125 years exciting voyage, your Bank has transformed into one of the largest and most prominent bank's of the country from its humble origin in Lahore during 1894. In this eventful period, the Bank had many successes and faced multiple challenges which covered the great depression of 1930's and partition upheaval in 1947, amongst others.

Your Bank came out unscathed from many tumultuous events and truly earned the distinction of a bank with "resilience". We owe our gratitude, in large measure to past and present employees for their remarkable vision, unstinted commitment and unwavering enthusiasm towards building this very fine institution. They were"real heroes" who left indelible footprints. We salute the legendary leadership of the Bank that built our robust foundations and applaud present custodians who continue to responsibly augment the edifice left by their worthy predecessors.

We take pride in our rich heritage which reflects our belief that Punjab National Bank is built on the strength of "valuable customer relationships". The Bank has upheld its "Core Values" and its spirit of "Pursuing Excellence" throughout this historic journey. With devotion to the nation in its soul, integrity as its backbone, customer delight as its purpose and continued innovation as its promise, your Bank has built a unique brand that is widely recognized and consistently espouses trust amongst its customers. This journey of 125 years has enabled your Bank to evolve into a large and robust institution with over 6980 branches diligently serving110 million valued customers.

ECONOMIC REVIEW
The Global economy

Global growth slowed down during second half of Calendar Year 2018 due to decelerated economic activity in almost all developed economies. The confluence of factors, such as US-China trade tension, weakening business confidence in Eurozone, reining in shadow banking in China, rising borrowing cost due to the normalization of monetary policy, amongst others have contributed to softening global growth. Inflation continues to remain subdued in major developed and emerging economies, despite volatility in crude oil prices which rose on production cuts by major producers and supply disruptions among some exporters.

Global growth which softened in 2018 is projected to decline further to 3.2% in 2019 as per the Organization for Economic Co-operation and Development (OECD). The China-US trade war threatens to further crimp global growth. United Nations has also lowered its forecasts for global economic growth in 2019 to 2.7% with marginal projected increase in 2020 to 2.9% as a consequence of high trade tensions, uncertainty over economic policies and softening business confidence.

Growth outlook in all major developed economies and most developing regions has weakened due to both domestic and external factors necessitating more comprehensive and well-targeted policy response.

The Indian Economy

In the GDP data number released for fourth quarter of FY 2018-19, the growth has slowed down to a five year low of 5.8% in 4th quarter bringing down full year

7.2% से कम होकर 6.8% तक हो गई है। इसने दुनिया में सबसे तेजी से बढती महत्वपूर्ण अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति को बनाए रखने के लिए नीतिगत बदलावों और प्रमुख सुधारों पर प्रयासों को पूरा करने की आवश्यकता जताई है। धीमी वृद्धि का कारण कमजोर घरेलू खपत, धीमी वैश्विक वृद्धि और अर्थव्यवस्था को चलाने वाले उच्च सरकारी व्यय सहित व्यापार तनाव हैं। सरकारी वित्त पर, वर्ष 2018–19 के लिए राजकोषीय घाटा जीडीपी के 3.4 प्रतिशत के संशोधित बजट लक्ष्य के भीतर रहा है। राजकोषीय अनुशासन को बनाए रखने और वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सरकार पर कड़ा दबाव होगा। वैश्विक निवेशकों के बीच राजकोषीय अनुशासन पर मजबूत विश्वास बनाए रखने के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों के लिए ऋण प्रवाह में सुधार की गुंजाइश है जो व्यापक वृद्धि को पुनर्जीवित करेगा। सम्पूर्ण क्षेत्रों में मजबूत और स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अच्छी गुणवत्ता ऋण वृद्धि का समर्थन करने के लिए घरेलू बैंकिंग क्षेत्र पर अवलंबित है।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में वैश्विक वृद्धि के आधुनिकीकरण और पूंजीगत वस्तुओं में निवेश पर वाणिज्यिक सेक्टर की ओर होनेवाले अधिक वित्तीय प्रवाह और बढ़ते गैर सरकारी खपत, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, के द्वारा प्रतिघात किए जाने की उम्मीद है जिससे आर्थिक गति में तेजी आ रही है। 6 जून 2019 की अपनी मौद्रिक नीति विवरण में आरबीआई ने समान रूप से संतुलित जोखिमों के साथ सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.0% होने का अनुमान लगाया है। आगे बढते हुए, भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, वृद्धि की गति को पुनर्जीवित करने के लिए राजकोषीय विवेक और मौद्रिक प्रोत्साहन का न्यायसंगत मिश्रण होगा।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि नीतिगत सुधारों की गति बढ़ाना, लंबित बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के मुद्दों को हल करना, संरचनात्मक कठोरता को दूर करना और निजी निवेश को आगे बढ़ाने के माध्यम से आपूर्ति पक्ष की बाधाओं को दूर करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपनी वास्तविक क्षमता को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। स्पष्ट बहुमत और मजबूत जनादेश वाली नई सरकार के साथ, सुधारों में सार्थक गति आने की बहुत उम्मीदें हैं जो एक मजबूत बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र विकसित करेगा जो आर्थिक वृद्धि को आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगा

भारत में बैंकिंग क्षेत्र

हालांकि, वित्तीय वर्ष 2018–19 बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष बना रहा, लेकिन इसने नए आशावादी भावना को जागृत किया। इस वर्ष ने लैंडमार्क रेगुलेटरी रिफॉर्म्स जैसे इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC) के कार्यान्वयन, सशक्त समिति की सिफारिशों के कारण कॉर्पोरेट दबावग्रस्त आस्तियों के तीव्र समाधान की दिशा में एक दृढ शुरुआत की और बैंक के नेतृत्व में दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान हेतु बड़े बैंक इंटर क्रेडिटर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। हालांकि आस्ति गुणवत्ता पर चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन सरकार द्वारा पूंजी समर्थन सहित सकारात्मक विकास सकारात्मकता लेकर आया है और मेरा दृढ़ विश्वास है कि पीएसबी का खराब दौर समाप्त होने वाला है। मजबूत नियामक कार्रवाई, मुद्दों की पहचान और इसके परिणामस्वरूप बैंकों द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों ने आपके बैंक सहित अन्य बैंकों और अधिक स्लिपेज को स्थिर कर दिया है। वर्तमान में प्रगति के रूप में कॉरपोरेट क्षेत्र का विचलन और पुनर्गठन, आगे स्थिरता प्रदान करेगा। विरासत के मुद्दों और शेष दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान से तेजी से निपटना और सबसे अधिक महत्वपूर्ण संचय को रोकना बैंकिंग क्षेत्र के लिए अनिवार्य है।

आगे बढ़ते हुए, निवेश और अर्थव्यवस्था की कुल मांग में सहयोग करने के लिए बैंकों की क्षमता में और सुधार करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पुनः पूंजीकरण, आईबीसी के तहत दबाव ग्रस्त आस्तियों का समाधान और परिणामस्वरूप वित्त में सुधार अपेक्षित है। बैंकिंग क्षेत्र में प्रौद्योगिकी को अपनाने से मध्यवर्ती लागतों में गिरावट की संभावना है और बढ़ती प्रतिस्पर्धा से मार्जिन प्रभावित होगी। ग्राहक जीवन चक्र की जरूरतों को समझते हुए परिचालन लागत के पुनर्गठन, व्यापक पहुँच और महत्तर ब्रांड स्थिति से व्यवसाय वृद्धि और लाभप्रदता तेजी से बढ़ रही हैं। इसलिए, प्रतिस्पर्धी बने रहने और व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए, उत्पाद विकास और निरंतर नवोन्मेष के माध्यम से परिवर्तन और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखना महत्वपूर्ण होगा। भविष्य परिवर्तन के सफल प्रबंधन, अधिक परिचालन क्षमता के निर्माण और नवीनतम प्रौद्योगिकी और भविष्य की मांग के साथ अद्यतन रहने पर निर्भर करता है।

आज, हम तीव्र परिवर्तन की अवधि देख रहे हैं, आर्थिक चक्र छोटे हैं और बाजार अधिक जोखिम वाले हैं जो कि अधिक कठोर शासन मानकों के लिए जोखिम की बढती तीव्रता के साथ हैं। वित्तीय बाजारों पर विकसित हो रही प्रौद्योगिकी, डेटा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव बहुत अधिक होगा। ये घटनाक्रम आपके बैंक के लिए अपने तेजी से बढ़ते ग्रामीण और शहरी ग्राहकों की सेवा करने के लिए नए और रोमांचक अवसर पेश करते हैं और "नए भारत" को प्रदान करते हैं

भारत में बैंकों ने भी परिवर्तन प्रक्रिया का बीड़ा उठाया है। इन परिवर्तनों को अपनाने में कुछ बैंक दूसरों से आगे हैं। उत्पादों के जोखिम–आधारित मूल्य निर्धारण और कैपिटल पर इष्टतम जोखिम समायोजित रिटर्न (आरएआरओसी) ऋण वृद्धि के लिए प्रमुख निर्धारक के रूप में तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। बेहतर कॉर्पोरेट प्रशासन, अनुपालन और अधिक कठोर ऋण/जोखिम प्रक्रियाएं स्वस्थ वृद्धि और बैंकिंग क्षेत्र की स्थिरता के लिए आवश्यक हैं।

यह बैंकिंग उद्योग में परिवर्तन का सबसे अच्छा समय है क्योंकि आर्थिक बुनियादी तत्व मजबूत हैं, विनियामक जलवायु अनुकूल है और परिवर्तन प्रौद्योगिकियां पहले से कहीं अधिक आसानी से सुलभ, शक्तिशाली और किफायती हैं। जो बैंक समकालीन शासन संरचनाओं को अपनाते हैं, नियामक अनुवर्ती होते हैं, लगातार रि–इंजीनियर रिस्क प्रॉसेस करते हैं, रिस्क एडजस्टेड रिटर्न के माध्यम से पूंजी का संरक्षण करते हैं, कर्मचारियों को पुनः कौशल प्रदान करते हैं, तकनीकी नवोन्मेष अपनाते हैं, लगातार नए उत्पाद विकसित करते हैं और दक्ष होते हैं, वे ही कुछ अलग करने की स्थिति में होंगे, तेजी से बढ़ेंगे और बाजार में हिस्सेदारी हासिल करेंगे।

growth to 6.8% from earlier projected 7.2%.This has necessitated striding up efforts on policy changes and major reforms to maintain India's position of the fastest growing significant economy in the world. The reasons for slower growth are weaker domestic consumption, slower global growth and trade tensions with higher government spending driving the economy. On government finances, fiscal deficit for 2018-19 has remained within the revised budget target of 3.4% of the GDP. The Government will be hard pressed to preserve fiscal discipline and spur growth. Government's continued commitment to maintain course on fiscal discipline instills strong confidence amongst global investors. There is scope for improvement of credit flows to micro, small and medium industries which will revive broad based growth. It is incumbent on the domestic banking sector to support good quality credit growth across sectors to ensure strong and sustainable growth.

In FY 2019-20, the moderation of global growth and the weakening of investment in capital goods is expected to be countered by higher financial flow to commercial sector and rising private consumption, especially in the rural sector thereby accelerating economic momentum. RBI in its monetary policy statement of 6th June 2019 has projected a GDP growth of 7.0% with risks evenly balanced. Going forward, in context of the Indian Economy, there will be a judicious mix of fiscal prudence and monetary stimulus to resurrect the growth momentum.

I strongly believe that increasing the pace of policy reforms, address pending banking and financial sector issues, removing structural rigidities and easing of supply-side bottlenecks through stepping up private investment would pave the way for the Indian economy to achieve its true potential. With the new government in place with a clear majority and strong mandate, there are high expectations of a significant momentum in reforms that will develop a strong banking and financial sector providing necessary boost to economic growth.

Banking Sector in India

Although, FY 2018-19 continued to remain a challenging year for the banking sector, it provided renewed optimism. The year marked a steady beginning towards faster resolution of corporate stressed asset on account of landmark regulatory reforms like implementation of Insolvency and Bankruptcy code (IBC), Sashakt Committee recommendations and major banks signing the Inter Creditor Agreement for bank led resolution of stressed assts. Although the challenges on asset quality front remain but the positive developments including capital support by Government has generated an air of positivity and a strong belief that the worst is over for PSBs. Strong regulatory action, recognition of the issues and consequent corrective measures taken by banks have stabilized further slippages, including at your Bank. Deleveraging and restructuring of the corporate sector, as currently in progress, will provide further stability. It is imperative for the banking sector to expeditiously deal with the legacy issues and resolution of remaining stressed assets and more importantly prevent further accumulation.

Going ahead, re-capitalisation of Public Sector Banks, resolution of stressed assets under the IBC and consequent improvement in financials are expected to further improve capacity of the banks to support investment and aggregate demand of the economy. Greater adoption of technology in the banking sector is likely to see fall in intermediation costs and increased competition will impinge on margins. Business growth and profitability are increasingly going to be driven by restructuring of operating costs, wider outreach and greater brand positioning by going deeper into customer life cycle needs. Therefore, to remain competitive and stimulate business growth, it would be important to continue focus on change and progress through product development and continuous innovation. The future depends on successful management of transitions, building greater operational efficiencies and remaining updated with the latest trends in technology and future demand.

Today, we are witnessing a period of intense change, economic cycles are shorter and markets more volatile with growing intensity of risks leading to more rigorous governance standards. Impact of evolving technology, data analytics and artificial intelligence on financial markets will be enormous. These developments present new and exciting opportunities for your Bank to serve its fast growing rural and urban customers and deliver to a "new India".

Banks in India have also taken the lead in the transformation process. Some banks are ahead of others in embracing these changes. Risk-based pricing of products and optimum Risk Adjusted Return on Capital (RAROC) are fast gaining ground as key determinants for quality credit growth. Improved corporate governance, compliance and more stringent credit / risk processes are imperatives for healthy growth and stability of the banking sector.

It is the best time for transformation in the Banking industry as the economic fundamentals are strong, regulatory climate is favorable and transformation technologies are more readily accessible, powerful, and economical than ever before. The banks which adopt contemporary governance structures, become regulatory compliant, continually re-engineer risk processes, preserve capital through risk adjusted returns, reskill employees, adopt technological innovation, consistently develop new products and become nimble- footed will be in a position to differentiate, grow exponentially and gain market share.

बैंक का विकास और प्रगति

वित्तीय वर्ष 2018–19 के आरंभ में बैंक को एकबारगी वित्तीय झटका, उच्च एनपीए और कमजोर पूंजी की स्थिति सहित विविध चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालांकि, अपनी सुदृढ़ता की भावना में, आपके बैंक कर्मचारी इस स्थिति से उभरे और कारोबार एवं वृद्धि के लिए कम से कम व्यवधान के साथ, सकारात्मक प्रतिक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक उपायों की एक श्रृंखला आरम्भ की। मैं इस कठिन और चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान उनकी प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों की सराहना करता हूं।

बैंक की सीबीएस के साथ स्विफ्ट प्रणाली के एकीकरण के साथ प्रणालियों और नियंत्रण को मजबूत करना, ऑफ साइट ऑडिट प्रणाली और बैंक की रोटेशनल पालिसी का पूर्ण अनुपालन सहित निगरानी तंत्र को मजबूत करना आरंभ किया गया था।

देश भर में फैले लगभग 2700 अधिकारियों का एक समर्पित विशेषीकृत और प्रेरित टीम के माध्यम से वसूली के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तीन वर्टिकल अर्थात् निगरानी, समाधान और वसूली के साथ स्ट्रेस्ड एसेट मॉनिटरिंग वर्टिकल स्थापित किया गया था।

"मिशन परिवर्तन" तीन पी अर्थात लोगों, प्रक्रियाओं और उत्पादों (पीपीपी) के माध्यम से बैंक में संरचनात्मक परिवर्तनों को लागू करने के उद्देश्य से चल रही प्रक्रिया है, जो बैंक को "फ्यूचर रेडी बैंक" में बदलने के लिए दिशात्मक इनपुट प्रदान कर रहा है। ऋण प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए, केंद्रीकृत ऋण प्रसंस्करण केंद्रों (सीएलपीसी) को खोला गया है ताकि पूर्व और बाद की मंजूरी के अलगाव, गुणात्मक क्रेडिट मूल्यांकन और कुशल निगरानी के समय में बदलाव कर और बेहतर बनाया जा सके। इसी तरह, विपणन संरचना को उत्पाद केंद्र से ग्राहक केंद्रित विपणन में स्थानांतरित किया गया है। ट्रेड फाइनेंस ऑपरेशंस का एंड टू एंड डिजिटलाइजेशन भी केंद्रीकृत जोखिम नियंत्रण के साथ किया गया है।

पूंजी की कमी के अंतर्गत व्यवसाय में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, पोर्टफोलियो की परिचर्चा का आरम्भ बेहतर रेटेड उधारकर्ताओं और कम जोखिम वाले प्रोफाइल की ओर किया गया था। रणनीतिक दृष्टिकोण ने पूंजी संरक्षण के द्वारा एक मजबूत बैलेंस शीट प्रदान की। जिसके परिणामस्वरूप रिस्क वेटेड एसेट्स (RWAs) में उल्लेखनीय कमी आई।

बैंक ने ग्राहकों को अधिक सुविधाजनक तरीके से सेवा देने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों को बढ़ाकर ग्राहक–केन्द्रित दृष्टिकोण को अपनाना जारी रखा और बैंक के डिजिटल पदचिह्नों का काफी विस्तार किया। बैंक ने व्यावसायिक विकास और स्थिरता के लिए डेटा का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने एंटरप्राइज–वाइड डेटा वेयरहाउस के आधार पर एक इन–हाउस बिग डेटा एनालिटिक्स केंद्र स्थापित करने के लिए प्रक्रिया शुरू की। बैंक डिजिटल बैंकिंग के लिए एक ऐप अर्थात **पीएनबीवन** लाया जो उन्नत सुविधाओं के साथ यूनिफाइड मोबाइल एप्लिकेशन है।

कई मोर्चों पर बैंक के प्रदर्शन और सुधार ने पीएनबी को प्रतिष्ठा और ईज़ उत्कृष्टता पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में पूर्व माननीय वित्त मंत्री, श्री अरुण जेटली से प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित मान्यता 28 फरवरी 2019 को प्राप्त हुई और 12 अप्रैल 2019 को हमने इसे उपलब्धि वर्ष के रूप में 125 वां स्थापना दिवस मनाया।

बैंक का प्रदर्शन

बैंक के वित्तीय वर्ष 2018–19 की शुरुआत उदासीनता के साथ हुई। गंभीर और विशाल सबसे बड़ी वित्तीय घटना के संदर्भ में, बैंक को संकट से उभरने और परिवर्तन लाने के लिए एक बड़ा कार्य करना था। बैंक के प्रदर्शन की शक्ति तभी सम्भव थी जब रणनीतिक युक्तिकरण द्वारा उत्पाद पोर्टफोलियो मिश्रण से पूंजी संरक्षण, आस्ति गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किए जाने, जोखिम भारित आस्तियों के युक्तिकरण के साथ ऋण वृद्धि और परिचालन क्षमता में वृद्धि की जाए।

मुझे यह साझा करने में खुशी हो रही है कि चुनौतियों के बावजूद, बैंक ने कई उपलब्धियां प्राप्त की है और प्रमुख मापदंडों में सुधार दर्ज किया है। सकल घरेलू कारोबार 31 मार्च 2019 को रु. 11.45 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया और कासा जमाराशियां रु. 2.85 करोड के स्तर पर पहुंच गयी। घरेलू कासा का शेयर कुल देनदारियों का 43.51% था। वित्तीय वर्ष मार्च 2019 के अंत तक सेविंग डिपॉजिट में 3.2 मिलियन से अधिक नए खाते जोड़े गए जो कि आपके बैंक में जारी ग्राहक विश्वास का सुदृढीकरण है।

वित्तीय वर्ष 19 में, बैंक वित्तीय वर्ष 18 के दौरान रु. 12283 करोड़ के नुकसान के मुकाबले अपने शुद्ध नुकसान को वित्तीय वर्ष 19 में रु. 9975 करोड़ तक सीमित करने में सक्षम था। वित्तीय वर्ष 19 में कुल प्रावधान रु. 22971 करोड़ थे, जिसमें रु. 7167 करोड़ का एक घटना के लिए प्रावधान भी शामिल था।

शुद्ध एनपीए के उच्च स्तर में जो एक प्रमुख चिंता का विषय था, तिमाही से तिमाही में क्रमिक कमी देखी गई और मार्च 18 में रु. 48684 करोड़ से घटाकर मार्च 19 में रु. 30038 करोड़ रुपये रही। मार्च 18 के दौरान रु. 9666 करोड़ की वसूली की तुलना में मार्च 19 तक रु. 20,000 करोड़ से अधिक की सकल वसूली के साथ वसूली की गति जारी है। मार्च 19 में जीएनपीए और एनएनपीए में मार्च–18 की तुलना में 18.38% और 11.24% के स्तर से घटकर 15.50% और 6.56% हो गए हैं। मार्च 18 में प्रावधान कवरेज अनुपात 58.42% की तुलना में मार्च 19 में बढ़कर 74.50% हो गया।

पूंजी पर्याप्तता के मोर्चे पर, बैंक की स्थिति वित्तीय वर्ष 18 में 9.20% से बढ़कर वित्तीय वर्ष 19 में 9.73% हो गई, जिसमें टीयर I का अनुपात 7.49% और टीयर II का अनुपात 2.24% था। मुझे यह रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है कि बैंक के कर्मचारियों से 90% अंशदान से पूंजी प्राप्त करने के लिए बैंक की कर्मचारी शेयर खरीद योजना (ESPS) लागू की गई थी।

वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 300 करोड़ से अधिक की गैर–मूल आस्तियों का मुद्रीकरण किया है और अन्य गैर–आस्तियों की पहचान भी की है, जो एक उचित समय पर बेची जाएंगी।

Developments and Progress of the Bank

The beginning of FY 2018-19 saw Bank addressing multifarious challenges including the onetime financial setback, high NPA and weak capital position. However, in to its spirit of resilience, your Bank employees rose to the occasion and undertook a series of strategic measures to ensure early rebound, with least disruption to business and growth. I commend their commitment and tireless efforts during this very difficult and challenging period.

Strengthening of systems and control were undertaken with measures like integration of the SWIFT system with the Bank's CBS, strengthening of monitoring mechanism including off site audit system and strict compliance of bank's rotational policy.

Stressed Asset Monitoring Vertical, with three verticals namely Monitoring, Resolution and Recovery was set up for focused recovery efforts through a dedicated specialized and motivated team of around 2700 officials spread across the country.

"Mission Parivartan" the ongoing process aimed at implementing structural changes in the Bank through the three Ps i.e People, Processes and Products (PPP) is providing the directional inputs to transform the Bank into a "Future Ready Bank'. In order to strengthen the credit processes, Centralized Loan Processing Centers (CLPC) have been opened to ensure Improved Turn Around Time, Segregation of Pre & Post Sanction Responsibilities, Qualitative Credit Assessment and Efficient Monitoring. Similarly, Marketing Structure has been revamped moving from Product Centric to Customer Centric Marketing. End to End Digitalization of Trade Finance Operations has also been undertaken with centralized risk controls.

In order to ensure business growth under capital constraints, churning of the portfolio was undertaken towards better rated borrowers and low risk profile. The strategic approach ensured a strengthened balance sheet with capital conservation. It resulted in significant reduction in Risk Weighted Assets (RWAs).

The Bank also continued to adopt the Customer-Centric approach by way of enhancing the digital platforms to serve the customers more conveniently and the bank's digital footprint expanded significantly. The Bank initiated process for setting up an in-house Big Data Analytics Centre based on its Enterprise-wide Data Warehouse to focus on using data for business development and sustainability. The Bank came out with all in one app for Digital Banking, i.e. PNBONE which is a Unified Mobile application with advanced features.

The Bank's performance and improvement on several fronts has earned PNB the prestigious EASE Excellency Award from Shri Arun Jaitley, Former Hon'ble Finance Minister as the Best Public Sector Bank. This well-deserved recognition was received on 28th February 2019, the milestone year as we celebrated our 125th foundation day on 12th April 2019.

Bank's Performance

The Bank's Financial Year 2018-19 started off on a tepid note. With the biggest financial incident in terms of severity and enormity, the Bank had a huge task before it to overcome the crisis and turnaround. The strength of performance was possible due to Bank's strategic rationalization of the product portfolio mix to conserve capital, focus on improving the asset quality, credit growth with rationalization of risk weighted assets and increased operational efficiency.

I am happy to share that in spite of the challenges, the Bank crossed various milestones and registered improvement in key parameters. Gross Domestic Business reached the level of Rs. 11.45 lakh crore as at 31st March 2019 and CASA Deposits reached the level of Rs. 2.85 crore. Domestic CASA share stood at 43.51% of total deposits. More than 3.2 million new accounts were added in Saving Deposits during the financial year ending March 2019 which is a reinforcement of continued customer confidence in your Bank.

In FY'19, the Bank was able to narrow down its Net Loss to Rs. 9975 crore against the Loss of Rs. 12283 crore during FY'18. Total provisions stood at Rs 22971 crore in FY'19 including a provision of Rs. 7167 crore for the one off incident.

High level of Net NPAs, which had been a major concern, saw a sequential reduction from quarter to quarter and Net NPA reduced from Rs. 48684 crore in Mar'18 to Rs. 30038 crore in Mar'19. The Recovery momentum has continued with a Gross Recovery of more than Rs. 20,000 crore upto Mar' 19 as compared to Recovery of Rs. 9666 crore during Mar'18. GNPA and NNPA have reduced to 15.50% and 6.56% in Mar'19 from a level of 18.38 & 11.24% respectively in Mar'18. Provision Coverage Ratio improved from 58.42% in Mar'18 to 74.50 % as on March'19.

On capital adequacy front, the position of the Bank improved from 9.20% in FY'18 to 9.73% in FY'19 which constituted Tier I ratio of 7.49 % and Tier II ratio of 2.24%. I am delighted to report that the Bank's Employee Share Purchase Scheme (ESPS) which was implemented to shore up the capital achieved 90% subscription by your Bank employees.

The Bank monetized non-core assets of more than Rs. 300 crore during the year and has also identified other non core assets which will be sold at an opportune time.

इसके अलावा, बैंक जोखिम प्रबंधन और अनुपालन प्रक्रियाओं में बदलाव लाने में भी सक्षम रहा है। आपके बैंक ने प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम प्रबंधन नीति में कार्यक्रमों को आरंभ करने से अपने प्रतिष्ठा जोखिम प्रबंधन को पुनर्व्यवस्थित किया और अधिक सुदृढ़ जोखिम पर पकड़ बनाए रखने के लिए अपने प्रतिष्ठित जोखिम मूल्यांकन ढांचे को अपडेट किया।

वित्तीय वर्ष 18 के दौरान बैंक को एक असाधारण स्थिति का सामना करना पड़ा और बैंक अपने कर्मचारियों के सच्चे धैर्य और दृढ संकल्प के साथ बाहर आने में सक्षम रहा। वित्तीय वर्ष 19 के परिणामों में स्पष्ट है कि बैंक ने अपनी खोई हुई वृद्धि की गति को पुनः प्राप्त करने के लिए कई संरचनात्मक परिवर्तन किए।

भावी दिशा

जिस वातावरण में हम काम करते हैं वह मैक्रो–इकोनोमिक अनिश्चितताओं, समग्र परिचालन स्थितियों और नियामक और तकनीकी परिवर्तनों के कारण तेजी से गतिशील हो गया है और कम अनुमानित है। वैश्विक विकास के मंद होने की उम्मीद की जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच लघु और मध्यम अवधि के वैश्विक विकास की संभावनाओं के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम है।

घरेलू मोर्चे पर, नीति में सुधार और निष्पादन न केवल जीडीपी वृद्धि की गति निर्धारित करेगा, बल्कि एफडीआई निजी निवेश की रूप–रेखा और पैमाने को भी प्रभावित करेगा।

नए प्रवेशकों, प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता अपेक्षाओं और प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में पिछले कुछ वर्षों में बैंकिंग परिदृश्य में बदलाव आया है और इस प्रवृत्ति के जारी रहने की संभावना है। तेजी से उभरते अवसरों के साथ कारोबार वृद्धि के लिए रणनीतियो के अनुरूप कार्य करना ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करना, शीघ्रता से नए तकनीकी रुझानों का सटीक अनुमान लगाना और नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग की क्षमता को बढ़ाने और आउटरीच को संस्थागत बनाने और परिचालन दक्षता को संस्थागत बनाने की सफलता की कुंजी होगी।

चुनौतियों का सामना करने में आपके बैंक की सफलता के बावजूद, बहुत कुछ किया जाना बाकी है और यह कई मोर्चों पर बैंक के व्यापक–आधार प्रदर्शन के लिए महत्त्वपूर्ण है। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अपनी सही स्थिति प्राप्त करने के लिए आपके बैंक के लिए एक सुदृढ बैलेंस शीट, मजबूत पूंजी आधार और गुणवत्ता राजस्व में वृद्धि महत्वपूर्ण है। बोर्ड और बैंक के नेतृत्वकर्ता बैंक की रणनीति को विकसित करने में लगे हुए हैं, जो सतत विकास के लिए सुदृढ पूंजी निर्माण को सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता ऋण वृद्धि, तर्कसंगत उच्च जोखिम एक्सपोज़र और बैंक की बैलेंस शीट को सही आकार देना सुनिश्चित करते हैं। आपका बैंक अपनी वित्तीय समावेशन संचालन में कारोबारी अवसरों के दोहन के लिए अपनी विशाल भौगोलिक उपस्थिति को एक लाभ के रूप में देखता है। आपका बैंक अत्याधुनिक डिजिटल जानकारों को रोजगार देना जारी रखेगा, ग्राहक क्षेत्रों में ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए आईटी क्षमताओं को बढ़ाएगा, अपने बाजार नेतृत्व को बनाए रखेगा और आंतरिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं को काफी मजबूत करेगा।

जन विकास और कौशल वृद्धि बैंक के लिए एक फोकस क्षेत्र बना रहेगा। हमारे समर्पित कर्मचारियों को सशक्त बनाना हमारी कारोबारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण संबल होगा और बेहतर परिणाम देने में मौलिक होगा। बैंक अपनी अनुपालन संस्कृति और जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं को और मजबूत करेगा। साइबर सुरक्षा जोखिमों से निपटने और सभी कर्मचारियों में जागरूकता विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया है। आपका बैंक सर्वश्रेष्ठ–इन–क्लास प्रौद्योगिकी को अपनाना सुनिश्चित करेगा, तेजी से डिजिटलाइजेशन सुनिश्चित करेगा और नवीन पहल को अंगीकार करेगा। बदलते समय के साथ आपके बैंक में बदलाव होना अनिवार्य है!

तेज गति के बदलावों और बहुत गंभीर चुनौतियों के बीच में, इस बात का आभार व्यक्त किया जाता है कि पिछले वित्तीय वर्ष में आपके बैंक का प्रदर्शन सही दिशा में आगे बढ़ा है। बोर्ड की ओर से, मैं इस अवसर पर सभी कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूं। बैंक कारोबारी उत्कृष्टता को प्राप्त करने, सभी चुनौतियों से उभरने, बढ़ते अवसरों को प्राप्त करने की अधिकतम क्षमता और बैंक को अपनी वास्तविक क्षमता प्राप्त करने की अपनी यात्रा जारी रखेगा।

निष्कर्ष के रूप में , मैं आपके बैंक में अटूट विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। मैं नियामकों को उनके निरंतर मार्गदर्शन और भारत सरकार को कठिन समय में उनके उदार सहयोग और पूंजी के समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं अपने माननीय बोर्ड के सहयोगियों, बैंक संचालकों और हमारे कर्मचारियों को उनके सहयोग और प्रतिबद्धता के लिए आभार देता हुँ और उनकी प्रशंसा भी करता हूं। हमारे 70000 कर्मचारियों का निरंतर उत्साह आपके बैंक को कई उपलब्धियों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाएगा, जैसा कि इनका गौरवमयी इतिहास रहा है। मेरा दृढ़ता से विश्वास है कि आपके बैंक का भविष्य बहुत उज्ज्वल है और आपके निरंतर सहयोग से बैंक उत्कृष्टता के मार्ग में प्रशस्त रहेगा।

धन्यवाद।

भवदीय,

हस्ता/–

(सुनील मेहता)

Apart from this, the Bank has also been able to bring about changes in risk management and compliance processes. Your Bank overhauled its Reputational Risk Management by introducing trigger events in Reputational Risk management Policy and is also updating its reputational Risk Assessment framework for more robust risk capturing.

The Bank faced an extraordinary condition during FY'18 and was able to come out with sheer grit and determination of your Bank employees. The Bank made various structural changes to regain the lost growth momentum as evident in the FY'19 results.

Way Forward

The environment in which we operate has become increasingly dynamic and less predictable because of macro-economic uncertainties, overall operating conditions and regulatory & technological changes. Global growth is expected to remain subdued. Escalation of trade disputes among the world's largest economies poses a significant risk for both short and medium-term global growth prospects.

On domestic front, policy reforms and execution will not only set the pace of GDP growth but also affect the scale and contours of private investments and FDI.

Banking landscape has undergone paradigm shift over the years in terms of new entrants, technology, consumer expectations and competition and this trend is likely to continue. The key to success would be to align strategies for business growth with fast emerging opportunities, meet customers evolving expectations, proactively anticipate new technological trends with ability to quickly imbibe new technologies, ramp up outreach and institutionalize operational efficiency.

Despite your Bank's success in navigating challenges, a lot remains to be done and it is important for the Bank to broad-base performance on multiple fronts. A robust balance sheet, strong capital base and growth in quality revenues is critical for your Bank to achieve its rightful position in the Indian banking sector. The Board and Bank's leadership are engaged in developing the Bank's strategy that ensures quality credit growth, rationalize high risk exposure and right-sizing the Bank's Balance Sheet to ensure strong capital formation for sustainable growth. Your Bank sees its vast geographical presence as an advantage to harness business opportunities in its Financial Inclusion drive. Your Bank will continue to employ cutting edge digital know-how, enhance IT capabilities to meet customer expectations across customer segments, sustain its market leadership and significantly strengthen internal systems and processes.

People development and skill enhancement will remain a focus area for the Bank. Empowering our dedicated employees will be a critical enabler of our business strategy and fundamental in delivering better results. The Bank will further strengthen its compliance culture and risk management processes. There is a special emphasis on dealing with cyber-security risks and developing awareness amongst all employees. Your Bank will ensure adoption of best-in-class technology, ensure rapid digitalization and embrace innovation. It is imperative for your Bank to change with changing times!

Amidst the back drop of fast paced changes and very severe challenges, it is gratifying that the performance of your Bank in the last financial year has moved in the right direction. On behalf of the Board, I take this opportunity to thank all employees for their outstanding efforts. The Bank will continue in its journey to drive for business excellence, overcome all challenges, maximize potential to capitalize on growing opportunities to achieve its true potential.

To conclude, I would like to thank you for your unwavering confidence in the Bank. I thank the Regulators for their continued guidance and the Government of India for their unstinted support and capital in a difficult period. I also extend my gratitude and appreciation to my esteemed Board colleagues, the Bank leadership and our employees for their support and commitment. The continued passion of our 70000 employees will enable your Bank to continue its march towards achieving many new milestones, as it has in its glorious past. I strongly believe that your Bank's future is very bright and with your continued support, the best is yet to come.

Thank you.

Your sincerely,

(SUNIL MEHTA)

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ की डेस्क से
From the Managing Director & CEO's Desk

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस वर्ष आपका बैंक राष्ट्र के लिए अपनी 125 वर्षों की सेवा पूर्ण करने का जश्न मना रहा है और मैं इस अवसर पर आप सभी को बधाई देता हूं।

पंजाब नैशनल बैंक के लिए, वित्त वर्ष 2018–19 काफी महत्वपूर्ण वर्ष रहा। पिछले वर्ष की अभूतपूर्व चुनौतियों ने वसूली, पूंजी संरक्षण, सम्मिलित संरचनात्मक परिवर्तन करने, सिस्टम एवं नियंत्रणों को मजबूत बनाने और व्यवसाय की रणनीति को पुनर्जीवित करने के क्षेत्र में बैंक द्वारा असाधारण प्रयास किए गए। व्यवसाय परिचालनों एवं विकास में इन सभी का कम से कम व्यवधान सुनिश्चित किया गया था।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, बैंक ने वित्तीय वर्ष'19 के दौरान बैंक ने न केवल प्रदर्शन किया एवं किफायती लागत प्रदान की, बल्कि नए मील के पत्थर स्थापित करते हुए अपनी विकास यात्रा में वापस आया है। आपके बैंक ने 31 मार्च'19 तक रुपये 11.45 लाख करोड़ तक पहुंचने के लिए घरेलू व्यवसाय में रुपये 1 लाख करोड़ से अधिक की राशि संकलित की है। बैंक का परिचालन लाभ वर्ष–दर–वर्ष 26.2% से बढ़कर रुपये 12995 करोड़ हो गया। ये परिणाम पिछले वर्ष की शुरुआत में सामने आई एक घटना की गंभीरता तथा समय को देखते हुए सराहनीय हैं। **मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बैंक के प्रदर्शन को विभिन्न प्रतिष्ठित प्लेटफार्मों पर मान्यता दी गई है।** इन सम्मानों में सबसे उल्लेखनीय यह था कि हमारे बैंक को सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंक' के रूप में घोषित किया जाना और इसे **"ईज रिफॉर्मस एक्सीलेंसी अवार्ड"** पुरस्कार से सम्मानित किया जाना। ये सभी कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों और सभी हितधारकों के उदार समर्थन के कारण प्राप्त हुए हैं।

विश्व बैंक के अनुमानो के अनुसार 2019 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 2.6% की धीमी वृद्धि दर्ज की। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश में मंदी आई और व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है। इन चुनौतियों के बीच, भारत की संभावनाएं कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ उज्ज्वल बनी रहीं, जिन्होंने देश की स्थिति को दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में बनाए रखा। हालांकि, नवीनतम अनुमानों के अनुसार, वित्तीय वर्ष'19 में जीडीपी, वित्तीय वर्ष'18 के 7.2% से घटकर 6.8% रह गई है। हालांकि वैश्विक वृद्धि के प्रभाव से निर्यात प्रभावित हो सकता है, लेकिन निजी खपत से ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक खर्च तथा घरों की सुलभ आय में वृद्धि होने की उम्मीद है।

बैंकिंग क्षेत्र ने वर्ष 2019 में एक नई सुबह देखी। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (IBC) फ्रेमवर्क और आरबीआई के दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान मानक के तहत संदर्भित बड़ी मात्रा के एनपीए का समाधान गेम चेंजर रहे हैं। अनर्जक आस्तियों (NPA) का गठन पूरे क्षेत्र में काफी धीमा हो गया और अनर्जक आस्तियों से वसूली कम होना शुरू हो गया। बैंकिंग सेक्टर की लाभप्रदता में सुधार हुआ और कई बैंकों को प्रॉम्प्ट करेक्टिव एक्शन से बाहर लाया गया। इसके अलावा, क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSBs) के लिए सरकार की मेगा पुनर्पूंजीकरण योजना और उनके समेकन को एकीकरण करने की दिशा में हाल ही में कदम उठाए गए।

Dear Shareholders,

I have immense pleasure in presenting the Annual Report of your Bank for the FY 2018-19. This year your Bank is celebrating its 125 years of service to the nation and I take this opportunity to congratulate each one of you.

For Punjab National Bank, the FY 2018-19 turned out to be quite an eventful year. The unprecedented challenges of the previous year called for extraordinary efforts on the part of the Bank in the areas of recovery, capital conservation, incorporating structural changes, strengthening systems and controls and revamping the business strategy. All these were ensured with least disruption in business operations and growth.

As a result of these efforts, Bank not only delivered performance and cost efficiencies during FY 19, but is back into its journey of growth, setting new milestones. Your Bank has added more than Rs. 1 lakh crore to the Domestic Business to reach Rs. 11.45 Lakh crore as at 31st March'19. Bank's Operating Profit increased by 26.2% YOY to Rs. 12995 crore. These results are commendable given the severity and timings of the one-off incident that came to light early last year. **I am happy to inform that Bank's performance has been recognized at diverse prestigious platforms.** The most notable amongst these felicitations were your Bank being adjudged as the 'Best Performing Bank' amongst all Public Sector Banks (PSB) and conferred with **"EASE Reforms Excellency'** Award. All these have been achievable due to the dedicated efforts of all employees and the unstinted support of all stakeholders.

The global economy registered tepid growth slowing down to 2.6% in 2019 as per World Bank projections. International trade and investment moderated and trade tensions remained elevated. Amidst these challenges, the prospects of India remained bright with many international organizations retaining the country's position as one of the fastest growing economy in the world. However, as per latest estimates, GDP in FY'19 has slowed down to 6.8% from 7.2% in FY'18. Though exports might be impacted by moderation of global growth, private consumption is expected to get an impetus from public spending in rural areas and an increase in disposable incomes of households.

The Banking sector saw a new dawn in the year 2019. Resolution of a number of large-ticket NPAs referred under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) framework and RBI's stressed assets resolution norms have been the game changers. The Non Performing Assets (NPA) formation slowed down significantly across the sectors and recoveries from NPAs has started streaming in. The profitability of the banking sector improved and many Banks were brought out of the Prompt Corrective Action. Further, the Government's mega recapitalization plan for PSBs and the recent step towards their consolidation stacks up in favour of strengthening

बेसल III विनियमन के तहत पूंजी संरक्षण बफर की अंतिम श्रृंखला के कार्यान्वयन के लिए समय सीमा बढ़ाने के आरबीआई के फैसले से बैंकिंग क्षेत्र को और राहत मिलेगी। ये सभी विकास बैंकिंग प्रणाली के लिए अच्छी शुरुआत है जो अपनी खोई हुई गति को पुनः प्राप्त करने के लिए संघर्षरत है। इसके अलावा, बैंक ऋण वृद्धि में पुनर्जीवन यह दर्शाता है कि बैंकों की स्थिति में समग्र सुधार होने वाला है।

मैं वित्तीय वर्ष'19 के दौरान आपके बैंक के कुछ प्रमुख प्रदर्शन पर प्रकाश डालना चाहूँगा

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, 31 मार्च'19 तक बैंक ने 11.1% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 11.45 लाख करोड़ रुपये के आंकडे तक पहुँचने के लिए घरेलू कारोबार में 1 लाख करोड़ से अधिक की वृद्धि की है, जो बैंक पर हमारे ग्राहकों के सम्पूर्ण विश्वास को दर्शाता है। विदेशी व्यापार को पुनर्गठित करने के लिए बैंक के रणनीतिक निर्णय के परिणामस्वरूप, बैंक ने वैश्विक व्यापार में 6.2% की वर्ष–दर–वर्ष वृद्धि दर्ज की, जो 11.82 लाख करोड़ रुपये है। ऋण के हिस्से में, सकल घरेलू अग्रिम 14.1% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ रु. 4.91 लाख करोड़ पहुँच गया है। पूंजी संरक्षण के प्रति बैंक के दृष्टिकोण एवं कम जोखिम और श्रेष्ठ निर्धारित ग्राहकों की ओर ध्यान केंद्रित करने के साथ विकास प्राप्त किया गया था। खुदरा ऋण 21.7% से बढ़कर रु. 92,727 करोड़ हो गया। कृषि ऋण वर्ष–दर–वर्ष 17.8% से बढ़कर रु. 81500 करोड़ हो गया है।

जमा राशि पर, आपके बैंक की निधिकरण रुपरेखा रु. 6.54 लाख करोड़ तक पहुंचने में घरेलू जमाओं में वर्ष दर वर्ष 9.0% की वृद्धि के साथ मजबूत होती रही। कम लागत जमा पर निरंतर ध्यान देने से, बैंक कासा जमाओं में रु. 2.85 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है जिसमें दिनांक 31.03.2019 के अनुसार वर्ष दर वर्ष के आधार पर 8.3% की वृद्धि हुई। घरेलू जमाओं में बैंक का घरेलू कासा हिस्सा 43.51% पर मजबूत बना रहा।

लाभप्रदता के दृष्टिकोण से, बैंक के परिचालन लाभ ने वित्तीय वर्ष'19 में रु. 12995 करोड़ तक पहुंचने के लिए 26% की मजबूत वर्ष दर वर्ष की वृद्धि दर्ज की। कोष परिचालन से प्राप्त लाभ को छोड़कर मूल परिचालन लाभ में 69% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि हुई। एनपीए के लिए रु. 24,435 करोड़ के प्रावधान के कारण बैंक को वित्त वर्ष'19 में रु. 9975 करोड़ का नुकसान हुआ है। एनपीए के पुराने होते जाने और एनसीएलटी के तहत बड़े खातों के समाधान नहीं होने के कारण अतिरिक्त प्रावधान किया गया था। प्रमुख वित्तीय अनुपात के संदर्भ में, बैंक का घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन वित्तीय वर्ष'19 के दौरान 2.59% था जबकि जमा की लागत 5.24% थी।

आस्ति गुणवत्ता एवं पूंजी पर्याप्तता

बैंक के लिए आस्ति गुणवत्ता सबसे बड़ी चुनौती रही है क्योंकि एनपीए के उच्च स्तर का पूंजी और लाभप्रदता पर गहरा असर पड़ता है। बैंक परिसंपत्ति गुणवत्ता के मामले में चालू वित्त वर्ष में महत्वपूर्ण कार्यप्रणाली–सुधार प्राप्त करने में सक्षम रहा। आपका बैंक एक अलग दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल (एसएएमवी) के गठन पर सरकारी निर्देशों को अपनाने और लागू करने वाले पहले पीएसबी में से एक था। SAMVs को स्ट्रेस्ड एसेट्स के प्रभावी निगरानी, वसूली और संकल्पों के लिए मजबूत किया गया है। स्लिपेज को नियंत्रित करने और वसूली को बढ़ाने के लिए, एनपीए की वसूली पर ध्यान केंद्रित करने और एसएमए खातों की निगरानी के लिए दो अलग–अलग वॉर रूम के साथ स्ट्रेस्ड एसेट्स टारगेटेड रेजोल्यूशन एक्ट्स (SASTRA) प्रभाग का गठन किया गया था।

केंद्रित प्रयासों के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष'18 के दौरान रु. 9666 करोड़ की वसूली के मुकाबले वित्तीय वर्ष'19 के दौरान सकल एनपीए में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली हुई। संपत्ति की गुणवत्ता के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ, बैंक ने पिछली चार तिमाहियों में एनपीए को लगातार कम किया है। जीएनपीए का अनुपात मार्च'18 में 18.38% से घटकर मार्च'19 में 15.50% हो गया। एनएनपीए का अनुपात मार्च'18 में 11.24% के विरुद्ध मार्च'19 में 6.56% तक गिर गया। प्रावधान कवरेज अनुपात मार्च' 18 के 58.42% से बढ़कर मार्च'19 में 74.50% हो गया है।

चौथी तिमाही वित्तीय वर्ष'18 में किए गए हानि प्रावधानों के आलोक में पूँजी की पर्याप्तता की स्थिति जाँच परीक्षण के माध्यम से की गई है। पूंजी को बढ़ाने और संरक्षित करने के लिए, बैंक ने आरडब्ल्यूए के अनुकूलन, उच्च श्रेणी के उधारकर्ताओं के प्रति व्यवसाय मॉडल की पुनर्संरचना कर, संवर्धित वसूली की दिशा में प्रयास कर, स्लीपेज में कमी कर, गैर–संपत्तियों की बिक्री और परिचालन के समीकरण के माध्यम से पूंजी संरक्षण की एक बहुस्तरीय रणनीति का इस्तेमाल किया। पुनर्गठन के रूप में, बैंक ने शाखाओं को बंद/विलय कर दिया गया और अलाभकारी एटीएम को बंद

the sector. The decision of the RBI extending the timelines for implementation of the last tranche of capital conservation buffer under the Basel III regulation will provide further respite to the banking sector. These developments augur well for the banking system that is struggling to regain its lost momentum. Besides, a revival in bank credit growth suggests that an overall improvement in the health of banks is on the cards.

I would like to share with you some of key performance highlights of your Bank during the FY'19

Despite the challenging circumstances, Bank has added more than Rs 1 lakh crore to the domestic business to reach the figure of Rs 11.45 lakh crore as at 31st March'19 with a YOY growth of 11.1% , reflecting the unstinted faith of our customers in the Bank. As a result of Bank's strategic decision to rationalize the overseas business, Bank registered a YOY growth of 6.2% in Global Business to Rs 11.82 lakh crore. On the credit side, the Gross Domestic Advances grew by 14.1% YoY to reach Rs. 4.91 lakh crore. The growth was achieved in sync with the Bank's approach towards capital conservation and focus towards low risk and better rated customers. Retail credit grew by 21.7% to Rs 92,727crore. Agriculture credit has grown YOY by 17.8% to Rs 81500 crore.

On the deposits side, the funding profile of your Bank continued to strengthen with the Domestic Deposits growing by 9.0% YoY to reach Rs. 6.54 lakh crore. With continuous focus on low cost deposits, the Bank has reached the level of Rs. 2.85 lakh crore in CASA deposits which grew by 8.3% on YOY basis as on 31.03.2019. Bank's Domestic CASA share remained robust at 43.51% of domestic deposits.

On the profitability front, Bank's Operating Profit recorded a robust YOY growth of 26% to reach Rs. 12995 crore in FY'19. The Core Operating Profit excluding gains from treasury operation grew YOY by 69%. Bank has incurred a Loss of Rs. 9975 crore in FY'19 with provision towards NPAs at Rs. 24,435 crore. In terms of key financial ratios, while Bank's Domestic Net Interest Margin was at 2.59% during FY'19, Cost of Deposits was at 5.24%.

Asset Quality and Capital Adequacy

Asset Quality has been the biggest challenge for the Bank as high level of NPAs has profound impact on Capital and Profitability. Bank was able to achieve significant course-correction in the current financial year in terms of asset quality. Your Bank was one of the first PSBs to adopt and implement government directives on formation of a Separate Stressed Asset Management Vertical (SAMV). SAMVs have been strengthened for Effective Monitoring, Recovery and Resolutions of Stressed Assets. To control slippages and increase recovery, Stressed Assets Targeted Resolution Actions (SASTRA) Division was formed with two separate war rooms for focusing on recovery of NPA and monitoring SMA accounts.

The focused efforts have resulted in Gross NPA Recovery of more than Rs. 20,000 crore in FY'19 as against a Recovery of Rs. 9666 crore during FY'18. With topmost priority accorded to asset quality, the Bank has consistently reduced the NPAs over last four quarters. GNPA ratio declined to 15.50 % in Mar'19 from 18.38% in Mar' 18. NNPA ratio declined to 6.56% in Mar'19 over 11.24% in Mar'18. Provision Coverage Ratio has improved to 74.50 % in Mar'19 from 58.42% in Mar'18.

The capital adequacy position went through a testing time in the light of loss provisions made in Q4 FY'18. To enhance and conserve the Capital, Bank used a multi pronged strategy of Capital Conservation through Optimization of RWAs, reorientation of the business model towards high rated borrowers, efforts towards enhanced recovery, reduction in slippages, sale of noncore assets and rationalization of operations. As part of rationalization, the Bank closed/merged branches and dispensed with unviable ATMs. Bank has also

किया गया। बैंक ने अपने घरेलू ऋण जोखिम–भारित आस्ति (आरडब्ल्यूए) में गिरावट के संकेत के रूप में वर्ष के दौरान रु. 24782 करोड़ रुपये की सकल घरेलू ऋण जोखिम में रु. 51788 करोड़ की वृद्धि के साथ एक्सपोजर की अपनी गुणवत्ता में सुधार किया है।

बैंक के प्रति स्वामित्व और अपनेपन की भावना पैदा करने के लिए, कर्मचारी शेयर खरीद योजना (ESPS) को लागू किया गया था और मुझे आपके साथ यह साझा करने में खुशी हो रही है कि हम इस योजना के अंतर्गत 90% सदस्यता प्राप्त करने में सक्षम थे। पुनर्पूंजीकरण योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा पूंजीगत संचार ने सीआरएआर को और मजबूत किया। मार्च 19 में बैंक का सीआरएआर 9.73% रहा जो टीयर I के अनुपात 7.49% और टीयर II के अनुपात 2.24% तैयार करता है।

डिजिटल परिवर्तन

बैंक ने सभी स्तरों पर और ग्राहकों के सभी वर्गों के बीच डिजिटलीकरण को शामिल किया है। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, बैंक ने पिछले वर्ष नए **कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (CBS) सॉफ्टवेयर V-10** को सफलतापूर्वक अपग्रेड किया। बेहतर ग्राहक सेवा, ग्राहक–केंद्रित उत्पादों को विकसित करने और क्रॉस/अप–सेलिंग के अवसरों को अधिकतम करने के लिए डेटा के प्रयोग पर फोकस करने के लिए एंटरप्राइज–वाइड डेटा वेयरहाउस पर आधारित एक **इन–हाउस बिग डेटा एनालिटिक्स सेंटर** स्थापित किया गया था।

बेहतर ग्राहक अनुभव और सरलीकृत बैंकिंग प्रदान करने हेतु, बैंक ने अपने सभी मोबाइल ऐप को एक ऐप **"पीएनबी वन"** के रूप में एकीकृत कर दिया। यह ऐप एक ही मंच के माध्यम से कई सुविधाएं प्रदान करते हुए बैंक का डिजिटल स्वरुप प्रस्तुत करता है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने पीएनबी ग्राहकों को आकर्षक डील प्रदान करने के लिए सबसे बड़े ई–कॉमर्स प्लेयर **"अमेजॉन"** के साथ भी करार किया है।

बैंक ने पिछले वर्ष **"डिजीहट"** ब्रांड नाम से डिजिटल शाखा खोली जो **"डू इट योरसेल्फ"** की अवधारणा को बढ़ावा देती है। वित्तीय वर्ष'19 में, 4 और डिजीहट खोले गए।

प्रयागराज में सबसे बडे धार्मिक समागम, **कुंभ मेला 2019 में बैंक को डिजिटल भागीदार** के रूप में चुना गया, जहां बैंक ने अपने पेटेंट उत्पाद, डिजिटल भुगतान के लिए ई रूपया, गतिशील एटीएम और तीर्थयात्रियों को कैश डिपॉजिट मशीनों की सेवाएं प्रदान कीं।

नए कार्ड एनसीएमसी (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) डेबिट कार्ड के रूप में लॉन्च किए गए हैं, जो भारत में सभी भुगतान प्रणालियों (ट्रांजिट ऑपरेटरों, खुदरा, ई–कॉम, आदि) में एक ही कार्ड के प्रयोग के लिए ग्राहकों को सक्षम बनाने हेतु ऑफलाइन वॉलेट सुविधा से लैस हैं। इन प्रयासों के कारण, डिजिटल लेनदेन में वर्ष–दर–वर्ष 100% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है और बैंक ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य का लगभग 120% फरवरी में ही प्राप्त कर लिया है।

मिशन परिवर्तनः निरंतर सुधार

बैंक को "भविष्य हेतु तत्पर बैंक" में बदलने के लिए 2017 में एक इन–हाउस परिवर्तनकारी प्रयोग, "मिशन परिवर्तन" शुरू किया गया था। यह प्रयोग एक सतत प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य बैंक में तीन पी(P) अर्थात पीपल, प्रोसेस और प्रोडक्ट्स (PPP) के माध्यम से संरचनात्मक परिवर्तनों को लागू करना है। इसे प्राप्त करने के लिए निरंतर एक स्वतंत्र "थिंक टैंक" प्रभाग, दिशात्मक और नीतिगत सुझाव प्रदान करता रहा है। सभी वर्गों के कर्मचारियों द्वारा दिए गए सुझावों के माध्यम से उनके विचारों का प्रयोग करने के लिए एक विचार पोर्टल "लीड द परिवर्तन" बनाया गया था।

स्विफ्ट कोर बैंकिंग सॉल्यूशन के साथ एकीकृत किया गया जिसके अंतर्गत सभी बाह्य भुगतान स्विफ्ट संदेश अब सीबीएस के माध्यम से स्वचालित रूप से उत्पन्न होते हैं।

ऋण उत्पत्ति, मूल्यांकन, उत्तरदायित्व और प्रसंस्करण सहित ऋण प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने के लिए, बैंक ने **18 केंद्रीयकृत ऋण प्रसंस्करण केंद्र (सीएलपीसी)** स्थापित किए हैं और पूरे भारत में अधिक सीएलपीसी खोलने की योजना है। सीएलपीसी में ऋण की गुणवत्ता और टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) में सुधार के लिए विशेषज्ञ कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। सीएलपीसी ने अनुमोदन के पहले और बाद के उत्तरदायित्वों, गुणात्मक क्रेडिट मूल्यांकन और कुशल निगरानी को पृथक करके मजबूत आंतरिक प्रणालियों, प्रक्रियाओं और कुशल निगरानी को सुनिश्चित किया है।

improved its quality of exposures as indicated by a decline in domestic credit risk-weighted assets (RWA) by Rs 24782 crore during the year despite increase in gross domestic credit exposure by Rs. 51788 crore.

To instill a sense of ownership and belongingness towards the Bank, the Employee Share Purchase Scheme (ESPS) was implemented and I am happy to share with you that we were able to achieve 90% subscription under the scheme. The capital infusion by the Government under the Recapitalization plan further strengthened the CRAR. The Bank's CRAR stood at 9.73% in Mar' 19 which constitutes Tier I ratio of 7.49% and Tier II ratio of 2.24%.

Digital Transformation

Bank has incorporated digitization at all levels and across all sections of customers. Taking the initiatives forward, the Bank successfully upgraded to new **Core Banking Solution (CBS) software v.10** last year. An **in-house Big Data Analytics Centre** was set up based on enterprise-wide data warehouse to focus on using data for better customer care, develop customer-centric products and maximize opportunities for cross/up-selling.

To provide superior customer experience and simplified banking, Bank has unified all its Mobile Apps under one App **"PNB ONE"**. The App acts as the digital face of the Bank facilitating multiple features through a single platform. Besides, Bank has also tied up with one of the biggest e-commerce player **"Amazon"** for providing lucrative deals to the PNB customers.

Bank last year opened Digital branch under the brand name of **"DigiHut"** promoting the concept **"Do it Yourself"**. In FY'19, 4 more DigiHut were opened.

Bank was selected as the **Digital partner in Kumbh Mela 2019**, the biggest religious congregation at Prayagraj, wherein Bank provided services of its patented product, E Rupaya for digital payments, Mobile ATMs and Cash Deposit Machines to the pilgrims.

New cards have been launched in the form of NCMC (National Common mobility cards) Debit Cards which are equipped with offline wallet facility to enable the customers to one card in all payment systems (transit operators, Retail, E Comm, etc) across India. Owing to these efforts, digital transactions have recorded more than 100% YoY growth and Bank has achieved about 120% of the annual target set up by MeitY (Ministry of Electronics and Information Technology), in Feb'19 itself.

Mission PARIVARTAN: Continuous Improvement

The Bank had embarked on an in-house transformational exercise, "Mission Parivartan" in 2017 to transform the Bank into a "Future Ready Bank'. The exercise, which is an ongoing process, is aimed at implementing structural changes in the Bank through the three Ps i.e People, Processes and Products (PPP). To achieve this, an independent "Think Tank" Division continued to provide directional and policy inputs. An Ideation Portal "Lead the Parivartan" was created for harnessing ideas of all employees across cadres through suggestions made by them.

Swift was integrated with Core Banking Solution whereby all outward payment SWIFT message are now automatically generated through CBS.

To strengthen the credit processes including credit origination, appraisal, underwriting and processing, Bank has set up **18 Centralized Loan Processing Centres (CLPCs)** and plans to open more CLPCs all over India. These CLPCs are manned with specialist workforce to improve credit quality and Turn Around Time (TAT). CLPCs have also ensured robust internal systems, processes and efficient monitoring through segregation of pre and post sanction responsibilities, qualitative credit assessment and efficient monitoring.

हमारे बैंक ने 36 प्रणालीबद्ध महत्वपूर्ण शाखाएं (SIB) **खोली है।** ऋण पुनर्गठन अभ्यास यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि 50 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमोदन सीमा वाले मानक ऋण खाते साथ–ही–साथ उनका ऋण परिचालन विशिष्ट कार्यबल वाली विशेष रूप से नामित शाखाओं में केंद्रित रहेगा। एसआईबी में मंजूरी–पूर्व एवं पश्चात की भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों को पृथक करते हुए ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में 3 स्तरीय संरचनाएं हैं।

ट्रेड फाइनेंस सेंटर (TFC) की स्थापना ए) बेहतर नियंत्रण के लिए एक स्थान पर विदेशी मुद्रा व्यापार को संभालने और केंद्रीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली बी) सभी विदेशी विनिमय लेनदेन को उचित जाँच के साथ संसाधित करने, सी) विदेशी मुद्रा व्यापार के संबंध में परिचालन और अनुपालन जोखिमों को कम करने और डी) प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा ट्रेड फाइनेंस गतिविधियों के संबंध में बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए की गयी थी। जिस समय नई दिल्ली में मौजूदा ट्रेड फाइनेंस सेंटर को मजबूत किया जा रहा था, तब चेन्नई में एक नए ट्रेड फाइनेंस सेंटर आरंभ किया गया।

लघु व्यवसाय ऋण

बैंक ने व्यापार के नए अवसरों को प्राप्त करना जारी रखा। टर्नअराउंड समय को कम करने के लिए, ऋण आवेदनों को ऑनलाइन सुव्यवस्थित किया गया। एमएसएमई क्षेत्र के लिए क्लस्टर आधारित ऋण प्रदान करने को अपनाया गया, एमएसएमई ग्राहकों के लिए विशेष एमएसएमई संबंध अधिकारियों को नामित किया गया और एमएसएमई के व्यापार प्राप्य की ऑनलाइन छूट के लिए ई–ट्रेड्स (E-TReDS) योजना का कुशलतापूर्वक उपयोग किया गया। बैंक ने ऑनलाइन पोर्टल psbloansin59minutes.com के माध्यम से एमएसएमई उधारकर्ताओं को संपर्क रहित ऋण प्रदान करने संबंधी मंच में भी निवेश किया है और बैंक इस पोर्टल के माध्यम से एमएसएमई ग्राहकों के लिए ऋणों के सर्वाधिक अनुमोदन में दूसरे स्थान पर है।

मानव संसाधन विकास

यह स्वीकार करते हुए कि लोगों का विकास संगठन के विकास की कुंजी है, कर्मचारियों के विकास के लिए दूरगामी उपाय किए गए हैं। प्रत्येक भूमिका में पर्याप्त श्रमशक्ति प्रदान करने के लिए और वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक के अबाधित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के भीतर पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया गया। सम्पूर्ण वर्ष में अंचल और मंडल में व्यापारिक प्रमुख के स्तर पर निरंतरता बनाए रखने के लिए स्केल I से लेकर स्केल VII तक की पूरी पदोन्नति प्रक्रिया एक ही बार में संपन्न की गयी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न मापदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को भारत और विदेशों में प्रशिक्षण के माध्यम से मान्यता दी गई है और पुरस्कृत किया गया है। बैंक ने ईज एजेंडा के अनुरूप अपनी डिजीटल प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली (PMS) भी लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली (APAR) को अधिक उद्देश्यपूर्ण, पारदर्शी और प्रणाली द्वारा संचालित बनाना है।

पुरस्कार और मान्यताएँ

मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि **बहुआयामी प्रदर्शनों को देखते हुए, बैंक को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और मान्यताएं प्राप्त हुई हैं। इसके अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में कुछ चुनिंदा संस्थाओं के बीच हमारे बैंक का चयन किया गया।**

सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच पीएनबी को संवर्धित पहुँच और उत्कृष्ट सेवा (ईज) के अंतर्गत **"सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला बैंक"** घोषित किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन को मापने के लिए इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के द्वारा ईज सुधार सारणी का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त, ईज के अंतर्गत **छः महत्वपूर्ण थीम में से चार** अर्थात ग्राहक प्रतिक्रिया (विजेता), उत्तरदायी बैंकिंग (विजेता), क्रेडिट ऑफ–टेक (विजेता) और वित्तीय समावेशन और डिजिटलाइजेशन में वृद्धि (रनर अप) में बैंक को प्रशंसा प्राप्त हुई है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि ग्राहकों की संतुष्टि रेटिंग के मामले में **"दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बैंकों 2019"** का आकलन करने के लिए फोर्ब्स के सर्वेक्षण में, पंजाब नैशनल बैंक को भारत में सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में दूसरे और 30 बैंकों (निजी और विदेशी बैंकों सहित) में 7 वां स्थान दिया गया।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, बैंक को त्वरित परिवर्तन की श्रेणी में **इंफोसिस फिनेकल क्लाइंट इनोवेशन अवार्ड्स, 2019 का विजेता** घोषित किया गया। बैंक को **"मोस्ट कस्टमर सेन्ट्रीक इनीसेटीव यूजींग टेक्नोलॉजी (रनरअप) बडे बैंकों**

Your Bank has opened 36 Systemically Important Branches (SIBs). This credit reorganization exercise was carried out to ensure that the standard borrowal accounts with sanction limit of more than Rs 50 crore as well as their lending operations are concentrated in a few specially designated branches with a specialized workforce. SIBs have 3 tier structures in credit appraisal process segregating Pre and Post sanction roles and responsibilities.

Trade Finance Center (TFC) were set up to a) handle Foreign Exchange business at one place for better control and Centralized MIS, b) processing all foreign exchange transaction with due checks, c) mitigate operational and compliance risks in respect of Forex Business and d) providing better customer service in respect of Trade finance activities by trained staff. While the existing TFC in New Delhi was strengthened, a new TFC was started at Chennai.

Small Business Lending

The Bank continued to capture new business opportunities. To reduce the turnaround time, the loan applications were streamlined online. For the MSME sector, cluster based lending was adopted, exclusive MSME Relationship officers were designated for MSME customers and E-TReDS scheme for on line discounting of trade receivable of MSMEs was used efficiently. Bank has also invested in the platform to provide contactless loan to MSME borrowers through the online portal psbloansin59minutes.com and has second highest in principle approvals of MSME customers through this portal.

Human Resources Development

Recognizing that people development is the key to organization development, far reaching measures have been taken for staff development. There was expeditious completion of promotion process within the fourth quarter of financial year itself, in order to provide adequate manpower in each role and to ensure unhindered Bank's operations during the Financial Year. The entire promotion process from Scale I up to Scale VII was concluded in one go thereby ensuring continuity at the Zonal and Circle Business Head levels for the entire year. Besides, outstanding performers in various parameters have been recognized and rewarded by way of trainings in India and abroad. The Bank has also launched its digitized Performance Management System (PMS) in line with the EASE Agenda, which aims to make the existing Performance Appraisal System (APAR) more objective, transparent & system driven.

Awards and Recognitions

I am proud to share with you that **in recognition of multi faceted performances, a number of prestigious awards and recognitions have been bestowed upon the Bank. In addition, your bank featured among select few entities in international rankings.**

The Bank has been adjudged **"Best Performing Bank"** among all Public Sector Bank under Enhanced Access and Service Excellence (EASE). EASE Reforms Index has been formulated by Indian Banks Association(IBA) to measure the performance of Public Sector Banks(PSBs). In addition your Bank has received **accolades in four out of six key themes** envisioned under EASE i.e Customer Responsiveness (Winner), Responsible Banking (Winner), Credit Off-take (Winner), and Deepening Financial Inclusion & Digitalization (Runner up).

I am happy to share that in the recent Forbes magazine survey for assessing **"The World's Best Banks 2019"** in terms of customer satisfaction ratings, your Bank has been ranked 2nd among all Public Sector Banks & 7th among 30 Banks (including Private and Foreign Banks) in India.

In the area of technology, the Bank was declared **winner of Infosys Finacle Client Innovation Awards, 2019** in the category of Accelerated Transformation. The Bank has also been bestowed with the **"IBA Banking Technology Award"** for **"Most Customer**

में" के लिए **"आईबीए बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड"** से भी सम्मानित किया गया है। बैंक को "स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड" भी मिला और रुपे, एनएफएस एटीएम नेटवर्क, सीटीएस, यूपीआई/आईएमपीएस और एनएसीएच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय भुगतान उत्कृष्टता पुरस्कार 2017 का विशेष पुरस्कार भी दिया गया। प्रयासों की सराहना करते हुए, एनएसडीएल, दिल्ली ने बैंक को "खाता वृद्धि दर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता" (टॉप डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट) और "नए खुले खातों में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता" (बैंक श्रेणी) घोषित किया।

हाल ही में, एशियामनी बैंकिंग पुरस्कार 2019 द्वारा आपके बैंक को **"कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए श्रेष्ठ बैंक"** के रूप में सम्मानित किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त, बैंक के समावेशी विकास के प्रयासों को पहचान देने के लिए उसे बिजनेस टुडे और केपीएमजी द्वारा **"वित्तीय समावेशन में सर्वश्रेष्ठ"** के रूप में सम्मानित किया गया है। साथ ही, यूआईडीएआई, भारत सरकार ने **आधार सृजन और अद्यतन के संदर्भ में** दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में मान्यता देकर **"आधार एक्सीलेंस अवार्ड"** से पुरस्कृत कर हमारे प्रयासों की सराहना की गई।

भावी योजना

अगले वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि को निवेश की निरंतर वसूली, मौद्रिक नीति के अधिक विस्तार के बीच सुदृढ़ उपभोग और राजकोषीय नीति से अपेक्षित प्रोत्साहन द्वारा समर्थन मिलने की उम्मीद है।

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के और मजबूत होने की उम्मीद है। एक वास्तविक मान्यता सकारात्मक कॉरपोरेट लाभ, नए दिवालियापन कानून के तहत एनपीए के त्वरित समाधान और नए ऋण विकास के साथ मिलकर बैंकों को धीरे-धीरे अशोध्य ऋण चक्र से उबरने में मदद करेगी।

पिछले वर्ष की एक घटना के कारण उच्च स्तर की दबावग्रस्त आस्तियों, पूंजी में कमी और बाधित लाभप्रदता सहित कई मोर्चों पर चिंताओं के साथ वित्तीय वर्ष'19 बैंक के लिए चुनौतीपूर्ण था। सभी अप्रत्याशित परिदृश्यों वाले पिछले 125 वर्षों के अनुभव के आधार पर, हमारा बैंक बाधाओं को कम करने और न्यूनतम संभावित समय में विकास पथ पर लौटने में सक्षम हो सका। इसने हमारे हितधारकों के विश्वास और मान्यता को बनाए रखा और मुझे विश्वास है कि अतीत में की गई पहल और किए जा रहे उपायों के कारण, तेजी से प्रगति के लिए व्यापार के विकास में वृद्धि तथा लाभप्रदता का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

चूंकि हम अगले वित्तीय वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं, बैंक हर टच-पॉइंट पर ग्राहक मूल्य श्रृंखला में डिजिटल उपस्थिति के साथ एक मजबूत बैंकिंग फ्रेंचाइजी के निर्माण की रणनीति को पूरा करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, बैंक की अंतर्निहित शक्ति भी इसे अधिक अवसरों की ओर ले जाएगी।

हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आपका बैंक अपने शेयरधारकों के मूल्य को बढ़ाने के लिए हमेशा अपने नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखने का प्रयास करेगा।

मैं बोर्ड के समस्त सदस्यों को सभी प्रयासों में उनके बहुमूल्य समर्थन तथा मार्गदर्शन को देखते हुए उनका आभार एवं धन्यवाद करना चाहूँगा। मैं अपने ग्राहकों और शेयरधारकों से प्राप्त विश्वास, समर्थन तथा निरंतर संरक्षण के प्रति अपनी प्रशंसा के लिए आभार व्यक्त करना चाहूँगा। मुझे विश्वास है कि आपके सहयोग से, बैंक अपनी मूल क्षमताओं का निर्माण करना जारी रखेगा और लगातार व्यवसाय एवं लाभदायक विकास प्रदान करेगा। मुझे विश्वास है कि "टीम पीएनबी" हमें **"भरोसे का प्रतीक"** बनाने वाले परिणाम हितधारकों को देती रहेगी और **देश का प्रमुख राष्ट्रीयकृत बैंक** बनाने की दिशा में और वृद्धि करेगी।

सादर,

सुनील मेहता

(सुनील मेहता)

Centric Initiatives Using Technology (Runnerup) among large Banks". The Bank also received "Skoch order of Merit Award" and was also given Special Award for excellent performance in Rupay, NFS ATM Network, CTS, UPI/ IMPS & NACH in National Payments Excellence Awards 2017. In appreciation of our efforts, NSDL, Delhi has adjudged the Bank as "Best Performer in Account growth rate (Top Depository Participant)" & "Top performer in New Accounts opened (Bank Category)".

Recently, your Bank was also recognized as "**Best Bank For Corporate Social Responsibility"** by the Asiamoney Banking Awards 2019. In addition to the above, in recognition of its inclusive growth efforts, the Bank has been recognized as **"Best in Financial Inclusion"** by Business Today and KPMG. Further, the UIDAI, Govt. of India has also acknowledged the efforts by awarding **"Aadhar Excellence Award"** as the 2nd Best Performing Public Sector Bank in terms of **Aadhar Generation and Update.**

Way Forward

The GDP growth in the next year is expected to be supported by the continued recovery of investment, robust consumption amid a more expansionary stance of monetary policy and expected impetus from fiscal policy.

The Indian banking sector is expected to strengthen further. A realistic recognition coupled with rebounding corporate profits, quicker resolution of NPAs under the new bankruptcy law and renewed credit growth will help banks to recover gradually from a protracted bad-debt cycle.

The FY'19 was challenging for the Bank with concerns on multiple fronts including high level of stressed assets, capital constraint and constrained profitability, due to a one-off incident last year. Backed by 125 years experience of passing through all unpredictable scenarios, your Bank was able to surmount the odds and return to growth path in a shortest possible time. This has vindicated trust and belief of our stakeholders and I am confident that with the initiatives taken in the past and the ongoing measures, the building blocks for faster progress and increase in business growth and profitability are in place.

As we embark towards the next financial year, the Bank is fully equipped to actualize the strategy of building a strong banking franchise with digital presence across the customer value chain at every touch-point. Besides, Bank's inherent strengths would also lead towards more opportunities.

We assure you that your Bank will always strive to maintain its leadership position in order to maximize its shareholders value.

I would like to acknowledge and thank all members of the Board for their valuable support and guidance in all the endeavours. I would also like to express my appreciation and gratitude for the trust, support and continuous patronage we have received from our customers and shareholders. We are confident that with your cooperation, Bank will continue to build on its core competencies and consistently deliver business and profitable growth. I am confident that 'Team PNB' will continue to deliver the kind of results for the stakeholders which makes us the **'Name you can Bank upon'** and will further add to the stature of the **Premier Nationalized Bank of the country.**

Yours sincerely,

(Sunil Mehta)

निदेशक मंडल | Board of Directors

सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक चेयरमैन
Sunil Mehta, Non Executive Chairman

सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
Sunil Mehta, MD & CEO

डॉ. राजेश कुमार यदुवंशी
कार्यपालक निदेशक
Dr. Rajesh Kumar Yaduvanshi
Executive Director

एल वी प्रभाकर
कार्यपालक निदेशक
L V Prabhakar
Executive Director

अज्ञेय कुमार आज़ाद
कार्यपालक निदेशक
Agyey Kumar Azad
Executive Director

रवि मित्तल
Ravi Mital

डॉ. रबी एन मिश्रा
Dr. Rabi N. Mishra

महेश बाबू गुप्ता
Mahesh Baboo Gupta

संजय वर्मा
Sanjay Verma

डॉ. आशा भंडारकर
Dr. Asha Bhandarker

Lala Lajpat Rai

प्रधान कार्यालय में उच्चाधिकारीगण I Top Executives at Head Office

बाएं से दाएं (बैठे) : श्री इंद्रजीत अरोड़ा, श्री विशेष कुमार श्रीवास्तव, श्री अनिल बंसल, श्री विमलेश कुमार, श्री विवेक झा, श्री अश्विनी कुमार वत्स, श्री धनेश्वर साहू, श्री सतीश के नागपाल (सीवीओ), श्री एल वी प्रभाकर (का.नि.), श्री सुनील मेहता (एमडी एवं सीईओ), डॉ.राजेश कुमार यदुवंशी (का.नि), श्री अज्ञेय कुमार आजाद (का.नि), श्री एल के मल्होत्रा, श्री नवीन कुमार, श्री पी.के. शर्मा, श्री पुनीत जैन, सुश्री आरती मट्टू, सुश्री रीता कौल, सुश्री विभा एरन।

Left to Right (Sitting) : Sh. Indrajeet Arora, Sh. Vishesh Kumar Srivastava, Sh. Anil Bansal, Sh.Vimlesh Kumar, Sh. Vivek Jha, Sh. Ashwini Kumar Vats, Sh. Dhaneswar Sahoo, Sh. Satish K Nagpal (CVO), Sh. L.V. Prabhakar (ED), Sh. Sunil Mehta (MD & CEO), Dr. Rajesh Kumar Yaduvanshi (ED), Sh. Agyey Kumar Azad (ED), Sh. L.K. Malhotra, Sh. Naveen Kumar, Sh. P.K. Sharma, Sh. Punit Jain, Ms. Arti Mattoo, Ms Reeta Kaul, Ms. Vibha Aren.

बाएं से दाएं (खड़े) : श्री डी.के. जैन, श्री दिनेश सक्सेना, श्री बिनोद कुमार, श्री नसीम अहमद, श्री डी चांद, श्री समीर बाजपेई, श्री शोमेंदु कुमार दाश, श्री चन्द्र खुराना, श्री.बी.एस.रैना, श्री सतीश कुमार चावला, श्री सुनील सोनी, श्री डी.के.पालीवाल, श्री राम कुमार, श्री राजेंद्र सिंह राठौड़, श्री राज कुमार चटर्जी, श्री बी.एस.मान, श्री बी.एन. मिश्रा, श्री पी.के. आनन्द, श्री वी.के.गोयल, श्री राजेश वर्मा, श्री प्रवीन कुमार जैन, श्री विनोद जोशी, श्री राजीव पुरी, श्री.राजीव खेड़ा, सुश्री सुचरिता द्विवेदी।

Left to Right (Standing) : Sh. D.K. Jain, Sh. Dinesh Saxena, Sh. Binod Kumar, Sh. Nasim Ahmed, Sh. D. Chand, Sh. Sameer Bajpai, Sh. Soumendu Kumar Dash, Sh. Chander Khurana, Sh. B.S. Raina, Sh. Satish Kumar Chawla, Sh. Sunil Soni, Sh. D.K. Paliwal, Sh. Ram Kumar, Sh. Rajendra Singh Rathore, Sh. Raj Kumar Chatterjee, Sh. B.S. Mann, Sh. B.N. Mishra, Sh. P.K. Anand, Sh. V.K. Goyal, Sh. Rajesh Verma, Sh. Praveen Kumar Jain, Sh. Vinod Joshi, Sh. Rajeev Puri, Sh. Rajeev Khera, Ms. Sucharita Dwivedi.

महाप्रबंधक-ओवरसीज़ I General Manager-Overseas

अंतनु दास
Antanu Das

विषय सूची

	पृष्ठ सं.
नोटिस	2-10
निदेशकों की रिपोर्ट	11-32
प्रबंधन संबंधी विचार-विमर्श एवं विश्लेषण	33-47
निगमित शासन पर लेखा परीक्षको का प्रमाण पत्र	48-49
निगमित शासन पर रिपोर्ट	51-95
सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट	96-102
निदेशको की गैर-अयोग्यता का प्रमाण पत्र	103-104
कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट	105-124
निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट	125-133
बेसल-III के अंतर्गत प्रकटीकरण	134-135
वित्तीय विवरण पत्र (एकल)	136
- तुलन-पत्र	137-138
- लाभ-हानि खाता	138-141
- अनुसूचियां	142-154
- प्रमुख लेखा विधि संबंधी नीतियां	155-167
- खातों पर टिप्पणियां	168-215
- नकदी प्रवाह विवरण-पत्र	216-219
- लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	220-226
समेकित वित्तीय विवरणियां	227
- तुलन-पत्र	228-229
- लाभ-हानि खाता	230-232
- अनुसूचियां	233-245
- प्रमुख लेखा विधि संबंधी नीतियां	246-260
- खातों पर टिप्पणियां	261-278
- नकदी प्रवाह विवरण-पत्र	279-282
- लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	283-289
प्रॉक्सी फार्म	290-293
उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पास	294

लेखा परीक्षक

एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
जी एस माथुर एंड कम्पनी
एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
एम के अग्रवाल एंड कम्पनी
ए जॉन मोरिस एंड कम्पनी

शेयर अंतरण एजेंट

बीटल फाईनेंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसिज (प्रा.) लि,
'बीटल हाउस', तृतीय तल,
99, मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे,
नई दिल्ली - 110062
टेली.नं. 011-29961281/82/83, फैक्स : 011-29961284
ईमेल: beetal@beetalfinancial.com

Contents

	Page No.
Notice	2-10
Directors' Report	11-32
Management Discussion and Analysis	33-47
Auditors' Certificate on Corporate Governance	48-49
Report on Corporate Governance	51-95
Secretarial Audit Report	96-102
Certificate of Non-Disqualification of Directors	103-104
Business Responsibility Report	105-124
Corporate Social Responsibility Report	125-133
Disclosure under Basel-III	134-135
Financial Statements (Solo)	136
- Balance Sheet	137-138
- Profit & Loss Account	139-141
- Schedules	142-154
- Significant Accounting Policies	155-167
- Notes to Accounts	168-215
- Cash Flow Statement	216-219
- Auditors' Report	220-226
Consolidated Financial Statements	227
- Balance Sheet	228-229
- Profit & Loss Account	230-232
- Schedules	233-245
- Significant Accounting Policies	246-260
- Notes to Accounts	261-278
- Cash Flow Statement	279-282
- Auditors' Report	283-289
Proxy Form	290-293
Attendance Slip cum Entry Pass	294

AUDITORS

M K P S & Associates
G S Mathur & Co.
H D S G & Associates.
M K Aggarwal & Co.
A John Moris & Co.

SHARE TRANSFER AGENT

Beetal Financial & Computer Services (P) Limited
'Beetal House', 3rd Floor
99, Madangir, Behind Local Shopping Centre
New Delhi 110062
Tel. No. 011-29961281/82/83, Fax: 011-29961284
e-mail: beetal@beetalfinancial.com

पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक !
punjab national bank
...the name you can BANK upon !

प्रधान कार्यालय: वित्त प्रभाग, शेयर विभाग, प्लॉट संख्या 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली - 110075
(ई-मेल: hosd@pnb.co.in)

सूचना

एतद्‌वारा सूचित किया जाता है कि पंजाब नैशनल बैंक (शेयर और बैठके) विनियमन 2000 के विनियम 56 के अनुसार पंजाब नैशनल बैंक के शेयरधारकों की 18वीं वार्षिक आम बैठक शुक्रवार, 12 जुलाई, 2019 को प्रात: 10.00 बजे मल्टीपर्पज हॉल,पंजाब नैशनल बैंक, प्रधान कार्यालय, प्लॉट संख्या 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 में आयोजित होगी जिसमें निम्नलिखित विषय पर विचार-विमर्श किया जायेगा :-

1. 31 मार्च 2019 तक के बैंक की लेखापरीक्षित बैलेंस शीट पर, 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लाभ और हानि खातों पर, वित्तीय विवरणों पर लेखा और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट द्वारा अंतर्निहित अवधि के लिए बैंक के कामकाज और गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट पर विचार करना और उसे अपनाना।

   निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर संशोधन सहित या संशोधन के बिना संकल्प के रुप में पारित करना:

   संकल्प:

   ''**संकल्प किया जाता है** कि 31 मार्च 2019 तक के बैंक की लेखापरीक्षित बैलेंस शीट, 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लाभ और हानि खाते, वित्तीय विवरणों पर लेखा और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट द्वारा अंतर्निहित अवधि के लिए बैंक के कामकाज और गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट को एतद्‌वारा अनुमोदित, अपनाया एवं पारित किया जाता है।''

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते **पंजाब नैशनल बैंक**

(पी.के.शर्मा)
मुख्य वित्तीय अधिकारी

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28.05.2019

पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक !
punjab national bank
...the name you can BANK upon !

Head Office: Finance Division, Share Department, Plot No. 4, Sector 10, Dwarka, New Delhi – 110 075
(Email – hosd@pnb.co.in)

NOTICE

NOTICE IS HEREBY GIVEN that pursuant to regulation 56 of Punjab National Bank (Shares & Meetings) Regulations, 2000, 18th Annual General Meeting of the Shareholders of Punjab National Bank will be held on **Friday, the 12th July, 2019, at 10.00 A.M.** at Multipurpose Hall, Head Office, Plot No.4, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075 to transact the following business:

1. To consider and adopt the Audited Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2019, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2019, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditor's Report on the Financial Statements.

   To consider and if thought fit, pass with or without modification, the following Resolution:

   RESOLUTION:

   "RESOLVED THAT the Audited Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2019, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2019, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts are hereby adopted, approved and passed."

By order of the Board of Directors
For Punjab National Bank

(P K Sharma)
Chief Financial Officer

Place: New Delhi
Date: 28.05.2019

टिप्पणियाँ:

1. **प्रॉक्सी की नियुक्ति**

बैठक में उपस्थित होने और वोट देने के पात्र शेयरधारक अपने बदले किसी प्रॉक्सी को बैठक में उपस्थित होने और वोट देने के लिए नियुक्त करने का भी पात्र है तथा उस प्रॉक्सी के लिए बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है। इस तरह से नियुक्त प्रॉक्सी को बैठक में बोलने का कोई अधिकार नहीं होगा। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बैंक का कर्मचारी या अधिकारी है, प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता। ग्रांटर जिसने प्रॉक्सी को नियुक्त किया है वह बैठक में वोट नहीं दे सकता है। प्रॉक्सी फार्म प्राधिकृत प्रतिनिधि पत्र प्रभावी करने के लिए उसे वित्त प्रभाग, शेयर विभाग, प्रधान कार्यालय, ईस्ट विंग प्रथम तल,प्लॉट संख्या 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली-110075 में बैठक की तिथि से कम से कम चार दिन पहले अर्थात शनिवार, 06.07.2019.की समाप्ति अर्थात सांय 5.00 बजे से पहले अवश्य जमा करा दी जाए।

2. **प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति:**

कोई भी ऐसा व्यक्ति, किसी निगमित निकाय के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में, तब तक बैठक में उपस्थित होने या मत देने का पात्र नहीं होगा, जब तक उस बैठक, जिसमें यह संकल्प पारित किया गया है, के अध्यक्ष द्वारा विधिवत् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उसे नियुक्त करने वाले संकल्प की सत्यप्रति को प्रमाणित करें। उक्त सत्यप्रति को वित्त प्रभाग, शेयर विभाग, प्रधान कार्यालय, ईस्ट विंग,प्रथम तल,प्लॉट संख्या 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली-110075 में, बैठक की तिथि से कम से कम चार दिन पहले अर्थात शनिवार, 06.07.2019. की समाप्ति सांय 5.00 बजे से पहले अवश्य जमा करा दी जाए। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बैंक का कर्मचारी या अधिकारी है, प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता।

3. **उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पास:**

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पास इस नोटिस के साथ संलग्न है। शेयरधारकों/प्रॉक्सीधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पास में उचित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें व बैठक स्थल पर इसे सुपुर्द करें।

4. **शेयरधारकों की बही बंद रहना**

शेयरधारकों की बही और बैंक के शेयर ट्रांसफर बुक्स सोमवार, 08 जुलाई 2019 से शुक्रवार, 12 जुलाई 2019 (दोनों दिन सम्मिलित) तक बंद रहेंगे।

5. **लाभांश की प्राप्ति न होना**

शेयरधारकों को यह भी सूचित किया जाता है कि यदि कोई लाभांश राशि देय तिथी से 7 वर्षों तक अदत्त/अदावी रहते हैं तो उक्त अदत्त/अदावी राशि को केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में अंतरित करना होगा। इसलिए, वित्तीय वर्ष 2010-11 के लाभांश खाते में अदत्त/अदावी राशि आईईपीएफ को अंतरित कर दी गई है। जिन शेयरधारकों ने वर्ष 2011-12 के लिए लाभांश (ओं) प्राप्त/दावा नहीं किया है, उनसे राशि का दावा करने के लिए अपना नवीनतम पता, मोबाइल/टेलीफोन नंबर, फोलियो नंबर/डीपी- आईडी और क्लाइंट आईडी और बैंक विवरण

NOTES:

1. **APPOINTMENT OF PROXY**

A shareholder entitled to attend and vote at the meeting, is entitled to appoint a proxy to attend and vote instead of himself/herself and such a proxy need not be a shareholder of the Bank. The proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting. No person shall be appointed as a Proxy who is an officer or an employee of the Bank. The grantor of an instrument of proxy shall not be entitled to vote in person at the meeting. The proxy in order to be effective, must be received by the Bank at the Finance Division, Share Department, Head Office, East Wing, First Floor, Plot No.4, Sector 10, Dwarka, New Delhi 110075 not less than four days before the date of the meeting i.e. on or before the closing hours i.e. 5.00 p.m. on Saturday, the 06.07.2019.

2. **APPOINTMENT OF AN AUTHORISED REPRESENTATIVE**

No person shall be entitled to attend or vote at any meeting as duly authorized representative of a body corporate, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorized representative, certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed, shall have been deposited at the Finance Division, Share Department, East Wing, First Floor, Plot No.4, Sector 10, Dwarka, New Delhi 110075, not less than four days before the date of the meeting i.e. on or before the closing hours i.e. 5.00 p.m. on Saturday, the 06.07.2019. No person shall be appointed as an authorized representative, who is an officer or an employee of the Bank.

3. **ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS**

For the convenience of the shareholders, Attendance Slip-cum-Entry Pass is annexed to this Notice. Shareholders/ Proxy holders/Authorized Representatives are requested to affix their signatures at the space provided on the enclosed Attendance Slip-cum-Entry Pass and surrender the same at the AGM venue.

4. **CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS**

The Register of Shareholders and Share Transfer Books of the Bank will remain closed from Monday, the 08th July 2019 to Friday, the 12th July 2019 (both days inclusive).

5. **NON RECEIPT OF DIVIDEND**

Shareholders are also hereby informed that if any dividend amount remains unpaid/ unclaimed for 7 years from its due date, the said unpaid/unclaimed amount has to be transferred to Investor Education & Protection Fund (IEPF) set up by Central Government. As such, the unpaid/ unclaimed amount in Dividend Account for FY 2010-11 has been transfer to IEPF. The shareholders who have not received/claimed the dividend(s) for year 2011-12 are, therefore, requested to claim the same not later than **30th June 2019** by giving their latest address, Mobile/Telephone

जैसे बैंक का नाम, शाखा का पता, बैंक खाता संख्या और आईएफएस कोड देकर 30 जून 2019 से पूर्व राशि का दावा करने का अनुरोध किया जाता है। कृपया ध्यान दें कि एक बार अदावी राशि आईईपीएफ में अंतरित हो जाने के बाद, कोई भी व्यक्तिगत दावा बैंक के निमित्त नहीं पड़ा होगा। 2011-12 से अदत्त/अदावी लाभांश की वर्ष वार सूची बैंक की वेबसाइट www.pnbindia.in पर 'Investors' Info' के तहत अपलोड की गई है।

6. **शेयरधारकों से अनुरोध**

ए) कृपया ध्यान दें कि बैठक स्थल पर वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वितरित नहीं की जाएंगी। इसलिए, शेयरधारकों/प्रॉक्सीधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से बैठक में वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियां लाने का अनुरोध किया जाता है। प्रारूप के साथ वार्षिक रिपोर्ट बैंक की वेबसाइट www.pnbindia.in पर पोस्ट की जा रही है।

बी) 2018-19 के लिए वार्षिक रिपोर्ट की इलेक्ट्रॉनिक प्रति जिसमें बैंक की 18 वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना शामिल है, अन्य बातों के साथ-साथ ई-वोटिंग की प्रक्रिया और शैली का संकेत देते हुए उपस्थिति पर्ची और प्रॉक्सी फॉर्म आदि उन सभी को भेजा जा रहा है, जिनकी ईमेल आईडी एसटीए/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के साथ पंजीकृत हैं, जब तक कि किसी भी शेयरधारक ने उसकी भौतिक प्रतियाँ के लिए अनुरोध नहीं किया हो । उन शेयरधारकों के लिए जिन्होंने अपना ईमेल पता पंजीकृत नहीं किया है, 2018-19 के बैंक की 18 वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की सूचना सम्मिलित करते हुए परस्पर, ई-वोटिंग की प्रक्रिया और शैली दर्शाते हुए संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रतियाँ, उपस्थिति पर्ची और प्रॉक्सी फॉर्म आदि के साथ अनुज्ञप्त मोड में भेजा जा रहा है।

सी) शेयरधारक यह भी नोट कर सकते हैं कि 18वीं एजीएम की सूचना और 2018-19 की वार्षिक रिपोर्ट बैंक की वेबसाइट www.pnbindia.in पर भी डाउनलोड के लिए उपलब्ध होगी। उपरोक्त दस्तावेजों की भौतिक प्रतियां कार्य दिवस के सामान्य व्यावसायिक घंटों के दौरान निरीक्षण हेतु बैंक के प्रधान कार्यालय, वित्त विभाग, शेयर विभाग, ईस्ट विंग, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली 110075 में उपलब्ध होंगी। यहाँ तक कि ई-कम्युनिकेशन के लिए पंजीकरण करने के उपरान्त भी, शेयरधारकों को विशिष्ट अनुरोध करने पर भौतिक रूप में इस तरह का कम्युनिकेशन डाक द्वारा निःशुल्क प्राप्त करने का अधिकार है। शेयरधारक बैंक की ईमेल-आईडी: hosd@pnb.co.in और हमारे शेयर ट्रांसफर एजेंट की ईमेल आईडी: beetal@beetalfinancial.com पर भी अपने अनुरोध भेज सकते हैं।

डी) शेयरधारक कृपया नोट करे कि बैठक स्थल पर कोई उपहार/उपहार कूपन नहीं बांटे जाएंगे।

ई) सुरक्षा कारणों से हॉल के अंदर ब्रीफकेस, खाने-पीने और अन्य सामान ले जाने की अनुमति नहीं है। इसलिए बैठक में भाग लेने वाले व्यक्तियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए अपनी व्यवस्था स्वयं करें।

7. **वेबकास्ट सुविधा**

शेयरधारकों को सूचित किया जाता है कि बैंक एनएसडीएल की वेबसाइट पर वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की कार्यवाही की लाइव

No. Folio No./ DP-ID & Client ID and Bank details viz. Bank name, branch address, Bank account no. and IFS code etc. for claiming the amount. Please note that once the unpaid amount is transferred to IEPF, no individual claim shall lie against the Bank. Year-wise list of unpaid/ unclaimed dividend from 2011-12 onwards is uploaded on Bank's website www.pnbindia.in under 'Investors' Info'.

6. **REQUEST TO SHAREHOLDERS**

a) Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the meeting. Shareholders/ Proxyholders/Authorized Representatives are, therefore, requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting. The Annual Report along with formats is being posted on the Bank's Website at www.pnbindia.in

b) Electronic copy of the Annual Report for 2018-19 containing the notice of the 18th Annual General Meeting (AGM) of the Bank, inter alia, indicating the process and manner of e-voting along with Attendance Slip and Proxy Form etc. is being sent to all the shareholders whose email IDs are registered with the STA / Depository Participant(s) for communication purposes unless any shareholder has requested for a hard copy of the same. For shareholders who have not registered their email address, physical copies of the abridged Annual Report for 2018-19 containing the notice of the 18th Annual General Meeting (AGM) of the Bank, inter alia, indicating the process and manner of e-voting along with Attendance Slip and Proxy Form etc. are being sent in the permitted mode.

c) Shareholders may also note that the Notice of the 18th AGM and the Annual Report for 2018-19 will also be available on the Bank's website www.pnbindia.in for download. The physical copies of the aforesaid documents will also be available at the Bank's Head Office at Finance Division, Share Department, East Wing, First Floor, Plot No.4, Sector 10, Dwarka, New Delhi 110075 for inspection during normal business hours on working days. Even after registering for e-communication, shareholders are entitled to receive such communication in physical form, upon making a specific request, by post, free of cost. The shareholders may also send their requests to the Bank's email-id: hosd@pnb.co.in and at the email id of our Share Transfer Agent: beetal@beetalfinancial.com.

d) Shareholders may kindly note that no gift/gift coupon will be distributed at the meeting.

e) Due to security reasons brief cases, eatables & other belongings are not allowed inside the hall. Persons attending the meeting are therefore advised to make their own arrangements for safe keeping of their articles.

7. **WEBCAST FACILITY**

The Shareholders are informed that the Bank will be providing a facility to view the live streaming of the proceedings of the Annual General Meeting (AGM) on the NSDL website. You may access the same at https://

स्ट्रीमिंग देखने की सुविधा प्रदान करेगा। आप अपने रिमोट ई-वोटिंग क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके https://www.evoting.nsdl.com पर उसे एक्सेस कर सकते हैं। लिंक शेयरधारक लॉगिन में उपलब्ध होगा जहां बैंक का ईवीईएन प्रदर्शित किया जाएगा।

वेबकास्टिंग की सुविधा 12 जुलाई 2019 को प्रात: 10.00 बजे से उपलब्ध होगी।

8. **ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान के अधिकार का उपयोग करना**

बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अधिग्रहण) अधिनियम 1970 (यथा संशोधित) की धारा 3 (2ई) के प्रावधानों के अनुसार केंद्र सरकार के अलावा बैंक के किसी भी शेयरधारक को उसके शेयर के सम्बन्ध में बैंक के शेयरधारकों के कुल वोटिंग अधिकार के 10% से अधिक वोट डालने का अधिकार नहीं होगा। यदि कोई भी शेयर दो या दो से अधिक व्यक्तियों के नाम पर धारण किया जा रहा है, तो मतदान के संबंध में रजिस्टर में पहले नामित व्यक्ति को एकमात्र धारक माना जाएगा।

कम्पनी (प्रबन्धन एवं प्रशासन) नियम 2014, कम्पनी (प्रबन्धन एवं प्रशासन) संशोधन नियम 2015 के माध्यम से यथा संशोधित के नियम 20 के अनुसार शेयरधारक बैठक में उपस्थित होने तथा वोट देने का पात्र है और वे अपने वोट का प्रयोग इलैक्ट्रानिक साधन के माध्यम से कर सकते हैं।

वोटिंग प्रक्रिया

इलेक्ट्रॉनिक साधन के माध्यम से वोटिंग

I. सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएँ एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) के विनियमन 2015 के विनियम 44, स्टाक एक्सचेंजों के साथ सूचीकरण करार के अनुसरण में और कम्पनी (प्रबन्धन एवं प्रशासन) नियमावली 2014 यथासंशोधित के नियम 20 के प्रावधानों की अनुपालन में बैंक शेयरधारकों को आगामी एजीएम में विचारणीय संकल्पों पर आम बैठक में और इलैक्ट्रानिक माध्यमों द्वारा मतदान करने की सुविधा दे रहा है और यह कार्यनिष्पादन नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) द्वारा उपलब्ध कराए गए ई-वोटिंग प्लेटफार्म के माध्यम से दिया जा रहा है। रिमोट ई-वोटिंग और आम बैठक में वोट देने हेतु शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए कट-ऑफ तिथि 05.07.2019 है।

II. सदस्यों को वोटिंग की सुविधा बैठक में भी उपलब्ध कराई जाएगी और बैठक में भाग लेने वाले सदस्य जिन्होंने पहले से ही रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला है, बैठक में अपना वोटिंग अधिकार का उपयोग कर सकेंगे।

III. जो सदस्य बैठक से पहले रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डाल चुके हैं, वे भी बैठक में शामिल हो सकते हैं, लेकिन पुन: अपना वोट डालने के हकदार नहीं होंगे।

IV. रिमोट ई वोटिंग के लिए निर्देश निम्नवत है :-

(i) रिमोट ई वोटिंग की अवधि 09.07.2019 (प्रात: 9.00 बजे) शुरू होगी और 11.07.2019 (सायं 5.00 बजे) तक समाप्त हो जाएगी । इस अवधि में कट-ऑफ तिथि (रिकार्ड तिथि) 05.07.2019 के अनुसार बैंक के शेयरधारक चाहे वह भौतिक रूप में शेयरधारण करते हो या डिमेटेरियालाइज्ड रूप में, वे इलेक्ट्रानिक माध्यम से अपना वोट दे सकते हैं। ई वोटिंग के बाद एनएसडीएल द्वारा ई-वोटिंग माडयूल हटा दिया जाएगा।

www.evoting.nsdl.com by using your remote e-voting credentials. The link will be available in the shareholder login where the EVEN of the Bank will be displayed.

The webcasting facility will be available from 10.00 A.M. onwards on 12th July, 2019.

8. **EXERCISE OF VOTING RIGHTS THROUGH E-VOTING**

In terms of provisions of Section 3(2E) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (as amended) no shareholder of the Bank other than Central Government shall be entitled to exercise voting rights in respect of the shares held by him in excess of 10% of the total voting rights of all the shareholders of the Bank. If any share stands in the name of two or more persons, the person first named in the register shall, as regards voting, be deemed to be the sole holder thereof.

In terms of Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014, as amended by the Companies (Management and Administration) Amendment Rules, 2015, shareholders entitled to attend and vote at the meeting, can exercise their voting rights through electronic means.

VOTING PROCESS

VOTING THROUGH ELECTRONIC MEANS

I. Pursuant to Regulation 44 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, Listing Agreement with Stock Exchanges and provisions under Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014, as amended by the Companies (Management and Administration) Amendment Rules, 2015, the Bank is pleased to provide its shareholders facility to exercise their right to vote on resolutions proposed to be considered in the Meeting by electronic means through e-voting platform provided by National Securities Depository Limited (NSDL) and voting at the general meeting. The Cut-off Date for determining the eligibility of shareholders to exercise remote e-voting and voting at general meeting is 05.07.2019.

II. That the facility for voting shall also be made available at the meeting & members attending the meeting who have not already cast their vote by remote e-voting shall be able to exercise their right at the meeting.

III. That the members who have cast their vote by remote e-voting prior to the meeting may also attend the meeting but shall not be entitled to cast their vote again.

IV. The instructions for remote e-voting are as under

(i) The remote e-voting period begins on 09.07.2019 (9:00 am) and ends on 11.07.2019 (5:00 pm). During this period, shareholders' of the Bank, holding shares either in physical form or in dematerialized form, as on the cut-off date of 05.07.2019, may cast their vote electronically. The remote e-voting module shall be disabled by NSDL for voting thereafter.

(ii) रिमोट ई-वोटिंग के लिए प्रक्रिया और शैली का विवरण नीचे दिया गया है:

चरण 1: शेयरधारकों को ई-वोटिंग वेबसाइट https://www.evoting.nsdl.com पर लॉग ऑन करना चाहिए

चरण 2: शेयरधारक को तब एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोट डालना चाहिए।

चरण 1 पर विवरण नीचे वर्णित है:

एनएसडीएल ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉग-इन कैसे करें?

1. एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। पर्सनल कंप्यूटर पर या मोबाइल पर निम्न यूआरएल : https://www.evoting.nsdl.com/ टाइप करके वेब ब्राउजर खोलें।
2. एकबार ई-वोटिंग सिस्टम का होम पेज लॉन्च होने जाने के बाद, 'लॉगइन' आइकॉन पर क्लिक करें जोकि 'शेयरहोल्डर्स' सेक्शन के तहत उपलब्ध है।
3. एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपनी यूजर आईडी, अपना पासवर्ड और स्क्रीन पर दर्शाया गया सत्यापन कोड दर्ज करना होगा।

   वैकल्पिक रूप से, यदि आप एनएसडीएल सेवाओं यानी आईडीईएएस के लिए पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा आईडीईएएस लॉगिन के साथ https://eservices.nsdl.com/ पर लॉग-इन कर सकते हैं। एक बार जब आप अपने लॉग-इन क्रेडेंशियल्स का उपयोग करने के बाद एनएसडीएल की ई-सेवाओं में लॉग-इन करते हैं, तो ई-वोटिंग पर क्लिक करें और आप चरण 2 पर आगे बढ़ सकते हैं यानी इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं। आप एनएसडीएल के मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं।
4. आपके यूजर आईडी का विवरण नीचे दिया गया है:

शेयर धारित करने का तरीका अर्थात डीमैट (एनएसडीएल या सीडीएसएल) या भौतिक	आपका यूजर आईडी है:
ए) उन सदस्यों के लिए जो एनएसडीएल के साथ डीमैट खाते में शेयर रखते हैं।	8 डिजिट क्लाइंट आईडी के अनुसार 8 कैरेक्टर डीपी आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी डीपी आईडी IN300*** है और क्लाइंट आईडी 12****** है तो आपका यूजर आई IN300***12****** होगा
बी) सीडीएसएल के साथ डीमैट खाते में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिए।	16 अंकों की बेनफिशीएरी आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी बेनफिशीएरी आईडी 12************** है तो आपका यूजर आई 12************** होगा
सी) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिए।	कंपनी के साथ पंजीकृत फोलियो नंबर के अनुसार इवन नंबर उदाहरण के लिए यदि फोलियो नंबर 001*** है और इवन 101456 है तो यूजर आई 101456001*** होगा

5. आपका पासवर्ड विवरण नीचे दिया गया है:

   (ए) यदि आप पहले से ही ई-वोटिंग के लिए पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा पासवर्ड का उपयोग लॉगिन और अपना वोट डालने के लिए कर सकते हैं।

(ii) The details of the process and manner for remote e-voting are explained herein below:

Step 1: The shareholders should log on to the e-voting website https://www.evoting.nsdl.com

Step 2: The shareholder should then cast the vote electronically on NSDL e-voting system.

Details on Step 1 is mentioned below:

How to Log-in to NSDL e-Voting website?

1. Visit the e-Voting website of NSDL. Open web browser by typing the following URL: https://www.evoting.nsdl.com/ either on a Personal Computer or on a mobile.
2. Once the home page of e-Voting system is launched, click on the icon 'Login' which is available under 'Shareholders' section.
3. A new screen will open. You will have to enter your User ID, your Password and a Verification Code as shown on the screen.

   Alternatively, if you are registered for NSDL eservices i.e. IDEAS, you can log-in at https://eservices.nsdl.com/ with your existing IDEAS login. Once you log-in to NSDL eservices after using your log-in credentials, click on e-Voting and you can proceed to Step 2 i.e. Cast your vote electronically. You can use the Mobile App of NSDL.
4. Your User ID details are given below :

Manner of holding shares i.e. Demat (NSDL or CDSL) or Physical	Your User ID is:
a) For Members who hold shares in demat account with NSDL.	8 Character DP ID followed by 8 Digit Client ID For example if your DP ID is IN300*** and Client ID is 12****** then your user ID is IN300***12******.
b) For Members who hold shares in demat account with CDSL.	16 Digit Beneficiary ID For example if your Beneficiary ID is 12************** then your user ID is 12**************
c) For Members holding shares in Physical Form.	EVEN Number followed by Folio Number registered with the company For example if folio number is 001*** and EVEN is 101456 then user ID is 101456001***

5. Your password details are given below:

   a) If you are already registered for e-Voting, then you can use your existing password to login and cast your vote.

(बी)यदि आप पहली बार एनएसडीएल ई-वोटिंग प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं, तो evoting@nsdl.co.in पद पर अपने डीमैट खाता संख्या/फोलियो नंबर, अपना पैन, अपना नाम और अपने पंजीकृत पते का उल्लेख करें या आप एनएसडीएल हेल्पडेस्क1800-222-990 पर कॉल कर सकते हैं।

6. यदि आप अपना पासवर्ड पुन: प्राप्त करने में असमर्थ हैं या भूल चुके हैं:

ए) 'Forgot User Details/Password?' पर क्लिक करें। (यदि आप एनएसडीएल या सीडीएसएल के साथ अपने डीमैट खाते में शेयर रख रहे हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।

बी) 'Physical User Reset Password?'(यदि आप भौतिक मोड में शेयर धारण कर रहे हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।

सी) यदि आप अभी भी दो विकल्पों के द्वारा पासवर्ड प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, तो आप evoting@nsdl.co.in पर अपने डीमैट अकाउंट नंबर/फोलियो नंबर, अपना पैन, अपना नाम और अपने पंजीकृत पते का उल्लेख करके अनुरोध भेज सकते हैं।

7. अपना पासवर्ड दर्ज करने के बाद, चेक बॉक्स को सेलेक्ट कर *Terms and Conditions* पर Agree पर tick करें।

8. अब, आपको, लॉगिन बटन पर क्लिक करना होगा।

9. 'Login' बटन पर क्लिक करने के बाद, e-voting का होम पेज खुल जाएगा।

स्टेप 2 का विवरण नीचे दिया गया है:

एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक तरीके से अपना वोट कैसे डालें?

1. स्टेप 1 पर सफल लॉगिन के बाद, आप ई-वोटिंग का होम पेज देख पाएंगे। ई-वोटिंग पर क्लिक करें। फिर, एक्टिव वोटिंग साइकिल पर क्लिक करें।

2. एक्टिव वोटिंग साइकिल पर क्लिक करने के बाद, आप सभी कंपनियों को 'EVEN' देख पाएंगे, जिसमें आप शेयर धारण कर रहे हैं और जिनका वोटिंग साइकिल सक्रिय स्थिति में है।

3. उस कंपनी का 'EVEN' चुनें जिसके लिए आप अपना वोट डालना चाहते हैं।

4. जैसे ही आपका वोटिंग पेज खुलता है आप ई-वोटिंग के लिए तैयार हैं।

5. समुचित विकल्प चुनकर आप अपना वोट डाल सकते हैं, अर्थात, जिनको आप अपना वोट देना चाहते हैं उन शेयरों की संख्या पर सहमति या असहमति, सत्यापन/संशोधन कर, "सबमिट" पर क्लिक करे और अपने वोट को "कंफर्म" करें।

6. पुष्टि करने के बाद, सफलतापूर्वक वोट डाला गया, संदेश प्रदर्शित होगा।

7. आप पुष्टि पृष्ठ के प्रिंट विकल्प पर क्लिक करके अपने द्वारा डाले गए वोट का प्रिंटआउट भी ले सकते हैं।

8. एक बार संकल्प पर अपना वोट डालने के बाद आपको अपना वोट बदलने की अनुमति नहीं होगी।

शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश

1. संस्थागत शेयरधारकों (अर्थात, व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई आदि के अलावा) को विधिवत तौर पर प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता (ओ), के सत्यापित नमूना हस्ताक्षर के साथ बोर्ड संकल्प/प्राधिकृत पत्र आदि की

b) If you are using NSDL e-Voting system for the first time, request at evoting@nsdl.co.in mentioning your demat account number/folio number, your PAN, your name and your registered address or you may call at NSDL helpdesk at 1800-222-990.

6. If you are unable to retrieve or have forgotten your password:

a) Click on 'Forgot User Details/Password?' (If you are holding shares in your demat account with NSDL or CDSL) option available on www.evoting.nsdl.com.

b) 'Physical User Reset Password?' (If you are holding shares in physical mode) option available on www.evoting.nsdl.com.

c) If you are still unable to get the password by aforesaid two options, you can send a request at evoting@nsdl.co.in mentioning your demat account number/folio number, your PAN, your name and your registered address.

7. After entering your password, tick on Agree to 'Terms and Conditions' by selecting on the check box.

8. Now, you will have to click on 'Login' button.

9. After you click on the 'Login' button, Home page of e-Voting will open.

Details on Step 2 is mentioned below:

How to cast your vote electronically on NSDL e-Voting system?

1. After successful login at Step 1, you will be able to see the Home page of e-Voting. Click on e-Voting. Then, click on Active Voting Cycles.

2. After click on Active Voting Cycles, you will be able to see all the companies 'EVEN' in which you are holding shares and whose voting cycle is in active status.

3. Select 'EVEN' of company for which you wish to cast your vote.

4. Now you are ready for e-Voting as the Voting page opens.

5. Cast your vote by selecting appropriate options i.e. assent or dissent, verify/modify the number of shares for which you wish to cast your vote and click on 'Submit' and also 'Confirm' when prompted.

6. Upon confirmation, the message 'Vote cast successfully' will be displayed.

7. You can also take the printout of the votes cast by you by clicking on the print option on the confirmation page.

8. Once you confirm your vote on the resolution, you will not be allowed to modify your vote.

General Guidelines for shareholders

1. Institutional shareholders (i.e. other than individuals, HUF, NRI etc.) are required to send scanned copy (PDF/JPG Format) of the relevant Board Resolution/ Authority

स्कैन्ड प्रति (पीडीएफ/जेपीजी फॉर्मेट) agc.scrutinizer@gmail.com संवीक्षक को तथा evoting @nsdl.co.in प्रति ई-मेल द्वारा भेजनी होगी।

2. यह दृढता से अनुशंसा की जाती है कि किसी अन्य व्यक्ति के साथ अपना पासवर्ड साझा न करें और अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें। ई-वोटिंग वेबसाइट पर लॉगिन सही पासवर्ड में कुंजी के पांच असफल प्रयासों पर अक्षम हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, आपको पासवर्ड रीसेट करने के लिए www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध 'Forgot User Details/Password?' or 'Physical User Reset Password?'' विकल्प पर जाना होगा।

3. किसी भी प्रश्न के मामले में, आप शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) को संदर्भित कर सकते हैं और यह www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड अनुभाग पर उपलब्ध है या शेयरधारकों के लिए ई-वोटिंग उपयोगकर्ता पुस्तिका या टोल फी नंबर: 1800-222-990 पर कॉल कर सकते हैं या 02224994545 पर सुश्री पल्लवी म्हात्रे, प्रबंधक से संपर्क करें या Pallavid@nsdl.co.in / evoting@nsdl.co.पद पर अनुरोध भेजें।

V. मैसर्स आशु गुप्ता एंड कंपनी (ई-मेल आईडी agc.scrutinizer@gmail.com) में कार्यरत कंपनी सचिव सुश्री आशु गुप्ता (सदस्यता सं. एफ 4123, सीपी नं. 6646) को बैंक द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से ई-वोटिंग प्रक्रिया की संवीक्षा करने के लिए संवीक्षक के रुप में नियुक्त किया गया है।

VI. संवीक्षक, एजीएम के दौरान हुई वोटिंग के तुरंत बाद डाले गए वोटों की गिनती करेगा तत्पश्चात दो (2) साक्ष्यों की उपस्थिति में जो बैंक के कर्मचारी न हों, वोट अनब्लॉक करेगा और बैठक के अध्यक्ष को या उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति को पक्ष या विपक्ष में डाले गये वोट की यदि कोई हो, लिखित रिपोर्ट एजीएम की समाप्ति के 48 घंटों के अन्दर अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा तथा अध्यक्ष या उनके द्वारा लिखित में प्राधिकृत एक व्यक्ति प्रतिहस्ताक्षर करेगा और अध्यक्ष या प्राधिकृत व्यक्ति वोटिंग के परिणामों की घोषणा करेगा ।

VII. समेकित संवीक्षक रिपोर्ट के साथ परिणामों के विषय में, बैंक की वेबसाइट www.pnbindia.in पर तथा स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट पर अध्यक्ष द्वारा परिणामों की घोषणा के पश्चात तत्काल सूचित कर दिया जाएगा ।

9. शेयरधारकों से अपील

कागज को बचाने हेतु, डीमैट खातों में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने डीमैट खाते में अपना ई-मेल आईडी पंजीकृत (यदि पंजीकृत नहीं हैं) करें जिससे नोटिस/वार्षिक रिपोर्ट और अन्य संचार ई-मेल के माध्यम से भेजे जा सकें।

शेयरधारक जिन्होंने भौतिक रूप में शेयर धारित कर रखे हैं से अनुरोध किया जाता है कि वे आरटीए को मेल-आईडी के माध्यम से नोटिस/वार्षिक रिपोर्ट और अन्य संचार प्राप्त करने के लिए अपना अनुरोध (उनके फोलियो नंबर के साथ) भेजकर ई-मेल आईडी निम्नलिखित पते पर अद्यतन कराएं।

letter etc. with attested specimen signature of the duly authorized signatory(ies) who are authorized to vote, to the Scrutinizer by e-mail to agc.scrutinizer@gmail.com with a copy marked to evoting@nsdl.co.in.

2. It is strongly recommended not to share your password with any other person and take utmost care to keep your password confidential. Login to the e-voting website will be disabled upon five unsuccessful attempts to key in the correct password. In such an event, you will need to go through the 'Forgot User Details/Password?' or 'Physical User Reset Password?' option available on www.evoting.nsdl.com to reset the password.

3. In case of any queries, you may refer the Frequently Asked Questions (FAQs) for Shareholders and e-voting user manual for Shareholders available at the download section of www.evoting.nsdl.com or call on toll free no.: 1800-222-990 or contact Ms. Pallavi Mhatre, Manager, at 02224994545 or send a request at Pallavid@nsdl.co.in / evoting@nsdl.co.in.

V. Ms. Ashu Gupta, Practising Company Secretary (Membership No. F4123, CP No. 6646) of M/s Ashu Gupta & Co. (email ID – agc.scrutinizer@gmail.com) has been appointed as the Scrutinizer by the Bank to scrutinize the e-voting process in a fair and transparent manner.

VI. The Scrutinizer shall after the conclusion of voting at the AGM, will first count the votes cast at the meeting and thereafter unblock the votes cast through remote e-voting in the presence of at least two (2) witnesses not in the employment of the Bank. The Scrutinizer shall submit a consolidated Scrutinizer's Report on the total votes cast to the Chairman of the Meeting not later than 48 hours of conclusion of the AGM and the Chairman or a person authorised by him in writing who shall countersign the same and declare the result of the voting forthwith.

VII. The Results along with the Consolidated Scrutinizer's Report shall be placed on the Bank's website www.pnbindia.in and on the website of Stock Exchanges immediately after the result is declared by the Chairman.

9. APPEAL TO SHAREHOLDERS

To save papers, shareholders holding Shares in Demat Accounts are requested to get register (if not registered) their email ID in their Demat Account so that notices/Annual Reports & other communication may be sent through E-Mail.

Shareholders holding Shares in Physical form are requested to update their email ID with RTA by sending their request (along with their Folio Number) for receiving the notices/Annual Reports & other communication through their mail-ID, at following address:

बीटल फाइनेंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसेज (पी) लिमिटेड (यूनिट: पीएनबी), बीटल हाउस',

तृतीय तल, 99, मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे, नई दिल्ली – 110062

दूरभाष सं. 011-29961281/82/83, फैक्स: 011-29961284.

ई-मेल: beetal@beetalfinancial.com

बोर्ड के निदेशकों के आदेशानुसार
कृते **पंजाब नैशनल बैंक**

(पी के शर्मा)
मुख्य वित्तीय अधिकारी

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 28.05.2019

Beetal Financial & Computer Services (P) Limited (Unit: PNB), Beetal House',

3rd Floor, 99, Madangir, Behind Local Shopping Centre, New Delhi 110062 –

Tel. No. 011-29961281/82/83, Fax: 011-29961284.

E-mail: beetal@beetalfinancial.com

By order of the Board of Directors
For **PUNJAB NATIONAL BANK**

(P K Sharma)
Chief Financial Officer

Place: NEW DELHI
Date: 28.05.2019

निदेशक रिपोर्ट
Directors' Report

प्रगति एक नजर में
PROGRESS AT A GLANCE

(₹ करोड़ में) (₹ crore)

क्र. सं. S. No	पैरामीटर PARAMETERS	वित्त वर्ष14 FY'14	वित्त वर्ष15 FY'15	वित्त वर्ष16 FY'16	वित्त वर्ष17 FY'17	वित्त वर्ष18 FY'18	वित्त वर्ष19 FY'19
1	शेयर पूंजी **Share Capital**	362	371	393	426	552	921
2	आरक्षित निधियाँ एवं अधिशेष **Reserves & Surplus**	35533	38709	37917	41672	40522	43866
3	जमाराशियां **Deposits**	451397	501379	553051	621704	642226	676030
4	अग्रिम **Advances**	349269	380534	412326	419493	433735	458249
5	कुल कारोबार **Total Business**	800666	881913	965377	1041197	1075961	1134279
6	कुल आस्तियां **Total Assets**	550420	603334	667390	720331	765830	774949
7	निवेश **Investment**	143786	149877	157846	186725	200306	202128
8	शाखाएं* (संख्या) **Branches*(Number)**	6200	6559	6759	6937	6982	6989
9	एटीएम नेटवर्क (संख्या) **ATM Network (Number)**	6940	8348	9463	10681	9668	9255
10	परिचालन लाभ **Operating Profit**	11384	11955	11339	14565	10294	12995
11	कुल प्रावधान **Total Provisions**	8042	8893	15313	13240	22576	22971
12	शुद्ध लाभ **Net Profit**	3343	3062	-3974	1325	-12282	-9975
13	कारोबार/कर्मचारी (₹ लाख में) **Business/Employee (₹ lakh)**	1283	1319	1359	1417	1473	1680
14	ऋण-जमा अनुपात (%) **Credit-Deposit Ratio (%)**	77.38	75.90	74.55	67.47	67.54	67.79
15	जमाराशियों की लागत (%) **Cost of Deposit (%)**	6.33	6.09	5.85	5.33	4.96	5.14
16	अग्रिमों पर आय (%) **Yield on Advances (%)**	10.36	9.88	9.10	8.29	7.49	7.72
17	निवेश पर प्राप्ति (%) **Yield on Investment (%)**	7.85	7.99	7.94	7.69	7.35	7.39
18	शुद्ध ब्याज मार्जिन (%) **Net Interest Margin (%)**	3.44	3.15	2.60	2.38	2.16	2.41
19	आस्तियों पर प्रतिफल (%) **Return on Assets (%)**	0.64	0.53	-0.61	0.19	-1.60	-1.25
20	लागत आय अनुपात (%) **Cost to Income Ratio (%)**	45.06	46.74	46.79	39.17	56.75	47.03
21	सकल एनपीए (%) **Gross NPAs (%)**	5.25	6.55	12.90	12.53	18.38	15.50
22	शुद्ध एनपीए (%) **Net NPAs (%)**	2.85	4.06	8.61	7.81	11.24	6.56
23	पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बेसल III) (%) **Capital Adequacy Ratio (Basel III) (%)**	11.52	12.21	11.28	11.66	9.20	9.73

* एक एक्सटेंशन काउंटर सहित घरेलू शाखाएं

* Domestic Branches including one Extension Counter

प्रमुख वित्तीय स्थिति

KEY FINANCIAL POSITION

सकल घरेलू व्यापार(रु. लाख करोड़)
Gross Domestic Business (Rs lakh Crore)

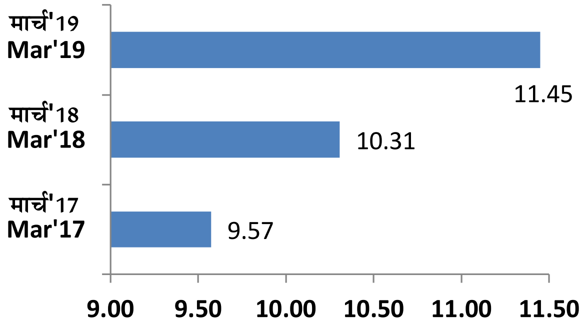

घरेलू जमाराशियाँ (रु. लाख करोड़)
Domestic Deposits (Rs. lakh crore)

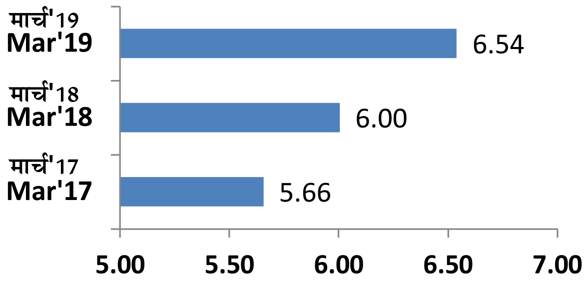

घरेलू अग्रिम (रु. लाख करोड़)
Domestic Advances (Rs lakh Crore)

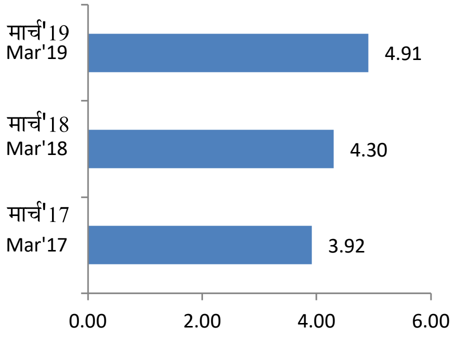

कासा जमाराशियाँ (रु. करोड़)
CASA Deposits (Rs. Crore)

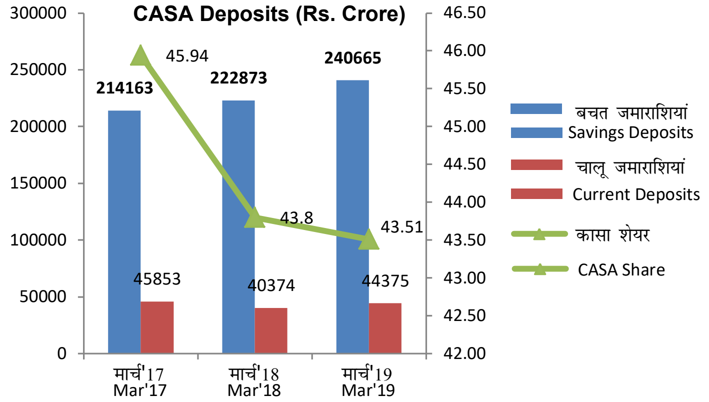

लघु टिकट अग्रिम (रु. करोड़)
Small Ticket Advances (Rs. crore)

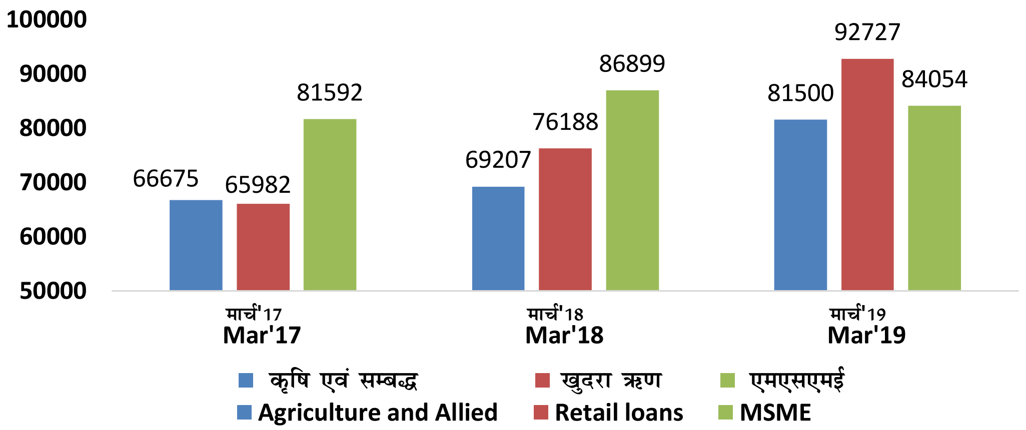

आस्ति गुणवत्ता सुधार एवं प्रावधान कवरेज अनुपात (%)

IMPROVING ASSET QUALITY AND PROVISION COVERAGE RATIO (%)

(रु. करोड़)
(Rs. Crore)

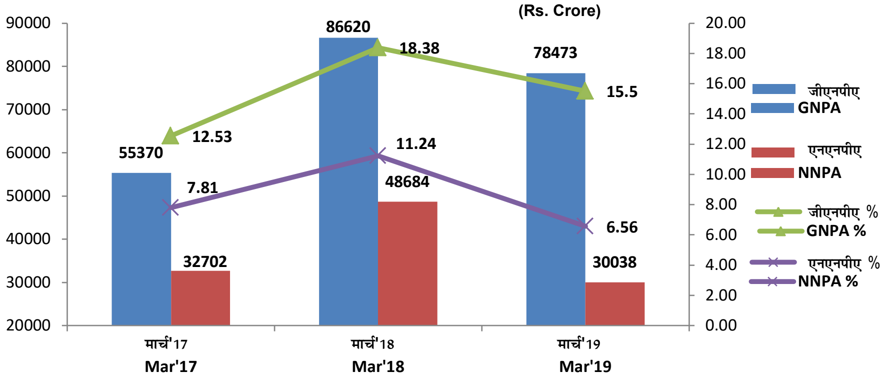

प्रावधान कवरेज अनुपात
Provision Coverage Ratio (%)

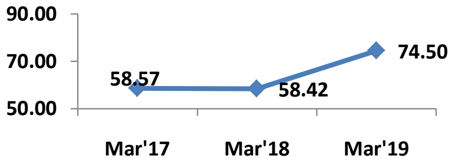

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)
Capital Adequacy Ratio (%)

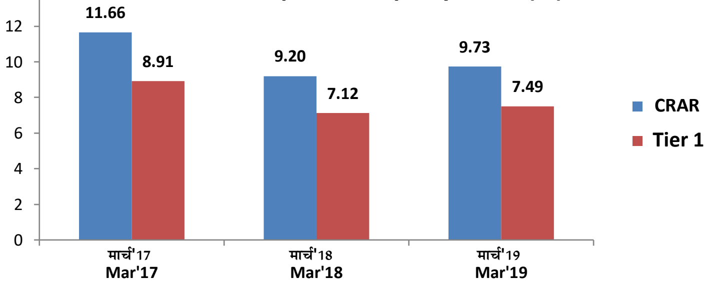

मूल अनुपात (%)
KEY RATIOS (%)

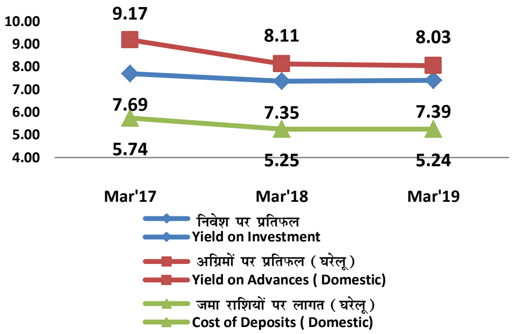

घरेलू निम (%)
Domestic NIM (%)

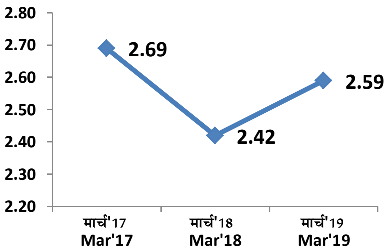

निदेशकों की रिपोर्ट 2018-19

वित्तीय वर्ष 2019 पंजाब नैशनल बैंक के लिए एक यादगार वर्ष था। कई चुनौतियों के बावजूद, आपके बैंक ने आघात-सहनीयता को प्रदर्शित किया और सबसे दृढ़ तरीके से प्रतिकूल प्रभाव से उभर कर आया। कारोबार नीति के पुर्ननिर्धारण के लिए सिस्टम एवं प्रक्रियाओं और नियंत्रण उपायों को सुदृढ़ करने हेतु रणनीतिक पहलों की एक श्रृंखला को अपनाया गया। बैंक में, पूंजी संरक्षण,उन्नत वसूली और संरचनात्मक परिवर्तनों में सुधार को शामिल करने की दिशा में भी प्रयास किए गए है।

त्वरित कार्रवाई एवं रणनीति के कारण, आपका बैंक अच्छी प्रगति और सराहनीय परिचालन प्रर्दशन प्रदर्शन कर सका। मुख्य चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अर्थात् संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार, पूंजी पर्याप्तता को मजबूत करना और अपने व्यवसाय में बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के वापस लाभ प्राप्त करना प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण था । वित्तीय वर्ष'19 में महत्वपूर्ण प्रदर्शन मापदंडों में सुधार हुआ है। सकल गैर निष्पादित आस्तियों और शुद्ध गैर निष्पादित आस्तियों में में गिरावट आई है। वित्तीय वर्ष'18 के दौरान 9666 करोड़ रुपये की सकल वसूली के मुकाबले वित्तीय वर्ष'19 में रु 20,000 करोड़ से अधिक की सकल गैर निष्पादित आस्तियों में वसूली हुई और बैंक का परिचालन लाभ वर्ष दर वर्ष 26.2% की वृद्धि के साथ रु 12995 करोड़ रहा।

वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक का सकल घरेलू कारोबार 1 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया, जो मार्च'19 तक वर्ष दर वर्ष 11.1% की वृद्धि के साथ 11.45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सकल घरेलू अग्रिम 14.1% वर्ष दर वर्ष की वृद्धि के साथ रू.4.91 लाख करोड़ रहा और बैंक के घरेलू डिपॉजिट्स में वर्ष दर वर्ष 9.0% की बढ़त के साथ 6.54 लाख करोड़ रुपये हुई और बैंक की कासा जमा राशि रु. 2.85 लाख करोड़ और घरेलू डिपॉजिट के लिए कासा की 43.51% हिस्सेदारी रही ।

संक्षेप में, वित्तीय वर्ष 2018-19 वास्तव में बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष था, जिसमें हमने अपने ग्राहकों और हितधारकों के आत्मविश्वास और भरोसे पर विजय प्राप्त कर विपरीत परिस्थितियों को सफलतापूर्वक पीछे छोड़ दिया। बैंक के प्रदर्शन को विभिन्न प्रतिष्ठित प्लेटफार्मों पर मान्यता दी गई है और आपके बैंक को सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बैंक' के रूप में घोषित किया गया और इसे "ईज रिफॉर्म्स एक्सीलेंसी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, हाल ही में ग्राहक संतुष्टि रेटिंग के संदर्भ में फोर्ब्स पत्रिका के सर्वेक्षण "दि वर्ल्ड्स बेस्ट बैंक्स 2019" में आपके बैंक को सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में, दूसरा स्थान दिया गया है।

इस पृष्ठभूमि में, आपके निदेशकगण को आपके बैंक की 31 मार्च, 2019 को समाप्त (वि.व.19) वार्षिक रिपोर्ट के साथ बैंक के वार्षिक लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

हमारा प्रदर्शन

ए. वित्तीय प्रदर्शन

आस्तियाँ और देयताएं

बैंक की कुल आस्तियां 31 मार्च 2018 के रुपये 7.65 लाख करोड़ से वर्ष दर वर्ष 1.19% बढकर 31 मार्च 2019 को 7.75 लाख करोड़ हो गयी। इस अवधि के दौरान बैंक का शुद्ध अग्रिम 5.65% के वृद्धि के साथ रु.4.34 लाख करोड़ से बढ़कर 4.58 लाख करोड़ रुपये हो गया। निवेश 31 मार्च 2018 के रूपये 2.00 लाख करोड़ से 0.91% की वृद्धि द्वारा ₹ 2.01 लाख करोड़ हो गया।

DIRECTORS' REPORT 2018-19

The Financial Year 2019 was a year of reckoning for Punjab National Bank. Despite numerous challenges, your Bank displayed resilience and overcame the adverse impact in the most resolute manner. A series of measures and strategic initiatives were undertaken in the Bank ranging from strengthening of systems, procedures and control measures to realignment of business strategy. Efforts were also channelized towards improving recovery, capital conservation and incorporating structural changes in the Bank.

Due to the swift action and strategy, your Bank could make a good progress and deliver commendable operating performance. The highlight of the performance was addressing of the key challenges, namely improvement in asset quality, improving the operating profit and capital optimization without any adverse impact on its business. There has been an improvement in the crucial performance parameters in FY'19. There has been decline in Gross Non Performing Assets and Net Non Performing Assets helped by record Gross Recovery of more than Rs.20,000 crore in FY'19 as against the Recovery of Rs.9666 crore during FY'18 and YOY increase of 26.2% in Bank's Operating Profit to Rs.12995 crore.

The Bank's Gross Domestic Business increased by over Rs 1 lakh crore during the financial year to reach the landmark figure of Rs 11.45 lakh crore as at March'19 showing a YOY growth of 11.1%. While Gross Domestic Advances recorded YOY growth of 14.1% to reach Rs. 4.91 lakh crore, Domestic Deposits at Rs. 6.54 lakh crore grew YOY by 9.0%. The Bank's CASA Deposits stood at Rs. 2.85 lakh crore and the share of CASA to Domestic Deposits was at 43.51%.

To summarize, Financial Year 2018-19 was indeed an eventful year for the Bank, wherein we successfully left the adversity behind reflecting a clear triumph of self belief and trust of our customers and stakeholders. Bank's performance has been recognized at diverse prestigious platforms and your Bank was adjudged as the 'Best Performing Bank' amongst all Public Sector Banks and conferred with "EASE Reforms Excellency' Award. Besides, in terms of customer satisfaction ratings, your Bank has been ranked 2nd among all Public Sector Banks in India in the recent Forbes magazine survey for assessing "The World's Best Banks 2019".

Against this backdrop, your Directors have pleasure in presenting the Annual Report of your Bank for the year ended March 31, 2019 (FY'19) along with its audited Annual Financial Statements.

OUR PERFORMANCE

A. FINANCIAL PERFORMANCE

Assets and Liabilities

Total Assets of the Bank increased YOY by 1.19% to Rs 7.75 lakh crore as at 31st March 2019 from Rs 7.65 lakh crore as at 31st March 2018. During the period, the Net Advances of the Bank increased by 5.65% to Rs 4.58 lakh crore from Rs 4.34 lakh crore. Investment increased by 0.91% to Rs. 2.01 lakh crore from Rs 2.00 lakh crore as at 31st March 2018.

देनदारियों में, इस अवधि के दौरान ग्लोबल डिपॉजिट 5.26% बढ़कर रूपये 6.42 लाख करोड़ से 6.76 लाख करोड़ हो गया। मार्च 2018 में 60851 करोड़ रुपये से उधारियाँ ने वर्ष दर वर्ष को 35.3% घटकर 39326 करोड़ रुपये रही ।

शुद्ध ब्याज आय

आपके बैंक की शद्ध ब्याज आय वित्त वर्ष 19 के दौरान वर्ष दर वर्ष बढकर रु. 17156 करोड़ रही । जबकी वर्ष के दौरान ब्याज आय वृद्दि 6.9% के वृद्धि से रुपये 51310 करोड़ रही। ब्याज व्यय 3.3% से 15% वार्षिक दर सीमित होकर रु. 34154 करोड़ रहा।

परिचालन लाभ

आपके बैंक का परिचालन लाभ वित्त वर्ष के दौरान वर्ष दर वर्ष 26.2% से बढ़कर 12995 करोड़ रुपये हो गया। कोष संचालन से लाभ को छोड़कर कोर ऑपरेटिंग लाभ वर्ष दर वर्ष 69.1% से बढ़कर 11903 करोड़ रुपये हो गया। जबकि आपके बैंक की कुल आय वित्त वर्ष 18 से रु.56877 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष' 19 में रु 58688 करोड़ हो गई। वित्त वर्ष'18 में रु.46582 करोड़ से कुल व्यय घटकर वित्त वर्ष' 19 में रु.45692 करोड़ रहा।

शुद्ध लाभ/हानि

बैंक ने वित्त वर्ष 18 के दौरान 12283 करोड़ रुपये के नुकसान के मुकाबले वित्त वर्ष 19 में अपना शुद्ध घाटा रु.9975 करोड़ रुपये तक सीमित कर दिया है। गैर निष्पादित आस्तियों के लिए प्रावधान वित्त वर्ष' 19 में रु.22971 करोड़ रहा जिसमें एक ही घटना के लिए किए गए रु.7167 करोड़ का प्रावधान भी शामिल है।

प्रावधान और आकस्मिकताएँ

वित्तीय वर्ष 19 के दौरान, आपके बैंक ने पिछले वर्ष के रू.29,869 करोड़ की तुलना में रू.28,341 करोड़ का प्रावधान (कर के अलावा) किया है। वित्त वर्ष' 19 में गैर निष्पादित आस्तियों पर प्रावधान रु.24,435 करोड़ रहा। बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात मार्च 18 से 58.42% से बढ़कर 31मार्च, 19 को 74.50% रहा।

बी. परिचालनगत विशेषताएं

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया और नई ऊंचाईयों को प्राप्त किया । वित्तीय वर्ष 19 के कुछ परिचालनगत विशेषताएं निम्नांकित है:

वित्तीय

- बैंक ने 31.03.2019 में रू.11.45 लाख करोड़ के कुल घरेलू व्यापार के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।
- बैंक का राष्ट्रीयकृत बैंकों में 31 मार्च 2019 तक सबसे अधिक नेट वैश्विक कारोबार है।
- घरेलू जमाराशियों में 43.51% की हिस्सेदारी के साथ सभी राष्ट्रीयकृत बैको मे रू.2.85 लाख करोड़ के कासा जमाराशियों का स्तर उच्च बना रहा।
- जमा की घरेलू लागत को आवास ऋण खंड में 25.4% वृद्धि के साथ खुदरा ऋण में वर्ष के दौरान 21.7%की वृद्धि हुई।
- प्राथमिकता क्षेत्र के अन्तर्गत 31.03.2019 तक के समस्त प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए है।
- घरेलू जमा की लागत मार्च 2018 में 5.25% से घटकर मार्च 2019 में 5.24% तक कम हुई ।
- घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष 18 में 2.42% से बढ़कर वित्त वर्ष 19 में 2.59% हो गया।

On the Liabilities side, Global Deposits rose by 5.26 % from Rs.6.42 lakh crore to Rs 6.76 lakh crore during this period. Borrowings declined YOY by 35.3% to Rs 39326 crore from Rs 60851 crore in March 2018.

Net Interest Income

Net Interest Income of your Bank increased YOY by 15% to Rs 17156 crore during FY'19. While Interest Income grew 6.9% YOY to Rs.51310 crore, Interest Expenses growth was contained at 3.3% to Rs.34154 crore.

Operating Profit

Operating Profit of your Bank grew by a robust 26.2% YOY during the FY to Rs 12995 crore. Core Operating Profit excluding gains from treasury operations grew YOY by 69.1% to Rs 11903 crore. Total Income of your Bank increased from Rs.56877 crore in FY'18 to Rs 58688 crore during FY'19. Total Expenses declined from Rs.46582 crore in FY'18 to Rs. 45692 crore in FY'19.

Net Profit/Loss

Bank has narrowed down its net loss to Rs 9975 crore in FY'19 against the loss of Rs.12283 crore during FY'18. Total provision stood at Rs 22971 crore in FY'19 including a provision of Rs. 7167 crore towards the one off incident.

Provisions and Contingencies

During FY'19, your Bank has booked provision (other than tax) of Rs 28,341 crore compared to Rs. 29,869 crore last year. Provision for NPA stood at Rs 24,435 crore in FY'19. Provision Coverage Ratio of the Bank improved to a robust 74.50% as at Mar'19 from 58.42% in Mar'18.

B. OPERATIONAL HIGHLIGHTS

Despite challenging circumstances, the Bank performed creditably and reached several new milestones. Some of the operational highlights of FY '19 are listed below:

Financial

- Bank achieved a new landmark with Gross Domestic Business at Rs 11.45 lakh crore in 31.03.2019.
- The Bank has the highest Net Global Business amongst Nationalized Banks as at 31st March 2019.
- CASA Deposits at Rs 2.85 lakh crore remained the highest amongst nationalized banks with 43.51% share in Domestic Deposits.
- Retail Advances grew by 21.7% during the year with 25.4% growth in Housing Loan Segment.
- All major National Goals under Priority Sector were achieved as at 31.03.2019.
- Cost of Domestic Deposits declined from 5.25% in March 2018 to 5.24% in March 2019.
- Domestic Net Interest Margin increased from 2.42% in FY'18 to 2.59% in FY'19.

पूंजी

- पूंजी की कमी के अंतर्गत कारोबार वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, पोर्टफोलियो का मंथन बेहतर रेटेड उधारकर्ताओं के साथ कम जोखिम वाले प्रोफाइल की ओर किया गया था। कार्यनीतिक दृष्टिकोण ने पूंजी स्थिरता के साथ एक मजबूत बैलेंस शीट सुनिश्चित की।
- बैंक के प्रति अपनेपन की भावना उत्पन्न करने के लिए, कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना लागू की गई जिसमे 10 करोड़ शेयर जारी करने के साथ 90% सदस्यता प्राप्त करने मे सक्षम रहा। पुनर्पूंजीकरण योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा पूंजी लगाने से सीआरएआर और मजबूत हुआ। मार्च 19 को बैंक का सीआरएआर 9.73% पर स्थित रहा, जो कि टियर I अनुपात के 7.49% और टियर II के अनुपात 2.24%. के बराबर है।

आईटी और डिजिटल पहलें

- आपका बैंक सर्वश्रेष्ठ ग्राहक अनुभव देने हेतु प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में विश्वास करता है। बैंक दक्षता, जोखिम प्रबंधन में सुधार और संचालन की लागत को कम करने के लिए हमारी आंतरिक प्रक्रियाओं के स्वचालन में निवेश करना जारी रखता है। बैंक ने पीएनबी एम-पासबुक, भीम पीएनबी, पीएनबी मोबीईज् आदि जैसे डिजिटल लेनदेन की सुविधा हेतु अलग-अलग डिजिटल एप्लिकेशन प्रस्तुत किए हैं।
- हाल ही में बैंक ने **"पीएनबी वन"** लॉन्च किया है। जिसके द्वारा एक प्लेटफोर्म के माध्यम से विभिन्न बैंकिंग प्रक्रियाओं को प्रदान करने हेतु सभी मोबाइल ऐप को एक एप्प के अंतर्गत एकीकृत किया गया है। बैंक इस एप्प के माध्यम से सभी पात्र वित्तीय लेनदेन और मूल्य वर्धित सेवाओं को सक्षम करने का प्रयास करता है।
- डिजिटलाइजेशन के प्रति बैंक के प्रयासों के परिणामस्वरूप, डिजिटल लेनदेन में वित्तीय वर्ष 2019 में 100% से अधिक की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है । बैंक ने फरवरी 2019 मे (एमईआईटीवाई) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य का लगभग 120% प्राप्त कर लिया है।

ट्रांसफॉर्मेशन एक्सरसाइज

- इन-हाउस ट्रांसफॉर्मेशन एक्सरसाइज, मिशन परिवर्तन के अंतर्गत, बैंक का उद्देश्य देश के भविष्य के लिए तैयार बैंक में बदलना है। इस दिशा में, बैंक में तीन पी अर्थात पीपल्स, प्रोसेस और प्रोड्क्ट (PPP) के माध्यम से संरचनात्मक परिवर्तनों को लागू करने के लिए विभिन्न पहल की गई है।
- क्रेडिट उत्पत्ति मूल्यांकन, उतरदायित्व और प्रसंस्करण सहित क्रेडिट प्रक्रियाओं को मजबुत करने के कम में केंद्रीकृत ऋण प्रसंस्करण केंद्रों (CLPC) को भारत सरकार के EASE कार्यक्रम के अनुरूप अवधारणा के रूप में संचालित किया गया। इन सीपीसीएल पीसी में क्रेडिट गुणवत्ता और टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) में सुधार के लिए विशेषज्ञ कर्मचारी काम कर रहें है। सीएलपीसी ने अनुमोदन के पूर्व एवं पूर्वोत्तर के उतरदायित्वों, गुणात्मक क्रेडिट मूल्यांकन और कुशल निगरानी को पृथक करके मजबुत आंतरिक प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं कुशल निगरानी सुनिश्चित की है।

Capital

- In order to ensure business growth under capital constraints, churning of the portfolio was undertaken towards better rated borrowers with low risk profile. The strategic approach ensured a strengthened balance sheet with capital conservation.
- To instill a sense of belongingness towards the Bank, the Employee Share Purchase Scheme (ESPS) was implemented which garnered an impressive more than 90% subscription. The capital infusion by the Government under the Recapitalization plan further strengthened the CRAR. The Bank's CRAR stood at 9.73% as on Mar'19 constituting Tier I capital of 7.49% and Tier II capital of 2.24%.

IT and Digital Initiatives

- Your bank believes in leveraging technology for delivering best customer experience. Bank continues to invest in automation of our internal processes to improve efficiency, risk management and reduce cost of operations. Bank has introduced different digital applications in order to facilitate digital transactions such as PNB M-Passbook, BHIM PNB, PNB MobiEase etc.
- Recently Bank has launched **"PNB ONE"** by unifying all Mobile Apps under one App for providing various banking processes through a single platform. Bank endeavours to enable all the eligible financial transactions and Value Added Services through this App.
- As a result of Bank's efforts towards digitalization, digital transactions have recorded more than 100% YoY growth in FY'19. Bank has achieved about 120% of the annual target set up by Ministry of Electronics and Information Technology(MeitY) in February 2019 itself.

Transformation Exercise

- Under the comprehensive in-house transformation exercise, Mission PARIVARTAN, Bank aims to transform itself into a future ready Bank of the country. In this direction, various initiatives were taken to implement structural changes in the Bank through the three Ps i.e., People, Processes and Products (PPP).
- Centralized Loan Processing Centres (CLPC) were operationalised in line with the Govt. of India's EASE program in order to strengthen the credit processes including credit origination, appraisal, underwriting and processing. These CLPCs are manned with specialist workforce to improve credit quality and Turn Around Time (TAT). CLPCs have also ensured robust internal systems, processes and efficient monitoring through segregation of pre- and post- sanction responsibilities, qualitative credit assessment and efficient monitoring. 18 CLPCs were opened all over India to ensure improved turnaround time and qualitative credit assessment.

- उपरोक्त के अतिरिक्त, विपणन संरचना में सुधार, व्यापार वित्त संचालन का डिजिटलीकरण, शाखा युक्तिकरण और निरीक्षण एवं लेखापरीक्षा प्रणाली को मजबूत करने जैसी पहल भी की गई।

सी. आस्ति गुणवत्ता

बैंक के लिए दवावग्रस्त परिसंपत्तियों की वसूली सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इस दिशा में केंद्रित प्रयासों के परिणामस्वरूप, बैंक का सकल एनपीए मार्च 2018 के रु 86,620 करोड़ के मुकाबले 31 मार्च 2019 में घटकर रु. 78473 करोड़ रह गया। इसी प्रकार, निवल एनपीए 31 मार्च 2018 में रु.48,684 करोड़ से घटकर 31 मार्च' 2019 रु.30038 करोड़ हो गया । अनुपात के संदर्भ में, सकल एनपीए अनुपात मार्च 18 से 18.38% से घटकर मार्च 19 में 15.50% और निवल एनपीए अनुपात मार्च 18 11.24% से घटकर 6.56% हो गया। मार्च' 2019 तक प्रावधान व्याप्ति अनुपात (पीसीआर) में 31 मार्च 2018 से 58.42% बढ़कर मार्च' 2019 मे 74.50% हो गया। इसके अलावा, परिसम्पत्तियों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए बेहतर रेटिंग वाले खातों में नया अग्रिम दिया गया है।

वित्तीय वर्ष' 19 के दौरान आस्ति गुणवत्ता में सुधार हेतु की गई पहलें:

- देश भर में फैले एक समर्पित, विशेषज्ञ और प्रेरित टीम के माध्यम से उन्नत और सामयिक वसूली के लिए एक ऊर्ध्वाधर तनावग्रस्त परिसंपत्ति प्रबंधन कार्य (SAMV) बनाया गया।
- वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, एक नई योजना शुरू की गई, जिसका नाम है एनपीए खाते 2018 हेतु एकमुश्त समझौता राशि के लिए विशेष योजनायें जो विभिन्न क्षेत्रों के स्तरों के पदाधिकारियों को रु. 25 करोड़ रुपये तक की बकाया राशि वाले खातों के लिए इस सेगमेंट में वसूली में तेजी लाने के लिए अधिकार दिए गए हैं। उक्त योजना के तहत 53,255 ओटीएस प्रस्तावों को मंजूरी दी गई ।
- विशेष रूप से पहचाने गए खातों, में वसूली के लिए एक योजना भी 05.12.2018 से 31.03.2019 तक लॉन्च की गई । इस योजना के लिए पहचाने गए खातों में 100% प्रावधान किया गया है।
- ओटीएस प्रस्तावों की वास्तविक समय की निगरानी के लिए एक विशेष ऑनलाइन ओटीएस पोर्टल लॉन्च किया गया था और रु.50 लाख से अधिक एक्सपोज़र वाले एनपीए खातों के प्रबंधन के लिए विशेष आस्ति वसूली प्रबंधन शाखाओं को वर्टिकल के हिस्से के रूप में बनाया गया था।
- बैंक ने विशेष रूप से छोटे अग्रिमों सहित सभी अग्रिमों में वसूली को बढ़ावा देने के लिए मेगा ऋण मुक्ति शिविर भी आयोजित किए।
- मासिक एवं वार्षिक रूप से एनपीए खातों में वसूली के क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन करने वालों को सम्मानित करने के लिए रिकवरी चैंपियंस की अवधारणा शुरू की गई है।
- बैंक ने उन इरादतन चूककर्ताओं की पहचान के लिए भी पहल की और विभिन्न उधारकर्ताओं को नोटिस जारी किए गए, जो इरादतन चूककर्ता है। परिणामस्वरूप, 31.03.2019 को, 1142 उधारकर्ताओं को इरादतन चूककर्ता घोषित किया गया।

- Besides the above, initiatives like revamping of Marketing Structure, digitization of Trade Finance operations, branch rationalization and strengthening inspection & audit system were also undertaken.

C. ASSET QUALITY

Recovery of stressed assets continues to be one of the top priorities for the Bank. As a result of focused efforts in this direction, Gross NPAs of the Bank declined to Rs. 78473 crore as at 31st March 2019 from Rs.86,620 crore in 31st March 2018. Similarly, Net NPAs declined to Rs.30038 crore as on 31st March 2019 from Rs.48,684 crore in Mar'18. In terms of ratios, Gross NPA ratio declined to 15.50% from 18.38% in Mar'18 and Net NPA ratio declined to 6.56% from 11.24% in Mar'18. Provision Coverage Ratio (PCR) improved to 74.50% as on 31st March 2019 from 58.42% in 31st March 2018. Besides, fresh advances have been made in better rated accounts to improve the asset quality.

Initiatives taken to Improve Asset Quality during FY'19

- Stressed Assets Management Vertical (SAMV) was created for enhanced and timely recovery through a dedicated, specialized and motivated team spread all across the country.
- During FY'19, a new scheme was launched, namely "Special Scheme for One Time Settlement for NPA accounts 2018" for accounts with balance outstanding up to Rs. 25 crore empowering various field level functionaries to accelerate recovery in this segment. Under the said scheme, 53,255 OTS proposals were approved.
- A scheme for Recovery in Specifically Identified Accounts, was also launched from 05.12.2018 to 31.03.2019. The accounts identified for the scheme carried 100% provision.
- A specialized online OTS portal was launched for real time monitoring of OTS proposals and Specialized Asset Recovery Management Branches were created as part of the vertical for management of NPA accounts with exposure more than Rs 50 lakh.
- Bank also organized Mega Rin Mukti Shivirs for giving impetus to recovery especially in small advances, to expedite the pace of settlement.
- Concept of "Recovery Champions" was introduced to felicitate the outstanding performers in the field of recoveries in NPA accounts on monthly and yearly basis.
- Bank also took initiative in identifying Wilful Defaulters and notices were issued to various borrowers who were found to have committed an act of Wilful Default. As a result, as on 31.03.2019, 1142 borrowers were declared as Wilful Defaulters.

- एआरएमबी, मं.का./अं.का. स्तरीय वसूली टीमों तथा अत्यधिक एनपीए हेतु चिंहित 50 शाखाओं में कार्यरत कर्मचारियों के लिए प्रमुख उत्तरदायित्व क्षेत्रों (केआरए) की पहचान की गई।
- पिछले वर्ष 5 वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल करते हुए स्थापित वॉर रूम, दैनिक आधार पर फील्ड स्टाफ के साथ निरंतर और सख्त अनुवर्ती कार्रवाई के लिए है।
- बैंक ने चूककर्ताओं पर नैतिक दबाव डालने के लिए बैंक की बकाया राशि की अदायगी/ भुगतान हेतु "मिशन गांधीगीरी" जैसी एक और रचनात्मक पहल की। मिशन में पहले उधारकर्ताओं के घर जाकर एक शांतिपूर्ण धरना देना था और उधारकर्ताओं के भविष्य की संभावनाओं के लिए अनियमितता के प्रभाव को समझाने का प्रयास किया जाना था।
- बैंक सरफेसी प्रावधान के तहत आस्तियों की बिक्री के लिए सफलतापूर्वक ई-नीलामी पोर्टल चला रहा है। इसके परिणामस्वरूप त्वरित, परेशानी मुक्त और निर्विवाद रूप से प्रतिभूतित आस्ति की बिक्री की प्राप्ति हुई है।

डी. सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण

आज की डिजिटल दुनिया में इंटरनेट की अभूतपूर्व पहुंच के साथ, तकनीकी कुशल होना सबसे अधिक प्रासंगिक है। भारत सरकार की डिजिटल इंडिया की पहल के अनुसरण में, बैंकों ने निर्बाध बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए सभी स्तरों पर और सभी ग्राहक क्षेत्रों में डिजिटलीकरण को शामिल किया है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए 71 करोड़ डिजिटल लेन-देन का लक्ष्य हमारे बैंक को भारत सरकार द्वारा आवंटित किया गया था। एमईआईटीवाई द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्य के विरुद्ध फरवरी 2019 तक 85.4 करोड़ (लक्ष्य का 120%) डिजिटल लेनदेन प्राप्त किया हैं।

वैकल्पिक वितरण चैनल

ए) इंटरनेट बैंकिंग सेवाएँ (आईबीएस): 31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार, बैंक ने आईबीएस उपयोगकर्ताओं के संबंध में वर्ष दर वर्ष 21% की वृद्धि प्रदर्शित की है। बैंक ने इंटरनेट बैंकिंग खाते के माध्यम से सावधि जमा (एफडी) के विरुद्ध ओवरड्राफ्ट (ओडी) सुविधा को आरंभ किया है।

बी) मोबाइल बैंकिंग: 31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार, बैंक के मोबाइल बैंकिंग उपयोगकर्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष 55% की वृद्धि हुई। बेहतर ग्राहक अनुभव और सरलीकृत बैंकिंग प्रदान करने के उद्देश्य से बैंक ने हाल ही में कई विशेषताओं की सुविधा एकमात्र प्लेटफार्म के माध्यम से देने के लिए एक **एकीकृत मोबाइल एप्लिकेशन** "पीएनबी वन" लॉन्च किया है। यह एक आवेदन निधियों के अंतरण करने, खाता विवरण देखने, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड का प्रबंधन करने और उंगलियों पर कई अन्य मूल्य वर्धित सेवाओं को करने की अनुमति प्रदान करता है।

इंटरनेट बैंकिंग एवं मोबाईल बैंकिंग उपयोगकर्ता (लाख में)

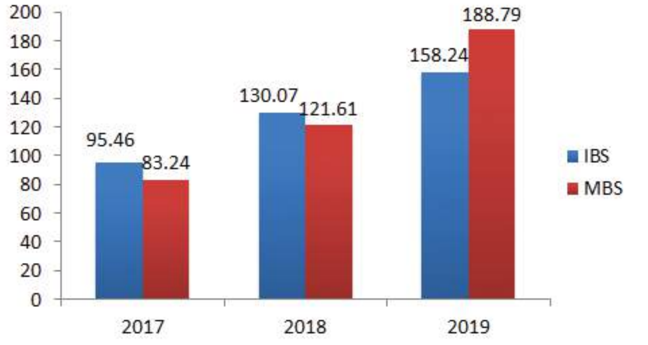

- Key Responsibility Areas (KRAs) were formalized for staff working in ARMBs, recovery teams at CO/ZO level and in the 50 identified branches having large concentration of NPAs.
- Recovery War room set up last year comprising of 5 senior officers is in operation for constant and vigorous follow up with field staff on daily basis.
- Bank took another constructive initiative *"Mission Gandhigiri"* to put moral pressure on the defaulters to payout/clear the dues. It included a peaceful *dharna* before the Borrowers' place.
- Bank has been running successfully e-Auction portal for sale of assets under SARFAESI Provisions. It resulted in quick, hassle free and undisputed realization of sale of securitized asset.

D. INFORMATION TECHNOLOGY AND DIGITALIZATION

In today's digitalized world with an unprecedented penetration of internet, it is very imperative to be tech savvy. In alignment with Government of India's initiative of a Digital India, Bank has incorporated digitization at all levels and across all customer segments to provide a seamless banking experience. Against a target of 71 crore Digital Transactions for the financial year 2018-19, Bank has achieved 85.4 crores digital transactions (120% of the target) in Feb 2019 itself against the ambitious target set up by MeitY.

Alternative Delivery Channels

a) **Internet Banking Services (IBS):** As on 31st March 2019, Bank showed a YoY growth of 21% in respect of IBS users. Bank has introduced Overdraft (OD) against Fixed Deposit (FD) through Internet Banking Account .

b) **Mobile Banking:** As on 31st March 2019, there is a YOY growth of 55% users in mobile banking application of the Bank. With an aim to provide superior customer experience and simplified banking, Bank has recently launched a unified mobile application "PNB One" to facilitate multiple features through single platform. This, **all- in- one** application, allows users to transfer funds, view account statements, manage debit card & credit card and many other value added services at fingertips.

Internet Banking & Mobile Banking Users (in lakh)

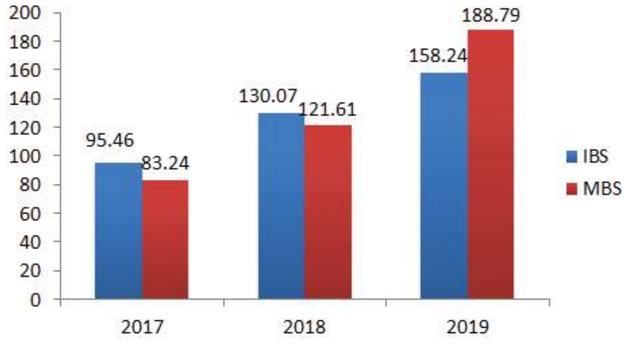

सी) एटीएम: ग्राहक की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक के पास 7.42 करोड़ से अधिक कार्डों के सदृढ़ आधार के साथ पुरे देश में 9255 एटीएम का विशाल नेटवर्क है।

वित्तीय वर्ष '19 के दौरान डिजिटल पहलें

देश भर के बैंकिंग उद्योग में 100% सीबीएस समाधान प्रदान करने में बैंक अग्रणी रहा है। बैंक के सभी सेवा आउटलेट/केंद्र सीबीएस के तहत काम कर रहे हैं, जिससे सभी ग्राहकों को "कही भी कभी भी बैंकिंग" प्रदान करना सुविधाजनक हो सकता है। **वर्ष के दौरान की गई डिजिटल पहलों में से कुछ को नीचे सूचीबद्ध किया गया है :**

- बैंक ने हाल ही में भारत सरकार के निर्देशानुसार एनसीएमसी डेबिट कार्ड लॉन्च किया है जो भारत सरकार के 'एक राष्ट्र एक कार्ड' की परिकल्पना को पूरा करने के लिए खुदरा के साथ-साथ महानगरों, रेलवे और बस सेवाओं में एक एकल डिजिटल भुगतान मोड को सक्षम करेगा। इसके अतिरिक्त पीएनबी डीएवी यूनाइटेड को. ब्रांडेड डेबिट कार्ड भी वर्ष के दौरान लॉन्च किया गया है।
- बैंक ने रक्षक प्लस डेबिट कार्ड को शुरू किया है जो भारतीय सेना/नौसेना/वायु सेना और भारतीय तट रक्षक में सेवा करने वाले ग्राहकों को अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगा।
- बैंक ने पिछले साल "डिजीहट" ब्रांड नाम के तहत "इसे स्वयं करें" के तहत डिजिटल शाखा खोली थी। वित्तीय वर्ष'19 में, 4 और डिजी हट खोले गए।
- बैंक को कुंभ मेला 2019 में प्रयागराज में सबसे बड़े धार्मिक समागम में डिजिटल भागीदार के रूप में चुना गया, जिसमें बैंक ने अपने पेटेंट उत्पाद, डिजिटल भुगतान के लिए ई-रूपया, तीर्थयात्रियों को मोबाइल एटीएम, कैश डिपॉजिट मशीनें प्रदान कर सेवाएँ प्रदान की।
- बैंक ने भारत बिल भुगतान प्रचालन प्रणाली (BBPOU) के अंतर्गत एक प्रचालन इकाई के रूप में कार्य करने के लिए एनपीसीआई के साथ एकीकरण किया है और इसे सितंबर 2017 में सक्रिय कर दिया गया था । अब बैंक बीबीपीएस प्लेटफॉर्म पर बीबीपीओयू-सीयू के साथ-साथ बीबीपीओयू-सीयू के रूप में कार्य कर रहा है क्योंकि बैंक ने मर्चेंट बिल यूनिट की ऑन-बोर्डिंग शुरू की थी।

ई. प्रबंधन सूचना प्रणाली

एंटरप्राइज़-वाइड डाटा वेयरहाउस (EDW) को सफलतापूर्वक बैंक में लागू कर दिया गया है और बैंक की डेटा/रिपोर्ट से संबंधित कई आवश्यकताओं को पूरा करने वाला बैंक के सभी स्तरों पर सार्थक निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करने वाला एकल डाटा प्रबन्धन में विकसित हो गया है।

डाटा एनेलैटिक्स : डाटा एनेलैटिक्स गतिविधियों को विविध विषयों या उत्पादों पर एनेलैटिक्स अध्ययन के आधार पर अधिक सटीक और सूचनापरक निर्णय लेते हुए व्यावसायिक विकास और स्थिरता के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष में अंजाम दिया गया है।

c) **ATMs:** In order to cater to the banking needs of customers, Bank has a vast Network of 9255 ATMs across the country and a strong card base of more than 7.42 crore.

Digital Initiatives during FY'19

Bank has been a pioneer in providing 100% CBS solutions in the banking industry across the country. All the bank's service outlets/centers are working under CBS thereby extending convenient "anywhere anytime banking" to all customers. **Few of the digital initiatives taken during the year are enlisted below:**

- Bank has recently launched NCMC Debit Card as per GOI directives which would enable a single interoperable digital payment mode in Metros, Railways and Bus services to fulfill Govt. of India's vision of "One Nation One Card". Besides, PNB DAV United Co branded Debit Card has also been launched during the year.
- The Bank has revamped the Rakshak plus Debit Card which will be providing additional befifit to Customers who are serving in Indian Army /Navy/Airforce & Indian Costguard.
- Bank last year opened a Digital branch under the brand name of "DigiHut" under the concept "Do it yourself". During FY'19, 4 more DigiHuts were opened.
- The Bank was selected as Digital partner in Kumbh Mela 2019, the biggest religious congregation at Prayagraj, wherein Bank provided services of its patented product, E Rupaya for digital payments, Mobile ATMs and Cash Deposit Machines to the pilgrims.
- The Bank has integrated with NPCI to work as an operating unit under Bharat Bill Payment Operating Unit (BBPOU) and it was made live in September 2017. Now the Bank is working as BBPOU-CU as well as BBPOU-CU on BBPS platform as the Bank started on-boarding of Merchant bill unit.

E. MANAGEMENT INFORMATION SYSTEM

Enterprise-wide Data Warehouse (EDW) has been successfully implemented in the Bank and has evolved into a single source of data catering to numerous requirements related to data/reports of the Bank facilitating meaningful decision making at all levels of the Bank.

Data Analytics: Data Analytics activities have been carried out with an objective of business development and sustainability by taking more accurate and informed decisions based on analytical studies on various topics/ products. Various analytics studies of descriptive and predictive nature were carried out during the year.

एफ. शाखा एवं कार्यालय नेटवर्क

घरेलू नेटवर्क

दिनांक 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार, बैंक के पास 6989 शाखाएँ हैं जो सबसे बडे नेटर्वकों मे से एक है, जिसमें 1280 महानगरीय, 1387 शहरी, 1727 अर्धशहरी और 2595 ग्रामीण शाखाएं शामिल हैं। **ग्रामीण व अर्धशहरी शाखाएं (RUSU) कुल शाखा नेटवर्क का 62% हैं।**

अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति

वर्तमान में, 2 शाखाओं (हांगकांग में 1 और दुबई में 1), 2 अनुषंगियों (लंदन व भूटान), 1 सहायक (कजाकिस्तान), 1 संयुक्त उद्यम (नेपाल) के रूप में बैंक की 6 देशों में अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति है।

जी. अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग

वर्तमान में, बैंक के पास विदेशी मुद्रा कारोबार का संचालन करने के लिए 145 शाखाएं अधिकृत हैं एवं केंद्रीकृत रूप से व्यापारिक लेनदेन का संचालन करने के लिए 2 ट्रेड फाइनेंस सेंटर नई दिल्ली और चेन्नई में है। बैंक के पास आयातकों/निर्यातकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रमुख निर्यात केंद्रों पर विशेषीकृत निर्यात अनुमत (SEPs) शाखाएं हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक के पास विदेशी पर्यटकों/एनआरआई द्वारा विदेशी मुद्रा नोटों/यात्री चेकों के नकदीकरण की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण पर्यटक केंद्रों पर 21 एक्सचेंज ब्यूरो हैं।

आंतरिक प्रेषण के संचालन के लिए बैंक की एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय सेवा शाखा नई दिल्ली में (आईएसबी) है। वित्तीय वर्ष' 19 के दौरान, बैंक ने रू.46,336 करोड़ का प्रेषण कारोबार संचालन किया है। एनआरआई से प्रेषण की सुविधा के लिए बैंक 32 एक्सचेंज हाउस के पास (गल्फ मे 24, सिगापुर में 2, संयुक्त राज्य अमेरिका में 2, यूके, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और जापान, प्रत्येक में 1) के साथ रुपे ड्रॉइंग अरेंजमेंट्स (आरडीए) किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में 2 मनी ट्रांसफर ऑर्गनाइजेशन के साथ मनी ट्रांसफर सर्विस स्कीम (MTSS) के तहत बैंक ने प्रेषण व्यवस्था भी की है।

एच. कारोबार विविधीकरण

- **बीमा कारोबार**

जीवन बीमा : वित्तीय वर्ष'18 के प्रीमियम रूपये 1728 करोड़ के मुकाबले बैंक ने 1,35,957 पॉलिसियों से रु.2226 करोड का प्रीमियम जुटाया है जो 28.82% की वृद्धि दर्शाती है।

जीवन बीमा कारोबार से बैंक की आय वित्तीय वर्ष'18 के दौरान अर्जित रु.144 करोड़ के मुकाबले वित्तीय वर्ष'19 के दौरान रु. 178 करोड़ रही, जो 23.61% की वृद्धि दर्शाती है।

जीवन बीमा कारोबार के तहत प्रारम्भ से 8,13,068 पॉलिसियों से कुल कारोबार रु.8106 करोड़ रहा और कुल कमाई रु. 679 करोड़ रुपये हुई।

गैर-जीवन बीमा: गैर-जीवन बीमा के तहत, द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, बजाज आलयांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड एवं रेलिगेयर हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (स्टैंड अलोन हेल्थ इंश्योरेंस) के साथ बैंक ने टाई-अप किया है।

F. BRANCH AND OFFICE NETWORK

Domestic Network

The Bank has one of the largest networks of 6989 branches as on 31.03.2019 comprising of 1280 Metropolitan, 1387 Urban, 1727 Semi Urban and 2595 Rural branches. **Rural and Semi Urban Branches (RUSU) comprise around 62% of the Total Branch Network.**

International Presence

At present, Bank has its overseas presence in 6 countries by way of 2 branches (1 Hong Kong & 1 Dubai), 2 Subsidiaries (London & Bhutan), 1 Associate (at Kazakhstan), 1 Joint Venture (at Nepal).

G. INTERNATIONAL BANKING

At present, the Bank has 145 branches authorised to handle Foreign Exchange Business and 2 Trade Finance Centres at New Delhi & Chennai specialized in centralized handling of trade transactions. The Bank also has Specialized Export Permission (SEPs) branches at major export centres for extending services to the Import/Export customers. Besides, Bank has 21 Exchange Bureaus at important tourist centres to facilitate encashment of Foreign Exchange Currency Notes/Traveller Cheques by foreign tourists/NRIs.

The Bank is having International Service Branch (ISB) at New Delhi for handling Inward Remittances for the Bank as a whole. During FY'19, the Bank has handled remittance business of Rs.46,336 crore. The Bank also has Rupee Drawing Arrangements (RDA) with 32 exchange Houses (24 in the Gulf, 2 in Singapore, 2 in the USA, 1 each in UK, Australia, Canada and Japan) to facilitate remittance from NRIs. Apart from this, the Bank also has remittance arrangements under Money Transfer Service Scheme (MTSS) with 2 Money Transfer Organisations Worldwide.

H. BUSINESS DIVERSIFICATION

- **Insurance Business**

Life Insurance: The Bank mobilized premium of Rs. 2226 crore from 1,35,957 policies, as against total premium of Rs.1728 crore mobilized during FY'18, thus showing a growth of 28.82 %.

The Bank's earnings from Life-Insurance business during FY'19 amounted to Rs.178 crore as against Rs.144 crore during FY'18, showing YoY growth of 23.61%.

Total business mobilized under Life Insurance business since inception is Rs.8106 crore, from 8,13,068 policies and total earning amounted to Rs.679 crore.

Non Life Insurance: Under the Non-Life Insurance, the Bank has a tie-up with The Oriental Insurance Company Limited, The New India Assurance Company Limited, Bajaj Allianz General Insurance Company Limited & Religare Health Insurance Company Limited (Stand alone Health Insurance).

वित्तीय वर्ष 2018 के 7.12 लाख पॉलिसियों से रू. 262 करोड़ के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2019 में बैंक का सकल लिखित प्रीमियम 8.30 लाख पॉलिसियों से रूपये 357 करोड़ रहा। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 18 के दौरान अर्जित राजस्व रु. 36 करोड़ के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2019 के दौरान रुपये 48 करोड़ रहा जो 34% की वृद्धि को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 18 में 2,12,612 पॉलिसियों के मुकाबले 2,17,356 स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी को वित्तीय वर्ष 19 में किया गया।

- **म्यूचुअल फंड:** वित्तीय बैंक प्रिंसिपल एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ,यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, रिलायंस निप्पॉन लाइफ एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड,टाटा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड,आदित्य बिड़ला सन लाइफ एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. और एलआईसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि.आदि के म्यूचुअल फंड उत्पादों का वितरण और विपणन कर रहा है। वर्ष'19 के दौरान, बैंक ने सहभागी रूप में रु. 3445 करोड़ की कुल राशि जुटाई।
- **डिपॉजिटरी सेवाएं:** बैंक ने वित्त वर्ष 19 में 47582 डी-मेट अकाउंट खोले और बैंक को डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के रूप में NSDL से बैंक कैटेगरी के तहत बैक को **"टॉप परफॉम इन न्यू एकांउट ओपन्ड"** पुरस्कृत किया गया।
- **मर्चेंट बैंकिंग:** वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, बैंक ने 139 मामलो के विरूद्ध 1,76,974 से अधिक एएसबीए आवेदनों का प्रसंस्करण किया।
- **क्रेडिट कार्ड :** बैंक 31.03.2019 तक क्रेडिट कार्ड में 3.34 लाख ग्राहक आधार के साथ अग्रणी स्थान पर रहा है । क्रेडिट कार्ड के सुरक्षा स्तर को बढ़ाने के लिए, बैंक पिन के साथ केवल ईएमवी चिप कार्ड ही जारी कर रहा है। जारी करने की गतिविधि एक स्वतंत्र लाभ केंद्र बन गई। क्रेडिट कार्ड जारीकरण के व्यवसाय से 31.03.2018 को लाभ रु. 25 करोड़ से बढ़कर 31.03.2019 को रु.47 करोड़ हो गया ।

  वित्तीय वर्ष '19 के दौरान, बैंक ने ग्राहक सुविधा के लिए लॉन्ग कोड पुल एसएमएस सुविधा लागू की। बैंक ने वॉक-इन ग्राहकों को कार्ड जारी करने के लिए डिजी-हट शाखाओं में इंस्टेंट इश्यू क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड कियोस्क भी पेश किए।
- **मर्चेंट अधिग्रहण कारोबार:** बैंक पॉइंट ऑफ सेल (POS), क्विक रेस्पॉन्स कोड (भीम/भारत क्यूआर कोड), भीम आधार पे और इंटरनेट पेमेंट गेटवे सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से मर्चेट प्लेटफॉर्मो कारोबार प्राप्त कर रहा है। पंजाब सरकार द्वारा PUNGRAIN के माध्यम से खाद्य अधिप्राप्ति व्यवसाय भी सफलतापूर्वक चलाया गया।

  विभिन्न प्लेटफार्मों पर पीओएस, क्यूआर एवं भीम आधार के माध्यम से कुल 47,463 मर्चेंट को ऑन-बोर्ड किया गया था।

वित्तीय वर्ष'19 के दौरान नवीन पहल

- विभिन्न प्लेटफार्मों पर फील्ड से मर्चेंट लीड के जेनरेशन के लिए लीड ट्रैकिंग सिस्टम (एलटीएस) को लागू किया गया और प्रत्यावर्तन समय (टीएटी) को कम करने वाली केंद्रीकृत रिर्पोटिंग की सुविधा प्रदान की गई।

The Bank's Gross written premium stood at Rs. 357 crore from 8.30 lakh policies for FY'19 vis-à-vis Rs.262 crore from 7.12 lakh policies for FY'18. Further, the revenue earned during FY'19 was Rs. 48 crore as against Rs. 36 crore during FY'18, showing a growth of 34%. 2,17,356 health insurance policies were sourced in FY'19 as against 2,12,612 policies sourced in FY'18.

- **Mutual Funds:** The Bank is distributing and marketing Mutual Fund products of Principal Asset Management Pvt. Ltd, UTI Asset Management Company Ltd, Reliance Nippon Life Asset Management Company Ltd, TATA Asset Management Company Ltd, Aditya Birla Sun Life Asset Management Company Ltd. and LIC Asset Management Company Ltd. During Fy'19, the Bank mobilized a sum of Rs. 3445 crore.
- **Depository Services:** The Bank **was awarded "Top Performer in New Account opened"** under Bank category from NSDL as Depository Participant. As a Depository Participant, bank opened 47582 Demat accounts in FY'19.
- **Merchant Banking:** During FY'19, Bank handled more than 1,76,974 ASBA applications against 139 issues.
- **Credit Card**: Bank is holding a leading position in the banking Industry with a customer base of 3.34 lakh in credit cards as on 31.03.2019. To enhance the security level of the credit cards, the Bank is issuing only EMV Chip cards with PIN. Issuance activity became an independent profit centre. Profit from credit card issuance business increased from Rs.25 crore as at 31.03.2018 to Rs. 47 crore as on 31.03.2019.

  During FY'19, the Bank implemented Long Code Pull SMS facility for customer convenience. The Bank also introduced Instant Issuance Credit Card & Debit Card kiosks at Digi-hut branches for instant issuance of cards to walk-in customers.
- **Merchant Acquiring Business:** The Bank is undertaking merchant acquiring business through various platforms including Point of Sale (POS), Quick Response Code (BHIM/Bharat QR Code), BHIM Aadhar Pay and Internet Payment Gateway. Punjab Govt. Food Procurement business through PUNGRAIN was also undertaken successfully.

  A total of 47,463 merchants on various platforms were on-boarded through POS, QR & BHIM Aadhaar.

New Initiatives during FY'19

- Lead Tracking System (LTS) was implemented for generation of merchant leads from fields on various platforms and facilitating centralized reporting reducing turn around time TAT.

- व्यापारियों के लिए खातों की डी-इंस्टॉलेशन और री-मैपिंग की सुविधा एलटीएस के माध्यम से दी गई।
- हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स (HNIs) के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाए रखने के लिए पर्सनल एक्जीक्यूटिव (PE) मॉडल आरंभ किया गया।
- पीई मैप्ड की प्रगति पर नज़र रखने के लिए "परफोर्मेंस मिरर" पोर्टल का एक नया संस्करण प्रभाव में लाया गया।
- "PAYPREM" के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान के लिए पीएनबी मेटलाइफ इंडिया लिमिटेड के साथ आईटी एकीकरण को लाइव किया गया।

आई. सरकारी कारोबार

सरकारी कारोबार पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में, बैंक में विभिन्न नई पहलों को लागू किया गया। बैंक विभिन्न राज्य सरकारों के साथ-ई-जीआरएएस (गर्वमेंट रिसीप्टस एकाउटिंग सिस्टम) के माध्यम से उनके लेन-देन को केप्चर करने के लिए संपर्क बढ़ा रहा है, जो करदाताओं के लिए सरकार को किए जाने वाले भुगतान जैसे बिक्री कर, सड़क कर, कर और दंड सहित शुल्क की सुविधा प्रदान करता है। यह चंडीगढ़, राजस्थान, झारखंड आदि राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में सक्षम था। बैंक ने पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) योजना के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ सफलतापूर्वक एकीकरण किया है। आपका बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों में से एक था जो उनके साथ एकीकृत था।

सरकारी विभागों द्वारा निर्बाध ई - खरीद के बैक की प्रणाली के साथ एकीकरण के लिए बैंक ने कर संग्रह अभियान चलाया और जीईएम (सरकारी बाजार स्थान) के साथ गठजोड़ किया। वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, बैंक ने दिसंबर 2018 से मार्च 2019 के माह के दौरान पीपीएफ अभियान आरंभ किया और अभियान के दौरान 1.20 लाख से अधिक नए पीपीएफ खाते खोले गए।

उपरोक्त के अतिरिक्त, बैंक ने तकनीकी सहायता के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के साथ समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और डाक सेवकों को बहुत ही आकर्षक दरों पर खुदरा ऋण उत्पादों की पेशकश की। बैंक ने पीएनबी ई-रूपया कार्ड के माध्यम से प्रयागराज कुंभ मेले 2019 का डिजिटलीकरण किया, जिसके लिए, पीएनबी को दो महीनों तक चलने वाले पूरे कार्यक्रम जिसमें लगभग 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया, के लिए डिजिटल पार्टनर का दर्जा दिया गया था।

वर्ष के दौरान सरकारी कारोबार के अंतर्गत बैंक द्वारा की गई कुछ पहलें निम्नानुसार हैं:

1. रक्षा खातों (वेतन और पेंशन) को बढ़ाने के लिए और वेटेरन की समस्याओं पर ध्यान देते हुए मौके पर ही उनका समाधान करने की सुविधा प्रदान करने के लिए रणनीति तहत प्र.का. मे डिफेन्स बैंक सैल और पैन इंडिया के विभिन्न स्थानों पर अनुभवी सुविधा केंद्र बनाए गए।
2. सभी नए रक्षा पेंशन खातों के संचालन के लिए पीसीडीए (पी) इलाहाबाद के अर्न्तगत एक सीपीपीसी (सैन्ट्रल पेंशन प्रोसेसिंग केन्द्र) की स्थापना की गई। यह अतिरिक्त लागत के बिना रक्षा कारोबार को बढ़ाने का एक प्रभावी विपणन उपकरण है और यह रक्षा कारोबार को बढ़ावा देगा।

- De-installation and re-mapping of accounts for merchants were facilitated through LTS.
- Personal Executive (PE) Model was introduced to maintain long term relationship with High Networth Individuals (HNIs),
- A new version of "Performance Mirror" portal for tracking progress of PEs mapped was brought into effect.
- IT integration with PNB Metlife India Ltd. for online payment through "PAYPREM" was made live.

I. GOVERNMENT BUSINESS

In order to focus on Govt. business, various new initiatives were implemented in the Bank. The Bank has been increasing tie-ups with various State Governments for capturing their transactions through e-GRAS (Government Receipts Accounting System) which facilitates the Taxpayers to make payments due to the Government such as Sales tax, Road tax, Taxes and Duties including penalties. This was enabled in the States/UT of Chandigarh, Rajasthan, and Jharkhand etc. Bank has also successfully integrated with National Health Authority for PMJAY (Prime Minister Jan Aroyogya Yojna) Scheme. The Bank was one of the two public sector banks integrating with them.

Bank launched a tax collection campaign and tied up with GeM(Government Market Place) for integration with the Bank's systems for seamless e-procurement by Government departments. During FY'19, the Bank launched PPF campaign during the months of Dec 2018 to March 2019 and more than 1.20 lakh new PPF accounts were opened during the campaign.

Apart from the above, the Bank signed MoU with India Post Payments Bank(IPPB) for technical support and offering retail loan products at very attractive rates to Dak Sewaks. The Bank digitized the Prayagraj Kumbh Mela 2019 through PNB e-Rupaya card for which PNB was accorded the status of Digital Partner for the entire event lasting for two months where approximately 2.5 crore pilgrims visited.

Some of the initiatives taken up by the Bank under Govt. Business during the year are given as under:

1. Defence Bank Cell (DBC) at HO and Veteran Facilitation Centres created at various places Pan India as part of the strategy to garner defence accounts (salary and pension) and to facilitate Veterans by attending to their queries for on the spot resolution.
2. A CPPC (Central Pension Processing Centre) set up within PCDA (P) Allahabad for handling all new defence pension accounts. This is an effective marketing tool without incurring additional cost and will boost Defence business.

3. जीवन प्रमाणपत्र जमा करने, विवरण सहित पेंशन क्रेडिट, अतिरिक्त वृद्धावस्था पेंशन का स्वत: जारी करना और कम्प्युटेशन को बहाल करने के लिए एसएमएस अलर्ट भेजने के लिए सिस्टम अनुकुलित किया गया है

4. सरल, सटीक और समय पर प्रोसेसिंग के लिए सीबीएस के माध्यम से अनुकूलित पेंशन प्रोसेसिंग को लागू किया गया।

5. रक्षा और अर्धसैनिक बल के लिए रक्षक योजना को कई बढ़ी हुई सुविधाओं के साथ रक्षक प्लस योजना के रूप में बदला गया हैं, जिसमें व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा एवं एयर दुर्घटना बीमा शामिल हैं। इस योजना के बारे मे सूचना का प्रसार करने हेतु विभिन्न सैन्य प्रतिष्ठानों में प्रस्तुतियाँ दी जा रही है ताकि अधिकतम रक्षाकर्मी इसका लाभ उठा सके।

6. रक्षक प्लस खातों वाले भारतीय सेना (सेवारत और पेंशनरों) के नेपाल अधिवासित गोरखा सैनिकों को विशेष बैंकिंग सुविधाएं देने के लिए नेपाल के एवरेस्ट बैंक लिमिटेड (ईबीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

7. सेना और वायु सेना के प्रतिष्ठानों में अपने धन का निवेश करने के लिए उपलब्ध अवधिया/वित्तीय उत्पादों के संबंध में भावी रक्षा दिग्गजों को प्रस्तुतियां दी जा रही है।

8. सिस्टम इंटीग्रेशन के माध्यम से लाभार्थियों को भुगतान को प्रधान मंत्री किसान निधि योजना के तहत सुविधाजनक बनाया गया है।

9. पीपीएफ खाते, सुकन्या समृद्धि खाते के लिए सिस्टम मे ऑनलाईन प्रोसेस को अनुकुलित किया गया हैं।

10. एनपीएस (नेशनल पेंशन स्कीम) के तहत खाते खोलने के लिए बैंक पीओपी (प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस) भी बन गया है।

जे. ट्रेजरी परिचालन

बैंक का सकल निवेश 31 मार्च'2018 के रु.2.00 लाख करोड़ की तुलना में 31 मार्च'2019 पर रु.2.01 लाख करोड़ रहा। निवेश पोटफोलियो से ब्याज आय वित्तीय वर्ष'18 के रु.13,806 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष'19 में रु.13,941 करोड़ हो गई।

बैंक ने पूरे वित्तीय वर्ष के दौरान सरकारी बांड, गैर-एसएलआर बांड और इक्विटी में सक्रिय कारोबार किया। वित्तीय वर्ष'19 की पहली छमाही के दौरान बैंक की तरलता की स्थिति सकारात्मक थी। हालाँकि, वित्तीय वर्ष' 19 की दूसरी छमाही के दौरान तरलता तटस्थ से नकारात्मक रही। बैंक ने सीबीएलओ, रेपो, सीडी, आदि के माध्यम से निधियों का प्रबंध किया और बैंक ने नियामक द्वारा निर्धारित सीआरआर/एसएलआर की सभी आवश्यकताओं का अनुपालन किया। वित्तीय वर्ष'19 में कुल व्यापारिक लाभ (व्युत्पन्न सहित) रु.1093 करोड़ रहा।

निश्चित आय (एसएलआर/एनएसएलआर)

बैंक ने वित्तीय वर्ष'18 के दौरान रु.1455 करोड़ की निश्चित आय लिखतों की तुलना में वित्तीय वर्ष'19 के दौरान निवेश की बिक्री से रु.747 करोड़ का व्यापारिक लाभ अर्जित किया है।

प्रतिफल की नरमी के कारण वित्तीय वर्ष'19 सकारात्मकता से शरू हुआ जो वर्ष मे सबसे न्यूनतम रहा। तथापि, न्यूनतम समर्थन मूल्य

3. Systems have been customized for sending SMS alert for submission of Life Certificate, credit of pension with details, automatic release of additional old age pension and restoration of commutation.
4. Customized pension processing through CBS has been enabled for smooth, accurate and timely processing.
5. The Rakshak Scheme has been revamped as the Rakshak Plus Scheme with several enhanced facilities for Defence and Para Military Forces including increased Personal Accident Insurance and Air Accident Insurance. Presentations are being given at various Military Establishments to disseminate the information regarding this scheme so that maximum defence personnel can avail of it.
6. A MoU was signed with Everest Bank Limited (EBL) Nepal, to extend special banking facilities to Nepal Domiciled Gorkha soldiers of Indian Army (serving and pensioners) having Rakshak Plus accounts.
7. Presentations are being given at Army and Air Force establishments to prospective defence veterans with regard to the avenues/ financial products available to them for investing their funds.
8. Payments to the beneficiaries have been facilitated under Pradhan Mantri Kisan Nidhi Yojna through system integration.
9. System integrated for online process for Sukanya Samridhi Accounts, PPF accounts.
10. Bank has also become POP (Point of Presence) for online opening of accounts under NPS (National Pension Scheme).

J. TREASURY OPERATIONS

Gross Investment of the Bank as on 31st March 2019 stood at Rs 2.01 lakh crore increasing from Rs 2.00 lakh crore as on 31st March 2018. The Interest income from investment portfolio increased to Rs.13,941 crore as in FY'19 from Rs 13,806 crore in FY'18.

The Bank actively traded in sovereign bonds, Non-SLR bonds and equity throughout the financial year. The liquidity position of the Bank was comfortable during first H1 FY'19. However, during second half of FY'19, system liquidity remained neutral to negative. The Bank managed the funds through CBLO, Repo, CD etc. and complied with all the requirements of CRR/SLR stipulated by the Regulator. Total Trading profit (including derivative) stood at Rs1093 crore in FY'19.

Fixed Income (SLR/NSLR)

During FY'19, the Bank booked trading profit of Rs.747 crore from sale of investments in fixed income against Rs.1455 crore during FY'18.

FY'19 started on a positive note witnessed by softening of yields which touched the year's low. However, risks arising due to the impact of Minimum Support Price (MSP) and

(एमएसपी) और अन्य तथ्यों के प्रभाव के कारण उत्पन्न होने वाले जोखिमों ने मुद्रास्फीति को प्रभावित किया, साथ ही कच्चे तेल की उच्च कीमतों के साथ बॉन्ड बाजार प्रभावित हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और रुपये के उच्च स्तर को छूने से वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में बाजार का रूझान प्रभावित हुआ। इसके अतिरिक्त, यूएस प्रतिफल पिछले कई वर्षों में अनदेखे स्तर पर पहुँच गई, जिससे बांड बाज़ार प्रभावित हुआ तथा घरेलू बांड पर प्रतिफलों को और अधिक कठोर कर दिया।

इक्विटी

वित्तीय वष'19 में रु. 193 करोड़ का सकल लाभ अर्जित किया। इकरा की हित बिक्री से उत्पन्न रु.107 करोड़ का लाभ शामिल है। वित्तीय वष'19 के लिए लाभांश आय रु.149 करोड़ रही।

विदेशी विनिमय

अप्रैल 2018 को रुपये ने रु.65 प्रति डॉलर से अपनी यात्रा शुरू की थी और उच्च अंतर्राष्ट्रीय तेल की कीमतों के कारण अक्तूबर 2018 के महीने के दौरान यह रु.74.48 के सबसे उच्च स्तर उपलब्ध विदेशी मुद्रा संसाधनों के बेहतर उपयोग के कारण निवल विदेशी मुद्रा आय वित्तीय वर्ष'18 के रु.1790 करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष'19 में रु.1881 करोड़ रही।

के. ग्राहक सेवा

बैंक ग्राहक सेवा के महत्व को पूरी तरह से महसूस करता है और ग्राहकों को त्वरित एवं कुशल सेवा प्रदान करने हेतु अत्यधिक प्राथमिकता देता है। वांछित उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु, बैंक ने एक सुदृढ़ शिकायत निवारण नीति तैयार की है।

वर्ष के दौरान ग्राहक सेवा में सुधार हेतु प्रारंभ की गई पहले

- बैंक का एक ऑन-लाइन शिकायत निवारण प्रबंधन पोर्टल है जिसे **केंद्रीयकृत शिकायत निवारण प्रबंधन प्रणाली (CGRMS)** कहा जाता है। ग्राहक सीजीआरएमएस में,बैंक की वेबसाइट, इंटरनेट बैंकिंग सेवा, मोबाइल बैंकिंग सेवा और मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने अनुरोध/शिकायत दर्ज कर सकते हैं। प्रधान कार्यालय, सभी मंडल कार्यालयों और 1,856 एसएपी-सीआरएम से अधिक एसएपी सक्षम शाखाओं को प्राप्त शिकायतें सीजीआरएमएस में दर्ज की जाती हैं। इस प्रणाली के माध्यम से, ग्राहक को तत्काल स्वचालित पावती मिल जाती है और वह अपनी शिकायत पर भी नज़र रख सकता है।

- बैंक के पास दो अग्रणी सेवा प्रदाताओं के माध्यम से 24X7X365 आधार पर अपने ग्राहकों को टेली-बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए गुड़गांव तथा नोएडा में अत्याधुनिक संपर्क केंद्र हैं। इन दो प्राथमिक केन्द्रों के अतिरिक्त, बैंक ने 11 क्षेत्रीय भाषाओं में अपने ग्राहकों को टेली-बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए हैदराबाद और भोपाल में दो अन्य संपर्क केंद्र भी स्थापित किए हैं। वित्तीय वर्ष'19 के दौरान टेली बैंकिंग के माध्यम से संपर्क केंद्र द्वारा विस्तारित सेवाओं की संख्या 6 से बढ़कर 25 हो गई, जिससे वे अधिक ग्राहक अनुकूल बने हैं।

- बैंक ने सेवा के स्थर का आकलन करने के लिए शाखाओं में औचक दौरे किए जाने हेतु प्रधान कार्यालय, मंडल कार्यालय और अंचल कार्यालयों में ग्राहक सेवा केन्द्र में अधिकारियों की टीमों का

other factors on inflation along with higher crude oil prices weighed on the bond market. Continuous rise in crude oil prices and rupee touching an all time high dampened the market sentiments in the first half of the financial year. Additionally, US yields surged to a level unseen in the past several years, which weighed on the bond market and caused yields on the domestic bonds to harden further.

Equity

The Bank booked Gross Profit of Rs193 crore in FY'19. The profit included profit of Rs107 crore arising from stake sale in ICRA. The dividend income for FY'19 stood at Rs 149 crore.

Forex

Rupee had started its journey from Rs.65 per Dollar on April 2018 and touched an all time high of Rs.74.48 during the month of October 2018 due to high international Oil prices. There was wide fluctuations due to global factors requiring RBI intervention. Net Forex income has increased from Rs.1790 crore in FY'18 to Rs.1881 crore in FY'19 on account of better utilization of foreign currency resources in hand.

K. CUSTOMER CARE

The Bank fully realizes the importance of customer service and continues to lay utmost priority to rendering prompt and efficient service to customers. In order to achieve the desired objective, the Bank has formulated a robust Grievance Redressal Policy.

Initiatives undertaken during the year for improvement in customer service:

- The Bank has an On-line Grievance Redressal Management Portal called **Centralized Grievance Redressal Management System (CGRMS)**. Customers can lodge their requests/complaints in the CGRMS through Bank's website, Internet Banking Service, Mobile Banking Service and Mobile App. Complaints are also received at Head Office, all the Circle Offices and over 1,856 SAP-CRM enabled branches. These are entered in CGRMS. Through this system, the customer gets an immediate automatic acknowledgement and can keep a track of the complaint also.

- The Bank has state-of-the-art Contact Centers at Gurgaon and NOIDA to provide tele-banking services to its customers on 24 x 7 x 365 basis through two leading Service Providers. In addition to these two Primary Sites, the Bank has also established two Secondary Contact Centers at Hyderabad and Bhopal to provide tele-banking services to its customers in 11 languages. The number of services extended by Contact Centre through Tele Banking increased from 6 to 25 during FY'19 thereby making them more customers friendly.

- The Bank has constituted teams of officials at Customer Care Centre at Head Office, Circle Offices and Zonal Offices to pay incognito visit to branches to assess standard of service. During FY'19, officials of

गठन किया है। वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, बैंक के अधिकारियों ने पूरे भारत की 7575 शाखाओं का औचक दौरा किया। दौरा करने वाले अधिकारियों द्वारा बताई गई कमियों को संबंधित शाखाओं तथा मंडल कार्यालयों के साथ साझा किया गया ताकि उन्हें दूर करने हेतु सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

- बैंक द्वारा प्राप्त शिकायतों की स्थिति की समीक्षा बोर्ड की **"ग्राहक सेवा समिति बोर्ड"** की उप-समिति द्वारा तिमाही आधार पर की जाती है। उप-समिति की बैठकों की अध्यक्षता प्रबंध निदेशक एवं सीईओ महोदय करते हैं।
- बैंक की एक **ग्राहक सेवा पर स्थायी समिति** है, जो बैंक की ग्राहक सेवाओं की समीक्षा करती है और भारतीय बैंकिंग संहिता और मानक बोर्ड **(बीसीएसबीआई)** के कार्यान्वयन की समीक्षा करती है।
- दामोदरन समिति की सिफारिशों के अनुसार बैंक के पास **आंतरिक लोकपाल** है। यह प्रणाली बैंक द्वारा शिकायतों के निवारण में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करती है।
- सभी शाखाओं तथा मंडल कार्यालयों में ग्राहक सेवा समितियां बनाई गई हैं जो ग्राहक सेवा की गुणवत्ता से जुड़े मामले देखती हैं तथा ग्राहक सेवा में सुधार हेतु प्रतिक्रिया/सुझावों की गंभीर रूप से जांच करती हैं। ये समितियाँ माह में एक बार मिलती हैं जहाँ कर्मचारी तथा आमंत्रित ग्राहक सेवा से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बातचीत करते हैं।
- बैंक के उत्पादों और सेवाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए तथा उन्हें महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूक करने हेतु एक पूर्व-निर्धारित तिथि तथा विषय पर सभी शाखाओं में मासिक अंतराल पर विषय आधारित थीम बेसड बैठकें आयोजित की जाती हैं।

सभी 64,401 शिकायतों (अर्थात दिनांक 01.04.2018 को लंबित 1862 शिकायतें और वित्तीय वर्ष'19 के दौरान प्राप्त 62,539) शिकायतें में से दिनांक 31 मार्च 2019 तक 63,435 शिकायतों का शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि के अनुसार निवारण कर दिया गया है।

एल. राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

आपके बैंक ने भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष'19 के लिए निर्धारित अधिकांश मानदंडों को हासिल किया। बैंक प्रत्येक स्तर पर हिन्दी पत्राचार आदि के लिए 'यूनिकोड' नामक हिन्दी फॉंट का प्रयोग कर रहा है।

वित्तीय वर्ष'19 के दौरान बैंक को हिंदी के प्रयोग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हुए, जिनमें भारत सरकार की सर्वोच्च पुरस्कार योजना **'राजभाषा कीर्ति शील्ड'** में प्रथम पुरस्कार शामिल है। बैंक को वित्तीय वर्ष'19 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में भारत सरकार, गृह मंत्रालय और राजभाषा विभाग से 12 पुरस्कार प्राप्त हुए जोकि बैंकिंग के इतिहास में एक प्रकार का रिकॉर्ड है।

इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न भागों में स्थित नगर राजभाषा कार्यावयन समितियों और गैर सरकारी संगठनों द्वारा भी क्षेत्र क में 106 पुरस्कार, क्षेत्र 'ख' में 24 पुरस्कार एवं क्षेत्र 'ग' में 13 पुरस्कार हमारे बैंक को

the Bank made 7575 incognito visits to branches pan India and deficiencies pointed out were taken up for taking corrective steps to improve customer service.

- The status of complaints received by the Bank is reviewed by **"Customer Service Committee of the Board"** a Sub-Committee of the Board, on quarterly basis. The meetings of the Sub-Committee are presided over by the Managing Director and CEO.
- The Bank has a **"Standing Committee on Customer Service"**, which also reviews customer service of the bank as well as implementation of the Code of Bank's Commitments to Customers of Banking Codes and Standards Board of India **(BCSBI)**.
- The Bank has in place an **Internal Ombudsman** as per the recommendations of the Damodaran Committee. The system ensures greater transparency in the redressal of grievances by the Bank.
- Customer Service Committees in all the branches and Circle Offices look into the quality of customer service rendered and critically examine the feedback/ suggestions for improvement in customer service. These committees meet once in a month where staff and the invited customers interact freely on service related issues.
- Theme Based Meetings are conducted at monthly intervals in all branches on a pre-decided date and theme to improve awareness among field staff about bank's products and services and to sensitize them about the issues of maximum importance.

Out of a total number of 64,401 complaints (i.e.1862 complaints outstanding as on 01.04.2018 and 62,539 complaints received during FY'19), 63,435 complaints were resolved up to the satisfaction of the complainant, till 31st March, 2019.

L. IMPLEMENTATION OF OFFICIAL LANGUAGE

Your Bank accomplished various parameters fixed by the Govt. of India, Ministry of Home Affairs, Deptt. of Official Language for FY'19. The Bank is using 'Unicode' fonts for Hindi correspondence etc. at all levels.

During FY'19, the Bank was awarded several prizes for its excellent performance in the use of Hindi which included the prestigious First prize namely **'Rajbhasha Kirti Shield'** the top most prize scheme of Government of India. The Bank was awarded 12 prizes in the field of Rajbhasha during FY'19 from Government of India, Ministry of Home Affairs and Rajbhasha Vibhag, which is a record of sorts.

In addition to this, Town Official Language Implementation Committees situated in different locations of the country and other Non-Government Organizations also awarded 106 prizes in region 'A', 24 prizes in region 'B' and total 13 prizes in region 'C' to our bank. Our staff members have

प्राप्त हुए है। हमारे स्टाफ सदस्यों ने भी व्यक्तिगत स्तर पर 120 पुरस्कार प्राप्त किए हैं। वित्तीय वर्ष 19 के दौरान संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति द्वारा हमारी शाखा कार्यालय श्रीनगर(गढवाल), मंडल कार्यालय सूरत और मंडल कार्यालय इन्दौर का दौरा किया गया। संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति द्वारा अंचल कार्यालय-दिल्ली, मंडल कार्यालय-मुम्बई और शाखा कार्यालय-पलवल का राजभाषा निरीक्षण किया गया।

वित्तीय वर्ष 19 के दौरान बैंक द्वारा सितम्बर 2018 में हिन्दी माह मनाया गया और 14 सितम्बर 2018 को हिन्दी दिवस का आयोजन भी किया गया। इस माह में विभिन्न कार्यक्रम/प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एवं पुरस्कार दिए गए।

एम. पीएनबी की अनुषंगियां और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

<u>घरेलू</u>

i) **पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड:** ऋण बाजार ने मुद्रास्फीति की चिंताओं, ऊंचे क्रूड मूल्यों और निवेशकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की मांग की कमी के कारण मंदी पर वर्ष की शुरुआत हुई। इसके बाद आरबीआई द्वारा रेपो दर में बढोतरी के कारण इसे और बल मिला।

बढी हुई अस्थिरता के बावजूद, कंपनी वित्त वर्ष 19 में रुपये 83 करोड़ के कर से पहले का लाभ प्राप्त करने में कामयाब रही। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने प्राथमिक और द्वितीयक बाजार दोनों में एक प्राथमिक डीलर के रूप में अपने सभी दायित्वों को पूरा किया। ट्रेजरी बिल प्रतिबद्धता के संबंध में, कंपनी ने 40% की निर्धारित सफलता के अनुपात को पार कर लिया, क्रमशः एच 1 और एच 2 में 41.16% और 40.40% प्राप्त किया। जी-सेक श्रेणी में, कंपनी ने अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया, जिससे सरकारी उधार कार्यक्रम का समर्थन किया गया। 31 मार्च, 2019 तक कंपनी का कुल कारोबार अनुपात (द्वितीयक बाजार) ट्रेजरी बिलों के लिए 179 गुना और सरकार द्वारा दिनांकित प्रतिभूतियों के लिए 303 गुना है जो आरबीआई की न्यूनतम सीमा के मुकाबले क्रमशः न्यूनतम 10 गुना और 5 गुना है।

ii) **पंजाब नैशनल बैंक इनवेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड**

कंपनी अपने परिचालन के पहले वर्ष से लाभ कमाने वाली कंपनी है। मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने 8.70 करोड रूपये की कुल आय में से शुल्क आधारित आय 5.80 करोड रुपये की आय अर्जित की जो मार्च 2018 वर्ष की समाप्ति के कुल आय 9.20 करोड रूपये के साथ 6.00 करोड रूपये शुल्क आधारित आय के मुकाबले है।, मार्च 2018 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए कर से पहले लाभ 3.90 करोड़ रूपये के मुकाबले मार्च 2019 को समाप्त होने की अवधि के दौरान 2.41 करोड रहा।

स्ट्रेस्ड एसेट्स पर आरबीआई के दिशानिर्देशों को वापस लेने के पश्चात् 12 फरवरी 2018 से पूरे वित्त वर्ष 2019 के लिए ऋण पुनर्गठन कार्य में महत्वपूर्ण गिरावट आई जिससे कुल राजस्व प्रभावित हुआ। कंपनी ने विचाराधीन अवधि में ऋण समूहन व्यवसाय को विकसित करने और मजबूत करने की पहल की। वित्तीय वर्ष 19 के दौरान, पीएनबीआईएसएल, पीएनबी की ओर से चार गैर-मुख्य

also received 120 prizes on individual basis. During the FY'19, the third sub-committee of Parliament on Official Language visited our Branch Office- Srinagar (Garhwal), Circle Office-Surat, and Circle Office-Indore. Drafting and Evidence Sub-Committee of the Committee of Parliament on Official Language inspected the Zonal Office-Delhi, Circle office-Mumbai and Branch Office-Palwal.

During the FY'19 also, the Bank celebrated **'Hindi Month'** during Sept. 2018 and also organized **'Hindi Diwas'** on 14th Sept. 2018. Several programmes/competitions were organized and awards & prizes were given during the month.

M. PNB SUBSIDIARIES AND REGIONAL RURAL BANKS

<u>DOMESTIC</u>

i) **PNB Gilts Limited:** Debt market started the year on a bearish note on the back of inflation concerns, elevated crude prices and absence of demand for government securities by investors. This was further accentuated by repo rate changes by RBI.

Despite the heightened volatility, Company managed to post a Profit before Tax of Rs. 83 crore in FY'19. Additionally, Company fulfilled all its obligations as a Primary Dealer in both primary and secondary market. With regard to Treasury Bills commitment, the Company exceeded the stipulated success ratio of 40%, achieving 41.16% and 40.40% in H1 and H2 respectively. In G-sec category, Company fulfilled the underwriting commitments, thereby supporting the government borrowing program. The Company's total turnover ratio (secondary market) stands at 179 times for treasury bills and 303 times for government-dated securities as on March 31, 2019 against the minimum RBI stipulation of 10 times and 5 times respectively.

ii) **PNB Investment Services Limited:** The Company is a profit making company from the first year of its operations. During the year ended March 2019, the Company earned fee based income of Rs. 5.80 crore with a total income of Rs.8.70 crore as against a fee of Rs. 6.00 crore and total income of Rs. 9.20 crore respectively for the year ending March 2018. Profit before Tax, during the period ending March 2019 was Rs. 2.41 crore as against Rs. 3.90 crore for the period ending March 2018.

Post withdrawal of RBI Guidelines on Stressed Assets w.e.f., 12th February 2018, there was a significant decline in debt restructuring assignments for the entire FY'19 thereby impacting the overall revenue. The Company took initiative to develop and strengthen the debt syndication business in the period under consideration. During FY'19, PNBISL was involved in successfully executing four non core

परिसंपत्ति विनिवेश जनादेशों को सफलतापूर्वक निष्पादित करने में शामिल थी। वित्तीय वर्ष 19 में कंपनी के ट्रस्टीशिप व्यवसाय ने ग्राहकों की संख्या में स्थिर वृद्धि दर्ज की है।

अंतर्राष्ट्रीय

iii) **पीएनबी इंटरनेशनल लिमिटेड (पीएनबीआईएल):** प्रेषण कारोबार से प्राप्त गैर-उधार राजस्व पर कम्यूनिटी को नए उत्पाद व सेवाएं उपलब्ध करने के अतिरिक्त पीएनबीआईएल ने सिंडिकेट ऋण और वित्तीय संस्थान के माध्यम से व्यवसाय की अलग अलग लैडिग बुक बनाने पर जोर दे रहा है। यह यूके में ग्राहकों को मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन प्रेषण सुविधा प्रदान करने के लिए अपने प्रौद्योगिकी मंच को भी मजबूत कर रहा है। विरासत पोर्टफोलियो को कम करने और विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन की जगह पर पीएनबीआईएल ने बैंक में शासन प्रथाओं को भी मजबूत किया है।

पीएनबीआईएल के पास $723 मि. की ग्राहक जमाराशि और $917 मि. का अग्रिम है। वित्तीय वर्ष 2019 का परिचालन लाभ, कर और लाभांश के प्रावधान के पहले $16.43 मिलियन था, जो वित्तीय वर्ष 18 के $1.93 मिलियन से अधिक है। वित्तीय वर्ष '19 की कुल आय $47.02 मिलियन थी और शुद्ध ब्याज आय $33.53 मिलियन थी। वित्त वर्ष 19 के लिए नेट ट्रेडिंग आय $1.3 मिलियन थी। वित्त वर्ष 19 के लिए शुद्ध लाभ (कर से पहले) $7.37 मिलियन वर्ष 2018 के $5.89 मिलियन डॉलर के मुकाबले रही ।

ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले ब्रेक्सिट के साथ, व्यवसाय और निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप सामान्य रूप से ऋण की मांग प्रभावित हुई है।

iv) **ड्रुक पीएनबी बैंक लिमिटेड:** 31.3.2019 को बैंक का कुल कारोबार रु.1726 करोड़ से बढ़कर रू.2141 करोड़, 24.04% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्शाता है। अनुषंगी के नेटवर्क में 7 शाखाएं और 22 एटीएम शामिल हैं। लाभप्रदता के मोर्चे पर, अनुषंगी ने अच्छी कमाई दिखाई, और बैंक का लाभ वित्त वर्ष 18 के दौरान रु 19 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 19 के दौरान 28 करोड़, 45% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 19 के दौरान, बैंक ने राइट्स इश्यू के जरिए अपनी पेड कैपिटल को 45 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 70 करोड़ रुपये कर दिया। बैंक ने फिनेकल 10 में भी प्रविष्ट किया और कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) के साथ अपने स्विफ्ट संचालन को एकीकृत किया।

v) **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी)**

वर्तमान में, बैंक द्वारा **पांच आरआरबी** प्रायोजित हैं जो पांच राज्यों, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कार्यरत हैं, जिसमें 93 जिले के साथ 2937 शाखाओं के नेटवर्क शामिल हैं।

31.03.2019 को पीएनबी प्रायोजित आरआरबी का कुल कारोबार 91293 करोड़ रुपये रहा। 31.03.2019 को आरआरबी की कुल जमा राशि 56546 करोड़ रुपये और अग्रिम 34747 करोड़ रुपये थी। सभी पीएनबी प्रायोजित आरआरबी लाभ में बने रहे और मार्च'19 को समाप्त होने वाली संयुक्त अवधि के दौरान सभी आरआरबी का

asset disinvestment mandates on behalf of PNB. The trusteeship business of the company recorded steady growth in number of clients in FY'19.

INTERNATIONAL

iii) **PNB International Limited (PNBIL):** PNBIL is focusing on diversifying the loan book through syndicated loan and financial institution business apart from providing new products and services to the community with emphasis on non-lending revenue from remittance business. It is also strengthening its technology platform to offer Mobile Banking and online remittance facilities to the customers in UK. Having reduced the legacy portfolio and having prudent risk management in place, PNBIL has also strengthened the governance practices in the Bank.

PNBIL is having customer deposit of $723mn and advances of $917mn. The Operating Profit before provision, tax and dividends for FY'19 stood at $16.43 mn, which is higher from $11.93 mn in FY'18. Total income for FY'19 stood at $47.02 mn and Net interest Income was at $33.53 mn.Net trading income stood at $1.3 mn for FY'19. Net profit (before tax) for FY'19 was $7.37mn against $5.89 mn of FY'18.

With Brexit impacting the UK economy, businesses and investors are adopting a cautious approach resulting in subdued demand in general, thereby impacting overall credit demand.

iv) **Druk PNB Bank Limited:** Total business of the Bank as on 31.3.2019 increased to Rs. 2141 crore from Rs.1726 crore as on 31.3.2018, showing a YOY growth of 24.04%. The network of the subsidiary comprises of 7 branches and 22 ATMs. On the profitability front, the subsidiary showed good earnings, and the profit of the Bank has increased from Rs.19 crore during FY'18 to Rs. 28 crore during FY'19, registering a growth of 45% on YoY basis. During FY'19, the Bank successfully increased its paid up capital from Rs.45 crore to Rs.70 crore through rights issue. The Bank also migrated to Finacle10x and integrated its Swift operations with Core Banking Solution (CBS).

v) **REGIONAL RURAL BANKS (RRBs)**

At present, **five RRBs** are sponsored by the Bank which are operating in five States, namely, Bihar, Haryana, Himachal Pradesh, Punjab and Uttar Pradesh covering 93 **districts** with a network of 2937 **branches**.

Total Business of PNB sponsored RRBs as on 31.03.2019 stood at Rs.91293 crore. Total Deposits of RRBs were Rs.56546 crore and advances were Rs. 34747 crore as on 31.03.2019. All PNB Sponsored RRBs remained in Profit and combined Net Profit

शुद्ध लाभ संयुक्त रूप से 185.96 करोड़ रुपये रहा। आरआरबी ने 31.03.19 तक प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत कुल 58,81,415 खाते खोले हैं। 37,18,902 खाताधारकों को रुपे एटीएम कार्ड जारी किए गए।

आरआरबी का 31.03.2019 पर वित्तीय प्रदर्शन (गैर-लेखापरीक्षित)

(राशि करोड़ में)

क्र. सं.	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रदर्शन	31 मार्च' 18 (लेखापरीक्षित)	31 मार्च'19 (गैर -लेखापरीक्षित)	वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि%
1	समग्र जमाराशियां	51843	56546	9.07
2	समग्र अग्रिम	31250	34746	11.19
3	समग्र शुद्ध लाभ	246	186	-24.32
4	सीबीएस के अंतर्गत शाखाएं	100%	100%	
5	प्रति कर्मचारी लाभ (रु.लाख)	2.08	1.52	-26.90
6	हानि में चलने वाली शाखाओं की संख्या (12 माह या इससे अधिक पुरानी)	160	72	

एन. पुरस्कार और सम्मान

एक चुनौतीपूर्ण वर्ष होने के बावजूद, बैंक न्यूनतम संभव समय में अच्छा प्रदर्शन करने और बदलाव लाने में सक्षम रहा है। बैंक ने आने वाले समय में प्रतिस्पर्धी और लाभप्रद बने रहने के लिए अपने बिजनेस मॉडल का पुनर्गठन भी जारी रखा। बैंक के इन सभी प्रयासों को विभिन्न प्लेटफार्मों पर मान्यता दी गई और बैंक को विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए।

वित्तीय सेवाएं विभाग, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधारों का एक एजेंडा **ईज़ (Enhanced Access & Service Excellence)** के तहत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच पीएनबी को समग्र रूप से **"सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला बैंक"** घोषित किया गया। इसके अलावा, बैंक के अंतर्गत छः महत्वपूर्ण थीम में से चार यानी ग्राहक प्रतिक्रिया (विजेता), उत्तरदायी बैंकिंग (विजेता), क्रेडिट आर्फ-टेक (विजेता) और वित्तीय समावेशन और डिजिटलाइजेशन में वृद्धि (रनर अप) में बोस्टन कंसल्टेंसी ग्रुप के स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर बैंक की पहचान स्थापित हुई।

उपरोक्त के अलावा, बैंक को बिजनेस टुडे और केपीएमजी द्वारा **वित्तीय समावेशन में सर्वश्रेष्ठ के** रूप में मान्यता दी गई है। इसके अलावा, यूआईडीएआई, भारत सरकार ने **"आधार सृजन और अद्यतन"** के संदर्भ में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में मान्यता देकर **"आधार एक्सीलेंस अवार्ड"** से पुरस्कृत कर हमारे प्रयासों को स्वीकार किया है। बैंक को **"मोस्ट कस्टमर सेंट्रिक इनिशिएटिव्स युजिंग टेक्नोलॉजी (रनर अप)"** के लिए **"आईबीए बैंकिंग टेक्नोलॉजी अवार्ड 2019"** से भी सम्मानित किया गया है। प्रयासों की सराहना करते हुए, एनएसडीएलएन, दिल्ली ने बैंक को खाता वृद्धि दर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता (टॉप डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट) और नए खुले खातों में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता (बैंक श्रेणी) घोषित किया। टॉप रैंक प्रबंधन क्लब ने एंटरप्रेन्योरियल पाथ ब्रेकरी के लिए टॉप रैंकर्स उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया। अभी हाल ही में, बैंक को 'बेस्ट बैंक

of RRBs during the period ended Mar'19 stood at Rs.185.96 crore. RRBs have cumulatively opened 58,81,415 accounts under Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) as on 31.03.19. RuPay ATM cards were issued to 37,18,902 account holders.

Financial Performance of RRBs as on 31.03.2019 (Un-audited)

(Amt. in Rs. Crore)

Sl.	Performance of RRBs	31st Mar'18 (Audited)	31st Mar'19 (Un-Audited)	YoY Growth %
1	Aggregate Deposits	51843	56546	9.07
2	Aggregate Advances	31250	34746	11.19
3	Aggregate Net Profit	246	186	-24.32
4	Branches under CBS	100%	100%	
5	Profit Per Employee (Rs lakh)	2.08	1.52	-26.90
6	No. of Loss Making Branches (being 12 month old or more)	160	72	

N. AWARDS AND ACCOLADES

Despite being a challenging year, your Bank has been able to perform well and engineer turnaround in the shortest possible time. The Bank also continued to restructure its business model to remain competitive and profitable in the times to come. All these efforts of the Bank were recognized at various platforms and also brought the Bank many laurels.

PNB was adjudged overall **"Best Performing Bank"** among all Public Sector Banks **under EASE (Enhanced Access & Service Excellence),** an agenda of reforms launched by DFS, Govt. of India. In addition, the Bank received recognition in four out of the six key themes envisioned under EASE i.e., Customer Responsiveness (Winner), Responsible Banking (Winner), Credit Off-take (Winner) and Deepening Financial Inclusion & Digitalization (Runner Up) based on an independent assessment by Boston Consultancy Group.

In addition to the above, the Bank has been recognized as **"Best in Financial Inclusion"** by Business Today and KPMG. Further, the UIDAI, Govt. of India has also acknowledged our efforts by awarding **"Aadhar Excellence Award"** as the 2nd Best Performing Public Sector Bank in terms of **Aadhar Generation and Update**. The Bank has also been bestowed with the **"IBA Banking Technology Award 2019"** for **"Most Customer Centric Initiatives Using Technology** (Runner Up) among large Banks". In appreciation of efforts, NSDL, Delhi adjudged the Bank as "Best Performer in Account Growth Rate (Top Depository Participant)"and "Top Performer in New Accounts opened (Bank Category)". Top Rankers Management Club conferred "Top Rankers Excellence Award for Entrepreneurial Path Breaker" to the Bank.

फॉर कारपोरेट सोशियल रेस्पोंसिबिलिटी के रूप में पहचान की गई और एशियामनी बैंकिंग अवार्ड से पुरस्कृत किया गया।

ग्राहकों की संतुष्टि रेटिंग के मामले में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बैंकों 2019 का आकलन करने के लिए फोर्ब्स के सर्वेक्षण में, पंजाब नैशनल बैंक को भारत में सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में दूसरे और 30 बैंकों (निजी और विदेशी बैंकों सहित) में 7वें स्थान पर रखा गया। मार्केट अनुसंधान फर्म स्टेटिस्टा के साथ साझेदारी में दुनिया भर के 23 देशों में 40,000 से अधिक ग्राहकों का सर्वेक्षण किया गया था। ग्राहकों की समग्र सिफारिश और संतुष्टि, साथ ही साथ 5 मुख्य विशेषताओं या 1 के 'उप-आयाम' अर्थात 1) विश्वास 2) नियम और शर्तें 3) ग्राहक सेवा 4) डिजिटल सेवा और 5) वित्तीय सलाह, के आधार पर बैंकों को रेट करने के लिए कहा गया था।

ओ. बैंक की भावी कारोबार योजना

वित्तीय वर्ष 19 में बैंक का टर्नअराउंड, लचीलापन और आत्म-विश्वास, प्रतिबद्धता और प्रेरणा की हमारी विरासत का प्रमाण है। आगे की ओर बढ़ते हुए, यह हमें विश्वास दिलाता है कि बैंक प्रदर्शन की गति को और अधिक बढ़ाएगा। बैंक सर्वश्रेष्ठ ग्राहक सेवा, परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार, एक मजबूत आईटी प्लेटफॉर्म का निर्माण, लागत में कटौती और इसके आयामों का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। हम अवसर प्राप्त करने, बैलेंस शीट को मजबूत करने, राजस्व पूल बढ़ाने, ग्राहक यात्रा के साथ आगे बढ़ने के लिए नए अभिनव उत्पादों को लॉन्च करके और अधिक डेटा-संचालित होने के अपने डिजिटल एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे। ये पहल हमें बैंकिंग की पुनः कल्पना करने, व्यापार में उच्च वृद्धि दर्ज करने, दक्षता और लाभप्रदता प्राप्त करने की हमारी आकांक्षा को आगे बढाने में सक्षम बनाएगी।

बैंक ने हमेशा कर्मचारियों को सबसे मूल्यवान संपत्ति माना है। मानव पूंजी को विकसित करने के लिए प्रमुख केंद्रित क्षेत्रों में विविधता और समावेश, उत्तराधिकार योजना, महत्वपूर्ण पदों के लिए एक प्रतिभा पूल विकसित करना, नेतृत्व विकास के अलावा निरंतर भर्ती और प्रशिक्षण कर्मचारियों को कौशल सेट में वृद्धि करना शामिल है। हम अपनी टीम में विविधता को महत्व देते हैं और दृढ़ता से विपरित सलाह देने में विश्वास करते हैं क्योंकि युवा कर्मचारी विविध अध्ययन और प्रवीणता के साथ आते हैं और उनकी उपस्थिति गति, नए दृष्टिकोण और अपने परिवर्तन एवं चुनौतियों को संबोधित करने के लिए नए विचारों को जोडती है।

हम, मिशन परिवर्तन के माध्यम से बैंक को बदलने में महत्वपूर्ण प्रगति करना जारी रखेंगे। बैंक के पास एक प्लेटफ़ॉर्म है, लीड PARIVARTAN जो कर्मचारियों को प्रदर्शन में सुधार के लिए विचारों को प्रोत्साहित करता है। बैंक यह सुनिश्चित करता है कि व्यावहारिक विचारों का त्वरित रूप से कार्रवाई और निष्पादन में रूपांतरित किया जा रहा है। कई नए विचारों को लागू किया गया है और आगे बढ़ते हुए हम इस अभियान को जारी रखना चाहते हैं।

हमारे पास सबसे बडी संख्या में शाखा नेटवर्क होने की शक्ति है, 11 लाख से अधिक संतुष्ट ग्राहक के आधार पर, 70000 समर्पित कर्मचारियों ने राष्ट्र और ग्राहकों के लिए हमारे दशकों की सेवा की सफलता की कहानी को आगे बढाने के लिए दृढ़ संकल्प किया है। विकास के अगले चरण में हमारी परिकल्पना डिजिटल युग में सरल,

Recently, Bank was also recognized as "Best Bank For Corporate Social Responsibility" and bestowed with Asiamoney Banking Awards 2019.

In the Forbes survey for assessing "The World's Best Banks 2019" in terms of customer satisfaction ratings, PNB was ranked 2nd among all Public Sector Banks & 7th among 30 Banks (including Private and Foreign Banks) in India. The survey was carried in partnership with market research firm Statista by surveying more than 40,000 customers across 23 countries around the globe. Customers were asked to rate banks on overall recommendation and satisfaction, as well as 5 key attributes or 'sub-dimensions' of 1) trust, 2) terms and conditions 3) customer service 4) digital service and 5) financial advice.

O. FUTURE BUSINESS PLAN OF THE BANK

Bank's performance in FY'19 despite the challenges is a testimony to our continued resilience. Going ahead, this gives us the confidence that Bank will carry forward the performance momentum. Bank will continue its focus on best customer service, improvement in quality of assets, building a strong IT platform, rationalizing costs and expanding its dimensions. We will realign our business model to capture opportunities, strengthen balance sheet, increase revenue pool, further our digital agenda by launching new innovative products to press ahead with customer journeys and become more data-driven. These initiatives will enable us to forge ahead in our quest to re-imagine banking, register higher business growth and achieve efficiency and profitability.

The Bank has always perceived employees as its most valuable assets. In order to develop human capital, key focus areas include succession planning, developing a talent pool for critical positions, leadership development besides continuously recruiting and training staff to augment skill set. We value the diversity in our team and strongly believe in reverse mentoring as younger employees come with diverse learnings & skills and their presence adds pace, fresh perspectives and new ideas to address changes and challenges.

We shall continue to make important progress in transforming the bank through the transformation exercise, Mission Parivartan. Bank has a portal, Lead the PARIVARTAN that encourages employees to pitch in ideas for improving performance. Bank ensures that the workable ideas are translated into action and execution. Several new ideas have been implemented and going forward we intend to continue with the drive.

We have the strength of numbers with the largest branch network, a loyal customer base of over 11 lakh, 70000 dedicated employees determined to carry forward the success story of our decades of service to the nation and customers. Our vision in the next phase of growth is

तेज और प्रासंगिक बैंकिंग देने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया और नवाचार के माध्यम से संख्या को अधिक से अधिक शक्तिशाली बनाने की है। जैसा कि हम सेवा के 125 वें वर्ष में कदम रख रहे हैं, हम अपने मूल मूल्यों और प्रमुख सिद्धांतों पर खड़े रहकर पीएनबी की विरासत को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिस पर हमारा बैंक स्थापित किया गया हैं, ताकि हम अपनी भूमिका को और लोगों व् राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाते रहें।

पी. निदेशक मंडल

31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार, बैंक के निदेशक मंडल में 3 पूर्णकालिक निदेशकों सहित कुल 9 निदेशक थे अर्थात एक प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सहित दो कार्यपालक निदेशक शामिल थे। वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, निदेशक मंडल की संरचना में निम्नलिखित परिवर्तन हुए:

- शेयरधारक श्रेणी के अंतर्गत सुश्री हीरु मीरचन्दानी, निदेशक ने 01.05.2018 को अपना कार्यकाल पूर्ण किया।
- डॉ आशा भंडारकर के तीन वर्ष की अवधि के लिए जो 12.09.2018 से प्रभावी है बैंक के मंडल में शेयरधारक निदेशक के रूप में चुना गया।
- श्री सुधीर नायर, निदेशक को 18.12.2018 को शेयरधारक श्रेणी के रुप में अपना कार्यकाल पूर्ण किया ।
- श्री के.वी. ब्रह्माजी राव को डीएफएस की अधिसूचना F. No. 16/13/2018-BO.I dated 18.01.2019 के तहत पीएनबी के कार्यपालक निदेशक की अवधि 18.01.2019 से समाप्त।
- श्री संजीव शरण को डीएफएस की अधिसूचना F. No. 16/13/2018-BO.I dated 18.01.2019 के तहत पीएनबी के कार्यपालक निदेशक की अवधि 18.01.2019 से समाप्त।
- श्री अज्ञेय कुमार आजाद बैंक के बोर्ड में 22.01.2019 से कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किए गये है।
- बोर्ड सुश्री हीरु मीरचन्दानी और श्री सुधीर नायर द्वारा किए गए बहुमूल्य योगदान के लिए उनकी सराहना करता है।

क्यू. निदेशकों का उत्तरदायित्व वक्तव्य

निदेशकगण पुष्टि करते हैं कि 31 मार्च'19 को समाप्त हुए वर्ष हेतु वार्षिक लेखों को बनाने में:

- महत्वपूर्ण विचलन, यदि कोई हैं, के संबंध में उचित स्पष्टीकरण देते हुए लागू लेखा मानकों का पालन किया गया है।
- भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशानुसार बनाई गई लेखांकन नीतियों का अनुपालन किया गया है।
- यथोचित एवं विवेकपूर्ण निर्णय व आंकलन किए गए हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत तक बैंक की स्थिति और 31 मार्च'19 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बैंक के लाभ को सही व स्पष्ट रूप से दर्शाया जा सके।
- भारत में बैंकों पर लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार यथोचित लेखा अभिलेखों को समुचित व पर्याप्त सावधानी के साथ बनाया गया है तथा:
- कार्यशील संस्था के सिद्धांत के आधार पर इन लेखों को तैयार किया गया है।

to make this strength of numbers count more and more through quick response and innovation to deliver simple, fast and contextual banking in the digital age. As we step into 125th year of service, we remain committed to strengthening the legacy of PNB by staying true to our core values and key tenets upon which our Bank is founded, enhancing our role and commitment towards People and Nation building.

P. BOARD OF DIRECTORS

Board of the Bank compromises of 9 Directors including 3 whole time Directors i.e. One Managing Director & CEO and two Executive Directors as on 31.03.2019. During FY'19, the following changes took place in the composition of Board of Directors:

- Ms. Hiroo Mirchandani, Director under Shareholder category completed her tenure on 01.05.2018.
- Dr. Asha Bhandarker has been elected as Shareholder Director on the Board of the Bank for a period of three years w.e.f., 12.09.2018.
- Shri Sudhir Nayar, Director under Shareholder category completed his tenure on 18.12.2018.
- As per DFS notification F. No. 16/13/2018-BO.I dated 18.01.2019, Shri K. V. Brahmaji Rao cease to be the Executive Director of PNB w.e.f. 18.01.2019.
- As per DFS notification F. No. 16/13/2018-BO.I dated 18.01.2019, Shri Sanjiv Sharan cease to be the Executive Director of PNB w.e.f. 18.01.2019
- Shri Agyey Kumar Azad was appointed as Executive Director on Board of the Bank w.e.f., 22.01.2019.

  The Board wishes to place on record its appreciation for the valuable contribution made by Ms. Hiroo Mirchandani and Shri Sudhir Nayar.

Q. DIRECTORS' RESPONSIBILITY STATEMENT

The Directors confirm that in the preparation of the annual accounts for the year ended 31st March'19:

- The applicable Accounting Standards have been followed along with proper explanation relating to material departures, if any;
- The accounting policies, framed in accordance with the guidelines of the Reserve Bank of India, were consistently applied;
- Reasonable and prudent judgment and estimates were made so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Bank at the end of the financial year and of the profit of the Bank for the year ended 31st March'19;
- Proper and sufficient care was taken for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of applicable laws governing banks in India, and;
- The accounts have been prepared based on the principle of "going concern".

आर. आभार

बैंक को अपना बहुमूल्य सहयोग एवं सतत संरक्षण प्रदान करने तथा इसमें अपना विश्वास बनाए रखने के लिए निदेशक मंडल भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंजों, बैंक के ग्राहकों, आम जनता तथा शेयरधारकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है।

बैंक के सभी स्तरों पर कार्यरत स्टाफ द्वारा किए गए बहुमूल्य योगदान हेतु निदेशक मंडल उनकी प्रशंसा करता है तथा भावी लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनकी अनवरत सहभागिता की आशा करता है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

सुनील मेहता
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

R. ACKNOWLEDGEMENT

The Board expresses its thanks to the Government of India, Reserve Bank of India, Securities and Exchange Board of India, Stock Exchanges, Bank's customers, Public and the Shareholders for valuable support, continued patronage and confidence reposed in the Bank.

The Board wishes to place on record its appreciation for the valuable contribution made by the Bank's staff at all levels and looks forward to their continued involvement in achieving the future goals.

For and on behalf of Board of Directors

Sunil Mehta
Managing Director & CEO

प्रबंधन परिचर्चा एवं विश्लेषण

MANAGEMENT DISCUSSION & ANALYSIS

प्रबंधन परिचर्चा एवं विश्लेषण

ए) औद्योगिक संरचना एवं विकास :

वित्तीय वर्ष 2019 बैंकिंग क्षेत्र के लिए चुनौतीपूर्ण बना रहा, हालांकि दो पक्षों अर्थात् क्रेडिट ऑफटेक और एसेट क्वालिटी से राहत के संकेत मिले । आरबीआई के नए ढांचे के माध्यम से दबावग्रस्त आस्तियों की पहचान करने में हुई बढ़ोत्तरी के अलावा, दिवाला और दिवालियापन संहिता के माध्यम से समाधान करने में बढ़ोत्तरी हुई थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए सरकार की मेगा पुनः पूंजीकरण योजना के साथ-साथ उनके समेकन की दिशा में उठाया गया कदम सेक्टर को मजबूत करने के पक्ष में है। भारतीय रिज़र्व बैंक के आय पहचान के मानदंडों के परिणामस्वरूप बैंकों ने एनपीए के रूप में कमजोर ऋणों के एक बड़े अनुपात को वगीकृत किया है।

वित्तीय वर्ष 2019 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर वित्तीय वर्ष'19 की 7.2% से गिरकर 6.8% पर आ गई जो पांच वर्षों में सबसे कम है। जबकि, कृषि और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन का जहां जीडीपी विकास दर पर असर पड़ा, वहीं एनबीएफसी की तरलता में कमी, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और रुपये में गिरावट का असर जारी रहा। जब तक सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में निवेश करना जारी रखती है, निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए मांग में प्रबल पुनरुत्थान होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यद्यपि जीडीपी की वृद्धि धीमी रही, ग्रामीण मांग में अपेक्षित सुधार, राजनीतिक स्थिरता और कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता के साथ आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

बी. अवसर एवं जोखिम

भारत में बैंकिंग परिवर्तन के शिखर पर है और उद्योग के महत्वपूर्ण घटकों में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिलेगें । यहां तक कि जब उद्योग दबावग्रस्त आस्तियों के कारण दबाव में रहता है, तब भी यह सम्पूर्ण सेक्टर मूल्य निर्माण के लिए दुनिया के सबसे बड़े अवसरों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है ।

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में से एक है और इसका मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल मजबूत रहने वाला है। उभरते हुए व्यवधानों और विनियामक परिवर्तनों के संयोजन साथ यह कारक वित्तीय क्षेत्र के लिए अपार अवसर लेकर आया है । तकनीकी ज्ञान रखने वाले मध्यवर्ग के विस्तार ने पिछले एक दशक में भारत में खुदरा बैंकिंग को बदल दिया है। जीएसटी और बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ कई नए एसएमई औपचारिक ऋण व्यवस्था में प्रवेश करेंगे। उसी समय, नियामक दबाव नए डिजिटल व्यापार मॉडल के उद्भव के लिए प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित और मार्ग तैयार कर रहा है। वित्तीय समावेशन पर ध्यान केंद्रित है। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कम लागत वाले प्लेटफॉर्म उदाहरणस्वरुप, रुपे यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई), भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम), आदि लॉन्च किए गए हैं। ये विकास फाइनेंसियल प्लेयर्स को लाखों नए उपभोक्ताओं की सेवा करने वाले नए बिजनेस मॉडल बनाने का अवसर देते हैं। इसके अलावा बड़े पैमाने की किफायतें, नेटवर्क सीनर्जी और महत्तर लोकसंपर्क और विस्तार के साथ समेकन के कारण कुछ मजबूत प्रतिस्पर्धा बैंक दिखाई देंगे।

MANAGEMENT DISCUSSION & ANALYSIS

a. Industry Structure & Developments

The Financial Year 2019 continued to be challenging for the banking sector, albeit there were signs of respite on two fronts i.e credit off take and asset quality. There was enhanced resolution through the Insolvency and Bankruptcy Code and increased recognition of stressed assets through a new RBI framework. Government's mega recapitalisation plan for Public Sector Banks (PSBs) alongwith the step taken towards their consolidation, stacks up in favour of strengthening the sector. As a result of RBI's income recognition norms, Banks have categorised a big proportion of weak loans as NPAs.

The GDP growth for FY'19 slowed down to a five year low of 6.8% slowing from 7.2% in FY'18. While subdued performance of agriculture and mining sectors weighed on the GDP growth, liquidity crises, high crude oil prices and rupee depreciation continued to be the dampeners. While the Government continues to invest in the infrastructure development, strong revival in demand is crucial for attracting private investment. Though GDP growth has slowed down, economic activity is expected to pick up pace going forward with the expected revival in rural demand, political stability and stability in crude oil prices.

b. Opportunities and Threats

Banking in India is at the cusp of transformation and will see some major changes in the vital components of the industry. Even as the industry continues to be under pressure from stressed assets, the sector as a whole represents one of the world's biggest opportunities for value creation.

India is one of the fastest growing economy of the world and its macroeconomic fundamentals continue to remain strong. This coupled with the emerging disruptions and regulatory changes have brought in immense opportunity for the financial sector. While the expansion of the tech savvy middle class have transformed retail banking in India over the past decade, many new SMEs will enter into the formal credit system with GST and increasing digitisation. At the same time, regulatory push is encouraging competition and paving way for emergence of new digital business models. The focus on financial inclusion has continued. Low-cost platforms have been launched to promote digital payments, for example, RuPay Unified Payment Interface (UPI), Bharat Interface for Money (BHIM), etc. These developments give financial players opportunities to build innovative business models serving millions of new consumers. Besides, consolidation will see a few strong competitive banks with economies of scale, network synergies and the possibility of greater outreach and expansion.

The fast changing Banking scene along with fast changing

तेजी से बदलते रुझानों और युक्त डिजिटलाइजेशन के साथ तेजी से बदलते बैंकिंग परिदृश्य पीएसबी के लिए एक अभिनव चुनौती पेश करते हैं । अन्य प्रतिभागियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण बैंक इन ग्राहकों की सेवा करने के लिए चुनौतियों का सामना करेंगे । इन मुद्दों से निपटने के लिए बैंकों को अपनी पारंपरिक ऋण प्रक्रिया की समीक्षा करने की आवश्यकता होगी।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती खराब ऋणों से निपटना और एनपीए खातों में वसूली में तेजी लाना है ताकि पूंजी की स्थिति और लाभप्रदता बनी रहे। साइबर अपराध एक नई चुनौती है, क्योंकि नई तकनीक नई चुनौती लाती है। अत:, आस्ति गुणवत्ता पर निरंतर सतर्कता के अलावा साइबर सुरक्षा का प्रभावी कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है।

संक्षेप में, ग्राहक सुविधा में सुधार, डिजिटल भुगतान के लिए नए उत्पाद और साइबर सुरक्षा में सुधार के लिए उपाय प्रभावी और कम लागत में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए अनिवार्य होंगे। एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली आर्थिक विकास के लिए आवश्यक शर्तों में से एक है। इसलिए बढ़ती अर्थव्यवस्था में मौजूद अवसरों को दोबारा हासिल करने के लिए चुनौतियों का सामना करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि बैंकिंग प्रणाली हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में एक सकारात्मक मध्यस्थ की भूमिका निभाती रहे।

सी. खंड-वार या उत्पाद-वार प्रदर्शन

बैंक के कुछ प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण नीचे दिया गया है:

i. संसाधन संग्रहण

बैंक की कुल जमाराशियों में 9% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के साथ मार्च'19 के अंत तक रु 6,54,536 करोड़ की वृद्धि हुई। घरेलू जमाराशियों में कासा जमाराशियों की हिस्सेदारी 43.51% रही।

संकुचित तरलता की स्थिति को देखते हुए, प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए और किफायती तरीके से फंड क्रेडिट में वृद्धि के लिए, एक नई सावधि जमा योजना पीएनबी सुगम प्लस-555 और पीएनबी उत्तम-555 को आरम्भ किया गया। सुगम और उत्तम वेरिएंट्स के तहत 111/222/333 दिनों के लिए, सावधि योजना का एक और वेरिएंट 01.02.2019 को पेश किया गया। इस योजना के तहत 31.03.2019 तक रु. 16002 करोड़ जुटाए गए। 12.10.2018 को एनआरई, एनआरओ और एफसीएनआर (बी) के तहत बल्क डिपॉजिट की स्वीकृति डिफरेंशियल ब्याज दर के प्रस्ताव के साथ लागू की गई।

ii. ऋण विनियोजन एवं वितरण

बैंक के निवल अग्रिम में मार्च 18 के 14.1% की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि के साथ रु 430294 करोड़ से मार्च'19 में रु 490975 करोड़ की वृद्धि हुई। रेटिंग ए और उससे ऊपर की बाह्य रेटिंग के साथ नए अनुमोदन कुल अनुमोदन के एक प्रमुख हिस्से को तैयार किया। इसी प्रकार, बैंक ने घरेलू ऋण जोखिम भारित परिसंपत्तियों (आरडब्ल्यूए) में वर्ष के दौरान 24782 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 51788 करोड़ रुपये की सकल घरेलू ऋण जोखिम में वृद्धि के कारण एक्सपोज़र की अपनी गुणवत्ता में सुधार किया है।

trends and rapid digitalization presents a unique challenge for PSBs. Banks will face challenges to serve these customers in the face of stiff competition from other players. To address these issues, banks will need to review their traditional lending mechanisms.

One of the big challenge for the banking sector remains in the form of tackling bad loans and expediting recovery in NPA accounts to maintain the capital position and profitability. Cyber risk is another major challenge since new technology brings with it new challenges. Therefore, apart from continued vigil on the asset quality, diligent implementation of cyber security measures is crucial.

In a nutshell, improvements in customer service, introduction of innovative products for digital payments and measures to improve cyber security will be essential to provide financial services efficiently and cost-effectively. A strong banking system is one of the essential pre-requisites for economic growth. Hence challenges will need to be surmounted to reap the opportunities present in a growing economy and ensure that the banking system keeps playing a positive intermediation role in supplementing the financial needs of our growing economy.

c. Segment-wise or Product wise Performance

The performance of some of the major business segments of the Bank is analyzed below:

i. Resource Mobilization

The Domestic deposits of the Bank increased to Rs.6,54,536 crore as at the end of Mar'19 with a YoY growth of 9%. The share of CASA deposits in Domestic Deposits stood at 43.51%.

In view of tight liquidity conditions, in order to address the competition and fund credit growth in a cost efficient manner, new fixed deposit schemes PNB Sugam Plus–555 & PNB Uttam 555 were introduced. 111/222/333 days under Sugam and Uttam Schemes, another variant of FD scheme were introduced on 01.02.2019. As on 31.03.2019, Rs.16002 crore have been mobilized under the schemes. Acceptance of Bulk Deposit under NRE, NRO and FCNR (B) has been introduced on 12.10.2018 by offering differential rate of interest.

ii. Credit Deployment and Delivery

Gross Domestic Advances of the Bank increased to Rs.4,90,975 crore in March'19 from Rs.4,30,294 crore in March'18 with a YoY growth of 14.1%. Fresh Sanctions with external rating A and above formed a major part of the sanctions. Similarly, Bank has improved its quality of exposures as indicated by a decline in domestic credit risk-weighted assets (RWA) by Rs.24782 crore during the year despite increase in gross domestic credit exposure by Rs.51788 crore.

लघु उद्योग (एसएसआई) और गैर-एसएसआई श्रेणी से संबंधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टीयूएफएस) के अंतर्गत बैंक में लगभग 596 खाते हैं। वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, बैंक को टेक्सटाइल मंत्रालय (एमओटी) से रु.19.67 करोड़ की टीयूएफएस सब्सिडी प्राप्त हुई है तथा इसे पात्र उधारकर्ताओं में वितरित किया गया है।

iii. ऋण समूहन

वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, बैंक ने रु.625.67 करोड़ के कुल ऋणों के समूहन/मूल्यांकन हेतु मंजूरी दी जिसमें पीएनबी का हिस्सा रु.334.20 करोड़ था। साथ ही तकनीकी प्रकोष्ठ ने रु. 49879.72 करोड़ के कुल ऋणों के तकनीकी व्यवहार्यता (टीइवी) अध्ययन/पुनरीक्षण रिपोर्ट का संचालन किया जिसमें बैंक का हिस्सा रु. 3164.21 करोड़ था।

iv. खुदरा ऋण

वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, खुदरा ऋण में 21.71% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के साथ रु. 92727 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई। आवास ऋण 25.40% से बढ़कर रु.51980 करोड़ जबकि व्यक्तिगत ऋण में 7.33% की वृद्धि हुई।

समस्त खुदरा ऋण के प्रसंस्करण को स्वचालित और इसे एक समान और तेज बनाने के लिए बैंक ने इन-हाउस एक केंद्रीकृत ऋण आवेदन एवं प्रसंस्करण प्रणाली (क्लैप्स) को विकसित किया है। खुदरा ऋण के अंतर्गत पोस्ट स्वीकृत ऋण खातों की निगरानी की प्रणाली को स्वचालित किया गया है जिसमें अनुस्मारक एवं किस्तों को जमा करने का सिस्टम तैयार किया गया है।

व्यक्तिगत ऋण का एक नया संस्करण 'पीएनबी- डॉक्टर्स डिलाइट' पेश किया गया था। इसके अलावा पीएनबी रक्षक प्लस योजना के अंतर्गत रक्षा कार्मिक को अनुकूलित पेशकश हेतु बैंक ने रक्षा संस्था के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया।

v. प्राथमिकता क्षेत्र

राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति: बैंक ने वित्तीय वर्ष'19 के लिए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, कृषि और अन्य उप-क्षेत्रों के राष्ट्रीय लक्ष्य निम्नानुसार प्राप्त कर लिए हैं:

राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति (त्रैमासिक वार्षिक औसत आधार पर)

एएनबीसी का % लक्ष्य	लक्ष्य (राष्ट्रीय लक्ष्य % में)	31 मार्च,2018	31 मार्च, 2019'
प्राथमिकता क्षेत्र ऋण जिसमें	40	40.94	41.89**
कृषि क्षेत्र	18	18.49	18.40
कमज़ोर वर्गों के लिए ऋण	10	11.56	11.30
महिला लाभार्थियों को ऋण	5	6.78	6.81
छोटे और सीमांत किसानों को ऋण	8	8.86	8.41
सूक्ष्म उद्यम को ऋण	7.5	7.65	7.71

**सभी उपलब्धियां त्रैमासिक वार्षिक औसत आधार पर हैं तथा रु.5465 करोड़ की पीएसएलसी की बिक्री के बाद की हैं।

The Bank has 596 accounts under Technology Upgradation Fund Scheme (TUFS) pertaining to Small Scale Industry (SSI) and Non-SSI category. During FY'19, TUFS subsidy amounting to Rs.19.67 crores was received from Ministry of Textile (MOT) and the same was disbursed to the eligible borrowers.

iii. Loan Syndication

During FY'19, the Bank gave approval for syndication/ appraisal of debt aggregating Rs.625.67 crore with share of PNB at Rs.334.20 crores. Further Technical Cell conducted TEV Study/Vetting report of debt aggregating Rs.49879.72 crores with Bank's share at Rs.3164.21 crores.

iv. Retail Credit

During the year FY'19, the Retail credit increased to Rs.92727 crore with a YoY growth of 21.71%. Housing loan grew by 25.40% to Rs.51980 crore while personal loan grew by 7.33%.

To automate the processing of all the Retail Loan and make it uniform and improve turn around time (TAT), the Bank has developed an in house Centralized Loan Application & Processing System (CLAPS). Further, the system of monitoring loan accounts post sanction under Retail lending has been automated under which reminders & intimation to deposit the installment are system driven.

A new variant of personal loan "PNB- Doctors Delight" was introduced. The Bank has also entered into MoU with the Defence body for customized offering to Defence Personnel under PNB Rakshak Plus Scheme.

v. Priority Sector

National Goals Achievement: The Bank has achieved National Goals of Priority Sector, Agriculture and other sub-sectors for FY'19 as under:

Achievement Of National Goals (Quarterly Annual Average Basis)

%age to ANBC	Target (National Goal in% age)	Mar 31, 2018	Mar 31, 2019*
Priority Sector Credit Of which:	40	40.94	41.89**
Agriculture Sector	18	18.49	18.40
Credit to Weaker Sections	10	11.56	11.30
Credit to Women Beneficiaries	5	6.78	6.81
Loan to Small & Marignal Farmers	8	8.86	8.41
Loan to Micro Enterprises	7.5	7.65	7.71

** All achievements are on the basis of quarterly annual average and after taking impact of sale of PSLC to the tune of Rs.5465 Crore.

31.03.2019 को प्राथमिकता क्षेत्र, कृषि तथा उपक्षेत्रों की बकाया स्थिति निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ में)

	31.03.2017	31.03.2018	31.03.2019
प्राथमिकता क्षेत्र ऋण	138452	169772	178644
जिनमें से			
कृषि क्षेत्र	66675	69207	81500
एमएसएमई (प्राथमिकता)	57099	84212	79690
अन्य	14678	16353	17454
कमज़ोर वर्गों के लिए ऋण	39333	51600	49595
महिला लाभार्थियों को ऋण	23317	26083	29813
छोटे और सीमांत किसानों को ऋण	33040	34442	36826
सूक्ष्म उद्यम को ऋण	22685	34475	31552

वित्तीय वर्ष'19 के प्रमुख कार्यनिष्पादन:

- बैंक ने पीएसएलसी-सामान्य के अंतर्गत रु.5465 करोड़ के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र की बिक्री की एवं रु.6.68 करोड़ की आय अर्जित की ।
- व्यावसायिक कृषि गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, बैंक में 20 विशिष्ट कृषि वित्त शाखाएँ (SAFBS) और 16 विशिष्ट कृषि वित्त प्रकोष्ठ (SAFCs) हैं।
- कृषि ऋण को बढ़ावा देने के लिए, रबी बोनांजा लॉन्च किया गया और रु.1224.08 करोड़ इसके तहत स्वीकृत किया गया था ।
- चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दो स्वयं सहायता समूह अभियान आयोजित किए गए थे और कुल 8832 स्वयं सहायता समूहों को ऋण प्रदान किया गया था जिन्हें कुल रुपये 204.58 करोड़ की मंजूरी दी गई थी।

vi. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)

मार्च'19 के अंत तक, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेगमेंट को रु.84055 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया था। माइक्रो सेगमेंट में 32975 करोड़ रुपये के बकाया के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को 67823 करोड़ रुपये का अग्रिम दिया गया था।

बैंक ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 6315 करोड़ रुपये और स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत 1319 नए एमएसएमई को 362 करोड़ रूपए की मंजूरी दी।

नई पहलें

- टर्नअराउंड समय को कम करने और 30% तक एमएसएमई पोर्टफोलियो बढ़ाने के लिए 414 शाखाएँ क्रेडिट ग्रोथ इनिशिएटिव ब्रांच (CGI) के रूप में कार्य कर रही हैं।
- एमएसएमई क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 205 क्लस्टर्स को अपनाया गया है। 87 शाखाएँ एमएसएमई विशिष्ट शाखाओं के रूप में काम कर रही हैं जहाँ सिंगल पॉइंट एमएसएमई संपर्क अधिकारी प्रदान किए गए हैं।
- सिडबी और 4 अन्य पीएसबी के साथ बैंक ने एमएसएमई उधारकर्ताओं को संपर्क रहित ऋण प्रदान करने के लिए psbloansin59minutes

The outstanding position of Priority Sector, Agriculture and sub-sectors as on 31.03.2019 is as under:-

(Amt. in crores)

	31.03.2017	31.03.2018	31.03.2019
Priority Sector Credit	138452	169772	178644
Of which:			
Agriculture Sector	66675	69207	81500
MSME (Priority)	57099	84212	79690
Others	14678	16353	17454
Credit to Weaker Sections	39333	51600	49595
Credit to Women Beneficiaries	23317	26083	29813
Loan to Small & Marignal farmers	33040	34442	36826
Loan to Micro enterprises	22685	34475	31552

Performance highlights of FY'19:

- Bank sold Priority Sector Lending Certificate to the tune of Rs.5465 Crore under PSLC-General and earned an income of Rs.6.68 crore.
- To focus on commercial agriculture activities, Bank has 20 Specialized Agriculture Finance Branches (SAFBs) and 16 Specialized Agriculture Finance Cells (SAFCs).
- To boost Agriculture credit, Rabi Bonanza was launched and an amount of Rs.1224.08 Crore was sanctioned under it.
- Two SHG Credit Campaigns were organized during the current financial year and total 8832 SHGs were credit linked with total sanction of Rs.204.58 crore.

vi. Micro, Small and Medium Enterprises (MSME)

As at the end of March'19, credit to the Micro, Small and Medium Enterprises segment stood at Rs.84055 crore. The advance to Micro & Small Enterprises stood at Rs.67823 crore with outstanding in Micro segment at Rs.32975 crore.

Bank sanctioned Rs.6315 crore under Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) and Rs.362 crore to 1319 new MSME under Stand Up India Scheme.

New Initiatives

- 414 branches are working as Credit Growth Initiative branches (CGI) with a focus to reduce Turnaround time and to grow MSME portfolio by 30%
- 205 clusters have been adopted to give focused attention to MSME sector. 87 branches are working as MSME Specialized branches where single point MSME Relationship Officers have been provided.
- Bank along with SIDBI & 4 other PSBs have participated in the psbloansin59minutes platform to provide contactless loan to MSME borrowers. Around

प्लेटफॉर्म में सहभागिता की है। पोर्टल के माध्यम से लगभग 4033 आवेदनों को सैद्धांतिक मंजूरी मिली और लगभग 1279 एमएसएमई आवेदनों को बैंक ने मंजूर किया, इसके अलावा 6000 ऑफलाइन मामलों का नवीनीकरण भी किया गया।

- टर्न अराउंड टाइम को कम करने के लिए रु1,00,000/- तक के सभी सूक्ष्म उद्यम ऋणों के लिए स्वचालित निर्णय लेने हेतु ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया गया है।
- एमएसएमई क्षेत्रीय निगरानी केंद्रों के व्यापार प्राप्तियों पर ऑनलाइन छूट देने के लिए ई-टीआरईडीएस योजना शुरू की गई।
- बैंक डिजिटल चैनलों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोसेसिंग/अपफ्रंट फीस में 20% की रियायत प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, एमएसएमई आवेदक बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट (www.pnbindia.in) पर अपने आवेदनों की स्थिति को ई-ट्रैक कर सकते हैं।

vii. वित्तीय समावेशन

बैंक वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में पहल करने में अग्रणी रहा है। विभिन्न गतिविधियों के तहत प्रगति नीचे दी गई है ।

क. राशन मचेंट खातों को AEPS (आधार सक्षम भुगतान प्रणाली) के माध्यम से भुगतान करने के लिए वित्तीय समावेशन के E-PDS (इलेक्ट्रानिक पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम) के तहत निम्नलिखित पहल की गई, जिसे पायलट आधार पर पंचकुला हरियाणा के आरम्भ किया गया।

ख. पीएमजेडीवाई खातों में 18-65 वर्ष की आयु के पात्र व्यक्तियों को 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा।

ग. सामाजिक सुरक्षा योजना पंजीकरण सुविधा बीसी स्थान पर उपलब्ध है और इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से भी इसका लाभ उठाया जा सकता है।

घ. पीएनबी वेबसाईट पर ओटीपी आधारित आधार सीडींग और सुरक्षित वेब पेज के माध्यम से खातों का प्रमाणीकरण लिंक के रूप में उपलब्ध है।

ङ. शाखाओं में विद्यमान ग्राहकों का बायोमेट्रिक आधारित आधार सीडिग व प्रमाणीकरण।

वित्तीय समावेशन के अंतर्गत उठाई गई पहलों के परिणामस्वरुप निम्न अवार्ड प्राप्त हुए है :

1. यूआईडीएआई - आधार एक्सीलेंस अवार्ड के अंतर्गत 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक' की श्रेणी में दूसरा और 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक शाखा' को श्रेणी में तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।
2. ईज़ के तहत 'वित्तीय समावेशन और डिजिटलीकरण को मज़बूत करने' के लिए प्रथम रनर-अप है।
3. बिजनेस टुडे एवं केपीएमजी द्वारा 'वित्तीय समावेशन में सर्वश्रेष्ठ' के रूप में मान्यता प्रदान की।

सामाजिक सुरक्षा योजनाएं: सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत प्रगति निम्नानुसार है: -

i) **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई):** दिनांक 31.03.2019 तक, पीएमएसबीवाई के तहत नामांकित ग्राहकों की संख्या 69.58 लाख है।

4033 applications got in-principle approval through the portal and around 1279 MSME applications have been sanctioned by the Bank, besides renewal of 6000 offline cases.

- To reduce Turn Around Time an Online Portal for automated decision making for all micro enterprises loans upto Rs.1,00,000/- has been developed.
- E-TReDS scheme was launched for online discounting of trade receivable of MSME Regional Monitoring Centers.
- The Bank is providing 20% concession in processing/upfront fee to encourage usage of digital channels. Moreover, MSME Applicants can e-track the status of their applications at Bank's corporate website (www.pnbindia.in).

Vii. Financial Inclusion

Bank has been a pioneer in taking initiatives in the area of financial. inclusion.

Following initiatives have been taken under financial inclusion.

a. E-PDS (Electronic Public Distribution System) for payment to the ration merchant accounts through AEPS (Aadhar enabled payment system) started on pilot basis in Panchkula, Haryana.

b. Overdraft facility of upto Rs 10,000 in PMJDY accounts provided to eligible persons in the age group 18-65 years.

c. Social Security scheme registration facility is available at BC location and can also be availed through Internet Banking services.

d. OTP Based Aadhaar seeding and authentication of accounts through secure web page is available as link in PNB website.

e. Biometric based Aadhaar seeding and authentication of existing customers at branches.

Following awards have been bestowed on the bank as a result of the initiatives undertaken under Financial Inclusion:

1. UIDAI – Aadhar Excellence Award with 2nd prize in category of "Best performing Public Sector Bank" and 3rd in category "Best performing Public Sector Bank branch".
2. 1st runner up for "Deepening Financial Inclusion and Digitization" under EASE.
3. Recognized as "Best in Financial Inclusion" by Business Today & KPMG

Social Security Schemes: The progress under the social security schemes is as under:-

i) **Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana [PMSBY]:** As on 31.03.2019, 69.58 lakh customers enrolled under PMSBY.

ii) **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) –** दिनांक 31.03.2019 तक, पीएमएसबीवाई के तहत नामांकित ग्राहकों की संख्या 15.71 लाख है।

iii) **अटल पेंशन योजना (एपीवाई):** दिनांक 31.03.2019 को एपीवाई योजना के तहत ग्राहको के नामांकन की संख्या 4.08 लाख है।

डी. दृष्टिकोण

वित्तीय वर्ष'19 चतुर्थ तिमाही में कमजोर घरेलु खपत में धीमी वृद्धि, अमेरिका-चीन कारोबार में तनाव के कारण जीडीपी धीमी हो गई। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि के कारण हुआ था और घरेलू मोर्चे पर बाधाओं का सामना करना पड़ने और अमरीकी डालर में आई मजबूती सहित कृषि संकट जारी रहने, दिवाला और दिवालियापन संहिता के मामले में धीमी प्रगति, और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों द्वारा तरलता की कमी का सामना करने के कारण वित्त वर्ष 19 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) प्रभावित हुआ था । वित्त वर्ष 20 में वृद्धि वैश्विक मंदी, तंग वित्तीय स्थितियों और राजनीतिक अनिश्चितता से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकती है एवं इसको मजबूत घरेलू मांग, सार्वजनिक अवसंरचना परिव्यय और नीतिगत सुधारों का समर्थन मिला । वित्त वर्ष 20 में दृष्टिकोण की पहले छमाही से दूसरे छमाही में सुधार होने की उम्मीद है, अल्पकालिक राजनीतिक अनिश्चितता में कमी और आसान मौद्रिक नीति का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सामान्य मानसून और भारतीय कच्चे तेल बासकेट के अधीन थोक/खुदरा मुद्रास्फीति पर दबाव अनुकुल रहने की संभावना हैं।

अगले वर्ष के लिए बैंकिंग क्षेत्र का दृष्टिकोण आशाजनक लग रहा है बैंकिंग क्षेत्र में सरकार की पुनर्पूंजीकरण योजना से समर्थन प्राप्त होने की तथा आइबीसी के तहत दवाबग्रस्त आस्तियों के समाधान की संभावना है।

ई. जोखिम एवं चिंताएँ

बैंक के पास ऋण जोखिम प्रबंधन फेम वर्क है तथा बैंक ने आंतरिक ऋण जोखिम मूल्यांकन मॉडलों का विकास किया है। बैंक अपने रेटिंग मॉडल की प्रभावकारिता सुनिश्चित करते हुए इनका आवधिक वैधीकरण भी करता है। बैंक अपने क्रेडिट जोखिम रेटिग मॉडल की सुदृढ़ता का परीक्षण हेतु माइग्रेशन एवं डिफॉल्टर दर विश्लेषण भी आयोजित करता है। रेटिग मॉडलों के आउटपुट बैंक के निर्णय प्रक्रिया (अर्थात क्रेडिट पोर्टफोलियो की लेखापरीक्षा, समीक्षा और निगरानी के अतिरिक्त मंजूरी, मूल्य निर्धारण, ऋण शक्तियां) से जुड़े हैं। बैंक ने कम जोखिम, मध्यम जोखिम तथा उच्च जोखिम श्रेणियों के अनुसार एक वांछित पोर्टफोलियों वितरण निर्धारित किया है तथा वांछित पोर्टफोलियो की तुलना में वास्तविक पोर्टफोलियो के कार्यनिष्पादन की निगरानी की जाती है। बैंक ने रिटेल बैंकिंग तथा एसएमई क्षेत्र अग्रिमों के संबंध में स्कोरिंग मॉडलों का विकास भी किया है।

कृषि क्षेत्र हेतु भी स्कोरिंग मॉडल का विकास किया गया है और इसे सभी शाखाओं में लागू कर दिया गया है। अग्रिमों की प्रभावी निगरानी के लिए बैंक के पास एक स्थिर निगरानी टूल 'पीएमएस' (निवारक निगरानी प्रणाली) है। इन प्रक्रियाओं ने ऋणों का शीघ्र और अचूक वितरण और निगरानी करने, मूल्यांकन में एकरूपता लाने और डाटा का संग्रह एवं विश्लेषण करने में बैंक की सहायता की है।

ii) **Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana [PMJJBY]:** As on 31.03.2019, 15.71 lakh customers enrolled under PMJJBY.

iii) **Atal Pension Yojana [APY]:** As on 31.03.2019, 4.08 lakh customers enrolled under APY.

d. Outlook

The GDP growth in Q4FY'19 has slowed down on account of slower growth in domestic consumption, slower global growth and US China trade tensions. Global headwinds caused by rise in crude oil prices, strengthening of USD and hiccups faced on the domestic front including continued agrarian distress, slow progress on Insolvency and Bankruptcy Code cases, and liquidity crunch faced by non-banking finance companies have been the distress points. The growth in FY'20 may be adversely impacted by global slowdown and tight financial conditions while supported by strong domestic demand, public infrastructure outlay and further policy reforms. The outlook in FY'20 is expected to improve in the second half since the short-term political uncertainty has subsided and easier monetary policy will have a positive impact.

The pressure on wholesale/retail inflation is likely to remain benign, subject to normal monsoons and Indian crude oil basket impact.

The Banking sector outlook for the next year looks promising and is likely to get support from recapitalization plan of the Government and resolution of distressed assets under IBC.

e. Risks & Concerns

The Bank has a robust credit risk management framework and has developed in-house credit risk rating models. Bank undertakes periodic validation exercise of its rating models, to ensure that efficacy of these is intact. Bank conducts migration and default rate analysis to test robustness of its credit risk rating models. Output of rating models is linked to decision making in the Bank (viz. sanction, pricing, loaning powers besides audit, review & monitoring of credit portfolio). The Bank has also set a desired portfolio distribution in terms of Low Risk, Medium Risk & High Risk categories and the performance of actual portfolio vis-à-vis desired portfolio is monitored. Bank has also developed scoring models in respect of retail banking and SME sector advances.

The scoring model for farm sector has also been developed and has been implemented across all the branches. Bank has in place an early warning monitoring tool 'PMS' (Preventive Monitoring System) for effective monitoring of advances. These processes help to achieve quick & accurate delivery and monitoring of credit, bring uniformity in the appraisal and facilitate storage of data & analysis thereof.

बैंक में बाज़ार जोखिम प्रबंधन कार्यों के लिए सुपरिभाषित संगठनात्मक संरचना मौजूद है जो बाज़ार जोखिम इक्विटी मूल्य जोखिम अर्थात ब्याज दर जोखिम एवं विदेशी विनिमय जोखिम के समग्र प्रबंधन की प्रक्रिया की देखरेख करती है और इसके मापन एवं निगरानी की कार्यप्रणालियों को कार्यान्वित करती है। ट्रेज़री परिचालन में जोखिम प्रबंधन हेतु दबाव परीक्षण, अवधि, संशोधित अवधि, वीएआर जैसे साधनों का प्रभावी रूप से उपयोग किया जा रहा है।

किसी भी घटना से निपटने के लिए बैंक के आस्ति देयता प्रबंधन को अग्रसक्रिय किया गया है। किसी भी संभावित मुद्रा संकट से निपटने के लिए बैंक ने आकस्मिक वित्त पोषण योजना बनाई है। बैंक किसी भी तरलता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए निरंतर आधार पर अपनी तरल आस्तियों का प्रबंधन कर रहा है।

बैंक में परिचालन जोखिम प्रबंधन कार्य हेतु भी सुपरिभाषित संगठनात्मक संरचना एवं रुपरेखा मौजूद है जो परिचालन जोखिम के समग्र प्रबंधन की प्रक्रिया की देखरेख करती है। बैंक में सुपरिभाषित ओआरएम नीति के साथ सुदृढ़ परिचालन जोखिम प्रबंधन रुपरेखा हैं। बैंक परंपरागत हानि डाटा के विश्लेषण, जोखिम एवं नियंत्रण स्व-निर्धारण सर्वेक्षण (आरसीएसए) महत्वपूर्ण जोखिम सूचकों (केआरआई) और परिदृश्य-विश्लेषण आदि द्वारा परिचालन जोखिम की पहचान, अनुमान, निगरानी और नियंत्रण/शमन कर रहा है। विविध स्तरों पर डेटा कैप्चरिंग एवं प्रबंध सूचना प्रणाली के विभिन्न पहलुओं का ध्यान रखने के लिए बैंक ने इंटरप्राइज़ वाइड डेटा वेयरहाउस परियोजना के अंतर्गत केंद्रीय सर्वर पर ऑनलाइन परिचालन जोखिम समाधान का भी आरंभ किया है।

बैंक ने एक व्यापक आइसीएएपी दस्तावेज नियत किए हैं जिसे अर्ध-वार्षिक आधार पर शीर्ष प्रबंधन को प्रस्तुत किए जाते हैं। आइसीएएपी पिलर-I और पिलर-II के जोखिमों पर नियंत्रण करता है तथा बैंक द्वारा उजागर किए विभिन्न जोखिमों के प्रभाव पर समग्र दृष्टि रखता है तथा विभिन्न जोखिमों को मापने/मूल्यांकन करने का प्रयास करता है। जोखिम मूल्यांकन और प्रबंधन प्रक्रिया को आईसीएएपी दस्तावेजों में शामिल किया गया है। दस्तावेज़ एकल और समेकित दोनों आधार पर तैयार किया जा रहा है।

नियामक दिशानिर्देश: बैंक ने बेसल II/III के अंतर्गत जोखिम भारित आस्तियों (आरडब्ल्यूएएस) की गणना के लिए ऋण जोखिम हेतु मानकीकृत दृष्टिकोण, बाज़ार जोखिम हेतु मानवीकृत अवधि दृष्टिकोण और परिचालन जोखिम हेतु मूल संकेतक दृष्टिकोण को अपनाया है। जोखिम शासन विभिन्न नीतियों के परिनियोजन के माध्यम से प्रभावित होता है जो कि आरबीआई दिशानिर्देशों के साथ तालमेल रखते हैं।

बैंक ने नियामक से अनुमोदन के अधीन ऋण, मार्केट और परिचालन जोखिम के लिए आरडब्ल्यूए/पूंजी प्रभार की गणना के लिए उन्नत दृष्टिकोणों की ओर रुख करने की भी योजना बनाई है। बैंक पहले से ही ऋण जोखिम हेतु आंतरिक रेटिंग आधारित नीव दृष्टिकोण (एफआइआरबी) तथा परिचालन जोखिम हेतु मानकीकृत दृष्टिकोण (टीएसए) को अपनाने के समानांतर संचलन में है। बैंक तिमाही आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक को एफआईआरबी और टीएसए के अनुसार अपनी पूंजी और आरडब्ल्यूए की रिपोर्ट करता है। आरबीआइ ने परिचालन जोखिम के लिए उन्नत मापन दृष्टिकोण (एएमए) के लिए बैंक को समानांतर संचलन का अनुमोदन दिया है। बैंक ने बाज़ार जोखिम हेतु आंतरिक मॉडल दृष्टिकोण (आईएमए) तथा ऋण जोखिम हेतु उन्नत आंतरिक रेटिंग आधारित (एआईआरबी)

The Bank has in place a well defined organizational structure for market risk management functions, which looks into the process of overall management of market risk viz. interest rate risk, equity price risk & foreign exchange risk, and implements methodologies for measuring and monitoring the same. Tools like stress testing, duration, modified duration, PV01, VaR etc. are being used effectively in managing risk in the Treasury operations.

Asset liability management of the Bank is done on proactive basis to manage any eventuality. Bank has carried out contingency funding plan so as to tide over liquidity crunch if at all it arises. Bank is managing its liquid assets on a continuous basis so as to be able to meet any liquidity requirement.

Bank has in place a well defined organizational structure and framework for operational risk management functions, which looks into the process of overall management of operational risk. Bank has robust operational risk management framework with a well-defined ORM Policy. Bank is identifying, measuring, monitoring and controlling/ mitigating the operational risk by analyzing historical loss data, Risk Control & Self-Assessment Surveys (RCSAs), Key Risk Indicators (KRIs) and Scenario Analysis etc. Bank has also introduced an online OpRisk Solution under Enterprise wide Data Warehouse Project and placed it on central server to take care of various aspects of data capturing and management information system at various levels.

Bank has in place a comprehensive ICAAP document which is being put up to Top Management on semi-annual basis. ICAAP addresses both the Pillar-I and Pillar-II risks and to have a holistic view of impact of various risks which the bank is exposed to, an exercise is carried out to quantify/assess various risks. The risk assessment & management processes are covered at length in the ICAAP document. The document is being prepared on both solo and consolidated basis.

Regulatory Guidelines: Bank has adopted Standardized Approach for Credit Risk, Standardized Duration Approach for Market Risk and Basic Indicator Approach for Operational Risk for computation of Risk Weighted Assets (RWAs) under Basel II/III. Risk governance is affected through deployment of various policies which are in sync with RBI guidelines.

Bank also plans to migrate to advanced approaches for computation of RWA / Capital charge for Credit, Market and Operational Risks subject to approval from the regulator. Bank is already under parallel run for Foundation Internal Rating based (FIRB) Approach for Credit Risk and The Standardized Approach (TSA) & Advanced Measurement Approach (AMA) for Operational Risk. Bank is reporting its capital and RWA as per FIRB to RBI on quarterly basis. Bank has submitted a formal Letter of Intent for adoption of Internal Models Approach (IMA) for Market risk and Advanced Internal Rating Based (AIRB) Approach for

दृष्टिकोण को अपनाने हेतु औपचारिक पत्र भी प्रस्तुत किया है। इस संबंध में सभी आवश्यक कार्रवाई आरम्भ की जा चुकी है।

बैंक तिमाही आधार पर आरबीआई के प्रारूप दिशानिर्देशों के अनुसार भारतीय लेखा मानक के तहत इसीएल की गणना कर रहा है और इसके परिणाम निर्धारित प्रारूप में आरबीआई को प्रस्तुत किए जाते हैं।

अपनाई गई अन्य प्रमुख पहलें: बैंक ने अपने मंडल कार्यालयों के जोखिम-समायोजित कार्यों की निगरानी आरम्भ कर दी है। मंडल प्रमुख के सम्मेलन, जेडएम सम्मेलन आदि जैसे विभिन्न फोरम के माध्यम से अंचल प्रबंधकों/मंडल प्रमुखों को बेहतर आर्थिक प्रतिफल अर्जित करने, कुल ऋण जोखिम भारित आस्तियों/कुल ऋण जोखिम अनुपात के लिए स्वयं के लक्ष्य निर्धारित करने और इसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर आरडब्ल्यूए अनुपात में निरंतर कमी लाने की सलाह दी जा रही है।

बैंक ने स्ट्रेस परीक्षण के लिए प्रमुख जोखिम के रूप में परिचालन जोखिम को शामिल करने के लिए अपनी स्ट्रेस परीक्षण नीति के दायरे का विस्तार किया है। स्ट्रेस परीक्षण तिमाही आधार पर किए जाते हैं और परिणाम संबंधित समितियों के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं। विभिन्न समूह इकाइयों के लिए स्ट्रेस परीक्षण और पैरेंट बैंक पर उनके प्रभाव का भी विश्लेषण किया जा रहा है।

अनुषंगियों और विदेशी शाखाओं पर ध्यान केन्द्रित करने के अतिरिक्त बैंक ने सहयोगियों के समूह जोखिम मूल्यांकन और कार्यनिष्पादन विश्लेषण के विस्तार द्वारा अपने समूह जोखिम निगरानी को और सुदृढ़ किया है। समूह जोखिम नीति पिरामिड दृष्टिकोण पर आधारित है जो शीर्ष पर जोखिम वहन क्षमता के साथ आरम्भ होता है और शासन, प्रक्रियाओं और प्रबंधन रिपोटिंग के माध्यम से प्रगति करता है।

बैंक ने जोखिम समायोजित प्रतिलाभ (आरएआरओसी) फ्रेमवर्क विकसित किया है, यह ऋण संबंधी निर्णयों को सक्षम करने के प्रत्येक ऋण प्रस्ताव हेतु पूंजी पर प्रतिफल की तुलना करने के लिए बैंक को एक पैमाना प्रदान करेगा। यह कारोबार में अनुमानित जोखिम के अनुरूप प्रतिफल प्रदान करने में सहायक होगा जिससे संगठन के मूल्य को बढ़ाया जा सकता है।

बैंक ने अपने प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम प्रबंधन नीति में उत्प्रेरक घटनाओं की शुरुआत करते हुए उसने प्रतिष्ठा जोखिम प्रबंधन की पूरी जांच की है और साथ ही अधिक सुदृढ़ जोखिम को कैप्चर करने हेतु अपने प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम मूल्यांकन को अद्यतन किया है। इन उत्प्रेरक घटनाओं की शुरुआत समिति के गठन के विस्तृत चरण तथा यदि कोई उत्प्रेरक बिन्दु प्राप्त होता है तो तब की जाने वाली कार्रवाई के आरंभ हेतु लाए गए थे। इसमें प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम के सूचक उत्प्रेरक की दैनिक निगरानी शामिल है। बैंक द्वारा व्यापक जोखिम-वहन क्षमता रूपी फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया गया है। बैंक में इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक शासन और निगरानी ढांचा प्रदान करने के साथ दस्तावेज़ पीएनबी का जोखिम क्षमता विवरण निर्धारित करता है। जोखिम-वहन क्षमता को प्रत्येक मापदंड के लिए जोखिम सीमा और जोखिम के उच्चतम स्तर के साथ-साथ विभिन्न मापदंडों के संदर्भ में परिभाषित किया गया है।

मध्यावधि के दौरान प्रतिकूल समाचार/घटनाओं के प्रभाव को देखने के लिए, बैंक ने गतिशील रेटिंग मॉडल प्रस्तुत किया है। यह उधारकर्ता की पुनः रेटिंग/डी-रेटिंग करने और तदनुसार मूल्य निर्धारण में संशोधन की ओर अग्रसर करता है।

Credit Risk. Necessary actions required in this regard have been initiated.

Bank is calculating ECL under Ind AS as per the draft guidelines of RBI on quarterly basis and the results are submitted to RBI on prescribed performa.

Others major initiatives undertaken: Bank has started monitoring risk-adjusted performance of its Circle Offices. ZMs/Circle Heads are advised to generate healthy economic returns, set self-targets for Total Credit Risk weighted assets/Total credit exposure ratio and achieve consistent reduction in RWA ratio on year-on-year basis through various forums like Circle Heads' Conference, ZM Conference etc.

Bank has expanded the scope of its stress testing policy to include operational risk as major risk for stress test. Stress tests are undertaken at quarterly intervals and results placed to respective committees. Stress test for various group entities and their impact on the parent Bank are also being analyzed.

Bank has further strengthened its Group Risk monitoring by extending the group risk assessment and performance analysis of associates (including RRBs) and JV(s), in addition to focusing on subsidiaries and overseas branches. Group risk policy is based on pyramid approach starting with risk appetite at top and progressing through, Governance, Processes and Management reporting.

Bank has developed Risk Adjusted Return on Capital (RAROC) framework; it shall provide bank a single scale for comparing the return on capital for each credit proposal to enable credit decisions. It shall help in providing returns commensurate with the risk perceived of the business thereby maximizing the value of the organisation.

Bank has overhauled its Reputational Risk Management by introducing trigger events in Reputational Risk management Policy and also updating its reputational Risk Assessment framework for more robust risk capturing. These trigger events have been introduced for initiation of crisis management along with steps detailing committee composition and action to be taken in case any trigger point is reached. It involves daily monitoring of reputational risk indicative triggers. A comprehensive Risk Appetite Framework has been put in place by the Bank. The document sets out the Risk Appetite Statement of PNB along with providing a governance and monitoring framework for its effective implementation within the Bank. Risk Appetite has been defined in terms of different parameters along with the Risk limit and Risk threshold level for each parameter.

In order to capture the impact of adverse news/events during intervening period, the Bank has introduced Dynamic Rating Model. It will lead to re-rating/de-rating of the borrower & revision of pricing accordingly.

बैंक ने विभिन्न प्रभागों और जोखिम संस्कृति प्रसार की मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को तैयार करने/अद्यतनीकरण जैसी बेहतरीन प्रथाओं के परिचालन जोखिम को मूल रूप से कम करने के लिए मं.का. और जेडएओ स्तर पर सीएलएसी/जेडएसीई के दायरे का विस्तार कर इसें अपनाया है।

एफ. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

i. ऋण लेखापरीक्षा एवं समीक्षा

वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, सभी घरेलू एवं विदेशी दोनों तरह के पात्र ऋण खातों हेतु ऋण लेखापरीक्षा आरंभ किया गया था। एलआरएम नीति के अनुसार, वर्ष 2018-19 के दौरान, बैंक के निवल मानक ऋण का 55.21% लेखापरीक्षा का संभावित कवरेज है, जोकि एक वर्ष में आरबीआई और बैंक की नीति की आवश्यकता का कम से कम क्रमश: 30% से 40% है। बैंक ने ई-ऑडिट की प्रक्रिया भी आरंभ की है जोकि ऋण लेखापरीक्षा का एक पेपरलेस, प्रभावी, सटीक और समय बचाने वाला टूल है।

ii. आंतरिक लेखापरीक्षा

वर्ष के दौरान जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरबीआईए) ऑनसाइट आरबीआईए के लिए 5229 शाखाओं/ईकाइयों में आयोजित की गई थी। सूचना सुरक्षा (आईएस) लेखापरीक्षा आरबीआईए सहित 103 कार्यालय/ईकाइयों में आयोजित किया गया था। वित्तीय वर्ष'19 में 1659 शाखाओं/सेवा ईकाई में समवती/सतत लेखापरीक्षा किया गया, जिसमें से 867 शाखाएं/ईकाइयां आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा समवर्ती/सतत लेखापरीक्षा हेतु पात्र थी तथा 792 शाखाएं/सेवा ईकाइयां बाह्य लेखापरीक्षकों (सीए फर्म तथा सूचीबद्ध सेवानिवृत्त अधिकारी) द्वारा समवर्ती लेखापरीक्षा से संबंधित है, जोकि दिनांक 31.03.2018 तक बैंक के कुल कारोबार का 76% कवर करेगा। सभी शाखाएँ राजस्व लेखा परीक्षा के अधीन थी।

बैंक में आंतरिक लेखा परीक्षा के संपूर्ण दायरे की जांच एनआईबीएम, पुणे द्वारा की गई और प्राप्त सुझावों के अनुरूप निम्नलिखित उपाय किए गए:

- उचित रूप से जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा नीति और समवर्ती लेखापरीक्षा नीति की समीक्षा की।
- जोखिम आधारित लेखापरीक्षा, समवर्ती लेखापरीक्षा और फेमा लेखापरीक्षा हेतु लेखापरीक्षा टेम्पलेट्स को बदल दिया गया है।
- अब निरीक्षण प्रभाग 22 शाखाओं का जिनका अग्रिम रु. 2500 करोड़ और उससे अधिक है, की नियमित लेखापरीक्षा रिपोर्टों की सीधे निगरानी करेगा।
- कर्मचारियों का आवर्तन सुनिश्चित किया गया है।
- बैंक धोखाधड़ी की रिपोर्ट के आधार पर शाखाओं को अत्यधिक उच्च/बहुत उच्च जोखिम और उच्च जोखिम के रूप में वर्गीकृत कर सकता है, इन शाखाओं का क्रमश: प्रत्येक 6 माह तथा 9 माह में लेखापरीक्षा किया जाएगा।

iii. अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी)/धन शोधन निवारण (एएमएल)

नए ग्राहकों को लाते समय केवाईसी/एएमएल पर आरबीआई दिशानिर्देशों और साथ ही मौजूदा ग्राहकों हेतु विभिन्न मानकों जैसे जोखिम वर्गीकरण, केवाईसी अद्यतनीकरण, हितधारी स्वामियों की पहचान, यूसीआईसी आदि का पूर्ण पालन किया जाना चाहिए।

Bank has adopted the best practices like preparation / updation of Standard Operating Procedures (SOP) by different divisions and Risk Culture dissemination by extending the scope of CLAC/ZACE at CO and ZAO level to inculcate operational risk culture deep down the ladder.

f. Internal Control System

i. Credit Audit and Review

During FY19, Credit audit has been undertaken for all eligible loan accounts both domestic and overseas. In terms of LRM Policy, during 2018-19, the expected coverage of audit is 55.21% of Bank's net standard credit as against the RBI and Bank's policy requirement of at least 30% to 40% respectively in a year. The Bank has also started the process of E-Audit which is a paperless, effective, accurate and time saving tool of credit Audit.

ii. Internal Audit

Risk Based Internal Audit (RBIA) was conducted in 5229 branches/ units programmed for onsite RBIA during the year. Information Security (IS) Audit was conducted in 103 office/ units. Concurrent/ Continuous audit was conducted in 1659 branches/ service unit in FY19, of which 867 branches/ units were subject to concurrent/ continuous audit by Internal Auditors and 792 branches/ service units were subject to concurrent audit by External Auditors (CA Firms & Empanelled Retired Officers), covering 76% of the total business of the Bank. All branches were subject to revenue audit.

The entire scope of internal audit in the Bank got examined from NIBM, Pune and in line with the suggestions the following measures have been taken:

- Appropriately reviewed Risk Based Internal Audit Policy and Concurrent Audit Policy.
- Audit templates for Risk Based Audit, Concurrent Audit and FEMA Audit have been changed.
- Inspection Division is now directly monitoring the Regular Audit Reports of 22 branches having advances of Rs. 2500 crore & above.
- Rotation of staff has been ensured.
- The Bank intends to classify branches as Extremely High / Very High risk and High Risk based on reporting of fraud. Extremely High / Very High risk branches will be audited in 6 months & High Risk Branches will be audited in 6 - 9 months.

iii. Know Your Customer(KYC)/Anti Money Laundering (AML)

RBI guidelines on KYC/AML are strictly adhered to while on-boarding new customers and also for existing customers on various parameters like Risk Categorization, KYC Updation, Identification of Beneficial Owners, UCIC etc.

बैंक ने एक एएमएल प्रणाली लागू की है जो पूर्व-परिभाषित परिदृश्यों पर अलर्ट जनरेट कर संदिग्ध प्रकृति के लेनदेन की छानबीन करेगा और उसकी रिपोर्ट करेगा।

iv. प्रबंध लेखापरीक्षा

बैंक के पास अपने प्रशासनिक कार्यालयों का लेखा परीक्षण करने के लिए एक जोखिम आधारित प्रबंधन लेखा परीक्षा (आरबीएमए) प्रणाली है।

लेखापरीक्षा जोखिम टेम्पलेट्स तथा जोखिम प्रोफाइल पर आधारित है जो निर्णय लेने की प्रक्रिया, संचार प्रणाली, कुशल संसाधन उपयोग, लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपयोग किए जाने वाले साधन आदि जैसी विभिन्न क्षेत्रों के कार्यांवयन में मौजूद जोखिम धारणाओं को कैप्चर करने के आधार पर तैयार किया जाता है। आरबीएमए के अंतर्गत आने वाले सभी प्रशासनिक कार्यालय, कम जोखिम वाले कार्यालयों और सभी प्र.का. प्रभागों जिनका दो वर्ष में एक बार लेखापरीक्षा किया जाता है, को छोड़कर अन्य सभी का वार्षिक आधार पर लेखापरीक्षा किया जाता है। उच्च जोखिम रेटिंग वाले प्र.का. प्रभागों की वार्षिक आधार पर लेखापरीक्षा की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, अनुमोदित वार्षिक लेखापरीक्षा कार्यक्रम के आधार पर मार्ड द्वारा 76 मंडल कार्यालयों, 13 अंचल कार्यालयों, 5 अंचल लेखापरीक्षा कार्यालयों, 9 प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों, 5 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और 2 घरेलू अनुषंगियो 2 विदेशी अनुषंगियों की भी प्रबंधन लेखापरीक्षा संचालित की गई।

वी. सतर्कता

बैंक ने सतर्कता मामलों की तुरंत पहचान करने और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देशानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही को समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता के मामलों पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है।

व्यापक अनुवर्ती कार्यवाही व निरंतर निगरानी के कारण 31.03.2019 को कुल बकाया/शेष सतर्कता मामलों की संख्या 412 थी जिसमें से केवल 07 मामले ही एक वर्ष से अधिक के समय से लंबित हैं।

वित्तीय वर्ष'19 के दौरान, 29 अक्तूबर, 2018 से 3 नवम्बर, 2018 तक बैंक की अनुषंगियों सहित सभी कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) मनाया गया।

"केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने उच्च प्रबंधन के वीएडब्ल्यू संबोधन के अवसर पर अद्यतन सतर्कता मैनुअल - 2018 जारी किया है। वीएडब्ल्यू के अवसर पर बैंक के सतर्कता विभाग द्वारा "पीएनबी विजिल" भी जारी किया गया था।

सूचना का अधिकार अधिनियम

01.04.2018 से 31.12.2018 की अवधि के दौरान बैंक को 6595 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 4738 आवेदकों द्वारा मांगी गई सूचना उन्हें उपलब्ध करवाई गई जबकि 1575 आवेदन अधिनियम के अंतर्गत पात्र नही पाए गए। 31.12.2018 को 282 आवेदन निस्तारण हेतु बकाया थे, जिन्हें निर्धारित समयावधि के भीतर निस्तारित कर दिया गया।

जी. परिचालन प्रदर्शन के संबंध में वित्तिय प्रदर्शन पर चर्चा

मार्च'19 के अंत तक बैंक का कुल कारोबार रु. 11,45,511 करोड़ पर पहुँच गया जो रु. 1,14,830 करोड़ तथा वर्ष-दर-वर्ष 11.1 % की पूर्ण वृद्धि को दर्शाते हैं।

Bank has implemented an AML system which generates alerts on pre-defined scenarios for scrutiny of transactions of suspicious nature and reporting the same.

iv. Management Audit

The Bank has in place a Risk Based Management Audit (RBMA) system for conducting audit of its administrative offices.

The audit is based on Risk Templates and risk profiles prepared in-house to capture risk perceptions inherent in various areas of functioning of administrative offices including decision making process, communication system, efficient resource utilization, ways and means used to achieve the goals etc. All administrative offices under the scope of RBMA are audited on annual basis except Low risk rated offices and all HO Divisions, which are subject to audit once in two years. HO Divisions of High Risk rating are audited on yearly basis.

During the year 2018-19, based on approved Annual Audit Plan, MARD conducted management audit of 76 Circle Offices, 13 Zonal Offices, 5 Zonal Audit Offices, 9 Training Establishments, 5 Regional Rural Banks, 2 Domestic Subsidiaries and 2 Overseas Subsidiaries.

v. Vigilance

The Bank has continued its emphasis on Vigilance matters to ensure that the cases are identified quickly and disciplinary proceedings are completed in time in accordance with the guidelines of Central Vigilance Commission (CVC).

Due to vigorous follow up and continuous monitoring at all levels in the bank, only 7 vigilance cases are pending at Bank level for more than one year. As on 31.03.2019, the total outstanding vigilance cases were 412.

During the FY'19, Vigilance Awareness Week (VAW) was observed from 29th October, 2018 to 3rd November, 2018 in all offices including subsidiaries of the Bank.

Central Vigilance Commissioner released the Bank's updated Vigilance Manual 2018 on the occasion of VAW address to Top Management. A journal "PNB Vigil" is also published by the Vigilance Department of the Bank.

Right to Information Act

During the period 01.04.2018 to 31.12.2018, the Bank received 6595 applications and provided requisite information to 4738 applicants while 1575 applications were found exempted. Under the provision of the Act, 282 applications were outstanding as on 31.12.2018 for disposal, which were subsequently disposed off within the prescribed timeframe.

g. Discussion on Financial performance with respect to operational performance

The Bank's Gross Domestic Business reached Rs. 11,45,511 crore at the end of March'19 showing an absolute increase of Rs. 1,14,830 crore and a YoY growth of 11.1%.

एच. **नियोजित व्यक्तियों की संख्या सहित मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध मोर्चे पर महत्वपूर्ण विकास**

i. मानव संसाधन प्रबंधन:

मार्च, 2019 के अंत में अनुषंगियों सहित बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 70,810 थी।

संवर्ग-वार कर्मचारियों की संख्या

संवर्ग	मार्च 2018		मार्च 2019	
	संख्या	कुल स्टाफ का %	संख्या	कुल स्टाफ का %
अधिकारी	29853	39.86	27628	39.02
लिपिक	28047	37.45	26402	37.29
अधीनस्थ (पीटीएस सहित)	16997	22.69	16780	23.69
कुल	**74897**		**70810**	

आरक्षण नीति

बैंक अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु सरकार द्वारा समय-समय पर यथानिर्धारित आरक्षण नीति का अनुपालन करता है। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारियो के स्थिति इस प्रकार है:

संवर्ग	मार्च 2018			मार्च 2019		
	एससी	एसटी	ओबीसी	एससी	एसटी	ओबीसी
अधिकारी	6401	2304	4678	6006	2212	4636
लिपिक	5636	1381	6600	5346	1294	6434
अधीनस्थ (पीटीएस सहित)	6998	1014	3873	6895	996	3895
कुल	**19035**	**4699**	**15151**	**18247**	**4502**	**14965**

कर्मचारियों की आयु प्रोफाइल

समग्र कर्मचारियों की औसत आयु में पिछले कुछ वर्षों में कमी आई है। पिछले पांच वर्षों में कैडर-वार औसत आयु का संचलन निम्नानुसार है:

तक औसत आयु	अधिकारी	लिपिक	अधीनस्थ	कुल
मार्च, 2015	48.22	41.08	38.79	43.13
मार्च, 2016	46.23	39.67	37.35	41.63
मार्च, 2017	44.25	38.68	36.56	40.39
मार्च, 2018	43.05	38.03	36.60	39.71
मार्च, 2019	42.70	38.27	36.90	39.67

पदोन्नतियां

31.03.2019 को स्केल I से स्केल VII तक की पदोन्नति की सम्पूर्ण प्रक्रिया समय - सीमा के भीतर संपन्न हो गई।

कारोबार पर प्रभाव कम करने के लिए, अंचल प्रबंधक, मंडल प्रमुख, एलसीबी प्रमुख जैसे की व्यवस्था की गई है ताकि वर्तमान वित्तीय वर्ष में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए इन पदों पर कोई सेवा निवृत्ति ना हो।

वित्त वर्ष 2019-20 में पदोन्नत अधिकारी संवर्ग कीं संख्या निम्नानुसार है:

स्केल VI से VII	12
स्केल V से VI	33
स्केल IV से V	103
स्केल III से IV	428

h. **Material Developments in Human Resources/Industrial Relations front including number of people employed**

i. Human Resources Management:

Total number of employees including those in the subsidiaries was 70,810 at the end of March, 2019.

Cadre wise Staff Strength

Cadre	March, 2018		March, 2019	
	Number	% of Total Staff	Number	% of Total Staff
Officer	29853	39.86	27628	39.02
Clerks	28047	37.45	26402	37.29
Sub Staff (incl. PTS)	16997	22.69	16780	23.69
Total	**74897**		**70810**	

Reservation Policy

The Bank follows the reservation policy for SCs, STs and OBCs as prescribed by Government of India from time to time. Strength of SC/ST/OBC employees is as under:

Cadre	March, 2018			March, 2019		
	SC	ST	OBC	SC	ST	OBC
Officer	6401	2304	4678	6006	2212	4636
Clerks	5636	1381	6600	5346	1294	6434
Sub Staff (incl. PTS)	6998	1014	3873	6895	996	3895
Total	**19035**	**4699**	**15151**	**18247**	**4502**	**14965**

Age Profile of the Employees

The average age of overall employees has come down over the years. The movement of cadre-wise average age in the last five years is as under:

Average Age as on	Officer	Clerical	Sub Staff	Over All
March, 2015	48.22	41.08	38.79	43.13
March, 2016	46.23	39.67	37.35	41.63
March, 2017	44.25	38.68	36.56	40.39
March, 2018	43.05	38.03	36.60	39.71
March, 2019	42.70	38.27	36.90	39.67

Promotions

The entire promotion process from Scale I and upto Scale VII has been concluded within timeframe on 31.03.2019 in one go.

To minimize the impact on business, placements in critical roles like Zonal Managers, Circle Heads, LCB Heads have been done so that there will be no retirements in these positions in the present Financial Year thereby ensuring continuity.

Number of officers promoted in different cadres is as under, in the promotion process for FY 2019-20:

Scale VI to VII	12
Scale V to VI	33
Scale IV to V	103
Scale III to IV	428

स्केल II से III	1207
स्केल I से II	2462

वित्त वर्ष 2019-20 में पदोन्नत कार्मिक संवर्ग में कर्मचारियों की संख्या निम्नानुसार है:

क्लर्क से अधिकारी

जेएमजी स्केल- I	1994 (वरिष्ठता चैनल)
	3283 (चयनात्मकता चैनल)
अधीनस्थ लिपिक मे अधिकारी	180

औद्योगिक संबंध

बैंक में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहे इसलिए वर्कमैन यूनियन/ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा उठाए गए मुद्दों पर तत्काल ध्यान दिया जाता हैं। विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने और उन्हे सुलझाने हेतु कदम उठाने के लिए वर्ष के दौरान आईआरएम/एमआरएम सहित बहुमत प्राप्त ऑफिसर एसोसिएशन/ वर्कमैन यूनियन के प्रतिनिधियो के साथ बैठके आयोजित की जाती है।

वित्तीय वर्ष 19 के दौरान नई पहलें

- बैंक ने अपने डिजीटल प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) को वित्त मंत्रालय भारत सरकार के ई.ए.एस.ई. (संवर्धित पहुंच और सेवा उत्कृष्टता) के अनुरूप लॉन्च किया। जिसका उद्देश्य मौजूदा प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली (एपीएआई) को अधिक उद्देश्यपूर्ण और पारदर्शी प्रणाली पर संचालित करना है। यह कर्मचारी और नियोक्ता दोनों को अधिक कुशल और सटीक तरीके से व्यक्तिगत प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में सक्षम करेगा।
- बैंक ने संगठन के भीतर प्रदर्शन संचालित कार्य संस्कृति को विकसित करने और कर्मचारियों को प्रेरित करने के अलावा उनके प्रदर्शन के आधार पर कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के लिए, प्रदर्शन आधारित - कर्मचारी प्रोत्साहन नीति (ईआईपी) को मंजूरी दी है। यह बैंक के लक्ष्यों और कॉर्पोरेट अपेक्षाओं की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- सोशल मीडिया के तेजी से लोकप्रिय होने के साथ, बैंक, एक वाणिज्यक संगठन होने के नाते, ग्राहकों की डेटा गोपनीयता बनाए रखने, स्टेक होल्डर्स के प्रति विश्वास की हानि को रोकने, नियामक/ न्यायिक/बैंक के आंतरिक दिशानिर्देश के अनुपालन के बारे में कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए अपनी सामाजिक मीडिया नीति को संशोधित किया है।
- बैंक ने अपनी अनिवार्य अवकाश नीति की समीक्षा की है, जिसे एक निवारक सतर्कताऔर जोखिम प्रबंधन उपाए के रूप में अपनाया है। यह कर्मचारियों को नौकरी से अवकाश लेने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए खुद को फिर से जीवंत करने का अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करता है।
- एचआरएमएस मोबाइल ऐप-पीएनबी परिवार को अब ई-परिपत्रों के साथ इंटरलिंक किया गया है, जिससे कभी भी और कहीं भी विभिन्न परिपत्रों को अपनी सुविधानुसार देखा जा सकता है।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

बैंक के पास एक मजबूत ई-लार्निग प्लेटफॉर्म है जिसे किसी भी स्टाफ सदस्य द्वारा, कही से भी 24 X 7 तक पहुँचा जा सकता है:

Scale II to III	1207
Scale I to II	2462

Number of employees in workmen cadre promoted in the promotion process for FY 2019-20:

Cleark to Officer

• Clerks to Officers in JMG Scale - I	1994 (Seniority Channel)
	3283 (Selectivity Channel)
• Sub Staff to Clerk	180

Industrial relations

Industrial relations in the Bank continued to be cordial with issues raised by Workmen Union/Officers' association attended to immediately. Various meetings including IRM/ MRM were held with the representatives of the majority Officers' Association/ Workmen Union during the year to discuss various issues and taking steps to resolve the same.

New Initiatives during FY '19

- The Bank launched its digitized Performance Management System (PMS) in line with the EASE (Enhanced Access and Service Excellence) Agenda of Ministry of Finance, Govt. of India, which aims to make the existing Performance Appraisal System (APAR) more objective, transparent & system driven. This will enable both the employee & employer to evaluate individual performance in a more efficient and accurate way.
- Bank has approved Performance based - Employee Incentive policy (EIP) to inculcate performance driven work culture within the organization and rewarding employees based on their performances, besides motivating them. It also contributes significantly towards Bank's goals and achievement of corporate expectations.
- With the rapid popularization of Social Media, Bank, being a commercial organization, has revised its Social Media Policy in order to create awareness among the employees regarding maintaining customer data secrecy, prevention of loss of confidence among the stake holders and compliance of the Regulatory/Judicial/Banks internal guidelines.
- Bank has reviewed its Mandatory Leave Policy, which is being considered as a preventive vigilance and an operational risk management measure. It also ensures that employees have an opportunity to take a break from the job and rejuvenate themselves to perform better.
- HRMS Mobile App-PNB PARIVAR has now been interlinked with e-Circulars making it convenient to go through various circulars anytime anywhere.

Training Activities

The Bank has a robust E-learning platform which can be accessed by any staff member, 24*7 from anytime anywhere:

1. **ई-परिपत्र:** नॉलेज सेंटर 'वेबसाइट में बैंक के परिपत्र शामिल है।
2. **पीएनबी नॉलेज पार्क:** बैंकिंग के प्रमुख क्षेत्रों के त्वरित संदर्भ के लिए है।
3. **नॉलेज रिपोजिटरी:** विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी के साथ एक वेब और मोबाइल ऐप।
4. **पीएनबी सारांश:** में सभी प्रमुख बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं का उल्लेख हैं।
5. **पीएनबी यूनीव:** एक वेब और मोबाइल ऐप बैंकिंग विषयों को सीखने का एक इंटरैक्टिव साधन है।
6. **प्रश्न पूछें:** संकाय सदस्यों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए कर्मचारी अपने संदेह को ऑनलाइन रख सकते हैं।

बैंक के तीन स्तरीय प्रशिक्षणों में एक शीर्ष स्तर का प्रशिक्षण केंद्र शामिल है, जिसका मुख्यालय दिल्ली में है जो पैन इंडिया के आधार पर शीर्ष/वरिष्ठ/मध्य प्रबंधन ग्रेड अधिकारियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है। तीन क्षेत्रीय स्टाफ कॉलेज (आरएससी) वरिष्ठ/मध्य/कनिष्ठ प्रबंधन अधिकारी और साथ ही साथ कामगार और मध्य/जूनियर प्रबंधन ग्रेड अधिकारियों, लिपिक और अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए सात क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (जेटीसी) हैं। बैंक का एक **विशेष आईटी प्रशिक्षण केंद्र** है जो **फरीदाबाद** में स्थित है।

वि.व. 19 के लिए प्रशिक्षण नीति के उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में, बैंक ने 42219 कर्मचारियों को इन-हाउस प्रशिक्षण के माध्यम से 1,22,718 दिवस प्रशिक्षण प्रदान किए। इसके अलावा, भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में 923 कर्मचारिया/अधिकारियों को 3365 दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया हैं।

2018-19 के दौरान बैंक ने अपने 951 अधिकारियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न श्रेणियों में भारत एवं विदेश में 160 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये है जैसे - आईडीआरबीटी हैदराबाद, एनआईबीएम पुणे, सीएबी (आरबीआइ) पुणे, आईआईएम, सीएएफआरएएल, आईआईबीएफ मुम्बई, फेदाई, एमडीआई, बीआईआरडी लखनऊ, आईआईबीएम गुवाहाटी आदि।

उत्तराधिकार नियोजन के एक भाग के रूप में वरिष्ठ / शीर्ष कार्यकारी ग्रेड अधिकारियों के बीच प्रबंधन गुणों को और बढ़ाने के लिए, बैंक ने 65 नए पदोन्नत उपमहाप्रबन्धकों और महाप्रबन्धकों के लिए "आईआईएम अहमदाबाद" से **कार्यकारी विकास कार्यक्रम** एवं 105 नए पदोन्नत सहायक महाप्रबन्धकों के लिए कार्यक्रम एमडीआई, गुरुग्राम में आयोजित किए गए। केन्द्रीय स्टाफ कॉलेज ने 10 नेतृत्व विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जिसमें 322 वरिष्ठ अधिकारियों (स्केल- IV) को प्रशिक्षण दिया गया था। अन्य सभी प्रशिक्षण केंद्रों ने उन सभी कर्मचारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम भी चलाया, जिन्हें अगले उच्च संवर्ग में पदोन्नत किया गया था।

ऑन-लोकेशन प्रशिक्षण

बैंक ने **216 ऑन-लोकेशन कार्यक्रम** आयोजित किए हैं, जिसमें 6538 कर्मचारियों को फ्रंट लाइन स्टाफ और पीटीएस के लिए सॉफ्ट स्किल, एलएपीएस, नई आईटी पहल, एडीसी एवं मोबाइल बैंकिंग पर कार्यक्रम, एनपीए प्रबंधन, क्रेडिट रेटिंग, जोखिम मूल्यांकन, ई-नीलामी इत्यादि सहित छोटे मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया गया है।

1. **E-Circulars:** 'Knowledge Centre' website includes Bank's circular.
2. **PNB Knowledge Park** is for quick reference to key areas of banking.
3. **Knowledge Repository:** A web and mobile app with information on varied fields.
4. **PNB SARANSH** contains gist of all major banking products & services.
5. **PNB Univ:** A web and mobile app is an interactive mode of learning covering banking topics.
6. **Ask a Question:** Employees can place their doubts online for getting clarification from faculty members.

   Bank's three tier training set up comprises of one Apex level Training Centre with its Headquarters in Delhi catering to training needs of Top/ Senior/ Middle Management Grade officers on PAN India' basis, three Regional Staff Colleges (RSCs) to provide training to Senior/ Middle/ Junior Management officers as well as workman & sub staff and seven Zonal Training Centres (ZTCs) for training of Middle/ Junior Management Grade officers, Clerical and Subordinate Staff. Bank has one **exclusive IT Training Centre** located at **Faridabad.**

Towards fulfillment of the objective of training policy for FY'19, Bank imparted 1,22,718 man days training to 41719 employees through in-house training. In addition, 3365 man days training has been imparted to 923 workmen/officers at reputed outside institutes of India.

During 2018-19, Bank has also organized 160 Training Programs for its 951 officers in different Grades in specialized areas through outside training institutions of repute both in India & abroad viz. IDRBT Hyderabad, NIBM Pune, CAB (RBI) Pune, IIMs, CAFRAL, IIBF Mumbai, FEDAI, MDI, BIRD Lucknow, IIBM Guwahati etc.

As a part of succession planning and to enhance Management qualities amongst Senior/ Top Executive Grade Officers, the Bank conducted **Executive Development Program,** at "IIM Ahmedabad' for 65 newly promoted DGMs & GMs. Further, programs for upskilling 105 newly promoted AGMs were conducted at MDI, Gurugram. CSC also conducted 10 Leadership Development Programs in which **322** Senior Officials (Scale-IV) were imparted training. All other Training Centres also conducted Management Development Programs for all other employees who were promoted in next higher cadre.

On Location Training

The Bank has conducted **216 On-Location programs** in which **6538 employees** have been imparted training on different small modules, including Soft Skills for front line Staff & for PTS, LAPS, New IT Initiatives programs on ADC & Mobile Banking, NPA Management, Credit Rating, Risk assessment, e-Auction etc.

अगले कदम

वित्तीय वर्ष 2019 में बैंकिंग प्रणाली लम्बे समय तक एनपीए चक्र से बाहर निकलती देखी गई है। परिसम्पतियों की गुणवत्ता में स्थिरीकरण और ऋण वृद्धि को पुनजीवित करने के साथ, बैंकों से अपेक्षा की जाती है कि वे देश को वित्तीय आवश्यक्ताओं के साथ आगे बढ़ाने लचीले तुलन-पत्र की ओर बढ़े। हालाँकि प्रमुख चुनौतियों में आउटलुक को आकार देने की संभावना है, इसमें परिसम्पति गुणवत्ता समाधान, पर्याप्त पुनर्पूंजीकरण, कोर्पोरेट प्रशासन तंत्र की मजबूती और एनबीएफसी के परिसम्पति गुणवत्ता ढांचे को मजबूत बनाने के तहत प्रगति जारी रखना शामिल हैं।

बैंक ने उल्लेखनीय बदलाव का प्रदर्शन किया। सभी प्रमुख मापदंडों में प्रगति दिखाई दी। रिकॉर्ड तरीके से वसूली होने के फलस्वरूप आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ और पूंजी संरक्षण उपायों के कारण पूंजी में वृद्धि हुई।

तेज वृद्धि और व्यापार तथा लाभप्रदता के बिल्डिंग ब्लॉक को पहले से ही अपनाया गया है और बैक की रणनीति, समावेशी, टिकाऊ और लाभदायक व्यवसाय वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना जारी रहेगा। वसूली और पूंजी संरक्षण में त्वरित गति को जारी रखने के अलावा, सभी चैनलो पर संरक्षण में त्वरित गति को जारी रखने के अलावा, सभी चैनलों पर एक सुसंगत और निर्वाध ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करने हेतु, बहु-आयामी डिजिटल परिवर्तन रणनीति के माध्यम से प्रयास अपनी सभी प्रणालियों और प्रक्रियाओं को मजबूत करना है।

WAY FORWARD

The Financial year 2019 saw the banking system emerge out of the prolonged NPA cycle. With the stabilisation in asset quality and revival of credit growth, banks are expected to move into a resilient trajectory of balance sheet expansion consistent with the financial intermediation needs of the country going forward. However the major challenges that are likely to shape the outlook will include continuing with the progress made under asset quality resolution, adequate recapitalisation, firming up of corporate governance mechanisms and strengthening the asset-liability framework of NBFCs.

The performance of the Bank improved and there was visible progress in the key parameters of asset quality on the back of record recovery and improved Capital due to capital conservation measures.

The building blocks of faster growth and business and profitability are already in place and the Bank's strategy will continue to focus on inclusive, sustainable and profitable business growth. Apart from continuing the accelerated momentum in recovery and capital conservation, retail channels and product and processes will be made more customer friendly to ensure a consistent and seamless customer experience across all channels. Going forward, Bank's endeavor will be to further strengthen all its systems and procedures besides enhancing customer and employee satisfaction through multi pronged digital transformation strategy.

निगमित शासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र

पंजाब नैशनल बैंक के सदस्यगण

हमने संबंधित वर्ष के लिए लागू सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियमन 2015 (सेबी एलओडीआर विनियमन) में यथानिर्दिष्ट 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए निगमित शासन की शर्तों का पंजाब नैशनल बैंक द्वारा अनुपालन किए जाने की जाँच की है।

निगमित शासन की शर्तों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। हमारी जाँच भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी निगमित शासन के प्रमाणन पर मार्गदर्शी नोट का अनुपालन किया गया है और निगमित शासन की शर्तों के अनुपालन के सुनिश्चय हेतु बैंक द्वारा अंगीकृत कार्य पद्धतियों तथा उनके क्रियान्वयन तक ही सीमित है। यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही बैंक की वित्तीय विवरणियों पर राय की अभिव्यक्ति है।

हमारी राय में दी गई सर्वोत्तम सूचना और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों से हम प्रमाणित करते हैं कि बैंक निगमित शासन के साथ संलग्न उपयुक्त सेबी विनियमन के सभी महत्वपूर्ण पहलूओं का इस हद तक अनुपालन करता है कि इससे बैंकिंग विनियमन अधिनियम,1949 और बैंकिंग कम्पनियों (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 का खंडन नहीं होता है।

हम अवगत कराते हैं कि स्टॉकहोल्डर्स रिलेशनशिप समिति द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के अनुसार बैंक के विरुद्ध निदेशकों की एक भी शिकायत एक माह से अधिक लंबित नहीं है।

हम यह भी अवगत कराते हैं कि इस प्रकार का अनुपालन न तो बैंक को भावी व्यवहार्यता और न ही प्रबंधन द्वारा बैंक का काम काज चलाने में उसकी दक्षता अथवा प्रभावशीलता के प्रति कोई आश्वासन देता है।

कृते जी.एस माथुर एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि.न. 008744एन

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
सदस्य न. 091007

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म रजि.न. 302014 ई

(संजय कुमार परिदा)
साझेदार
सदस्य न. 504222

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म रजि.न. 002871एन

(दलबीर सिंह गुलाटी)
साझेदार
सदस्य न. 081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि.न. 001411एन

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
सदस्य न. 14956

कृते ए जॉन मोरिस एंड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म रजि.न. 007220एस

(जी कुमार)
साझेदार
सदस्य न. 023082

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक : 28.05.2019

AUDITORS' CERTIFICATE ON CORPORATE GOVERNANCE

To the Members of Punjab National Bank

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by Punjab National Bank for the year ended on March 31, 2019, as stipulated in SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ('SEBI LODR Regulations'), as applicable during the relevant year.

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of the Management. Our examination was carried out in accordance with the Guidance Note on Certification of Corporate Governance, issued by the Institute of Chartered Accountants of India, and was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Bank for ensuring the compliance of the conditions of Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion on the financial statements of the Bank.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us we certify that the Bank has, in all material aspects, complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in the above mentioned SEBI Regulations to the extent these do not contradict the Banking Regulation Act, 1949 and Banking companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970.

We state that no investor grievance is pending for a period exceeding one month against the Bank as per the records maintained by the Stakeholders Relationship Committee.

We further state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Bank nor the efficiency or effectiveness with which the Management has conducted the affairs of the Bank.

FOR G S MATHUR & CO.
Chartered Accountants
FRN 008744N

(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
M.NO. 091007

FOR MKPS & ASSOCIATES.
Chartered Accountants
FRN 302014E

(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
M.NO. 504222

FOR HDSG & ASSOCIATES
Chartered Accountants
FRN 002871N

(Dalbir Singh Gulati)
Partner
M.NO. 081024

FOR M K AGGARWAL & CO.
Chartered Accountants
FRN 001411N

(M K Aggarwal)
Partner
M.NO. 14956

FOR A JOHN MORIS & CO.
Chartered Accountants
FRN 007220S

(G Kumar)
Partner
M.NO. 023082

Place: New Delhi

Date: 28.05.2019

निगमित शासन पर रिपोर्ट

Report on Corporate Governance

निगमित शासन संबंधी रिपोर्ट

1. निगमित शासन का दर्शन शास्त्र

बैंक निवेशकों एवं अन्य स्टेकहोल्डरों का विश्वास, पारर्शिता का उच्च मानक निर्धारित करने, कार्यक्षमता में सुधार व संगठन की प्रगति के लिए नैतिक रूप में विश्वास करता है। बैंक व्यावसायिकता व उत्तरदायित्व पर आधारित निगमित शासन की प्रथाओं का कड़ाई से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारा निगमित ढांचा कारोबार, परिचालन एवं प्रकटीकरण कार्यशैली उक्त निगमित शासन के दर्शन पर पूर्णतया आधारित है।

बैंक एक निगमित निकाय और सूचीबद्ध इकाई है और इस प्रकार यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), बैंकिग कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 (अधिनियम) और सेबी (सूचीबद्व बाध्यताऐं और प्रकटीकरण अपेक्षाऐं) विनियमन, 2015 द्वारा अधिनियम और आरबीआई दिशानिर्देशों का उल्लंघन न किए जाने की सीमा तक विनियमित होता है।

बैंक का निदेशक मंडल सभी स्टेकहोल्डरों जैसे शेयरधारकों, कर्मचारियों, ग्राहकों और व्यापक समाज के मूल्यों का अनुकूलन करने का प्रयास करता है ।

2. निदेशक मण्डल

बैंक के बोर्ड का गठन बैंककारी विनियम अधिनियम 1949 के संबद्ध प्रावधानों, बैंककारी कम्पनियां (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970, के अनुसार किया गया है ।

2.1 31.03.2019 के अनुसार निदेशक मंडल की संरचना उनकी नियुक्ति तिथि, श्रेणी, अन्य धारित बोर्ड स्थिति इत्यादि निम्नवत दी गई है:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	नियुक्ति तिथि	निदेशक की श्रेणी	बैंक के बोर्ड की उप समितियों में सदस्यता/ अध्यक्षता	गैर-कार्यपालक निदेशक द्वारा धारित शेयरों की सं.
1.	श्री सुनील मेहता गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	16.03.2017	गैर-कार्यपालक	06	शून्य
2.	श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	05.05.2017	कार्यपालक	16	लागू नहीं
3	श्री एल. वी. प्रभाकर	01.03.2018	कार्यपालक	17	लागू नहीं
4	श्री अज्ञेय कुमार आज़ाद	22.01.2019	कार्यपालक	14	शून्य
5	श्री रवि मित्तल	04.07.2017	गैर-कार्यपालक (सरकारी आधिकारिक निदेशक)	11	शून्य
6	डॉ. रबी एन. मिश्रा	26.04.2016	गैर कार्यपालक (भा. रि.बैंक आधिकारिक निदेशक)	05	शून्य
7	श्री महेश बाबू गुप्ता	26.07.2016	गैर-कार्यपालक (सीए निदेशक)	09	शून्य
8	श्री संजय वर्मा	15.06.2017	गैर-कार्यपालक शेयरहोल्डर निदेशक	08	100
9	डॉ. आशा भंडारकर	12.09.2018	गैर-कार्यपालक शेयरहोल्डर निदेशक	09	100

नोट: डॉ. राजेश कुमार यदुवंशी को वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार अधिसूचना संख्या 4/4/2018-BO-I दिनांक 15.04.2019 के अनुसार बैंक में कार्यपालक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है और उन्होंने 15.04.2019 को कार्यपालक निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

बैंक नें इस बात की पुष्टि की है कि कोई भी निदेशक अंतर संबंधित नहीं है।

बैंक ने अपने स्वतंत्र निदेशकों के लिए बैंक की वेबसाइट https://www.pnbindia.in/Regulation.html पर परिचयात्मक कार्यक्रम डाले है।

Report on Corporate Governance

1. Corporate Governance Philosophy

The Bank believes in enhancing investor and other stakeholders' confidence and setting high standards of transparency, ethical values for improving efficiency and growth of the organization. The Bank is committed to strong Corporate Governance practices based on openness, professionalism and accountability.

Our corporate structure, business, operations and disclosure practices have been strictly aligned to the above Corporate Governance Philosophy

The Bank being a body corporate and a listed entity is regulated by Reserve Bank of India (RBI), The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (The Act) and SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements), Regulations, 2015 to the extent these do not violate the Act and RBI guidelines.

Board of the Bank strives to optimize value for all stakeholders like shareholders, employees, customers and the society at large.

2. Board of Directors

The Board of the Bank is constituted in accordance with the provisions of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, the Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, and the Banking Regulation Act, 1949.

2.1 Composition of the Board of Directors as on 31.03.2019 with date of their appointment, category, membership of other committees etc. is given below:

S. No.	Name of Director	Date of Appointment	Category of Director	Membership/ Chairmanship of Sub-Committees of Board of the Bank	No. of Shares held by non- executive directors
1	Sh. Sunil Mehta Non-Executive Chairman	16.03.2017	Non-Executive	06	Nil
2	Sh. Sunil Mehta Managing Director & CEO	05.05.2017	Executive	16	NA
3	Sh. L. V. Prabhakar	01.03.2018	Executive	17	NA
4	Sh. Agyey Kumar Azad	22.01.2019	Executive	14	Nil
5	Sh. Ravi Mital	04.07.2017	Non-Executive (Govt. official Director)	11	Nil
6	Dr. Rabi N. Mishra	26.04.2016	Non-Executive (RBI official Director)	05	Nil
7	Sh. Mahesh Baboo Gupta	26.07.2016	Non-Executive (CA Director)	09	Nil
8	Sh. Sanjay Verma	15.06.2017	Non-Executive Shareholder Director	08	100
9	Dr. Asha Bhandarker	12.09.2018	Non-Executive Shareholder Director	09	100

Note: Dr. Rajesh Kumar Yaduvanshi has been appointed as Executive Director in the Bank in terms of Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India Notification F. No. 4/4/2018-BO.I dated 15.04.2019 and he has assumed the charge of Executive Director on 15.04.2019.

The Bank confirms that none of the Directors are related inter-se.

The Bank imparts familiarization programmes for its independent directors, which is posted on the website of the Bank i.e. https://www.pnbindia.in/Regulatory.html

2.2 **वर्ष के दौरान निम्नलिखित सदस्य निदेशक का कार्यकाल समाप्त हुआ:**

क्रम सं0	निदेशक का नाम	निदेशक की श्रेणी	समापन तिथि	कारण
1	श्रीमती हीरू मीरचंदानी	शेयरहोल्डर निदेशक	01.05.2018	कार्यकाल पूर्ण
2	श्री सुधीर नायर	शेयरहोल्डर निदेशक	18.12.2018	कार्यकाल पूर्ण
3	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव	कार्यपालक निदेशक	18.01.2019	**डीएफएस अधिसूचना एफ.सं. 16/13/2018-BO.I दिनांक 18.01.2019 के अनुसार, निदेशक की अवधि समाप्त की गई।**
4	श्री संजीव शरण	कार्यपालक निदेशक	18.01.2019	

2.3 **समितियों/अन्य सूचीबद्ध संस्थाओं के बोर्ड में निदेशकों की सदस्यता / अध्यक्षता का विवरण:**

क्र.सं.	पीएनबी में निदेशक के नाम	अन्य सूचीबद्ध संस्था का नाम जिसमें जिसमें निदेशक बोर्ड का सदस्य है	बोर्ड / समिति का नाम अन्य सूचीबद्ध इकाई में जहां निदेशक अध्यक्ष / सदस्य हैं		अन्य सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशक की श्रेणी
1.	श्री सुनील मेहता (गैर-कार्यपालक अध्यक्ष)	1.आईएल एवं एफएस निवेश प्रबंधक लिमिटेड	बोर्ड	सदस्य	गैर-कार्यपालक स्वतंत्र निदेशक
			नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति	अध्यक्ष	-वही-
		2.एसीसी लिमिटेड	बोर्ड	सदस्य	-वही-
			बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति	सदस्य	-वही-
			स्टेकहोल्डर संबंध समिति	सदस्य	-वही-
2.	श्री सुनील मेहता, (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी)	1.पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि.	बोर्ड	सदस्य	अध्यक्ष-गैर-कार्यपालक
		2.पीएनबी गिल्ट्स लि.	बोर्ड	सदस्य	अध्यक्ष-गैर-कार्यपालक एवं गैर-स्वतंत्र
3.	श्री एल. वी. प्रभाकर (कार्यपालक निदेशक)	पीएनबी हाउसिग फाइनेंस लि.	बोर्ड	सदस्य	गैर-कार्यपालक निदेशक
			नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति	सदस्य	-वही-
			जोखिम प्रबंधन समिति	सदस्य	-वही-
			कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति	सदस्य	-वही-
4.	श्री ए.के.आजाद (कार्यपालक निदेशक)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
5.	श्री रवि मित्तल (गैर-कार्यपालक सरकारी आधिकारिक निदेशक	जनरल इन्शुरेंन्स क. लि.	बोर्ड	सदस्य	
			बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति	सदस्य	गैर-कार्यपालक निदेशक
			उद्यम जोखिम प्रबंधन समिति	सदस्य	-वही-
			निवेश समिति	सदस्य	-वही-
			नामांकन और पारिश्रमिक समिति	सदस्य	-वही-
			कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति	सदस्य	-वही-
			आचार समिति	सदस्य	-वही-
6.	डॉ. रबी एन.मिश्रा (गैर-कार्यपालक भा.रि.बैंक आधिकारिक निदेशक)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
7.	श्री महेश बाबू गुप्ता (गैर-कार्यपालक सीए निदेशक)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

2.2 The following members ceased to be the Directors during the year:

S. No.	Name of Director	Category of Director	Date of cessation	Reason
1	Smt. Hiroo Mirchandani	Shareholder Director	01.05.2018	**Term Expired**
2	Sh. Sudhir Nayar	Shareholder Director	18.12.2018	**Term Expired**
3	Sh. K. V. Brahmaji Rao	Executive Director	18.01.2019	**Ceased to be Director, as per DFS notification F. No. 16/13/2018-BO.I dated 18.01.2019**
4	Sh. Sanjiv Sharan	Executive Director	18.01.2019	

2.3 Details of membership/chairmanship of Directors in the committees/Board of other listed entities:

Sr. No.	Name of the Director in PNB	Name of other Listed Entity in which the Director is a member of the Board	Name of the Board/Committee in other listed entity where the Director is chairman/member		Category of Directorship in other listed entities
1	Sh. Sunil Mehta (Non-Executive Chairman)	1. IL&FS Investment Manager Ltd.	Board	Member	Non-Executive – Independent Director
			Nomination & Remuneration Committee	Chairman	-do-
		2. ACC Limited	Board	Member	-do-
			Audit Committee of Board	Member	-do-
			Stakeholder Relationship Committee	Member	-do-
2	Sh. Sunil Mehta (Managing Director & CEO)	1. PNB Housing Finance Ltd.	Board	Member	Chairman- Non-Executive
		2. PNB Gilts Ltd.	Board	Member	Chairman- Non-Executive & Non – Independent
3	Sh. L. V. Prabhakar (Executive Director)	PNB Housing Finance Ltd.	Board	Member	Non-Executive Director
			Nomination & Remuneration Committee	Member	-do-
			Risk Management Committee	Member	-do-
			Corporate Social Responsibility Committee	Member	-do-
4	Sh. A. K. Azad (Executive Director)	Nil	NA	NA	NA
5	Sh. Ravi Mital (Non-Executive, Govt. official Director)	General Insurance Co. Ltd	Board	Member	Non-Executive Director
			Audit Committee of Board	Member	-do-
			Enterprise Risk Management Committee	Member	-do-
			Investment Committee	Member	-do-
			Nomination and Remuneration Committee	Member	-do-
			Corporate Social Responsibility Committee	Member	-do-
			Ethics Committee	Member	-do-
6	Dr. Rabi N. Mishra (Non- Executive, RBI Official Director)	Nil	NA	NA	NA
7	Sh. Mahesh Baboo Gupta (Non- Executive C.A. Director)	Nil	NA	NA	NA

8.	श्री संजय वर्मा (शेयरहोल्डर निदेशक)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
9.	डॉ. आशा भंडारकर (शेयरहोल्डर निदेशक)	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

2.4 वित्तीय वर्ष में आयोजित बोर्ड की बैठकों का विवरण निम्नानुसार है :

क्र. स.	बैठक की तिथि	बोर्ड में निदेशकों की कुल संख्या	बैठक में उपस्थित निदेशकों की संख्या
1	04 एवं 05.05.2018	10	9
2	14-05-2018	10	8
3	15-05-2018	10	8
4	15-06-2018	10	7
5	26-07-2018	10	7
6	06-08-2018	10	7
7	07-08-2018	10	8
8	04-09-2018	10	7
9	27-09-2018	11	8
10	01-11-2018	11	8
11	02-11-2018	11	7
12	11-12-2018	11	7
13	04-02-2019	9	7
14	05-02-2019	9	8
15	26-02-2019	9	8
16	27-03-2019	9	9

2.5 वित्तीय वर्ष के दौरान बोर्ड की बैठकों तथा गत वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में निदेशकों की उपस्थिति की संख्या इस प्रकार है:

क्रम सं.	निदेशक का नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए	पिछली आम वार्षिक बैठक में उपस्थिति
1.	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	16	16	हाँ
2.	श्री सुनील मेहता, एमडी और सीईओ	16	16	हां
3.	श्री के.वी. ब्रह्माजी राव	12	01	नहीं
4.	श्री संजीव शरण	12	01	नहीं
5.	श्री एल. वी. प्रभाकर	16	16	हाँ
6.	श्री ए. के. आज़ाद	04	04	लागू नहीं
7.	श्री रवि मित्तल	16	07	नहीं
8.	डॉ. रबी.एन. मिश्रा	16	15	नहीं
9.	श्री महेश बाबू गुप्ता	16	15	नहीं
10.	सुश्री हीरू मीरचंदानी	-	-	लागू नहीं
11.	श्री सुधीर नायर#	12	11	हाँ
12.	श्री संजय वर्मा	16	15	नहीं
13.	डॉ. आशा भंडारकर	08	06	लागू नहीं

लागू नही.: प्रासंगिक अवधि के दौरान निदेशक नहीं।

*(14.05.2018 से शक्तियाँ र्निनिहित की गई)

श्री सुधीर नायर का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद 18.12.2018 को निदेशक की अवधि समाप्त।

8	Sh. Sanjay Verma (Shareholder Director)	Nil	NA	NA	NA
9	Dr. Asha Bhandarker (Shareholder Director)	Nil	NA	NA	NA

2.4 Board meetings were held during the year as per details given below::

S. No.	Date of the Meeting	Total No. of Directors on the Board	No. of Directors Present in the meeting
1	04 & 05.05.2018	10	9
2	14.05.2018	10	8
3	15.05.2018	10	8
4	15.06.2018	10	7
5	26.07.2018	10	7
6	06.08.2018	10	7
7	07.08.2018	10	8
8	04.09.2018	10	7
9	27.09.2018	11	8
10	01.11.2018	11	8
11	02.11.2018	11	7
12	11.12.2018	11	7
13	04.02.2019	9	7
14	05.02.2019	9	8
15	26.02.2019	9	8
16	27.03.2019	9	9

2.5 The total number of Board meetings & last Annual General Meeting (AGM) attended by Directors during the Financial Year are as under:

S. No.	Name of Director	Board Meetings held during their tenure	Board Meetings attended	Attendance in last AGM
1	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	16	16	Yes
2	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	16	16	Yes
3	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	12	1	No
4	Sh. Sanjiv Sharan*	12	1	No
5	Sh. L. V. Prabhakar	16	16	Yes
6	Sh. A. K. Azad	04	04	N.A.
7	Sh. Ravi Mital	16	07	No
8	Dr. Rabi N. Mishra	16	15	No
9	Sh. Mahesh Baboo Gupta	16	15	No
10	Ms. Hiroo Mirchandani	-	-	N.A.
11	Sh. Sudhir Nayar#	12	11	Yes
12	Sh. Sanjay Verma	16	15	No
13	Dr. Asha Bhandarker	08	06	N.A.

N.A.: Not a director during the relevant period.

*(Powers Divested w.e.f. 14.05.2018)

Sh. Sudhir Nayar ceased to be a director on 18.12.2018 after completion of the tenure.

2.6 वित्तीय वर्ष के दौरान नियुक्त किए गए निदेशकों की संक्षिप्त प्रोफाइल निम्नानुसार है:

1) श्री अज्ञेय कुमार आज़ाद, कार्यपालक निदेशक

श्री ए. के. आज़ाद ने दिनांक 22.01.2019 को पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक का पद ग्रहण किया है। उन्होंने कृषि में स्नातक और सर्टिफाइड एसोसिएट ऑफ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकर्स (सीएआईआई बी) की परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। वे "व्यवसाय प्रबंधन में कार्यपालक स्नातकोत्तर कार्यक्रम" और "उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम (बैंकिंग और वित्त)" के भी धारक है। उन्हें राष्ट्रीयकृत बैंकों का 34 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारत भर में विभिन्न शाखाओं, विभागों, अंचलो का नेतृत्व किया है, जिनमें बैंक ऑफ इंडिया, न्यूयॉर्क शाखा के एवीपी और बैंक ऑफ इंडिया, केन्या के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में कार्य शामिल हैं। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, प्राथमिकता क्षेत्र क्रेडिट, रिकवरी, मानव संसाधन और विदेशी केंद्रों में लेखा परीक्षा और अनुपालन ऐसे विविध क्षेत्रों का अनुभव एवं व्यापक ज्ञान प्राप्त है।

2) डॉ. आशा भंडारकर, शेयरहोल्डर निदेशक

डॉ. आशा भंडारकर को दिनांक 12.09.2018 से 11.09.2021 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए शेयरहोल्डर निदेशक चयनित किया गया है। वह मानव संसाधन और व्यवसाय प्रबंधन की विशेषज्ञ हैं। वह 2012 से अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, दिल्ली में विख्यात प्रोफेसर हैं। 1999 से 2012 तक, वह रमन मुंजाल में चेयर प्रोफेसर ऑफ लीडरशिप स्टडीज के साथ एमडीआई-गुड़गांव में रिसर्च एवं कन्सलटिंग की डीन रही। इन्होने पिछले 30 वर्षों में 100 से अधिक कंपनियों और बैंकों में काम किया है। प्रशिक्षण, शोध के साथ-साथ संगठन के विकास, दृष्टि निर्माण, योग्यता मानचित्रण और मूल्यांकन के साथ-साथ वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए कोचिंग और परामर्शदाता के रूप में कार्य किया है । वह एक मान्यता प्राप्त मानव संसाधन विशेषज्ञ है और उन्हें कई बोर्ड स्तर की मानव संसाधन समितियों में आमंत्रित किया गया है, जिनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, कारर्पोरेशन बैंक आदि शामिल है।

2.7 चार्ट/मैट्रिक्स बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की कौशल/ विशेषज्ञता/ क्षमता को निर्धारित करता है-

बैंकिग कंपनियों (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 के अनुसार, एक निदेशक को एक या अधिक मामलों के संबंध में कृषि या ग्रामीण अर्थव्यवस्था, बैंकिग, सहकारिता, अर्थशास्त्र, वित्त, कानून लघु उद्योग आदि विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव होना चाहिए।

पीएनबी के बोर्ड के पास उपलब्ध कौशल/विशेषज्ञता/क्षमता निम्नलिखित है:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	निदेशकों की श्रेणी	मूल कौशल / विशेषज्ञता / क्षमता
1.	सुनील मेहता अध्यक्ष	गैर-कार्यपालक निदेशक	• बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ
2.	सुनील मेहता एमडी एवं सीईओ	पूर्णकालिक निदेशक	• बैंकिंग
3.	एल. वी. प्रभाकर कार्यपालक निदेशक	पूर्णकालिक निदेशक	• बैंकिंग

2.6 Brief Profile of Directors appointed during the Financial Year is given below:

1) Shri Agyey Kumar Azad, Executive Director

Shri A K Azad has assumed the office of Executive Director of Punjab National Bank on 22.01.2019. He holds a Bachelor's degree in Agriculture and a Certified Associate of Indian Institute of Bankers (CAIIB). He also holds "Executive Post Graduate Programme in Business Management" and "Advanced Management Program (Banking & Finance)". He has over 34 years of experience in Nationalized Bank. He has headed various Branches, Departments, Zones across India including stint as AVP of Bank of India, New York Branch and CEO of Bank of India, Kenya. He carries with him vast knowledge and diversified experience in areas such as International Banking, Priority Sector Credit, Recovery, Human Resources and Audit & Compliance at Foreign Centres.

2) Dr. Asha Bhandarker, Shareholder Director

Dr. Asha Bhandarker was elected Shareholder Director w.e.f. 12.09.2018 to 11.09.2021 for a period of three years. She specializes in Human Resource and Business Management. She is distinguished Professor in International Management Institute, Delhi since 2012. From 1999 to 2012, she was the Raman Munjal Chair Professor of Leadership Studies as well as dean Research and Consulting at MDI-Gurgaon. She has worked with more than 100 companies as well as banks over the last 30 years training, researching as well as consulting in organization development, vision building, competency mapping and assessment as well as coaching and mentoring for capability building of senior level executives. She is a recognized HR expert and has been invited on many board level HR committees some of them being Bank of Baroda, Corporation Bank etc.

2.7 Chart/Matrix setting out the skills/expertise/ competence of the Board of Directors-

As per Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 a director shall possess special knowledge or practical experience in respect of one or more of the matters namely agriculture and rural economy, banking, co-operation, economics, finance, law, small scale industry etc..

Following are the skills/expertise/competence available with the Board of PNB:

S. No.	Name of Director Shri/Ms.	Category of Director	Core Skills/ Expertise/ Competence
1.	Sunil Mehta Chairman	Non- Executive Director	• Banking and Financial Services
2.	Sunil Mehta MD & CEO	Whole Time Director	• Banking
3.	L.V. Prabhakar Executive Director	Whole Time Director	• Banking

4.	ए. के. आजाद कार्यपालक निदेशक	पूर्णकालिक निदेशक	• बैंकिंग
5.	रवि मित्तल सरकार नामिती निदेशक	गैर-कार्यपालक निदेशक	• प्रशासन एवं प्रबंधन
6.	डॉ. रबी एन. मिश्रा आरबीआई नामिती निदेशक	गैर- कार्यपालक निदेशक	• जोखिम प्रबंधन और अर्थशास्त्र
7.	महेश बाबू गुप्ता सीए निदेशक	गैर-कार्यपालक निदेशक	• वैधानिक, लेखा परीक्षा और लेखा
8.	संजय वर्मा शेयरधारक निदेशक	स्वतंत्र निदेशक	• सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन
9.	डॉ. आशा भंडारकर शेयरधारक निदेशक	स्वतंत्र निदेशक	• मानव संसाधन और कारोबार प्रबंधन

आगे यह:

➢ सुनिश्चित करें कि बोर्ड की राय में, स्वतंत्र निदेशक सेबी एलओडीआर विनियमावली में निदिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र हैं।

➢ तथा सूचित करें कि कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व किसी भी स्वतंत्र निदेशक के इस्तीफे का कोई मामला नहीं है।

3. बोर्ड की उप-समितियाँ

भारतीय रिजर्व बैंक/सेबी/ भारत सरकार/कॉर्पोरेट प्रशासन और जोखिम प्रबंधन पर आईबीए के दिशानिर्देशों के संदर्भ में कार्यनीतिक महत्व के विभिन्न क्षेत्रें को देखने के लिए बैंक के निदेशक मंडल द्वारा निदेशकों और/या कार्यपालको की विभिन्न उप-समितियों का गठन किया गया है।

3.1 बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति (एसीबी)

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र सं0.डीओएस स0. BC/3/08.91.020/97 दिनांक 20.01.97, और भारतीय रिजर्व बैंक की अन्य मौजूदा दिशानिर्देशों और सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 की अपेक्षानुसार बैंक द्वारा बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति (एसीबी) का गठन किया गया है। समिति के मुख्य कार्य निम्नवत् हैं:-

- निर्देश देना एवं संगठन, संचालन, आंतरिक लेखा परीक्षा की गुणवत्ता नियंत्रण सहित बैंक के समग्र लेखा परीक्षा कार्यों की निगरानी व बैंक की सांविधिक/बाह्य लेखा परीक्षा कार्यों एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के निरीक्षण के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- तिमाही /वार्षिक वित्तीय विवरण व रिपोर्टों के संबंध में केन्द्रीय सांविधिक लेखा परीक्षकों से विचार-विमर्श करना और लॉन्ग फार्म ऑडिट रिपोर्ट में उठाए गए समस्त मामलों पर अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- बैंक के आंतरिक निरीक्षण/लेखा परीक्षा संबंधी कार्यों-अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में प्रणाली, गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता की समीक्षा करना।
- यह सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय विवरण सही,पर्याप्त और विश्वसनीय है, बैंक की वित्तीय रिपोटिग प्रक्रिया की निगरानी और इसकी वित्तीय सूचनाओं का प्रकटीकरण।

4.	A. K. Azad Executive Director	Whole Time Director	• Banking
5.	Ravi Mital Govt. Nominee Director	Non-Executive Director	• Administration and Management
6.	Dr. Rabi N. Mishra RBI Nominee Director	Non-Executive Director	• Risk Management and Economics
7.	Mahesh Baboo Gupta CA Director	Non-Executive Director	• Legal, Audit and Accountancy
8.	Sanjay Verma Shareholder Director	Independent Director	• Information Technology and Management
9.	Dr. Asha Bhandarker Shareholder Director	Independent Director	• HR and Business Management

Further it is:

➢ Confirmed that in the opinion of the board, the independent directors fulfill the conditions specified in SEBI LODR regulations and are independent of the management. and

➢ Informed that there is no case of resignation of any independent director before the expiry of the tenure.

3 Sub-Committees of the Board

The Board of Directors of the Bank has constituted various Sub-Committees of Directors and / or Executives to look into different areas of strategic importance in terms of Reserve Bank of India / SEBI / Government of India/IBA guidelines on Corporate Governance and Risk Management.

3.1 Audit Committee of the Board (ACB)

Brief description and terms of reference:

The Audit Committee of the Board (ACB) has been constituted by the Bank in terms of Reserve Bank of India (RBI) circular No.DOS. No. BC/3/08.91.020/97 dated 20.01.97, and other extant guidelines of RBI and as required under SEBI (LODR) Regulations 2015. The main functions of the Committee are as under:-

- Providing direction and overseeing the total audit function of the Bank including the organization, operationalisation, quality control of internal audit and inspection and follow up on the statutory/external audit of the Bank and inspections of RBI.
- To interact with Statutory Central Auditors in respect of approval of quarterly/annual Financial Statements and Reports and also follow up on all the issues raised in the Long Form Audit Report.
- To review the internal inspection/Audit function of the Bank – the system, its quality and effectiveness in terms of follow up.
- Overseeing the Bank's financial reporting process and the disclosure of its financial information to ensure that the financial statements are correct, sufficient and credible.

- बोर्ड को अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करने से पूर्व, प्रबंधन के साथ, वार्षिक वित्तीय विवरणों और लेखा नीतियों में परिवर्तन की समीक्षा करना।
- संबंधित पक्ष के लेनदेन की समीक्षा।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मौजूदा लागू सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 की शर्तानुसार कार्य का निपटान करना।

कम्पनी सचिव सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 की विनियम 18(1) (ई) की शर्तानुसार समिति के सचिव के रुप में कार्य करते हैं।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार समिति की संरचना:

1. श्री संजय वर्मा - अध्यक्ष
2. श्री एल. वी. प्रभाकर - सदस्य
3. श्री रवि मित्तल - सदस्य
4. श्री रबी एन.मिश्रा - सदस्य
5. श्री महेश बाबू गुप्ता - सदस्य

आमंत्रित:

1. श्री ए. के. आजाद - कार्यपालक निदेशक

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों के विवरण:

क्र. सं.	बैठक की तिथि	समिति के निदेशकों की कुल संख्या	उपस्थित निदेशकों की संख्या
1	14.05.2018	05	05
2	15.05.2018	05	05
3	29.05.2018	05	05
4	15.06.2018	05	04
5	23.07.2018	05	04
6	06.08.2018	05	04
7	07.08.2018	05	05
8	04.09.2018	05	04
9	19.09.2018	05	04
10	27.09.2018	05	04
11	01.11.2018	06	05
12	02.11.2018	06	05
13	11.12.2018	06	06
14	04.02.2019	05	04
15	05.02.2019	05	05
16	26.02.2019	05	04
17	27.03.2019	05	04

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों द्वारा बैठकों में भाग लेने की संख्या:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	कितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुधीर नायर*	13	12
2.	श्री एल. वी. प्रभाकर	17	17
3.	डॉ. रबी एन.मिश्रा	17	17
4	श्री रवि मित्तल	17	07

- To review with the Management, the Annual Financial Statements and auditors' report thereon before submission to the Board for approval and also about the changes in the Accounting Policies.
- To review related party transactions.
- To discharge the functions in terms of the SEBI (LODR) Regulations, 2015 to the extent applicable to Public Sector Banks.

The Company Secretary acts as Secretary to the Committee in terms of Regulation 18 (1) (e) of SEBI (LODR) Regulations, 2015.

Composition of the Committee as on 31.03.2019:

1. Shri Sanjay Verma - Chairman
2. Shri L.V. Prabhakar, - Member
3. Shri Ravi Mital - Member
4. Dr. Rabi N. Mishra - Member
5. Shri Mahesh Baboo Gupta - Member

Invitees:

1. Shri A. K. Azad - Executive Director

Details of meetings held during the Financial Year:

S. No.	Date of the Meeting	Total No. of Directors of the Committee	No. of Directors present in the Meeting
1	14.05.2018	05	05
2	15.05.2018	05	05
3	29.05.2018	05	05
4	15.06.2018	05	04
5	23.07.2018	05	04
6	06.08.2018	05	04
7	07.08.2018	05	05
8	04.09.2018	05	04
9	19.09.2018	05	04
10	27.09.2018	05	04
11	01.11.2018	06	05
12	02.11.2018	06	05
13	11.12.2018	06	06
14	04.02.2019	05	04
15	05.02.2019	05	05
16	26.02.2019	05	04
17	27.03.2019	05	04

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

Sl. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sudhir Nayar*	13	12
2.	Sh. L. V. Prabhakar	17	17
3.	Dr. Rabi N. Mishra	17	17
4.	Sh. Ravi Mital	17	07

5	श्री महेश बाबू गुप्ता	17	17
6	श्री संजय वर्मा$	04	04
7	डॉ. आशा भंडारकर#	03	03

*श्री सुधीर नायर की 18.12.2018 से समिति की सदस्यता समाप्त|

डॉ. आशा भंडारकर 27.09.2018 को सदस्य बनी और 04.02.2019 से समिति की सदस्यता समाप्त।

$ संजय वर्मा 12.12.2018 को समिति के सदस्य बने।

3.2 जोखिम प्रबंधन समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

जोखिम प्रबन्धन समिति (आरएमसी) का गठन जोखिम प्रबन्धन पर भा.रि.बैंक पत्र सं. DBOD No- BP-520/21.04.103/2002-03 दिनांक 12.10.2002 एवं सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 के विनियमन 20 के अनुसार किया गया है। बैंक के संपूर्ण जोखिम के प्रबंधन, ऋण, बाजार और परिचालन जोखिम, जोखिम एकीकरण, सर्वोत्तम जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के कार्यान्वयन और बैंक की विभिन्न जोखिम सीमाएं स्थापित करने सहित उपयुक्त जोखिम प्रबंधन नीति तैयार करने की संपूर्ण जिम्मेदारी समिति के पास है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना

1. श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष – अध्यक्ष
2. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ – सदस्य
3. श्री एल. वी. प्रभाकर – सदस्य
4. श्री ए. के. आजाद – सदस्य
5. श्री महेश बाबू गुप्ता – सदस्य
6. डॉ. आशा भंडारकर – सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों के विवरण:

क्र. सं.	बैठक की तिथि	समिति के निदेशकों की कुल सं.	बैठक में उपस्थित निदेशकों की सं.
1	15.06.2018	7	5
2	03.09.2018	7	5
3	10.12.2018	8	6
4	27.03.2019	6	6

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों द्वारा बैठकों में भाग लेने की संख्या:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	कितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	04	04

5.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	17	17
6.	Sh. Sanjay Verma$	04	04
7.	Dr. Asha Bhandarker#	03	03

* Sh. Sudhir Nayar ceased to be a member of the committee w.e.f. 18.12.2018

Dr. Asha Bhandarker became member on 27.09.2018 and ceased to be a member of the committee w.e.f. 04.02.2019

$ Sh. Sanjay Verma became member of the committee on 12.12.2018.

3.2 Risk Management Committee

Brief description and terms of reference:

Risk Management Committee (RMC) has been constituted as per RBI letter DBOD No. BP-520/21.04.103/2002-03 dated 12.10.2002 on risk management and Regulation 20 of SEBI (LODR) Regulations 2015. The committee has overall responsibility of managing entire risk of the bank, devising suitable risk management policy including credit, market and operational risks, risk integration, implementation of best risk management practices and setting up various risk limits of the bank.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman - Chairman
2. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Member
3. Sh. L. V. Prabhakar - Member
4. Sh. A. K. Azad -Member
5. Sh. Mahesh Baboo Gupta -Member
6. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:

S. No.	Date of the Meeting	Total No. of Directors of the Committee	No. of Directors present in the Meeting
1	15.06.2018	7	5
2	03.09.2018	7	5
3	10.12.2018	8	6
4	27.03.2019	6	6

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	04	04

2.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	04	04
3.	श्री के.वी. ब्रह्माजी राव*	03	00
4.	श्री संजीव शरण*	03	00
5.	श्री एल. वी. प्रभाकर	04	04
6.	श्री ए. के . आजाद#	01	01
7.	श्री महेश बाबू गुप्ता	04	04
8.	श्री सुधीर नायर @	03	03
9.	डॉ. आशा भंडारकर $	02	02

*(14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई एवं 18.01.2019 से समिति की सदस्यता समाप्त।)

श्री ए.के.आजाद 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने है।

@ श्री सुधीर नायर की समिति की सदस्यता 18.12.2018 से समाप्त।

$ डॉ. आशा भंडारकर 27.09.2018 से सदस्य बनीं

3.3 हितधारकों की संबंध समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 के विनियमन 20 की शर्तानुसार समिति का गठन किया गया है। समिति शेयरधारकों, बांडधारकों तथा अन्य सुरक्षा धारकों की शिकायतों के निवारण के उपाय खोजती है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना

1. श्री महेश बाबू गुप्ता (गैर-कार्यपालक निदेशक) – अध्यक्ष
2. श्री एल. वी. प्रभाकर (कार्यपालक निदेशक) – सदस्य
3. श्री ए. के. आजाद (कार्यपालक निदेशक) – सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों के विवरण:

क्र. सं.	बैठक की तिथि	समिति के निदेशकों की कुल सं.	बैठक में उपस्थित निदेशकों की सं.
1	15.05.2018	3	2
2	26.07.2018	3	2
3	01.11.2018	3	2
4	04.02.2019	3	3

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों में सदस्य-निदेशकों की उपस्थिति की संख्या:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री महेश बाबू गुप्ता	04	04
2.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव	03	00

2.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	04	04
3.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	03	00
4.	Sh. Sanjiv Sharan*	03	00
5.	Sh. L. V. Prabhakar	04	04
6.	Sh. A. K. Azad#	01	01
7.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	04	04
8.	Sh. Sudhir Nayar@	03	03
9.	Dr. Asha Bhandarker$	02	02

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be member of the committee w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

@ Sh. Sudhir Nayar ceased to be a member of the committee w.e.f. 18.12.2018

$ Dr. Asha Bhandarker became the member of the committee on 27.09.2018

3.3 Stakeholders' Relationship Committee

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of Regulation 20 of SEBI (LODR) Regulations, 2015. The Committee looks into the mechanism of redressal of grievances of shareholders, bondholders and other security holders.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Mahesh Baboo Gupta (Non- Executive Director) - Chairman
2. Sh. L. V. Prabhakar (Executive Director) -Member
3. Sh. A. K. Azad (Executive Director) - Member

Details of meetings held during the financial year:

S. No.	Date of the Meeting	Total No. of Directors of the Committee	No. of Directors present in the Meeting
1	15.05.2018	3	2
2	26.07.2018	3	2
3	01.11.2018	3	2
4	04.02.2019	3	3

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	04	04
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	03	00

3.	श्री एल. वी. प्रभाकर	04	04
4.	श्री ए. के. आजाद#	01	01

* (14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई एवं 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त की गई।)

श्री ए.के.आजाद 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने है।

श्री बलबीर सिह, कंपनी सचिव सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 के विनियमन 6(1) के सन्दर्भ में अनुपालना अधिकारी हैं।

वित्तीय वर्ष के दौरान शेयरधारकों/बांडधारकों/सिक्यूरिटी होल्डर से प्राप्त शिकायतों की स्थिति :

वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त शिकायतों की कुल संख्या -17

शेयरधारकों की संतुष्टि तक शिकायतों का निपटान न होने की संख्या - शून्य

दिनांक 31.03.2019 तक लम्बित शिकायतों की संख्या - शून्य

3.4 नामांकन समिति

संक्षिप्त विवरण एवं सन्दर्भ की शर्तें:

आर.बी.आई. पत्र सं. 46&47/29.39.01/2007-08 दिनांक 01.11.2007 तथा सेबी (एलओडीआर) विनियम 2015 के विनियमन 19 तथा आरबीआई पत्र सं0.46-47/29.39.01/2007-08 दिनांकित 01.11.2007 के आधार पर बैंक के बोर्ड के लिए शेयरधारक निदेशक (ओं) के चुनाव के लिए नामांकन प्रस्तुत करने वाले उम्मीदवारों के सम्बन्ध में ''उपयुक्त तथा समुचित'' मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए और चुनाव आयोजित करने हेतु नामांकन समिति का गठन किया गया है।

31.03.2019 की स्थिति अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक निदेशक - अध्यक्ष
2. श्री रवि मित्तल - सदस्य
3. श्री महेश बाबू गुप्ता - सदस्य
4. श्री संजय वर्मा - सदस्य

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान नामांकन समिति की एक बैठक निम्नानुसार आयोजित की गई:

क्र. सं.	बैठक की तिथि	कुल संख्या	बैठक में उपस्थित निदेशकों की संख्या
1	04.09.2018	04	03

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों की बैठकों में उपस्थिति संख्या:

क्र. सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में उपस्थिति
1.	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	01	01
2.	श्री रवि मित्तल	01	00
3.	श्री महेश बाबू गुप्ता	01	01

3.	Sh. L. V. Prabhakar	04	04
4.	Sh. A. K. Azad#	01	01

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

Shri Balbir Singh, Company Secretary, is the Compliance Officer in terms of Regulation 6 (1) of SEBI (LODR) Regulations, 2015.

Status of Shareholders'/bondholders'/Security holders' complaints received during the year:

Total no. of complaints received during 2018-19 – 17

No. of complaints not resolved to the satisfaction of shareholders - Nil.

No. of complaints pending as on 31.03.2019 - Nil

3.4 Nomination Committee

Brief description and terms of reference:

The Nomination committee has been constituted as per RBI letter No. 46&47/29.39.01/2007-08 dated 01.11.2007 and Regulation 19 of SEBI (LODR) Regulations, 2015 to determine the fulfillment of `fit and proper' criteria in respect of candidates submitting nominations for election as Shareholder Director(s) on the Board of Bank, as and when elections are held.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman - Chairman
2. Sh. Ravi Mital - Member
3. Sh. Mahesh Baboo Gupta - Member
4. Sh. Sanjay Verma - Member

One meeting of the Nomination Committee was held during 2018-19 as under:

S. No.	Date of meeting	Total Strength	No. of Directors Present in the meeting
1	04.09.2018	04	03

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	01	01
2.	Sh. Ravi Mital	01	00
3.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	01	01

4.	श्री सुधीर नायर@	01	01
5.	श्री संजय वर्मा*	00	00

@ श्री सुधीर नायर की 18.12.2018 से समिति की सदस्यता समाप्त।

*श्री संजय वर्मा 27.09.2018 को समिति के सदस्य बने।

जैसा कि बैंक के बोर्ड का गठन बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1970, और बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के अनुसार है। बैंको के लिए स्वतंत्र निदेशकों के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन मानदंड लागू नहीं है।

3.5 पारिश्रमिक समिति

संक्षिप्त विवरण एवं सन्दर्भ की शर्तें:

सरकार द्वारा अपने दिनांक 25.11.2013 के पत्राचारों द्वारा निर्धारित गुणात्मक और मात्रात्मक पैरामीटरों के आधार पर, समिति बैंक के प्रबन्ध निदेशक तथा कार्यपालक निदेशकों के प्रोत्साहन के भुगतान के निर्णय हेतु पूर्णकालिक निदेशकों की समीक्षा करती है। यह सेबी (LODR) विनियमन, 2015 के अनुसार गठित है। बैंक के पूर्णकालिक निदेशकों का पारिश्रमिक एमओएफ दिशानिर्देशों द्वारा शासित है। डीएफएस, एमओएफ द्वारा उनके पत्र दिनांक 18.08.2015 के माध्यम से दिशानिर्देशों को परिवर्तित किया गया और यह सूचित किया गया कि इसका कार्यनिष्पादन सचिव (वित्तीय सेवाएं) द्वारा मूल्यांकित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, यह सलाह दी गई कि पीएसबी के सीएमडी/एमडी एवं सीईओ/ईडी के लिए प्रोत्साहन संरचना विचाराधीन है और इन्हें यथा समय सूचित किया जाएगा।

31.03.2019 की स्थिति अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता गैर-कार्यपालक अध्यक्ष – अध्यक्ष
2. श्री रवि मित्तल – सदस्य
3. श्री महेश बाबू गुप्ता – सदस्य
4. श्री संजय वर्मा – सदस्य

2018-19 के दौरान पारिश्रमिक समिति की तीन बैठकें हुई:

क्र. सं.	बैठक की संख्या	कुल संख्या	बैठक में उपस्थित निदेशकों की संख्या
1	04.09.2018	04	04
2	28.11.2018	04	03
3	24.12.2018	04	03

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों की बैठकों में उपस्थिति संख्या:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	बैठकों में उपस्थिति
1.	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	03	03
2.	श्री रवि मित्तल	03	01

4.	Sh. Sudhir Nayar@	01	01
5.	Sh. Sanjay Verma*	00	00

@ Sh. Sudhir Nayar ceased to be a member of the committee w.e.f. 18.12.2018

* Sh. Sanjay Verma became member of the committee on 27.09.2018

As the constitution of the Board of the Bank is as per the provisions of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, the Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, and the Banking Regulation Act, 1949, the performance evaluation criteria for independent directors is not applicable for the Bank.

3.5 Remuneration Committee

Brief description and terms of reference:

The Committee, reviews performance of the whole-time directors to decide payment of incentive for MD & CEO and Executive Directors based on the qualitative and quantitative parameters prescribed by Government of India vide its communication dated 25.11.2013. It is constituted as per SEBI (LODR) Regulations, 2015. Remuneration of Bank's Whole Time Directors is governed by MoF guidelines. The guidelines were changed by DFS, MoF vide their letter dated 18.08.2015 and it was informed that the performance will be evaluated by Secretary (Financial Services). Further, it was advised that the incentive structure to CMDs/MD & CEO/EDs of PSBs is under consideration and will be advised in due course.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman - Chairman
2. Sh. Ravi Mital - Member
3. Dr. Rabi N. Mishra - Member
4. Shri Sanjay Verma - Member

Three meetings of the Remuneration Committee were held during 2018-19 as under:

S. No.	Date of meeting	Total Strength	No. of Directors Present in the meeting
1	04.09.2018	04	04
2	28.11.2018	04	03
3	24.12.2018	04	03

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	03	03
2.	Sh. Ravi Mital	03	01

3.	डॉ. रबी एन. मिश्रा	03	03
4.	श्री संजय वर्मा	03	03

3.6 प्रबन्धन समिति (एमसी)

संक्षिप्त विवरण और सन्दर्भ की शर्तें

राष्ट्रीयकृत बैंकों की (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970/80 की धारा 13 के अनुसार समिति गठित की गई है। समिति निम्नलिखित मदों, जोकि एमडी एवं सीईओ/प्र.का.ऋण अनुमोदन समिति (एचओसीएसी) -III के विवेकाधीन अधिकारों से परे हैं, पर विचार करती है ।

ए) ऋण प्रस्तावों की स्वीकृति (निधि एवं गैर-निधि)

बी) ऋण समझौता/ बट्टे खाते प्रस्ताव

सी) पूँजी और राजस्व खर्च के अनुमोदनार्थ प्रस्ताव

डी) परिसरों का अधिग्रहण एवं किराए पर लेने के मानदंडों में विचलन संबंधी प्रस्ताव

ई) मुकदमा/अपील दायर करने से संबंधित प्रस्ताव, उनका बचाव करना आदि.

एफ) सरकारी एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों, कंपनियों के अंशपत्रों और ऋण पत्रों में निवेश एवं अंडरराइटिंग का प्रस्ताव

जी) दान से सम्बन्धित प्रस्ताव

एच) बोर्ड द्वारा प्रेषित अंडरराइटिंग अन्य कोई मामला

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ - समिति के अध्यक्ष
2. श्री एल.वी. प्रभाकर - सदस्य
3. श्री ए.के.आजाद - सदस्य
4. डॉ. रबी एन.मिश्रा - सदस्य
5. डॉ. आशा भंडारकर - सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 18

बैठकों की तिथि: 21.04.2018, 14.05.2018, 05.06.2018, 15.06.2018, 28.06.2018, 23.07.2018, 06.08.2018, 27.08.2018, 03.09.2018, 27.09.2018, 01.11.2018, 10.12.2018, 27.12.2018, 15.01.2019, 04.02.2019, 25.02.2019, 12.03.2019, 27.03.2019.

3.	Dr. Rabi N Mishra	03	03
4.	Sh. Sanjay Verma	03	03

3.6 Management Committee (MC)

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of Section 13 of Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme 1970/1980. The committee considers following matters which are beyond the discretionary powers of MD & CEO/Head Office Credit Approval Committee (HOCAC) III:-

a) Sanctioning of credit proposals (Fund based & Non-Fund based),

b) Loan compromise/write-off proposals,

c) Proposal for approval of capital and revenue expenditure,

d) Proposals relating to acquisition and hiring of premises including deviation from norms for acquisition and hiring of premises,

e) Proposals relating to filing of suits/appeals, defending them etc.

f) Proposals for Investments in Government and other approved securities, shares and debentures of companies including underwriting,

g) Proposals relating to Donations,

h) Any other matter referred by the Board.

Composition as on 31.0 3.2019

1. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman of the Committee
2. Sh. L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad - Member
4. Dr. Rabi N. Mishra - Member
5. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held: 18

Dates of Meetings: 21.04.2018, 14.05.2018, 05.06.2018, 15.06.2018, 28.06.2018, 23.07.2018, 06.08.2018, 27.08.2018, 03.09.2018, 27.09.2018, 01.11.2018, 10.12.2018, 27.12.2018, 15.01.2019, 04.02.2019, 25.02.2019, 12.03.2019, 27.03.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य निदेशकों द्वारा बैठकों में भाग लेने की संख्याः

क्र. सं.	निदेशक का नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	कितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	18	18
2.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव*	14	02
3.	श्री संजीव शरण*	14	02
4.	श्री एल. वी. प्रभाकर	18	17
5.	श्री ए.के.आजाद#	04	04
6.	डॉ. रबी एन मिश्रा	18	18
7.	सुश्री हीरु मीरचन्दानी	01	01
8.	श्री संजय वर्मा $	11	11
9.	डॉ. आशा भंडारकर^	06	05

* (दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त की गई)

श्री ए के आज़ाद 04.02.2019 को समिति के सदस्य बने।

$श्री संजय वर्मा 02.05.2018 को समिति के सदस्य बने और 11.12.2018 को सदस्यता समाप्त हुई।

^डॉ. आशा भंडारकर 12.12.2018 को समिति की सदस्य बनी।

3.7 प्रधान कार्यालय ऋण अनुमोदन समिति (स्तर -III) (HOCAC- III)

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

प्र.का. ऋण अनुमोदन समिति स्तर III का गठन राष्ट्रीयकृत बैंकों (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना 1970 के संदर्भ में और वित्त मंत्रालय (एमओएफ), वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) की अधिसूचना दिनांक 05.12.2011 की शर्तानुसार किया गया है। प्र.का. ऋण अनुमोदन समिति स्तर III रू.150 करोड़ से अधिक और रू.400 करोड़ (एकल) तक और रू.300 करोड़ से अधिक और रू.800 करोड़ (समूह एक्सपोजर) तक के ऋण प्रस्तावों पर और सीएमडी/एमडी एवं सीईओ की पूर्व में निहित शक्तियों की सीमा तक ओटीएस/समझौता/बट्टा खाता प्रस्तावों पर विचार करती है ।

31.03.2019 की स्थिति अनुसार संरचना

1. श्री सुनील मेहता एमडी एवं सीईओ – अध्यक्ष
2. श्री एल. वी. प्रभाकर – सदस्य
3. श्री ए. के. आजाद – सदस्य

बोर्ड के सदस्यों के अतिरिक्त, महाप्रबंधक (वित्त), महाप्रबंधक (क्रेडिट) तथा महाप्रबंधक (आईआरएमडी) भी समिति के सदस्य हैं।

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	18	18
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	14	02
3.	Sh. Sanjiv Sharan*	14	02
4.	Sh. L. V. Prabhakar	18	17
5.	Sh. A. K. Azad#	04	04
6.	Dr. Rabi N. Mishra	18	18
7.	Ms. Hiroo Mirchandani	01	01
8.	Sh. Sanjay Verma$	11	11
9.	Dr. Asha Bhandarker^	06	05

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019

$ Sh. Sanjay Verma became member of the committee on 02.05.2018 and ceased to be a member on 11.12.2018.

^ Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 12.12.2018.

3.7 Head Office Credit Approval Committee (Level – III) (HOCAC- III)

Brief description and terms of reference:

The HO Credit Approval Committee Level III has been constituted in terms of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme 1970 and Department of Financial Services (DFS), Ministry of Finance (MoF) notification dated 05.12.2011. It considers the credit proposals above ₹150 crores and up to ₹400 crores (standalone) and above ₹ 300 crores and up to ₹ 800 crores (group exposure). The committee also considers OTS/Compromise/Write off proposals to the extent of powers earlier vested with MD & CEO.

Composition as on 31.03.2019

1. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad - Member

Besides Board members, General Manager (Finance), GMs (Credit), and GM (IRMD) are also members of the committee.

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या:	20
बैठकों की तिथि:	12.04.2018, 08.05.2018, 02.06.2018, 07.06.2018, 26.06.2018, 30.06.2018, 30.07.2018, 16.08.2018, 05.09.2018, 19.09.2018, 29.09.2018, 10.10.2018, 13.11.2018, 06.12.2018, 29.12.2018, 01.02.2019, 13.02.2019, 04.03.2019, 18.03.2019, 26.03.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों द्वारा बैठकों में भाग लेने की संख्या:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	कितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	20	20
2.	श्री के वी. ब्रह्माजी राव*	15	02
3.	श्री संजीव शरण*	15	02
4.	श्री एल. वी. प्रभाकर	20	20
5.	श्री ए.के. आजाद#	05	05

*दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निनिहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त की गई)

#श्री ए.के. आज़ाद 04.02.2019 को समिति के सदस्य बने।

3.8 वसूली में प्रगति की निगरानी करने के लिए बोर्ड की विशेष समिति

संक्षिप्त विवरण और सन्दर्भ की शर्तें:

समिति वित्तीय सेवाएं विभाग,वित्त मंत्रालय पत्र एफ.सं.7/112/2012-BOA दिनांक 21.11.2012 और एफ.सं 7/2/2015- वसूली दिनांक 01.01.2016 की शर्तानुसार गठित की गई है ।

- शीघ्र वसूली हेतु एनपीए प्रबंधन और विभिन्न टूलों में प्रभावी उपयोग को सुधारने हेतु तरीकों और रणनीतियों की समीक्षा करना।
- प्रूडेन्शियल बट्टो खातों सहित एनपीए वसूली में हुई प्रगति की निगरानी।
- डीआरटी/डीआरएटी पर लंबित मामलों/आरसी की स्थिति की समीक्षा ।
- ऋण निगरानी तंत्र और अनियमित/कमजोर खातों की समीक्षा और एनपीए की रोकथाम हेतु कदम उठाना ।

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held:	20
Dates of Meetings:	12.04.2018, 08.05.2018, 02.06.2018, 07.06.2018, 26.06.2018, 30.06.2018, 30.07.2018, 16.08.2018, 05.09.2018, 19.09.2018, 29.09.2018, 10.10.2018, 13.11.2018, 06.12.2018, 29.12.2018, 01.02.2019, 13.02.2019, 04.03.2019, 18.03.2019, 26.03.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. NO.	Name Of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	20	20
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	15	02
3.	Sh. Sanjiv Sharan*	15	02
4.	Sh. L. V. Prabhakar	20	20
5.	Sh. A. K. Azad#	05	05

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

3.8 Special Committee of the Board to monitor the progress of recovery

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of DFS, MoF letter F.No.7/112/2012-BOA dated 21.11.2012 and F.No.7/2/2015-Recovery dated 01.01.2016 to:

- Review the ways and strategies to improve NPA management and effective utilization of various tools to expedite recovery.
- Monitor the progress of recovery in NPAs including prudential written-off accounts.
- Review the status of cases/RCs pending at DRTs/DRATs.
- Review the credit monitoring mechanism and status of irregular/weak accounts and the steps for prevention of NPAs.

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ – अध्यक्ष
2. श्री एल. वी. प्रभाकर – सदस्य
3. श्री ए.के. आजाद – सदस्य
4. श्री महेश बाबू गुप्ता – सदस्य
5. डॉ. आशा भंडारकर – सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 11

बैठकों की तिथियां: 21.04.2018, 05.06.2018, 28.06.2018, 23.07.2018, 03.09.2018, 01.11.2018, 10.12.2018, 27.12.2018, 15.01.2019, 25.02.2019, 12.03.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों द्वारा बैठकों में भाग लेने की संख्या:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	11	11
2.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव*	09	01
3.	श्री संजीव शरण*	09	01
4.	श्री एल. वी. प्रभाकर	11	09
5.	श्री ऐ.के. आजाद#	02	02
6.	श्री महेश बाबू गुप्ता	11	09
7.	सुश्री हीरू मीरचंदानी	01	01
8.	डॉ. आशा भण्डारकर	06	05

*(दिनांक14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त कर दी गई।)

श्री ए. के. आज़ाद दिनांक 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने।

$ डॉ. आशा भंडारकर दिनांक 27.09.2018 से समिति की सदस्य बनी।

3.9 इरादतन चूककर्ताओं की पहचान की समीक्षा के लिए समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें :

समिति भा.रि.बैक के मास्टर परिपत्र दिनांक 01.07.2014 तथा पत्र दिनांक 07.01.2015 की शर्तानुसार स्वैच्छिक चूककर्ताओं की पहचान के लिए समिति के आदेशों की समीक्षा करने हेतु गठित की गई।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ – अध्यक्ष
2. श्री संजय वर्मा – सदस्य

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. L.V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad - Member
4. Sh. Mahesh Baboo Gupta - Member
5. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held: 11

Dates of Meetings: 21.04.2018, 05.06.2018, 28.06.2018, 23.07.2018, 03.09.2018, 01.11.2018, 10.12.2018, 27.12.2018, 15.01.2019, 25.02.2019, 12.03.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	11	11
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	09	01
3.	Sh. Sanjiv Sharan*	09	01
4.	Sh. L.V. Prabhakar	11	09
5.	Sh. A. K. Azad#	02	02
6.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	11	09
7.	Ms. Hiroo Mirchandani	01	01
8.	Dr. Asha Bhandarker$	06	05

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

$ Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 27.09.2018.

3.9 Committee for Review of identification of Wilful Defaulters

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of RBI Master Circular dated 01.07.2014 and letter dated 07.01.2015 to review the orders of the Committee which has identified willful defaulters.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. Sanjay Verma - Member

3. डॉ. आशा भंडारकर - सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण :

आयोजित बैठकों की सं.:	05
बैठक की तिथियाँ :	05.06.2018, 27.09.2018, 27.12.2018, 25.02.2019, 27.03.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों में सदस्य-निदेशकों के उपस्थित होने की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक का नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	जितनी बैठकों में उपस्थिति हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	05	05
2	श्री महेश बाबू गुप्ता	01	01
3.	श्री सुधीर नायर@	02	01
4.	श्री संजय वर्मा	05	05
5.	डॉ. आशा भंडारकर *	03	03

@ श्री सुधीर नायर की दिनांक 18.12.2018 से समिति की सदस्यता समाप्त।

* डॉ. आशा भंडारकर दिनांक 27.09.2018 से समिति की सदस्य बनी।

3.10 नॉन को-ओपरेटिव उधारकर्ताओं की वर्गीकरण समीक्षा समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

भा.रि.बैक की अधिसूचना सं.DBR-No-CID-BC-54/20.16.064/2014-15 दिनांकित 22.12.2014 की शर्तानुसार नॉन को-ओपरेटिव उधारकर्ताओं की वर्गीकरण समीक्षा समिति के निर्णय की समीक्षा हेतु समिति गठित की गई।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ - अध्यक्ष
2. श्री रवि मित्तल - सदस्य
3. श्री संजय वर्मा - सदस्य

बोर्ड सदस्यों के अतिरिक्त महाप्रबन्धक (क्रेडिट मॉनिटरिंग) भी समिति के सदस्य और संयोजक हैं।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान नॉन-को-ऑपरेटिव उधारकर्ता वर्गीकरण समीक्षा समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं हुई।

3.11 बोर्ड की विशेष समिति - धोखाधड़ी मामलों की निगरानी हेतु

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

समिति भा.रि.बैक की पत्र सं0. RBI/2004.15 DBS-FGV (F) No-/1004/23.04.011/2003-04 दिनांक 14.01.2004 की शर्तानुसार रू.1.00 करोड़ तथा इससे अधिक, साथ ही राशि को ध्यान दिए बिना

3. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held:	05
Dates of Meetings:	05.06.2018, 27.09.2018, 27.12.2018, 25.02.2019, 27.03.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh Sunil Mehta, MD & CEO	05	05
2	Sh. Mahesh Baboo Gupta	01	01
3.	Sh. Sudhir Nayar@	02	01
4.	Sh. Sanjay Verma	05	05
5.	Dr. Asha Bhandarker*	03	03

@ Sh. Sudhir Nayar ceased to be a member of the committee w.e.f. 18.12.2018.

* Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 27.09.2018

3.10 Non - Cooperative Borrowers Classification Review Committee

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of RBI notification no. DBR.No.CID.BC.54/20.16.064/2014-15 dated 22.12.2014 to review the decision of 'Non-Cooperative Borrower Classification Committee'.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. Ravi Mital - Member
3. Shri Sanjay Verma - Member

Besides Board members GM (Credit Monitoring) is the convener and also a member of the committee.

No meeting of Non-Cooperative Borrower Classification Review Committee was held during 2018-19

3.11 Special Committee of Board – For monitoring fraud cases

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of RBI letter no. RBI/2004.15 DBS.FGV(F) No./1004/23.04.01A/2003-04 dated 14.01.2004 for monitoring and reviewing all fraud cases of Rs.1.00 crore and above, as well as cyber frauds

साइबर धोखाधड़ी के मामलों की निगरानी तथा समीक्षा हेतु यह विशेष समिति गठित की गई है ताकि:

- प्रणालीगत त्रुटियों की पहचान और उन्हें दूर करने के लिए उपाय प्रस्तुत किए जाएं।
- सीबीआई/पुलिस जांच की प्रगति वसूली एवं स्टाफ दायित्व की निगरानी।
- धोखाधड़ी की पुनर्रावृत्ति रोकने के लिए उठाए गए सुधारात्मक कदमों की प्रभावशीलता की समीक्षा ।
- रोकथाम तंत्र को मजबूत करने से संबंधित विचारे गए अन्य उपायों को प्रस्तुत करना ।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना :

1. श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष – अध्यक्ष
2. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ – सदस्य
3. श्री एल. वी. प्रभाकर – सदस्य
4. श्री ए. के. आज़ाद – सदस्य
5. श्री रवि मित्तल – सदस्य
6. डॉ. आशा भंडारकर – सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठक की तिथियाँ:: 15.06.2018, 04.09.2018, 11.12.2018, 26.02.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों में सदस्य निदेशकों के उपस्थित होने की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक का नाम	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	04	04
2.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	04	04
3.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव	03	00
4.	श्री संजीव शरण	03	00
5.	श्री एल. वी. प्रभाकर	04	04
6.	श्री ए. के. आज़ाद #	01	01
7.	श्री रवि मित्तल	04	02
8.	डॉ. आशा भंडारकर$	02	02

*(दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त कर दी गई।)

श्री ए. के. आज़ाद दिनांक 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने।

$ डॉ. आशा भंडारकर दिनांक 27.09.2018 से समिति की सदस्य बनी।

irrespective of the amount, so as to:

- Identify the systemic lacunae and put in place measures to plug the same.
- Monitor progress of CBI/Police investigation, recovery & staff accountability.
- Review the efficacy of the remedial action taken to prevent recurrence of frauds.
- Put in place other measures as may be considered relevant to strengthen the preventive mechanism.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman - Chairman
2. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Member
3. Sh. L. V. Prabhakar - Member
4. Sh. A. K. Azad - Member
5. Sh. Ravi Mital - Member
6. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held: 04

Dates of Meetings: 15.06.2018, 04.09.2018, 11.12.2018, 26.02.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	04	04
2.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	04	04
3.	Sh. K. V. Brahmaji Rao	03	00
4.	Sh. Sanjiv Sharan	03	00
5.	Sh. L. V. Prabhakar	04	04
6.	Sh. A. K. Azad#	01	01
7.	Sh. Ravi Mital	04	02
8.	Dr. Asha Bhandarker$	02	02

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

$ Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 27.09.2018.

3.12 सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति:

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

भा.रि.बैक के परिपत्र सं.RBI/2010-11/494/DBS-co-ITC-BC-No-6/31.02.008/2010-11 दिनांकित 29.04.2011की शर्तानुसार समिति गठित की गई। सूचना प्रौद्योगिकी समिति के मुख्य कार्य इस प्रकार है:

- सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति और पॉलिसी दस्तावेज़ का अनुमोदन।
- सुनिश्चित करना कि प्रबंधन उपयुक्त कार्यनीति योजना प्रक्रिया प्रभावी ढंग से रख रही है।
- प्रमाणित करना कि कारोबार कार्यनीति सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति के साथ वास्तविक रूप से सम्बद्ध है।
- सुनिश्चित करना कि आईटी संगठन, संरचना व्यापार मॉडल और उसकी दिशा का पूरक है।
- सुनिश्चित करना कि कारोबार की आईटी वितरण वैल्यू प्रबंधन, लागू की गई प्रक्रियाओं और प्रथाओं के अनुसार हैं ।
- सुनिश्चित करना कि आईटी निवेश का बजट स्वीकार योग्य है।
- सामरिक लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु आवश्यक आइटी संसाधनों के निर्धारण में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त पद्धति की निगरानी करना और आउटसोर्सिंग तथा आइटी संसाधनों के उपयोग के लिए उच्च स्तरीय दिशा निर्देश प्रदान करना।
- बैंक के विकास को बनाए रखने के लिए आईटी निवेश का उचित संतुलन सुनिश्चित करना।
- आईटी जोखिमों एवं नियंत्रणों की ओर से एक्सपोज़रों के बारे में जागरूक करना और आईटी जोखिमों की प्रबंधन के निगरानी का प्रभावी मूल्यांकन करना।
- आईटी कार्यनीतियों के लागूकरण में उच्च प्रबंधन के प्रदर्शन का आंकलन करना।
- उच्च स्तरीय नीति दिशानिर्देश जारी करना (जैसे जोखिम, निधियन अथवा सोर्सिंग से संबंधित कार्य)
- निर्मित आईटी या कारोबार ढांचे की पुष्टि करना ताकि बैंक स्तर पर आईटी के समेकित निधियन के लिए संपूर्ण आईटी परिदृश्य से अधिकतम कारोबार वैल्यू प्राप्त किया जा सके और आईटी जोखिमों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने हेतु संसाधनों का प्रबंधन करना।
- कारोबार में आईटी प्रदर्शन उपायों और आईटी के योगदान की समीक्षा करना (अर्थात वितरण और प्रस्तावित वैल्यू)

31.03.2019 की स्थिति अनुसार संरचना:

1.	श्री संजय वर्मा	–	अध्यक्ष
2.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	–	सदस्य
3.	श्री एल.वी.प्रभाकर	–	सदस्य
4.	श्री ए.के. आज़ाद	–	सदस्य
5.	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	–	सदस्य

3.12 I.T. Strategy Committee

Brief description and terms of reference:

The committee has been constituted as per RBI circular no. RBI/2010-11/494/DBS.co.ITC. BC.No.6/31.02.008/2010-11 dated 29.04.2011. The broad functions of the IT Strategy Committee of the Board are to:

- Approve IT Strategy and policy document.
- Ensuring that the management has put an effective strategic planning process in place.
- Ratifying that the business strategy is indeed aligned with IT strategy.
- Ensuring that the IT Organization structure complements the business model and its direction.
- Ascertaining that management has implemented processes and practices that ensure that the IT delivers value to the business.
- Ensuring IT investments represented in the IT budgets are acceptable.
- Monitoring the method that management uses to determine the IT resources needed to achieve strategic goals and provide high-level direction for sourcing and use of IT resources.
- Ensuring proper balance of IT investments for sustaining Bank's growth.
- Becoming aware about exposure towards IT risks and controls. And evaluating effectiveness of management's monitoring of IT risks.
- Assessing senior management's performance in implementing IT strategies.
- Issuing high level policy guidance (e.g. related to risk, funding and sourcing tasks).
- Confirming whether IT or business architecture is to be designed, so as to derive the maximum business value from IT overseeing the aggregate funding of IT at a bank level and ascertaining if the management has resources to ensure the proper management of IT risks.
- Reviewing IT performance measurement and contribution of IT to business goals (i.e. delivering and promised value).

Composition as on 31.03.2019:

1.	Sh. Sanjay Verma	- Chairman
2.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	- Member
3.	Sh. L. V. Prabhakar	- Member
4.	Sh. A. K. Azad	- Member
5.	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	- Member

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या : 04

बैठक की तिथियाँ : 28.06.2018, 03.09.2018, 10.12.2018, 25.02.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों में सदस्य-निदेशकों के उपस्थित होने की संख्या:

क्र. सं.	निदेशक का नाम	उनके कार्यकाल में आयोजित बैठ. कों की संख्या	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री. सुधीर नायर @	03	03
2.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	04	04
3.	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	04	03
4.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव*	03	00
5.	श्री संजीव शरण*	03	00
6.	श्री एल. वी. प्रभाकर	04	04
7.	श्री ए. के. आज़ाद #	01	01
8.	श्री संजय वर्मा	04	04

@श्री सुधीर नायर की दिनांक 18.12.2018 से समिति की सदस्यता समाप्त।

*(दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त की गई।)

श्री ए. के. आज़ाद, दिनांक 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने।

3.13 ग्राहक सेवा समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

भा.रि.बैंक के पत्र दिनांक 14.08.2004 के संदर्भ में तिमाही आधार पर बैंक की ग्राहक सेवा समीक्षा हेतु समिति गठित की गई।

31.03.2019 की स्थिति अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ - अध्यक्ष
2. श्री एल. वी. प्रभाकर - सदस्य
3. श्री ए. के. आज़ाद - सदस्य
4. श्री रवि मित्तल - सदस्य
5. श्री महेश बाबू गुप्ता - सदस्य
6. श्री संजय वर्मा - सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या : 04

बैठक की तिथियाँ : 05.06.2018, 23.07.2018, 27.12.2018, 25.02.2019.

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held: 04

Dates of Meetings: 28.06.2018, 03.09.2018, 10.12.2018, 25.02.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sudhir Nayar @	03	03
2.	Sh Sunil Mehta, MD & CEO	04	04
3.	Sh Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	04	03
4.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	03	00
5.	Sh. Sanjiv Sharan*	03	00
6.	Sh. L. V. Prabhakar	04	04
7.	Sh. A. K. Azad#	01	01
8.	Sh. Sanjay Verma	04	04

@ Sh. Sudhir Nayar ceased to be a member of the committee w.e.f. 18.12.2018.

*(Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

3.13 Customer Service Committee

Brief description and terms of reference:

The committee has been constituted in terms of RBI letter dated 14.08.2004 to review customer service of the bank on quarterly basis.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad - Member
4. Sh. Ravi Mital - Member
5. Sh. Mahesh Baboo Gupta - Member
6. Sh Sanjay Verma - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held: 04

Dates of Meetings: 05.06.2018, 23.07.2018, 27.12.2018, 25.02.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित सदस्य-निदेशकों द्वारा बैठकों में भाग लेने की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक का नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	04	04
2.	श्री के वी ब्रह्माजी राव*	03	00
3.	श्री संजीव शरण *	03	00
4.	श्री एल. वी. प्रभाकर	04	03
5.	श्री ए. के. आज़ाद #	01	01
6.	श्री रवि मित्तल	04	00
7.	श्री महेश बाबू गुप्ता	04	04
8.	श्री संजय वर्मा	04	04

*(दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त कर दी गई।)

श्री ए. के. आज़ाद दिनांक 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने ।

3.14 विज़न 2022 के लिए बोर्ड की स्टीयरिंग समिति :

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

राष्ट्रीयकृत बैंकों की (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970 की धारा 14 के अनुसार बैंक के प्रदर्शन के साथ विजन 2022 दस्तावेज के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा हेतु समिति गठित की गई है। अंतराल को कम करने के लिए समिति रणनीति बनाने के साथ साथ सम्बन्धित प्र.का. को अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शन करती है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ – अध्यक्ष
2. श्री एल.वी. प्रभाकर – सदस्य
3. श्री ए.के. आज़ाद – सदस्य
4. श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष – सदस्य
5. श्री महेश बाबू गुप्ता – सदस्य
6. डॉ. आशा भंडारकर – सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठकों की तिथि: 28.06.2018, 03.09.2018, 10.12.2018, 25.02.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh Sunil Mehta, MD & CEO	04	04
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	03	00
3.	Sh. Sanjiv Sharan*	03	00
4.	Sh. L. V. Prabhakar	04	03
5.	Sh. A. K. Azad#	01	01
6.	Sh. Ravi Mital	04	00
7.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	04	04
8.	Sh. Sanjay Verma	04	04

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

3.14 Steering Committee for Vision 2022

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of Section 14 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme 1970 to review performance of the Bank vis-à-vis goals set under Vision 2022 document. The Committee deliberates upon strategies to meet the gaps, if any, inter-alia, guiding the concerned HO verticals to move forward.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad - Member
4. Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman - Member
5. Sh. Mahesh Baboo Gupta - Member
6. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held: 04

Dates of Meetings: 28.06.2018, 03.09.2018, 10.12.2018, 25.02.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य - निदेशकों की उपस्थिति वाले बैठकों की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक का नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	04	04
2.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव*	03	00
3.	श्री संजीव शरण*	03	00
4.	श्री एल.वी.प्रभाकर	04	04
5.	श्री ए.के.आज़ाद#	01	01
6.	श्री सुनील मेहता, गैर कार्यपालक अध्यक्ष	04	03
7.	श्री महेश बाबू गुप्ता	04	04
8.	श्री सुधीर नायर@	03	03
9.	डॉ. आशा भंडारकर$	02	02

* (दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त कर दी गई।)

श्री ए.के.आज़ाद दिनांक 04.02.2019 को समिति के सदस्य बने।

@ श्री सुधीर नायर की दिनांक 18.12.2018 से समिति की सदस्यता समाप्त।

$ डॉ. आशा भंडारकर दिनांक 27.09.2018 से समिति की सदस्य बनी।

3.15 सतर्कता/गैर-सतर्कता अनुशासनात्मक कार्रवाई मामलों के निपटान की समीक्षा हेतु निदेशक समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

समिति का गठन आर्थिक कार्य विभाग, बैंकिंग प्रभाग- सतर्कता अनुभाग, वित्त मंत्रालय कम्युनिकेशन न.10/12/90/वीआईपी/सीविओ दिनांक 24.10.1990 की शर्तानुसार तथा तिमाही आधार पर सतर्कता व गैर-सतर्कता अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलों के निपटान की समीक्षा हेतु किया गया।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ - अध्यक्ष
2. श्री एल.वी. प्रभाकर - सदस्य
3. श्री ए.के. आज़ाद - सदस्य
4. श्री रवि मित्तल - सदस्य
5. डॉ. रबी एन.मिश्रा - सदस्य

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

Sl. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh Sunil Mehta, MD & CEO	04	04
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	03	00
3.	Sh. Sanjiv Sharan*	03	00
4.	Sh. L. V. Prabhakar	04	04
5.	Sh. A. K. Azad#	01	01
6.	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	04	03
7.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	04	04
8.	Sh. Sudhir Nayar@	03	03
9.	Dr. Asha Bhandarker$	02	02

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

@ Sh. Sudhir Nayar ceased to be a member of the committee w.e.f. 18.12.2018.

$ Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 27.09.2018.

3.15 Committee of Directors to review disposal of Vigilance/ Non-vigilance Disciplinary action cases

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of Department of Economic Affairs, Banking Division – Vigilance Section, MoF communication no. 10/12/90/VIG/ CVOs dated 24.10.1990 and reviews disposal of vigilance and non-vigilance disciplinary action cases on quarterly basis.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad - Member
4. Sh. Ravi Mital - Member
5. Dr. Rabi N. Mishra - Member

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 04

बैठकों की तिथि: 28.06.2018, 27.09.2018, 27.12.2018, 25.02.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों की उपस्थिति वाले बैठकों की संख्या:

क्र. सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	04	04
2.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव	03	00
3.	श्री संजीव शरण*	03	00
4.	श्री एल.वी.प्रभाकर	04	04
5.	श्री ए.के.आज़ाद#	01	01
6.	श्री रवि मित्तल	04	01
7.	डॉ. रबी एन.मिश्रा	04	04

* (दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त कर दी गई।)

श्री ए.के.आज़ाद दिनांक 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने।

3.16 निदेशकों की पदोन्नति समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

समिति का गठन भारत सरकार (जीओआई), वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग पत्र सं. 4/1/10/96-आई आर दिनांक 19.11.1997 के शर्तानुसार किया गया है। समिति उच्च कार्यपालक ग्रेड स्केल- VI से स्केल- VII तक की पदोन्नति पर विचार करती है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ - अध्यक्ष
2. श्री रवि मित्तल - सदस्य
3. डॉ. रबी एन.मिश्रा - सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 01

बैठकों की तिथि: 28.03.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य - निदेशकों की उपस्थिति वाले बैठकों की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यकाल में आयोजित बैठकें	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ	01	01
2.	श्री रवि मित्तल	01	01
3.	डॉ. रबि एन. मिश्रा	01	01

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meetings held: 04

Dates of Meetings: 28.06.2018, 27.09.2018, 27.12.2018, 25.02.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	04	04
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	03	00
3.	Sh. Sanjiv Sharan*	03	00
4.	Sh. L. V. Prabhakar	04	04
5.	Sh. A. K. Azad#	01	01
6.	Sh. Ravi Mital	04	01
7.	Dr. Rabi N. Mishra	04	04

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

3.16 Directors Promotion Committee

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of Government of India (GoI), MoF, Department of Economic Affairs letter F.No. 4/1/10/96-IR dated 19.11.1997. The committee considers promotions from Top Executive Grade Scale-VI to Scale-VII.

Composition as on 31.03.2019

1. Sh Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. Ravi Mital - Member
3. Dr. Rabi N. Mishra - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meeting held: 01

Dates of Meeting: 28.03.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta, MD & CEO	01	01
2.	Sh. Ravi Mital	01	01
3.	Dr. Rabi N Mishra	01	01

3.17 अपीलीय प्राधिकारी और समीक्षा प्राधिकारी समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

समिति का गठन पीएनबी अधिकारी कर्मचारियों (अनुशासन एवं अपील) विनियमन, 1977 की शर्तानुसार अपीलीय प्राधिकारी/समीक्षा प्राधिकारी के रूप में अपील और समीक्षा मामलों पर विचार करने के लिए किया गया है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता एमडी एवं सीईओ - अध्यक्ष
2. श्री एल.वी. प्रभाकर - सदस्य
3. श्री ए.के. आज़ाद* - सदस्य
4. श्री रवि मित्तल - सदस्य

* श्री ए.के.आज़ाद दिनांक 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

3.18 मानव संसाधन पर बोर्ड की स्टियरिंग समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

समिति का गठन डीएफएस, वित्त मंत्रालय के निर्देश पर बैंक के मानव संसाधन मामलों पर अध्ययन के लिए खंडेलवाल समिति की संस्तुतियों की शर्तानुसार किया गया है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता एमडी एवं सीईओ - अध्यक्ष
2. श्री एल.वी. प्रभाकर - सदस्य
3. श्री रवि मित्तल - सदस्य
4. डॉ. आशा भंडारकर - सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 01

बैठकों की तिथि: 20.03.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य - निदेशकों की उपस्थिति वाले बैठकों की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यकाल में आयोजित बैठकें	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री सुनील मेहता (एमडी एवं सीईओ)	01	01
2.	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव*	00	00
3.	श्री एल.वी.प्रभाकर	01	01
4.	श्री रवि मित्तल	01	00
5.	डॉ. आशा भंडारकर#	01	01

* दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त)

डॉ. आशा भंडारकर दिनांक 27.09.2018 से समिति की सदस्य बनी।

3.17 Appellate Authority & Reviewing Authority Committee

Brief description and terms of reference:

The committee has been constituted to consider Appeal and Review cases as Appellate Authority/Reviewing Authority in terms of PNB Officer Employees' (Discipline and Appeal) Regulations, 1977.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad* - Member
4. Sh. Ravi Mital - Member

* Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

No meeting of the committee was held during the Financial Year 2018-19.

3.18 Steering Committee of the Board on HR

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted at the instance of DFS, Ministry of Finance, in terms of the recommendations of Khandelwal Committee for studying HR issues of the Bank.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Sh. L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. Ravi Mital - Member
4. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year.

No. of Meeting held: 01

Dates of Meeting: 20.03.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. Sunil Mehta (MD & CEO)	01	01
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	00	00
3.	Sh. L. V. Prabhakar	01	01
4.	Sh. Ravi Mital	01	00
5.	Dr. Asha Bhandarker#	01	01

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 27.09.2018.

3.19 मुख्तारनामा समिति

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

समिति बैंक के योग्य अधिकारियों/कर्मचारियों को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी आवंटित करने एवं स्वीकृति पर विचार करती है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री एल.वी.प्रभाकर – अध्यक्ष
2. श्री ए.के.आज़ाद – सदस्य
3. श्री महेश बाबू गुप्ता – सदस्य
4. डॉ. आशा भंडारकर – सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 03
बैठकों की तिथि: 14.05.2018, 27.09.2018, 04.02.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य - निदेशकों की उपस्थिति वाले बैठकों की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यकाल में आयोजित बैठकें	जितनी बैठकों में उपस्थित हुए
1.	श्री के.वी.ब्रह्माजी राव*	02	00
2.	श्री संजीव शरण*	02	00
3.	श्री एल.वी.प्रभाकर	03	03
4.	श्री ए.के.आज़ाद#	00	00
5.	श्री महेश बाबू गुप्ता	03	03
6.	श्री सुधीर नायर@	02	01
7.	डॉ.आशा भंडारकर$	01	00

* दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18. 01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त कर दी गई।

श्री ए.के.आज़ाद दिनांक 04.02.2019 को समिति के सदस्य बने।

@ श्री सुधीर नायर की दिनांक 18.12.2018 से समिति की सदस्यता समाप्त।

$ डॉ. आशा भंडारकर दिनांक 27.09.2018 से समिति की सदस्य बनी।

3.20 शेयरधारक निदेशकों के निर्वाचन पर विचार करने के लिए समिति - सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा मतदान

संक्षिप्त विवरण और संदर्भ की शर्तें:

समिति का गठन GoI, DFS पत्र दिनांक 03.04.2012 की शर्तानुसार बैंक के शेयर धारित करने वाली इकाइयों में निदेशकों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के प्रोफाइल और पृष्ठभूमि पर विचार करके निर्णय लेने हेतु किया गया है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ – अध्यक्ष
2. श्री एल.वी.प्रभाकर – सदस्य
3. श्री ए.के.आज़ाद* – सदस्य

3.19 Power of Attorney Committee

Brief description and terms of reference:

The committee sanctions and allots General Power of Attorney to eligible Officers/employees of the Bank.

Composition as on 31.03.2019

1. Sh. L. V. Prabhakar - Chairman
2. Sh. A. K. Azad - Member
3. Sh. Mahesh Baboo Gupta - Member
4. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:
No. of Meeting held: 03
Dates of Meeting: 14.05.2018, 27.09.2018, 04.02.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meetings held during their tenure	Meetings attended
1.	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	02	00
2.	Sh. Sanjiv Sharan*	02	00
3.	Sh. L. V. Prabhakar	03	03
4.	Sh. A. K. Azad#	00	00
5.	Sh. Mahesh Baboo Gupta	03	03
6.	Sh. Sudhir Nayar@	02	01
7.	Dr. Asha Bhandarker$	01	00

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

@ Sh. Sudhir Nayar ceased to be a member of the committee w.e.f. 18.12.2018.

$ Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 27.09.2018.

3.20 Committee to consider election of Shareholder Directors - voting by Public Sector Banks

Brief description and terms of reference:

The Committee, constituted in terms of GoI, DFS letter dated 03.04.2012, decides on the candidates for election as directors in entities in which Bank is holding a stake considering the profile and background of candidates.

Composition as on 31.03.2019:

1 Shri Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2 Shri L.V. Prabhakar - Member
3 Shri A. K. Azad* - Member

*श्री ए.के.आज़ाद दिनांक 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान बोर्ड समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं की गई।

3.21 शेयर अंतरण समिति

संदर्भ का संक्षिप्त विवरण और शर्तें:

समिति का गठन पीएनबी (शेयरों और बैठकों) विनियमन, 2000 के विनियमन के 2ए (i) की शर्तानुसार भौतिक शेयरों के अंतरण, डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्र/नए प्रमाणपत्र जारी करने, शेयरों का सम्प्रेषण, शेयरों का पुन: भौतिककरण इत्यादि की निगरानी एवं अनुमोदन हेतु किया गया है।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार संरचना:

1. श्री सुनील मेहता, एमडी एवं सीईओ - अध्यक्ष
2. श्री एल.वी.प्रभाकर - सदस्य
3. श्री महेश बाबू गुप्ता - सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठकों की संख्या: 16

बैठकों की तिथि: 12.04.2018, 04.05.2018, 05.06.2018, 13.07.2018, 06.08.2018, 03.09.2018, 14.09.2018, 08.10.2018, 01.11.2018, 20.11.2018, 05.12.2018, 27.12.2018, 04.02.2019, 26.02.2019, 12.03.2019, 27.03.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य - निदेशकों द्वारा बैठको में भाग लेने की संख्या :

क्र. सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठके	बैठकों में उपस्थिति
1	श्री सुनील मेहता, एमडी व सीईओ	16	15
2	श्री एल.वी. प्रभाकर	16	14
3	श्री महेश बाबू गुप्ता	16	16

3.22 डिजिटल ट्रांजेक्शन की प्रगति पर निगरानी की समिति:

संदर्भ का संक्षिप्त विवरण और शर्तें:

आईबीए पत्र संख्या पीएस और बीटी/डिजिटल भुगतान/3339 दिनांक 04.08.2017 के संदर्भ में एक समिति गठित की गई थी जिसमें सचिवों की समिति, चयनित बैंकों, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) तथा आरबीआई ने दिनांक 20.07.2017 को संपन्न बैठक में यह सलाह दी थी कि डिजिटल लेनदेनों की उपलब्धि की प्रगति की निगरानी हेतु बोर्ड स्तर पर उप-समितियों का गठन किया जाए। डिजिटल बैंकिंग प्रभाग के नोट दिनांक 18 सितम्बर 2017 के संदर्भ में बोर्ड बैठक दिनांक 27.09.2017 को समिति का गठन किया गया।

31.03.2019 तक स्थिति

1. श्री संजय वर्मा - अध्यक्ष
2. श्री एल.वी. प्रभाकर - सदस्य
3. श्री ए.के. आजाद - सदस्य

* Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

No meeting of Committee of the Board was held during 2018-19.

3.21 Share Transfer Committee

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of Regulation 2A (i) of PNB (Shares and Meetings) Regulations, 2000 to monitor and approve transfers of physical shares, issuance of duplicate share certificates/new certificates, transmission of shares, re-materialization of shares etc.

Composition as on 31.03.2019:

1. Sh Sunil Mehta, MD & CEO - Chairman
2. Shri L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. Mahesh Baboo Gupta - Member

Details of meetings held during the financial year:

Details of meetings held during the financial year: No. of Meeting held: 16

Dates of Meeting: 12.04.2018, 04.05.2018, 05.06.2018, 13.07.2018, 06.08.2018, 03.09.2018, 14.09.2018, 08.10.2018, 01.11.2018, 20.11.2018, 05.12.2018, 27.12.2018, 04.02.2019, 26.02.2019, 12.03.2019, 27.03.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. NO.	Name of Director	Meeting held during their tenure	Meeting attended
1	Shri Sunil Mehta, MD & CEO	16	15
2	Shri L.V.Prabbhakar	16	14
3	Shri Mahesh Baboo Gupta	16	16

3.22 Committee to monitor progress of Digital Transactions:

Brief description and terms of reference:

The Committee has been constituted in terms of IBA letter no. PS&BT/Digital Payment/3339 dated 4.08.2017 advising to set up Board level Sub-Committees to monitor progress of achievement in digital transactions as advised by Committee of secretaries, select Banks, National Payments Corporation of India (NPCI) & RBI vide their meeting dated 20.07.2017. The committee was constituted vide Digital Banking Division Note dated September 18, 2017 at Board Meeting dated 27.09.2017.

Composition as on 31.03.2019

1. Sh. Sanjay Verma - Chairman
2. Sh. L. V. Prabhakar - Member
3. Sh. A. K. Azad - Member

4. श्री रवि मित्तल - सदस्य

5. डॉ. आशा भंडारकर - सदस्य

वित्तीय वर्ष के दौरान आयोजित बैठकों का विवरण:

आयोजित बैठको की संख्या : 05

बैठकों की तिथियाँ : 05.06.2018, 23.07.2018, 04.09.2018, 27.12.2018, 26.02.2019.

वित्तीय वर्ष के दौरान सदस्य-निदेशकों द्वारा बैठको में उपस्थिति:

क्र. सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यकाल के दौरान बैठक हुई	बैठक में उपस्थिति
1	श्री सुधीर नायर	03	03
2	श्री के.वी. ब्रह्माजी राव*	04	00
3	श्री संजीव शरण*	04	00
4	श्री एल.वी. प्रभाकर	05	04
5	श्री ए.के. आजाद#	01	01
6	श्री रवि मित्तल	05	00
7	श्री संजय वर्मा	05	05
8	डॉ. आशा भंडारकर$	01	01

* दिनांक 14.05.2018 से शक्तियाँ निर्निहित की गई और दिनांक 18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त कर दी गई)

श्री ए.के. आजाद 04.02.2019 से समिति के सदस्य बने।

$ डॉ. आशा भंडारकर 05.02.2019 से समिति की सदस्य बनी।

4. **निदेशकों का पारिश्रमिक:**

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी और कार्यपालक निदेशकों (3 पूर्णकालिक निदेशकों) को भारत सरकार के नियमानुसार वेतन के द्वारा पारिश्रमिक का भुगतान किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पूर्णकालिक निदेशकों के भुगतान का ब्यौरा निम्नलिखित है :

क्र. सं.	नाम	पद	भुगतान राशि (रु.में)	पीएफ का अंशदान (रु.में)	मेडिकल (रु.में)
1.	श्री सुनील मेहता	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	28,07,940.00	2,55,810.00	3,17,731.40
2.	श्री के वी. ब्रह्माजी राव#	कार्यपालक निदेशक	38,14,828.93*	1,83,418.06	10,54,611.00
3.	श्री संजीव शरण#	कार्यपालक निदेशक	36,98,560.97*	1,78,082.90	44343.00
4.	श्री एल.वी. प्रभाकर	कार्यपालक निदेशक	23,39,192.00	2,13,750.00	64,660.00
5.	श्री ए.के. आजाद (22.01.2019 से नियुक्त)	कार्यपालक निदेशक	4,59,908.13	41,063.21	41,668.00

*(*सेवानिवृत्ति पर ग्रैच्युइटी और लीव एनकैशमेंट शामिल है)*

(18.01.2019 से निदेशक पद की अवधि समाप्त)

वर्ष के दौरान कर्मचारियों को पीएनबी-ईएसपीएस के तहत पीएनबी के शेयर खरीदने का विकल्प दिया गया था और पीएनबी-इएसपीएस के तहत निदेशकों के शेयरों के आवंटन की स्थिति निम्नानुसार है:

4. Sh. Ravi Mital - Member

5. Dr. Asha Bhandarker - Member

Details of meetings held during the financial year:

No. of Meeting held: 05

Dates of Meeting: 05.06.2018, 23.07.2018, 04.09.2018, 27.12.2018, 26.02.2019.

No. of meetings attended by Member-Directors during the Financial Year:

S. No.	Name of Director	Meeting held during their tenure	Meeting attended
1	Sh. Sudhir Nayar	03	03
2	Sh. K. V. Brahmaji Rao*	04	00
3	Sh. Sanjiv Sharan*	04	00
4	Sh. L. V. Prabhakar	05	04
5	Sh. A. K. Azad#	01	01
6	Sh. Ravi Mital	05	00
7	Sh. Sanjay Verma	05	05
8	Dr. Asha Bhandarker$	01	01

* (Powers Divested w.e.f. 14.05.2018 and ceased to be Director w.e.f. 18.01.2019)

Sh. A. K. Azad became the member of the committee on 04.02.2019.

$ Dr. Asha Bhandarker became member of the committee on 05.02.2019.

4. **Remuneration of Directors:**

The Managing Director and CEO and the Executive Directors (Three whole time directors) are being paid remuneration by way of salary as per rules framed by the Government of India. The details of remuneration paid to Whole Time Director/s during the F.Y. 2018-19 are as under:

S. No	Name	Designation	Emoluments paid (₹)	PF contri-bution (₹)	Medical (₹)
1.	Sh. Sunil Mehta	MD & CEO	28,07,940.00	2,55,810.00	3,17,731.40
2.	Sh. K. V. Brahmaji Rao #	Executive Director	38,14,828.93*	1,83,418.06	10,54,611.00
3.	Sh. Sanjiv Sharan#	Executive Director	36,98,560.97*	1,78,082.90	44343.00
4.	Sh. L. V. Prabhakar	Executive Director	23,39,192.00	2,13,750.00	64,660.00
5.	Sh A. K. Azad (Joined on 22.01.2019)	Executive Director	4,59,908.13	41,063.21	41,668.00

(includes Gratuity and Leave Encashment on retirement)*

(ceased to be director on 18.01.2019)

During the year the employees were given option to purchase the shares of PNB under PNB ESPS and the status of allotment of shares to the directors under PNB ESPS is as under:

क्र. सं.	निदेशक के नाम	पद	पीएनबी-इएसपीएस* के तहत आवंटित प्रत्येक रु.2/- अंकित मूल्य के इक्विटि शेयरों की संख्या
1	श्री सुनील मेहता	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	11100
2	श्री के. वी. ब्रह्माजी राव	कार्यपालक निदेशक	1000
3	श्री संजीव शरण	कार्यपालक निदेशक	6000
4	श्री एल.वी. प्रभाकर	कार्यपालक निदेशक	9750

*शेयर को पीएनबी-ईएसपीएस के तहत रु.17.98 प्रति इक्विटि शेयर की छूट प्रदान करने के बाद रु. 53.95 प्रति शेयर की पेशकश की गई थी।

सेवा करार और नोटिस अवधि सहित नियुक्ति की अवधि सरकार की दिशानिर्देशानुसार है। किसी भी निदेशक के लिए कोई अलग शुल्क देय नही है।

वित्त वर्ष 2018-19 के लिए पूर्णकालिक निदेशकों को प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन भुगतान नही किया गया।

बैंक गैर कार्यपालक निदेशकों को बोर्ड अथवा उपसमितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क के अलावा कोई अन्य पारिश्रमिक नहीं देता है। भुगतान योग्य शुल्क निम्नलिखित है:-

क्र. सं.	बैठक	प्रत्येक बैठक में भाग लेने के लिये देय शुल्क (₹) 18.01.2019 से लागू
(ए)	बोर्ड	40,000/-
(बी)	बोर्ड की उप समिति	20,000/-
(सी)	चेयरिंग बोर्ड मीटींग के लिए	10,000/- (उपरोक्त (ए) के अतिरिक्त)
(डी)	बोर्ड समिति की चेयरिंग बैठक के लिए	5,000/- (उपरोक्त (ए) के अतिरिक्त)

वितरण वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान गैर-कार्यपालक निदेशकों को भाग लेने के लिए कुल फीस का भुगतान निम्नवत् है: (पूर्णकालिक निदेशकों और भा.रि.बैंक व भारत सरकार के प्रतिनिधि निदेशक को भाग लेने के लिए किसी प्रकार की फीस का भुगतान नहीं किया जाता है):

क्र. सं.	निदेशक का नाम	भुगतान की गई राशि (रूपए में)
1	श्री सुनील मेहता, गैर-कार्यपालक अध्यक्ष	6,70,000/-
2	श्री महेश बाबू गुप्ता	11,65,000/-
3	सुश्री हीरू मीरचंदानी	20,000/-
4	श्री सुधीर नायर	4,90,000/-
5	श्री संजय वर्मा	8,60,000/-
6	डॉ. आशा भंडारकर	5,10,000/-

Sr. No.	Name of the Director	Designation	No. of Equity shares of FV of Rs. 2/- each allotted under PNB-ESPS*
1	Sh. Sunil Mehta	MD & CEO	11100
2	Sh. K. V. Brahmaji Rao	Executive Director	1000
3	Sh. Sanjiv Sharan	Executive Director	6000
4	Sh. L. V. Prabhakar	Executive Director	9750

* The shares were offered at Rs. 53.95 per share after providing a discount of Rs. 17.98 per equity share under PNB-ESPS.

Terms of appointment including service contracts and notice period are as per Government guidelines. No severance fee is payable to any Director.

No performance linked incentive was paid to the whole-time directors during financial year 2018-19.

The Bank does not pay remuneration to the Non-Executive Directors except sitting fees fixed by Government of India, for attending the meetings of the Board or its sub-committees. The fees payable is as under:-

Sr. No.	Meeting	Sitting Fees payable per Meeting (₹) w.e.f. 18.01.2019
(a)	Board	40,000/-
(b)	Sub-Committee of Board	20,000/-
(c)	For Chairing Board Meeting	10,000/- (in addition to (a) above)
(d)	For Chairing meeting of Board Committee	5,000/- (in addition to (b) above)

The total Sitting Fee paid to the Non-Executive Directors during the Year 2018-19 is as under: (No sitting fee is payable to whole time directors and director representing Goernment of India & RBI):

S. No.	Name of the Director	Sitting Fee paid (in ₹)
1	Sh. Sunil Mehta, Non-Executive Chairman	6,70,000/-
2	Sh. Mahesh Baboo Gupta	11,65,000/-
3	Ms. Hiroo Mirchandani	20,000/-
4	Sh. Sudhir Nayar	4,90,000/-
5	Sh. Sanjay Verma	8,60,000/-
6	Dr. Asha Bhandarker	5,10,000/-

5. विवेकाधीन अपेक्षाओं का अनुपालन

क्र. सं.	गैर अनिवार्य अपेक्षाएं	कार्यान्वयन की स्थिति
ए	**बोर्ड-गैर**-कार्यपालक अध्यक्ष कम्पनी के खर्च पर अध्यक्ष का कार्यालय सम्भालने के लिए पात्र हो सकते है ।	भारत सरकार ने विशिष्ट शर्तों व निबंधन पर 16.03.2017 से श्री सुनील मेहता को बैंक के गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रुप में नियुक्त किया है।
बी	**शेयरधारकों के अधिकार** - शेयरधारकों को वित्तीय परिणामों के अर्धवार्षिक परिणामों तथा गत छह माह की महत्वपूर्ण घटनाओं का सारांश प्रेषित किया जा सकता है ।	तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणाम एनएससी/ बीएससी को भेजे/ समाचार पत्रों में प्रकाशित किये जाते हैं तथा प्रमुख विशेषताओं सहित बैंक की वैबसाइट पर प्रदर्शित किये जाते हैं। वार्षिक रिपोर्टों को एजीएम से पूर्व शेयरधारकों को भेजा जाता है।
सी	**लेखापरीक्षा रिपोर्ट में संशोधित सम्मति**- सूचीबद्ध इकाई असंशोधित लेखापरीक्षा राय के साथ वित्तीय विवरणी की एक व्यवस्था की ओर बढ़ सकती है।	बैंक की वार्षिक वित्तीय विवरणी अनक्वालिफाईड है। महत्वपूर्ण लेखा नीतियों एवं लेखों पर टिप्पणियों, अनुसूचियों में दिए गए है जो व्याख्यात्मक प्रवृति के है ।
डी	**आंतरिक लेखापरीक्षक की रिपोर्टिंग**- आंतरिक लेखा परीक्षक सीधे लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट कर सकते है ।	महाप्रबन्धक (निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा) जो लेखा परीक्षा समिति हेतु आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य रिपोर्ट भेजता है ।

6. कॉर्पोरेट प्रशासन आवश्यकताओं के साथ अनुपालन का प्रकटीकरण:

विनि. सं.	शीर्षक/संक्षिप्त विवरण	अनुपालन की स्थिति
17	निदेशक मंडल	पंजाब नैशनल बैंक के निदेशक मंडल की संरचना और शर्तें "बैंकिंग कंपनियों (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970" के माध्यम से संचालित होती हैं अर्थात अधिनियम, जिसका अर्थ है कि इस संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 का प्रावधान लागू नहीं है। अधिनियम की धारा 9 (3) (i) के अलावा केंद्र सरकार के अनुसरण में शेयरधारकों के बीच चुने गए 2 निदेशकों को छोड़कर सभी निदेशक, भारत सरकार द्वारा धारा 9 (3) अधिनियम के तहत प्रावधानों के अनुसार नियुक्त / नामांकित हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक को विनियमित किया जाता है। बोर्ड की चर्चाओं का प्रमुख समय बैंक की व्यावसायिक रणनीति और निष्पादन, अनुपालन, शासन और जोखिम प्रोफाइल पर खर्च किया जाता है। बोर्ड के कार्यनीति में पारदर्शिता और स्वतंत्रता सुनिश्चित है।

5. **Compliance of discretionary requirements**

Sr. No.	Non Mandatory requirements	Status of implementation
A	**The Board** - A non-executive Chairman may be entitled to maintain a Chairman's office at the company's expense	Government of India has appointed Sh. Sunil Mehta as Non-Executive Chairman of the Bank w.e.f. 16.03.2017 on specific T&C.
B	**Shareholders' Rights** - A half-yearly declaration of financial performance including summary of the significant events in last six-months, may be sent to each household of shareholders.	The quarterly / Annual Financial Results are sent to NSE/BSE, published in newspapers and placed on Bank's website including highlights. Annual reports are also sent to the shareholders before AGM.
C	**Modified opinion(s) in audit report** - The listed entity may move towards a regime of financial statements with unmodified audit opinion.	The Bank's Annual Financial Statements are unqualified. Significant Accounting Policies and Notes to Accounts are contained in schedules, which are explanatory in nature.
D	**Reporting of internal auditor –** The internal auditor may report directly to the audit committee.	General Manager (Inspection & Audit) who is heading the internal audit functions reports to the Audit Committee of Board.

6. **Disclosure of compliance with Corporate Governance Requirements:**

Reg. No.	Title/Brief description	Compliance Status
17	Board of Directors	The Composition & terms of reference of Board of Directors of Punjab National Bank is governed through "Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970" i.e. the Act, meaning thereby the provision of the Companies Act, 2013 in this regard are Not Applicable. All the Directors, except 2 directors elected amongst the Shareholders' other than Central Government pursuant to Section 9(3)(i) of the Act, are appointed / Nominated by Government of India pursuant to the provisions under Section 9(3) of the Act. The Bank is regulated by Reserve Bank of India. Major time of the Board discussions is spent on business strategy and execution, compliance, governance and risk profile of the Bank. Transparency and independence in functioning of the Board is ensured.

18	लेखा परीक्षा समिति	पंजाब नेशनल बैंक के बोर्ड की ऑडिट कमेटी के संदर्भ की संरचना और शर्तें आरबीआई के निर्देशों / दिशानिर्देशों के माध्यम से नियंत्रित होती हैं, जिनका अनुपालन किया जाता है।
19	नामांकन और पारिश्रमिक समिति	बैंक की 2 अलग-अलग समितियाँ हैं जिनका नाम नामांकन समिति और पारिश्रमिक समिति है, संयोजन और संदर्भ की शर्तें क्रमश: आरबीआई / भारत सरकार के निर्देशों के माध्यम से नियंत्रित होती हैं।
20	हितधारक संबंध समिति	अनुपालन किया गया
21	जोखिम प्रबंधन समिति	अनुपालन किया गया
22	सतर्क तंत्र	अनुपालन किया गया
23	संबंधित पक्षों का लेनदेन	अनुपालन किया गया
24	सूचीबद्ध इकाई की सहायक कंपनी के संबंध में कॉरपोरेट प्रशासन की आवश्यकताएं	अनुपालन किया गया
24A	सचिवीय ऑडिट	अनुपालन किया गया
25	स्वतंत्र निदेशकों के संबंध में दायित्व	उक्त विनियमन 17 के अनुसार,
26	वरिष्ठ प्रबंधन, प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों, निदेशकों और प्रवर्तकों सहित कर्मचारियों के विषय में बाध्यताएँ	अनुपालन किया गया
27	अन्य कॉर्पोरेट गवर्नेंस आवश्यकताएं	अनुपालन किया गया
4 6 (2) (बी) से (i)	वेबसाइट	अनुपालन किया गया

18	Audit Committee	The composition & terms of reference of the Audit Committee of the Board of Punjab National Bank is governed through RBI's directives / guidelines, which are complied with.
19	Nomination and Remuneration Committee	The Bank has 2 separate committees namely Nomination Committee and Remuneration Committee, the composition and terms of reference of which are governed through RBI / GOI directives respectively.
20	Stakeholders Relationship Committee	Complied With
21	Risk Management Committee	Complied With
22	Vigil Mechanism	Complied With
23	Related party transactions	Complied With
24	Corporate governance requirements with respect to subsidiary of listed entity	Complied With
24A	Secretarial Audit	Complied With
25	Obligations with respect to independent directors	As per Regulation 17, above.
26	Obligations with respect to employees including senior management, key managerial persons, directors and promoters	Complied With
27	Other corporate governance requirements	Complied With
46 (2) (b) to (i)	Website	Complied With

7. आम सभा की बैठकें

शेयरधारकों की पिछले तीन वर्षों के दौरान हुई वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) का विवरण इस प्रकार हैं:

बैठक का प्रकार	दिन, दिनांक एवं समय	स्थान	उद्देश्य
पन्द्रहवीं एजीएम	गुरुवार, 30 जून,2016 प्रात:10.00 बजे	पीएनबी ऑडिटोरियम, केन्द्रीय स्टफ कॉलेज, 8 अंडरहिल रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली- 110054	31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के लेखा परीक्षित तुलन पत्र तथा लाभ व हानि खाते पर विचार-विमर्श, अनुमोदन एवं अपनाना।
सोलहवीं एजीएम	गुरुवार, 29 जून, 2017 प्रात: 10.00 बजे	पीएनबी ऑडिटोरियम, केन्द्रीय स्टाफ कॉलेज, 8 अंडरहिल रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली -110054	31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए बैक के लेखा परीक्षित तुलन पत्र एवं लाभ-हानि खाते पर परिचर्चा, अनुमोदन एवं अपनाना।
सत्रहवीं एजीएम	मंगलवार, 18 सितंबर, 2018 प्रात: 10.00 बजे	पीएनबी मल्टीपर्पज हॉल,प्लॉट नं 4 से. क्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली - 110075	- 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए बैक के लेखा परीक्षित तुलन पत्र एवं लाभ-हानि खाते पर परिचर्चा, अनुमोदन एवं अपनाना। - ईएसपीएस आधार (कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना) पर कर्मचारियों को इक्विटी शेयर जारी करना। - भारत सरकार को अधिमान्य आधार पर इक्विटी शेयर जारी करना।

निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए विशेष प्रस्तावों को 17 वीं वार्षिक आम बैठक में रखा गया :

1. ईएसपीएस आधार पर कर्मचारियों को इक्विटी शेयर जारी करना, और
2. भारत सरकार को अधिमान्य आधार पर इक्विटी शेयर जारी करना।

डाक से मताधिकार का प्रयोग (पोस्टल बैलट) - बैंक ने ऐसा कोई कार्य आयोजित नहीं कराया है जिसमें वित्तीय वर्ष के दौरान डाक द्वारा मतदान की अनुमति दी गयी हो और वर्तमान में कोई कारोबार पोस्ट बैलट के माध्यम से कराया जाना प्रस्तावित नही है ।

8. सेबी(एलओडीआर) विनियमन 2015 की अनुसूची V {C(10)} के अनुसार अन्य प्रकटीकरण

8.1 वर्ष के दौरान कोई महत्वपूर्ण सम्बन्धी पार्टी ट्रांजेक्शन नहीं हुई है जो कि बैक के हित को प्रभावित करे।

8.2 भारतीय रिजर्व बैंक/आईसीएआई के दिशा निर्देशों के अनुसरण में बैंक के सम्बंधित पार्टी लेन-देन 31.03.2019 की स्थिति अनुसार तुलनपत्र के खातों के नोट्स (अनुसूची 18) में दर्शाए गये हैं। संबंधित पक्ष के साथ लेन-देन करने की नीति बैक की वेबसाइट https://www.pnbindia.in/Regulatory.html पर दी गयी है ।

7. General Body Meetings

The details of Annual General Meetings (AGM) of shareholders during the last three years are as follows:

Type of Meeting	Day, Date & Time	Venue	Purpose
15th AGM	Thursday, June 30, 2016 at 10: 00 a.m.	PNB Auditorium, Central Staff College, 8, Underhill Road, Civil Lines, Delhi -110054	- To discuss, approve & adopt the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for year ended 31.03.2016.
16th AGM	Thursday, June 29, 2017 at 10:00 a.m.	PNB Auditorium, Central Staff College, 8, Underhill Road, Civil Lines, Delhi -110054	- To discuss, approve & adopt the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for year ended 31.03.2017.
17th AGM	Tuesday, September 18, 2018 at 10:00 a.m.	PNB Multi-purpose Hall, Head Office, Plot No. 4, Sector 10, Dwarka, New Delhi 110 075	- To discuss, approve & adopt the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for year ended 31.03.2018. - Issue of Equity Shares to Employees on ESPS basis (Employee Stock Purchase Scheme) - Issue of Equity Shares on preferential basis to Govt. of India.

Special Resolutions for following purposes were put through in the 17th Annual General Meeting:

1. Issuing equity shares to employees on ESPS basis, and
2. Issue of equity shares on preferential basis to Govt. of India.

Postal Ballot - Bank has not conducted any business in by way of postal ballot, during the financial year and at present no business is proposed to be conducted through postal ballot.

8. Other Disclosures as per Schedule V {C(10)} of SEBI (LODR) Regulations 2015

8.1 There has been no significant related party transaction during the year that may have had potential conflict of interest with the Bank.

8.2 The Related Party Transactions of the Bank as per RBI /ICAI guidelines are disclosed in the Notes on Accounts (in Schedule 18) of the Balance Sheet as on 31.03.2019. Policy on dealing with Related Party Transactions is available on Bank's website at https://www.pnbindia.in/Regulatory.html

8.3 विगत 3 वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित मामलों के संबंध में सेबी/स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा बैंक पर कोई दंड/प्रतिबंध नहीं लगाया गया। यहाँ निम्नानुसार दो उदाहरण दिए गए हैं जब सेबी/स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सलाह / चेतावनी जारी की गई :

- इस विषय पर एक चेतावनी पत्र क्रमांक SEBI/CFD/CMD/OW/14304/1/2018 दिनांक 15.05.2018 : चेतावनी पत्र –नीरव मोदी ग्रुप, गीतांजलि ग्रुप और अन्य के संबंध में किए गए खुलासे के संबंध में सेबी द्वारा सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 (सेबी एलओडीआर विनियम) के कुछ प्रावधानों के उल्लंघन हेतु जारी किया गया था। पत्र में सेबी ने चेतावनी दी थी और सेबी एलओडीआर विनियमों के अनुपालन के संबंध में भविष्य में सतर्क रहने की सलाह दी थी।
- एनएसई ने अपने पत्र सं. एनएसई / एलआईएसटी / 50816 दिनांक 19.06.2018 के माध्यम से बैंक से अनुरोध किया था कि वह सेबी (एलओडीआर) विनियमन 2015 के विनियम 30 के तहत आवश्यक किसी भी सूचना के संबंध में भविष्य में पूरी सावधानी बरतें।

8.4 बैंक ने विजिल मैकेनिजम, व्हीसल ब्लोअर पॉलिसी स्थापित की है और किसी भी व्यक्ति को लेखा परीक्षा समिति में आने के लिए रोका नहीं गया है।

8.5 अनिवार्य आवश्यकताओं का पालन किया गया है तथा गैर अनिवार्य आवश्यकताओं का ग्रहण उपयुक्त पैरा 5 में दिया गया है।

8.6 'मैटिरियल' अनुषंगी निर्धारण के लिए पॉलिसी हेतु वेबलिंक है: https://www.pnbindia.in/Regulatory.html

8.7 कमोडिटी मूल्य जोखिम तथा कमोडिटी हैजिंग गतिविधियाँ शून्य है।

8.8 भारत सरकार को अधिमान्य आबंटन द्वारा दी गई राशि का उपयोग सामान्य व्यावसायिक उद्देश्य के लिए किया गया है।

8.9 हमने व्यवहारत: कंपनी सचिव से एक प्रमाण पत्र प्राप्त किया है कि बोर्ड / कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय या किसी भी वैधानिक प्राधिकरण द्वारा किसी भी निदेशक को कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने या बने रहने से रोका या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है।

8.10 यह पुष्टि की जाती है कि ऐसा कोई उदाहरण नहीं हैं जहां बोर्ड ने बोर्ड की किसी भी समिति की सिफारिश को स्वीकार नहीं किया है, जो वित्तीय वर्ष 2018-19 में अनिवार्यत: आवश्यक है।

8.11 बैंक और इसके अनुषंगी के सांविधिक लेखा परीक्षकों को दी जानेवाली सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क निम्नानुसार है:

क्र.सं.	कंपनी/अनुषंगी का नाम	राशि (₹ लाख में)
1	पंजाब नैशनल बैंक	7597.93
2	पीएनबी आइएसएल	1.75
3	पीएनबी गिल्ट्स	16.85*

*वास्तविक आधार मूल्य पर टैक्स सहित

8.3 No penalties were imposed on the Bank by SEBI/Stock Exchanges for non-compliance in respect of matters related to Capital Market during the last three years. There has been two instances when advisory/caution has been issued by SEBI/Stock Exchange as under:

- A warning letter No. SEBI/CFD/CMD/OW/14304/1/2018 dated 15.05.2018 on the subject: Warning letter- Violation of certain provisions of SEBI (LODR) Regulations, 2015 (SEBI LODR Regulations) was issued by SEBI regarding disclosures made in respect of Nirav Modi Group, Gitanjali Group and others. In the letter SEBI had warned and advised to be cautious in future in respect of compliances of SEBI LODR Regulations.
- NSE vide its letter no. NSE/LIST/50816 dated 19.06.2018 had requested the Bank to take abundant precaution in future with respect to any intimation required under Regulation 30 of SEBI (LODR) Regul tions 2015.

8.4 The Bank has established vigil mechanism, whistle blower policy and no person has been denied access to the audit committee.

8.5 Mandatory requirements are complied with and adoption of non-mandatory requirements are given at para 5 above.

8.6 Web link for the policy for determining "material" subsidiary is https://www.pnbindia.in/Regulatory.html

8.7 Commodity Price Risks and Commodity hedging activities are Nil.

8.8 The funds raised by the preferential allotment to Government of India have been utilized for the general business purpose (refer to point 10.14 (vi)).

8.9 We have obtained a certificate from a company secretary in practice that none of the directors on the board of the Bank have been debarred or disqualified from being appointed or continuing as directors of companies by the Board/Ministry of Corporate Affairs or any such statutory authority.

8.10 It is confirmed that there are no instances where the board had not accepted any recommendation of any committee of the board which is mandatorily required, in the financial year 2018-19

8.11 The total fees for all services to statutory auditors of the Bank and its subsidiary is as under:

Sr. No.	Name of the Company/ Subsidiary	Amount (Rs. In Lacs)
1	Punjab National Bank	7597.93
2	PNB ISL	1.75
3	PNB Gilts	16.85*

* plus taxes on actual basis.

इसके अलावा पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड के बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के बहाल आईएनडीएस वित्तीय विवरणियों के लेखा परीक्षा हेतु ₹ 8.40 लाख+कर अनुमोदित किया है जो वित्तीय वर्ष 2018-19 के बहाल आईएनडीएस वित्तीय विवरणियों के भाग का रूप तैयार करेगा।

8.12 कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के संबंध में खुलासे:

ए.	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	06
बी.	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान निपटाए गए शिकायतों की संख्या	05
सी.	वित्तीय वर्ष 2018-19 के अंत तक लंबित शिकायतों की संख्या	01

9. **बैंक की तीन घरेलू अनुषंगियां है, यथा:**

i) पीएनबी गिल्टस लिमिटेड

ii) पीएनबी इंवेस्टमेंट सविसेज़ लिमिटेड

iii) पीएनबी इन्शुरन्स ब्रोकिग प्रा.लिमिटेड

* पीएनबी इन्शुरन्स ब्रोकिंग कंपनी गैर-कार्यात्मक है। ब्रोकिंग लाइसेंस सरेंडर कर दिया है और कम्पनी को समाप्त करने के कदम उठा लिए गए हैं ।

पीएनबी गिल्ट्स लि. एक सूचीबद्ध ईकाई है जहाँ बैंक के एक निदेशक कम्पनी के बोर्ड के भी निदेशक हैं।

इसके अतिरिक्त, बैंक के पास दो अंतर्राष्ट्रीय अनुषंगियाँ है, नामत:

i) पंजाब नैशनल बैंक (अंतर्राष्ट्रीय) लिमिटेड. (पीएनबीआइएल), यूके

i) ड्रुक पीएनबी बैंक लि. भूटान

10. **संचार माध्यम**

तिमाही वित्तीय परिणामों को स्टॉक एक्सचेंज (एनएसइ & बीएसइ) में प्रचार के लिए भेजा जाता है।

वित्तीय परिणाम, कॉर्पोरेट विज्ञापन और सूचनाएं इत्यादि किन्हीं दो (अंग्रेजी व हिन्दी) अत्यधिक परिचालन वाले समाचार पत्रों मुख्यत: टाईम्स आफ इंडिया, हिन्दुस्तान टाईम्स, बिज़नैस स्टैन्डर्ड, फाइनैंशियल एक्सप्रेस, इकनॉमिक्स टाईम्स, नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान, बिज़नैस स्टैन्डर्ड (हिन्दी), दैनिक जागरण और जनसत्ता में प्रकाशित किए जाते हैं।

तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणाम और संस्थागत निवेशकों/विश्लेषकों को बताये गये प्रेजेंटेशन को बैंक की वैबसाइट (www.pnbindia.in) के अतिरिक्त स्टॉक एक्सचेंज www.nseindia.com और www.bseindia.com पर दर्शाया जाता है ।

इसके अतिरिक्त, वित्तीय परिणामों को हितधारकों को प्रिंट एवं इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से समाचार विज्ञप्तियों द्वारा भी सूचित किया जाता है ।

वार्षिक रिपोर्ट शेयरधारकों को ईमेल/भौतिक वितरण द्वारा भेजी जाती है और वार्षिक रिपोर्ट बैंक की वैबसाइट के अतिरिक्त स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइटों पर भी दर्शाया जाता है

Further the Board of PNB Gilts Ltd. has approved a fee of Rs. 8.40 lacs + taxes for audit of reinstated IND-AS financial statements of FY 2017-18 which shall form part of IND-AS financial statements of FY 2018-19.

8.12 Disclosures in relation to the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013:

a.	Number of complaints filed during the financial year 2018-19	06
b.	Number of complaints disposed off during the financial year 2018-19	05
c.	Number of complaints pending as on end of the financial year 2018-19	01

9. **The Bank has three domestic subsidiaries, namely:**

i) PNB Gilts Ltd.

ii) PNB Investment Services Ltd.

iii) PNB Insurance Broking Pvt. Ltd.*

* PNB Insurance Broking Company is non-functional. The Broking licence has been surrendered and steps are being initiated for winding-up of the Company.

PNB Gilts Ltd. is a listed entity where one Director of the Bank is also Director on the Board of that Company.

Further, the Bank has two international subsidiaries, namely:

i) Punjab National Bank (International) Limited (PNBIL), UK

ii) Druk PNB Bank Ltd., Bhutan.

10. **Means of Communication**

The quarterly financial results are submitted to the Stock Exchanges (NSE & BSE) for dissemination.

Financial results, corporate advertisements and notices etc. are also published in any 2 (English and Hindi) of the widely circulated newspapers viz. Times of India, Hindustan Times, Business Standard, Financial Express, Economic Times, Navbharat Times, Hindustan, Business Standard (Hindi), Dainik Jagran and Jansatta.

The quarterly/annual financial results and presentations made to institutional investors/analysts are also placed on the website of the Bank (www.pnbindia.in) besides websites of stock exchanges www.nseindia.com and www.bseindia.com

Further, the financial results are also communicated to the stakeholders through news releases through print and electronic media.

The Annual Report is sent to the shareholders by email/physical delivery and is also hosted on the Bank's website besides the websites of the stock exchanges.

11. आम शेयरधारकों के लिए सूचना

11.1. बैंक के शेयरधारकों की वार्षिक आम बैठक :

18वीं वार्षिक आम बैठक का कार्यक्रम इस प्रकार है

दिन, तिथि व समय : एजीएम नोटिस मे

स्थान : दिए गए विवरण के अनुसार

11.2 वित्तीय कैलेण्डर 2019-20 के लिए (सम्भावित)

निम्नांकित समाप्त अवधि/तिमाही वित्तीय परिणामों का अनुमोदन-

30 जून 2019 को समाप्त तिमाही - अगस्त 14, 2019

30 सितम्बर 2019 को समाप्त तिमाही - नवम्बर 14, 2019

31 दिसम्बर 2019 को समाप्त तिमाही - फरवरी 14, 2020

31 मार्च 2020 को समाप्त तिमाही/वर्ष - लेखापरीक्षित लेखे- 30 मई 2020 तक

11.3 वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए लाभांश का ब्यौरा -

i) **लाभांश** - बैंक के निदेशक मंडल ने 2018-19 के लिए लाभांश के भुगतान करने की सिफारिश नहीं की है।

ii) **लाभांश वितरण नीति:**- बैंक द्वारा वितरित की जाने वाली लाभांश राशि और वे परिस्थितियां जिसमें लाभांश की घोषणा नहीं की जा सकती के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक व भारत सरकार के दिशानिर्देशों को शामिल करते हुए लाभांश वितरण राशि बनाई गई है। यह लाभांश वितरण नीति बैंक की वेबसाइट https://www.pnbindia.in/Regulatory.html पर उपलब्ध है।

11.4 i) स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीकरण:

बैंक के शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं :-

स्टॉक एक्सचेंज	स्टॉक कोड	सूचीकरण की आरम्भिक तिथि
नैशनल स्टॉक एक्सचेंज़ ऑफ इंडिया लि.(एनएसई) बान्द्रा - कुर्ला कम्प्लेक्स, मुम्बई	पीएनबी	24.4.2002
बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड.(बीएसई) पी.जे. टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, मुम्बई	532461	25.4.2002

(ii) सूचीकरण शुल्क तथा अभिरक्षा शुल्क का भुगतान

एनएसई तथा बीएसई को वार्षिक सूचीकरण शुल्क तथा एनएसडीएल और सीडीएसएल को वार्षिक अभिरक्षा शुल्क अद्यतन अदा है।

11.5 लेखाबन्दी की तिथियाँ - एजीएम नोटिस

रिमोट ई-वोटिंग के लिए कट-ऑफ तिथि : में दिए गए विवरण के अनुसार

11.6 बाजार मूल्य (₹)डाटा/बैंक के शेयरों का कार्यनिष्पादन*

माह	एनएसई			बीएसई			संयुक्त
	उच्च	न्यून	मात्र	उच्च	न्यून	मात्र	मात्र
अप्रैल-18	105.25	91.00	465155816	105.20	91.05	34418921	499574737
मई-18	93.80	74.75	554448272	93.80	74.75	48670754	603119026
जून-18	91.75	72.80	477569364	91.80	73.25	35640120	513209484

11. General Shareholders' Information

11.1 Annual General Meeting of the shareholders of the Bank:

The following is the schedule of the 18th Annual General Meeting:

Day, Date & Time : As per details given in
Venue : *AGM Notice*

11.2 Financial Calendar (Tentative)for 2019-20

Approval of financial results for the quarter/period ending -

Q. E. June 30, 2019 - By August 14, 2019.

Q. E. September 30, 2019 - By November 14, 2019

Q. E. December 31, 2019 - By February 14, 2020

Q. Year ended March 31, 2020 - Audited Accounts by May 30, 2020

11.3 Dividend details – Financial Year 2018-19

i) **Dividend:** - The Board of Directors of the Bank has not recommended payment of dividend for 2018-19.

ii) **Dividend Distribution Policy:** - The Bank has formulated a Dividend Distribution Policy which includes the RBI and Government of India guidelines regarding quantum of Dividend to be distributed and circumstances under which dividend may not be declared. The Dividend Distribution Policy is available at Bank's website at https://www.pnbindia.in/Regulatory.html

11.4 (i) Listing on Stock Exchanges:

The shares of the bank are listed on the following Stock Exchanges:

Stock Exchange	Stock Code	Date of Initial Listing
National Stock Exchange of India Ltd. (NSE) Bandra - Kurla Complex, Mumbai	PNB	24.4.2002
Bombay Stock Exchange Ltd. (BSE) P. J. Towers, Dalal Street, Mumbai	532461	25.4.2002

(ii) Payment of Listing Fee and Custodian charges

The annual listing fee to NSE & BSE and annual custody charges to NSDL & CDSL have been paid up to date.

11.5 Dates of Book Closure - *As per details given in*

Cut-off date for remote e-voting : *AGM Notice*

11.6 Market Price (₹)Data / Performance of Bank's shares*

Month	NSE			BSE			COMBINED
	HIGH	LOW	VOLUME	HIGH	LOW	VOLUME	VOLUME
Apr-18	105.25	91.00	465155816	105.20	91.05	34418921	499574737
May-18	93.80	74.75	554448272	93.80	74.75	48670754	603119026
Jun-18	91.75	72.80	477569364	91.80	73.25	35640120	513209484

जुलाई-18	85.90	73.85	626615685	86.10	73.65	44663173	671278858
अगस्त-18	90.05	79.90	897457366	90.15	79.90	61711054	959168420
सितम्बर-18	86.35	59.70	619863035	86.35	59.75	50473304	670336339
अक्टूबर-18	73.65	62.65	569434864	73.75	62.65	51413315	620848179
नवम्बर-18	74.30	69.05	431386520	74.25	69.05	41690571	473077091
दिसंबर-18	78.45	64.85	452596884	78.35	64.90	35834232	488431116
जनवरी-19	84.55	76.10	438352043	84.35	76.05	30799347	469151390
फरवरी-19	75.65	69.00	479952179	75.60	69.00	34327509	514279688
मार्च-19	95.50	76.65	763139413	95.40	76.60	64746824	827886237
कुल			6775971441			534389124	7310360565

* स्रोत – एनएसई/बीएसई वैबसाइट (www.nseindia.com / www.bseindia.com)

वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक के शेयर का मूल्य न्यूनतम **रु.59.70** तथा अधिकतम **रु.105.25** व्यापारित हुआ तथा एनएसई एवं बीएसई में कारोबार की कुल मात्र रु.104.22 करोड़ शेयर के "फलोटिंग स्टॉक की तुलना में रु.731.04 करोड़ शेयर रही।

11.7 बैंक निफ्टी की तुलना में बैंक के शेयर का निष्पादन ग्राफ के रूप में निम्नवत दर्शाया गया है:

बैंक के शेयर की तुलना में बैंक निफ्टी का ग्राफ के रूप मे निष्पादन निम्नानुसार रहा –

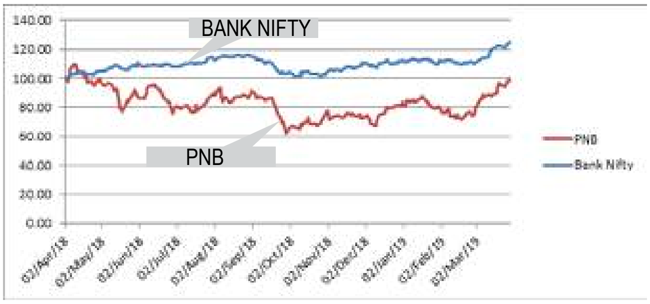

11.8 प्रति शेयर आंकड़ा:

(₹)	2016-17	2017-18	2018-19
अंकित मूल्य (₹)	2/-	2/-	2/-
31 मार्च की समाप्ति पर एनएसई (₹)	149.90	95.30	95.50
आय प्रति शेयर (₹)	6.45	-55.39	- 30.94
लाभांश रु.2/- के प्रति इक्विटी शेयर पर	शून्य	शून्य	शून्य
लाभांश (%)	शून्य	शून्य	शून्य
बही मूल्य (₹)	177.03	135.44	89.50
प्रदत्त लाभांश (शु) लाभ का %)	शून्य	शून्य	शून्य

मौजूदा वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक की प्रतिभूतियों को किसी भी समय व्यापार के लिए निलंबित नहीं किया गया।

11.9 शेयर अंतरण एजेंट (एसटीए)

बीटल फाइनैंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज़ (प्रा.) लि. जो कि सेबी में पंजीकृत और शेयर अंतरण एजेंट हैं, बैंक के शेयर अंतरण एजेंट के रूप में 01.01.2013 से नियुक्त किए गए हैं। सम्पर्क विवरण नीचे दिया गया हैं:

Jul-18	85.90	73.85	626615685	86.10	73.65	44663173	671278858
Aug-18	90.05	79.90	897457366	90.15	79.90	61711054	959168420
Sep-18	86.35	59.70	619863035	86.35	59.75	50473304	670336339
Oct-18	73.65	62.65	569434864	73.75	62.65	51413315	620848179
Nov-18	74.30	69.05	431386520	74.25	69.05	41690571	473077091
Dec-18	78.45	64.85	452596884	78.35	64.90	35834232	488431116
Jan-19	84.55	76.10	438352043	84.35	76.05	30799347	469151390
Feb-19	75.65	69.00	479952179	75.60	69.00	34327509	514279688
Mar-19	95.50	76.65	763139413	95.40	76.60	64746824	827886237
TOTAL			6775971441			534389124	7310360565

*Source - NSE/BSE website (www.nseindia.com / www.bseindia.com)

The shares of the Bank were traded between a low of **₹59.70** and high of **₹105.25** during the financial year and total volume traded at NSE & BSE was 731.04 crore shares as against the floating stock of 104.22 crore shares.

11.7 Performance of Bank's share price in comparison with Bank Nifty.

The graphical depiction of performance of Bank's share vis-à-vis Bank Nifty is given below:

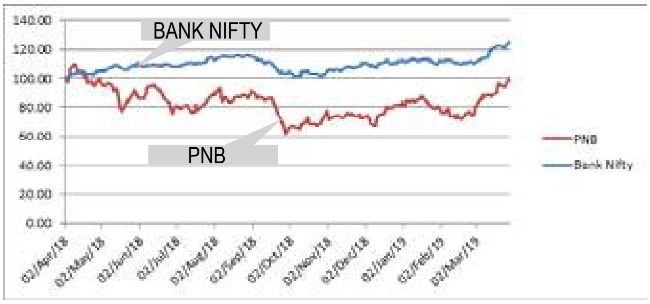

11.8 Per Share Data:

(₹)	2016-17	2017-18	2018-19
Face Value (₹)	2/-	2/-	2/-
Closing as on 31st March -NSE(₹)	149.90	95.30	95.50
Earnings Per Share (₹)	6.45	-55.39	- 30.94
Dividend per Equity Share of ₹ 2/- each	Nil	Nil	Nil
Dividend (%)	Nil	Nil	Nil
Book Value (₹)	177.03	135.44	89.50
Dividend payout (% of Net Profit)	Nil	Nil	Nil

The securities of the Bank have not been suspended for trading any time during the current financial year.

11.9 Share Transfer Agent (STA)

Beetal Financial & Computer Services (P) Ltd., a SEBI registered Registrar and Share Transfer Agent has been appointed Share Transfer Agent of the Bank with effect from 01.01.2013. Contact details are given below:

बीटल फाइनैंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (प्रा.) लि. (यूनिट : पीएनबी)

'बीटल हाउस', तृतीय तल

99, मदनगीर, स्थानीय शॉपिंग सेंटर के पीछे

नई दिल्ली - 110062

दूर. सं. - 011-29961281/82/83, फैक्स : 011- 29961284

ई-मेल - beetal@beetalfinancial.com

11.10 (i) मूर्त रूप में धारित शेयरों के लिए शेयर अंतरण प्रणाली

शेयरधारकों द्वारा मूर्त रूप में धारित शेयरों के अन्तरण, शेयरों के प्रेषण, अपने पते में परिवर्तन, टेलीफोन/मोबाइल नम्बर, ई-मेल और बैंक अधिदेश (बैंक का नाम, पता खाता संख्या, माइकर कोड इत्यादि) और ई-क्रेडिट अधिदेश आदि के संबंध में शेयर अन्तरण एजेंट को सीधे उपरोक्त पते (क्रम सं. 10.9 में दिए गए) पर रिकॉर्ड के अद्यतनीकरण हेतु अनुरोध/सूचना प्रेषित की जा सकती है तथा सभी संदेशों तथा लाभकारी हितों की ठीक एवं समय पर प्राप्ति सुनिश्चित किया जाना।

(ii) बैंक की शेयर अंतरण समिति के अनुमोदन के पश्चात शेयर अंतरण एजेन्ट (एसटीए) द्वारा निर्धारित समय के भीतर मूर्त शेयर अन्तरित कर दिये जाते हैं।

11.11 डीमेट रूप में धारित शेयरों के लिए शेयर अंतरण प्रणाली

(i) बैंक के शेयरों का कारोबार अनिवार्यतः डीमैट रूप से आइएसआइएन कोड आइएनइ 160ए01022 के अंतर्गत किया जाता है। नैशनल सिक्यूरिटीज़ डिपाज़िटरी लि. (एनएसडीएल) तथा सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) डिपॉजिटरी में बैंक के शेयर डीमैट रूप में रखे गये हैं।

(ii) शेयरधारक जिनके पास शेयर डीमैट रुप में हैं उनसे अनुरोध है कि वे अपने पते अथवा और/या बैंक अधिदेश (बैंक का नाम, पता, खाता सं. माइकर कोड इत्यादि) में परिवर्तन के संबंध में रिकॉर्ड अपडेट करने के लिए सीधे अपने डिपाजिटरी सहयोगी को सूचित करें ।

11.12 (ए) इलैक्ट्रानिक वोटिंग: शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपना नवीनतम इमेल आईडी अपने डिपाजिटरी सहभागी या एसटीए, जैसी भी स्थिति हो, के साथ पंजीकृत करवा लें ताकि वे रिमोट ई-वोटिंग सुविधा के लिए सक्षम हो सकें।

11.13 अदावी शेयर (उचंत) खाते: सेबी (एलोडीआर) विनियमन 2015 के अनुसार अदावी शेयरों का ब्यौरा निम्नलिखित है:-

क्र. सं.	विवरण	एफपीओ (2005) शेयर धारकों की संख्या	एफपीओ (2005) शेयरों की कुल संख्या	आइपीओ (2002) शेयर धारकों की संख्या	आइपीओ (2002) शेयरों की कुल संख्या	कुल शेयर धारकों की संख्या	कुल शेयरों की कुल संख्या
1	वर्ष के प्रारम्भ अर्थात 01.04.2018 को बकाया (रु.2/- प्रति)	355	60510	58	33500	413	94010

Beetal Financial & Computer Services (P) Limited (Unit: PNB)

'Beetal House', 3rd Floor

99, Madangir, Behind Local Shopping Centre

New Delhi 110062

Tel. No. 011-29961281/82/83, Fax: 011-29961284

e-mail: beetal@beetalfinancial.com

11.10 (i) Share Transfer System for shares held in physical form

Shareholders holding shares in physical form may send requests/communications for transfer/ transmission of shares, change of address (with Telephone / Mobile Numbers), E-mail address, change in Bank mandate (i.e. Name of Bank, Address, Account No., MICR Code etc.), e-Credit mandate etc. directly to STA at the above address (given at S. No. 10.9) for updation of records and to ensure timely receipt of all communications & beneficial interests by them.

(ii) The transfer of physical shares is affected by the STA within the stipulated time on approval by Share Transfer Committee of the Bank.

11.11 Share Transfer System for shares held in Demat form.

(i) The Bank's shares are traded in Demat mode under ISIN code INE160A01022 on both NSE and BSE. the National Securities Depository Ltd, (NSDL) and the Central Depository Services Ltd. (CDSL) are the two depositories holding the Bank's share in Demat form.

(ii) Shareholders are requested to inform their Depository Participant (DP) directly for updating the records in case of any change in address and/or Bank mandate (Name of Bank, Address, Account No, MICR Code etc.), for shares held in Dematerialized form.

11.12 (A) Electronic Voting: Shareholders are requested to register their latest email ID with their Depository Participant or STA, as the case may be, for enabling remote e-voting facility.

11.13 PNB-Unclaimed Shares (Suspense) A/c: The details of unclaimed shares as per SEBI (LODR) Regulations, 2015 is as under:-

S. No.	Particulars	FPO (2005) No. of Share-holders	FPO (2005) No. of Shares	IPO (2002) No. of Share-holders	IPO (2002) No. of Shares	TOTAL No. of Share-holders	TOTAL No. of Shares
1	Opening at the beginning of the year i.e. 01.04.2018 (₹ 2/ each)	355	60510	58	33500	413	94010

2	वर्ष के दौरान शेयर अंतरण के लिए आए शेयरधारकों की संख्या	3	390	-	-	3	390
3	वर्ष के दौरान शेयरधारकों की संख्या जिनके शेयर अंतरित किए गए	3	390	-	-	3	390
4	वर्ष के अंत अर्थात 31.03.2019 को बकाया (1-3)	352	60120	58	33500	410	93620

*प्रमाणित किया जाता है कि इन शेयरों पर वोटिंग अधिकार तब तक फ्रीज रहेगा जब तक की इन शेयरों का असली स्वामी दावा नहीं करता।

11.14 दिनांक 31 मार्च 2019 की स्थिति अनुसार शेयरधारिता तथा वितरण पैटर्न:

(i) शेयरधारिता पैटर्न

शेयरधारकों की श्रेणी	**% धारित इक्विटी शेयर**
भारत के राष्ट्रपति	75.41
एफआईआई/एनआरआई/ओसीबी	3.55
बैंक/वित्तीय संस्थाएं/बीमा कम्पनियां	8.48
म्युचुअल फंड	4.62
घरेलू कम्पनियां/ट्रस्टस	0.85
भारतीय जनसाधारण/मूल निवासी/एचयूएफ	6.83
क्लीयरिंग सदस्य	0.26
कुल	100.00

(ii) दिनांक 31.03.2019 तक शेयरधारकों की संख्या 6,66,124

(iii) प्रत्येक इक्विटी शेयर का सांकेतिक मूल्य (₹) 2/-

(iv) वितरण पैटर्न:

शेयरधारकों की संख्या	**कुल की प्रतिशतता**	**शेयरों का सांकेतिक मूल्य (रु. में)**	**क्विटी शेयरों की संख्या**	**राशि (रु. में)**	**कुल की प्रतिशत**
638628	95.87	Upto 5000	186701697	373403394	4.06
21629	3.25	5001 to 10000	72833879	145667758	1.58
3749	0.56	10001 to 20000	25914903	51829806	0.56
773	0.12	20001 to 30000	9591814	19183628	0.21
351	0.05	30001 to 40000	6301417	12602834	0.14
201	0.03	40001 to 50000	4549516	9099032	0.10
341	0.05	50001 to 100000	12016431	24032862	0.26
452	0.07	100001 and above	4286137371	8572274742	93.09
कुल: 666124	100.00		4604047028	9208094056	100.00

2	No. of shareholders approached for transfer of shares during the year	3	390	-	-	3	390
3	No. of shareholders to whom shares were transferred during the year	3	390	-	-	3	390
4	Outstanding at the end of the year .e. 31.03.2019 (1-3)	352	60120	58	33500	410	93620

* Certified that voting rights on these shares remains frozen till the rightful owner claims the said shares.

11.14 Shareholding and Distribution Pattern as on 31st March 2019:

(i) Shareholding Pattern

Shareholders' Category	**%age Equity shares held**
President of India	75.41
FIIs/NRIs/OCBs	3.55
Banks/Financial Institutions/ Insurance Companies	8.48
Mutual Funds	4.62
Domestic Companies/Trusts	0.85
Indian Public/Resident Individuals/ HUF	6.83
Clearing Members	0.26
Total	100.00

(ii) No. of shareholders as on 31.03.2019 6,66,124

(iii) Nominal value of each Equity Share (₹) 2/-

iv) Distribution Pattern:

No. of Shareholders	**% age of Total**	**Shareholding of Nominal Value of (₹)**	No. of Equity Shares	**Amount (₹)**	**%age to Total**
638628	95.87	Upto 5000	186701697	373403394	4.06
21629	3.25	5001 to 10000	72833879	145667758	1.58
3749	0.56	10001 to 20000	25914903	51829806	0.56
773	0.12	20001 to 30000	9591814	19183628	0.21
351	0.05	30001 to 40000	6301417	12602834	0.14
201	0.03	40001 to 50000	4549516	9099032	0.10
341	0.05	50001 to 100000	12016431	24032862	0.26
452	0.07	100001 and above	4286137371	8572274742	93.09
Total: 666124	100.00		4604047028	9208094056	100.00

v) दिनांक 31.03.2019 तक भौगोलिक आधार पर शेयरधारकों की स्थिति:

	इलैक्ट्रॉनिक				मूर्त रूप में				कुल			
शहर का नाम	धारक	प्रतिशत	शेयर	प्रतिशत	धारक	प्रतिशत	शेयर	प्रतिशत	धारक	प्रतिशत	शेयर	प्रतिशत
अहमदाबाद	20505	3.11	8157451	0.22	50	0.65	27500	0.00	20555	3.09	8184951	0.18
बैंगलोर	23411	3.56	10771111	0.28	185	2.41	162288	0.02	23596	3.54	10933399	0.24
चैन्नई	17895	2.72	8513730	0.22	371	4.84	332080	0.04	18266	2.74	8845810	0.19
दिल्ली	57801	8.78	2714441878	71.51	626	8.17	802587535	99.30	58427	8.77	3517029413	76.39
हैदराबाद	13427	2.04	13002112	0.34	153	2.00	135000	0.02	13580	2.04	13137112	0.29
कोलकत्ता	24626	3.74	12723817	0.34	230	3.00	204990	0.03	24856	3.73	12928807	0.28
मुम्बई	61910	9.40	819105608	21.58	456	5.95	362200	0.04	62366	9.36	819467808	17.80
एनसीआर अन्य	24050	3.65	15467444	0.41	174	2.27	153635	0.02	24224	3.64	15621079	0.33
अन्य	414834	63.00	193623649	5.10	5420	70.71	4275000	0.53	420254	63.09	197898649	4.30
कुल	658459	100.00	3795806800	100.00	7665	100	808240228	100	666124	100	4604047028	100

vi) दिनांक 31.03.2019 तक शेयरधारकों द्वारा मूर्त रुप में तथा डीमेट रुप में धारित शेयरों का विवरण:

क्र. सं.	विवरण	शेयरधारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	शेयरधारिता %
1.	मूर्त रुप में	7665	808240228	17.55
2.	डीमेट रूप मे	658459	3795806800	82.45
i)	जिनमें से एनएसडीएल	406091	1021199134	22.18
ii)	सीडीएसएल	252368	2774607666	60.27
	कुल (1+2)	666124	4604047028	100.00

वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने दिसंबर 2018 में पीएनबी-ईएसपीएस योजना के अंतर्गत बैंक के पात्र कर्मचारियों को कुल संचित रु 649,00,05,308.19 के रु. 69.93 प्रति शेयर (प्रति शेयर प्रति शेयर 17.98 रुपये की छूट सहित) (निर्गम की कीमत 71.93 रुपये प्रति शेयर) के प्रीमियम पर रु.9/- के अंकित मूल्य के 9,02,26,683 शेयर आवंटित किए।

इसके अतिरिक्त, बैंक ने वर्तमान वर्ष में भारत सरकार को अधिमानी आधार प्रीमियम पर अंकित मूल्य रु.2 के इक्विटी शेयरों की निम्नलिखित संख्या आवंटित की है:

इक्विटी शेयरों की संख्या	प्रति इक्विटि शेयर प्रीमियम (राशि रु. में)	प्रति इक्विटी शेयर निर्गम मूल्य (राशि रु. में)	राशि (रु. में)
31,29,93,219	87.97	89.97	2815,99,99,913.43
63,81,90,364	83.10	85.10	5430,99,99,976.40
80,20,63,535	71.66	73.66	5907,99,99,988.10

11.15 वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान बैंक ने कोई भी जीडीआर/एडीआर/वारंट अथवा कोई भी परिवर्तनीय विलेख जारी नहीं किया है तथा 31.03.2019 को कोई जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई परिवर्तनीय विलेख बकाया नहीं है।

11.16 कमोडिटी कीमत जोखिम शून्य है। विदेशी विनिमय जोखिम व हैजिंग से संबंधित गतिविधियां निम्नलिखित है:

- बोर्ड ने निवेश पॉलिसी को आईआरएमडी, मिड ऑफिस द्वारा बनाए गए प्रुडेंशियल दिशानिर्देश/बैंक के दिशानिर्देश के समानांतर अनुमोदित किया है जोकि विभिन्न सीमाओं की फिक्सिंग

v) Geographical spread of Shareholders as on 31.03.2019:

	ELECTRONIC				PHYSICAL				TOTAL			
CITY NAME	HOLDER	per %	SHARES	per%	HOLDER	Per%	SHARES	PER%	Holder	Per%	Share	Per%
AHMEDABAD	20505	3.11	8157451	0.22	50	0.65	27500	0.00	20555	3.09	8184951	0.18
BANGALORE	23411	3.56	10771111	0.28	185	2.41	162288	0.02	23596	3.54	10933399	0.24
CHENNAI	17895	2.72	8513730	0.22	371	4.84	332080	0.04	18266	2.74	8845810	0.19
DELHI	57801	8.78	2714441878	71.51	626	8.17	802587535	99.30	58427	8.77	3517029413	76.39
HYDERABAD	13427	2.04	13002112	0.34	153	2.00	135000	0.02	13580	2.04	13137112	0.29
KOLKATA	24626	3.74	12723817	0.34	230	3.00	204990	0.03	24856	3.73	12928807	0.28
MUMBAI	61910	9.40	819105608	21.58	456	5.95	362200	0.04	62366	9.36	819467808	17.80
NCR OTH	24050	3.65	15467444	0.41	174	2.27	153635	0.02	24224	3.64	15621079	0.33
OTHERS	414834	63.00	193623649	5.10	5420	70.71	4275000	0.53	420254	63.09	197898649	4.30
TOTAL	658459	100.00	3795806800	100.00	7665	100	808240228	100	666124	100	4604047028	100

vi) Details of shares held by the Shareholders in Physical & Dematerialized form as on 31.03.2019

S. No.	Particulars	No. of Shareholders	No. of Shares	% Shareholding
1.	Physical	7665	808240228	17.55
2.	Dematerialized	658459	3795806800	82.45
i)	of which, NSDL	406091	1021199134	22.18
ii)	CDSL	252368	2774607666	60.27
	Total (1+2)	666124	4604047028	100.00

During the Financial Year, Bank allotted 9,02,26,683 equity shares of the face value of Rs. 2/- each at a premium of Rs. 69.93 per share (including discount of Rs. 17.98 per equity share) (Issue price Rs. 71.93 per share) aggregating Rs. 649,00,05,308.19 to the eligible employees of the Bank under PNB-ESPS scheme in December 2018.

Further, Bank has allotted following number of equity shares of the face value Rs.2/- each at a premium to Government of India on preferential basis during the current year:

Number of Equity shares	Premium per equity share (Amt. in Rs.)	Issue Price per equity share (Amt. in Rs.)	Amount (Rs.)
31,29,93,219	87.97	89.97	2815,99,99,913.43
63,81,90,364	83.10	85.10	5430,99,99,976.40
80,20,63,535	71.66	73.66	5907,99,99,988.10

11.15 Bank has not issued any GDRs/ADRs/Warrants or any convertible instruments during the financial year 2018-19 and there are no outstanding GDRs/ADRs/Warrants or any convertible instruments as on 31.03.2019.

11.16 Commodity Price Risks are Nil. As regards foreign exchange risk and hedging activities:

- Board approved Investment Policy in line with prudential guidelines/Bank guidelines framed by Mid Office, Integrated Risk Management Division (IRMD) is in place which defines potential future

द्वारा कट लॉस/लाभ सीमाएं अपनाना (डीलर/करेंसी आधारित) ओवरनाईट/फारवर्ड ओपन स्थिति इत्यादि के संभावित भविष्य में होने वाली हानि को परिभाषित करता है। दिन के दौरान ओपन स्थिति के साथ डे लाईट ओपन स्थिति सीमा फिक्सिंग द्वारा विनिमय जोखिम बताता है। मध्यवती कार्यालय,आईआरएमडी द्वारा विभिन्न परिपक्वता अवधि में विदेशी मुद्रा नकदी प्रवाह में अंतर के कारण उत्पन्न विदेशी विनिमय जोखिम सीमाओं जैसे आईजीएल, एजीएल और वीएआर की सीमा निर्धारित व उनकी निगरानी की जाती है।

- सभी मर्चेंट आधारित लेनदेन में (आयात/निर्यात/आवक प्रेषण/जावक प्रेषण) अंतर बैंक बाज़ार में ओटीसी व्युत्पन्नी (स्वैप व फॉरवार्ड) के माध्यम से रक्षित किए जाते हैं।
- एफसीएनआर/इइएफसी/आरएफसी के माध्यम से सृजित यूएसडी निधि स्वाभाविक रूप से उसी मुद्रा में निधियों का आगमन और उसी मुद्रा में निधियों का बहिर्गमन रक्षित होता है। यूएसडी के अलावा उपर्युक्त जमाएं मुद्रा स्वैप तंत्र के माध्यम से यूएसडी में परिवर्तित होती हैं और घाटे में ली गई स्वैप लागत को पश्चात पश्चात लाभ में प्रदर्शित किया जाता है।
- बैंक के पास एक सुदृढ़ व सुपरिभाषित एमआइएस है जिसके माध्यम से दैनिक गतिविधियों के प्रत्येक दिन सभी स्तर पर उच्च प्रबन्धन के समक्ष रखे जाते हैं। इसे मध्यवर्ती कार्यालय आईआरएमडी द्वारा बनाई गई बोर्ड द्वारा अनुमोदित निवेश नीति में परिभाषित किया गया है।

11.17 प्लांट का स्थान: लागू नहीं

11.18 इक्विटि संबंधी मामलों में पत्राचार हेतु पता:

कम्पनी सचिव
पंजाब नैशनल बैंक
शेयर विभाग, वित्त प्रभाग
प्रथम तल, पूर्व विंग, प्लॉट सं.4, सेक्टर-10,
द्वारका, नई दिल्ली-110075
दूरभाष सं. 011- 28044866
ई-मेल : **hosd@pnb.co.in**

11.19 ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली: बैंक ने शेयरधारकों के ऑनलाइन प्रश्नों/शिकायत/शिकायतों की समाधान प्रणाली उपलब्ध कराई है जिससे शेयरधारकों की प्रश्नों/शिकायतों के समाधान संबंधी पत्रचार में लगने वाले समय को कम किया जा सके। नई प्रणाली के अंतर्गत शेयरधारक हमारी वेबसाईट www.pnbindia.in पर उपलब्ध कराए गए पोर्टल के माध्यम से Investorinfo>others>Online shareholder queries/request/grievances के अंतर्गत अपनी पूछताछ/शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शेयरधारक दर्ज करने की तिथि से लेकर उसके निपटान की तिथि तक शिकायत की स्थिति को देख सकते हैं।

11.20 सचिवालयिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट:

वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए सचिवालयिक लेखापरीक्षा आयोजित करने के लिए, बैंक ने मैसर्स आशु गुप्ता एंड कंपनी (व्यावसायिक कंपनी सचिव, नई दिल्ली) को नियुक्त किया था। सचिवालयिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट कॉरपोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

losses by fixing various limits such as cut loss/take profit limits (Dealer wise/Currency wise), Overnight/forward open positions etc. Exchange risk associated with intraday open position is also addressed by fixing Daylight Open Position limit. Foreign Exchange risk arising due to mismatch of foreign currency cash flow in different maturity buckets are addressed by limits such as IGL, AGL and VaR fixed and monitored by Mid Office, IRMD.

- All merchant (Export/Import/Inward remittance/Outward remittance) based transactions are hedged through OTC derivatives (swap and forward) in Interbank market.
- USD funds generated through FCNR/EEFC/RFC are naturally hedged as inflow and outflow of fund takes place in the same currency. Aforesaid deposits other than USD are converted into USD through currency swap mechanism and deployed profitably after taking swap cost into account.
- Bank has a robust and well defined MIS through which daily activities are placed before Top Management at all levels every day. The same has been defined in Board approved Investment Policy framed by Mid Office, IRMD.

11.17 Plant Location: NA

11.18 Address for Correspondence in respect of equity related issues:

The Company Secretary
Punjab National Bank
Share Department, Finance Division
1st Floor, East Wing, Plot No.4, Sector-10,
Dwarka, New Delhi - 110075
Tel. No. 011- 28044866
e-mail : hosd@pnb.co.in

11.19 Online grievance redressal system: The Bank has made available an online query/grievance/complaint redressal system for reducing the time period involved in correspondence in resolving the shareholders' queries/grievances. Under the new system the shareholder may log in their query/complaint through the portal provided in our website www.pnbindia.in under Investor info > others > Online Shareholder queries/requests/grievances. The shareholder will be able to view status of the reference from the date of lodging till its resolution.

11.20 Secretarial Audit Report

For conducting the Secretarial Audit for the FY 2018-19, the Bank had appointed M/s Ashu Gupta & Co. (Practicing Company Secretary, New Delhi). The secretarial audit report is annexed to the corporate governance report.

11.21. संशोधन के साथ सभी क्रेडिट रेटिंग की सूची:

क. सावधि जमा को छोड़कर सभी घरेलू ऋण साधनों के लिए वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक द्वारा प्राप्त क्रेडिट रेटिंग का विवरण

क्र.सं.	साधन	श्रृंखला	आईएसआईएन	केयर			ईकरा			इण्डिया रेटिंग			ब्रिकवार्क		क्रिसिल		
				01.04.2018	23.05.2018	19.02.2019	01.04.2018	22.05.2018	13.03.2019	01.04.2018	25.04.2018	18.05.2018	01.04.2018	17.12.2018	01.04.2018	16.05.2018	20.12.2018
1	एटी-1	श्रृंखला VII	INE160A08076	AA-/CWDI	A+/Neg	A+/Neg				AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg					
2	एटी-1	श्रृंखला VIII	INE160A08100							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
3	एटी-1	श्रृंखला IX	INE160A08118							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
4	एटी-1	श्रृंखला X	INE160A08126							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
5	एटी-1	श्रृंखला XI	INE160A08134							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
6	दीर्घावधि बॉन्ड	श्रृंखला 1	INE160A08068	AA+/CWDI	AA/Neg	AA/Neg				AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg					
7	दीर्घावधि बॉन्ड	श्रृंखला 2	INE160A08084	AA+/CWDI	AA/Neg	AA/Neg	AA+/@	AA-/Neg	AA-/Stable						AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
8	स्थाई टीयर -I	श्रृंखला V	INE160A09280	AA+/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg							AA+/CWDI	AA+/Neg	AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
9	स्थाई टीयर -I	श्रृंखला VI	INE160A09314	AA+/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg							AA+/CWDI	AA+/Neg	AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
10	टीयर -II बेसल -III	श्रृंखला XIV	INE160A08019				AA+/Hyb@	AA-/Hyb Neg	AA-/Hyb Stable						AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
11	टीयर -II बेसल -III	श्रृंखला XV	INE160A08027								AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
12	टीयर -II बेसल -III	श्रृंखला XVI	INE160A08035							AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
13	टीयर -II बेसल -III	श्रृंखला XVII	INE160A08043							AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
14	टीयर -II बेसल -III	श्रृंखला XVIII	INE160A08050							AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
15	टीयर -II बेसल -III	श्रृंखला XIX	INE160A08092	AA+/CWDI	AA/Neg	AA/Neg				AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg					
16	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला VIII	INE160A09264	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
17	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला IX	INE160A09272	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
18	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला X	INE160A09298	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
19	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला XI	INE160A09306	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
20	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला XII	INE160A09322	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
21	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला V	INE160A09223	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
22	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला VI	INE160A09231	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
23	स्थाईटीयर -I	श्रृंखला IV	INE160A09249	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
24	उच्चतर टीयर II	श्रृंखला VII	INE160A09256	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
25	जमा प्रमाणपत्र			A1+/CWDI	A1+	A1+	A1+	A1+	A1+								

@ नकारात्मक प्रभाव के साथ रेटिंग पर निगरानी

सीडब्लूडीआय: विकासशील प्रभाव के साथ क्रेडिट रेटिंग पर निगरानी:

नोट: रुपये 3000 करोड़ का एटी -1 के लिए क्रिसिल रेटिंग एए-/ स्थिर।

कृते पंजाब नैशनल बैंक

(सुनील मेहता)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 28.05.2019

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

11.21. List of all credit ratings along with revisions thereto

a. Details of Credit Rating obtained by the bank during the financial year for all domestic debt instrument except fixed deposit

Sr. No.	Instrument	Series	ISIN	CARE			ICRA			INDIA RATING			BRICKWORK		CRISIL		
				01.04.2018	23.05.2018	19.02.2019	01.04.2018	22.05.2018	13.03.2019	01.04.2018	25.04.2018	18.05.2018	01.04.2018	17.12.2018	01.04.2018	16.05.2018	20.12.2018
1	**AT-1**	Series VII	INE160A08076	AA-/CWDI	A+/Neg	A+/Neg				AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg					
2	**AT-1**	Series VIII	INE160A08100							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
3	**AT-1**	Series IX	INE160A08118							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
4	**AT-1**	Series X	INE160A08126							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
5	**AT-1**	Series XI	INE160A08134							AA+/RWN	AA+/RWN	A+/Neg	AA/CWDI	AA/Neg			
6	**Long Term Bond**	Series 1	INE160A08068	AA+/CWDI	AA/Neg	AA/Neg				AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg					
7	**Long Term Bond**	Series 2	INE160A08084	AA+/CWDI	AA/Neg	AA/Neg	AA+/@	AA-/Neg	AA-/Stable						AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
8	**Perpetual Tier - I**	Series V	INE160A09280	AA+/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg							AA+/CWDI	AA+/Neg	AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
9	**Perpetual Tier - I**	Series VI	INE160A09314	AA+/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg							AA+/CWDI	AA+/Neg	AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
10	**Tier II Basel - III**	Series XIV	INE160A08019				AA+/Hyb@	AA-/Hyb Neg	AA-/Hyb Stable						AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
11	**Tier II Basel - III**	Series XV	INE160A08027								AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
12	**Tier II Basel - III**	Series XVI	INE160A08035							AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
13	**Tier II Basel - III**	Series XVII	INE160A08043							AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
14	**Tier II Basel - III**	Series XVIII	INE160A08050							AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg			AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
15	**Tier II Basel - III**	Series XIX	INE160A08092	AA+/CWDI	AA/Neg	AA/Neg				AAA/RWN	AAA/RWN	AA+/Neg					
16	**Upper Tier II**	Series VIII	INE160A09264	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
17	**Upper Tier II**	Series IX	INE160A09272	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
18	**Upper Tier II**	Series X	INE160A09298	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
19	**Upper Tier II**	Series XI	INE160A09306	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
20	**Upper Tier II**	Series XII	INE160A09322	AA/CWDI	AA-/Neg	AA-/Neg									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
21	**Upper Tier II**	Series V	INE160A09223	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
22	**Upper Tier II**	Series VI	INE160A09231	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
23	**Perpetual Tier - I**	Series IV	INE160A09249	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
24	**Upper Tier II**	Series VII	INE160A09256	AA/CWDI	AA-/Neg	Withdrawn									AAA/Watch Developing	AAA/ watch Neg	AA+/Stable
25	**Certicate Of Deposit**			A1+/CWDI	A1+	A1+	A1+	A1+	A1+								

@ Ratings on Watch with Negative Implication

CWDI: Credit watch with Developing Implications;

Note:CRISIL rating AA-/stable for AT -1 of Rs. 3000 Cr

For Punjab National Bank

Place: New Delhi

Date: 28.05.2019

(Sunil Mehta)

Managing Director& CEO

घोषणा

सेबी (एलओडीआर) विनियमन 2015 की अनुसूची V (डी) के अनुसार

बैंक ने सभी बोर्ड सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन वर्ग के अधिकारियों के लिए आचार संहिता तैयार की है जिसे बैंक की वेब-साइट https://www.pnbindia.in/Model-code-of-conduct.html पर दर्शाया गया है।

बोर्ड के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन ने खण्ड26 (3) के साथ आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

कृते पंजाब नैशनल बैंक

(सुनील मेहता)

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 28.05.2019

Declaration

(As per Schedule V (D) of the SEBI (LODR) Regulations, 2015)

The Bank has laid down a Code of Conduct for all the Board Members and Senior Management Personnel of the Bank, which is posted on the website of the Bank i.e. https://www.pnbindia.in/model-code-of-conduct.html

The Board Members and Senior Management have affirmed compliance to the Code of Conduct in accordance with Clause 26 (3).

For Punjab National Bank

Place: New Delhi

Date: 28.05.2019

(Sunil Mehta)

Managing Director & CEO

फॉर्म संख्या–एमआर – 3

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

सेबी की विनियमन 24 ए (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) 2015 के अनुवर्ती

प्रिय,
सदस्यगण,
पंजाब नैशनल बैंक
प्रधान कार्यालय: प्लॉट सं.– 4,
सेक्टर – 10, द्वारका,
नई दिल्ली – 110075

हमने पंजाब नैशनल बैंक (बाद में "बैंक" कहा जाता है) द्वारा किए गए अच्छे कॉर्पोरेट कार्यों का पालन और लागू संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन का सचिवीय ऑडिट किया है। सचिवीय ऑडिट इस तरीके से किया गया था कि इससे हमें कॉरपोरेट आचरण/ संवैधानिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने का उचित आधार मिला।

सचिवीय ऑडिट के संचालन के दौरान बैंक बुक्स, कागजात, मिनट बुक्स, फॉर्म्स एवं दाखिल किए गए रिटर्न्स और बैंक द्वारा रखरखाव किए गए रिकॉर्ड के सत्यापन तथा बैंक, इनके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा भी उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर, हम इसके माध्यम से रिपोर्ट करते है कि हमारी राय में, बैंक ने 31 मार्च, 2019 ('ऑडिट अवधि') को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष को कवर करने के लिए ऑडिट की अवधि के दौरान, यहां सूचीबद्ध संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह भी कि बैंक के पास उचित बोर्ड प्रक्रियाएं और एक विस्तार क्षेत्र की अनुपालन– व्यवस्था हैं, जो इस तरीके से और यहॉं की गई रिपोर्टिंग के अधीन है।

हमने 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए बैंक द्वारा बनाए गए बुक्स, कागजात, मिनट बुक्स, फार्म्स एवं दाखिल किया गया रिटर्न्स और बैंक द्वारा रखरखाव किए गए अन्य रिकॉर्ड की जांच निम्न प्रावधान के अनुसार की है:

(i) कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') और इसके तहत बनाए गए नियम((बैंक पर लागू नहीं है, क्योंकि बैंक कंपनी अधिनियम, 1956/2013 के प्रावधानों के तहत निगमित कंपनी नहीं है);

(ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('SCRA') और इसके तहत बनाए गए नियम;

(iii) निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उसके तहत बनाए गए विनियम और उपनियम;

(iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्र–पाटीय प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक ऋणों की सीमा के तहत बनाए गए नियम और कानून;

(v) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के तहत निर्धारित विनियम और दिशानिर्देश अर्थात:–

(ए) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011;

Form No. MR-3

SECRETARIAL AUDIT REPORT

For the financial year ended 31st March, 2019

(Pursuant to Regulation 24A of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) 2015

To,
The Members,
PUNJAB NATIONAL BANK,
Head Office: Plot No. 4,
Sector 10, Dwarka,
New Delhi–110075

We have conducted the Secretarial Audit of the compliance of applicable statutory provisions and the adherence to good corporate practices by PUNJAB NATIONAL BANK (hereinafter called "the Bank"). Secretarial Audit was conducted in a manner that provided us a reasonable basis for evaluating the corporate conducts/ statutory compliances and expressing our opinion thereon.

Based on our verification of the Bank's books, papers, minute books, forms and returns filed and other records maintained by the Bank and also the information provided by the Bank, its officers, agents and authorized representatives during the conduct of Secretarial Audit, we hereby report that in our opinion, the Bank has during the audit period covering the Financial Year ended on 31st March, 2019 ('Audit Period'), complied with the statutory provisions listed hereunder and also that the Bank has proper Board-processes and compliance-mechanism in place to the extent, in the manner and subject to the reporting made hereinafter.

We have examined the books, papers, minute books, forms and returns filed and other records maintained by the Bank for the financial year ended on 31st March, 2019 according to the provisions of:

(i) The Companies Act, 2013 ('the Act') and the rules made there under; (Not applicable to the Bank, as the Bank is not a company incorporated under the provisions of Companies Act, 1956/2013);

(ii) The Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 ('SCRA') and the rules made there under;

(iii) The Depositories Act, 1996 and the Regulations and Bye-laws framed there under;

(iv) Foreign Exchange Management Act, 1999 and the rules and regulations made there under to the extent of Foreign Direct Investment, Overseas Direct Investment and External Commercial Borrowings;

(v) The Regulations and Guidelines prescribed under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 ('SEBI Act') viz.:-

(a) The Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;

(बी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 ;

(सी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2018;

(डी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना और कर्मचारी स्टॉक खरीद योजना) दिशानिर्देश, 1999; और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ) विनियम, 2014;

(ई) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीबद्धता) विनियम, 2008; (ऑडिट अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं)

(एफ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (निर्गम रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता) विनियम, 1993 कंपनी अधिनियम और ग्राहक के साथ व्यवहार से संबंधित; (ऑडिट अवधि के दौरान बैंक पर लागू नही)

(जी) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, 2009; (ऑडिट अवधि के दौरान बैंक पर लागू नही)

(एच) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड [प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना (बाय-बैक)] विनियम, 2018; (लेखापरीक्षा अवधि के दौरान बैंक पर लागू नहीं है)

(आई) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

(जे) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड [अपने ग्राहक को जानिये (केवाईसी) संबंधी रजिस्ट्रीकरण एजेंसी] विनियम, 2011

iv) मैं आगे रिपोर्ट करती हूं कि, बैंक में प्रचलित अनुपालन प्रणाली के संबंध में और परीक्षण-जांच के आधार पर संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच के बाद, बैंक ने विशेष रूप से बैंक में लागू निम्नलिखित कानूनों का अनुपालन किया है:

(ए) पूंजी बाजार मध्यस्थों के लिए सेबी द्वारा जारी दिशानिर्देश, विनियम

(बी) भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए नियम, विनियम और दिशानिर्देश;

(सी) बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970;

(डी) बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949;

(ई) राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1970;

(एफ) पंजाब नैशनल बैंक (शेयर और बैठकें) विनियम, 2000;

हमने निम्नलिखित लागू खंड के साथ अनुपालन की भी जांच की है:

(i) इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा जारी सचिवीय मानक। (बैंक पर लागू नहीं है, क्योंकि बैंक कंपनी अधिनियम, 1956/2013 के प्रावधानों के तहत शामिल निगमित कंपनी नहीं है)

(b) The Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015;

(c) The Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018;

(d) The Securities and Exchange Board of India (Employee Stock Option Scheme and Employee Stock Purchase Scheme) Guidelines, 1999; and The Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014;

(e) The Securities and Exchange Board of India (Issue and Listing of Debt Securities) Regulations, 2008; (Not applicable to the Bank during the audit period)

(f) The Securities and Exchange Board of India (Registrars to an Issue and Share Transfer Agents) Regulations, 1993 regarding the Companies Act and dealing with client; (Not applicable to the Bank during the audit period)

(g) The Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2009; (Not applicable to the Bank during the audit period)

(h) The Securities and Exchange Board of India (Buyback of Securities) Regulations, 2018; (Not applicable to the Bank during the audit period)

(i) Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018;

(j) Securities and Exchange Board of India {KYC (Know Your Client) Registration Agency} Regulations, 2011;

(vi) I further report that, having regards to the compliance system prevailing in the Bank and on examination of the relevant documents and records in pursuance thereof on test-check basis, the bank has compiled with the following laws applicable specifically to the Bank:

(a) Guidelines, regulations issued by SEBI as applicable to capital market intermediaries;

(b) Reserve Bank of India Act, 1934, Rules, Regulations and Guidelines issued by the Reserve Bank of India;

(c) Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970;

(d) The Banking Regulation Act, 1949;

(e) The Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970;

(f) Punjab National Bank (Shares & Meetings) Regulations, 2000

We have also examined compliance with the applicable clauses of the following:

(i) Secretarial Standards issued by The Institute of Company Secretaries of India. (Not applicable to the Bank, as the Bank is not a company incorporated under the provisions of Companies Act, 1956/2013)

(ii) सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 और शेयर बाजारों के साथ बैंक द्वारा किया गया सूचीकरण समझौता।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान और सूचना, स्पष्टीकरण और प्रबंधन प्रतिनिधित्व के आधार पर,बैंक ने ऊपर उल्लिखित अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के प्रावधानों का पर्याप्त रूप से निम्नानुसार उल्लिखित के अलावा अनुपालन किया है,:

ए) 28.03.2019 को 80,20,63,535 शेयरों के अधिमानी आबंटन से प्रमोटर की धारिता 75.41% तक जाने के बाद सूचीबद्ध इकाई में न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी 25% से नीचे गिर गई। हालांकि सेबी ने अपने छूट आदेश संख्या (एस) डब्ल्यूटीएम/ जीएम/ सीएफडी/ 103/ 2018-19 दिनांक 27/03/2019 के माध्यम से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19A (2) के तहत अनुमत समय के भीतर विनिर्दिष्ट स्तर पर बैंक को गैर-सार्वजनिक शेयरधारिता को नीचे लाना आवश्यक है।

बी) बैंकिंग कंपनियों (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण)अधिनियम, 1970, की धारा 9 (3) (ई) और (एफ) के संदर्भ में बैंक में 2 (दो) कर्मचारी निदेशक होने चाहिए, बैंक में इसका अनुपालन नहीं किया जा सका। प्रबंधन से प्राप्त अभ्यावेदन के अनुसार केंद्र सरकार ने उपयुक्त कर्मचारी निदेशकों की स्थितियों के सबंध में कोई नामांकन नहीं किया है।

हम आगे सूचित करते हैं कि

बैंक कंपनी अधिनियम, 1956/2013 के प्रावधानों के अंतर्गत निगमित कंपनी नहीं है, और कॉरपोरेट गवर्नेंस और बोर्ड की संरचना हेतु तथा बैंक पर लागू होने से संबंधित प्रावधान बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 में राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1970 के साथ दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, सेबी (एलओडीआर) के विनियमन 15 (2), 2015 के अनुसार संरचना के सन्दर्भ में आवश्यकताएं और सेबी (एलओडीआर), 2015 में वर्णित कुछ अन्य कॉर्पोरेट गवर्नेंस प्रावधान, बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 के साथ राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1970 और संबंधित प्राधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों या निर्देशों के साथ बैंक पर लागू नहीं होते हैं।

इन पूर्वोक्त कानूनों के संदर्भ में बोर्ड का विधिवत गठन किया गया है और बैंक के पास कार्यकारी निदेशक, गैर-कार्यकारी निदेशक और शेयरधारक निदेशक (पीएनबी (शेयर और बैठकें) विनियम, 2000 के प्रावधान के अध्याय V के संदर्भ में नियुक्त) का समुचित संतुलन है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन पूर्वोक्त कानूनों के प्रावधानों के अनुपालन में किया गया था।

सभी निदेशकों को बोर्ड की बैठकों को निर्धारित करने के लिए पर्याप्त नोटिस दिया जाता है, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन और विविध प्रावधान) योजना, 1970 के अंतर्गत अग्रिम रूप से कम से कम पंद्रह दिन पहले नोटिस भेजे गए है (जैसा कि खंड 12 (3) के अंतर्गत आवश्यक है) और बैठक से पहले कार्यसूची की मदों पर अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा बैठक में सार्थक

(ii) SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirement) Regulations, 2015 and the Listing Agreements entered into by the Bank with the Stock Exchanges.

During the period under review and based on the information, explanations and management representation, the Bank has substantially complied with the provisions of the Act, Rules, Regulations, Guidelines, Standards, etc. mentioned above except to the extent as mentioned below:

a) Minimum public shareholding in the listed entity fell below 25% as the holding of Promoter's went upto 75.41% by the preferential allotment of 80,20,63,535 shares on 28.03.2019 however SEBI had vide its exemption Order No.(s) WTM/GM/CFD/103/2018-19 dated 27/03/2019 required the Bank to bring down the non-public shareholding to the level as specified and within the time permitted under Rule 19A (2) of Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957

b) In terms of Section 9 (3) (e) & (f) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970, the Bank was required to have 2 (Two) employee directors, the Bank could not comply with the same. As per the management representation received, the Central Government has not made any nominations w.r.t. to the aforesaid positions of the employee directors.

We further report that

The Bank is not a company incorporated under the provisions of Companies Act, 1956 / 2013, and the provisions relating to Corporate Governance and composition of Board for and as applicable to the Bank are provided in Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with The Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970.

Further, as per Regulation 15(2) of SEBI (LODR), 2015 the requirements w.r.t. composition and certain other Corporate Governance provisions as stated in SEBI (LODR), 2015, do not apply on the Bank, to the extent they contradict with the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with The Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 and guidelines or directives issued by the relevant authorities.

In terms of these aforesaid laws the Board is duly constituted and the Bank has a proper balance of Executive Directors, Non-Executive Directors and Shareholder Director (appointed in terms of Chapter V of provision of PNB (Shares & Meetings) Regulations, 2000). The changes in the composition of the Board of Directors that took place during the period under review were carried out in compliance with the provisions of the aforesaid laws.

Adequate notice is given to all directors to schedule the Board meetings, notices were sent ordinarily at least fifteen days in advance (as required under clause 12(3) of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970) and a system exists for seeking and obtaining further

भागीदारी हेतु एक प्रणाली विद्यमान है।

बोर्ड या समिति की बैठकों में निर्णय सर्वसम्मति से किए गए थे जैसा कि निदेशक मंडल या समितियों के बोर्ड की बैठकों के कार्यवृत्तों में दर्ज किया गया है।

बैंक द्वारा स्थापित अनुपालन तंत्र के आधार पर और पूर्व में लागू किए गए बैंक के सभी प्रभावी कानूनों से संबंधित अनुपालन रिपोर्टों की आवधिक समीक्षा के आधार पर तथा बैंक के बोर्ड द्वारा दी गई टिप्पणी के आधार पर हमारा विचार यह है कि बैंक में लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और उन्हें सुनिश्चित करने के लिए बैंक के आकार और संचालन के अनुरूप प्रबंधन के पास पर्याप्त व्यवस्थाएं और प्रक्रियाएं हैं।

हम आगे सूचित करते हैं कि ऑडिट अवधि के दौरान:

1. बैंक द्वारा रु.87.97 प्रति शेयर प्रीमियम पर पुर्णतः चुकता अंकित मूल्य रु.2/- प्रत्येक के 312993219 इक्विटी शेयर, जिनकी कुल राशि रु. 2816 करोड़ (दो हजार आठ सौ सोलह करोड़ मात्र) अधिमानी आधार पर भारत सरकार को जारी एवं आवंटित किए गए।

2. बैंक द्वारा रु. 83.10 प्रति शेयर प्रीमियम पर पुर्णतः चुकता अंकित मूल्य रु.2/- प्रत्येक के 638190364 इक्विटी शेयर, जिनकी कुल राशि रु.5431 करोड़ (पांच हजार चार सौ इकत्तीस करोड़ मात्र) अधिमानी आधार पर भारत सरकार को जारी एवं आवंटित किए गए।

3. बैंक की पीएनबी-ईएसपीएस योजना के तहत बैंक के कर्मचारी को रु. 69.93 प्रति (प्रति शेयर 17.98 रुपये की छूट सहित) शेयर प्रीमियम पर पुर्णतः चुकता अंकित मूल्य रु.2/- प्रत्येक के 90226683 इक्विटी शेयर, जिनकी कुल राशि रु.649 करोड़ (छह सौ उनचास करोड़ मात्र) जारी एवं आवंटित किए गए।

4. बैंक द्वारा रु.71.66 प्रति शेयर प्रीमियम पर पुर्णतः चुकता अंकित मूल्य रु.2/- प्रत्येक के 802063535 इक्विटी शेयर, जिनकी कुल राशि रु. 5908 करोड़ (पांच हजार नौ सौ आठ करोड़ मात्र) अधिमानी आधार पर भारत सरकार को जारी एवं आवंटित किए गए।

5. इसके प्रमोटर (भारत सरकार) की ओर से बैंक ने आवेदन किया था और सेबी ने अपने आदेश क्रमांक (कों) डब्ल्यूटीएम/जीएम/सीएफडी/103/2018-19 दिनांक 27/03/2019 और डब्ल्यूटीएम/ जीएम/सीएफडी/70/2018-2019 दिनांक 30/10/2018 को सेबी अधिनियम की धारा 11 (1) और धारा 11 (2) (एच) के तहत, सेबी के विनियमन 11 (5) के साथ पढे (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011, सेबी के विनियमन 3 (2) और शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण (2011) के तहत खुली पेशकश करने की आवश्यकता से छूट प्रदान की गई है।

6. आरबीआई ने दिनांक 01.02.2019 के आदेश के माध्यम से निधियों के अंतिम उपयोग की निगरानी, अन्य बैंकों के साथ सूचना को साझा करने और खातों के पुनर्गठन पर आरबीआई द्वारा जारी विभिन्न दिशा-निर्देशों का अनुपालन न करने पर रू.10 मिलियन (दस मिलियन रुपए) रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है।

information and clarifications on the agenda items before the meeting and for meaningful participation at the meeting.

Decisions at the Board or Committee Meetings were carried out unanimously as recorded in the minutes of the meetings of the Board of Directors or Committees of the Board.

Based on the compliance mechanism established by the Bank and on the basis of periodical review of compliance reports pertaining to all applicable laws to the Bank laid before and taken note by the Board of the Bank, we are of the opinion that the management has adequate systems and processes in the Bank commensurate with the size and operations of the Bank to monitor and ensure compliance with applicable laws, rules, regulations and guidelines.

We further report that during the audit period:

1. The Bank has issued and allotted 312993219 Equity Shares of face value of Rs. 2/- each fully paid at a premium of Rs. 87.97 per share amounting up to Rs. 2816 Crore (Rupees Two thousand Eight Hundred Sixteen Crore only) to Government of India on preferential basis.
2. The Bank has issued and allotted 638190364 Equity Shares of face value of Rs. 2/- each fully paid at a premium of Rs. 83.10 per share amounting up to Rs. 5431 Crore (Rupees Five Thousand Four Hundred Thirty One Crore only) to Government of India on preferential basis.
3. The Bank has issued and allotted 90226683 Equity Shares of face value of Rs. 2/- each fully paid at a premium of Rs. 69.93 per share (including discount of Rs. 17.98 per share) amounting to Rs. 649 Crore (Rupees Six Hundred Forty Nine Crore only) to the Employees of the Bank under PNB-ESPS scheme of the Bank.
4. The Bank issued and allotted 802063535 Equity Shares of face value of Rs. 2/- each fully paid at a premium of Rs. 71.66 per share amounting up to Rs. 5908 Crore (Rupees Five Thousand Nine Hundred Eight Crore only) to Government of India on preferential basis.
5. On behalf of its promoter (Government of India) the Bank had applied for and SEBI had vide its Order No.(s) WTM/GM/CFD/103/2018-19 dated 27/03/2019 and WTM/GM/CFD/70/2018–2019 dated 30/10/2018 under Section 11(1) and Section 11(2)(h) of SEBI Act, 1992 read with Regulation 11(5) of SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, granted exemption from the requirement of making open offer under Regulation 3(2) of the SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011.
6. RBI vide order dated 01.02.2019 has imposed a monetary penalty of Rs. 10 million (Rupees Ten Million) on observance of non-compliance with various directions issued by RBI on monitoring of end use of funds, exchange of information with other banks and on restructuring of accounts.

7. आरबीआई ने दिनांक 25.02.2019 के आदेश के माध्यम से स्विफ्ट से संबंधित परिचालन नियंत्रणों के कार्यान्वयन से संबंधित निर्देशों का अनुपालन न करने पर रू.20 मिलियन (बीस मिलियन रुपए) रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है।

7. RBI vide order dated 25.02.2019 has imposed a monetary penalty of Rs. 20 million (Rupees Twenty Million) on observance of non-compliances with directions related to implementation of SWIFT related operational controls.

कृते आशु गुप्ता एंड कंपनी
कंपनी सचिव

आशु गुप्ता
(प्रोप.)
एफसीएस सं.: 4123
सी.पी.सं.: 6646

For Ashu Gupta & Co.
Company Secretaries

Ashu Gupta
(Prop.)
FCS No.: 4123
CP NO.: 6646

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27.05.2019

Place: New Delhi
Date: 27.05.2019

नोट: इस रिपोर्ट को हमारे सम तिथि के पत्र के साथ पढ़ा जाना है जो अनुलग्नक ए के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का अभिन्न अंग है।

Note: This Report is to be read with our letter of even date which is annexed as Annexure A and forms integral part of this Report.

अनुलग्नक-ए

सदस्य,
पंजाब नैशनल बैंक,
प्रधान कार्यालय: प्लॉट सं.4
सेक्टर 10, द्वारका,
नई दिल्ली –110075

सम तिथि पर हमारी रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाएं।

1. बैंक के प्रबंधन की यह जिम्मेदारी है कि वे सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव रखें। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर इन सचिवीय रिकॉर्ड पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

2. हमने लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं एवं प्रथाओं का पालन किया है जो सचिवीय रिकॉर्ड की विषयवस्तु की सत्यता के संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त थे। सत्यापन जांच के आधार पर किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित हो रहे हों। हम मानते हैं कि हमारे द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रियाएं एवं प्रथाएं, हमें अपनी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करता है।

3. हमने वित्तीय रिकॉर्ड की सत्यता तथा उपयुक्तता एवं कंपनी के खाता–बहियों का सत्यापन नहीं किया है।

4. जहां कहाँ भी आवश्यक हुआ, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों तथा घटनाओं के घटित होने आदि के अनुपालन संबंध में हमने प्रबंधन प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।

5. कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। जाँच के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन पर हमारा परीक्षण सीमित था।

6. सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट न तो बैंक की भविष्य की व्यवहार्यता के लिए एक दिया गया आश्वासन है और न ही दक्षता या प्रभावशीलता, जिसके लिए प्रबंधन ने बैंक के मामले संचालित किए हैं।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 27.05.2019

कृते **आशु गुप्ता एंड कं.**
कंपनी सचिव

आशु गुप्ता
(प्रोप.)
एफसीएस सं.: 4123
सी.पी.सं.: 6646

Annexure-A

The Members,

PUNJAB NATIONAL BANK,

Head Office: Plot No. 4

Sector 10, Dwarka,

NEW DELHI–110075

Our Report of even date is to be read along with this letter.

1. Maintenance of secretarial record is the responsibility of the management of the Bank. Our responsibility is to express an opinion on these secretarial records based on our audit.
2. We have followed the audit practices and processes as were appropriate to obtain reasonable assurance about the correctness of the contents of the secretarial records. The verification was done on test basis to ensure that correct facts are reflected in secretarial records. We believe that the processes and practices, we followed provide a reasonable basis for our opinion.
3. We have not verified the correctness and appropriateness of financial records and Books of Accounts of the company.
4. Wherever required, we have obtained the management representation about the compliance of laws, rules and regulations and happening of events etc.
5. The compliance of the provisions of Corporate and other applicable laws, rules, regulations, standards is the responsibility of the management. Our examination was limited to the verification of procedures on test basis.
6. The Secretarial Audit Report is neither an assurance as to the future viability of the Bank nor of the efficiency or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Bank.

Place: New Delhi
Date: 27.05.2019

For **Ashu Gupta & Co.**
Company Secretaries

Ashu Gupta
(Prop.)

FCS No. : 4123
C.P. NO.: 6646

निदेशकों की गैर-अयोग्यता का प्रमाणपत्र

{भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड [सूचीबद्ध बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं] 2015 के
विनियम 34(3) और अनुसूची V अनुच्छेद C खंड (10)(i) के अनुसरण में}

सेवा में,
सदस्यगण
पंजाब नैशनल बैंक
प्रधान कार्यालय : प्लॉट सं. 4
सेक्टर 10, द्वारका,
नई दिल्ली - 110075

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्ध बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) 2015 के विनियम 34(3) और अनुसूची V अनुच्छेद C खंड (10)(i) के अनुसार हमने पंजाब नैशनल बैंक (इसके बाद 'बैंक' के रूप में संदर्भित) जिसका प्रधान कार्यालय प्लॉट नंबर 4 सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली- 110075 में अवस्थित है, के निदेशकों से प्राप्त प्रासंगिक रजिस्टर, रिकार्ड, फॉर्म, रिटर्न और प्रकटीकरण की जांच की है, जिसे बैंक द्वारा हमारे समक्ष यह प्रमाणपत्र जारी किए जाने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया था ।

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार और आवश्यक सत्यापन (पोर्टल www.mca.gov.in पर निदेशकों की पहचान संख्या (डीआईएन सहित), जहां कहीं भी लागू हो) और बैंक तथा इसके अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण के अनुसार, एतद्वारा हम प्रमाणित करते हैं कि 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए बैंक के बोर्ड के निम्नलिखित निदेशकों में से किसी को भी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय, या किसी अन्य वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनियों के निदेशक के रूप में नियुक्त होने या बनाए रखने से नहीं रोका गया है या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है :

क्र. सं.	निदेशक का नाम	डीआईएन	नियुक्ति की तिथि
1	श्री सुनील मेहता	07430460	05.05.2017
2	श्री लिंगम वेंकट प्रभाकर	08110715	01.03.2018
3	श्री अज्ञेय कुमार आजाद	*लागू नहीं	22.01.2019
4	श्री रवि मितल	06507252	04.07.2017
5	डॉ. रबी एन मिश्रा	* लागू नहीं	26.04.2016
6	श्री महेश बाबू गुप्ता	00014313	26.07.2016
7	श्री सुनील मेहता	00065343	16.03.2017
8	श्री संजय वर्मा	* लागू नहीं	15.06.2017
9	डॉ. आशा भंडारकर	* लागू नहीं	12.09.2018

* बैंक की स्थापना बैंकिंग कंपनियों (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम 1970 के तहत की गई थी और इसलिए कंपनी अधिनियम 1956/2013 के प्रावधानों के तहत शामिल कंपनी नहीं है और तदनुसार कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधान बैंक पर लागू नहीं होते हैं। इस प्रकार बैंक बोर्ड के निदेशक के लिए डीआईएन प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है, इसलिए डीआईएन का उल्लेख उन निदेशकों के लिए किया जाता है जिन निदेशको के पास कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी किया गया डीआईएन है और जिन निदेशकों के पास डीआईएन नहीं है, उनके लिए "लागू नहीं (NA) का उल्लेख यहां उपर किया गया है।

बोर्ड में प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति/निरंतरता के लिए पात्रता सुनिश्चित करना बैंक के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने सत्यापन के आधार पर इन पर एक राय व्यक्त करें। यह प्रमाणपत्र न तो बैंक की भावी व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता का, जिसके साथ प्रबंधन ने बैंक के मामलों का संचालन किया है।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27.05.2019

कृते आशु गुप्ता एंड क.
कम्पनी सचिव

आशु गुप्ता
प्रोप.
एफसीएस सं. 4123
सीपी सं. 6646

CERTIFICATE OF NON-DISQUALIFICATION OF DIRECTORS

(Pursuant to Regulation 34(3) and Schedule V Para C clause (10)(i) of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015)

To,
The Members of
PUNJAB NATIONAL BANK,
Head Office: Plot No. 4,
Sector 10, Dwarka,
NEW DELHI–110075

We have examined the relevant registers, records, forms, returns and disclosures received from the Directors of **PUNJAB NATIONAL BANK** (hereinafter referred to as 'the Bank') having Head office at Plot No. 4 Sector 10, Dwarka, NEW DELHI–110075, produced before us by the Bank for the purpose of issuing this Certificate, in accordance with Regulation 34(3) read with Schedule V Para-C Sub-clause 10(i) of the Securities Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

In our opinion and to the best of our information and according to the verifications (including Directors Identification Number (DIN) status at the portal www.mca.gov.in, wherever applicable) as considered necessary and explanations furnished to us by the Bank & its officers, We hereby certify that none of the Directors on the Board of the Bank as stated below for the Financial Year ending on 31st March, 2019 have been debarred or disqualified from being appointed or continuing as Directors of companies by the Securities and Exchange Board of India, Ministry of Corporate Affairs, or any such other Statutory Authority :

Sr. No.	Name of Director	DIN	Date of appointment in Bank
1	Shri Sunil Mehta	07430460	05.05.2017
2	Shri Lingam Venkata Prabhakar	08110715	01.03.2018
3	Shri Agyey Kumar Azad	*NA	22.01.2019
4	Shri Ravi Mital	06507252	04.07.2017
5	Dr. Rabi N Mishra	*NA	26.04.2016
6	Shri Mahesh Baboo Gupta	00014313	26.07.2016
7	Shri Sunil Mehta	00065343	16.03.2017
8	Shri Sanjay Verma	*NA	15.06.2017
9	Dr. Asha Bhandarker	*NA	12.09.2018

* The Bank was established under the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and hence is not a company incorporated under the provisions of Companies Act, 1956 / 2013 and accordingly the provisions of Companies Act, 2013 do not apply on the Bank. Thus, it is not mandatory for the Directors on the Board of the Bank to obtain DIN, therefore, DIN is mentioned for the Directors who posses DIN issued by the Ministry of Corporate Affairs and for the Directors who do not posses DIN, 'NA' is mentioned hereinabove.

Ensuring the eligibility for the appointment / continuity of every Director on the Board is the responsibility of the management of the Bank. Our responsibility is to express an opinion on these based on our verification. This certificate is neither an assurance as to the future viability of the Bank nor of the efficiency or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Bank.

Place: New Delhi
Date: 27.05.2019

For **Ashu Gupta & Co.**
Company Secretaries

Ashu Gupta
Prop.)
FCS No. : 4123
CP NO.: 6646

कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट

Business Responsibility Report

कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट

खंड ए : कंपनी के विषय मे सामान्य सूचना

1. कंपनी की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) — लागू नहीं
2. कंपनी का नाम — पंजाब नैशनल बैंक
3. पंजीकृत पता — पंजाब नैशनल बैंक, कॉर्पोरेट कार्यालय, प्लॉट सं. 4, सेक्टर-10, द्वारका नई दिल्ली - 110075
4. वेबसाइट — www.pnbindia.in
5. ई-मेल आईडी — eicsmead@pnb.co.in, md@pnb.co.in
6. रिपोर्ट किया जाने वाला वित्तीय वर्ष 2018-19
7. कंपनी जिन क्षेत्र (त्रों) से संबद्ध है (औद्योगिक गतिविधियाँ के कोड के अनुसार)

क्र. सं.	कार्यक्षेत्र
1	बैंकिंग सेवाएँ
2	सरकारी कारोबार
3	कृषि बैंकिंग
4	खुदरा बैंकिंग
5	ट्रेजरी ऑपरेशन
6	कॉर्पोरेट बैंकिंग
7	मर्चेंट बैंकिंग
8	एजेंसी कारोबार- बीमा, म्युचुअल फंड, डिपोजिटरी सेवाएं, धन प्रबंधन आदि

8. तीन प्रमुख उत्पाद/सेवाएं जिन्हें कंपनी निर्मित करती है/उपलब्ध कराती है (तुलन-पत्र के अनुसार)

बैंक के उत्पादों और सेवाओं को निम्नलिखित तीन शीर्षो के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है:

1. **जमाराशियों** में चालू जमाराशियां, बचत जमाराशियां, सावधि जमाराशियां तथा आवर्ती जमाराशियां आदि शामिल हैं।
2. **ऋण एवं अग्रिम में शामिल हैं:**
   - ए. खुदरा ऋण : आवास ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण, वैयक्तिक ऋण आदि।
   - बी. कृषि ऋण : पीएनबी उत्कर्ष, पीएनबी कृषि कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएनबी सोना कृषि ऋण योजना, पीएनबी कल्याणी कार्ड योजना, पीएनबी कृषक साथी योजना, पीएनबी ग्राम उदय योजना आदि।
   - सी. एमएसएमई ऋण : पीएनबी सेवा, पीएनबी निर्माता, पीएनबी कुशल व्यापारी, पीएनबी बुनकर मुद्रा योजना, पीएनबी वनीता, पीएनबी ग्रीन राइड, सुपर ट्रेड, एसएमई सहयोग योजना, पीएनबी संजीवनी, पीएनबी कारीगर क्रेडिट कार्ड, पीएनबी लघु उद्यमी क्रेडिट कार्ड, पीएनबी जनरल क्रेडिट कार्ड, पीएनबी डीलर सुविधा आदि।
   - डी. कॉर्पोरेट ऋण : रुफटॉप पीवी सोलर पॉवर परियोजना, फ्यूचर लीज रेंटल पर ऋण, कार्यशील पूंजी वित्तपोषण, परियोजना और आधारभूत संरचना वित्त, सावधि ऋण, निर्यात वित्त, बिल वित्तपोषण आदि ।

Business Responsibility Report

Section A: General Information about the Company

1. **Corporate Identity Number (CIN) of the Company** — Not Applicable
2. **Name of the Company** — Punjab National Bank
3. **Registered address** — Punjab National Bank, Corporate Office, Plot No 4, Sector-10, Dwarka, New Delhi -110075
4. **Website** — www.pnbindia.in
5. **E-mail id** — eicsmead@pnb.co.in, md@pnb.co.in
6. **Financial Year reported** — 2018-19
7. **Sector(s) that the Company is engaged in (industrial activity code-wise)**

S.No.	Sectors
1	Banking Services
2	Government Business
3	Agriculture Banking
4	Retail Banking
5	Treasury Operations
6	Corporate Banking
7	Merchant Banking
8	Agency Business- Insurance, Mutual Funds, Depository Services, Wealth Management etc

8. List three key products/services that the Company manufactures/provides (as in balance sheet)

The Bank's products & services can be broadly categorized under the following three heads:

1. **Deposits** include Current Deposits, Savings Deposits, Term Deposits, Recurring Deposits, etc.
2. **Loans and Advances include:**
   - a. Retail loans: Housing Loan, Vehicle Loan, Education Loan, Personal loan, etc.
   - b. Agriculture Loans: PNB Utkarsh, PNB Krishi Card, Kisan Credit card, PNB Sona Krishi Rin Yojana, PNB Kalyani Card Scheme, PNB Krishak Sathi Scheme, PNB Gram Uday Scheme etc.
   - c. MSME Loans: PNB Seva, PNB Nirmata, PNB Kushal Vyapari, PNB Weaver Mudra Scheme, PNB VANITA, PNB GREEN RIDE, Super Trade, SME Sahayog Scheme, PNB Sanjeevani, PNB Artisan Credit Card, PNB Laghu Udyami Credit Card, PNB General Credit Card Scheme, PNB Dealer Suvidha etc.
   - d. Corporate Loans: Rooftop PV Solar Power Projects, Loans against Future Lease Rentals, Working Capital financing, Project Finance & Infrastructure Finance, Term Loans, Export Finance, Bill financing etc.

3. **अन्य उत्पाद/सेवाएं**

- ए. नकदी प्रबन्धन सेवाएं
- बी. एग्जिम वित्त
- सी. निर्यातकों के लिए स्वर्ण कार्ड योजना
- डी. डोरस्टेप बैंकिंग सेवाएं
- ई. म्यूचुअल फण्ड
- फ. डिपाजिटरी सेवाएं
- जी. मर्चेंट बैंकिंग
- एच. विश्व यात्रा कार्ड
- आई. एनआरआई सेवाएं
- जे. धन प्रबंधन सेवाएं
- के. ऑनलाइन ट्रेडिंग
- एल. क्रेडिट/डेबिट कार्ड कारोबार
- एम. बीमा सेवाएं

9. **स्थानों की कुल संख्या जहाँ कंपनी द्वारा कारोबारी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं-**

क. अंतर्राष्ट्रीय स्थानों की संख्या (प्रमुख 5 के विवरण प्रदान करें)

बैंक की विदेशी शाखाओं/सहायक/एसोसिएट्स/जेवी द्वारा निम्नलिखित देशों में विदेशी उपस्थिति है: -

- ✓ 2 विदेशी शाखाओं में (1 हांगकांग, 1 दुबई,)
- ✓ यूनाइटेड किंगडम में अनुषंगी - पीएनबीआईएल
- ✓ भूटान में अनुषंगी- ड्रुक पीएनबी बैंक लिमिटेड
- ✓ कजाखस्तान में एसोसिएट – जेएससी टेंगरी बैंक
- ✓ नेपाल में संयुक्त उद्यम- एवरेस्ट बैंक लिमिटेड

ख. राष्ट्रीय स्थानों की संख्या

31 मार्च 2019 तक पीएनबी के 13 अंचल कार्यालयों (जेडओ), 76 मंडल कार्यालय और 6989 शाखाएं हैं। बैंक की 3 घरेलू अनुषंगीयां और 7 घरेलू एसोसिएट हैं।

10. **कंपनी द्वारा संचालित बाजार – स्थानीय/राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय**

बैंक वृहद शाखा नेटवर्क के साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों दोनों में सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

खंड बी : कंपनी के वित्तीय विवरण

1.	**चुकता पूँजी (आईएनआर)**	**रु. 920.81 करोड़**
2.	**कुल कारोबार (आईएनआर)**	**रु.11,34,279 करोड़**
3.	**कर के पश्चात कुल लाभ (आईएनआर)**	**रु. 9975 करोड़ (हानि)**

4. **कर पश्चात लाभ के प्रतिशत के रूप में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर किया गया कुल व्यय (%)**

01 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 की अवधि के दौरान, मुख्य सीएसआर गतिविधियों पर किया गया कुल व्यय रु. 2954.15 लाख है जिसका विवरण निम्नानुसार है:

3. **Other Products/Services**

- a. Cash Management Services
- b. EXIM Finance
- c. Gold Card Scheme for exporters
- d. Doorstep Banking Services
- e. Mutual Funds
- f. Depository Services
- g. Merchant Banking
- h. World Travel Card
- i. NRI Services
- j. Wealth Management Services
- k. Online Trading
- l. Credit/Debit Card Business
- m. Insurance Services

9. **Total number of locations where business activity is undertaken by the Company**

a. Number of International Locations (Provide details of major 5)

Bank has overseas presence in the following countries by way of overseas branches/Subsidiary/Associates/JV:-

- ✓ 2 Overseas Branches at (1 at Hong Kong and 1 at Dubai)
- ✓ Subsidiary at United Kingdom- PNBIL
- ✓ Subsidiary at Bhutan- DRUK PNB Bank Ltd.
- ✓ Associate at Kazakhstan- JSC Tengri Bank
- ✓ Joint Venture at Nepal- Everest Bank Ltd.

b. Number of National Locations

PNB has 13 Zonal Offices (ZOs), 76 Circle Offices and 6989 branches as on March 31st 2019. The Bank has 3 domestic subsidiaries and 7 domestic associates.

10. **Markets served by the Company–Local/State/National/International**

Both National and International markets with a large branch network.

Section B: Financial Details of the Company

1.	**Paid up Capital (INR)**	Rs 920.81 crore
2.	**Total Business (INR)**	Rs 11,34,279 crore
3.	**Total Profit after Taxes (INR)**	Rs 9975 crore (Loss)

4. **Total Spending on Corporate Social Responsibility (CSR) as percentage of profit after tax (%)**

During the period from 1st April 2018 to 31st March 2019, a sum of Rs 2954.15 lacs has been incurred on CSR initiatives with details as under:

नाम	किया गया व्यय (रु. लाख में) (01.04.2018 से 31.03.2019)
प्र.का./अं.का. में सीएएसआर	459.98
पीएनबी हॉकी अकादमी	96.85
ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई)	1851.41
किसान प्रशिक्षण केंद्र (एफटीसी)/ वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी)	520.01
पीएनबी लाडली	24.01
पीएनबी किसान बालक शिक्षा प्रोत्साहन योजना	1.89
कुल	**2954.15**

5. **उन गतिविधियों की सूची जिन पर उपर्युक्त 4 में उल्लिखित व्यय किए गए हैं:-**

सीएसआर गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं:

बैंक विभिन्न ट्रस्टों और संस्थानों जैसे पीएनबी किसान प्रशिक्षण केंद्र (एफटीसी), ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) आदि के माध्यम से सामाजिक विकास में योगदान देता है।

ए. **किसान प्रशिक्षण केंद्र (FTCs):** बैंक ने अच्छी तरह से संरचित किसान प्रशिक्षण केंद्र (FTCs) के माध्यम से ग्रामीण और गरीब आबादी को सशक्त बनाना जारी रखा है । ये केंद्र प्रतिभागियों के प्रशिक्षण और आर्थिक उत्थान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बैंक ने 12 किसान प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं जो कृषि और संबद्ध गतिविधियों तथा कंप्यूटर, कटिंग और सिलाई/कढ़ाई और उद्यमिता विकास कार्यक्रमों पर भी नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। स्थापना के बाद से, एफटीसी ने 46185 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके 14,19,292 व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। ये प्रशिक्षण केंद्र किसानों के खेतों में मोबाइल वैन वाले मृदा परीक्षण सुविधाओं से और किसानों को सूचनात्मक वीडियो क्लिप के ऑडियो विजुअल प्रदर्शन के लिए एलईडी से लैस हैं ।

बी. **ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETIs):** ग्रामीण आबादी और उनके परिवारों को कौशल उन्नयन और स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु भारत में 55 आरएसईटीआई और 2 ग्रामीण विकास केंद्र चल रहे हैं। स्थापना के बाद से, प्रशिक्षित उम्मीदवार कुल संख्या 2,69,659 हैं, जिनमें से 170856 महिलाएं हैं और 97172 बीपीएल श्रेणी से हैं।

सी. **पीएनबी लाडली:**यह योजना ग्रामीण/अर्ध शहरी क्षेत्र की बालिकाओं के बीच शिक्षा को लोकप्रिय बनाने के लिए है। इस योजना के तहत, प्रत्येक पहचाने गए गाँव की 10 जरूरतमंद छात्राओं को 2500/- एकमुश्त और रु .100/- प्रतिमाह पॉकेट भत्ते के रूप में शिक्षा निवेश हेतु प्रदान कर रहा है। चयनित बालिकाओं को 12वीं कक्षा पूरी होने तक हर साल यह सहायता मिलती रहेगी वित्तीय

Name	Amount incurred (Rs lacs) (01.04.2018 to 31.03.2019)
CSR at HO & ZOs	459.98
PNB Hockey Academy	96.85
Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs)	1851.41
Farmers’ Training Centers (FTCs)/ Financial Literacy Centers (FLCs)	520.01
PNB Ladli	24.01
PNB Kisan Balak Shiksha Protsahan Yojana	1.89
Total	**2954.15**

5. **List of activities in which expenditure in 4 above has been incurred:-**

CSR activities are as under:

The Bank contributes to social development by way of various trusts and institutes such as PNB Farmers’ Training Centres (FTCs), Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs) etc.

a. **Farmers Training Centres (FTCs):** The Bank continued to empower the rural and poor populace through its well structured Farmers’ Training Centres (FTCs). These centers are focusing on training and economic upliftment of participants. Bank has established 12 Farmers' Training Centres which are providing free of cost training on agriculture & allied activities and also for Computers, cutting & tailoring/ embroidery and entrepreneurship development programs. Since inception, FTCs have imparted training to 14,19,292 persons by conducting 46185 training programs. These Training Centres have been equipped with the Mobile Van having Soil testing facilities at the farmers’ fields and LED for audio visual display of informative video clips to the farmers.

b. **Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs):** In order to provide training to rural population and their families for skill up gradation and self-employment, 55 RSETIs and 2 Rural Development Centres are operating in India. Total number of trained candidates since inception is 2,69,659 out of which 170856 are women and 97172 were from BPL category.

C. **PNB Ladli:** The Scheme is meant for popularization of education among girls of Rural / Semi urban areas. Under the scheme, Bank is providing for education inputs of Rs. 2500/- in lump sum and Rs.100/- per month as pocket allowance to 10 needy girl students of each identified village. Selected girls will continue

वर्ष 2018-19 के दौरान 2105 छात्राओं के बीच रु.24.01 लाख का वितरण किया गया। अब तक, हमने इस योजना के तहत 31.03.2019 तक 8662 बालिकाओं को रु.161.84 लाख वितरित किए हैं।

डी. पीएनबी हॉकी अकादमी राष्ट्रीय खेल का समर्थन करने की दिशा में एक प्रमुख पहल है। इस अकादमी के माध्यम से, बैंक सभी लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करके युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का पोषण करता है और उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए तैयार करता है।

कोर सीएसआर गतिविधियों की सूची जिसमें व्यय किया गया है वह निम्नानुसार है,:-

क. मुख्यमंत्री केरल राहत कोष में योगदान से बाढ़ प्रभावितों को दान।

ख. अस्पताल में जरूरतमंद रोगियों के लिए व्हील चेयर और स्ट्रेचर का वितरण

ग. कुंभ मेला इलाहाबाद में योगदान

घ. धर्मार्थ ट्रस्ट के लिए दान

ङ. सामाजिक सेवा जैसे वृक्षारोपण का आयोजन, ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोत के उपयोग जैसे सौर ऊर्जा, लकडी ऊर्जा, ज्वरीय ऊर्जा को बढावा देना

च. नि:शुल्क स्वास्थ्य जॉच शिविर

छ. रक्तदान शिविर

ज. कृत्रिम अंगों का नि:शुल्क वितरण

झ. समाज, अनाथालय आदि के विशेषाधिकृत और कमजोर वर्ग के तहत सहयोग।

ञ. वाटर कूलर, स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रदान करके सामुदायिक सेवा।

ट. पुस्तकालय और वाचनालय खोलना और उसका रखरखाव करना।

खंड सी : अन्य विवरण

1. क्या कंपनी की कोई अनुषंगी कंपनी/ कंपनियां है?

अ) अनुषंगियाँ

क. घरेलू अनुषंगियाँ

क्र.सं.	संस्था का नाम	स्वामित्व का अनुपात (%)
1	पीएनबी गिल्ट्स् लिमिटेड	74.07
2	पीएनबी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड	100.00
3	पीएनबी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड#	81.00

#पीएनबी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड निष्क्रिय है। ब्रोकिंग लाइसेंस सरेंडर किया जा चुका है तथा कंपनी के समापन हेतु कदम उठाए जा रहे हैं।

ख. अंतर्राष्ट्रीय अनुषंगियाँ

क्र.सं.	संस्था का नाम	निगमन का राष्ट्र	स्वामित्व का अनुपात (%)
1	पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनेशनल) लिमिटेड	यूनाइटेड किंगडम	100.00
2	ड्रुक पीएनबी बैंक लिमिटेड	भूटान	51.00

to get support every year till they complete 12th class. During FY 2018-19, Rs. 24.01 lacs was distributed among 2105 girls students. So far, we have distributed Rs.161.84 lacs to 8662 girls under this scheme upto 31.03.2019.

d. PNB Hockey Academy is one of the major initiatives towards supporting national game. Through this academy, the Bank nurtures young and talented players by providing all logistic support and prepares them for the national team.

List of Core CSR activities in which expenditure has been incurred is given below:

a. Donation to flood affected victims, by contribution to CM Relief Fund Kerala.

b. Distribution of wheel chairs and stretcher to the Hospital for the needy patients.

c. Contribution to Kumbh Mela Allahabad.

d. Donation to charitable trusts.

e. Social service like organizing tree plantation, promoting use of renewable sources of energy like solar power, wood power, tidal power.

f. Free Health Check up camps.

g. Blood donation camps.

h. Free distribution of artificial limbs.

i. Supporting under privileged and downtrodden sections of society, orphanages etc.

j. Community service by providing water cooler, health & sanitation.

k. Opening & Maintaining Library & Reading Rooms.

Section C: Other Details

1. Does the Company have any Subsidiary Company/ Companies?

A. Subsidiaries

a. Domestic Subsidiaries

S. No.	Name of the Entity	Proportion of ownership %
1	PNB Gilts Ltd.	74.07
2	PNB Investment Services Ltd.	100.00
3	PNB Insurance Broking Pvt. Ltd.#	81.00

PNB Insurance Broking Pvt. Ltd is under winding up, broking license of the company has already been surrendered and liquidation of the company is under process.

b. International Subsidiaries

S. No.	Name of the Entity	Country of Incorporation	Proportion of Ownership %
1	Punjab National Bank (International) Ltd.	United Kingdom	100.00
2	Druk PNB Bank Ltd.	Bhutan	51.00

आ) एसोसिएट्स: (बैंक जिनकी 20% या उससे अधिक की हिस्सेदारी)

क. घरेलू एसोसिएट्स

क्र.सं.	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों/अन्य एसोसिएट्स का नाम	स्वामित्व का अनुपात (%)
1	दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक,पटना	35.00
2	सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, रोहतक	35.00
3	हिमाचल ग्रामीण बैंक, मंडी	35.00
4	पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला	35.00
5	सर्व यूपी ग्रामीण बैंक, मेरठ	35.00
6	पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड.	32.79
7	पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	30.00

नोट : बैंक ने पीएनबी एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (21.38%)में अपनी पूरी इक्विटी हिस्सेदारी दे दी है तथा प्रिंसिपल ट्रस्टी कंपनी प्रा लिमिटेड (30.00%)को दिनांक 24.08.2018 प्रिंसिपल ग्रुप के पक्ष में दिनांक 28.08.2018 को सौदा बंद हो गया। पीएनबी एएमसी और टीसी कंपनियों में बैंक की हिस्सेदारी शून्य है, वे बैंक के सहायक/जेवी/एसोसिएट नहीं रहे।

ख. अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएट्स

क्र.सं.	संस्था/एसोसिएट्स का नाम	निगमन का देश	स्वामित्व का अनुपात (%)
1	जेएससी टेंगरी बैंक, कजाकिस्तान	कजाकिस्तान	41.64

ग. संयुक्त उद्यम : अंतर्राष्ट्रीय

क्र.सं.	संस्था/एसोसिएट्स का नाम	निगमन का राष्ट्र	स्वामित्व का अनुपात (%)
1	एवरेस्ट बैंक लिमिटेड	नेपाल	20.03

2. **क्या मूल कंपनी की कारोबार उत्तरदायित्व पहलों में अनुषंगी कंपनी/कंपनियां सहभागिता करती हैं? यदि हाँ तो ऐसी अनुषंगी कंपनी(नियों) की संख्या दें।**

नहीं

3. **क्या कोई अन्य संस्था/संस्थाएं (अर्थात आपूर्तिकर्ता, वितरक इत्यादि) जिसके/जिनके साथ कंपनी कारोबार करती हो, कंपनी की कारोबार उत्तरदायित्व पहलों में सहभागिता करती हैं? यदि हाँ, तो ऐसी संस्था/संस्थाओं का प्रतिशत बताएं ? [30% से कम, 30%-60%, 60% से अधिक।**

नहीं

खंड डी : कारोबार उत्तरदायित्व सूचना

1. **कारोबार उत्तरदायित्व के लिए उत्तरदायी निदेशक/निदेशकों का विवरण**

क. **कारोबार उत्तरदायित्व नीति/नीतियों के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी निदेशक/निदेशकों के विवरण**

B. Associates: (Bank having 20% or more stake)

a. Domestic Associates

S. No.	Name of Regional Rural Banks / Other Associates	Proportion of Ownership (%)
1	Dakshin Bihar Gramin Bank, Patna	35.00
2	Sarva Haryana Gramin Bank, Rohtak	35.00
3	Himachal Gramin Bank, Mandi	35.00
4	Punjab Gramin Bank, Kapurthala	35.00
5	Sarva UP Gramin Bank, Meerut	35.00
6	PNB Housing Finance Ltd.	32.79
7	PNB MetLife India Insurance Co. Ltd.	30.00

NOTE:- Bank has offloaded its entire equity stake in PNB Asset Management Company Pvt. Ltd (21.38%) and Principal Trustee Company Pvt. Ltd.(30.00%) in favour of Principal Group on 24.08.2018. The deal got closed on 28.08.2018. As bank's holding in PNB AMC & TC companies is NIL, they cease to be bank's Subsidiary/ JV /Associate.

b. International Associates

S. No.	Name of Entity/ Associates	Country of incorporation	Proportion of Ownership (%)
1	JSC Tengri Bank, Kazakhstan	Kazakhstan	41.64

c. Joint Venture: International

S. No.	Name of Entity/ Associates	Country of incorporation	Proportion of Ownership (%)
1	Everest Bank Ltd.	Nepal	20.03

2. **Do the Subsidiary Company/Companies participate in the BR Initiatives of the parent company? If yes, then indicate the number of such subsidiary company(s).**

No

3. **Do any other entity/entities (e.g. suppliers, distributors etc.) that the Company does business with, participate in the BR initiatives of the Company? If yes, then indicate the percentage of such entity/entities? [Less than 30%, 30-60%, More than 60%]**

No

Section D: BR Information

1. **Details of Director/Directors responsible for BR**

a) **Details of the Director/Directors responsible for implementation of the BR policy/policies**

क्र.सं.	ब्यौरा	विवरण
1	डीआईएन सं.	08110715
2	नाम	एल वी प्रभाकर
3	पदनाम	कार्यपालक निदेशक

ख. कारोबार उत्तरदायित्वत प्रमुख का विवरण

क्र.सं.	ब्यौरा	विवरण
1	डीआईएन सं.	लागू नहीं
2	नाम	आरती मट्टू
3	पदनाम	महाप्रबंधक, कार्यनीति प्रबंधन एवं आर्थिक परामर्श प्रभाग
4	दूरभाष सं.	011-28044173
5	ई-मेल आईडी	artimattoo@pnb.co.in

2. सिद्धांतवार (एनवीजी के अनुसार) बीआर नीति/नीतियाँ (उत्तर हाँ/नहीं में दें)

क्र. सं.	प्रश्न	कारोबार नैतिकता	उत्पाद उत्तरदायित्व	कर्मचारी कल्याण	शेयरधारक से संबद्धता	मानवाधिकार	पर्यावरण	सार्वजनिक नीति	सी एस आर	ग्राहक संबंध
		पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
1	क्या आपके पास -------------- के लिए नीति/नीतियाँ है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
2	क्या नीति का निर्धारण संबंधित हितधारकों के परामर्श से किया गया है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
3	क्या नीति किसी राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप है? यदि हां, तो वर्णन करें? (50 शब्दों में)	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
4	क्या नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित की गई है? यदि हां तो क्या ये एमडी/स्वामी/सीईओ/संगत बोर्ड निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
5	क्या कंपनी में नीति के कार्यान्वयन की देखरेख हेतु बोर्ड की विशेष समिति/ निदेशक/अधिकारी हैं?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
6	नीति को ऑन-लाइन देखने के लिए लिंक बताएं?	www.pnbindia.in								

S. No.	Particulars	Details
1	DIN No.	08110715
2	Name	L V Prabhakar
3	Designation	Executive Director

b) Details of the BR Head

S. No.	Particulars	Details
1	DIN Number	Not Applicable
2	Name	Arti Mattoo
3	Designation	General Manager, Strategic Management and Economic Advisory Division
4	Telephone number	011-28044173
5	e-mail id	artimattoo@pnb.co.in

2. Principle-wise (as per NVGs) BR Policy/policies (Reply in Y/N)

S. No.	Questions	Business Ethics	Product Responsibility	Wellbeing of Employees	Stakeholder Engagement & CSR	Human Rights	Environment	Public Policy	CSR	Customer Relations
		P1	P2	P3	P4	P5	P6	P7	P8	P9
1	Do you have policy/policies for....?	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
2	Has the policy being formulated in consultation with the relevant stakeholders?	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
3	Does the policy conform to any national /international standards? If yes, specify?(50 words)	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
4	Has the policy been approved by the Board? Is yes, has it been signed by MD/owner/CEO/appropriate Board Director?	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
5	Does the company have a specified committee of the Board/ Director/Official to oversee the implementation of the policy?	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
6	Indicate the link for the policy to be viewed online?	www.pnbindia.in								

7	क्या नीति के बारे में सभी प्रासंगिक आंतरिक व बाह्य हितधारकों को औपचारिक रूप से सूचित किया गया है ?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
8	क्या नीति/नीतियों को लागू करने हेतु कंपनी में कोई आंतरिक संरचना उपलब्ध है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
9	क्या नीति/नीतियों से संबंधित हितधारकों की समस्याओं के समाधान हेतु नीति/नीतियों के संबंध में क्या कंपनी में कोई शिकायत निवारण तंत्र है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हा
10	क्या किसी आंतरिक अथवा बाह्य एजेंसी द्वारा इस नीति के कार्यचालन की स्वतंत्र लेखापरीक्षा/मूल्यांकन कराया जाता है?	कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट के अंतर्गत दिशानिर्देशों को जारी करने के लिए बैंक में अलग अलग डिविजन है जिसकी देख रेख परिचालित इकाईयों द्वारा की जाती है। जिसके आंतरिक/बाहरी विकास के कार्यनिष्पादन की आवधिक आधार पर समीक्षा की जाती है।								

2क. यदि क्रम सं. 01 के किसी सिद्धांत का उत्तर 'नहीं' है, तो कृपया व्याख्या करें कि ऐसा क्यों है? (2 विकल्प तक अंकित करें)

क्र. सं.	प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
1	कंपनी सिद्धांतों को समझ नहीं पाई है।	लागू नहीं								
2	कंपनी ऐसी अवस्था में नहीं है जहां निर्धारित सिद्धांतों पर नीतियों को निरूपित तथा लागू कर सके।									
3	कंपनी के पास इस कार्य के लिए वित्तीय अथवा जनशक्ति संसाधन उपलब्ध नहीं है।									
4	अगले 6 माह के अंदर ऐसा करने की योजना है।									
5	अगले एक वर्ष के अंदर ऐसा करने की योजना है।									
6	कोई अन्य कारण (कृपया स्पष्ट करें)									

3. कारोबार उत्तरदायित्व से संबंधित अभिशासन

- **वह आवृत्ति बताएं जिसमें निदेशक मंडल, बोर्ड की समिति अथवा सीईओ कंपनी के कारोबार उत्तरदायित्व के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए मिलते हैं। 3 माह के भीतर, 3 - 6 माह में, प्रतिवर्ष, एक वर्ष से अधिक अवधि पर।**

  कंपनी के कारोबार उत्तरदायित्व निष्पादन के मूल्यांकन हेतु निदेशक मंडल की वार्षिक बैठक होती है।

7	Has the policy been formally communicated to all relevant internal and external stakeholders?	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
8	Does the company have in-house structure to implement the policy/ policies?	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
9	Does the Company have a grievance redressal mechanism related to the policy/policies to address stakeholders' grievances related to the policy/ policies?	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y	Y
10	Has the company carried out independent audit/ evaluation of the working of this policy by an internal or external agency?	The Bank has separate Divisions that are issuing guidelines under the Business Responsibility Policies to be followed by the operating units. The performance is reviewed periodically based on internal/ external developments.								

2a. If answer to S.No. 1 against any principle, is 'No', please explain why: (Tick up to 2 options)

S. No.	Questions	P1	P2	P3	P4	P5	P6	P7	P8	P9
1	The company has not understood the Principles	NOT APPLICABLE								
2	The company is not at a stage where it finds itself in a position to formulate and implement the policies on specified principles									
3	The company does not have financial or manpower resources available for the task									
4	It is planned to be done within next 6 months									
5	It is planned to be done within the next 1 year									
6	Any other reason (please specify)									

3. Governance related to BR

- Indicate the frequency with which the Board of **Directors, Committee of the Board or CEO meet to assess the BR performance of the Company. Within 3 months, 3-6 months, Annually, More than 1 year.**

  The Board of Directors meets annually to assess the BR performance of the company.

- **क्या कंपनी बीआर अथवा स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) रिपोर्ट का प्रकाशन करती है? इसे देखने के लिए हाईपरलिंक क्या है? इसे कितनी बार प्रकाशित किया जाता है?**

  बैंक वार्षिक आधार पर बीआर रिपोर्ट प्रकाशित करता है। इसे बैंक की वेबसाइट पर दिया जाता है जिसे देखने के लिए हाईपरलिंक https://www.pnbindia.in है।

खंड ई : सिद्धांतवार प्रदर्शन

सिद्धांत 1: कारोबार को नैतिकता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ स्वयं को संचालित एवं नियंत्रित करना चाहिए।

1. **क्या नैतिकता, रिश्वत व भ्रष्टाचार से संबंधित नीति केवल कंपनी को कवर करती है? हाँ/नहीं क्या यह समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/संविदाकारों/एनजीओ/अन्य को भी कवर करती है?**

   नैतिकता, रिश्वत और भ्रष्टाचार से संबंधित नीति केवल कंपनी को समाविष्ट करती है और यह समूह / संयुक्त वेंचर्स या अन्य के लिए विस्तारित नहीं होती है। बैंक की एक व्हिसल ब्लोअर नीति है और इसमें नैतिक आचार संहिता एवं संगठन में रिश्वत और भ्रष्टाचार से निपटने के उपायों के बारे में कुछ मार्गदर्शक सिद्धांतों को भी सूचीबद्ध किया है। यह कोड उन सिद्धांतों को निर्धारित करता है जिन पर बैंक अपने हितधारकों, सरकारी एजेंसियों, नियामकों, मीडिया और अन्य संबंधित पक्षों के साथ अपने व्यवसाय का संचालन और आचरण करेगा।

   बैंक समस्त निदेशकों तथा कोर प्रबंधन के सभी सदस्यों से अपेक्षा करता है कि वे अपने ग्राहकों, कर्मचारियों व अन्य हितधारकों के हित, सुरक्षा एवं कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए अच्छा निर्णय लेंगे और कारोबारी संगठन में सहयोगी, कुशल, सकारात्मक, सामंजस्यपूर्ण और उत्पादक कार्य परिवेश बनाए रखेंगे। बैंक ने सतर्कता मामलों पर निरंतर अपना बल दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मामलों की शीघ्र पहचान हो और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही समय पर पूरी हो।

2. **पिछले वित्तीय वर्ष में हितधारकों से कितनी शिकायतें प्राप्त हुई तथा प्रबंधन द्वारा कितने प्रतिशत का संतोषजनक समाधान किया गया? यदि ऐसा है तो लगभग 50 शब्दों में इसका विवरण दें।**

   वित्तीय वर्ष 2018-19 में कुल 62,539 ग्राहक शिकायते प्राप्त हुई और 01.04.2018 तक 1862 शिकायतें को बकाया थी, जो कुल 64,401 थी। जिसमें से 63,435 अवधि के दौरान हल किया गया है। शिकायते निपटाने का प्रतिशत 98.50% है।

   वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त कुल शेयरधारक शिकायतें 17 हैं, जिनमें से सभी का समाधान किया गया।

सिद्धांत 2: कारोबार को ऐसे उत्पाद और सेवाएं प्रदान करनी चाहिए जो सुरक्षित हों तथा अपने सम्पूर्ण जीवन चक्र के दौरान स्थिरता में सहायक हों।

क. **अपने ऐसे 3 उत्पादों व सेवाओं की सूची बनाएं जिनकी रुपरेखा में समाज या पर्यावरण से संबंधित विषय, जोखिम तथा/अथवा अवसर शामिल हों।**

   बैंक सतत विकास में विश्वास रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि उसके कारोबार मॉडल में पर्यावरण संरक्षण शामिल हो। इस विषय की ओर, बैंक ने कुछ दिशानिर्देश दिए हैं कि किसी भी सावधि ऋण

- **Does the Company publish a BR or a Sustainability Report? What is the hyperlink for viewing this? How frequently it is published?**

  The BR report is published annually and made available on the website of the Bank under the hyperlink https://www.pnbindia.in.

Section E: Principle-wise performance

Principle 1: Businesses should conduct and govern themselves with Ethics, Transparency and Accountability

1. **Does the policy relating to ethics, bribery and corruption cover only the company? Yes/ No. Does it extend to the Group/Joint Ventures/ Suppliers/ Contractors/NGOs /Others?**

   The policy related to ethics, bribery and corruption covers only the company and does not extend to the Group/Joint Ventures/Others. The Bank has a whistle blower policy in place and has also laid down certain guiding principles regarding ethical code of conduct and measures to tackle bribery and corruption in the organization. This code sets forth the principles on which the Bank shall operate and conduct its business with its stakeholders, government agencies, the regulators, media and other concerned parties.

   The Bank expects all its Directors and employees to exercise sound and fair judgment in order to safeguard the interests and welfare of its customers, employees and other stakeholders by maintaining a cooperative, efficient, harmonious, motivated and productive work environment in the organization. The Bank has placed continuous emphasis on Vigilance matters to ensure that cases are identified quickly and disciplinary proceedings are completed in time in accordance with the guidelines of Central Vigilance Commission (CVC).

2. **How many stakeholder complaints have been received in the past financial year and what percentage was satisfactorily resolved by the management? If so, provide details thereof, in about 50 words or so.**

   Total number of customer complaints received in FY 2018-19 is 62,539 and 1862 complaints was outstanding as on 01.04.2018 totaling 64,401. Out of which 63,435 have been resolved during the period, with percentage of resolution at 98.50%.

   Total number of shareholder complaints received during FY 2018-19 is 17, all of which were resolved.

Principle 2: Businesses should provide goods and services that are safe and contribute to sustainability throughout their life cycle

A. **List up to 3 of your products or services whose design has incorporated social or environmental concerns, risks and/or opportunities.**

   The Bank believes in sustainable development and ensures that its business model incorporates environment protection. Towards this concern, Bank has put in place guidelines that before the disbursement of any Term Loan,

के संवितरण से पहले, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि, जहां भी आवश्यक हो, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त की गई सभी आवश्यक सांविधिक तथा अन्य अनुमोदन/अनुमतियों को उधारकर्ता से प्राप्त किया जाना चाहिए।

सामाजिक और पर्यावरण संबंधी विषयों को शामिल करते हुए हमारे कुछ उत्पाद और सेवाएँ नीचे दिए गए हैं:

- **पीएनबी लाडली योजना,** बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए: यह योजना ग्रामीण/अर्ध शहरी क्षेत्रों की बालिकाओं के बीच शिक्षा को लोकप्रिय बनाने के लिए है। इस योजना के अंतर्गत, बैंक प्रत्येक चिन्हित गांव की 10 जरूरतमंद बालिका छात्राओं को रु 2500/- एकमुश्त शिक्षा निवेश की वस्तुएं और रु 100/- प्रति माह की राशि जेब भत्ता के लिए प्रदान करता है। चयनित लड़कियों को 12 वीं कक्षा पूरी होने तक हर वर्ष सहायता प्राप्त होती रहेगी। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, 2105 छात्राओं के बीच 24.01 लाख रुपये वितरित किए गए। अब तक, हमने इस योजना के तहत 31.03.2019 तक 8662 लड़कियों को 161.84 लाख रुपये वितरित किए हैं।

- **पीएनबी विकास – ग्राम अंगीकृत योजना:** योजना का उद्देश्य गोद लिए गए गांवों को समग्र रूप से विकसित करना है, जिसमें मानव, आर्थिक और अन्य हितधारकों (ग्रामीणों, सरकारी अधिकारियों, स्थानीय निकायों आदि) के समन्वय के साथ स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य, आदि जैसे अन्य बुनियादी ढ़ांचे का विकास शामिल हैं। इस योजना के तहत, बैंक ने विभिन्न मंडलों में 169 गांवों (अग्रणी जिलों में 78 और गैर-अग्रणी जिलों में 91) को गोद लिया है।

- बैंक के **कृषक प्रशिक्षण केंद्र (एफटीसी)** को शिक्षात्मक कृषि और ग्रामीण विकास की धुरी के रूप में **"उत्कृष्टता केंद्र"** में परिवर्तित किया गया है। ये (i) फसल विविधीकरण; (ii) औषधीय और सुगंधित फसलों की खेती; (iii) जैविक खाद का उपयोग; (iv) फसल कटाई के बाद की प्रौद्योगिकी; (v) ट्रैक्टरों की मरम्मत और रखरखाव; (vi) सिंचाई जल का विवेकपूर्ण उपयोग; (vii) सौर ऊर्जा और वर्षा जल का संरक्षण; (viii) पशु स्वास्थ्य आदि के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

- **आधारभूत संरचना का निर्माण:** प्रत्येक एफटीसी द्वारा विकासात्मक गतिविधियों हेतु एक-एक गाँव को गोद लिया गया है, जिसमें सार्वजनिक उपयुक्तता का निर्माण, स्कूलों के लिए कक्षा-कक्ष, गाँव की लाइब्रेरी, औषधालय, खेल के मैदान, स्कूलों में पंखे, वाटर कूलर आदि उपलब्ध कराना जैसे विकासात्मक कार्य शामिल हैं। ये सभी एफटीसी ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं और जनसामान्य के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित कर रहे हैं।

- **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिए वित्तपोषण:** बैंक सौर ऊर्जा/पवन/बायोमास आधारित बिजली उत्पादन आदि जैसी संभावित व्यवहार्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्त पोषित करके नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करता है, और घरेलू स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देता है।

- **पीएनबी उजाला:** इस योजना को अंगीकृत गांवों में रु 80,000/- तक की लागत वाली 4 सोलर स्ट्रीट लाइट्स प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था और प्रत्येक छात्र को रु 500/- की लागत

it should be ensured that, wherever required, all necessary statutory and other approvals/permissions including those from Pollution Control Boards have been obtained by the borrower.

Some of our products and services incorporating social and environmental concerns are given below:

- **PNB LADLI YOJANA**, for promoting girl education: The scheme is meant for popularizing education among girls of Rural / Semi urban areas. Under the scheme, Bank is providing for education inputs of Rs. 2500/- in lump sum and Rs.100/- per month as pocket allowance to 10 needy girl students of each identified village. Selected girls will continue to get support every year till they complete 12th class. During FY2018-19, Rs 24.01 lacs was distributed among 2105 girls students. So far, the Bank has distributed Rs 161.84 lacs to 8662 girls under this scheme upto 31.03.2019.

- **PNB VIKAS- Village Adoption Scheme:** The objective of the Scheme is to develop adopted villages in a holistic manner, which includes Human, Economic & other Infrastructure Development like sanitation, drinking water supply, education, electricity, health, etc. in co-ordination with the other stake holders (villagers, the Govt. authorities, local bodies etc). Under this Scheme, bank has adopted 169 villages (78 in lead districts and 91 in non-lead districts) in different Circles.

- Bank's **Farmers' Training Centres (FTCs)** have been converted into "**Centres of Excellence"** as pivots of exemplary agriculture and rural development. These are providing training regarding (i) crop diversification; (ii) cultivation of medicinal & aromatic crops; (iii) use of organic manure; (iv) post - harvest technologies; (v) repair & maintenance of tractors; (vi) judicious use of irrigation water; (vii) conservation of solar energy & rain water; (viii) animal health etc.

- **Infrastructure creation:** FTCs have adopted one village each for undertaking developmental activities, wherein developmental works like construction of public conveniences, class-rooms for schools, village library, dispensary, playgrounds, providing fans, water coolers etc. to schools are being undertaken. These FTCs are also providing vocational training to rural women & youth and organizing health check up camps for the people.

- **Financing for renewable energy sources:** Bank encourages the use of renewable energy by financing potentially viable renewable energy projects like solar/ wind/ biomass based power generation etc., and promoting use of renewable energy sources at household levels.

- **PNB UJALA:** The Scheme was launched to provide 4 Solar Street Lights up to cost of Rs 80,000/- in the adopted villages and a Solar Lantern to each girl student costing Rs 500/- already adopted under

वाली एक सौर लालटेन पहले से ही पीएनबी लाडली योजना के तहत प्रदान गई है। इस योजना के तहत, 144 गांवों में 524 सोलर लाइटें लगाई गई हैं और 31.03.2019 तक छात्राओं को 1612 सोलर लालटेन दी गई।

ख. ऐसे प्रत्येक उत्पाद के लिए उत्पाद की प्रति इकाई (वैकल्पिक) पर संसाधन (उर्जा, जल, कच्चा माल इत्यादि) उपयोग के संबंध में निम्नलिखित विवरण प्रदान करें:

i. **सम्पूर्ण वैल्यू चैन में सोर्सिंग/उत्पादन/वितरण के दौरान गत वर्ष से आई कमी?**

ii. **उपभोक्ताओं द्वारा संसाधन (उर्जा, जल) उपयोग के दौरान गत वर्ष से आई कमी?**

लागू नहीं।

ग. क्या कंपनी में स्थायी स्त्रोतों (परिवहन सहित) के लिए कोई कार्यप्रणाली है? यदि हाँ तो आपके आदानों का कितना प्रतिशत स्थाई रूप से स्त्रोत किया गया? लगभग 50 शब्दों में इसका विवरण भी दीजिए।

लागू नहीं।

घ. क्या कंपनी ने अपने कार्य स्थल के आसपास के स्थानीय एवं छोटे उत्पादकों व समुदायों से वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद हेतु कदम उठाए हैं?

यदि हाँ तो स्थानीय एवं छोटे वेंडरों की क्षमता और योग्यता को बढ़ाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

बैंक एक वित्तीय सेवा प्रदाता संगठन है और यह वस्तुओं की खरीद नहीं करता है। भौतिक मदों को बैंक द्वारा संसाधित नहीं किया जाता हैं। हालाँकि, बैंक अपने उधारकर्ताओं से उनके कच्चे माल का निवेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित करता है। बैंक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) और महिला उद्यमियों को भी रियायती दर पर ऋण उपलब्ध करता है।

एमएसएमई सेगमेंट की आवश्यकता को विशेष रूप से पूरा करने के लिए बैंक निश्चित उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करता है:

1. **सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसईएस) के लिए पीएनबी की अतिरिक्त क्रेडिट सुविधा:** परियोजना ऋण को मंजूरी देते समय अप्रत्याशित परियोजना लागत के वित्तपोषण के लिए एक अतिरिक्त क्रेडिट सुविधा।

2. **एमएसईएस के लिए कार्यशील पूंजी लिमिट की वृद्धि करना:** उनके द्वारा बेचे गए उत्पादों की मांग में अप्रत्याशित/मौसमी वृद्धि के कारण उत्पन्न कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं में अस्थायी वृद्धि को पूरा करने हेतु योजना।

3. **अतिरिक्त कार्यशील पूंजी की सुविधा:** एडहॉक या टीओडी सुविधा की स्वीकृति में समय लगने के कारण कभी-कभी एमएसई इकाइयों को कार्यशील पूंजी की आवश्यकता की अनिवार्यता को पूरा करने के लिए ऋण सहायता को समय पर प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बैंक ने समस्या को दूर करने के लिए इस योजना का शुभारंभ किया है। जरूरत के समय यह अतिरिक्त कार्यशील पूंजी निधि उपलब्ध आहरण शक्ति (ड्रॉइंग पावर) के भीतर संवितरित की जाती है।

PNB LADLI Scheme. Under the scheme, 524 Solar Lights have been installed in 144 villages and 1612 Solar Lanterns were given to girl students up to 31.03.2019.

B. For each such product, provide the following details in respect of resource use (energy, water, raw material etc.) per unit of product (optional):

i. **Reduction during sourcing/production/ distribution achieved since the previous year throughout the value chain?**

ii. **Reduction during usage by consumers (energy, water) has been achieved since the previous year?**

Not Applicable.

C. Does the company have procedures in place for sustainable sourcing (including transportation)? If yes, what percentage of your inputs was sourced sustainably? Also, provide details thereof, in about 50 words or so.

Not applicable.

D. Has the company taken any steps to procure goods and services from local & small producers, including communities surrounding their place of work?

If yes, what steps have been taken to improve the capacity and capability of local and small vendors?

The Bank is a financial service provider organization and is not involved in procurement of goods. Tangible items are not processed by the Bank. However, the Bank encourages its borrowers to obtain their raw material inputs from Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs). It also provides loans at subsidized rates to Self Help Groups (SHGs) and women entrepreneurs.

The Bank offers certain products and services to specifically cater to the needs of MSME segment:

1. **PNB Standby Credit Facility for Micro & Small Enterprises (MSEs):** A Standby Credit Facility for funding unforeseen project cost overruns while sanctioning project loans.

2. **Enhanced Working Capital Limit to MSEs:** Scheme for meeting the temporary increase in working capital requirements arising due to unforeseen/ seasonal increase in demand for products sold by them.

3. **Additional Working Capital Facility:** MSE units sometimes face difficulties in getting timely credit assistance to meet the exigencies of working capital requirement, as sanction of Adhoc or ToD facility takes times. The Bank has launched this scheme to overcome the problem. This additional working capital fund is disbursed within the available DP (Drawing Power) at the time of requirement.

ङ. **क्या कंपनी में उत्पादों एवं अपशिष्ट की रीसाइक्लिंग की कोई व्यवस्था है? यदि हाँ, तो उत्पादों तथा अपशिष्ट की रीसाइक्लिंग का प्रतिशत (पृथक रूप से <5%, 5-10%, >10% के रूप में) क्या है? साथ ही, लगभग 50 शब्दों में इसका विवरण भी दीजिए।**

बैंक एक सेवा उन्मुख संगठन है, जो वित्तीय सेवाएँ प्रदान करता है। इसलिए, अपशिष्ट उत्पादों की रीसाइक्लिंग बैंक पर लागू नहीं होती है। फिर भी बैंक की एक ई-वेस्ट नीति है और बैंक यथासंभव अधिकतम रिसाईकल की गई वस्तुओं से बनी कागज, स्टेशनरी उत्पाद, टॉयलेट पेपर, बोरी, कांच, डिब्बे और प्लास्टिक जैसी कार्यालय सामग्री ही खरीदता है। अपशिष्ट का भी उचित और विधिवत तरीके से निपटान किया जा रहा है।

सिद्धांत 3: कारोबार को समस्त कर्मचारियों के कल्याण को प्रोत्साहित करना चाहिए।

1. **कृपया कर्मचारियों की कुल संख्या बताएं।**

31 मार्च 2019 तक कर्मचारियों की कुल संख्या (जो अनुषंगियों में प्रतिनियुक्ति पर है उनके साथ) 70,810 हैं।

2. **कृपया अस्थायी/संविदा/आकस्मिक आधार पर रखे गए कर्मचारियों की कुल संख्या बताएं?**

शून्य ।

3. **कृपया स्थायी महिला कर्मचारियों की संख्या बताएं?**

31 मार्च 2019 तक पूर्णकालिक महिला कर्मचारियों की संख्या 15394 है।

4. **कृपया शारीरिक रूप से अक्षम कर्मचारियों की संख्या बताएं?**

31 मार्च 2019 तक शारीरिक रूप से अक्षम स्थायी कर्मचारियों की संख्या 1722 है।

5. **क्या आपका कोई कर्मचारी संघ है जिसे प्रबंधन द्वारा मान्यता प्राप्त है?**

ऑल इंडिया पीएनबी एम्प्लोईज फैडरेशन (एआईपीएनबीईएफ) और ऑल इंडिया पीएनबी ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईपीएनबीओए)

6. **मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघ के सदस्यों में आपके स्थायी कर्मचारियों का प्रतिशत क्या है?**

बैंक के कुल अधिकारियों के 88.78% एआईपीएनबीओए के सदस्य हैं और कुल कर्मचारियों के 79.45% एआईपीएनबीईएफ के सदस्य हैं।

7. **कृपया गत वित्तीय वर्ष के अंत तक प्राप्त हुई एवं लंबित रही बाल मजदूरी, बंधुआ मजदूरी, यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की संख्या बताएं?**

क्र.सं.	श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2019 के दौरान दायर की गई शिकायतों की संख्या	वित्तीय वर्ष 2019 समाप्ति पर लंबित शिकायतों की संख्या
1	बाल मजदूरी/बंधुआ मजदूरी /अनैच्छिक श्रम	शून्य	लागू नहीं
2	यौन उत्पीड़न	6	1
3	भेदभावपूर्ण नियोजन	शून्य	लागू नहीं

E. **Does the company have a mechanism to recycle products and waste? If yes what is the percentage of recycling of products and waste (separately as <5%, 5-10%, >10%). Also, provide details thereof, in about 50 words or so.**

The Bank is a service oriented organization, providing financial services. Hence, recycling of waste products doesn't apply to the Bank. However, the Bank has in place, an e-waste policy which involves purchasing of various items such as Paper, stationery products, toilet paper, refuse sacks, glass, cans and plastics made from recycled material to the maximum possible extent. Waste disposal is also undertaken in a proper and methodical way.

Principle 3: Businesses should promote the well being of all employees.

1. **Please indicate the Total number of employees.**

The total number of employees (including those who are on deputation in the subsidiaries) as on 31st March 2019 is 70,810.

2. **Please indicate the Total number of employees hired on temporary/contractual/casual basis.**

Nil.

3. **Please indicate the Number of permanent women employees.**

The number of permanent women employees as on 31st March 2019 is 15394.

4. **Please indicate the Number of permanent employees with disabilities?**

The number of permanent employees with disabilities as on 31st March 2019 is 1722.

5. **Do you have an employee association that is recognized by management?**

All India Punjab National Bank Employees Federation (AIPNBEF) and All India Punjab National Bank Officers' Association (AIPNBOA).

6. **What percentages of your permanent employees are members of this recognized employee association?**

88.78% of the total officers of the Bank are members of AIPNBOA and around 79.45% of total workmen are members of AIPNBEF.

7. **Please indicate the Number of complaints relating to child labour, forced labour, involuntary labour, sexual harassment in the last financial year and pending, as on the end of the financial year.**

S. No.	Category	No of Complaints filed during FY'19	No of Complaints pending as at end of FY'19
1	Child labour/forced labour / involuntary labour	NIL	NA
2	Sexual harassment	6	1
3	Discriminatory employment	NIL	NA

8. **निम्नलिखित कर्मचारियों में से आपके कितने प्रतिशत कर्मचारियो को गत वर्ष सुरक्षा एवं कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।**

क.	स्थायी कर्मचारी:	64.33%
ख.	स्थायी महिला कर्मचारी:	52.39%
ग.	आकस्मिक/अस्थायी/संविदा कर्मचारी:	शून्य
घ.	अक्षम कर्मचारी :	64.58%

सिद्धांत 4: कारोबार को सभी हितधारकों, विशेषकर वंचित, कमजोर एवं अधिकारहीन हितधारकों के हितों का ध्यान रखना चाहिए और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए।

1. **क्या कंपनी ने अपने आंतरिक और बाह्य हितधारकों की मैपिंग की है?**

जी हाँ, बैंक ने अपने प्रमुख आंतरिक एवं बाह्य हितधारकों की पहचान की है । बैंक के हितधारक, इसके शेयरधारक और निवेशक, ग्राहक, बैंक कर्मचारी, सरकारी, नियामक एजेंसियां तथा सोसाइटी हैं। इन पर अधिक ध्यान देने के लिए उन्हें आगे विभिन्न उपवर्गों में बांटा गया है।

2 **क्या कंपनी ने उपर्युक्त में से वंचित, कमजोर एवं अधिकारहीन हितधारकों की पहचान की है?**

जी हाँ, भारत सरकार और आरबीआई ने वित्तीय समावेशन, प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण देने, समाज के कमजोर वर्गों को ऋण देने आदि पर मौजूदा दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। तदनुसार बैंक ने वंचित, कमजोर और कमजोर हितधारकों को चिन्हित किया है। बैंक अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विविध उत्पादों और सेवाओं का प्रस्ताव देता है।

3 **क्या वंचित; कमजोर एवं सीमान्त हितधारकों की संलग्नता हेतु कंपनी द्वारा कोई विशेष कदम उठाए गए हैं? यदि हां, तो लगभग 50 शब्दों में इसका विस्तृत विवरण दें।**

बैंक का मानना है कि सीमांत ,असहाय और आर्थिक रूप से बहिष्कृतो को मदद करने से उन्हें अर्थव्यवस्था में उत्पादक योगदान करने में मदद मिलेगी। वित्तीय सेवाओं तक पहुंच सीमांत क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करेगी और यह सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए महत्वपूर्ण है। बैंक विभिन्न सरकारी योजनाओं में एक उत्सुक भागीदार रहा है और वंचित और सीमांत हितधारकों के अनुसार अपने उत्पादों और सेवाओं की रचना की है। लघु/सीमांत किसानों, सूक्ष्म/लघु उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों, कमजोर वर्गों, अल्पसंख्यक समुदायों और महिला लाभार्थियों को रियायती दरों पर ऋण दिया जाता है। बैंक सीमान्त वर्गों को सशक्त बनाने के लिए पीएनबी किसान प्रशिक्षण केंद्र (एफटीसी), ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी) जैसे विभिन्न ट्रस्ट/केंद्र भी चला रहा है। पीएनबी विकास-अंगीकृत ग्राम योजना, किसान क्लब के माध्यम से सामुदायिक विकास, बुनियादी ढांचा निर्माण जैसी कल्याणकारी योजनाएँ शुरू की गई जिससे वांछित लक्ष्य प्राप्त किये जा सके।

8. **What percentage of your under mentioned employees were given safety & skill up-gradation training in the last year?**

A.	Permanent Employees	:	64.33%
B.	Permanent Women Employees	:	52.39%
C.	Casual/Temporary/Contractual Employees	:	NIL
D.	Employees with Disabilities	:	64.58%

Principle 4: Businesses should respect the interests of, and be responsive towards all stakeholders, especially those who are disadvantaged, vulnerable and marginalized.

1. **Has the company mapped its internal and external stakeholders?**

Yes, the Bank has identified its key stakeholders, both internal and external. The stakeholders of the Bank are its shareholders, investors, customers, employees, Government, regulatory agencies and the society. They are further segregated into various subsets for an enhanced focus.

2. **Out of the above, has the company identified the disadvantaged, vulnerable & marginalized stakeholders?**

The Government and the RBI have prescribed certain guidelines and targets regarding Financial Inclusion, Priority Sector Lending and lending to the marginalized sections of the society. Accordingly, the Bank has identified the disadvantaged, vulnerable and marginalized stakeholders. The Bank offers various products and services to cater to their specific needs.

3. **Are there any special initiatives taken by the company to engage with the disadvantaged, vulnerable and marginalized stakeholders. If so, provide details thereof, in about 50 words or so.**

The Bank believes that helping the marginalized, unbanked and financially excluded will enable them to contribute productively to the economy. Access to financial services is crucial to strengthen marginalized sections and make a significant contribution to their social and economic development. The Bank has been a keen participant in various Government schemes and has come out with products and services designed for disadvantaged and marginalized stakeholders. Loans are given at subsidized rates to small/marginal farmers, micro/small enterprises, Self Help Groups, weaker sections, minority communities and women beneficiaries. The Bank is also running various Trusts/centers such as PNB Farmers' Training Centers (FTCs), Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs), Financial Literacy Centres (FLCs) in order to empower the marginalized sections. Welfare schemes such as PNB VIKAS- Village Adoption Scheme, community development through KISAN CLUBS, infrastructure creation have been undertaken to achieve the desired outcomes.

सिद्धांत 5: कारोबार द्वारा मानवाधिकार को प्रोत्साहन एवं सम्मान दिया जाना चाहिए।

1. **क्या मानवाधिकारों पर कंपनी की नीति केवल कंपनी को कवर करती है अथवा यह समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/संविदाकारों/गैर सरकारी संगठनों/अन्य को भी कवर करती है?**

   बैंक, श्रम कानूनों और कर्मचारी के अधिकारों के अनुपालन सहित विक्रेताओं के साथ अपने अनुबंधों में मानवाधिकार से संबंधित उचित धाराएं शामिल करता है। इसके अतिरिक्त, बैंक सभी मानव को मूलभूत मानव अधिकार देता है और मानता है कि सभी मानव समान है । यह सुनिश्चित करता है कि रंग, जाति, धर्म, निशक्तता, लिंग, सामाजिक स्थिति इत्यादि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता है।

2. **गत वित्तीय वर्ष में हितधारकों की कितनी शिकायतें प्राप्त हुई और प्रबंधन द्वारा कितने प्रतिशत का संतोषजनक समाधान किया गया?**

   वित्तीय वर्ष 2018-19 में कुल 62,539 ग्राहक शिकायते प्राप्त हुई और 01.04.2018 तक कुल 64,401 में से 1862 शिकायतें बकाया थी। जिसमें से 63,435 को अवधि के दौरान हल किया गया है। अतः शिकायते निपटाना का प्रतिशत 98.50% है।

   वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान प्राप्त कुल शेयरधारक शिकायतें 17 थी, जिनमें से सभी का समाधान किया गया।

सिद्धांत 6: कारोबार को पर्यावरण का ध्यान रखने, संरक्षण करने एवं इसे बहाल करने के प्रयास करने चाहिए।

1. **क्या सिद्धांत 6 से संबंधित नीति केवल कंपनी को कवर करती है अथवा यह समूह/संयुक्त उद्यमों/आपूर्तिकर्ताओं/संविदाकारों/गैर सरकारी संगठनों/अन्य को भी कवर करती है?**

   पॉलिसी केवल पीएनबी को कवर करती है।

2. **क्या जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग आदि जैसे वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों पर ध्यान देने के लिए कंपनी की कोई नीति/पहल है? हाँ/नहीं। यदि हाँ, तो वेबपेज आदि का हाईपरलिंक उपलब्ध कराएं।**

   बैंक का मानना है कि एक सतत विकास पर्यावरण संरक्षण को शामिल करता है। इस दिशा में, बैंक उन पहलों में शामिल रहा है जो हरित वित्तपोषण, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हैं:

ए. सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा जैसी स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं पर जोर।

बी. बैंक उन उत्पादों और परियोजनाओं को बढ़ावा नहीं दे रहा है जो पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं, जो हरित वित्तपोषण को बढ़ावा दे रहा है।

सी. बैंक विशेष रूप से **सौर ऊर्जा चालित एटीएम** स्थापित कर रहा है। यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि ऊर्जा को बचाने के लिए शाखाओं में सौर ऊर्जा स्थापित किए है।

डी. बैंक ने अपनी नई इमारतों में सौर पीवी सेल आधारित बिजली और **सौर जल तापन प्रणाली** के स्रोतों को अपनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

ई. बैंक सौर ऊर्जा प्रदर्शन परियोजनाओं, वर्मी कम्पोस्टिंग, ट्री गार्ड आदि में सहायता प्रदान करके पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद कर रहा है।

एफ. बैंक ने जलवायु परिवर्तन के लिए बढ़ती चिंता को देखते हुए कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए कई पहल की हैं।

Principle 5: Businesses should respect and promote human rights

1. **Does the policy of the company on human rights cover only the company or extend to the Group/Joint Ventures/Suppliers/Contractors/NGOs/Others?**

   The Bank, in its agreements with various vendors, includes relevant clauses pertaining to human rights which cover adherence to labour laws and employee rights. Further, the Bank gives basic human rights to all and believes that all humans are equal. It makes sure that no discrimination takes place in the organization on the basis of colour, caste, race, religion, disability, gender, social status etc.

2. **How many stakeholder complaints have been received in the past financial year and what percent was satisfactorily resolved by the management?**

   Total number of customer complaints received in FY 2018-19 is 62,539 and 1862 complaints was outstanding as on 01.04.2018 totaling 64,401. Out of which 63,435 have been resolved during the period, with percentage of resolution at 98.50%.

   Total number of shareholder complaints received during FY 2018-19 is 17, all of which were resolved.

Principle 6: Business should respect, protect, and make efforts to restore the environment

1. **Does the policy related to Principle 6 cover only the company or extends to the Group/Joint Ventures/Suppliers/Contractors/NGOs/others.**

   Policy covers PNB only.

2. **Does the company have strategies/ initiatives to address global environmental issues such as climate change, global warming, etc? Y/N. If yes, please give hyperlink for webpage etc.**

   The Bank believes that a sustainable growth incorporates environment protection. In this direction, the Bank has been involved in initiatives that promote green financing, clean energy and environment protection such as:

a. Emphasis on clean energy projects such as solar energy, wind energy and renewable energy.

b. The Bank discourages products and projects which adversely impact the environment, by promoting green financing.

c. The Bank is setting up **solar energy driven ATMs**. It is also ensuring that branches have the solar energy set up to save on energy.

d. The Bank has moved towards adoption of **Solar PV cell based sources of power** and **Solar Water Heating System** in its new buildings.

e. The Bank is also helping to maintain ecological balance by providing aid in Solar Energy Demonstration Projects, Vermi Composting, Tree Guards, etc.

f. The Bank has taken up various initiatives for reducing carbon emissions and energy consumption in view of the

बैंक ने अपने कार्यालय भवनों हेतु ऊर्जा कुशल उपकरण को अपनाया है। सभी कार्यालयों के **100% बिजली के ऑडिट** किए गए है जिससे कुशल कार्यप्रणाली हासिल हुई है।

जी. बैंक के पास द्वारका में स्टेट ऑफ द आर्ट कॉरपोरेट बिल्डिंग है, जो एक ऊर्जा और समय कुशल इमारत है। इसमें सेंसर लगे हुए है और यह एक **प्रमाणित ग्रीन बिल्डिंग** है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ डिजाइन दक्षता और सबसे आधुनिक सुविधाओं के लिए **5 स्टार जीआरआईएचए रेटिंग** प्राप्त है।

एच. संसाधनों और ऊर्जा के अपव्यय को कम करने में मदद करने के लिए बैंक **"ग्रीन पीएनबी"** पहल को अपना रहा है, जैसे कि दोनों तरफ से कागज का उपयोग करना और सीएफएल बल्ब के उपयोग से बिजली का संरक्षण करना आदि।

3. क्या कंपनी संभावित पर्यावरणीय जोखिमों की पहचान व आकलन करती है? हाँ/नहीं

जी हां, बैंक पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने से संबंधित विभिन्न पहलों में सहभागिता करता है। बैंक सतर्कतापूर्वक ऐसे कारोबारों से बचता है जिनका पर्यावरण एवं समाज पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। यह स्थानीय कानूनों और विनियामक दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमो को कम करने का प्रयास करता है।

इसके अतिरिक्त बैंक स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण के अनुकूल संचालन का उपयोग करने वालों के वित्तपोषण को बढ़ावा देता है।

4. क्या स्वच्छ विकास तंत्र से संबंधित कंपनी की कोई परियोजना है? यदि ऐसा है, तो लगभग 50 शब्दों में इसका विवरण उपलब्ध कराएं। साथ ही, यदि हाँ, तो क्या कोई पर्यावरण अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की गई है?

ऊर्जा की अपव्यय को कम करने में मदद करने के लिए बैंक **"ग्रीन पीएनबी"** पहल को अपना रहा है। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, यूपीआई, आदि जैसी डिजिटल पहलों को अपनाकर और कागज रहित दस्तावेज को प्रोत्साहित करके कागज की बर्बादी को रोकने के लिए बैंक ने डिजिटल यात्रा आरंभ की है। नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा जैसे सौर/पवन/भूतापीय/ज्वार ऊर्जा आदि का उपयोग कर रहे परियोजनाओं पर अधिक बल दिया जाता है।

5. क्या कंपनी ने स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा दक्षता, अक्षय ऊर्जा आदि के संबंध में कोई अन्य. पहल की है? हां/नहीं। यदि हां तो कृपया वेबपेज आदि का हाइपरलिंक उपलब्ध कराएं।

हां, बैंक वर्ष 2022 तक 175 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करने के लिए सरकार के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है। इसे बढ़ावा देने के लिए, रूफटॉप फोटोवोल्टिक सौर ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए बैंक को एशियाई डेवलपमेंट बैंक से 500 मिलियन के ऋण के क्रम को स्वीकृत किया गया है। इसके तहत एक अनुकूलित योजना बैंक द्वारा तैयार की गई है। इसने बायोमास, लघु पनबिजली और पवन ऊर्जा परियोजनाओं का उपयोग करने वाले वित्तपोषण परियोजनाओं पर भी अपना जोर दिया है।

ग्रीन पीएनबी पहल के तहत, बैंक नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए कागज रहित बैंकिंग की ओर अग्रसर हो रहा है। एटीएम का उपयोग करते समय लेनदेन पर्ची के मुद्रण से बचने के लिए, ग्राहकों को ई-स्टेटमेंट, ई-वेलकम किट, ई-रिपोर्ट और मैसेजिंग अलर्ट सेवा हेतु सदस्यता लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। इस हेतु लिंक https://www.pnbindia.in हैं।

growing concern for climate change. It has adopted energy efficient equipments for office buildings. **100% electricity audit of all the offices** has resulted in their efficient functioning.

g. The Bank has a **State of the Art Corporate Building** at Dwarka which is an energy and time efficient building. It is a building equipped with sensors and is a **certified Green Building** having **5 Star GRIHA Rating** for best design efficiency and most modern amenities.

h. The Bank is adopting **"Green PNB"** initiatives, to help reduce wastage of resources and energy, such as reducing paper usage by printing on both sides and conserving electricity by usage of CFL bulbs, etc.

3. Does the company identify and assess potential environmental risks? Y/N

Yes, the Bank participates in various initiatives to address environmental concerns. The Bank avoids lending to businesses that might have any detrimental impact on the environment and the society. It attempts to mitigate environmental and social risks by complying with various local laws and regulatory guidelines.

Also, the Bank promotes financing of clean energy projects and those using renewable energy and environment friendly operations.

4. Does the company have any project related to Clean Development Mechanism? If so, provide details thereof, in about 50 words or so. Also, if yes, whether any environmental compliance report is filed?

The Bank is adopting **"Green PNB"** initiatives, to help mitigate wastage of energy. The bank has embarked on its digital journey and aims to curb paper wastage by adopting digital initiatives such as Internet Banking, Mobile Banking, ATMs, UPI, etc. and encouraging paperless documentation. Huge emphasis is laid on projects that are using renewable & clean energy such as solar/ wind/ geothermal/ tidal energy etc.

5. Has the company undertaken any other initiatives on – clean technology, energy efficiency, renewable energy, etc. Y/N. If yes, please give hyperlink for web page etc.

Yes, the Bank is actively involved in promoting the vision of the Government to achieve 175 GW of renewable energy capacity by 2022. To promote this, the Bank has been sanctioned a line of credit of $500 million from Asian Development Bank, for financing Rooftop Photovoltaic Solar Power Projects. A customized scheme under this facility has been formulated by the Bank. It has also laid its emphasis on financing projects such as those using Biomass, Small Hydro power and Wind Power projects.

Under **Green PNB** initiatives, the Bank is moving towards paperless banking to mitigate negative environmental impact. Customers are also encouraged to subscribe to e-statements, e-welcome kits, e-reports and messaging alerts service, while using ATMs, to avoid printing of transaction slips. Link for the same is https://www.pnbindia.in.

6. **क्या रिपोर्ट किए जा रहे वित्तीम वर्ष हेतु कंपनी द्वारा उत्पन्न उत्सरर्जन/अपशिष्ट सीपीसीबी/एसपीसीबी द्वारा अनुमत सीमाओं के भीतर हैं?**

एक सेवा क्षेत्र संगठन होने के नाते- बैंक किसी भी विषाक्त/खतरनाक प्रदूषक का उत्सर्जन नहीं करता है।

7. **सीपीसीबी/एसपीसीबी से प्राप्त ऐसे कारण बताओ/कानूनी नोटिसों की संख्या जो वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर लंबित (अर्थात जिनका संतोषजनक उत्तर नही दिया जा सका) रहे?**

शून्य

सिद्धांत 7: कारोबार जब लोक एवं विनियामक नीति को प्रभावित करने में संलग्न हों, तो ऐसा जिम्मेदार ढंग से किया जाना चाहिए।

1. **क्या आपकी कंपनी किसी ट्रेड व चैम्बर एसोसिएशन की सदस्य है? यदि हाँ तो केवल उन मुख्य संस्थाओं के नाम बताएं जिनके साथ आपका कारोबार संबंध रखता है।**

बैंक निम्न का सदस्य है:

क) भारतीय बैंक संघ (आईबीए)

ख) भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान (आईआईबीएफ)

ग) भारतीय बैंक प्रबंधन संस्थान (आईआईबीएम) गुवाहाटी

घ) भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)

ङ) बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी)

च) भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की)

छ) पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई)

ज) प्रशासन स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया हैदराबाद (एएससीआई)

झ) इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई)

ञ) सार्वजनिक उपक्रमों की स्थायी समिति (एससीओपीई)

2. **क्या आपने कभी उपरोक्त एसोसिएशनों के माध्यम से जनहित के विकास अथवा सुधार के लिए पैरवी/लॉबिंग की है? हां/नहीं; यदि हां तो कृपया व्यापक क्षेत्रों (ड्राप बॉक्स: अभिशासन और प्रशासन, आर्थिक सुधार, समावेशी विकास नीतियां, ऊर्जा सुरक्षा, जल, खाद्य सुरक्षा, सतत कारोबार नीतियां, अन्य) का उल्लेख करें।**

बैंक विभिन्न संगठनों के माध्यम से बैंकिंग तथा अर्थव्यवस्था से संबंधित सुझाव आगे बढ़ाता है। बैंक के पूर्णकालिक निदेशक और इसके शीर्ष प्रबंधन नियामक व नीति निर्माता द्वारा बनाए गए विभिन्न कार्य दलों का भी हिस्सा हैं। इस प्रकार, नीतियां बनाते समय विभिन्न आर्थिक एवं वित्तीय मुद्दों के संबंध में बैंक द्वारा दिए सुझावों पर भी विचार किया जाता है।

6. **Are the Emissions/Waste generated by the Company within the permissible limits given by CPCB/SPCB for the financial year being reported?**

Being a service sector organization, the Bank does not generate any toxic/hazardous pollutants.

7. **Number of show cause/ legal notices received from CPCB/SPCB which are pending (i.e. not resolved to satisfaction) as at end of Financial Year.**

Nil

Principle 7: Businesses, when engaged in influencing public and regulatory policy, should do so in a responsible manner

1. **Is your company a member of any trade and chamber or association? If Yes, name only those major ones that your business deals with:**

The Bank is a member of:

a) Indian Banks Association (IBA)

b) Indian Institute of Banking and Finance (IIBF)

c) Indian Institute of Bank Management (IIBM), Guwahati

d) Confederation of Indian Industry (CII)

e) Banks Board Bureau (BBB)

f) Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI)

g) PHD Chamber of Commerce and Industry (PHDCCI)

h) Administrative Staff College of India, Hyderabad (ASCI)

i) Institute of Company Secretaries of India (ICSI)

j) Standing Committee of Public Enterprises (SCOPE)

2. **Have you advocated/lobbied through above associations for the advancement or improvement of public good? Yes/No; if yes specify the broad areas (drop box: Governance and Administration, Economic Reforms, Inclusive Development Policies, Energy security, Water, Food Security, Sustainable Business Principles, Others).**

The Bank puts forth suggestions related to banking and economy through various Associations. Whole time Directors of the Bank and its Top Management also form a part of various working groups set up by the regulator and policy makers. Thus, the Bank's inputs and suggestions regarding various economic and financial issues are considered while formulating the policies.

सिद्धांत 8: कारोबार को समावेशी वृद्धि तथा साम्यिक विकास में सहायता करनी चाहिए।

1. **क्या कंपनी में सिद्धांत 8 से संबंधित नीति के अनुसरण में विशिष्ट कार्यक्रम/पहल/परियोजनाएं हैं? यदि हां तो इनके विवरण दें।**

बैंक समाज के गैर बैकिंग व हाशिए वाले वर्गो के लिए अपने विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं को दे कर भारत सरकार के वित्तीय समावेशन के एजेंडा का सक्रिय रूप से समर्थन करता हैं। बैंक समय-समय पर प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई), स्टैंड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए (डीएवाई-एनआरएलएम), मैनुअल स्केवेंजर्स (एसआरएमएस) के पुनर्वास के लिए योजना, विभेदक ब्याज दर (डीआरआई), प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई), अटल पेंशन योजना (एपीवाई), सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवी) सभी सरकारी योजनाओं में एक उत्सुक भागीदार रहा है। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, बैंक ने 1319 नए एमएसएमई लाभार्थियों को ऋण सुविधा प्रदान की है तथा स्टेंड अप इंडिया के तहत रु.362 करोड़ की राशि स्वीकृत की है।

एमएसएमई इकाइयों को संपर्क रहित ऋण प्रदान करने के लिए PSBloansin59minutes प्लेटफॉर्म में पीएनबी शामिल हो गया है। बैंक के एमएसएमई उत्पादों को लोड करने के लिए प्लेटफार्म को अनुकूलित किया गया है।

बैंक ने यह पाया है कि "समावेशी विकास" को बढ़ावा देने की दिशा में सबसे बड़ी चुनौती वित्तीय जागरूकता की कमी है। इसे संबोधित करने हेतु, बैंक के पास देश के विभिन्न जिलों में 105 **वित्तीय साक्षरता केंद्र (एफएलसी)** हैं। ये केंद्र सभी को आजीविका के लिए जमा, नो फ्रिल खाते, ऋण, ऋण पुनर्गठन, प्रौद्योगिकी, उद्योग, शिक्षा और वित्त के संबंधी परामर्श आमने-सामने प्रदान करते हैं। मोबाइल वैन के माध्यम से स्थान विस्तार सेवाओं पर किसानों और ग्रामीण युवाओं को एफएलसी एवं ग्रामीण स्वः रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के सहयोग से प्रदान किया जाता है। **किसान क्लब** का गठन वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और जन्मजात वातावरण में सुधार लाने के लिए किया जाता है।

बैंक किसानों के लिए भी निम्नलिखित योजनाएं ऑफर कर रहा है:

ए. **पीएनबी कृषक साथी योजनाः** इस योजना के अंतर्गत, बैंक किसानों को वित्त प्रदान करता है जिससे वे ऋणदाताओं को अपने बकाया देय चुका सकें तथा किसानों के साथ सहक्रिया विकसित कर सकें जिससे वित्तीय समावेशन सुनिश्चित किया जा सके।

2. **क्या कार्यक्रमों/परियोजनाओं को आंतरिक टीम/निजी फाउंडेशन/बाह्य स्वयंसेवी संस्थाओं/सरकारी ढांचे/किसी अन्य संगठन के माध्यम से आयोजित किया जाता है?**

प्राथमिकता क्षेत्र और वित्तीय समावेशन प्रभाग, एमएसएमई प्रभाग, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कक्ष जैसे समर्पित प्रभाग हैं जो वित्तीय समावेशन ड्राइव और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम/परियोजनाएँ आरंभ करते हैं। मूल स्तर पर प्रगति की निगरानी हमारे आंचलिक कार्यालयों और मंडल कार्यालयों के माध्यम से भी की जाती है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एनजीओ तथा सरकारी संस्थानों के साथ साझेदारी/सहयोग में बैंक की एक अपनी आंतरिक टीम है। पीएनबी

Principle 8: Businesses should support inclusive growth and equitable development

1. **Does the company have specified programmes/ initiatives/projects in pursuit of the policy related to Principle 8? If yes details thereof.**

The Bank actively supports the Government's agenda of financial inclusion by offering various products and services to the unbanked and marginalized sections of the society. The Bank is a keen participant in all Government schemes from time to time, namely Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY), Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY), Stand Up India, Start Up India, Deendayal Antyodaya Yojana-National Rural Livelihoods Mission (DAY-NRLM), Scheme For Rehabilitation of Manual Scavengers (SRMS), Differential Rate Of Interest (DRI), Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission (DAY-NULM), Pradhan Mantri Awas Yojana (PMAY), Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY), Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY), Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY), Atal Pension Yojana (APY), Sukanya Samriddhi Yojana (SSY). During FY 2018-19, the Bank has extended credit facility to 1319 new MSME beneficiaries and sanctioned an amount of Rs. 362 crore under Stand Up India Scheme.

PNB has also joined the platform ***PSBloansin59minutes*** to provide contactless loans to MSME units. The platform has been customized for loading Bank's MSME products.

The Bank felt that the biggest challenge to fostering "Inclusive growth" is the lack of financial awareness. To address this, the Bank has 105 **Financial Literacy Centres (FLCs)** in different districts of the country. These centres provide face to face counseling regarding deposits, No Frill accounts, credit, debt restructuring, technology, industry, education and finance for livelihood to all. On-location extension services through mobile vans are provided to farmers and rural youth in collaboration with FLCs and Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs). **Kisan Clubs** are formed for promoting financial inclusion, financial literacy and making recovery in congenial environment.

Bank is also offering following schemes for farmers:

a. **PNB Krishak Saathi Scheme:** Under this scheme, the Bank provides finance to farmers to redeem their outstanding dues to money lenders, thereby developing synergy with the farmers, and ensuring their financial inclusion.

2. **Are the programmes/projects undertaken through in-house team/own foundation/external NGO/government structures/any other organization?**

There are dedicated divisions, namely, Priority Sector and Financial Inclusion Division, MSME Division, Corporate Social Responsibility Cell that undertake various programs/ projects under the financial inclusion drive and Corporate Social Responsibility. The progress at grass-root level is also monitored through our Zonal Offices and Circle Offices.

The Bank has a dedicated internal team, in partnership/ association with NGOs and Government institutes, for

प्रेरणा, बैंक की वरिष्ठ महिला अधिकारियों के साथ-साथ बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की पत्नियों की एक संस्था है, जो स्वेच्छा से बैंक के सीएसआर एजेंडा को आगे बढ़ाने में शामिल है।

3. **क्या आपने अपनी पहल के प्रभावों का कोई मूल्यांकन किया है?**

बैंक अपने द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं की आवधिक समीक्षा करता है और अपनी स्थिति एवं प्रदर्शन का नियमित रूप से मूल्यांकन करता है। निरंतर निगरानी और मूल्यांकन के परिणामस्वरूप, बैंक सुधारात्मक कदम उठाने में सक्षम हो गया है और विभिन्न सरकारी प्रायोजित योजनाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत बजट स्तर को पार करते हुए अच्छी प्रगति दिखाई है।

4. **सामुदायिक विकास परियोजनाओं में आपकी कंपनी का प्रत्यक्ष योगदान क्या है– आईएनआर में राशि तथा संचालित की जा रही परियोजनाओं का विवरण दें?**

बैंक अपनी विभिन्न परियोजनाओं के माघ्यम से सामुदायिक विकास कार्यक्रम में योगदान कर रहा है, जैसे कि

1. **पीएनबी विकास – ग्राम अभिग्रहण योजनाः** यह योजना को पूर्ण रूप से अंगीकृत गांवों का विकास करने के उद्देश्य से लागू किया गया था, इसमें मानव, आर्थिक और अन्य अवसंरचना विकास जैसे स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य, आदि अन्य हितधारकों (ग्रामीणों, सरकारी अधिकारियों, स्थानीय निकायों आदि) शामिल हैं। इस योजना के अंतर्गत, बैंक ने विभिन्न मंडलों में 169 गांवों (प्रमुख जिलों में 78 और गैर-प्रमुख जिलों में 91) को अंगीकृत किया है।

2. किसानों के मेले/क्लब और सामाजिक तथा सांस्कृतिक सभा जिसमें लोगों को उनकी जीवन शैली में सुधार के लिए विभिन्न तरीकों से अवगत कराया जाता है।

3. किसान प्रशिक्षण केंद्रों (एफटीसी) के अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से ऑन-लोकेशन कार्यक्रम और किसान गोष्ठियाँ किसानों के द्वार पर आयोजित की जाती हैं, जो गाँवों में नियमित दौरे आयोजित करते हैं।

4. **किसान क्लब** किसानों को परामर्श सेवाएँ प्रदान करते है। ये उन्हें बाजार में नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में शिक्षित करने का कार्य भी करते है।

5. **बुनियादी ढ़ाचे का निर्माणः** किसान प्रशिक्षण केंद्र (एफटीसी) ने विकासात्मक गतिविधियों के लिए एक गाँव को अंगीकृत किया है, जिसमें विकासात्मक कार्य जैसे, सार्वजनिक सुविधाओं का निर्माण, स्कूलों के लिए कक्षा का निर्माण, गांवों में पुस्तकालय, औषद्यालय, खेल के मैदान, पंखे, वाटर कूलर आदि उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

   पीएनबी उजाला योजना के अंतर्गत रु.80,000/- तक की लागत के 4 सोलर सड़क लाइट अंगीकृत ग्रामों को तथा प्रत्येक छात्रा को रु.500/- तक का एक सोलर लालटेन देने के लिए पीएनबी उजाला योजना का आरंभ किया गया। योजना के अंतर्गत 144 गांवों में 524 सोलर लाइटें लगाई गई और दिनांक 31.03.2019 तक छात्राओं को 1612 सोलर लालटेन दी गई।

6. **शौचालयों का निर्माणः** पीएनबी विकास के अंगीकृत गांवों के सरकारी स्कूलों में शौचालय निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना को मंजूरी दी गई है। यह सह-शैक्षिक और लड़कियों के सरकारी विद्यालयों

making the programs a success. PNB PRERNA, an association of the wives of the senior officials of the Bank alongwith senior lady officials of the Bank, is voluntarily involved in carrying forward the CSR agenda of the Bank.

3. **Have you done any impact assessment of your initiative?**

The Bank undertakes periodic reviews of various projects and regularly assesses their outcomes and performance. As a result of continuous monitoring and evaluation, the Bank has been able to take corrective steps and has shown good progress under various government sponsored and social security schemes surpassing the budgeted levels.

4. **What is your company's direct contribution to community development projects-Amount in INR and the details of the projects undertaken?**

The Bank's contribution to community development program has been made through its various projects such as:

1. **PNB VIKAS-Village Adoption Scheme:** The scheme is implemented with the objective of developing the adopted villages in a holistic manner, including Human, Economic & other Infrastructure Development like sanitation, drinking water supply, education, electricity, health, etc. in co-ordination with the other stake holders (villagers, the Govt. authorities, local bodies etc). Under this Scheme, the Bank has adopted 169 villages (78 in lead districts and 91 in non-lead districts) in different Circles.

2. Farmers' Melas/Clubs and social & cultural gatherings wherein people are made aware of various ways to improve their lifestyles.

3. Regular On-location Programmes and Kisan Goshthies are held at the doorsteps of farmers by the Farmers' Training Centres (FTCs) officials who conduct frequent visits to the villages.

4. **KISAN CLUBS** provide counselling services to the farmers. These clubs also educate them about the latest upcoming agricultural techniques in the market.

5. **Infrastructure Creation:** Farmers' Training Centres (FTCs) have adopted one village each for undertaking developmental activities, wherein developmental works like construction of public conveniences, class-rooms for schools, village library, dispensary, playgrounds, providing fans, water coolers etc., to schools are being undertaken.

   The scheme **PNB UJALA** was launched to provide 4 Solar Street Lights up to the cost of Rs. 80,000/- in the adopted villages and a Solar Lantern costing Rs. 500/- to each girl student already adopted under PNB LADLI Scheme. Under the scheme, 524 Solar Lights have been installed in 144 villages and 1612 Solar Lanterns given to girl students up to 31.03.2019.

6. **Construction of toilets:** Scheme to provide financial assistance for construction of toilets in government schools of adopted villages of PNB VIKAS has been approved. It focuses on co-educational and Girls' Govt. Schools

पर केंद्रित है जहां बैंक छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा तथा नियमित समाचार पत्र और शिक्षाप्रद पत्रिकाओं के साथ एक पुस्तकालय प्रदान करता है। आरंभ से दिनांक 31.03.2019 तक उक्त योजना/गतिविधियों के अंतर्गत रु.92.42 लाख रुपये का भुगतान किया गया है।

5. **क्या आपने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि इस सामुदायिक विकास पहल का समुदाय द्वारा सफलतापूर्वक अपनाया जाए? कृपया लगभग 50 शब्दों में इसे समझाएं।**

स्थानीय सरकार, एनजीओ, पंचायती राज संस्थानों, आदि जैसे सभी हितधारकों के साथ मिलकर पीएनबी विकास ग्राम अंगीकृत योजना, किसान क्लब, किसान गोष्ठी आदि जैसी बैंक की सामुदायिक विकास पहलों पर काम किया जाता है। स्थानीय जरूरतों एवं आवश्यकताओं के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बैंक स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य करता है। स्थानीय जनसंख्या की आवश्यकताओं के अनुसार अधिक स्वीकार्य तथा सामंजस्यपूर्ण उत्पाद तैयार करने के लिए बैंक स्थानीय पंचायतों/स्वयं-सहायता समूहों के साथ भी सहयोग करता है। स्थानीय संगठनो के साथ इन गठबंधनो से इस प्रकार के कार्यक्रम के सफल होने और समाज मे दीर्घकालिक सकारात्मक परिवर्तन की सुविधा सुनिशिचत करने मे सहायता मिलती है।

सिद्धांत 9: कारोबार को अपने ग्राहकों व उपभोक्ताओं के साथ जिम्मेदार ढंग से जुड़ना चाहिए तथा उनको इसका मूल्य उपलब्ध कराना चाहिए।

1. **वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर कितने प्रतिशत ग्राहक शिकायतें/उपभोक्ता मामले लंबित रहे?**

वित्तीय वर्ष 2018-19 की समाप्ति पर 1.50% शिकायतें लम्बित रहीं।

2. **क्या कंपनी उत्पाद के लेबल पर स्थानीय कानूनों के अनुसार अनिवार्य सूचना के अतिरिक्त उत्पाद का अन्य विवरण भी प्रदर्शित करती है? हाँ/नहीं/लागू नहीं/टिप्पणियां (अतिरिक्त सूचना)**

वित्तीय उत्पादों के विवरण बैंक की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाते हैं और पैम्फलेटों एवं ब्रोशरों के माध्यम से इनके बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। इलैक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया में भी उत्पादों के विज्ञापन दिए जाते हैं। फेसबुक और ट्विटर,लिंकेडीन जैसे विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर भी बैंक ने अपनी उपस्थिति दर्ज की है, जहाँ बैंक द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे उत्पादों व सेवाओं की विशेषताओं को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया जाता है।

3. **क्या गत 5 वर्षों के दौरान किसी भी हितधारक द्वारा कंपनी के विरुद्ध अनुचित व्यापार पद्धतियों, गैर जिम्मेदाराना विज्ञापन तथा/अथवा प्रतिस्पर्धा-रोधी व्यवहार के संबंध में दायर किया गया कोई मामला वित्तीय वर्ष के अंत पर लंबित रहा? यदि ऐसा है तो लगभग 50 शब्दों में इसका विवरण दें।**

शून्य।

wherein Bank provides separate toilet facilities for girl students and a library with regular newspaper & educative magazines. Since inception, Rs 92.42 lacs have been paid under the above scheme/activities upto 31.03.2019.

5. **Have you taken steps to ensure that this community development initiative is successfully adopted by the community? Please explain in 50 words, or so.**

Community development initiatives of the Bank such as PNB VIKAS- Village Adoption Scheme, Kisan Clubs, Kisan Goshthies etc. are taken in coordination with all the stakeholders such as local Government, NGOs, Panchayati Raj Institutions, etc. The Bank engages with the local agencies to offer programs and facilities as per their needs and requirements. Collaboration is done with the panchayats/ Self Help Groups for better acceptability and dovetailing products with the requirements of local populace. These alliances with local organizations help in ensuring that such programs succeed and facilitate a long term positive change in the society.

Principle 9: Businesses should engage with and provide value to their customers and consumers in a responsible manner

1. **What percentage of customer complaints/consumer cases are pending as on the end of financial year.**

1.50% of customer complaints are pending at the end of FY 2018-19.

2. **Does the company display product information on the product label, over and above what is mandated as per local laws? Yes/No/N.A. /Remarks(additional information)**

The details of various financial products offered by the Bank are displayed on the Bank's website; awareness is also spread via pamphlets and brochures. Bank also advertises its products via print and electronic media. It also maintains an active presence on various social media platforms such as Facebook, Twitter and LinkedIn which effectively display various features of the products and services offered by the Bank

3. **Is there any case filed by any stakeholder against the company regarding unfair trade practices, irresponsible advertising and/or anti-competitive behaviour during the last five years and pending as at the end of financial year. If so, provide details thereof, in about 50 words or so**

Nil

4. क्या आपकी कंपनी ने कोई भी उपभोक्ता सर्वेक्षण/उपभोक्ता संतुष्टि प्रवृत्ति का विश्लेषण किया है?

बैंक विभिन्न संपर्क बिंदुओं पर लेनदेन करने वाले ग्राहकों की संतुष्टि के स्तर का अविरत प्रक्रिया के रूप में विभिन्न मोड़ के माध्यम से आंकलन करता है। बैंक ने ग्राहकों को उनकी शिकायत दर्ज करने, यदि कोई हो, और उसकी स्थिति ऑनलाइन पता करने में सक्षम बनाने के लिए एक ऑनलाइन केंद्रीकृत शिकायत निवारण प्रबंधन प्रणाली (CGRMS) का अपनाया है। इसके अलावा, ग्राहक बैंक के संपर्क केंद्रों में टेली बैंकिंग सेवा के माध्यम से अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं, जो 24×7 कार्य करते है। बैंक ग्राहक सेवा पर स्थायी समिति में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले नामांकित ग्राहकों को आमंत्रित करता है, प्रधान कार्यालय में कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति, जो शाखाओं द्वारा प्रदान की जा रही सेवा की गुणवत्ता पर इन ग्राहकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करती है। सभी शाखाओं एवं मंडल कार्यालयों में मौजूदा ग्राहक सेवा की गुणवत्ता की जांच करने और ग्राहक सेवा में सुधार हेतु मिलने वाली प्रतिक्रियाओं/सुझावों की समीक्षा करने के लिए ग्राहक सेवा समितियां जिसमे ग्राहकों का भी प्रतिनिधित्व है स्थापित की गई हैं। बैंक अपने ग्राहकों से (i) सेवा की गुणवत्ता, (ii) अपनी शाखाओं का परिवेश आदि के बारे में हमारे संपर्क केंद्रों के माध्यम से आउटबाउंड कॉलिंग कर फीडबैक प्राप्त कर रहा है।

4. Did your company carry out any consumer survey/ consumer satisfaction trends?

The Bank, as an ongoing process, measures the satisfaction level of its customers transacting banking business across various touch points through various modes. The Bank has put in place an online Centralised Grievance Redressal Management System (CGRMS) to enable the customers to lodge their grievances, if any, and know the status online. Besides, customers can register their grievances through Tele Banking Service with the Contact Centers of the Bank, which are functioning on 24 x 7 basis. The Bank is inviting nominated customers representing different segments in the Standing Committee on Customer Service, a high level committee headed by Executive Director at Head Office, to have their feedback on the quality of service being rendered by the Branches. Customer Service Committees, having representation from customers, have been set up in all the Branches and Circle Offices to critically examine the feedback/suggestions received for making improvement in the quality of service rendered. The Bank is also obtaining feedback from its customers about (i) quality of service, (ii) ambience of its branches, etc., by conducting surveys and making outbound calls through our Contact Centers.

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट 2018-19

Corporate Social Responsibility Report 2018-19

प्रबन्ध निदेशक एवं सीईओ का संदेश

मुझे वर्ष 2018-19 के लिए बैंक की सीएसआर रिपोर्ट प्रस्तुत करने में बहुत हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह वर्ष बैंक का 125वां स्थापना वर्ष भी है। अपने दीर्घकालीन इतिहास में, पंजाब नैशनल बैंक सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और अपनी व्यावसायिक रणनीति में उसे पूर्णत: समायोजित भी किया है।

विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के वित्तपोषण द्वारा विकास को उत्प्रेरित करने और गरीबी का उन्मूलन करने की आर्थिक विचारधारा को ध्यान में रखते हुए, पीएनबी ने राष्ट्रीयकरण के बाद से ही असम्बद्ध क्षेत्रों में तेजी से अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। आज अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 60% से अधिक शाखाओं के साथ बैंक की उपस्थिति अत्यंत विशाल है। इसके अलावा, बैंक ने क्रेडिट के महत्वपूर्ण निवेश में हमेशा एक सूत्रधार की भूमिका निभाई है और प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण के संबंध में लगातार राष्ट्रीय लक्ष्यों को पार किया है।

पंजाब नैशनल बैंक में, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना (सीएसआर) संस्था के डीएनए में पूर्ण रूप रूप से समाहित है। बैंक जीवन को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय और राष्ट्रीय प्रयासों के समर्थन में अग्रणी घरेलू बैंकों में से एक के रूप में अपनी भूमिका के महत्व को समझता है।

बैंक के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक पूर्ण कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पॉलिसी है। बैंक की सीएसआर पॉलिसी इस बात की रूपरेखा प्रदान करती है कि हम अपने दैनिक कारोबारी कार्यों और परस्पर क्रियाओं में अपने मूल्यों को कैसे एकीकृत किया जाए। इस पॉलिसी में सीएसआर के अंतर्गत कई पहलुओं को शामिल किया गया है जैसे:- साक्षरता प्रसार, धर्मार्थ ट्रस्टों को वित्तीय सहायता, वृक्षारोपण अभियान, गैर-नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना, मुफ्त चिकित्सा शिविर, रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर, समाज के हाशिए वाले वर्गों को सहायता प्रदान करना, बिल्डिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, विभिन्न अस्पतालों / स्कूलों की सहायता, आदि

बैंक ने अपने सीएसआर एजेंडा को स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया है अर्थात सामाजिक पहल, स्वास्थ्य, हरित पहल, खेल को बढ़ावा देना इत्यादि। इसके अलावा, बैंक के पास पीएनबी प्रेरणा- बैंक के सभी वरिष्ठ अधिकारियों की पत्नियों और सभी महिला वरिष्ठ अधिकारियों का एक संघ है जो समुदाय के सामाजिक और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

MANAGING DIRECTOR & CEO MESSAGE

I take a great pleasure in presenting the Corporate Social Responsibility (CSR) Report of the Bank for FY'2018-19. This year also happens to be the 125th foundation year of the Bank. In its long history, Punjab National Bank has been a pioneer in taking up the social causes and has fully imbibed the same in its business strategy.

Keeping with the economic ideology of catalyzing development and amelioration of poverty by funding various self-employment schemes, PNB has expanded its presence rapidly in unbanked areas since Nationalization. Today Bank has a vast presence with more than 60% of its branches in semi urban and rural areas. Moreover, Bank has always donned the role of a facilitator in providing the vital input of credit and has consistently exceeded the national goals in respect of priority sector lending.

At Punjab National Bank, Corporate Social Responsibility (CSR) is ingrained in the institution's DNA. The Bank values its role as one of the leading domestic banks in supporting local and national efforts for making lives better.

Bank has a full-fledged CSR Policy approved by the Board of Directors. The CSR Policy of the Bank provides the framework for how we integrate our values into our daily business practices and interactions. The policy covers a host of aspects under CSR such as spreading literacy, Financial support to charitable trusts, tree plantation drives, promoting use of non-renewable energy, free medical camps, blood donation and health check up camps, supporting marginalized sections of the society, building infrastructure, aiding various hospitals/ schools etc.

Bank has clearly delineated the CSR agenda of the Bank i.e. Social Initiatives, Health, Green Initiatives, Promotion of Sports etc. Further, the Bank has PNB PRERNA – an association of the wives of all senior officers and all women senior officers of the Bank which focuses on social and economic development of the community.

बैंक अपनी सीएसआर रिपोर्ट में प्रत्येक मानदंड की तुलना में हुई प्रगति का आंकलन और उसका उल्लेख कर रहा है। बैंक की सीएसआर रिपोर्ट बैंक द्वारा समीक्षाधीन अवधि के दौरान कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में की गई प्रगति को दर्शाती है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, बैंक ने लगातार विविध गतिविधियों में भाग लेकर विविध और व्यापक सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाना जारी रखा है। बैंक ने पीएनबी उजाला और पीएनबी लाडली जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास और लड़कियों की शिक्षा को लोकप्रिय बनाया है। इसके अलावा, किसान बालक शिक्षा प्रोत्साहन योजना के माध्यम से गरीब कृषि उधारकर्ताओं के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पीएनबी विकास एक गाँव को गोद लेने की योजना है जिसमें गोद लिए गाँव को समग्र रूप से विकसित किया जाता है। सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप, बैंक की स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए गाँवों के सरकारी स्कूलों में उपयोगिताओं के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा है।

वर्ष के दौरान, बैंक ने केरल में बाढ़ प्रभावितों के लिए केरल के मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया है, जिससे केरल की सरकार द्वारा किए गए पुनर्वास प्रयासों में जरूरतमंदों की सहायता करने में मदद मिल सकी। इलाहाबाद में प्रयागराज कुंभ मेला 2019 के लिए बैंक ने भी सीएसआर के तहत सहायता प्रदान की। बैंक ने भली प्रकार से संरचित अपने किसान प्रशिक्षण केंद्रों (FTCs) और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (RSETI) के माध्यम से ग्रामीण और गरीब लोगों को सशक्त बनाना जारी रखा हुआ है। ये केंद्र समावेशी विकास को सुनिश्चित करके प्रतिभागियों के प्रशिक्षण और आर्थिक उत्थान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बैंक ने विभिन्न स्थानों पर संचालित वित्तीय साक्षरता केंद्रों (एफएलसी) के माध्यम से वित्तीय साक्षरता के प्रसार में भी योगदान दिया है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि बैंक को सीएसआर पहल की मान्यता में, इसे एशियामनी बैंकिंग अवाड्‌र्स 2019 द्वारा कारपोरेट सामाजिक दायित्व के लिए सर्वश्रेष्ठ बैंक के रूप में मान्यता दी गई।

बैंक अपने सभी हितधारकों अर्थात हमारे कर्मचारी, हमारे ग्राहक, हमारे शेयरधारक और समग्र रूप से समाज, के साथ जिम्मेदारी से बढ़ने तथा रिश्तों और संबंधों को गहरा बनाने में विश्वास करता है। कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से हम आगे बढ़ते हुए, एक बेहतर समाज बनाने के उद्देश्य से समाज का समर्थन करना जारी रखेंगे। हम सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशील तरीके से व्यवसाय् करना जारी रखेंगे।

अंत में, मैं उन सभी लोगों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिन्होंने इस वर्ष के दौरान कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को सफल बनाने में योगदान दिया है।

सुनील मेहता

(सुनील मेहता)

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

Against each parameter, the Bank is assessing the progress and mentioning the same in its CSR Report. The CSR report of the Bank brings out the progress made by the Bank in the area of Corporate Social Responsibility during the period under review.

During the year under review, the Bank continued to proactively undertake diversified and extensive social responsibilities by participating in a diverse range of activities. Bank has ensured rural infrastructure development and popularized Girls' education through schemes such as PNB Ujala and PNB Ladli. Besides, Kisan Balak Shiksha Protsahan Yojana scheme provides financial assistance to the students of poor agriculture borrowers. PNB Vikas is a Village Adoption Scheme wherein an adopted village is developed in a holistic manner.In line with the Government's Swachh Bharat Mission, Bank's Swachh Vidyalaya Campaign continued to provide financial assistance for construction of utilities in the Government schools of adopted villages.

During the year, Bank has contributed to "Kerala Chief Minister's Relief Fund" for flood affected victims in Kerala, to bring succor to those in need and help in rehabilitation efforts undertaken by Govt. of Kerala. Bank also provided assistance under CSR for "KumbhMela 2019" at Prayagraj, Allahabad. The Bank also continued to empower the rural and poor populace through its well-structured Farmers' Training Centres (FTCs) and Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs). These centers are focusing on training and economic upliftment of participants to ensure inclusive growth. The Bank also contributed towards spreading the Financial Literacy by way of Financial Literacy Centres (FLCs) operating at various places.

I am happy to share that in recognition of Bank' CSR initiatives, it was recognized as the "Best Bank for Corporate Social Responsibility" by the Asiamoney Banking Awards 2019.'

The Bank believes in growing responsibly and deepening relationships and engagement with all our stakeholders viz. our employees, our customers, our shareholders and the society as a whole. Going forward, we will continue to support the society by way of active participation in programmes aimed at creating a better society. We will continue to conduct business in a manner that is sensitive to societal and environmental issues.

In the end, I would like to express my sincere thanks to all those who contributed towards making Corporate Social Responsibility a success during the year.

(Sunil Mehta)

Managing Director & CEO

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट 2018-19

पंजाब नैशनल बैंक का कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व दृष्टिकोण

1. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व बैंक का सामाजिक रूप से उत्तरदायी और प्रबुद्ध दृष्टिकोण है। हमारी सीएसआर नीति बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ बैंक के सामाजिक संबंधों को मजबूत करने हेतु प्रभावी और निरंतर सीएसआर कार्यक्रम सुनिश्चित करती है।

2. सीएसआर, समग्र पीएनबी कॉर्पोरेट व्यापार रणनीति का एक अभिन्न अंग है। व्यवसाय रणनीति के साथ सीएसआर की अवधारणाओं को एकीकृत करने के लिए, बैंक ने निम्नलिखित वचनबद्धताओं को अपनाया है:

2.1 स्थिरता

पीएनबी, परिवर्तन का एक उत्प्रेरक बनने का इरादा रखता है जो वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को लाभान्वित करता है। हमारे मुख्य व्यवसाय और अन्य गतिविधियों में- स्थिरता पीएनबी का एक अभिन्न अंग है। इस प्रकार, हम अपने सभी हितधारकों, समाज और पर्यावरण के लिए उत्तरदायी होने में विश्वास रखते हैं।

2.2 कॉरपोरेट स्वेच्छा

सीएसआर गतिविधियों के पीछे मुख्य उद्देश्य "समाज को वापस देना" है। सीएसआर के बारे में हम अपने कर्मचारियों को जो संदेश देते हैं, वह यह है कि आज हम जो कुछ भी करेंगे, उसका असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। इस प्रकार हम स्टाफ सदस्यों की पूर्ण भागीदारी और स्थानीय जनता की भागीदारी के साथ सीएसआर गतिविधियां सुनिश्चित करते हैं।

2.3 सामाजिक निवेश

सामाजिक रूप से जिम्मेदार संगठन होने के नाते, हम पीएनबी किसान कल्याण ट्रस्ट, पीएनबी शताब्दी ग्रामीण विकास ट्रस्ट, पीएनबी प्रेरणा, किसानों के प्रशिक्षण केंद्र, वित्तीय साक्षरता और क्रेडिट परामर्श केंद्र, ग्रामीण स्वरोजगार और प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य ऐसी पहल के माध्यम से समाज में योगदान करते हैं। हम वंचित समुदायों को शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से बेरोजगारी और गरीबी को दूर करने और उनके भविष्य को आकार देने में मदद करते हैं। इन सभी पहलों को हमारे द्वारा सामाजिक निवेश के रूप में मान्यता दी जाती है।

2.4 स्वास्थ्य

हम इस विचार का पुरजोर समर्थन करते हैं कि स्वस्थ वातावरण में स्वस्थ मन और स्वस्थ शरीर, समाज और राष्ट्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। इस प्रकार, हम ऐसे क्षेत्रों में निवेश करते हैं जो इस तरह की वृद्धि को सुविधाजनक बनाते हैं। वर्ष 2018-19 के दौरान, बैंक ने कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ 396 सीएसआर गतिविधियां शुरू की। इसमें वर्ष के दौरान आयोजित 20 नि: शुल्क चिकित्सा जांच शिविर, 47 रक्तदान शिविर शामिल हैं।

Corporate Social Responsibility Report 2018-19

Punjab National Bank's Corporate Social Responsibility Approach

1. Corporate Social Responsibility is socially responsible and enlightened attitude of the Bank. Our CSR policy is to ensure effective and sustained CSR programme to strengthen social ties of the Bank with the community at large.

2. The CSR is an integral part of the overall PNB corporate Business Strategy. To integrate the concepts of CSR with Business Strategy, the Bank makes the following commitments:

2.1 Sustainability

PNB intends to be a catalyst for change that benefits present and future generations. Sustainability is an integral part of PNB's activities – in our core business and beyond. Thus, we believe in being responsible to all our stake holders, society and the environment.

2.2 Corporate Volunteering

"Giving back to the society" is the prime motive behind our CSR activities. The message that we give to our staff regarding CSR is that whatever we do today will have an impact on future generations. Thus we undertake CSR activities with full participation of staff members and participation of local populace.

2.3 Social Investments

Being a socially responsible organization, we contribute to society through the PNB Farmers Welfare Trust, PNB Centenary Rural Development Trust, PNB Prerna, Farmers' Training Centres, Financial Literacy & Credit Counseling Centres, Rural Self Employment & Training Institutes and other such initiatives. We help the underprivileged communities to overcome unemployment and poverty and shape their own future through education and skill development programmes. All these initiatives are counted by us as social investment.

2.4 Health

We strongly endorse the view that healthy mind and healthy body in a healthy environment is essential for overall growth of society and the nation. Thus, we invest in areas that facilitate such enhancements. During the year 2018-19, the Bank has undertaken 396 CSR activities with the active involvement of staff. This includes 20 free medical checkup camps, 47 Blood Donation Camps organized during the year.

2.5 हरित पहलें

हमने बिजली, पानी, कागज आदि जैसे संसाधनों के संरक्षण के लिए कुछ त्वरित प्रतिफल देने वाली "हरित पद्धतियों" को लागू किया है। हम मौजूदा इमारतों में वर्षा जल संचयन के लिए प्रयास कर रहे हैं और पर्यावरण के अनुकूल नए निर्माणों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हम पवन ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को लोकप्रिय बना रहे हैं। वर्ष के दौरान आयोजित 15 वृक्षारोपण शिविरों में 257 पौधे लगाए गए।

2.6 सहयोग

बैंक स्थानीय एजेंसियों के साथ संपर्क करता है ताकि स्थानीय जरूरतों और आवश्यकताओं के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जा सकें। हम बेहतर पहुंच के लिए बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट्स और बिजनेस फैसिलिटेटर्स के रूप में स्थानीय लोगों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बैंक स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं के अनुसार बेहतर स्वीकार्यता और उत्पादों को सुगम बनाने के लिए स्थानीय पंचायतों/स्वयं सहायता समूहों के साथ भी सहयोग करता है। स्थानीय संगठनों के साथ हमारे गठबंधन यह सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं कि हम ऐसे कार्यक्रमों का समर्थन कर रहे हैं जिनके सफल होने और दीर्घकालिक सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार साबित होने की प्रबल संभावना है।

2.7 खेलों को बढ़ावा

सीएसआर गतिविधि के एक भाग के रूप में खेलों को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक ने लगातार प्रयास किए हैं। बैंक ने 25खिलाड़ियों की स्वीकृत संख्या के साथ 14 से 18 वर्ष के जूनियर हॉकी खिलाड़ियों के लिए सितंबर 2002 में हॉकी अकादमी की स्थापना की है। इसके बाद, अप्रैल 2004 में, बैंक ने अपनी वरिष्ठ हॉकी टीम भी बनाई। वरिष्ठ खिलाड़ी बैंक के कर्मचारी हैं।

बैंक खिलाड़ियों को सभी लॉजिस्टिक सहायता और बुनियादी ढांचा प्रदान करता है और उन्हें हॉकी खिलाड़ियों के रूप में तैयार किया जाता है। जबकि जूनियर हॉकी टीम के खिलाड़ियों को निः शुल्क लॉजिंग, बोर्डिंग, स्टाइपेंड, प्लेइंग किट, कोच, एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड आदि प्रदान किए जाते हैं। सीनियर हॉकी टीम के खिलाड़ियों को प्लेइंग किट, आहार भत्ता, कोच, डाइटीशियन, फिजियोथेरेपिस्ट की सेवाएं, एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड, बीमा आदि प्रदान किया जाता है।

वर्ष के दौरान बैंक की सीनियर हॉकी टीम ने दो प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीते –29वां लाल बहादुर शास्त्री हॉकी टूर्नामेंट, चंडीगढ़ और 47वां एसएन वोहरा अखिल भारतीय गुरमीत मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट, 2018, चंडीगढ़ और 55वें नेहरू सीनियर हॉकी टूर्नामेंट 2018 चंडीगढ़ में रनर अप रही। पीएनबी जूनियर हॉकी टीम इस अवधि के दौरान 8वीं अखिल भारतीय जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2018 (डिव. बी) भोपाल के क्वार्टर फाइनल में पहुंची।

2.5 Green Initiatives

We have implemented some quick win "Green Practices" to conserve resources like electricity, water, paper etc. We are making efforts for rainwater harvesting in existing buildings and encourage environment friendly new constructions. We are promoting wind energy and popularizing solar energy usage in rural areas. 257 saplings were planted in 15 Tree Plantation Camps organized during the year.

2.6 Collaboration

The bank engages with local agencies so as to offer facilities as per the local needs and requirements. We are working closely with local people as Business Correspondents and Business Facilatators for improved reach. The Bank also collaborates with local Panchayats/Self Help groups for facilitating better acceptability and dovetailing products as per requirements of local populace. Our alliances with local organizations help ensure that we are supporting programs that are most likely to succeed and facilitate longterm positive change.

2.7 Promotion of Sports

The Bank continued in its efforts to promote sports and nurturing young talents as a part of CSR activity. The Bank has set up Hockey Academy in Sept. 2002 for junior hockey players in the age group of 14 to 18 years with sanctioned strength of 25 players. Subsequently, in April 2004, the Bank also formed its senior hockey team.The senior players are employees of the Bank.

Bank provides all logistic support and infrastructure to the players and they are groomed as hockey players. Whereas junior hockey team players are provided with free lodging, boarding, stipend, playing kit, coach, astro turf ground etc. Senior hockey team players are provided with playing kit, diet allowance, coach, dietician, physiotherapist's services, astro turf ground, insurance etc.

During the year the senior hockey team of the bank won two prestigious tournaments – 29th Lal Bahadur Shastri Hockey Tournament, Chandigarh and 47th S.N.Vohra's All India Gurmeet Memorial Hockey Tournament 2018, Chandigarh and had been Runner up in 55th Nehru Senior Hockey Tournament 2018 Chandigarh.PNB Junior Hockey team reached to the quarter final of 8th All India Junior Men National Championship 2018 (Divn B) Bhopal during the period.

श्री सुनील मेहता, बैंक के एमडी एवं सीईओ ने पीएनबी हॉकी टीम को सम्मानित किया। चित्र में श्री एल.वी.प्रभाकर, कार्यपालक निदेशक, श्री सतीश के नागपाल, सीवीओ एवं श्री बी.एन.मिश्रा, महाप्रबंधक भी दिखाई दे रहे हैं।

Shri Sunil Mehta, MD & CEO of the Bank felicitating PNB Hockey Team. Also seen in the picture are Shri L.V.Prabhakar, Executive Director, Shri Satish K Nagpal, CVO and Shri B.N.Mishra, General Manager.

2.8 अन्य सीएसआर पहलें

पीएनबी प्रेरणा, बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की पत्नियों के साथ-साथ बैंक की वरिष्ठ महिला अधिकारियों का एक संघ बैंक की सीएसआर गतिविधियों को शुरू करने/दिखाने/बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एसोसिएशन का मुख्य उद्देश्य बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों का समर्थन करना है।

2.8 Other CSR Initiatives

PNB Prerna, an association of the wives of the senior officials of the Bank as well as senior lady officials of the Bank is performing a vital role in undertaking/showcasing/promoting the Bank's CSR activities. The prime objective of the association is to support the Corporate Social Responsibility initiatives of the Bank.

डॉ.जयंती मेहता, अध्यक्षा और श्रीमती बिंदू शरण, श्रीमती विजिता लिंगम एवं श्रीमती मधु नागपाल पीएनबी प्रेरणा की उपाध्यक्षाओं ने महिला कौशल विकास योजना के तहत कौशल विकास की आर्थिक गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित महिलाओं को पांच सिलाई मशीनें वितरित कीं।

Dr. Jayanti Mehta ,President and Smt. Bindu Sharan ,Smt. Vijitha Lingam & Smt. Madhu Nagpal, Vice Presidents of PNB Prerna distributing five sewing machines to the women trained for undertaking the economic activities of skill development under Mahila Kaushal Vikas Yojana.

डॉ.जयंती मेहता, अध्यक्षा और श्रीमती विजिता लिंगम एवं श्रीमती मधु नागपाल पीएनबी प्रेरणा उपाध्यक्षाओं ने मेट्रो स्टेशन सेक्टर -10 द्वारका नई दिल्ली में स्वच्छता अभियान "स्वच्छता ही सेवा" के दौरान सफाई कर्मचारियों को लोई (ऊनी शॉल) वितरित किए।

Dr. Jayanti Mehta ,President and Smt. Vijitha Lingam & Smt. Madhu Nagpal, Vice Presidents of PNB Prerna distributing Lohis (woolen shawls) to Safai Sevaks during campaign of "Swachhata Hi Seva" a cleanliness drive at Metro Station Sector-10 Dwarka, New Delhi.

वर्ष के दौरान सीएसआर गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं

Highlights of CSR Activities during the year

श्री सुनील मेहता, बैंक के एमडी एवं सीईओ, पीएनबी प्र.का. सेक्टर -10 द्वारका नई दिल्ली के पास बैंक द्वारा शुरू किए गए "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के दौरान।

Shri Sunil Mehta, MD & CEO, of the bank during "Swachchata Hi Sewa" campaign launched by the Bank near PNB HO Sector-10 Dwarka New Delhi.

श्री सुनील मेहता, बैंक के एमडी एवं सीईओ, सीएसआर गतिविधि के तहत विद्युतप्रकाश की स्थापना के लिए गांव-ढुढीके में लाला लाजपत राय मेमोरियल समिति को चेक प्रदान करते हुए। चित्र में दृश्यमान हैं श्री बी.एन.मिश्रा, महाप्रबंधक तथा श्री पी.के.आनंद, अंचल प्रबन्धक लुधियाना।

Shri Sunil Mehta, MD & CEO of the bank delivering a cheque to Lala Lajpat Rai Memorial Committee at Village - Dhudhike for the installation of electronic lights under the CSR activity. Also seen in picture are Shri B.N.Mishra, General Manager and Shri P.K.Anand, Zonal Manager Ludhiana.

श्री सुनील मेहता, बैंक के एमडी एवं सीईओ, कुंभ मेला प्रयागराज में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत श्री योगी आदित्यनाथ माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश को चेक प्रदान करते हुए। चित्र में श्री बी.एन.मिश्रा, महाप्रबंधक, श्री विवेक झा, अंचल प्रबन्धक लखनऊ भी दृश्यमान हैं।

Shri Sunil Mehta, MD & CEO of the Bank presenting a cheque to Shri Yogi Adityanath Hon'ble Chief Minister, Uttar Pradesh under Corporate Social Responsibility for Kumbh Mela Prayagraj. Also seen in the picture are Shri B.N.Mishra, General Manager, Shri VivekJha, Zonal Manager Lucknow.

श्री एल.वी. प्रभाकर,बैंक के कार्यपालक निदेशक, पटना एयरपोर्ट के परिसर में पौधारोपण करते हुए। चित्र में श्री डी.के.पालीवाल, अंचल प्रबन्धक तथा श्री सुधीर दलाल, मंडल प्रमुख पटना भी दृश्यमान हैं।

Shri L.V.Prabhakar, Executive Director of the bank, planting a sapling at the premises of Patna Airport. Also seen in the picture are Shri D.K.Paliwal, Zonal Manager and Shri Sudhir Dalal, Circle Head Patna.

श्री अज्ञेय कुमार आजाद, बैंक के कार्यपालक निदेशक, पुलवामा के शहीदों के लिए जयपुर अंचल के स्टाफ सदस्यों द्वारा योगदान की गई राशि का चेक प्राप्त करते हुए।

Shri Agyey Kumar Azad, Executive Director of the bank, receiving a cheque for the amount contributed by the staff members of Jaipur Zone for the martyrs of Pulwama.

31.03.2019 को बेसल III (एकल और समेकित) के अंतर्गत स्तम्भ 3 – प्रकटीकरण

31.03.2019 को बेसल III (एकल और समेकित) के अंतर्गत स्तम्भ 3 - प्रकटीकरण

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशानुसार 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए बेसल III (एकल और समेकित) फ्रेमवर्क के अंतर्गत स्तम्भ 3 बैंक की वेबसाईट पर प्रकटीकरण रूप से प्रदर्शित किया गया है। विस्तृत ब्यौरे के लिए, कृपया हमारी वेबसाईट : www.pnbindia.in > Investor info > Financials > Financial year 2018-19 देखें।

इस खण्ड में निम्नलिखित प्रकटीकरण सम्मिलित है:

क्र. स.	तालिकाएं	विवरण
	गुणात्मक - मात्रात्मक प्रकटीकरण	
1.	तालिका DF-1	प्रयोग की सम्भावना
2.	तालिका DF-2	पूंजी पर्याप्तता
3.	तालिका DF-3	ऋण जोखिम – सामान्य प्रकटीकरण
4.	तालिका DF-4	ऋण जोखिम : - मानक दृष्टिकोण के अध्यधीन पोर्टफोलियो हेतु प्रकटीकरण
5.	तालिका DF-5	ऋण जोखिम कम करना : - मानक दृष्टिकोण हेतु प्रकटीकरण
6.	तालिका DF-6	प्रतिभूतिकरण एक्सपोजर्स: मानक दृष्टिकोण के लिए प्रकटीकरण
7.	तालिका DF-7	ट्रेडिंग बुक में बाजार जोखिम
8.	तालिका DF-8	परिचालिनगत जोखिम
9.	तालिका DF-9	बैंकिगं बुक में ब्याज दर जोखिम (IRRBB)
10.	तालिका DF-10	प्ररिचालनगत क्रेडिट जोखिम से सम्बन्धित एक्सपोजर के लिए सामान्य प्रकटीकरण
11.	तालिका DF-11	पूंजी की सरंचना
12.	तालिका DF-12	पूंजी की सरंचना – मिलान सम्बन्धी अपेक्षायें (चरण 1)
	तालिका DF-12	पूंजी की सरंचना – मिलान सम्बन्धी अपेक्षायें (चरण 2)
	तालिका DF-12	बेसल सामान्य प्रकटीकरण टैम्पलेट का उद्धरण (कॉलम को जोडकर)- तालिका डीएफ 11 (भाग 1/भाग 2 जो भी लागू हो)
13.	तालिका DF-13	विनियामक पूंजी लिखतों की मुख्य विशेषतायें
14.	तालिका DF-14	विनियामक पूंजी लिखतों की पूर्ण शर्तें एवं निबन्धन
15.	तालिका DF-16	इक्विटीज – बैंकिग बुक स्थिति के लिए प्रकटीकरण
16.	तालिका DF-17	एकाउंटिंग एसेस्ट्स बनाम चलनिधि अनुपात एक्स्पोजर की संक्षिप्त तुलना 31.03.2019
17.	तालिका DF-18	चलनिधि अनुपात सामान्य प्रकटीकरण टैम्पलेटस
18.		चलनिधि कवरेज अनुपात

PILLAR 3 DISCLOSURES UNDER BASEL III (SOLO AND CONSOLIDATED) - 31.03.2019

Pillar 3 Disclosures under Basel III (Solo and Consolidated) - 31.03.2019

Pillar 3 Disclosures under Basel III (Solo and Consolidated) Framework for the Year ended March 31, 2019 as per guidelines of RBI have been disclosed separately on Bank's website. For details, please visit our website: www.pnbindia.in > Investor info > Financials > Financial year 2018-19.

The section contains following disclosures:-

Sl. No.	Tables	Particulars
	Qualitative and Quantitative disclosures	
1.	Table DF - 1	Scope of Application
2.	Table DF - 2	Capital Adequacy
3.	Table DF - 3	Credit Risk: General Disclosures
4.	Table DF - 4	Credit Risk: Disclosures for Portfolios Subject to the Standardized Approach
5.	Table DF - 5	Credit Risk Mitigation: Disclosures for Standardized Approaches
6.	Table DF - 6	Securitisation Exposures: Disclosure for Standardised Approach
7.	Table DF - 7	Market Risk in Trading Book
8.	Table DF - 8	Operational Risk
9.	Table DF - 9	Interest Rate Risk in the Banking Book (IRRBB)
10.	Table DF - 10	General Disclosure for Exposures Related to Counterparty Credit Risk
11.	Table DF - 11	Composition of Capital
12.	Table DF - 12	Composition of Capital – Reconciliation Requirements (Step 1)
	Table DF - 12	Composition of Capital – Reconciliation Requirements (Step 2)
	Table DF - 12	Extract of Basel III common disclosure template (with added column) – Table DF 11 (Part I/Part II) which ever applicable
13.	Table DF - 13	Main features of Regulatory Capital Instruments
14.	Table DF - 14	Full Terms and Conditions of Regulatory Capital Instruments.
15.	Table DF - 16	Equities – Disclosures for Banking Book Positions.
16.	Table DF - 17	Summary comparison of accounting assets vs leverage ratio exposure measure 31.03.2019
17.	Table DF - 18	Leverage ratio common disclosure template
18.		Liquidity Coverage Ratio.

वित्तीय विवरण
Financial Statement

पंजाब नैशनल बैंक का 31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र
PUNJAB NATIONAL BANK - BALANCE SHEET AS ON 31st MARCH, 2019

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है)
(₹000 omitted)

पूँजी और देयताएं CAPITAL & LIABILITIES	अनुसूची Schedule	31.03.2019 को As on 31.03.19	31.03.2018 को As on 31.03.18
पूँजी Capital	1	9208094	5521146
प्रारक्षित निधियाँ और अधिशेष Reserves & Surplus	2	438663151	405221915
जमाराशियाँ Deposits	3	6760301361	6422261919
उधार Borrowings	4	393259151	608507480
अन्य देयताएं और प्रावधान Other Liabilities and Provisions	5	148062860	216788585
जोड़ TOTAL		**7749494617**	**7658301045**
आस्तियाँ ASSETS			
नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा शेष Cash & Balances with Reserve Bank of India	6	321291338	287890324
बैंकों के पास जमा शेष और माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धन Balances with Banks & Money at call & short notice	7	431589074	666729711
निवेश Investments	8	2021282198	2003059816
अग्रिम Advances	9	4582492041	4337347213
अचल आस्तियाँ Fixed Assets	10	62248473	63493272
अन्य आस्तियाँ Other Assets	11	330591493	299780709
जोड़ TOTAL		**7749494617**	**7658301045**
आकस्मिक देयताएं Contingent Liabilities	12	3054001291	3041276977
उगाही बिल Bills for Collection		273358976	278586121
प्रमुख लेखांकन नीतियां Significant Accounting Policies	17		
लेखा टिप्पणियाँ Notes on Accounts	18		

1 से 18 तक की अनुसूचियाँ लेखों का अभिन्न अंग हैं।
The Schedules 1 to 18 form an integral part of the Accounts.

पी के वार्ष्णेय **P K VARSHNEY** **मुख्य प्रबन्धक** **CHIEF MANAGER**	**एस के जैन** **S K JAIN** **उप महाप्रबन्धक** **DY. GENERAL MANAGER**	**पी के शर्मा** **P K SHARMA** **महाप्रबन्धक** **GENERAL MANAGER**
ए के आजाद **A K AZAD** **कार्यपालक निदेशक** **EXECUTIVE DIRECTOR**	**एल वी प्रभाकर** **L V PRABHAKAR** **कार्यपालक निदेशक** **EXECUTIVE DIRECTOR**	**डॉ. आर के यदुवंशी** **DR R K YADUVANSHI** **कार्यपालक निदेशक** **EXECUTIVE DIRECTOR**

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
MANAGING DIRECTOR & C.E.O.

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
अध्यक्ष
CHAIRMAN

डॉ रबी एन मिश्रा
Dr. RABI N. MISHRA
निदेशक
DIRECTOR

महेश बाबू गुप्ता
MAHESH BABOO GUPTA
निदेशक
DIRECTOR

संजय वर्मा
SANJAY VERMA
निदेशक
DIRECTOR

डॉ. आशा भंडारकर
Dr. ASHA BHANDARKER
निदेशक
DIRECTOR

कृते जी एस माथुर एंड कम्पनी
For G S Mathur & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 008744एन
FRN 008744N

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
सदस्य सं. 091007
M No.091007

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
For MKPS & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 302014ई
FRN 302014E

(संजय कुमार परीदा)
साझेदार
(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
सदस्य सं. 504222
M No.504222

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
For HDSG & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 002871एन
FRN 002871N

(दलबीर सिंह गुलाटी)
साझेदार
(Dalbir Singh Gulati)
Partner
सदस्य सं. 081024
M No.081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
For M K Aggarwal & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 001411एन
FRN 001411N

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
(M K Aggarwal)
Partner
एम नं. 14956
M No.14956

कृते ए जॉन मोरिस एंड कं.
For A John Moris & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 007220एस
FRN 007220S

(जी. कुमार)
साझेदार
(G. Kumar)
Partner
एम. नं. 023082
M.No.023082

दिनांक : 28/05/2019
Date : 28/05/2019
स्थान : नई दिल्ली
Place : New Delhi

पंजाब नैशनल बैंक का 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का लाभ व हानि लेखा
PUNJAB NATIONAL BANK PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2019

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है)
(₹000 omitted)

		अनुसूची Schedule	31.03.2019 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.19	31.03.2018 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.18
I.	**आय** **INCOME**			
	अर्जित ब्याज Interest earned	13	513102483	479957663
	अन्य आय Other Income	14	73774123	88808690
	जोड़ **TOTAL**		**586876606**	**568766353**
II.	व्यय **EXPENDITURE**			
	खर्च किया गया ब्याज Interest expended	15	341539370	330733643
	परिचालन खर्च Operating expenses	16	115384806	135090730
	प्रावधान और आकस्मिकताएँ Provisions and Contingencies		229707290	225770182
	जोड़ **TOTAL**		**686631466**	**691594555**
III.	**लाभ** **PROFIT**			
	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) **Net Profit/(Loss) for the year**		**-99754860**	**-122828202**
	जोड़: लाभ व हानि खाते में शेष Add: Balance in Profit & Loss A/c		0	0
	विनियोजन के लिए उपलब्ध लाभ Profit Available for Appropriation		**-99754860**	**-122828202**
IV.	**विनियोजन** **APPROPRIATIONS**			
	निम्नलिखित को अंतरण: **Transfer to :**			
	सांविधिक प्रारक्षित निधियाँ Statutory Reserves		0	0
	पूँजी प्रारक्षित निधियाँ Capital Reserves		861255	10249314
	राजस्व एवं अन्य प्रारक्षित निधियाँ Revenue & Other Reserves		-1343092	-133077516
	प्रस्तावित लाभांश Proposed Dividend		0	0
	अंतरिम लाभांश Interim Dividend		0	0
	वर्ष 2017-2018 के लिए प्रस्तावित लाभांश पर कर Tax on Dividend proposed for the year 2017-18		0	0

पंजाब नैशनल बैंक का 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का लाभ व हानि लेखा
PUNJAB NATIONAL BANK PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2019

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है)
(₹000 omitted)

	अनुसूची Schedule	31.03.2019 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.19	31.03.2018 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.18
प्रावधान से लाभांश पर कर के लिए अंतरित शेष Balance Transferred from provision for tax on dividend/dividend		0	0
आयकर अधिनियम के अनुसार विशेष प्रारक्षित निधि Special reserve as per Income Tax Act		0	0
निवेश प्रारक्षित Investment Reserve		0	0
लाभ व हानि खाते में शेष Balance in Profit & Loss Account		-99273023	0
जोड़ TOTAL		**-99754860**	**-122828202**
प्रति शेयर अर्जन रुपयों में (मूल/तनुकृत) Earning per Share (₹) (Basic/Diluted) नोमिनल वैल्यू ₹ 2 प्रति शेयर (Nominal Value ₹ 2 per share)		-30.94	-55.39
प्रमुख लेखाकंन नीतियाँ Significant Accounting Policies	17		
खातों से संबंधित टिप्पणियाँ Notes on Accounts	18		

पी के वार्ष्णेय
P K VARSHNEY
मुख्य प्रबन्धक
CHIEF MANAGER

एस के जैन
S K JAIN
उप महाप्रबन्धक
DY. GENERAL MANAGER

पी के शर्मा
P K SHARMA
महाप्रबन्धक
GENERAL MANAGER

ए के आजाद
A K AZAD
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

एल वी प्रभाकर
L V PRABHAKAR
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

डॉ. आर के यदुवंशी
DR R K YADUVANSHI
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
MANAGING DIRECTOR & C.E.O.

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
अध्यक्ष
CHAIRMAN

डॉ रबी एन मिश्रा
Dr. RABI N. MISHRA
निदेशक
DIRECTOR

महेश बाबू गुप्ता
MAHESH BABOO GUPTA
निदेशक
DIRECTOR

संजय वर्मा
SANJAY VERMA
निदेशक
DIRECTOR

डॉ. आशा भंडारकर
Dr. ASHA BHANDARKER
निदेशक
DIRECTOR

कृते जी एस माथुर एंड कम्पनी
For G S Mathur & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 008744एन
FRN 008744N

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
सदस्य सं. 091007
M No.091007

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
For MKPS & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 302014ई
FRN 302014E

(संजय कुमार परीदा)
साझेदार
(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
सदस्य सं. 504222
M **No.504222**

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
For HDSG & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 002871एन
FRN 002871N

(दलबीर सिंह गुलाटी)
साझेदार
(Dalbir Singh Gulati)
Partner
सदस्य सं. 081024
M No.081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
For M K Aggarwal & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 001411एन
FRN 001411N

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
(M K Aggarwal)
Partner
एम नं. 14956
M No.14956

कृते ए जॉन मोरिस एंड कं.
For A John Moris & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 007220एस
FRN 007220S

(जी. कुमार)
साझेदार
(G. Kumar)
Partner
एम. नं. 023082
M.No.023082

दिनांक : 28/05/2019
Date : 28/05/2019
स्थान : नई दिल्ली
Place : New Delhi

अनुसूची-1 पूँजी

SCHEDULE 1 - CAPITAL

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
प्राधिकृत पूँजी Authorised		
प्रत्येक रु.2/- के 15,00,00,00,000 इक्विटी शेयर 15,00,00,00,000 Equity Shares of ₹ 2 each	30000000	30000000
जारी तथा अभिदत्त Issued & Subscribed		
प्रत्येक रु.2/- के 460,40,47,028 (पिछले वर्ष 276,05,73,227) इक्विटी शेयर 460,40,47,028 (Previous year 276,05,73,227) Equity Shares of ₹2 each	9208094	5521146
प्रदत्त Paid Up		
प्रत्येक रु. 2/- के 460,40,47,028 (पिछले वर्ष 276,05,73,227) इक्विटी शेयर 460,40,47,028 (Previous year 276,05,73,227) Equity Shares of ₹2 each	9208094	5521146
इनमें 2/- रु. प्रति इक्विटी शेयर के केन्द्रीय सरकार द्वारा धारित 347,16,92,263 इक्विटी शेयर शामिल है। (includes equity shares of 347,16,92,263 ₹2 each held by Central Government)		
जोड़ TOTAL	**9208094**	**5521146**

अनुसूची-2 प्रारक्षित निधियाँ और अधिशेष

SCHEDULE 2 - RESERVES & SURPLUS

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I.	सांविधिक प्रारक्षित निधियाँ Statutory Reserves				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	99982512		99982512	
	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	4518740		0	
			95463772		**99982512**
II.	पूंजीगत प्रारक्षित निधियाँ Capital Reserves				
	क) पुनर्मूल्यन प्रारक्षित निधियाँ a) Revaluation Reserve				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	36838197		37505311	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	0		0	
	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year (सम्पति के पुर्नमूल्यन भाग पर मूल्यहास के कारण) (being depreciation on revalued portion of property)	1015908		667114	
	अन्य प्रारक्षितनिधियो में अंतरित Transfer to Other Reserves	0		0	
			35822289		**36838197**

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
ख) b)	अन्य Others				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	28772933		18523619	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	861255		10249314	
			29634188		28772933
III.	शेयर प्रीमियम Share Premium				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	210893008		107920431	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	144349824		102972577	
	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	0		0	
			355242832		210893008
IV.	राजस्व तथा अन्य प्रारक्षित निधियां Revenue and other Reserves				
	क) निवेश प्रारक्षित निधि a) Investment Reserve				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	3705193		3705193	
	जोड़े : लाभ-हानि विनियोजन खाते से अंतरित Add :Transfer from P&L Appropriation A/c	0		0	
	घटाएं : लाभ-हानि विनियोजन खाते को अंतरित Less: Transfer to P&L Appropriation A/c	0		0	
			3705193		3705193
	ख) विनिमय घट बढ़ प्रारक्षित निधि b) Exchange Fluctuation Reserve				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	3448648		3426421	
	जोड़े : वर्ष के दौरान वृद्धि Add :Addition during the year	0		22227	
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौती (शुद्ध) Less: Deduction during the year (Net)	17348		0	
			3431300		3448648
	ग) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अन्तर्गत विशेष प्रारक्षित निधि c) Special Reserve under Sec.36(1) (viii) of Income Tax Act, 1961				
	प्राम्भिक शेष Opening Balance	14636600		14636600	
	अन्य प्रारक्षित निधियों से अंतरित Transferred from Other Reserves			0	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	0	14636600	0	14636600
	घ) अन्य प्रारक्षित निधि d) Other Reserve				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	6944824		131018624	
	वर्ष के दौरान वृद्धि				

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
Addition during the year	0		8336602	
घटाएं : वर्ष के दौरान आहरण Less: Withdrawal during the year	7960732		133077516	
जोड़ें : पुनर्मूल्यन प्रारक्षित निधियों से अंतरित Add: Transfer from Revaluation Reserves	1015908		667114	
घटाएं : निरुद्ध खातों के लिए भुगतान Less: Payment for blocked accounts	0		0	
		0		6944824
V. लाभ-हानि खाते में शेष Balance in Profit & Loss Account		-99273023		0
I, II, III, IV,V का जोड़ Total of I, II, III, IV,V		**438663151**		**405221915**

अनुसूची 3-जमाराशियाँ
SCHEDULE 3 - DEPOSITS

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I. माँग जमा राशियाँ Demand Deposits				
(i) बैंकों से From Banks	17562578		16633422	
(ii) अन्य से From Others	426188180		387108559	
		443750758		403741981
II. बचत बैंक जमा राशियाँ Savings Bank Deposits		2406653907		2228731120
III. मीयादी जमा राशियाँ Term Deposits				
अ. A. (i) बैंकों से From Banks	384374511		526342211	
(ii) अन्य से From Others	3525522185		3263446607	
		3909896696		3789788818
I, II व III का जोड़ Total I, II & III		**6760301361**		**6422261919**
आ. B. (i) भारत में स्थित शाखाओं की जमा राशियां Deposits of branches in India		6545358600		6003868409
(ii) भारत से बाहर स्थिति शाखाओं की जमा राशियां Deposits of branches outside India		214942761		418393510
आ I व II का जोड़ TOTAL B (i) & (ii)		**6760301361**		**6422261919**

अनुसूची 4-उधार
SCHEDULE 4 - BORROWINGS

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I.	भारत में उधार Borrowings in India				
	(i) भारतीय रिजर्व बैंक से Reserve Bank of India		30002386		166060000
	(ii) अन्य बैंकों से Other Banks		27148282		43187872
	(iii) अन्य संस्थाओं और एजेंसियों से Other Institutions and Agencies		85985693		38473411
	(iv) अप्रतिभूत प्रतिदेय बाण्ड Unsecured Redeemable Bonds				
	क) टीयर-I बाण्ड (बेमियादी ऋण लिखतें) a) Tier-I Bonds (Perpetual Debt Instruments)	59500000		61705000	
	ख) अपर टीयर- I बाण्ड b) Upper Tier-II Bonds	25000000		45000000	
	ग) टीयर- II पूँजी के लिए गौण ऋण c) Subordinate debts for Tier II Capital	50000000		50000000	
	घ) दीर्घावधि इन्फ्रास्ट्रक्चर बाण्ड d) Long term infrastructure bonds	28000000	162500000	28000000	184705000
II. II.	भारत से बाहर उधार Borrowings outside India		87622790		176081197
	I व II का जोड़ **Total of I, II**		**393259151**		**608507480**
	उपर्युक्त I एवं II में शामिल प्रतिभूत उधार Secured Borrowings included in I & II above		83291261		166060000

अनुसूची 5- अन्य देयताएं और प्रावधान
SCHEDULE 5 - OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	देय बिल Bills Payable	20287265	23985287
II.	अंतः कार्यालय समायोजन (शुद्ध) Inter-Office adjustments(net)	21803	25822
III.	उपचित ब्याज Interest accrued	16639875	17437107
IV.	स्थगित कर देयता (शुद्ध) Deferred Tax Liability (Net)	0	0
V.	अन्य (प्रावधानों सहित) Others (including Provisions)	111113917	175340369
	I, II, III, IV, V का जोड़ **Total of I, II, III, IV, V**	**148062860**	**216788585**

अनुसूची 6- नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष
SCHEDULE 6 - CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	हाथ में नकदी (विदेशी मुद्रा करेंसी नोटों सहित) Cash in hand (including foreign currency notes)	18539298	21051761
II.	भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष Balance with Reserve Bank of India		
	चालू खाते में In Current Account	302752040	266838563
	अन्य खातों में In other Account	0	0
	I, II का जोड़ **Total of I, II**	**321291338**	**287890324**

अनुसूची 7- बैंकों के पास शेष तथा मांग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन
SCHEDULE 7- BALANCES WITH BANKS & MONEY AT CALL & SHORT NOTICE

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I. I.	भारत में In India				
	(i) बैंकों के पास शेष (i) Balances with Banks				
	क) चालू खातों में a) In Current Accounts	979677		5783974	
	ख) अन्य जमा खातों में b) In Other Deposit Accounts	189410994	190390671	100026842	105810816
	(ii) माँग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन Money at Call and Short Notice				
	क) बैंकों के पास a) with Banks	0		0	
	ख) अन्य संस्थाओं के पास b) with Other Institutions	122000000	122000000	290540596	290540596
जोड़	**TOTAL**		**312390671**		**396351412**
II.	भारत से बाहर Outside India				
	(i) बैंकों के पास शेष Balances with Banks				
	क) चालू खातों में a) In Current Accounts	12314906		13642894	
	ख) अन्य जमा खातों में b) In Other Deposit Accounts	106883497		256735405	
	(ii) माँग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन Money at Call & Short Notice	0		0	

	(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)	
	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
जोड़ TOTAL	119198403	270378299
I और II का समग्र जोड़ GRAND TOTAL of I, II	**431589074**	**666729711**

अनुसूची 8 - निवेश
SCHEDULE 8 - INVESTMENTS

	(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)	
	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I. भारत में निवेश : सकल I. Investments in India : Gross	1994518070	1958821605
घटाएं : मूल्यह्रास के लिए प्रावधान Less: Provision for Depreciation	39971382	31033369
भारत में शुद्ध निवेश Net Investment in India	1954546688	1927788236
(i) सरकारी प्रतिभूतियां Government Securities	1612365967	1520463523
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां Other Approved Securities	1100856	1464769
(iii) शेयर Shares	36992493	43830320
(iv) डिबेंचर और बाण्ड Debentures and Bonds	276944027	306108848
(v) अनुषंगियों और अथवा संयुक्त उद्यम (प्रायोजित संस्थाओं सहित) Subsidiaries and/or joint ventures (including sponsored institutions)	6279834	6725664
(vi) अन्य Others (विभिन्न म्यूचुअल फंडों व वाणिज्यिक पत्रों आदि में) Various Mutual Funds & Commercial Papers etc.	20863511	49195112
I का जोड़ TOTAL of I	**1954546688**	**1927788236**
II. भारत से बाहर निवेश : सकल Investments Outside India : Gross	66735510	75279271
घटाएँ : मूल्यह्रास के लिए प्रावधान Less: Provision for depreciation	0	7691
भारत से बाहर शुद्ध निवेश Net Investments outside India	66735510	75271580
(i) स्थानीय प्राधिकरणों सहित सरकारी प्रतिभूतियों Govt. securities including local authorities	7847306	19020552

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
(ii)	विदेश स्थिति अनुषंगियाँ और/अथवा संयुक्त उद्यम Subsidiary and / or Joint ventures abroad	23681885	23490635
(iii)	अन्य Others	35206319	32760393
	II का जोड़ TOTAL of II	66735510	75271580
	समग्र जोड़ I, II GRAND TOTAL of I, II	**2021282198**	**2003059816**

अनुसूची 9- अग्रिम
SCHEDULE 9 - ADVANCES

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
अ. A	(i)	खरीदे और भुनाये गये बिल Bills purchased and discounted	20419273	206233772
	(ii)	नकद उधार, ओवरड्राफ्ट और माँग पर देय ऋण Cash Credits, Overdrafts & Loans repayable on demand	2873329813	2787964720
	(iii)	मीयादी ऋण Term Loans	1688742955	1343148721
	जोड़ Total		4582492041	4337347213
आ. B	(i)	मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत (इसमें बही ऋणों पर दिए गए अग्रिम शामिल हैं) Secured by tangible assets (Includes advances against Book Debts)	3738666218	3568255401
	(ii)	बैंक/सरकार की गारंटियों द्वारा संरक्षित Covered by Bank/Government guarantees	21526593	130258775
	(iii)	अप्रतिभूत Unsecured	822299231	638833037
	जोड़ Total		4582492041	4337347213
ई. C	(I)	भारत में अग्रिम Advances in India		
	(i)	प्राथमिकता क्षेत्र Priority Sector	1628887412	1562851180
	(ii)	सार्वजनिक क्षेत्र Public Sector	517697567	389876840
	(iii)	बैंक Banks	26079	12258
	(iv)	अन्य Others	2283685574	1974579904
		जोड़ Total	**4430296632**	**3927320182**

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
इ. E	(II)	भारत से बाहर अग्रिम Advances outside India		
	(i)	बैंकों से प्राप्य Due from Banks	72006414	270279083
	(ii)	अन्य से प्राप्य Due from Others		
		(क) खरीदे और भुनाये गये बिल (a) Bills Purchased & Discounted	935398	4968283
		(ख) सामूहिक ऋण (b) Syndicated Loans	32409975	47112983
		(ग) अन्य (c) Others	46843622	87666682
	जोड़	Total	152195409	410027031
	समग्र जोड़ I, II **GRAND TOTAL (Total of I & II)**		**4582492041**	**4337347213**

अनुसूची 10- अचल आस्तियाँ
SCHEDULE 10 - FIXED ASSETS

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
अ A	मूर्त आस्तियाँ TANGIBLE ASSETS				
I.	परिसर Premises				
	पिछले वर्ष की मार्च की लागत/मूल्यांकन पर At cost / valuation as on 31st March of the preceding year	55605659		55392803	
	अवधि के दौरान वृद्धि Addition during the period	0		212856	
	जोड़े: वर्ष के दौरान पुनर्मूल्यांकन Add: Revaluation during the year	0		0	
		55605659		55605659	
	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	266853		0	
	अवधि के दौरान समायोजन Adjustment During the Period				
		55338806		55605659	
	अब तक मूल्यह्रास (पुनर्मूल्यन राशि पर मूल्यह्रास सहित) Depreciation to date (Including on revalued amount)	6755295	48583511	5906340	49699319

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18	
II.	अन्य अचल आस्तियाँ (फर्नीचर और फिक्स्चर सहित) Other Fixed Assets (Including Furniture & Fixtures)				
	पिछले वर्ष की 31 मार्च की लागत/मूल्यांकन पर At cost as on 31st March of the preceding year	45973188		40822916	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	4326576		5822527	
		50299764		46645443	
	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	2746813		672255	
		47552951		45973188	
	अब तक मूल्याहास Depreciation to date	35580670	11972281	33082186	12891002
III.	पट्टेवाली आस्तियाँ Leased Assets				
	पिछले वर्ष की 31 मार्च की लागत At cost as on 31st March of the preceding year	252386		252386	
		252386		252386	
	वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन Addition/adjustment during the year	0		0	
	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	0		0	
		252386		252386	
	अब तक परिशोधन/पट्टे का समायोजन Amortisation / lease adjustment to date	252386	0	252386	0
	I, II, III का जोड़ Total of I, II, III		**60555792**		**62590321**
आ B	आमूर्त आस्तियाँ INTANGIBLE ASSETS				
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर Computer Software				
	पिछले वर्ष की 31 मार्च की लागत पर At cost as on 31st March of the preceding year	4419996		3806408	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the period	1306049		613690	
		5726045		4420098	

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	0		102	
	5726045		4419996	
अब तक परिशोधित Amortised to date	4033364		3517045	
जोड़ Total		1692681		902951
समग्र जोड़ (अ + आ) **GRAND TOTAL (A+B)**	**62248473**		**63493272**	

अनुसूची 11-अन्य आस्तियाँ
SCHEDULE 11 - OTHER ASSETS

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	उपचित ब्याज Interest accrued	50308649	50572007
II.	दिया गया अग्रिम कर/स्रोत पर काटा गया कर Tax paid in advance / tax deducted at source	31027471	26851315
III.	लेखन-सामग्री और स्टाम्प Stationery and stamps	83290	105337
IV.	दावों के निपटान में प्राप्त गैर-बैंकिग आस्तियां Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	1074116	1122443
V.	आस्थगित कर आस्तियाँ (शुद्ध) Deferred tax asset (net)	185801004	132147520
VI.	अन्य Others	62296963	88982087
	I, II, III, IV, V, VI का जोड़ **Total of I, II, III, IV, V, VI**	**330591493**	**299780709**

अनुसूची 12-आकस्मिक देयताएं
SCHEDULE 12 - CONTINGENT LIABILITIES

I	(i)	बैंकों के विरुद्ध ऐसे दावे जिन्हें ऋण के रूप में नहीं माना गया है। Claims against the Bank not acknowledged as debts	5943738	3122726
	(ii)	अपीलों, संदर्भों आदि के अधीन विवादित आय-कर व ब्याज-कर माँगें Disputed income tax and interest tax demands under appeals, references etc.	2675249	12609217
	II.	आंशिक रूप से अदा किए गए निवेशों के लिए देयताएं		

		(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)
	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
Liability for partly paid investments	339915	131315
III. बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयताएं Liability on account of outstanding forward exchange contracts	2430586302	2236701227
VI. ग्राहकों की ओर से दी गयी गारंटियाँ Guarantees given on behalf of constituents:		
(क) भारत में (a) In India	394656762	399139850
(ख) भारत से बाहर (b) Outside India	23413323	99128686
V. स्वीकृतियां, पृष्ठांकन और अन्य दायित्व Acceptances, endorsements and other obligations	176728957	274081522
VI. अन्य मदें जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से ज़िम्मेदार है Other items for which the Bank is contingently liable	19657045	16362434
I, II, III, IV, V, VI का जोड़ **Total of I, II, III, IV, V, VI**	**3054001291**	**3041276977**

अनुसूची 13-अर्जित ब्याज

SCHEDULE 13 - INTEREST EARNED

		(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)
	31.03.19 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.19	31.03.18 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.18
I. अग्रिमों/बिलों का ब्याज/बट्टा Interest/discount on advances/bills	350862073	318330835
II. निवेशों से आय Income on Investments	141059742	139469819
III. अन्य अंत बैंक निधियों पर ब्याज Interest on balances with Reserve Bank of India and other Inter-Bank funds	18913918	20014204
IV. अन्य Others	2266750	2142805
I, II, III, IV का जोड **Total of I, II, III, IV**	**513102483**	**479957663**

अनुसूची 14- अन्य आय
SCHEDULE 14 - OTHER INCOME

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

			31.03.19 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.19		31.03.18 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.18
I.	कमीशन, विनिमय और दलाली Commission, Exchange and Brokerage		28057382		27919100
II.	निवेशों की बिक्री से लाभ Profit on sale of Investments	11451140		33403264	
	घटाएं: निवेशों की बिक्री से हानि Less: Loss on sale of Investments	524367	10926773	837132	32566132
III.	निवेशों के पुनर्मूल्यन से लाभ Profit on revaluation of Investments	0		0	
	घटाएं: निवेशों के पुनर्मूल्यन/परिशोधन से हानि Less: Loss on revaluation of Investments/ Amortisation	0	0	0	0
IV.	भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री से लाभ Profit on sale of land, buildings and other assets	187255		28472	
	घटाए: भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री से हानि Less: Loss on sale of land, buildings and other assets	3535	183720	2538	25934
V.	विदेशी मुद्रा विनिमय लेनदेन से लाभ Profit on exchange transactions	9447482		13391751	
	घटाए: विदेशी मुद्रा विनिमय लेनदेन से हानि Less: Loss on exchange transactions	4354406	5093076	5330336	8061415
VI.	भारत में तथा विदेश में अनुषंगियों कम्पनियों और/अथवा संयुक्त उद्यमों से लाभांश के रूप में अर्जित आय Income earned by way of dividends etc. from subsidiaries / companies and / or joint ventures in India & abroad.		1488016		1394709
VII.	विविध आय Miscellaneous Income		28025156		18841400
	I, II, III, IV, V, VI तथा VII का जोड़ **Total of I, II, III, IV, V, VI & VII**		**73774123**		**88808690**

अनुसूची 15- ब्याज व्यय

SCHEDULE 15 - INTEREST EXPENDED

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.19	31.03.18 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.18
I.	जमाराशियों का ब्याज Interest on Deposits	322177771	304555279
II.	भारतीय रिज़र्व बैंक के/अंत: बैंक उधारों पर ब्याज Interest on Reserve Bank of India/ inter-bank borrowings	5524284	5531499
III.	अन्य Others	13837315	20646865
	I, II, III का जोड़ **Total of I, II, III**	**341539370**	**330733643**

अनुसूची 16- परिचालन व्यय

SCHEDULE 16 - OPERATING EXPENSES

(₹ 000 को छोड़ दिया गया है) (₹000 omitted)

		31.03.19 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.19	31.03.18 को समाप्त वर्ष Year ended As on 31.03.18
I.	कर्मचारियों का भुगतान और उनके लिए प्रावधान Payments to and Provisions for employees	69631622	91687951
II.	किराया, कर और बिजली Rent, Taxes and Lighting	7645403	7388599
III.	मुद्रण एवं लेखन सामग्री Printing and Stationery	843725	909944
IV.	निवेशकों की फीस, भत्ते और खर्च Advertisement and Publicity	463850	471497
V.	बैंक की संपत्ति पर मूल्याह्रास/परिशोधन Depreciation/Amortisation on Bank's property	5780240	5761673
VI.	निवेशकों की फीस, भत्ते और खर्च Directors' fees, allowances and expenses	13995	15754
VII.	लेखा-परीक्षकों की फीस और खर्च Auditors' fees and expenses	669567	742420
VIII.	विधि प्रभार Law Charges	1198720	733506
IX.	पोस्टेज, टेलीग्राम, दूरभाषा आदि Postage, Telegrams, Telephones, etc.	2076204	1695746
X.	मरम्मत और रख-रखाव Repairs and Maintenance	2806124	2624006
XI.	बीमा Insurance	6811977	6418660
XII.	अन्य व्यय Other expenditure	17443379	16640974
	I से XII का जोड़ **Total of I to XII**	**115384806**	**135090730**

पंजाब नैशनल बैंक
अनुसूची-17 (एकल) - 31.03.2019
लेखा विधि सम्बन्धी प्रमुख नीतियां

1. **लेखे तैयार करने का आधार**

वित्तीय विवरण पत्र परम्परागत लागत के आधार पर तैयार किये गये हैं तथा समस्त महत्वपूर्ण दृष्टियों से भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों (जीएएपी) के अनुरूप हैं, जिनमें लागू सांविधिक प्रावधानों में जब तक अन्यवथा उल्लिखित न किया जाए, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित विनियामक मानदण्ड समय समय पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी परिपत्रों व दिशा-निर्देशों, बैंककारी विनिमय अधिनियम 1949, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानदण्ड तथा ज्ञापन व भारत में बैंकिंग उद्योग में मौजूदा प्रथाएं भी शामिल हैं।

विदेशी कार्यालयों के सम्बन्ध में उन देशों में लागू सांविधिक प्रावधानों और प्रथाओं का पालन किया गया है।

उपचय अवधारणा के साथ वित्तीय विवरणियों को कार्यशील संस्था के आधार पर तैयार किया गया है तथा लेखांकन नीतियां पर निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई करते रहना चाहिए जब तक उसका अन्यथा उल्लेख न हो ।

2. **अनुमानों का उपयोग**

वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के लिए प्रबन्धन को रिपोर्टिंग अवधि के लिए आस्तियों व देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) उस स्थिति की वित्तीय विवरणियों में सूचित राशियों तथा सूचित आय व व्यय की राशियों में अनुमानों और मान्यताओं पर विचार करना अपेक्षित है। प्रबन्धन का मानना है कि वित्तीय विवरणियों को तैयार करने में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और औचित्यपूर्ण है।

भविष्य के परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमानों और वास्तुविक परिणामों के बीच अंतर को उस अवधि के परिणामों में दिखाया/कार्यान्वित किया जाता है।

अनुमानित लेखांकन में कोई संसाधन जब तक अन्य था उल्लिखित नहीं किया जाए, वर्तमान व भावी अवधियों के प्रत्यासशित प्रभावों में दृष्टिगोचर होते हैं।

3. **राजस्व मान्यता**

3.1 आय/ व्यय (पैरा 3.5 में संदर्भित मदों से भिन्न) को सामान्यत: उपचय आधार पर लेखांकित किया जाता है ।

3.2 अग्रिमों को मिलाकर गैर अनर्जक आस्तियों (एनपीए), आय और निवेश जो वसूली से प्राप्त किए जाते हों, भारतीय रिजर्व बैंक/विदेशी कार्यालयों के मामले में संबंधित देशों के विनियम को (जिसे इसके पश्चात समेकित रूप से विनियामक प्राधिकारी संदर्भित किया जाएगा) द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार है।

3.3 अनर्जक अग्रिम खातों की वसूलियॉं (वसूली कार्रवाई के मोड/स्थिति/स्टेज की परवाह किये बगैर) निम्नलिखित प्राथमिकता क्रम में विनियोजित की जाती है :-

PUNJAB NATIONAL BANK
SCHEDULE 17 (SOLO) – 31.03.2019
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **BASIS OF PREPARATION:**

The financial statements have been prepared on historical cost basis and conform, in all material aspects, to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in India unless otherwise stated encompassing applicable statutory provisions, regulatory norms prescribed by Reserve Bank of India (RBI), circulars and guidelines issued by the Reserve Bank of India ('RBI') from time to time, Banking Regulation Act 1949, Accounting Standards (AS) and pronouncements issued by The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and prevailing practices in Banking industry in India.

In respect of foreign offices, statutory provisions and practices prevailing in respective foreign countries are complied with except as specified elsewhere.

The financial statements have been prepared on going concern basis with accrual concept and in accordance with the accounting policies and practices consistently followed unless otherwise stated

2. **Use of Estimates**

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amounts of assets and liabilities (including contingent liabilities) as on date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

Future results could differ from these estimates.

Difference between the actual results and estimates is recognized in the period in which the results are known/ materialized.

Any revision to the accounting estimates is recognised prospectively in the current and future periods unless otherwise stated.

3. **REVENUE RECOGNITION**

3.1 Income & expenditure (other than items referred to in paragraph 3.5) are generally accounted for on accrual basis.

3.2 Income from Non- Performing Assets (NPAs), comprising of advances, and investments, is recognised upon realisation, as per the prudential norms prescribed by the RBI/ respective country regulators in the case of foreign offices (hereafter collectively referred to as Regulatory Authorities).

3.3 Recoveries in NPA accounts (irrespective of the mode / status / stage of recovery actions) are appropriated in the following order of priority : -

क) वसूली हेतु उपचित व्यय/फुटकर खर्च(पहले उंचती देयों में रिकार्ड किये गये)

ख) प्रमुख अनियमिततायें अर्थात् खाते में बकाया

ग) ब्याज अनियमितताओं/उपचित ब्याज के प्रति

3.4 एनपीए की बिक्री, भारतीय रिजर्व बैंक और पैरा 5.3 के अंतर्गत प्रकटीकरण के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार लेखांकित किया जाता है।

3.5 कमीशन, (सरकारी कारोबार पर कमीशन को छोड़कर)/और अतिदेय बिलों पर ब्याज, विनिमय, लॉकर किराए, मर्चेंट बैंकिंग लेनदेनों से प्राप्त आय और लाभांश आय ट्रेडिंग के रूप में नामित रूपया डेरिवेटिव्स पर आय वसूली पर और बीमा दावों को निपटान पर लेखांकित किया जाता है।

3.6 सूट फाइल खातों के मामले में संबंधित कानूनी और अन्य खर्चे लाभ - हानि खाते से प्रभारित किये जाते हैं और इसकी वसूली होने पर इस तरह के उद्देश्यों के लिए गणना की जाती है।

3.7 आयकर के रिफंडों पर ब्याज के रूप में प्राप्त आय को संबंधित प्राधिकारियों द्वारा पारित आदेश के वर्ष में रेंखांकित किया जाता है।

3.8 ऑपरेटिंग लीज पर ली गई आस्तियों के लिए वृद्धि लागत सहित लीज का भुगतान लीज अवधि के उपर आईसीएआई द्वारा जारी एएस 19 (लीजेस) के अनुसार लाभ-हानि खाते में लिया जाता है।

3.9 डेबिट/क्रेडिट कार्डों पर रिवार्ड प्वाइंट के लिए प्रावधान प्रत्येक श्रेणी में संचित बकाया प्वाइंटों पर आधारित है।

3.10 परिपक्व हो चुकी मियादी जमा राशियों का भुगतान न हुआ हो तथा उनका दावा न किया गया हो तो उन पर बचत खाते की दर से ब्याज लगाया जाता है।

3.11 लाभांश (अंतरिम लाभांश को छोड़कर) प्राप्त करने का अधिकार जब और जब सम्भव हो लाभांश की प्राप्ति होगी।

4 निवेश

4.1 प्रतिभूतियों में लेनदेन ''निपटान तिथि'' को दर्ज किया जाता है।

4.2 निवेशों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के फॉर्म ए में यथानिर्दिष्ट छह श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

4.3 भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देशों के अनुरूप निवेशों को ''परिपक्वता तक रखे गए'', ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' तथा ''व्यापार हेतु रखे गए'' श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

ए.) बैंक द्वारा परिपक्वता तक रखे जाने की मंशा से अर्जित प्रतिभूतियों को 'परिपक्वता तक रखी गई' श्रेणी में रखा गया है।

बी) बैंक द्वारा अल्पावधि के मूल्य / ब्याज दर प्रवृत्तियों का लाभ उठाते हुए व्यापार हेतु रखे जाने की मंशा से अर्जित प्रतिभूतियों को ''व्यापार हेतु रखे गए'' निवेशों में वर्गीकृत किया गया है।

सी) जो प्रतिभूतियां उपर्युक्त दोनों श्रेणियों में नहीं आतीं उन्हें ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' श्रेणी के अधीन वर्गीकृत किया गया है।

4.4 अनुषंगियों, संयुक्त उपक्रमों और सहयोगी संस्थाओं में निवेश को एचटीएम के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

a) Expenditure/out of pocket expenses incurred for recovery (earlier recorded in memorandum dues);

b) Principal irregularities i.e. NPA outstanding in the account.

c) Towards the interest irregularities/accrued interest.

3.4 The sale of NPA is accounted as per guidelines prescribed by RBI and as disclosed under Para 5.3.

3.5 Commission (excluding on Government Business), interest on overdue bills, exchange, locker rent, income from merchant banking transactions and Income on Rupee Derivatives designated as “Trading” are accounted for on realization and insurance claims are accounted for on settlement.

3.6 In case of suit filed accounts, related legal and other expenses incurred are charged to Profit & Loss Account and on recovery the same are accounted for as such.

3.7 Income from interest on refund of income tax is accounted for in the year the order is passed by the concerned authority.

3.8 Lease payments including cost escalation for assets taken on operating lease are recognised in the Profit and Loss Account over the lease term in accordance with the AS 19 (Leases) issued by ICAI.

3.9 Provision for Reward Points on Credit cards is made based on the accumulated outstanding points in each category.

3.10 Interest on unpaid and unclaimed matured term deposits is accounted for at savings bank rate.

3.11 Dividend (excluding Interim Dividend) is accounted for as and when the right to receive the dividend is established.

4. INVESTMENTS

4.1 The transactions in Securities are recorded on “Settlement Date”.

4.2 Investments are classified into six categories as stipulated in form A of the third schedule to the Banking Regulation Act, 1949.

4.3 Investments have been categorized into "Held to Maturity", "Available for Sale" and "Held for Trading" in terms of RBI guidelines as under:

(a) Securities acquired by the Bank with an intention to hold till maturity are classified under "Held to Maturity".

(b) The securities acquired by the Bank with an intention to trade by taking advantages of short-term price/ interest rate movements are classified under “Held for Trading”.

(c) The securities, which do not fall within the above two categories, are classified under "Available for Sale"

4.4 Investments in subsidiaries, joint ventures and associates are classified as HTM.

4.5 एक श्रेणी से दूसरी श्रेणी में प्रतिभूतियों के अंतरण, अंतरण की तिथि को अधिग्रहण लागत / बही मूल्य / बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर किया गया है । यदि ऐसे अंतरण पर कोई मूल्यह्रास हो तो उसके लिए पूरा प्रावधान किया गया है।

हालांकि एएसएफ श्रेणी को एचटीएम श्रेणी से प्रतिभूतियों का अंतरण बुक वैल्यूप पर किया जाता है । अंतरण के पश्चाएत ये प्रतिभूतियां तुरंत पुनर्मूल्यांकित होती है और परिणामस्व रूप मूल्यह्रास, यदि कोई है, प्रदान किया जाता है।

एक निवेश अपनी खरीददारी के समय ही एचटीएम, एचएफटी या एएफएस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और विभिन्न श्रेणियों के बीच तत्संबंधी शिफ्टिंग विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप किया जाता है।

4.6 किसी निवेश की अधिग्रहण लागत निर्धारित करने में:

क) प्रतिभूतियों के अधिग्रहण के सम्बन्ध में संदत्त दलाली, कमीशन, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) इत्यादि राजस्व व्ययों के रूप में मानी गयी है और इसे अग्रिम और लागत से बाहर रखा गया है।

ख) प्रतिभूतियों के अधिग्रहण/बिक्री की तारीख तक अर्जित ब्याज अर्थात् छूट अवधि के लिए ब्याज अधिग्रहण लागत/बिक्री के विचार से बाहर रखा गया है और इसकी गणना अर्जित ब्याज में की गई है न कि देय खाते में।

ग) निवेशों की सभी श्रेणियों के लिए लागत का निर्धारण औसत लागत पद्धति के आधार पर किया गया है।

4.7 भारतीय रिजर्व बैंक / एफआईएमएमडीए के दिशानिर्देशानुसार, निवेश का मूल्यन निम्नलिखित आधार पर किया जाता है:

परिपक्वता तक रखे गए :

i) ''परिपक्वता तक रखे गये'' श्रेणी के अधीन निवेशों को अर्जन लागत पर लिया जाता है।

जहाँ कहीं अंकित मूल्य/प्रतिदान मूल्य से बही मूल्य अधिक हो तो प्रीमियम को परिपक्वता की शेष अवधि के लिए लगातार लाभ के आधार पर परिशोधित किया जाता है । निवेशों पर आय शीर्ष के अंतर्गत आय के विरूद्ध ऐसे प्रीमियम का परिशोधन समायोजित किया जाता है।

ii) अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में अस्थायी निवेश से भिन्न प्रत्येक व्यक्तिगत निवेशों की प्रकृति में किये गये निवेश का मूल्यन रखरखाव में से ह्रास हटाकर अर्जन लागत पर किया जाता है।

iii) प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेशों का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया जाता है।

iv) उद्यम पूंजी में निवेशों का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया जाता है।

v) एचटीएम श्रेणी में रखे गए इक्विटी शेयर का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया जाता है।

4.5 Transfer of securities from one category to another is carried out at the lower of acquisition cost/ book value/ market value on the date of transfer. The depreciation, if any, on such transfer is fully provided for.

However, transfer of securities from HTM category to AFS category is carried out on book value. After transfer, these securities are immediately revalued and resultant depreciation, if any, is provided.

An investment is classified as HTM, HFT or AFS at the time of its purchase and subsequent shifting amongst categories is done in conformity with regulatory guidelines.

4.6 In determining acquisition cost of an investment

a. Brokerage, commission, Securities Transaction Tax (STT) etc. paid in connection with acquisition of securities are treated as revenue expenses upfront and excluded from cost.

b. Interest accrued up to the date of acquisition/sale of securities i.e. broken- period interest is excluded from the acquisition cost/sale consideration and the same is accounted in interest accrued but not due account.

c. Cost is determined on the weighted average cost method for all categories of investments.

4.7 Investments are valued as per RBI/FIMMDA guidelines, on the following basis:

Held to Maturity

i) Investments under "Held to Maturity "category are carried at acquisition cost.

Wherever the book value is higher than the face value/redemption value, the premium is amortized over the remaining period to maturity on straight line basis. Such amortisation of premium is reflected in Interest Earned under the head “Income on investments” as a deduction.

ii) Investments in subsidiaries/joint ventures/associates are valued at carrying cost less diminution, other than temporary in nature for each investment individually.

iii) Investments in sponsored regional rural banks are valued at carrying cost.

iv) Investment in Venture Capital is valued at carrying cost.

v) Equity shares held in HTM category are valued at carrying cost.

बिक्री हेतु उपलब्ध और व्यापार हेतु रखे गये :

क)	सरकारी प्रतिभूतियां	
	I) केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	फाईनेंशियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) और फिक्सड इंकम मनी मार्किट एण्ड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआईएमएमडीए) द्वारा यथा प्रकाशित बाजार मूल्यों/परिपक्वता पर
	II) राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	एफआईएमएमडीए/ भारतीय रिजर्व बैंक के मार्ग निर्देशों के अनुसार उपयुक्त परिपक्वता प्राप्ति आधार पर
ख)	केंद्रीय / राज्य सरकारों द्वारा गारंटीशुदा प्रतिभूतियां, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बाण्ड (अग्रिमों की प्रकृति के नहीं)	एफआईएमएमडीए/ भारतीय रिजर्व बैंक मार्ग निर्देशों के अनुसार उपयुक्त परिपक्वता प्राप्ति आधार पर
ग)	ट्रेजरी बिल	लागत पर
घ)	इक्विटी शेयर	यदि कोट किया गया हो तो बाजार मूल्य पर अन्यथा नवीनतम तुलन-पत्र (जो एक वर्ष से पुराना न हो) के अनुसार शेयरों के ब्रेक-अप मूल्य पर, अन्यथा प्रति कंपनी रु1/-
ड़)	अधिमान शेयर	यदि कोट किया गया हो तो बाजार मूल्य पर अन्यथा भारतीय रिजर्व बैंक/ एफआईएमएमडीए मार्गनिर्देशों के अनुसार उपयुक्त परिपक्वता पर किंतु प्रतिदान मूल्य से अधिक नही
च)	बंधपत्र और डिबेंचर (अग्रिमों की प्रकृति के नहीं)	यदि कोट किया गया हो तो बाजार मूल्य पर अन्यथा भारतीय रिजर्व बैंक /एफआईएमएमडीए मार्गनिर्देशों के अनुसार, उपयुक्त परिपक्वता प्रतिफल पर
छ)	म्यूचुअल फण्डों के यूनिट	यदि कोट किया गया हो तो स्टॉक एक्सचेंज के भाव के अनुसार; यदि कोट न किया गया हो, तो पुनर्खरीद मूल्य/एनएवी पर
ज)	वाणिज्यिक पेपर	रखाव लागत पर
झ)	जमा प्रमाणपत्र	रखाव लागत पर
ञ)	एआरसीआईएल की प्रतिभूति रसीदें	एआरसीआईएल द्वारा की गई घोषणा के अनुसार आस्ति के शुद्ध आस्ति मूल्य पर
ट)	उद्यम पूँजी निधियाँ	उद्यम पूँजी निधियों द्वारा की गई घोषणा के अनुसार आस्ति के शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) पर
ठ)	अन्य निवेश	लागत में मूल्य ह्रास को घटकार रखाव लागत पर

बिक्री हेतु उपलब्ध तथा व्यापार हेतु रखे गए वर्ग में उपर्युक्त मूल्यांकन प्रत्येक स्क्रिप के लिए अलग अलग तिमाही आधार पर किया जाता है तथा प्रत्येक वर्गीकरण के लिए मूल्यह्रास / वृद्धि जोड़ी जाती हैं । यदि शुद्ध मूल्यह्रास है तो प्रत्येक वर्गीकरण के लिए प्रावधान किया जाता है जबकि शुद्ध वृद्धि नहीं दर्शायी जाती। मूल्यह्रास के लिए प्रावधान पर व्यक्तिगत प्रतिभूति का बही मूल्य बाजार हेतु चिहिन्त करने के पश्चात अपरिवर्तित रहती है।

Available for Sale and Held for Trading

a)	Govt. Securities	
	I Central Govt. Securities	At market prices/YTM as published by Fixed Income Money Market and Derivatives Association of India (FIMMDA) & Financial Benchmark India Pvt. Ltd (FBIL).
	II State Govt. Securities	On appropriate yield to maturity basis as per FIMMDA/ RBI guidelines.
b)	Securities guaranteed by Central / State Government, PSU Bonds (not in the nature of advances)	On appropriate yield to maturity basis as per FIMMDA/ RBI guidelines
c)	Treasury Bills	At carrying cost
d)	Equity shares	At market price, if quoted, otherwise at break up value of the Shares as per latest Balance Sheet (not more than one year old), otherwise at Re.1 per company
e)	Preference shares	At market price, if quoted or on appropriate yield to maturity basis not exceeding redemption value as per RBI/ FIMMDA guidelines.
f)	Bonds and debentures (not in the nature of advances)	At market price, if quoted, or on appropriate yield to maturity basis as per RBI/FIMMDA guidelines.
g)	Units of mutual funds	As per stock exchange quotation, if quoted; at repurchase price/NAV, if unquoted
h)	Commercial Paper	At carrying cost
i)	Certificate of Deposits	At carrying cost
j)	Security receipts of ARCIL	At net asset value of the asset as declared by ARCIL
k)	Venture Capital Funds	At net asset value (NAV) declared by the VCF
l)	Other Investments	At carrying cost less diminution in value

The above valuation in category of Available for Sale and Held for Trading is done scrip wise on quarterly basis and depreciation/appreciation is aggregated for each classification. Net depreciation for each classification, if any, is provided for while net appreciation is ignored. On provision for depreciation, the book value of the individual security remains unchanged after marking to market.

4.8 भारतीय रिजर्व बैंक के एनपीआई वर्गीकरण के विवेकी मानदंडों के अनुरूप निवेशों पर उपयुक्त प्रावधानीकरण तथा आय अमान्यीकरण लागू किये जाते हैं। अग्रिमों के रूप में अनर्जक प्रतिभूतियों के संबंध में मूल्यह्रास/ प्रावधान अन्य अर्जक प्रतिभूतियों के संबंध में वृद्धि के समक्ष समंजन सैट ऑफ नहीं किया गया है।

एक ईकाई द्वारा प्राप्त की गई क्रेडिट सुविधा यदि बैंक की बही में एनपीए है तो उसी ईकाई द्वारा जारी प्रतिभूतियों में कोई भी निवेश इसके विपरीत भी एनपीआई के रूप में माना जाएगा। फिर भी एनपीआई अधिमानी शेयरों के संबंध में जहां लाभांश का भुगतान नहीं किया जाता वहां क्रेडिट सुविधा को एनपीए नहीं माना जाएगा।

4.9 किसी भी श्रेणी के निवेशों की बिक्री से हुए लाभ / हानि को लाभ व हानि खाते में ले जाया जाता है किंतु 'परिपक्वता हेतु रखे गये' श्रेणी के निवेशों की बिक्री से हुए लाभ के मामले में उसके बराबर की राशि (साविधिक रिजर्व को स्थानांतरित निवल कर और अपेक्षित राशि) 'पूंजी प्रारक्षित निधि' खाते में विनियोजित की जाती है।

4.10 वापस खरीद व्यवस्था के अन्तर्गत पुन:खरीदी / पुन: बेची गयी प्रतिभूतियों को उनकी मूल लागत पर हिसाब में लिया जाता है।

4.11 रेपो/रिवर्स रेपो के तहत बेची और खरीदी गई प्रतिभूतियों की संपार्श्विक उधार एवं उधार लेनदेन के अंतर्गत अभिव्यक्त की जाती है। हालाँकि, प्रतिभूतियों को सामान्य आउटराईट बिक्री/खरीद लेनदेन के मामले में अंतरित की जाती है और प्रतिभूतियों की ऐसी आवाजाही रेपो/रिवर्स रेपो खातों और प्रति प्रविष्टियों के प्रयोग करके परिलक्षित की जाती है। उक्त प्रविष्टियां परिपक्वता तिथि पर रिवर्स कर दी जाती है। लागत और राजस्व की गणना ब्याज व्यय/आय जैसा मामला हो, उसी के आधार पर की जाती है। रेपो खाते में शेष राशि को अनुसूची 4 (उधार के रूप में) के तहत वर्गीकृत किया गया है और रिवर्स रेपो खाते में शेष राशि अनुसूची 7 (बैंकों का बकाया और मनी एट कॉल और लघु सूचना पर) के तहत वर्गीकृत की गई है। यह आरबीआई के एलएएफ पर भी लागू होती है।

4.12 व्यापार अथवा प्रतिरक्षा के प्रयोजन से व्युत्पन्न (डेरिवेटिव्स) लेन-देन किये गये हैं । व्यापारिक लेन-देन बाजार मूल्य पर है। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार अदलाबदली की विभिन्न श्रेणियों का निम्नवत् मूल्यन किया गया है :

हैज स्वैप

ब्याज दर अदला-बदली जो ब्याज वाहक आस्ति अथवा देयता की प्रतिरक्षा करती है, को उपचय आधार पर लेखांकित किया जाता है, किसी आस्ति अथवा देयता के साथ अभिहित अदलाबदली को छोड़कर जो वित्तीय विवरणी में बाजार मूल्य अथवा कम कीमत पर लिया जाता है।

विनिमय की समाप्ति पर लाभ व हानियों की विनिमय के न्यूनतर बकाया संविदागत जीवन अथवा आस्ति/देयता की शेष अवधि पर मान्यता दी जाती है।

ट्रेडिंग स्वैप

व्यापारिक अदलाबदली का लेन देन वित्तीय विवरणियों में रिकार्ड किए गए परिवर्तनों सहित बाजार मूल्य की तुलना में चिह्नित किया जाता है।

व्यापारिक उद्देश्यों के लिए प्रविष्ट किए गए विनिमय व्यापार डेरीवेटिव्सस एक्सचेंज द्वारा दी गई दरों के आधार पर प्रचलित ब्याज दर पर मूल्यांकित किया जाता है और प्राप्त लाभों एवं हानियों को लाभ व हानि खाते में लिया जाता है।

4.8 Investments are subject to appropriate provisioning/ de-recognition of income, in line with the prudential norms of Reserve Bank of India for NPI classification. The depreciation/provision in respect of non-performing securities is not set off against the appreciation in respect of the other performing securities.

If any credit facility availed by an entity is NPA in the books of the Bank, investment in any of the securities issued by the same entity would also be treated as NPI and vice versa. However, in respect of NPI preference share where the dividend is not paid, the corresponding credit facility is not treated as NPA.

4.9 Profit or loss on sale of investments in any category is taken to Profit and Loss account but, in case of profit on sale of investments in "Held to Maturity" category, an equivalent amount (net of taxes and amount required to be transferred to Statutory Reserve) is appropriated to "Capital Reserve Account"

4.10 Securities repurchased/resold under buy back arrangement are accounted for at original cost.

4.11 The securities sold and purchased under Repo/Reverse Repo are accounted as Collateralized lending and borrowing transactions. However, securities are transferred as in the case of normal outright sale/purchase transactions and such movement of securities is reflected using the Repo/ Reverse Repo Accounts and Contra entries. The above entries are reversed on the date of maturity. Costs and revenues are accounted as interest expenditure/income, as the case may be. Balance in Repo Account is classified under schedule 4 (Borrowings) and balance in Reverse Repo Account is classified under Schedule7 (Balance with Banks and Money at Call & Short Notice).The same is also applicable to LAF with RBI.

4.12 The derivatives transactions are undertaken for trading or hedging purposes. Trading transactions are marked to market. As per RBI guidelines, different categories of swaps are valued as under: -

Hedge Swaps

Interest rate swaps with hedge interest bearing asset or liability are accounted for on accrual basis except the swaps designated with an asset or liability that are carried at market value or lower of cost in the financial statement.

Gain or losses on the termination of swaps are recognized over the shorter of the remaining contractual life of the swap or the remaining life of the asset/ liabilities.

Trading Swaps

Trading swap transactions are marked to market with changes recorded in the financial statements.

Exchange Traded Derivatives entered into for trading purposes are valued at prevailing market rates based on rates given by the Exchange and the resultant gains and losses are recognized in the Profit and Loss Account.

4.13 **विदेशी मुद्रा विकल्प**

अन्य बैंक के साथ बैक टू बैक कान्ट्रेक्ट के रूप में बैंक द्वारा किया गया विदेशी मुद्रा विकल्प बाजार मूल्य पर नहीं है, क्योंकि इसमें बाजार जोखिम नहीं है।

प्राप्त प्रीमियम को देयता के रूप में रखा गया है और परिपक्वता/निरस्तीकरण पर लाभ व हानि खाते में अन्तरित किया गया है ।

5. ऋण/अग्रिम और इसके लिए प्रावधान

5.1 अग्रिमों का वर्गीकरण अर्जक और अनर्जक आस्तियों के रूप में किया जाता है और उनके लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार प्रावधान किया जाता है ।

5.1 (ए) अग्रिमों को उधारकर्तावार स्टैण्डर्ड, सब स्टैण्डर्ड, संदेहास्पद एवं हानि आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

5.1 (बी) अग्रिम विशिष्ट ऋण हानि प्रावधानों, पुनर्गठित अग्रिमों की उचित मूल्य में कमी के लिए प्रावधान के निवल को कहा जाता है।

5.2 विदेशी कार्यालयों के संबंध में ऋणों एवं अग्रिमों का वर्गीकरण और एनपीए के लिए प्रावधान स्थानीय विनियमों या भा.रि.बैंक के मानकों जो भी अधिक शक्तिशाली हो, के अनुसार किया गया है।

ओवरसीज शाखाओं में हुए ऋण एवं अग्रिमों जो वसूली के रिकार्ड के अलावा अन्य कारणों के लिए होस्ट कंट्री विनियमों के अनुसार क्षति के रूप में चिन्हित हैं, किंतु जिसे भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार स्टैन्डर्ड हैं, होस्टर कंट्री में मौजूदा बकाया राशि को एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

5.3 बेची गई वित्तीय आस्तियों को निम्नलिखित रूप में पहचाना गया :

क. एससी/आरसी को बेची गई वित्तीय आस्तियों की बिक्री हेतु

i) यदि एससी/आरसी को बिक्री निवल बही मूल्य (एनबीवी) से नीचे की कीमत पर की गई है (अर्थात बही मूल्य से कम प्रावधान किया गया) तो उस वर्ष कमी के लाभ व हानि खाते से कमी को डेबिट करना चाहिए। बैंक एनपीए की बिक्री पर अर्थात् जब बिक्री निवल बही मूल्य से कम कीमत पर की गई हो तो पाई गई कमी हेतु प्रतिचक्रीय/फ्लोटिंग प्रावधान भी कर सकता है।

ii) यदि बिक्री निवल बही मूल्य की अपेक्षा उच्च मूल्य पर की गई है, तो बैंक इस वर्ष इसके लाभ व हानि खातों में प्राप्त राशि में से एनपीए की बिक्री या अतिरिक्त प्रावधान वापस ले सकता है। तथापि, बैंक अतिरिक्त प्रावधान (जब बिक्री निवल बही मूल्य की अपेक्षा उच्च मूल्य पर की गई है) एनपीए की बिक्री तभी निकाली जा सकती है, जब प्राप्ति केवल नकदी (प्रारम्भिक प्रतिफल और/अथवा एसआर/पीटीसी की छूट के माध्यम से आस्तियों की नकदी की अपेक्षा उच्च है। आगे अतिरिक्त/ प्रावधान का निरसन आस्ति के एनबीवी पर प्राप्त अतिरिक्त नकदी के प्रभाव तक सीमित होगी।

ख. अन्य बैंक/एनबीएफसी/एफआई इत्यादि को बिक्री की गई वित्तीय आस्तियों की बिक्री हेतु

i) निवल बही मूल्य (एनबीवी) से कम कीमत पर बिक्री करने के मामले में अर्थात् बही मूल्य से कम प्रावधान करने पर कमी को उस वर्ष लाभ व हानि खातों से डेबिट करना चाहिए।

4.13 Foreign currency options

Foreign currency options written by the bank with a back-to-back contract with another bank are not marked to market since there is no market risk.

Premium received is held as a liability and transferred to the Profit and Loss Account on maturity/cancellation.

5. LOANS / ADVANCES AND PROVISIONS THEREON:

5.1 Advances are classified as performing and non-performing assets; provisions are made in accordance with prudential norms prescribed by RBI.

5.1 (a) Advances are classified: Standard, Sub Standard, Doubtful and Loss assets borrower wise.

5.1 (b) Advances are stated net of specific loan loss provisions, provision for diminution in fair value of restructured advances.

5.2 In respect of foreign offices, the classification of loans and advances and provisions for NPAs are made as per the local regulations or as per the norms of RBI, whichever is more stringent.

Loans and advances held at the overseas branches that are identified as impaired as per host country regulations for reasons other than record of recovery, but which are standard as per the extant RBI guidelines, are classified as NPAs to the extent of amount outstanding in the host country.

5.3 Financial Assets sold are recognized as under:

(a) For Sale of financial assets sold to SCs/RCs

i) If the sale to SCs/RCs is at a price below the Net Book Value (NBV), (i.e. Book Value less provisions held), the shortfall should be debited to the Profit & Loss account of that year. Bank can also use countercyclical / floating provisions for meeting the shortfall on sale of NPAs i.e when the sale is at a price below the NBV.

ii) If the sale is for a value higher than the NBV, Bank can reverse the excess provision on sale of NPAs to its profit and loss account in the year, the amounts are received. However, Bank can reverse excess provision (when the sale is for a value higher than the NBV) arising out of sale of NPAs, only when the cash received (by way of initial consideration and/or redemption of SRs/PTCs) is higher than the NBV of the asset. Further, reversal of excess provision will be limited to the extent to which cash received exceeds the NBV of the asset.

(b) For Sale of financial assets sold to Other Banks/NBFCs/FIs etc.

i) In case the sale is at a price below the Net Book Value (NBV) i.e. Book Value less provision held, the shortfall should be debited to the Profit & Loss A/c of that year.

ii) निवल बही मूल्यों (एनबीवी) की अपेक्षा उच्च मूल्य पर बिक्री के मामले में अर्थात् बही मूल्य से कम प्रावधान करने पर, अतिरिक्त प्रावधान वापस नहीं किया जाएगा किंतु अन्य गैर निष्पादित वितीय परिसम्पत्तियों की बिक्री खातों और कमी/हानि पाए जाने पर उसका उपयोग किया जाएगा।

5.4 पुनर्गठित आस्तियां :

अग्रिमों के पुनर्गठन/पुनर्सूचीबद्ध के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देशों के अनुसार प्रावधान किया जाता है । पुनर्गठित खाते के उचित मूल्य में कमी के लिए आवश्यक प्रावधान किया गया है।

बैंक एक पुनर्गठित खाता उसे मानता है जहां बैंक ने उधारकर्ताओं की वित्तीय कठिनाईयों से संबंधित आर्थिक और विधिक कारणों हेतु उधारकर्ता को रियायत दिया है। पुनर्गठन में सामान्यतया अग्रिमों/ प्रतिभूतियों की शर्तों में संशोधन शामिल होगा जिसमें अन्य के अलावा पुनर्भुगतान अवधि/ पुनर्भुगतान राशि/किश्तों की राशि/ ब्याज की दर/ क्रेडिट सुविधाओं के ऊपर पुनः पैसा लगाना/ अतिरिक्त ऋण सुविधा की स्वीकृति//मौजूदा क्रेडिट सीमाओं में वृद्धि/ समझौता जहां निपटारे की राशि के भुगतान के लिए तीन महीने से अधिक समय हो गया हो। पुनर्गठित खाते बैंक द्वारा केवल पुनर्गठन पैकेज के अनुमोदन और कार्यान्वयन के पश्चात् ही इस तरह वर्गीकृत किया जाता है।

मानक खाते एनपीए के रूप में वर्गीकृत किये गए है एवं बैंक द्वारा पुनर्गठन पर उसी श्रेणी में बनाए गए एनपीए खाते केवल तभी अपग्रेड किए जाते हैं जब खाते में सभी बकाया ऋण / सुविधाएं 'निर्दिष्ट अवधि' के दौरान 'संतोषजनक प्रदर्शन' प्रदर्शित करती हैं (अर्थात, उधारकर्ता इकाई से सम्बंधित भुगतान कभी भी बकाया न हो)

'निर्दिष्ट अवधि' का मतलब है कि संकल्प योजना (आरपी) के कार्यान्वयन की तिथि से लेकर उस तिथि तक की अवधि जब संकल्प योजना के अनुसार बकाया मूलधन का कम से कम 20 प्रतिशत और पुनर्गठन के हिस्से के रूप में स्वीकृत ब्याज पूंजीकरण यदि है, चुकाया जाता हो। बशर्ते निर्दिष्ट अवधि संकल्प योजना की शर्तों के तहत अधि स्थगन की सबसे लंबी अवधि के साथ क्रेडिट सुविधा पर ब्याज या प्रिंसिपल (जो भी बाद में हो) के पहले भुगतान के शुरू होने से एक वर्ष पहले समाप्त नहीं हो सकती है।

बड़े खातों के लिए (अर्थात ऐसे खाते जहां उधारदाताओं का कुल जोखिम 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक है) अपग्रेड करने एवं नियम अनुसार बनाने तथा संतोषजनक कार्यनिष्पादन के प्रतिपादन के अतिरिक्त बैंक ऋण रेटिंग के उद्देश्य से रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत सीआरए द्वारा निर्धारित अवधि के अंत तक उधारकर्ताओं की ऋण सुविधाएं भी निवेश ग्रेड (BBB- या बेहतर) के रूप में आंकी जाएंगी। जबकि रु.500 करोड़ और उससे अधिक के कुल जोखिम वाले खातों को दो रेटिंगों की आवश्यकता होगी, रु.500 करोड़ से कम वाले खातों को एक रेटिंग की आवश्यकता होगी। यदि रेटिंग सीआरए की आवश्यक संख्या से अधिक प्राप्त की जाती हैं, तो ऐसी सभी रेटिंग अपग्रेड करने एवं नियमानुसार करने के लिए निवेश ग्रेड होगी।

यदि निर्दिष्ट अवधि के दौरान खाते द्वारा संतोषजनक प्रदर्शन प्रदर्शित नहीं किया जाता है, तो तत्काल इस खाते को, पुनर्गठन से पहले मौजूद पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार पुनः वर्गीकृत किया जाता है। ऐसे खातों

(ii) In case the sale is for a value higher than the Net Book Value (NBV) i.e. Book Value less provision held, the excess provision shall not be reversed but will be utilized to meet the shortfall / loss on account of sale of other Non Performing Financial Assets.

5.4 Restructured Assets

For restructured/rescheduled advances, provisions are made in accordance with guidelines issued by RBI from time to time. Necessary provision for diminution in the fair value of a restructured account is made.

The bank considered a restructured account as one where the bank, for economic or legal reasons relating to the borrower's financial difficulty, grants concessions to the borrower. Restructuring would normally involve modification of terms of the advances / securities, which would generally include, among others, alteration of repayment period / repayable amount / the amount of installments / rate of interest / roll over of credit facilities / sanction of additional credit facility / enhancement of existing credit limits / compromise settlements where time for payment of settlement amount exceeds three months. Restructured accounts are classified as such by the Bank only upon approval and implementation of the restructuring package.

Standard accounts classified as NPA and NPA accounts retained in the same category on restructuring by the bank are upgraded only when all the outstanding loan / facilities in the account demonstrate 'satisfactory performance' (i.e., the payments in respect of borrower entity are not in default at any point of time) during the 'specified period'

'Specified period' means the period from the date of implementation of Resolution plan (RP) up to the date by which at least 20 percent of the outstanding principal debt as per the RP and interest capitalization sanctioned as part of the restructuring, if any, is repaid. Provided that the specified period cannot end before one year from the commencement of the first payment of interest or principal (whichever is later) on the credit facility with longest period of moratorium under the terms of RP.

For the large accounts (i.e., accounts where the aggregate exposure of lenders is Rs 100 crore and above) to qualify for an upgrade, in addition to demonstration of satisfactory performance, the credit facilities of the borrower shall also be rated as investment grade (BBB- or better) as at the end of the 'specified period' by CRAs accredited by the Reserve Bank for the purpose of bank loan ratings. While accounts with aggregate exposure of Rs 500 crore and above shall require two ratings, those below Rs 500crore shall require one rating. If the ratings are obtained from more than the required number of CRAs, all such ratings shall be investment grade to qualify for an upgrade.

In case satisfactory performance during the specified period is not demonstrated, the accounts , immediately on such default, are reclassified as per the repayment schedule that existed before the restructuring. Any

के लिए भविष्य में अपग्रेड होना उसके एक नए संकल्प योजना के कार्यान्वयन एवं उसके संतोषजनक प्रदर्शन के ऊपर निर्भर होगा।

5.5 एनपीए पर वर्गीकृत प्रावधानों के अतिरिक्त, सामान्य प्रावधान भी भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार स्टेंडर्ड आस्तियों के लिए किया गया है। ये प्रावधान तुलन-पत्र की अनुसूची 5 में ''अन्य देयताएं व प्रावधान - अन्य'' शीर्षक के अंतर्गत प्रदर्शित किया जाता है और नेट एनपीए होने पर विचार नहीं किया जाता है।

5.6 भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार गैर निष्पादित अग्रिमों के लिए किए गए त्वतरित प्रावधान जिसे बैंक द्वारा पूर्व में एसएमए -2 श्रेणी के अंतर्गत सैन्ट्रल रिपोजिटरी ऑफ इंफार्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट (सीआरआईएलसी) को विशेष वर्णित खाते में रिपोर्ट नहीं किया जाता था।

5.7 पूर्व वर्षों में बट्टे खाते ऋणों के विरूद्ध वसूल की गई राशि और प्रावधानों को उधारकर्ता की वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में विचार करना आवश्यक नहीं समझा गया है और इसे लाभ-हानि खाते में लिया जाता है।

5.8 कंट्री एक्सपोज़र के लिए प्रावधान:

आस्ति वर्गीकरण स्थिति के अनुसार किए गए विशिष्ट प्रावधानों के अतिरिक्त किसी देश के एक्सपोजरों (अपने देश के अलावा अन्य) के लिए भी प्रावधान किया गया है। देशों को सात जोखिम श्रेणियों अर्थात् निरर्थक, कम, मध्यम, उच्च, बहुत उच्च, प्रतिबंधित और ऑफ क्रेडिट में वर्गीकृत किया गया है और प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया है । प्रत्येक देश के मामले में यदि बैंक का देश एक्सपोजर (निवल) कुल वित्त पोषित आस्तियों की 1% से अधिक नहीं है तो ऐसे कंट्री एक्सपोजर में कोई प्रावधान नहीं किया जाता है। प्रावधान तुलन पत्र की अनुसूची 5 में 'अन्य देयताएं एवं प्रावधान 'अन्य'' के अंतर्गत प्रदर्शित किया जाता है।

5.9 भारतीय कॉपोरेट की अनुषंगियों को स्टेप डाउन के एक्स्पोजर को स्टैंडर्ड आस्ति बनाने के विरुद्ध 2% का एक अतिरिक्त प्रावधान (सभी ओवरसीज एक्सपोजरों पर लागू कंट्री जोखिम के अतिरिक्त) को ढांचे में कम्प्लैक्सिटी होने से उत्पन्न अतिरिक्त जोखिम को कवर करने के लिए, भारतीय कम्पनी को विभिन्न ज्यूरिडिक्शंस में अलग अलग इंटरमिडियरी संस्थाओं के स्थान पर बनाया गया है। इस प्रकार, बैंक अधिक राजनैतिक व रेगुलेटरी जोखिम के लिए एक्पोज हो जाएगा। (आरबीआई परि. RBI/2015-16/279 DBR-IBD-BC No- 68/23-37-001/2015-16 dated 31-12-2015).के अनुसार)।

6. संपत्ति, संयंत्र, और उपकरण

6.1 जिन परिसरों का पुनर्मूल्यन हो चुका है उन्हें छोड़कर संपत्ति, संयंत्र, और उपकरण को उनकी परम्परागत लागत पर दिखाया जाता है और पुनर्मूल्यन पर हुई वृद्धि को पुनर्मूल्यन प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है और पुनर्मूल्यन राशि में आरोप्य बढ़ता हुआ मूल्यह्रास उसमें से कम कर दिया जाता है।

6.2 सॉफ्टवेयर को पूंजीकृत कर अमूर्त ऑस्तियों के साथ जोड़ दिया गया है।

6.3 खरीददारी की लागत सहित सभी खर्चे जैसे साइट तैयारी, इंस्टॉलेशन लागत, पंजीकरण के समय तक आस्ति पर खर्च की गयी व्यवसायिक फीस लागत में शामिल है। आस्तियों पर खर्च किए गए परिवर्ती खर्चे केवल तभी पूंजीकृत किए जाते हैं जब ऐसी आस्तियों या उनकी कार्यक्षमता से भविष्य के लाभ में वृद्धि होती है।

future upgrade for such accounts would be contingent on implementation of a fresh RP and demonstration of satisfactory performance thereafter.

5.5 In addition to the specific provision on NPAs, general provisions are also made for standard assets as per extant RBI Guidelines. These provisions are reflected in Schedule 5 of the Balance Sheet under the head "Other Liabilities & Provisions – Others" and are not considered for arriving at the Net NPAs.

5.6 In accordance with RBI guidelines, accelerated provision is made on non-performing advances which were not earlier reported by the Bank as Special Mention Account under "SMA-2" category to Central Repository of Information on Large Credits (CRILC).

5.7 Amounts recovered against debts written-off in earlier years and provisions no longer considered necessary in the context of the current status of the borrower are recognised in the profit and loss account.

5.8 Provision for Country Exposure:

In addition to the specific provisions held according to the asset classification status, provisions are also made for individual country exposures (other than the home country). Countries are categorized into seven risk categories, namely, insignificant, low, moderately Low, moderate, moderately high, high & very high and provisioning made as per extant RBI guidelines. If the country exposure (net) of the Bank in respect of each country does not exceed 1% of the total funded assets, no provision is maintained on such country exposures. The provision is reflected in Schedule 5 of the Balance Sheet under the "Other liabilities & Provisions – Others".

5.9 An additional provision of 2% (in addition to country risk provision that is applicable to all overseas exposures) against standard assets representing all exposures to step down subsidiaries of Indian Corporates has been made to cover the additional risk arising from complexity in the structure, location of different intermediary entities in different jurisdictions exposing the Indian Company, and hence the Bank, to a greater political and regulatory risk. (As per RBI Cir.No. RBI/2015.16/279 DBR.IBD.BC No. 68/23.37.001/2015-16 dated 31.12.2015).

6 PROPERTY, PLANT & EQUIPMENT

6.1 Property, Plant & Equipment are stated at historical cost less accumulated depreciation/amortisation, wherever applicable, except those premises, which have been revalued. The appreciation on revaluation is credited to revaluation reserve and incremental depreciation attributable to the revalued amount is deducted there from.

6.2 Software is capitalized and clubbed under Intangible assets.

6.3 Cost includes cost of purchase and all expenditure such as site preparation, installation costs and professional fees incurred on the asset till the time of capitalization. Subsequent expenditure/s incurred on the assets are capitalised only when it increases the future benefits from such assets or their functioning capability.

6.4 मूल्यह्रास

क. आस्तियों (जहां कीमत अलग न की जा सकती हो वहाँ भूमि सहित) कम्प्यूटरों को छोड़कर जहां इसकी गणना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित दर पर सीधी रेखा पद्धति पर किया जाता है, को छोड़कर, पर मूल्यह्रास के लिये प्रावधान आस्ति की प्रत्याशित आयु के आधार पर सीधी रेखा पद्धति के अनुसार किया जाता है।

ख ऐसी आस्तियों पर मूल्यह्रास निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया गया है

विवरण	मूल्यह्रास की दर
फ्रीहोल्ड संपत्ति	
भूमि	शून्य
निर्माण लागत पर प्रदान की जाने वाली मूल्यह्रास दर जहां भूमि की लागत को अलग किया जाता है और कुल लागत पर जहां भूमि की लागत सुनिश्चित नहीं की जा सकती और उसे अलग नहीं किया जा सकता है	2.5% (40 वर्ष सीधी रेखा पद्धति या शेष जीवन जो भी कम हो)
बेमियादी पट्टे पर ली गई भूमि जहां पट्टे की अवधि का उल्लेख नहीं है	शून्य
पट्टे पर ली गई भूमि जहाँ पट्टे की अवधि का उल्लेख है	पट्टे की अवधि पर
भवन	
फ्री होल्ड और पट्टे की अवधि 40 वर्ष से अधिक है	2.50%
पट्टे वाली भूमि पर निर्मित जहाँ पट्टे की अवधि 40 वर्ष से कम है पट्टे की अवधि पर	पट्टे की अवधि पर
पूर्ववर्ती न्यू नेदुंगडी बैंक लि. से अर्जित निर्मित आस्तियाँ	4.00%
फर्नीचर और फिक्सचर्स - स्टील वस्तुएं	5.00%
फर्नीचर और फिक्सचर्स - लकड़ी की वस्तुएं	10.00%
गद्दे	20.00%
मोबाइल फोन उपकरण	33.33%
मशीनरी, बिजली की और विविध वस्तुएं	15.00%
मोटर-कारें एवं साईकलें	15.00%
कंप्यूटर, एटीएम और संबंधित वस्तुएं लैप टॉप, आईपैड	33.33%
कम्प्यूटर एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर - अमूर्त आस्तियाँ	
रुपये 25,000/- तक	राजस्व में प्रभारित
अन्य	20.00%
ईएनबीआई संपत्तियां	चूंकि 25 वर्ष बीत गए हैं, हमने पीएनबी संपत्तियों के मामलों में वही प्रणाली अपनाई है।

6.4 DEPRECIATION

A. Depreciation on assets (including land where value is not separable) is provided on straight-line method based on estimated life of the asset, except in respect of computers where it is calculated on the straight-line method, at the rates prescribed by RBI.

B. Depreciation on assets has been provided at the rates furnished below:-

Particulars	Rate of Depreciation
Freehold Properties	
Land	NIL
Depreciation to be provided on Construction Cost where the land cost is segregated and on total cost where the land cost is not ascertainable and cannot be segregated	2.5% (40 years Straight Line Method or remaining life which ever is lower)
Land acquired on perpetual lease where no lease period is mentioned	Nil
Land acquired on lease where lease period is mentioned	Over lease period
Building	
• Constructed on free hold land and on leased land, where lease period is above 40 years	2.50%
• Constructed on leased land where lease period is below 40 years.	Over lease period
Built-up Assets taken over from erstwhile Nedungadi Bank Ltd	4.00%
Furniture and fixtures- Steel articles	5.00%
Furniture and fixtures-wooden articles	10.00%
Mattresses	20.00%
Mobile Phone Instruments	33.33%
Machinery, electrical and miscellaneous articles	15.00%
Motor cars and cycles	15.00%
Computers, ATMs and related items, laptop, i pad	33.33%
Computer Application Software – Intangible Assets	
- Up to Rs. 25,000	Charged to Revenue
- Others	20.00%
ENBI Properties	Since 25 years have already passed, we will adopt the same method as in case of PNB properties

ग . बैंक के अपने स्वामित्त्व परिसरों के अतिरिक्त इतर आस्तियों के नए एडिशन पर जिन आस्तियों को उपयोग में लाया जा रहा है मूल्यह्रास की दर उसी दिन से प्रदान की जाती है और वर्ष के दौरान बेची गई/निपटान की गई आस्तियों के मामले में जिस तारीख तक इसे बेचा/निपटान किया जाता है अर्थात दैनिक आधार पर मूल्यह्रास की दर प्रदान की जाती है।

घ. बैंक के अंत में मौजूद बैंक के अपने स्वामित्व कें परिसरों पर मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिये प्रभारित किया गया है। निर्माण लागत को तभी मूल्यूवह्रास किया जाता है जब भवन सभी प्रकार से पूरा हो जाता है। जहां भूमि और भवन की लागत का अलग से पता नहीं लगाया जा सकता है, वहां मूल्याह्रास दर पर भवन पर लागू समग्र लागत पर प्रदान की जाती है।

ड. पट्टाधारित परिसरों के संबंध में, पट्टा प्रीमियम यदि कोई है, पट्टे की संपूर्ण अवधि पर परिशोधित है और पट्टा किराया संबंधित वर्षों में प्रभारित किया जाता है।

च. पुनर्मूल्यन आस्तियों के मूल्यह्रास की दर पुनर्मूल्यांकन के समय मूल्यांकन की गई आस्तियों के शेष उपयोगी जीवन के आधार पर निश्चित की जाती है।

7. आस्तियों की अपसामान्यता

आस्तियों की लागत क्षमता में आंतरिक/बाह्य तथ्यों के आधार पर कोई अपसामान्यता दिखाई पड़ती है तो प्रत्येक तुलनपत्र तिथि को समीक्षित किया जाता है।

एक अपसामान्यप हानि तभी मानी जाती है जहां कही एक आस्ति की रखाव लागत इसकी वसूली राशि से ज्यादा होती है । वसूली योग्य राशि आस्ति की निवल बिक्री कीमत और उपयोगिता मूल्य से ज्यादा होती है। उपयोगिता मूल्य के निर्धारण में, अनुमानित भावी नकदी प्रवाह कर पूर्व छूट दर में प्रयुक्त उसके वर्तमान मूल्य को घटाया जाता है जो उस समय धन के वर्तमान बाजार निर्धारण और आस्ति के वर्गीकृत जोखिमों को दर्शाता है।

अपसामान्यता के पश्चारत, यदि कोई है, मूल्यह्रास से पूर्ण आस्ति पर इसके शेष उपयोगी जीवन के संशोधित रखाव लागत पर प्रदान किया जाता है।

पूर्व में हुई असामान्यता हानि परिस्थितियों में परिवर्तन के आधर पर बढ़ती या प्रतिवर्तित होती है।

हालांकि, प्रतिर्वतन के पश्चात रखाव मूल्य उस मूल्यत से ऊपर नहीं बढ़ता है जिसमें यदि कोई असामान्यता नहीं हुई है तो सामान्यता मूल्यलह्रास प्रभारित करके किया जाना है।

8. कर्मचारी फायदे

- **भविष्य निधि**

भविष्य निधि एक सुपरिभाषित अंशदान योजना है क्योंकि बैंक पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है। बैंक का दायित्व ऐसे निश्चित अंशदान तक सीमित है। ये अंशदान लाभ व हानि खाते में चार्ज किए जाते हैं।

- **उपदान**

उपदान देयता एक सुपरिभाषित लाभ दायित्व है और बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर दिया जाता है। यह योजना बैंक द्वारा वित्त पोषित की जाती है और एक अलग ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है।

C. Depreciation on fresh additions to assets other than bank's own premises is provided from the day in which the assets are put to use and in the case of assets sold/disposed off during the year, up to the date in which it is sold/ disposed off i.e daily basis.

D. The depreciation on bank's own premises existing at the close of the year is charged for full year. The construction cost is depreciated only when the building is complete in all respects. Where the cost of land and building cannot be separately ascertained, depreciation is provided on the composite cost, at the rate applicable to buildings.

E. In respect of leasehold premises, the lease premium, if any, is amortised over the period of lease and the lease rent is charged in the respective year(s).

F. The Revalued assets is depreciated over the balance useful life of the asset as assessed at the time of revaluation.

7 IMPAIRMENT OF ASSETS

The carrying costs of assets are reviewed at each Balance Sheet date if there is any indication of impairment based on internal/external factors.

An impairment loss is recognized wherever the carrying cost of an asset exceeds its recoverable amount. The recoverable amount is the greater of the assets net selling price and value in use. In assessing value in use, the estimated future cash flows are discounted to their present value using a pre-tax discount rate that reflects current market assessments of the time value of money and risks specific to the asset.

After impairment, if any, depreciation is provided on the revised carrying cost of the asset over its remaining useful life.

A previously recognized impairment loss is increased or reversed depending on changes in circumstances.

However, the carrying value after reversal is not increased beyond the carrying value that would have prevailed by charging usual depreciation if there was no impairment.

8 EMPLOYMENT BENEFITS

- **PROVIDENT FUND:**

Provident fund is a defined contribution scheme as the Bank pays fixed contribution at pre-determined rates. The obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contribution is charged to Profit & Loss A/c.

- **GRATUITY:**

Gratuity liability is a defined benefit obligation and is provided for on the basis of an actuarial valuation. The scheme is funded by the bank and is managed by a separate trust.

- **पेंशन**

पेंशन देयता एक सुपरिभाषित लाभ दायित्व है और बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर दी जाती है। यह योजना बैंक द्वारा वित्त पोषित की जाती है और एक अलग ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है।

बैंक ने एक नई पेंशन योजना (एनपीएस) का परिचालन किया है यह उन सभी अधिकारी/कर्मचारी जिन्होने 01.04.2010 के बाद बैंक ज्वाईन किया हो, के लिए है। योजना के अनुसार, पात्र कर्मचारी अपनी बेसिक वेतन प्लस डीए का 10% का योगदान, बैंक से मैचिंग योगदान सहित् देते है । सम्बन्धित कर्मचारी का पूर्णरजिस्ट्रेशन प्रणाली लम्बित है उनका योगदान रखा गया है। इन वार्षिक योगदान को बैंक पहचान करता है तथा सम्बन्धित वर्ष के लिए उस पर ब्याज, व्यय के तौर पर देता है। स्थायी रिटायरमेंट खाता संख्या (पीआरएएन) रसीद प्राप्त होने पर समेकित योगदान राशि को एनपीएस ट्रस्ट में अंतरित कर दिया जाता है।

- **क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियां**

उपचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियां जैसे अर्जित छुट्टियाँ और बीमारी की छुट्टियाँ (अप्रयुक्त आकस्मिक छुट्टियों सहित) बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर दी जाती हैं।

- **अन्य कर्मचारी लाभ**

अन्य कर्मचारी लाभ जैसे छुट्टी किराया रियायत, सिल्वर जुबली अवार्ड, मेडिकल फायदे इत्यादि बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जाते हैं। जहां तक विदेश स्थित शाखाओं और कार्यालयों का संबंध है प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों को दिए गए लाभों के अलावा अन्य सभी लाभ उन देशों में लागू कानूनों के अनुसार मूल्योंकित और लेखांकित किए गए हैं।

9. विदेशी मुद्रा से संबंधित लेनदेन और शेषों का परिवर्तनः

विदेशी विनिमय में शामिल लेनदेन एएस 11 ''विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन का प्रभाव'' के अनुसार लेखांकित किए जाते हैं ।

9.1 पूर्ववर्ती लंदन शाखाओं के अग्रिमों को छोड़कर, जिनका भारत में अंतरण की तिथि को लागू विनिमय दरों के आधार पर परिवर्तन किया जाता है, भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (फेडाई) के मार्गनिर्देशन के अनुसार तुलन पत्र तिथि पर विनिमय दरों के आधार पर मौद्रिक आस्तियों तथा देयताओं, गारंटियों, स्वीकृतियों, पृष्ठांकनों व अन्य दायित्वों को प्रारंभिक रूप से कल्पित दर पर दर्ज किया जाता है और समतुल्य भारतीय रुपये में परिवर्तित किया जाता है।

9.2 अचल आस्तियों जिसे एतिहासिक दर पर ले जाया जाता है, से अन्य गैर मौद्रिक मदों को लेन-देन की तिथि को प्रभावी विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है।

9.3 बकाया वायदा विनिमय स्पॉट व अग्रेषित संविदाओं को भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के स्पॉट/अग्रेषित दर पर तुलन पत्र तिथि पर अधिसूचित विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है और फलस्वरूप मूल्यांकन पर हुए लाभ/ हानि को लाभ व हानि खाते में दिखाया जाता है।

विदेशी विनिमय स्पॉट / फार्वड कंट्रेक्ट/डील्स (मर्चेट व इंटर बैंक), जो कि ट्रेडिंग व मर्चट हैज के लिए प्रयोग नहीं किए जाते हैं तथा तुलन पत्र

- **PENSION:**

Pension liability is a defined benefit obligation and is provided for on the basis of an actuarial valuation. The scheme is funded by the bank and is managed by a separate trust.

The Bank operates a New Pension Scheme (NPS) for all officers/ employees joining the Bank on or after 01.04.2010. As per the scheme, the covered employees contribute 10% of their basic pay plus dearness allowance to the scheme together with a matching contribution from the Bank. Pending completion of the registration procedures of the employees concerned, these contributions are retained. The Bank recognizes such annual contributions as an expense in the year to which they relate. Upon the receipt of the Permanent Retirement Account Number (PRAN), the consolidated contribution amounts are transferred to the NPS Trust.

- **COMPENSATED ABSENCES:**

Accumulating compensated absences such as Privilege Leave (PL) and Sick Leave (including unavailed casual leave) are provided for based on actuarial valuation.

- **OTHER EMPLOYEE BENEFITS:**

Other Employee Benefits such as Leave Fare Concession (LFC), Silver Jubilee Award, etc. are provided for based on actuarial valuation. In respect of overseas branches and offices, the benefits in respect of employees other than those on deputation are valued and accounted for as per laws prevailing in the respective countries.

9 TRANSLATION OF FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS & BALANCES:

Transactions involving foreign exchange are accounted for in accordance with AS 11, "The Effect of Changes in Foreign Exchange Rates".

9.1 Except advances of erstwhile London branches which are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of parking in India, all other monetary assets and liabilities, guarantees, acceptances, endorsements and other obligations are translated in Indian Rupee equivalent at the exchange rates prevailing as on the Balance Sheet date as per Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) guidelines.

9.2 Non-monetary items other than fixed assets which are carried at historical cost are translated at exchange rate prevailing on the date of transaction.

9.3 Outstanding Forward exchange spot and forward contracts are translated as on the Balance Sheet date at the rates notified by FEDAI and the resultant gain/loss on translation is taken to Profit & Loss Account.

Foreign exchange spot/forward contracts/deals (Merchant and Inter-bank) which are not intended for trading/Merchant

की तिथि पर बकाया होते हैं, विनिमय लाभ पर पुनर्मूल्यांकन प्रभाव को हटाने के लिए लेखा बन्दी पर फीदाई (एफईडीएआई) स्पॉट/ फार्वर्ड दर से रिवर्स पुनः मूल्यांकित होते है। इस तरह के फार्वड विनिमय करार के आत्मसात से उत्पन्न प्रीमियम अथवा छूट करार के समयावधि में ब्याज व्यय या आय के रूप में परिशोधित किए गए है।

9.4 आय तथा व्यय की मदें लेन-देन की तारीख को प्रचलित विदेशी विनिमय दर पर परिवर्तित की जाती हैं।

मौद्रिक मदों के निपटान पर उनसे भिन्न दरों पर उत्पन्न विनिमय अंतर जिस पर वे शुरूआत में दर्ज किए गए थे, उस अवधि के लिए वे उत्पन्न आय या व्यतय के रूप में माने जाते हैं।

भावी मुद्रा व्यापार में खुली स्थिति के विनिमय दरों में परिवर्तन के कारण खाते में लाभ/हानि दैनिक आधार पर विनिमय समाशोधन गृहों के साथ निपटाए जाते हैं और ऐसे लाभ/हानि को लाभ व हानि खाते में लिया जाता है।

9.5 विदेश स्थित शाखाएं / अपतटीय बैंकिंग इकाइयां :

i विदेश स्थित शाखाओं और अपतटीय बैंकिंग यूनिटों के परिचालनों को ''गैर समाकलित विदेशी परिचालनों'' में वर्गीकृत किया गया है और विदेश में प्रतिनिधि कार्यालयों के परिचालनों को ''समाकलित विदेशी परिचालनों'' के रूप में वर्गीकृत किया गया है ।

ii समाकलित विदेश परिचालनों के विदेशी मुद्रा लेनदेनों को और गैर समाकलित विदेशी परिचालनों को लेखांकन मानक - 11 में दिए गए निर्धारण के अनुसार हिसाब में लिया जाता है।

iii गैर समाकलित परिचालनों पर विनिमय घटबढ़ के लाभ / हानि को विनिमय घट-बढ़ प्रारक्षित निधि में जमा / नामे किया जाता है।

10. आय पर कर

आयकर व्यय बैंक द्वारा किए गए वर्तमान कर तथा डेफार्ड कर व्यय् की कुल राशि होता है । आयकर एक्ट, 1961 तथा एकाउंटिंग स्टैंडर्ड 22 के प्रावधानों के अनुसार ही वर्तमान कर व्यय तथा डेफर्ड कर व्यय की गणना होती है। विदेश में स्थित कार्यालयों पर भुगतान किए गए करों को शामिल करने के बाद आय पर कर के लिए एकाउंटिंग की जाती है जो कि सम्बन्धित ज्यूरिडिक्शन के कर नियमों पर आधारित होते हैं।

वर्ष के दौरान डेफर्ड कर आस्ति या देयताओं में परिवर्तनो का समायोजन और आगे ले जाए गई हानि होता है। डेफर्ड कर आस्ति व देयता, वर्तमान वर्ष के लिए एकाउंटिंग आय और करयोग्य आय के बीच के समय अंतराल के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए पहचान की जाती है। डेफर्ड कर आस्ति व देयता की गणना कर की दर तथा कर नियमों का प्रयोग, जो कि तुलन पत्र तिथि में एनएक्टिड या वास्तविक एनएक्टिव किया गया हो, किया जाता है। डेफर्ड कर आस्ति व देयता में परिवर्तन का प्रभाव लाभ व हानि खातों में दिखाई देता है। डेफर्ड कर आस्ति को पहचाना जाता है तथा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर पुनः एसेस्स्ड किया जाता है, जो प्रबन्धन की जजमेंट पर आधारित होती है जैसे कि उनकी रियलाईजेशन प्रमाणत/वर्चुअली निश्चित हो।

Hedge and are outstanding on the Balance Sheet date, are reverse re-valued at the closing FEDAI spot/forward rate in order to remove revaluation effect on exchange profit. The premium or discount arising at the inception of such a forward exchange contract is amortised as interest expense or income over the life of the contract.

9.4 Income and expenditure items are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of transaction.

Exchange differences arising on the settlement of monetary items at rates different from those at which they were initially recorded are recognised as income or as expense in the period in which they arise.

Gains/Losses on account of changes in exchange rates of open position in currency futures trades are settled with the exchange clearing house on daily basis and such gains/ losses are recognised in the Profit and Loss Account.

9.5 Offices outside India / Offshore Banking Units:

i. Operations of foreign branches and off shore banking unit are classified as "Non-integral foreign operations" and operations of representative offices abroad are classified as "integral foreign operations"

ii. Foreign currency transactions of integral foreign operations and non-integral foreign operations are accounted for as prescribed by AS-11.

iii. Exchange Fluctuation resulting into Profit/loss of non-integral operations is credited/debited to Exchange Fluctuation Reserve.

10 TAXES ON INCOME

Income tax expense is the aggregate amount of current tax and deferred tax expense incurred by the Bank. The current tax expense and deferred tax expense are determined in accordance with the provisions of the Income Tax Act, 1961 and as per Accounting Standard 22 - Accounting for Taxes on Income respectively after taking into account taxes paid at the foreign offices, which are based on the tax laws of respective jurisdictions.

Deferred Tax adjustments comprises of changes in the deferred tax assets or liabilities during the year. Deferred tax assets and liabilities are recognised by considering the impact of timing differences between taxable income and accounting income for the current year, and carry forward losses. Deferred tax assets and liabilities are measured using tax rates and tax laws that have been enacted or substantively enacted at the balance sheet date. The impact of changes in deferred tax assets and liabilities is recognised in the profit and loss account. Deferred tax assets are recognised and re-assessed at each reporting date, based upon management's judgment as to whether their realisation is considered as reasonably/virtually certain.

11. **प्रति शेयर पर आय**

बैंक की प्रति शेयर आधारभूत आय रिपोर्ट आईसीएआई द्वारा जारी 'प्रति शेयर पर आय' और एएस 20 के अनुसार होती है। बेसिक आय प्रति शेयर की गणना वर्ष के लिए विशेषकर ईक्विटी शेयरधारकों को टैक्स के बाद शुद्ध लाभ को वर्ष के बकाया ईक्विटी शेयर की औसतन संख्या से भाग करके प्राप्त की जाती है।

12. **प्रावधान, आकस्मिक देयतायें तथा आकस्मिक आस्तियाँ**

- एएस 29 के अनुसार 'चार्टड एकाउंटेंड संस्थान द्वारा जारी प्रावधान, आकस्मिक देयतायें तथा आकस्मिक आस्तियाँ, बैंक इनके प्रावधान की पहचान केवल तभी करता है जब पूर्व घटना के परिणामस्वरुप वर्तमान दायित्व हो तथा जिसके परिणामत: संसाधनों का सम्भावित आउटफ्लो हो जो दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ के लिए आवश्यक हो तथा जब दायित्व की विश्वसनीय राशि अनुमानित की जा सकती हो।
- वितीय विवरणी में आकस्मिक देयताओं की पहचान नहीं होती है।

13. **बुलियन ट्रांजेक्शन :**

बैंक बुलियन का आयात करता है जिसमें ग्राहकों को बेचने के लिए एक करार पर आधारित बहुमूल्य मेटल बार शामिल है। आयात बैक टू बैक पर विशेष रुप से आधारित है तथा ग्राहक को उसका मूल्य सप्लायर द्वारा अंकित मूल्य पर देना होता है। इन बुलियन ट्रांजेक्शनों में बैंक शुल्क अर्जित करता है। शुल्क को कमीशन आय के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। बैंक गोल्ड को जमा व उस पर ऋण देता है जिसे ब्याज व्यय/आय की तरह व्याज भुगतान मामले के आधार पर क्लासीफाईड जमाराशि / उधार की तरह पेशकश किया जाता है।

14 **खंडवार रिपोर्टिंग**

बैंक, आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार तथा आईसीएआई द्वारा जारी एकाउंटिंग स्टैंडर्ड 17 की अनुपालना में बिजनेस खंडों की पहचान प्राथमिक रिपोर्टिंग खंड तथा भौगोलिक खंड को सेकेंडरी रिपोर्टिंग खंड के रुप में करता है।

15 दिनांक 7 अप्रैल, 2016 को आरबीआई सर्कुलर FIDD-CO-Plan-BC-23/04-09-01/2015-16 के अनुसार बैंक, पीएसएलसी को विक्रय या क्रय कर प्राथमिकता क्षेत्र के पोर्टफोलियो में ट्रेड करता है। इन लेनदेन में जोखिमों या ऋण आस्तियों का कोई हस्तांतरण नहीं है। पीएसएलसी की खरीद के लिए भुगतान किया गया शुल्क 'व्यय' के रूप में माना जाता है और पीएसएलसी की बिक्री से प्राप्त शुल्क को 'अन्य आय' के रूप में माना जाता है।

11 **Earnings per Share:**

The Bank reports basic and diluted earnings per share in accordance with AS 20 -'Earnings per Share' issued by the ICAI. Basic Earnings per Share are computed by dividing the Net Profit after Tax for the year attributable to equity shareholders by the weighted average number of equity shares outstanding for the year.

12 **Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets:**

- In conformity with AS 29, "Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets", issued by the Institute of Chartered Accountants of India, the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, and would result in a probable outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation, and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.
- Contingent Assets are not recognised in the financial statements.

13 **Bullion Transactions:**

The Bank imports bullion including precious metal bars on a consignment basis for selling to its customers. The imports are typically on a back-to-back basis and are priced to the customer based on price quoted by the supplier. The Bank earns a fee on such bullion transactions. The fee is classified under commission income. The Bank also accepts deposits and lends gold, which is treated as deposits/advances as the case may be with the interest paid / received classified as interest expense/income.

14 **Segment Reporting**

The Bank recognizes the Business segment as the Primary reporting segment and Geographical segment as the Secondary reporting segment, in accordance with the RBI guidelines and in compliance with the Accounting Standard 17 issued by ICAI.

15. The Bank, in accordance with RBI Circular FIDD.CO.Plan.BC.23/04.09.01/2015-16 dated April 7, 2016, trades in Priority Sector portfolio by selling or buying PSLC. There is no transfer of risks or loan assets in these transactions. The fee paid for purchase of the PSLC is treated as an 'Expense' and the Fee received from sale of PSLCs is treated as 'Other Income'

अनुसूची- 18 (एकल)

खातों से संबंधित टिप्पणियां - 31.03.2019

1. पूँजी

1. पूँजी अनुपात

(रूपये करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
i.	सामान्य इक्विटी टीयर 1 पूंजी अनुपात (%)*	6.20	5.95
ii.	टीयर 1 पूंजी अनुपात (%)*	7.49	7.12
iii.	टीयर 2 पूंजी अनुपात (%)*	2.24	2.08
iv.	**कुल पूंजी अनुपात (सीआरएआर) (%)***	**9.73**	**9.20**
v.	बैंक में भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	75.41%	62.25%
vi.	जुटाई गई इक्विटी पूंजी की राशि**	14804.00	10473.00
vii.	जुटाई गई टीयर - । अतिरिक्त पूंजी की राशि	शून्य	1500.00
	जिसमें बेमियादी: गैरसंचयी अधिमानी शेयर (पीएनसीपीएस) :	शून्य	शून्य
	बेमियादी ऋण लिखत (पीडीआई) :	शून्य	1500.00
viii.	जुटाई गई टीयर 2 पूंजी की राशि जिसमें	शून्य	शून्य
	ऋण पूंजी लिखते:	शून्य	शून्य
	अधिमान शेयर पूंजी लिखतें [बेमियादी संचयी अधिमान शेयर (पीसीपीएस/प्रतिदेय गैर संचयी अधिमान शेयर (आरएनसीपीएस)/ प्रतिदेय संचयी अधिमान शेयर (आरसीपीएस)]	लागु नही	लागु नही

* बेसल-III पूंजी विनियमन के अनुसार सूचना 1 (i से iv) में दी गई है ।

**रु. 368.69 करोड़ की राशि (रू.126.52 करोड़) इक्विटी पूंजी और रू. 14435.31 करोड़ (₹10346.48 करोड़) प्रीमियम के रूप में शामिल ।

दिनांक 1 मार्च, 2016 को आरबीआई ने अपने सर्कुलर नं DBR-No-BP-BC-83 / 21.06.201 / 2015-16 के अनुसार दिनांक बैंकों को विवेकशील रिजर्व, फॉरेन करेंसी ट्रांसलेशन रिजर्व और डेफर्ड टैक्स एसेट को कैपिटल एडिसिटी की गणना के उद्देश्य से CET-1 पूंजी अनुपात के रूप में मान्यता दी है। बैंक ने उपरोक्त गणना में विकल्प का प्रयोग किया है।

SCHEDULE 18 (SOLO)

NOTES TO ACCOUNTS - 31.03.2019

1. Capital

Capital Ratio

(₹ in Crore)

Sl. No	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
i.	Common equity Tier 1 Capital ratio (%)*	6.20	5.95
ii.	Tier 1 Capital ratio (%)*	7.49	7.12
iii.	Tier 2 Capital ratio (%)*	2.24	2.08
iv.	**Total Capital ratio (CRAR) (%)***	**9.73**	**9.20**
v.	Percentage of the shareholding of the Government of India in the Bank	75.41%	62.25%
vi.	Amount of equity Capital raised**	14804.00	10473.00
vii.	Amount of Additional Tier 1 Capital raised;	NIL	1500.00
	of which: Perpetual Non-Cumulative Preference Shares(PNCPS):	NIL	NIL
	Perpetual Debt Instruments (PDI):	NIL	1500.00
viii.	Amount of Tier 2 Capital raised; of which :	NIL	NIL
	Debt Capital instrument:	NIL	NIL
	Preference Share Capital Instruments:[Perpetual Cumulative Preference Shares (PCPS) / Redeemable Non- Cumulative Preference Shares (RNCPS)/ Redeemable Cumulative Preference Shares (RCPS)]	NA	NA

* Information given in 1 (i to iv) has been given as per Basel III Capital Regulations.

** Figures includes ₹368.69Crore (₹126.52Crore) as Equity Capital and ₹14435.31Crore (₹10346.48Crore) as Share Premium.

RBI vide circular no. DBR.No.BP.BC.83/21.06.201/2015-16 dated 1st March, 2016 has given discretion to banks to consider Revaluation Reserve, Foreign Currency Translation Reserve and Deferred Tax Asset for purpose of computation of Capital Adequacy as CET-1 capital ratio. The Bank has exercised the option in the above computation.

2. **निवेश**

बैंक के निवेश और निवेश पर मूल्यह्रास के लिए किए गए प्रावधान सम्बन्धी विवरण निम्नानुसार है: -

(रुपये करोड़ में)

	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
(1)	**निवेशों का मूल्य**		
i	निवेशों का सकल मूल्य	206125.36	203410.09
क	भारत में	199451.80	195882.16
ख	भारत से बाहर	6673.56	7527.93
ii	मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	3997.14	3104.11
क	भारत में	3997.14	3103.34
ख	भारत से बाहर	0.00	0.77
iii	निवेशों का निवल मूल्य	202128.22	200305.98
क	भारत में	195454.66	192778.82
ख	भारत से बाहर	6673.56	7527.16
(2)	**निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए धारित प्रावधानों में उतार-चढ़ाव**		
i	प्रारम्भिक शेष	3104.11	1412.61
ii	जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान	1400.44	1784.17
iii	घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए अधिक प्रावधान के लिए बट्टे खाते डाली गयी/प्रतिलिखित राशि (शुद्ध)	507.41	92.67
iv	इतिशेष	3997.14	3104.11

3. **रेपो लेनदेन (फेस वैल्यू शर्तो में)**

रेपो और रिवर्स रेपो लेनदेनों के अंतर्गत बेची और खरीदी गयी प्रतिभूतियों का विवरण निम्नानुसार है:

(रुपये करोड़ में)

अंकित मूल्य	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया	31.03.2019 को समाप्त वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया	31.03.2019 की स्थिति के अनुसार बकाया
क. रेपो के अन्तर्गत बेची गई प्रतिभूतियां				
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	0.00	6390.05	344.47	0.00
	(0.00)	(3438.57)	(48.34)	(0.00)
(ii) निगमित ऋण प्रतिभूतियाँ	0.00	0.00	0.00	0.00
	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
ख. रिवर्स रेपो के अन्तर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियां				
(i) सरकारी प्रतिभूतियाँ	0.00	9053.78	132.96	0.00
	(0.00)	(5633.09)	(992.99)	(2554.65)
(ii) निगमित ऋण प्रतिभूतियाँ	0.00	0.00	0.00	0.00
	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)

2. **Investments**

The detail of Investments and the Movement of provision held towards depreciation on investments of the Bank is given below:-

(₹ in Crore)

	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
(1)	**Value of Investments**		
i	Gross value of Investments	206125.36	203410.09
a	In India	199451.80	195882.16
b	Outside India	6673.56	7527.93
ii	Provisions for Depreciation	3997.14	3104.11
a	In India	3997.14	3103.34
b	Outside India	0.00	0.77
iii	Net value of Investments	202128.22	200305.98
a	In India	195454.66	192778.82
b	Outside India	6673.56	7527.16
(2)	**Movement of provisions held towards depreciation on investments.**		
i	Opening balance	3104.11	1412.61
ii	Add: Provisions made during the year	1400.44	1784.17
iii	Less: Write-off/ write-back of excess provisions during the year	507.41	92.67
iv	Closing balance	3997.14	3104.11

3. **Repo Transactions (in face value terms)**

The details of securities sold and purchased under repo and reverse repo transactions are as under

(₹ in Crore)

Face Value	Minimum outstanding during the year ended 31.03.2019	Maximum outstanding during the year ended 31.03.2019	Daily Average outstand-ing during the year ended 31.03.2019	Outstanding as on 31.03.2019
A. Securities sold under repo				
(i) Government Securities	0.00	6390.05	344.47	0.00
	(0.00)	(3438.57)	(48.34)	(0.00)
(ii) Corporate Debt Securities	0.00	0.00	0.00	0.00
	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)
B. Securities purchased under reverse repo				
(i) Government Securities	0.00	9053.78	132.96	0.00
	(0.00)	(5633.09)	(992.99)	(2554.65)
(ii) Corporate Debt Securities	0.00	0.00	0.00	0.00
	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)

4. गैर-एसएलआर निवेश संविभाग

4.क गैर एस एल आर निवेशों की निर्गमकर्ता संरचना (31.03.2019 तक)

(रुपये करोड़ में)

क्र. सं.	निर्गमकर्ता	राशि	निजी क्षेत्र में विस्तार	"निवेश श्रेणी से नीचे" की प्रतिभूतियों की राशि	"बिना रेटिंग की" प्रतिभूतियों की राशि	"गैर सूचीबद्ध" प्रतिभूतियों की राशि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i)	पीएसयू	12148.79 (13505.07)	32.21 (270.91)	0.00 (11.45)	729.53 (665.48)	1723.57 (1901.99)
(ii)	एफआईएस	15792.83 (18767.12)	1088.59 (810.76)	50.00 (9.26)	864.37 (890.32)	306.94 (358.73)
(iii)	बैंक	4781.50 (5106.64)	शून्य (शून्य)	148.56 (57.51)	312.18 (360.59)	शून्य (शून्य)
(iv)	निजी कॉर्पोरेट	7845.43 (8047.48)	3693.44 (3873.23)	978.95 (1067.96)	4412.00 (349.06)	2629.19 (1022.12)
(v)	अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम	2996.43 (3021.89)	शून्य (शून्य)	शून्य (शून्य)	शून्य (शून्य)	493.44 (451.37)
(vi)	अन्य*	21384.48 (7788.28)	शून्य (शून्य)	NIL (NIL)	शून्य (शून्य)	शून्य (शून्य)
(vii)	मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	-3997.14 (-2561.96)	-2144.24 (शून्य)	-805.47 (शून्य)	-2615.09 (शून्य)	-1186.30 (शून्य)
	जोड़	**60952.32 (53674.52)**	**2670.00 (4954.90)**	**372.04 (1146.16)**	**3702.99 (2265.45)**	**3966.84 (3734.21)**

* अन्य में अनुसूची - 8 के अन्तर्गत सरकारी प्रतिभूतियों में उल्लिखित विशेष सरकारी प्रतिभूतियों (मूल्यह्रास के बाद) की रुपये 20955.52 करोड़ (रुपये 7463.42 करोड़) की राशि की विशेष सरकारी प्रतिभूतियाँ शामिल हैं। कॉलम 4, 5, 6 और 7 से ऊपर के अंतर्गत दर्शायी गयी राशि परस्पर संबद्ध नहीं हो सकती।

4.ख अनर्जक गैर- एस एल आर निवेश

गैर-निष्पादक गैर-एसएलआर निवेशों में गतिशीलता निम्नानुसार है:

(रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
प्रारम्भिक शेष	2278.31	727.90
वर्ष के दौरान वृद्धि	315.50	1569.06
वर्ष के दौरान कमी	508.96	18.65
इतिशेष	2084.85	2278.31
कुल धारित प्रावधान	1918.04	1934.33

4.ग एचटीएम श्रेणी में/से बिक्री एवं अंतरण

01 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 के दौरान एचटीएम श्रेणी में/से प्रतिभूतियों की बिक्री और अंतरणों का कुल मूल्य 31.03.2018 को स्थित एचटीएम श्रेणी में धारित निवेशों के बही मूल्य से 5% अधिक बढ़ गया है (निम्नलिखित ट्रांजेक्शनों को छोड़कर)।

4. Non-SLR Investment Portfolio

4a. Issuer composition of Non SLR investments as on 31.03.2019

(₹ in Crore)

Sr. No.	Issuer	Amount	Extent of Private Placement	Extent of 'Below Investment Grade' Securities	Extent of 'Unrated' Securities	Extent of 'Unlisted' Securities
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i)	PSUs	12148.79 (13505.07)	32.21 (270.91)	0.00 (11.45)	729.53 (665.48)	1723.57 (1901.99)
(ii)	FIs	15792.83 (18767.12)	1088.59 (810.76)	50.00 (9.26)	864.37 (890.32)	306.94 (358.73)
(iii)	Banks	4781.50 (5106.64)	NIL (NIL)	148.56 (57.51)	312.18 (360.59)	NIL (NIL)
(iv)	Private Corporates	7845.43 (8047.48)	3693.44 (3873.23)	978.95 (1067.96)	4412.00 (349.06)	2629.19 (1022.12)
(v)	Subsidiaries / Joint Ventures	2996.43 (3021.89)	NIL (NIL)	NIL (NIL)	NIL (NIL)	493.44 (451.37)
(vi)	Others*	21384.48 (7788.28)	NIL (NIL)	NIL (NIL)	NIL (NIL)	NIL (NIL)
(vii)	Provisions held towards depreciation.	-3997.14 (-2561.96)	-2144.24 (NIL)	-805.47 (NIL)	-2615.09 (NIL)	-1186.30 (NIL)
	Total	**60952.32 (53674.52)**	**2670.00 (4954.90)**	**372.04 (1146.16)**	**3702.99 (2265.45)**	**3966.84 (3734.21)**

*Others include Special Govt. Securities of ₹20955.52Crore (₹7463.42Crore) (Net of depreciation, if any) shown under Govt. Securities in Schedule 8. Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above may not be mutually exclusive.

4b. Non-performing Non-SLR investments

The movement in Non-performing Non-SLR Investments is given below:-

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Opening balance	2278.31	727.90
Additions during the year	315.50	1569.06
Reductions during the year	508.96	18.65
Closing balance	2084.85	2278.31
Total provisions held	1918.04	1934.33

4c. Sale and transfers to / from HTM category

The total value of sales and transfers of securities to / from HTM category during 1st April 2018 to 31st March, 2019 has not exceeded 5% of the book value of investments held in HTM category as on 31.03.2018 (Excluding following Transactions).

{The 5 percent threshold referred to above will exclude (a)

उक्त वर्णित 5% की सीमा से निम्नलिखित बाहर रहेंगे –
(क) लेखा वर्ष के आरम्भ में बैंकों द्वारा स्वीकृत निदेशक मंडल के अनुमोदन से एचटीएम श्रेणी को/से एकबार में किया जाने वाला प्रतिभूतियों का अंतरण (ख) पूर्व में घोषित ओएमओ नीलामी के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक को किया जाने वाला विक्रय (ग) भारत सरकार द्वारा बैंकों से सरकारी प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद (घ) लेखा वर्ष जैसे अप्रैल 2018 के आरम्भ होने पर अनुमोदित शिफ्टिंग के कार्य के अतिरिक्त अप्रैल, जुलाई, अक्तूबर 2018 और जनवरी 2019 के आरम्भ में एचटीएम के अंतर्गत एसएलआर प्रतिभूतियों पर सीलिंग कम करने के फलस्वरूप एएफएस/एचएफटी का अंतरण या प्रतिभूतियों की बिक्री ।

चूँकि इस तरह का कोई खुलासा भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार नहीं किया जाना है।

5. डेरिवेटिव्ज

5.क वायदा दर करार / ब्याज दर अदला बदली (स्वैप)

(रुपये करोड़ में)

	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
i	अदलाबदली समझौतें का नोशनल सिद्धांत	250.00	339.67
ii	जो काउन्टर पार्टियां समझौतों के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहीं, उनसे हुआ नुक्सान	0.86	6.11
iii	अदलाबदली में शामिल होने पर बैंकों द्वारा अपेक्षित संपार्श्विक प्रतिभूति	शून्य	शून्य
iv	अदलाबदली के कारण ऋण जोखिम	शून्य	शून्य
v	अदलाबदली बही का उचित मूल्य	-5.7628	- 2.5728

उपरोक्त ट्रेड इंटरबैंक के साथ रु. 250.00 करोड (पिछले वर्ष रु. 319.83 करोड) तथा वित्तीय संस्थान रु. 0.00 करोड (पिछले वर्ष रु. 19.83 करोड), वर्तमान वर्ष के लिए क्रेडिट जोखिम (क्रेडिट एक्सपोजर) रु. 3.36 करोड तथ पिछले वर्ष यह रु. 9.77 करोड रहा, ब्याज दर स्वैप के लिए डील की गई । कुल 10 डील की गई जिसमें से 0 डील बैक टू बैक डील, 8 डील जहाँ फिक्स्ड करार दर पर भुगतान किया गया तथा फ्लोटिंग दर पर प्राप्त किया गया और शेष 2 डील में फ्लोटिंग दर पर भुगतान किया गया और फिक्सड करार दर पर प्राप्त किया गया।

5. ख एक्सचेंज ट्रेडिंग वाले ब्याज दर डेरिवेटिव्ज

(रुपये करोड़ में)

क्रम सं.	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
(i)	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडिंग वाले ब्याज दर डेरिवेटिव्ज की अनुमानिक मूलधन राशि (लिखतवार) क) ब्याज दर वायदा	शून्य	248.60
(ii)	31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार बकाया एक्सचेंज ट्रेडिंग वाले ब्याज दर डेरिवेटिव्ज की आनुमानिक मूलधन राशि (लिखतवार)	शून्य	शून्य
(iii)	एक्सचेंज ट्रेडिंग वाले ब्याज दर डेरिवेटिव्ज की ऐसी आनुमानिक मूलधन राशि तथा जो ''अत्यधिक प्रभावी'' नहीं है (लिखतवार)	शून्य	शून्य

the one- time transfer of securities to/ from HTM category with the approval of Board of Directors permitted to be undertaken by banks at the beginning quarter of the accounting year (b) sales to the Reserve Bank of India under pre-announced OMO auctions, (c) Repurchase of Government Securities by Government of India from banks, (d) Sale of securities or transfer to AFS / HFT consequent to the reduction of ceiling on SLR securities under HTM at the beginning of April, July, October 2018 and January 2019. In addition to the shifting permitted at the beginning quarter of the accounting year i.e. 1st April 2018}

As such **no disclosure is to be made** in terms of extant RBI guidelines.

5. Derivatives

5a. Forward Rate Agreement/ Interest Rate Swap

(₹ in Crore)

	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
i	The notional principal of swap agreements	250.00	339.67
ii	Losses which would be incurred if counter parties failed to fulfill their obligations under the agreements	0.86	6.11
iii	Collateral required by the bank upon entering into swaps	NIL	NIL
iv	Concentration of credit risk arising from the Swaps	NIL	NIL
v	The fair value of the swap book	-5.7628	- 2.5728

The above Trades are Interest Rate Swap Deal done with Interbank for ₹ 250.00Crores (Previous year ₹ 319.83Crores) and Financial Institution ₹ 0.00Crores (Previous year ₹19.83Crores). Credit Risk (Credit Exposure) for Current Year is ₹3.36Crore and for previous year it was ₹ 9.77Crore. There are total 10 deals out of which 0 deals are Back to Back Deals, 8 Deals where payment is made at Fixed Contract Rate and received at Floating rate and in remaining 2 deals, payment is made at Floating Rate and received at Fixed Contract Rate.

5b. Exchange Traded Interest Rate Derivatives

(₹ in Crore)

Sl. No.	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
(i)	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year (instrument-wise) a) Interest rate futures	NIL	248.60
(ii)	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on 31st March, 2019 (instrument-wise)	NIL	NIL
(iii)	Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not 'highly effective' (instrument-wise)	NIL	NIL

(iv)	एक्सचेंज ट्रेडिंग वाले ब्याज दर डेरिवेटिव्ज की आनुमानिक मूलधन राशि का बकाया बाजार मूल्य (मार्क-टू-मार्केट) जो ''अत्यधिक प्रभावी'' नहीं है (लिखतवार)	शून्य	शून्य

5.ग **डेरिवेटिव्ज में जोखिम एक्सपोजर पर प्रकटीकरण**

I - **गुणात्मक प्रकटीकरण**

बैंक अपने स्वयं के तुलन पत्र की मदों की हैजिंग के लिए और साथ-साथ व्यापार के उद्देश्य से भी डेरिवेटिव उत्पादों का प्रयोग करता है। एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा डेरिवेटिव उत्पादों के जोखिम प्रबंधन का नियंत्रण किया जाता है, जो लाइन प्रबंधन से स्वतंत्र रहते हुए उच्च प्रबंधन को रिपोर्ट करता है । व्यापार की स्थिति दैनिक आधार पर बाजार के लिए चिन्हित की जाती है।

डेरिवेटिव नीति का निर्माण एकीकृत जोखिम प्रबंधन प्रभाग द्वारा किया जाता है, जिसमें ऋण जोखिम तथा बाजार जोखिम शामिल हैं।

हैज लेनदेनों का प्रयोग तुलन पत्र प्रबंधन के लिए किया जाता है। रिपोर्टिंग और निगरानी के लिए सुव्यवस्थित तंत्र विद्यमान है। हेजिंग की नीति और उसकी निगरानी की प्रक्रिया भी विद्यमान हैं।

प्रतिरक्षा और गैर प्रतिरक्षा ट्रेडिंग को रिकार्ड करने के लिए लेखांकन नीति विद्यमान है जिसमें आय पहचान, प्रीमियम और डिस्काउंट सम्मिलित है । बकाया अनुबन्धों का मूल्यांकन, प्रावधान, संपार्श्विक और ऋण जोखिम कम किए जाते हैं ।

II- **मात्रात्मक प्रकटीकरण**

(रू. करोड़ में)

क्र सं.	विवरण	मुद्रा डेरिवेटिव्ज	ब्याज दर डेरिवेटिव्ज	मुद्रा डेरिवेटिव्ज	ब्याज दर डेरिवेटिव्ज
		31.03.2019	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2018
1	डेरिवेटिव्ज (तार्किक मूलधन राशि)				
(क)	हैजिंग के लिए	0.00	0.00	0.00	0.00
(ख)	ट्रेडिंग के लिए	0.00	250.00	299.61	339.67
2	मार्क्ड टू मार्केट पोजिशन				
	हैजिंग				
	क) आस्ति (+)	0.00	0.00	0.00	0.00
	ख) देयता (-)	0.00	0.00	0.00	0.00
	ट्रेडिंग				
	क) आस्ति (+)	0.00	0.00	1.05	0.00
	ख) देयता (-)	0.00	-5.7628	0.00	- 2.5728
3	ऋण एक्स्पोजर	0.00	3.3604	0.00	9.7748
4	ब्याज दर में 1% परिवर्तन का सम्भाव्य प्रभाव (100 'पीवी 01)				
	क) हैजिंग डेरिवेटिव पर	0.00	0.00	0.00	0.00

(iv)	Mark-to-Market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not 'highly effective' (instrument-wise)	NIL	NIL

5c. **Disclosure on risk exposure in derivatives**

I - **Qualitative Disclosure**

The Bank uses derivatives products for hedging its own balance sheet items as well as for trading purposes. The risk management of derivative operation is headed by a senior executive, who reports to top management, independent of the line functions. Trading positions are marked to market on daily basis.

The derivative policy is framed by Integrated Risk Management Division, which includes measurement of credit risk and market risk.

The hedge transactions are undertaken for balance sheet management. Proper system for reporting and monitoring of risks are in place. Policy for hedging and processes for monitoring the same is in place.

Accounting policy for recording hedge and non-hedge transactions are in place, which includes recognition of income, premiums and discounts.

Valuation of outstanding contracts, provisioning, collateral and credit risk mitigation are being done.

II - **Quantitative Disclosure**

(₹ in Crore)

Sl. No.	Particulars	Currency Derivatives	Interest Rate Derivatives	Currency Derivatives	Interest Rate Derivatives
		31.03.2019	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2018
1	Derivatives (Notional Principal Amount)				
(a)	For Hedging	0.00	0.00	0.00	0.00
(b)	For trading	0.00	250.00	299.61	339.67
2	Marked to Market Position				
	Hedging				
	a) Asset (+)	0.00	0.00	0.00	0.00
	b) Liability (-)	0.00	0.00	0.00	0.00
	Trading				
	a) Asset (+)	0.00	0.00	1.05	0.00
	b) Liability (-)	0.00	-5.7628	0.00	- 2.5728
3	Credit Exposure	0.00	3.3604	0.00	9.7748
4	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)				
(a)	On hedging derivatives	0.00	0.00	0.00	0.00

	ख) ट्रेडिंग डेरिवेटिव पर	0.00	-0.0446	0.046	- 0.0622
5	वर्ष के दौरान पाये गये 100* पीवी 01 का अधिकतम तथा न्यूनतम				
(a)	हैजिंग पर अधिकतम	0.00	0.00	0.00	0.00
	न्यूनतम	0.00	0.00	0.00	0.00
(b)	ट्रेडिंग पर अधिकतम	0.00	0.0551	0.00	- 0.0949
	न्यूनतम	0.00	-0.0235	0.00	- 0.0344

6. आस्ति गुणवत्ता

6.क अनर्जक आस्तियाँ

सकल अनर्जक आस्तियों, कुल अनर्जक आस्तियों के उतार-चढ़ाव और प्रावधानों का विवरण निम्नानुसार है:

(रू0 करोड़ में)

विवरण		31.03.2019	31.03.2018
i)	निवल अग्रिमों की तुलना में निवल अनर्जक आस्तियां (%)	6.56 %	11.24 %
ii)	**अनर्जक आस्तियों (सकल) में घटबढ़**		
	प्रारम्भिक शेष	86620.05	55370.45
	वर्ष के दौरान वृद्धि	19904.11	44274.33
	वर्ष के दौरान कमी	28051.46	13024.73
	इतिशेष	**78472.70**	**86620.05**
iii)	**निवल अनर्जक आस्तियों में उतार-चढ़ाव**		
	प्रारम्भिक शेष	48684.29	32702.10
	वर्ष के दौरान वृद्धि	15186.20	30052.87
	वर्ष के दौरान कमी	33832.83	14070.68
	इतिशेष	**30037.66**	**48684.29**
iv)	**अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधानों में उतार-चढ़ाव (मानक आस्तियों से सम्बन्धित प्रावधानों को छोडकर)**		
	प्रारम्भिक शेष	37611.82	22043.49
	वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान (सकल)	30976.49	31459.08
	अतिरिक्त प्रावधानों को बट्टे खाते डालना/पुनरांकन	20468.50	15890.75
	इतिशेष	**48119.81**	**37611.82**

(b)	On trading derivatives	0.00	-0.0446	0.046	- 0.0622
5	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the period				
(a)	On hedging Maximum	0.00	0.00	0.00	0.00
	Minimum	0.00	0.00	0.00	0.00
(b)	On trading Maximum	0.00	0.0551	0.00	- 0.0949
	Minimum	0.00	-0.0235	0.00	- 0.0344

6. Asset Quality

6a Non-Performing Assets

The details of movement of Gross Non-performing Assets (NPAs), Net NPAs and provisions are given below:-

(₹ in Crore)

Particulars		**31.03.2019**	**31.03.2018**
i)	Net NPAs to Net Advances (%)	6.56 %	11.24 %
ii)	**Movement of NPAs (Gross)**		
	Opening balance	86620.05	55370.45
	Additions during the year	19904.11	44274.33
	Reductions during the year	28051.46	13024.73
	Closing balance	**78472.70**	**86620.05**
iii)	**Movement of Net NPAs**		
	Opening balance	48684.29	32702.10
	Additions during the year	15186.20	30052.87
	Reductions during the year	33832.83	14070.68
	Closing balance	**30037.66**	**48684.29**
iv)	**Movement of provision for NPAs (excluding provisions on Standard assets)**		
	Opening balance	37611.82	22043.49
	Provisions made during the year (Gross)	30976.49	31459.08
	Write-off/write back of excess provision	20468.50	15890.75
	Closing balance	**48119.81**	**37611.82**

6 बी. संशोधित दिशानिर्देश के अनुसार 31.03.2019 तक पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण

(₹ लाख में)

क्र. सं.	पुन: संरचना का प्रकार		सीडीआर पद्धति के अंतर्गत					एसएमई ऋण पुन: संरचना पद्धति के अंतर्गत					अन्य					जोड़				
	आस्ति वर्गीकरण		मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	जोड़	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	जोड़	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	जोड़	मानक	अवमानक	संदिग्ध	हानि	जोड़
	विवरण		(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)	(g)	(h)	(i)	(j)	(k)	(l)	(m)	(n)	(o)					
1	1 अप्रैल 2018 को पुन: संरचित खाते (प्रारंभिक आकडे)	ऋणियों की संख्या	14	4	24	1	43	15	15	8	0	38	867	20	3	2	892	896	39	35	3	973
		बकाया राशि	79,978.55	45,168.18	3,17,871.83	5,379.63	4,48,398.19	27,723.39	5,429.50	10,665.73	0.00	43,818.62	4,15,781.01	2,12,004.34	89,911.66	40,718.50	7,58,415.51	5,23,482.95	2,62,602.02	4,18,449.22	46,098.13	12,50,632.32
		प्रावधान	9,767.72	2,582.01	27,096.85	0.00	39,446.58	4,701.00	239.72	2,477.58	0.00	7,418.30	36,969.22	2,314.89	0.00	0.00	39,284.12	51,437.94	5,136.62	29,574.44	0.00	86,149.00
2	वर्ष 2018-19 के दौरान नए संरचित (मौजूदा खातों के बकाया में जोड़े गए अतिरिक्त)	ऋणियों की संख्या	0	0	0	0	0	138	4	0	0	142	991	0	0	0	991	1,129	4	0	0	1,133
		बकाया राशि	0.00	735.27	8,074.86	0.00	8,810.13	780.25	9,293.28	0.00	0.00	10,073.53	4,163.67	0.00	0.00	0.00	4,163.67	4,943.92	10,028.55	8,074.86	0.00	23,047.33
		प्रावधान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	161.03	711.68	0.00	0.00	872.71	405.96	0.00	0.00	0.00	405.96	566.98	711.68	0.00	0.00	1,278.66
3	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पुन: संरचित मानक श्रेणी में उन्नयन	ऋणियों की संख्या	1	-1	0	0	0.00	7	-5	-2	0	0	0	0	0	0	0	8	-6	-2	0	0
		बकाया राशि	7,555.53	-7,555.53	0.00	0.00	0.00	3,204.82	-453.45	-2,751.37	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10,760.35	-8,008.98	-2,751.37	0.00	0.00
		प्रावधान	1,392.54	-1,392.54	0.00	0.00	0.00	1,329.51	-19.07	-1,310.44	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2,722.05	-1,411.61	-1,310.44	0.00	0.00
4	वित्तीय वर्ष 2018-19 की शुरुआत में पुन: संरचित मानक अग्रिम, जो वित्तीय वर्ष 2018-19 के अंत में उच्च प्रावधान और/या अतिरिक्त जोखिम भार को आकर्षित करने के लिए समाप्त हो जाते हैं और इसलिए अगले वित्तीय वर्ष की शुरुआत में पुन: संरचित मानक अग्रिम के रूप में दिखाए जाने की आवश्यकता नहीं है	ऋणियों की संख्या	-13	0	0	0	-13	-8	0	0	0	-8	-14	0	0	0	-14	-35	0	0	0	-35
		बकाया राशि	-66,271.81	0.00	0.00	0.00	-66,271.81	-20,525.78	0.00	0.00	0.00	-20,525.78	-1,18,783.14	0.00	0.00	0.00	-1,18,783.14	-2,05,580.73	0.00	0.00	0.00	-2,05,580.73
		प्रावधान	-7,062.04	0.00	0.00	0.00	-7,062.04	-2,571.47	0.00	0.00	0.00	-2,571.47	-15,393.11	0.00	0.00	0.00	-15,393.11	-25,026.62	0.00	0.00	0.00	-25,026.62
5	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पुन: सरचित खातों की अवनति	ऋणियों की संख्या	-1	0	4	0	3	-2	15	0	0	13	-274	274	4	0	4	-277	289	8	0	20
		बकाया राशि	-13,706.74	-22,134.38	52,083.02	0.00	16,241.90	-404.91	19,342.98	0.00	0.00	18,938.07	-48,780.38	-47,782.24	1,06,356.30	0.00	9,793.68	-62,892.03	-50,573.64	1,58,439.32	0.00	44,973.65
		प्रावधान	-2,705.68	-918.20	4,700.43	0.00	1,076.55	-21.56	1,478.05	0.00	0.00	1,456.50	-6,904.34	7,326.99	2.34	0.00	424.99	-9,631.57	7,886.85	4,702.77	0.00	2,958.04
6	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पुन: सरचित खातों के बट्टेखाते (बाहर होना)	ऋणियों की संख्या	0	-1	-24	-1	-26	-1	-2	-3	0	-6	-1	-288	-3	-2	-294	-2	-291	-30	-3	-326

6b Disclosure of Restructured Accounts as on 31.03.2019 as per revised guidelines

(Rs in lakhs)

Sl No	Type of Restructuring ->		Under CDR Mechanism					Under SME Debt Restructuring Mechanism					Others					Total				
	Asset Classification ->		Standard	Sub-Stand-ard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-Stand-ard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-Stand-ard	Doubtful	Loss	Total	Standard	Sub-Stand-ard	Doubtful	Loss	Total
	Details		(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)	(g)	(h)	(i)	(j)	(k)	(l)	(m)	(n)	(o)					
1	"Restructured Accounts as on April 1 2018 (opening figures*)"	No. of borrowers	14	4	24	1	43	15	15	8	0	38	867	20	3	2	892	896	39	35	3	973
		Amount outstanding	79,978.55	45,168.18	3,17,871.83	5,379.63	4,48,398.19	27,723.39	5,429.50	10,665.73	0.00	43,818.62	4,15,781.01	2,12,004.34	89,911.66	40,718.50	7,58,415.51	5,23,482.95	2,62,602.02	4,18,449.22	46,098.13	12,50,632.32
		Provision thereon	9,767.72	2,582.01	27,096.85	0.00	39,446.58	4,701.00	239.72	2,477.58	0.00	7,418.30	36,969.22	2,314.89	0.00	0.00	39,284.12	51,437.94	5,136.62	29,574.44	0.00	86,149.00
2	"Fresh restructuring during the year 2018-19 (plus addition in O/s in existing a/cs)"	No. of borrowers	0	0	0	0	0	138	4	0	0	142	991	0	0	0	991	1,129	4	0	0	1,133
		Amount outstanding	0.00	735.27	8,074.86	0.00	8,810.13	780.25	9,293.28	0.00	0.00	10,073.53	4,163.67	0.00	0.00	0.00	4,163.67	4,943.92	10,028.55	8,074.86	0.00	23,047.33
		Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	161.03	711.68	0.00	0.00	872.71	405.96	0.00	0.00	0.00	405.96	566.98	711.68	0.00	0.00	1,278.66
3	"Upgradations to restructured standard category during the FY 2018-19"	No. of borrowers	1	-1	0	0	0.00	7	-5	-2	0	0	0	0	0	0	0	8	-6	-2	0	0
		Amount outstanding	7,555.53	-7,555.53	0.00	0.00	0.00	3,204.82	-453.45	-2,751.37	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10,760.35	-8,008.98	-2,751.37	0.00	0.00
		Provision thereon	1,392.54	-1,392.54	0.00	0.00	0.00	1,329.51	-19.07	-1,310.44	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2,722.05	-1,411.61	-1,310.44	0.00	0.00
4	Restructured standard advances at the beginning of the FY 2018-19, which cease to attract higher provisioning and / or additional risk weight at the end of the FY 2018-19 and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	No. of borrowers	-13	0	0	0	-13	-8	0	0	0	-8	-14	0	0	0	-14	-35	0	0	0	-35
		Amount outstanding	-66,271.81	0.00	0.00	0.00	-66,271.81	-20,525.78	0.00	0.00	0.00	-20,525.78	-1,18,783.14	0.00	0.00	0.00	-1,18,783.14	-2,05,580.73	0.00	0.00	0.00	-2,05,580.73
		Provision thereon	-7,062.04	0.00	0.00	0.00	-7,062.04	-2,571.47	0.00	0.00	0.00	-2,571.47	-15,393.11	0.00	0.00	0.00	-15,393.11	-25,026.62	0.00	0.00	0.00	-25,026.62
5	"Downgradations of restructured accounts during the FY 2018-19"	No. of borrowers	-1	0	4	0	3	-2	15	0	0	13	-274	274	4	0	4	-277	289	8	0	20
		Amount outstanding	-13,706.74	-22,134.38	52,083.02	0.00	16,241.90	-404.91	19,342.98	0.00	0.00	18,938.07	-48,780.38	-47,782.24	1,06,356.30	0.00	9,793.68	-62,892.03	-50,573.64	1,58,439.32	0.00	44,973.65
		Provision thereon	-2,705.68	-918.20	4,700.43	0.00	1,076.55	-21.56	1,478.05	0.00	0.00	1,456.50	-6,904.34	7,326.99	2.34	0.00	424.99	-9,631.57	7,886.85	4,702.77	0.00	2,958.04
6	"Write-offs of restructured accounts during the FY 2018-19 (Exit)"	No. of borrowers	0	-1	-24	-1	-26	-1	-2	-3	0	-6	-1	-288	-3	-2	-294	-2	-291	-30	-3	-326
		Amount outstanding	-1,714.66	-8,769.05	-3,31,285.36	-5,379.63	-3,47,148.69	-331.04	-2,446.53	-2,830.73	0.00	-5,608.30	-10,288.41	-1,47,334.55	-90,430.94	-40,718.50	-2,88,772.40	-12,334.11	-1,58,550.13	-4,24,547.03	-46,098.13	-6,41,529.39

		बकाया राशि	-1,714.66	-8,769.05	-3,31,285.36	-5,379.63	-3,47,148.69	-331.04	-2,446.53	-2,830.73	0.00	-5,608.30	-10,288.41	-1,47,334.55	-90,430.94	-40,718.50	-2,88,772.40	-12,334.11	-1,58,550.13	-4,24,547.03	-46,098.13	-6,41,529.39
		प्रावधान	-39.26	-50.37	-30,843.72	0.00	-30,933.35	-410.46	-391.51	-2.87	0.00	-804.84	-2,954.61	-9,146.96	3.43	0.00	-12,098.14	-3,404.33	-9,588.84	-30,843.16	0.00	-43,836.33
7	31 मार्च 2018 को पुनः संरचित खाते ऋणियों की संख्या	No. of borrowers	1	2	4	0	7	149	27	3	0	179	1,569	6	4	0	1,579	1,719	35	11	0	1,765
	(इति शेष आंकड़े')	बकाया राशि	5,840.88	7,444.49	46,744.35	0.00	60,029.72	10,446.73	31,165.78	5,083.63	0.00	46,696.14	2,42,092.75	16,887.55	1,05,837.02	0.00	3,64,817.32	2,58,380.36	55,497.82	1,57,665.00	0.00	4,71,543.18
		प्रावधान	1,353.28	220.90	953.56	0.00	2,527.74	3,188.05	2,018.87	1,164.27	0.00	6,371.19	12,123.13	494.92	5.77	0.00	12,623.82	16,664.46	2,734.69	2,123.60	0.00	21,522.76

नोट:

सीडीआर

नोट: कुल सीडीआर खाते 27. प्रकटीकरण के लिए पात्र :07 खाते, प्रकटीकरण के लिए योग्य: 20 खाते

1 क्र. सं. 2 के तहत आंकड़े, (सब स्टैण्डर्ड में बकाया) रु.735.22 लाख सहित, मौजूदा सबस्टैण्डर्ड खातों के बकाया में वृद्धि।

2 क्र. सं. 2 के तहत आंकड़े,(डाउटफुल खातों में बकाया) रु. 8074.86 लाख सहित, मौजूदा डाउट फुल खातों के बकाया में वृद्धि।

3 (क्र. सं. 5 के तहत आंकड़े (बकाया))-बकाया रु.13706.74 लाख के साथ एक स्टैण्डर्ड खाता डाउटफुल की श्रेणी में आ गया, तीन स्टैण्डर्ड योग्य खाते एनपीए मेंआ गए, बकाया रु.6709.22 लाख के साथ सबस्टैण्डर्ड के दो खाते तथा बकाया रु.9532.68 लाख के साथ डाउटफुल श्रेणी के अन्य खाते। बकाया रु.28843.60 लाख के साथ दो खाते सबस्टैण्डर्ड से डाउटफुल श्रेणी में आ गए।

4 क्र. सं. 5 के तहत आंकड़े (प्रावधान)- रु.2705.68 लाख के प्रावधान सहित एक स्टैण्डर्ड खाता डाउटफुल की श्रेणी में आ गया, तीन स्टैण्डर्ड खाते एनपीए में आ गए, रु.262.56 लाख के प्रावधान के साथ सबस्टैण्डर्ड श्रेणी के दो खाते तथा रु. 813.99 लाख के प्रावधान सहित डाउटफुल श्रेणी के अन्य खाते । दो खाते सबस्टैण्डर्ड से डाउटफुल की श्रेणी में आ गए जहाँ कुल प्रावधान रु.1180.76 लाख था।

5 क्रम संख्या 6 के तहत आंकड़े, (स्टैण्डर्ड खाते में बकाया) रु.1714.66 लाख सहित, मौजूदा स्टैण्डर्ड खातों के बकाया में कमी।

6 क्रमसंख्या 6 के तहत आंकड़े, (स्टैण्डर्ड खातेमेंप्रावधान) रु.39.26 लाख सहित, मौजूदा स्टैण्डर्ड खातों में कमी/रिहाई।

7 क्रमसंख्या 6 के तहत आंकड़े, (सबस्टैण्डर्ड खातेमेंप्रावधान) रु.41.29 लाख सहित, मौजूदा सबस्टैण्डर्ड खातों में कमी/रिहाई + दिनांक 31.03.2018 के पश्चात जो खाते सबस्टैण्डर्ड में आ गए उन खातों के प्रावधान में वृद्धि/कमी।

8 क्रमसंख्या 6 के तहत आंकड़े, (संदिग्ध श्रेणी मेंप्रावधान) रु. 1041.46 लाख सहित, मौजूदा डाउटफुल खातों के प्रावधान में कमी/रिहाई + दिनांक 31.03.2018 के पश्चात जो खाते डाउट फुल श्रेणी में आ गए उन खातों के प्रावधान में वृद्धि/कमी।

एमएसएमई

नोट-कॉलमसंख्या 6 में शामिल हैं :

1. मौजूदा खातों के लिए वसूली एवं अतिरिक्त सुविधा/ऋण के निर्धारण के कारण रु.312.80 लाख के लिए पात्र स्टैण्डर्ड खातों के बकाया में कमी;

2 मौजूदा खातों के अतिरिक्त प्रावधान में वृद्धि एवंकमी के निर्धारण, डीएफवी तथा एफआईटीएल के कारण रु.421.33 लाख के स्टैण्डर्ड पात्र आस्तियों के प्रावधान में कमी;

3 ष्मौजूदा खातों के लिए वसूली एवं अतिरिक्त ऋण/सुविधा के निर्धारण के कारण सबस्टैण्डर्ड अग्रिमों के बकाया में रु.2446.53 लाख की कमी।

4 मौजूदा खातों के डीएफवीतथा एफआईटीएलमें वृद्धि एवं कमी के निर्धारण के कारण रु.391.51 लाख के सबस्टैण्डर्ड आस्तियों के प्रावधान में कमी;

5 मौजूदा संदिग्ध खातों के लिए वसूली एवं अतिरिक्त सुविधा/ऋण निर्धारण के कारण रु.134.02 लाख की डाउटफुल आस्तियों के बकाया में कमी;

6 मौजूदा खातों के डीएफवी तथा एफआईटीएल में वृद्धि एवं कमी के निर्धारण के कारण रु.2.25 लाख के डाउटफुल आस्तियों के प्रावधान में कमी;

7 5 उन्नत खातों के डीएफवी तथा एफआईटीएलमें वृद्धि एवंकमी के निर्धारण के कारण रु. 12.65 लाख की स्टैण्डर्ड पात्र आस्तियों के प्रावधानमें वृद्धि;

8 5 उन्नत खातों के कारण प्रावधान में रु .29.65 लाख वृद्धि, जिसके लिए बकाया पात्र मानक खातों में अतिरिक्त प्रावधान पर विचार किया गया था;

गैरसीडीआर

1 मानक खातों में, पॉइंट नं. 5 मेंवर्ष के दौरान मानक पात्रता से तीन खाते डाउन ग्रेड किए गए। पॉइंटनं. 6 में, गायत्री परियोजना का एक खाता बंद कर दिया गया है और वर्ष 2018 और 2019 की बकाया में शेष राशि में अंतर।

2 सबस्टैण्डर्ड खातों में, पॉइंट सं. 6 में, एक खाता समायोजित किया गया है और 16 खाते सबस्टैण्डर्ड से विफल हो गए हैं। इसमें वर्ष 2018 और 2019 में बकाया का अंतर भी शामिल है।

		Provision thereon	-39.26	-50.37	-30,843.72	0.00	-30,933.35	-410.46	-391.51	-2.87	0.00	-804.84	-2,954.61	-9,146.96	3.43	0.00	-12,098.14	-3,404.33	-9,588.84	-30,843.16	0.00	-43,836.33
7	"Accounts Restructured as on March 31, 2019 "	No. of borrowers	1	2	4	0	7	149	27	3	0	179	1,569	6	4	0	1,579	1,719	35	11	0	1,765
	(closing figures*)	Amount outstanding	5,840.88	7,444.49	46,744.35	0.00	60,029.72	10,446.73	31,165.78	5,083.63	0.00	46,696.14	2,42,092.75	16,887.55	1,05,837.02	0.00	3,64,817.32	2,58,380.36	55,497.82	1,57,665.00	0.00	4,71,543.18
		Provision thereon	1,353.28	220.90	953.56	0.00	2,527.74	3,188.05	2,018.87	1,164.27	0.00	6,371.19	12,123.13	494.92	5.77	0.00	12,623.82	16,664.46	2,734.69	2,123.60	0.00	21,522.76

NOTES:

CDR

Note: Total CDR A/cs 27. Eligible for Disclosure :07 A/cs, Not Eligible for disclosure: 20 A/cs

1 Figures under Sl no 2, (o/s In Sub-Std) includes Rs 735.22 lacs, increase in outstanding in existing Sub-std accounts.
2 Figures under Sl no 2, (o/s In Doubtful) includes Rs 8074.86 lacs, increase in outstanding in existing Doubtful accounts.
3 Figures under Sl no 5 (O/s)- One STD account with O/s Rs 13706.74 lacs slipped to Doubtful category Three Std Ineligible account slipped to NPA , Two accounts to Sub Std Category with O/s of Rs 6709.22 lacs and the other to doubtful catagory with O/s of Rs 9532.68 lacs . Two accounts with O/s of Rs 28843.60 lacs slipped from Sub-Std to Doubtful catagory.
4 Figures under Sl no 5 (Prov)- One STD account with prov of Rs 2705.68 lacs slipped to Doubtful category Three Std Ineligible account slipped to NPA , two accounts to Sub Std Category with Prov of of Rs 262.56 lacs and the other to doubtful catagory with Prov of Rs 813.99 lacs . Two A/cs slipped from Sub-Std to Doubtful catagory where total prov was Rs 1180.76 lacs
5 Figures under Sl no 6, (o/s In Std) includes Rs 1714.66 lacs, reduction in outstanding in existing std accounts.
6 Figures under Sl no 6, (Prov in Std) includes Rs 39.26 lacs, reduction/ release in existing std accounts.
7 Figures under Sl no 6, (Prov in Sub- Std)) includes Rs 41.29 lacs, reduction/ release in provision in existing Sub Std accounts plus increase/decrease in provision of A/cs which slipped to Sub -Std after 31.3.18
8 Figures under Sl no 6, (Prov In Doubtful) includes Rs 1041.46 lacs, reduction/ release in provision in existing Doubtful accounts plus increase/decrease in provision of A/cs which slipped to Doubtful after 31.3.18

MSME

1 "Note-column No. 6 includes:
1. Decrease in o/s of eligible standard accounts for Rs.312.80 lacs is on account of netting of recovery and additional facility / debit for existing accounts;
2 Decrease in provision of standard eligible assets of Rs. 421.33 lac is on account of netting of increase & decrease in additional provision, DFV & FITL of existing accounts;
3 Rs. 2446.53 lac decrease in o/s of sub-Standard advances is on account of netting of recovery and additional debit/ facility for existing accounts.
4 Decrease in provision of sub-standard assets of Rs. 391.51 lac is on account of netting of increase & decrease in DFV & FITL of existing accounts;
5 Decrease in o/s of doubtful assets for Rs. 134.02 lac is on account of netting of recovery and additional facility/debit for existing doubtful accounts

6 Decrease in provision of doubtful assets of Rs. 2.25 lac is on account of netting of increase & decrease in DFV & FITL of existing accounts;

7 Increase in provision of standard eligible assets of Rs. 12.65 lac is on account of netting of increase & decrease in DFV & FITL of 5 upgraded accounts;

8 Rs.129.65 lac increase in provision is due to 5 upgraded accounts for which additional provisional was considered in o/s eligible standard accounts;

Non-CDR

1 In Standard accounts, in point no. 5, three accounts downgraded during the year from standard eligible. In point no.6, one a/c Gayatri project has been closed and remaining amount is difference in the oustanding of 2018 and 2019.

2 In Sub-standard accounts, in point no. 6, one account is adjusted and 16 accounts have failed from sub-standard. This also includes the difference in the outstanding in 2018 and 2019.

6ग. (i) 31.03.2019 को तनावग्रस्त आस्तियों (एस4ए) की धारणीय संरचना हेतु प्रकटीकरण योजना (वे खाते जो वर्तमान में स्थित अवधि के अंतर्गत हैं):

(राशि रू. करोड़ में)

	खातों की संख्या जहां एस4ए लागू किया गया है	कुल बकाया राशि	बकाया राशि		प्रावधान
			भाग ए में	भाग बी में	
स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	5	1616.09	731.73	884.36	818.28
एनपीए के रूप में वर्गीकृत	3	654.07	409.64	244.43	458.70
योग	**8**	**2270.16**	**1141.37**	**1128.79**	**1276.98**

6ग (ii) रणनीतिक ऋण पुनर्संरचना योजना पर प्रकटीकरण (खाते जो वर्तमान में स्थिर अवधि के अंतर्गत हैं)

(राशि रू. करोड़ में)

खातों की संख्या जहां एसडीआर इंवोक की गई है	रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि		खाते जहां ऋण का स्थान इक्विटी ने लिया है, के साथ रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि		खाते जहां ऋण का स्थान इक्विटी ने लिया है, के साथ रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि	
	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

6ग (iii) बाह्य स्वामित्व रणनीतिक ऋण पुनर्संरचना योजना में परिवर्तन पर प्रकटीकरण (खाते जो वर्तमान में स्थिर अवधि के अंतर्गत हैं)

(राशि रु. करोड़ में)

खातों की संख्या जहां बैंक ने स्वामित्व में परिवर्तन करने का निर्णय लिया है।	रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि		खाते जहां ऋण से इक्विटी शेयर के बंधक इक्विटी/ इंवोकेशन लंबित हैं, के संबंध में रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि		खाते जहां ऋण से इक्विटी शेयर के बंधक इक्विटी/ इंवोकेशन का स्थान लिया है, के संबंध में रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि		खाते जहां स्वामित्व में नए शेयरों या प्रवर्तकों के इक्विटी की बिक्री से परिवर्तन हुआ है, वहां रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि	
	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

6c (i). Disclosures on the Scheme for Sustainable Structuring of Stressed Assets (S4A), as on 31.03.2019

(₹ in Crore)

	No. of accounts where S4A has been applied	Aggregate amount outstanding	Amount outstanding		Provision Held
			In Part A	In Part B	
Classified as Standard	5	1616.09	731.73	884.36	818.28
Classified as NPA	3	654.07	409.64	244.43	458.70
TOTAL	**8**	**2270.16**	**1141.37**	**1128.79**	**1276.98**

6c (ii). Disclosures on Strategic Debt Restructuring Scheme (accounts which are currently under the stand-still period)

(₹ in Crore)

No. of accounts where SDR has been invoked	Amount outstanding as on the reporting date		Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity is pending		Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity has been taken place	
	Classified as Standard	Classified as NPA	Classified as Standard	Classified as NPA	Classified as Standard	Classified as NPA
NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL

6c (iii). Disclosures on Change in ownership outside Strategic Debt Restructuring Scheme (accounts which are currently under the stand-still period)

(₹ in Crore)

No. of accounts where banks have decided to effect change in ownership	Amount outstanding as on the reporting date		Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity/ invocation of pledge of equity shares is pending		Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity/ invocation of pledge of equity shares has taken place		Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where change in ownership is envisaged by issuance of fresh shares or sale of promoters' equity	
	Classified as Standard	Classified as NPA	Classified as Standard	Classified as NPA	Classified as Standard	Classified as NPA	Classified as Standard	Classified as NPA
NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL	NIL

6ग (iv) 31.03.2018 को मौजूदा ऋण से फलेक्सिबल संरचना के आवदेन पर प्रकटीकरण

(राशि करोड़ में)

अवधि	फ्लैक्सिबल संरचना में लिए गए उधारकर्ताओं की संख्या	फ्लैक्सिबल संरचना के लिए ली गई ऋण की राशि		फ्लैक्सिबल संरचना के लिए ली गई ऋण की एक्सपोजर भारित औसत अवधि	
		स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत	फ्लैसिबल संरचना लागू करने से पूर्व	फ्लैसिबल संरचना लागू करने से बाद
पिछला वित्तीय वर्ष	2	1440.24	0.00	7.07	16.88
वर्तमान वित्तीय वर्ष	0	0	0	0	0

6c (iv). Disclosures on application of Flexible Structuring to Existing Loans as on 31.03.2019.

(₹ in Crore)

Period	No. of borrowers taken up for flexibly structuring	Amount of loans taken up for flexible structuring		Exposure weighted average duration of loans taken up for flexible structuring	
		Classified as Standard	Classified as NPA	Before applying flexible structuring	After applying flexible structuring
Previous Financial Year	2	1440.24	0.00	7.07	16.88
Current Financial Year	0	0	0	0	0

6ग (v) लागूकरण के अंतर्गत स्वामित्व परियोजनाओं में परिवर्तन पर प्रकटीकरण (खाते जो वर्तमान में स्थिर अवधि के अंतर्गत हैं)

(राशि करोड़ में)

परियोजना ऋण खातों की संख्या जहां बैंक ने स्वामित्व में परिवर्तन का निर्णय लिया है	रिपोर्टिंग तिथि को बकाया राशि		
	स्टैंडर्ड के रूप में वर्गीकृत	स्टैंडर्ड पुनर्संरचना के रूप में वर्गीकृत	एनपीए के रूप में वर्गीकृत
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

6c (v). Disclosures on Change in Ownership of Projects Under Implementation (accounts which are currently under the stand-still period)

(₹ in Crore)

No. of project loan accounts where banks have decided to effect change in ownership	Amount outstanding as on the reporting date		
	Classified as Standard	Classified as Standard restructured	Classified as NPA
NIL	NIL	NIL	NIL

6ग (vi) एनपीए के लिए परिसंपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान में परिवर्तन (आरबीआई/ 2018-19/157) के अनुसार:

(राशि रु. करोड़ में)

क्र.	विवरण	राशि
1.	बैंक द्वारा सूचित की गयी 31 मार्च, 2018 तक सकल एनपीए	86620.05
2.	आरबीआई द्वारा मूल्यांकन के अनुसार 31 मार्च, 2018 तक सकल एनपीए	87515.75
3.	सकल एनपीए में विचलन (2-1)	895.70
4.	बैंक द्वारा सूचित की गयी 31 मार्च, 2018 तक शुद्ध एनपीए	48684.29
5.	आरबीआई द्वारा मूल्यांकन के अनुसार 31 मार्च, 2018 तक शुद्ध एनपीए	45813.19
6.	शुद्ध एनपीए में विचलन (5-4)	-2871.10
7.	बैंक द्वारा सूचित 31 मार्च, 2018 तक एनपीए हेतु प्रावधान	37611.82
8.	आरबीआई द्वारा मूल्यांकन के अनुसार 31 मार्च, 2018 तक एनपीए हेतु प्रावधान	41378.62
9.	प्रावधान में विचलन (8-7)	3766.80
10.	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए सूचित कर पश्चात शुद्ध लाभ(पीएटी)	-12282.82
11.	31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों में विचलन की गणना के बाद समायोजित (काल्पनिक) कर पश्चात शुद्ध लाभ(पीएटी)	-16049.62

6c (vi) Divergence in Asset Classification and Provisioning for NPAs (As per RBI/2018-19/157):-

(₹ in Crore)

Sr.	Particulars	Amount
1.	Gross NPAs as on March 31, 2018 as reported by the Bank	86620.05
2.	Gross NPAs as on March 31, 2018 as assessed by RBI	87515.75
3.	Divergence in Gross NPAs (2-1)	895.70
4.	Net NPAs as on March 31, 2018 as reported by the Bank	48684.29
5.	Net NPAs as on March 31, 2018 as assessed by RBI	45813.19
6.	Divergence in Net NPAs (5-4)	-2871.10
7.	Provisions for NPAs as on March 31, 2018 as reported by the Bank	37611.82
8.	Provisions for NPAs as on March 31, 2018 as assessed by RBI	41378.62
9.	Divergence in Provisioning (8-7)	3766.80
10.	Reported Net Profit after Tax (PAT) for the year ended March 31, 2018	-12282.82
11.	Adjusted (notional) Net Profit after Tax (PAT) for the year ended March 31, 2018 after taking into account the divergence in provisioning	-16049.62

6.घ आस्तियों की पुनःसंरचना हेतु प्रतिभूतिकरण / पुनः संरचना कम्पनी को बेची गई वित्तीय आस्तियों का ब्यौरा

ए. बिक्रियों का ब्यौरा

(रुपये करोड़ में)

	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
1.	खातों की संख्या	8	3
2.	एससी / आरसी को बेचे गए खातों का कुल मूल्य (प्रावधानों का शुद्ध)	662.74	152.84
3.	कुल प्रतिफल राशि	949.76	399.15
4.	पिछले वर्षों (वर्तमान वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान) में अंतरित किए गए खातों के सम्बन्ध में प्राप्त अतिरिक्त प्रतिफल राशि	44.35	0.08
5.	निवल बही (3-2) मूल्य की तुलना में कुल लाभ / हानि	287.02	246.31
5.1	एनबीवी पर हानि (जहाँ मूल्य के लिए बिक्री एनबीवी से कम हो)	6.30	-4.10
5.2	एनबीवी पर लाभ (जहाँ मूल्य के लिए बिक्री एनबीवी से अधिक हो)	293.32	250.41

बी. प्रतिभूति रसीद में निवेशों की बुक मूल्य का ब्यौरा

(₹. करोड़ में)

ब्यौरा	31.03.2019	31.03.2018
(i) बैंक द्वारा अंडरलाईग के तौर पर बेचे गए एनपीए के द्वारा सहायता	1582.66	1729.35
(ii) अन्य बैंक/वित्तीय संस्थान/गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियाँ द्वारा अंडरलाईग के तौर पर बेचे गए एनपीए के द्वारा सहायता	शून्य	शून्य
कुल	1582.66	1729.35

सी. सुरक्षा प्राप्तियों में निवेशः -

(₹. करोड़ में)

	विवरण	पिछले 5 वर्षों के भीतर जारी किए गए एस.आर	अधिक से अधिक 5 साल पहले जारी किए गए एसआर लेकिन पिछले 8 वर्षों के भीतर	8 से अधिक साल पहले जारी किए गए एसआर
(i)	बैंक द्वारा बेचे गए एनपीए द्वारा समर्थित एसआर की बुक वैल्यू अंतर्निहित है	1525.62	0.00	57.04
	के विरुद्ध प्रावधान (i)	124.29	0.00	57.04

6d. Details of financial assets sold to Securitisation / Reconstruction Company (SC/RC) for Asset Reconstruction.

A. Details of Sales.

(₹ in Crore)

	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
1.	No. of Accounts	8	3
2.	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	662.74	152.84
3.	Aggregate consideration	949.76	399.15
4.	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years (During current financial year 2018-19)	44.35	0.08
5.	Aggregate gain/loss over net book value(3-2)	287.02	246.31
5.1	Loss over NBV (where sale is for value below NBV)	6.30	-4.10
5.2	Gain over NBV (where sale is for value above NBV)	293.32	250.41

B. Details of Book Value of Investments in Security Receipts.

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
(i) Backed by NPAs sold by the bank as underlying	1582.66	1729.35
(ii) Backed by NPAs sold by other banks / financial institution / non banking financial companies as underlying	NIL	NIL
TOTAL	1582.66	1729.35

C. Investments in Security Receipts:-

(₹ in Crore)

	Particulars	SRs issued within past 5 years	SRs issued more than 5 years ago but within past 8 years	SRs issued more than 8 years ago
(i)	Book Value of SRs backed by NPAs sold by the bank as underlying	1525.62	0.00	57.04
	Provision held against (i)	124.29	0.00	57.04

(ii)	अन्य बैंकों / वित्तीय संस्थानों / गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बेचे गए एनपीए द्वारा समर्थित एसआरएस के बुक वैल्यू अंतर्निहित हैं	0.00	0.00	0.00
	(ii) के विरुद्ध प्रावधान	0.00	0.00	0.00
	कुल (i) + (ii)	124.29	0.00	57.04

6.ड. **खरीदी गयी /बेची गयी अनर्जक वित्तीय आस्तियों के ब्यौरे**

क. खरीदी गयी अनर्जक वित्तीय आस्तियों के ब्यौरे

(रुपये करोड़ में)

विवरण		31.03.2019	31.03.2018
1	(क) वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	शून्य	शून्य
	(ख) कुल बकाया	शून्य	शून्य
2	(क) इनमें से वर्ष (01.04.2018 से 31.03.2019) के दौरान पुन:संरचित खातों की संख्या	शून्य	शून्य
	(b) कुल बकाया	शून्य	शून्य

ख. अनर्जक वित्तीय आस्तियों की बिक्री का ब्यौरा

(रुपये करोड़ में)

विवरण		31.03.2019	31.03.2018
1	वर्ष के दौरान बेचे गए खातों की संख्या	शून्य	शून्य
2	कुल बकाया	शून्य	शून्य
3	कुल प्राप्त प्रतिफल	शून्य	शून्य

6.च. मानक आस्तियों सम्बन्धी प्रावधान

(रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
संचयी शेष (तुलनपत्र की अनुसूची 5 में "अन्य देयताएं और प्रावधान" के अन्तर्गत सम्मिलित)	2240.05	1849.04

6छ. आरबीआई परिपत्र डीबीआर.सं.बीपी.बीसी.101/21.04.048/2017-18 दिनांक 12 फरवरी, 2018 के संदर्भ में वर्ष के दौरान लागू किए गए संकल्प योजनाओं से संबंधित प्रकटीकरण:

(₹करोड़ में)

पुनर्गठन के अधीन ऋण की कुल राशि	227.47
पुनर्गठन के अधीन मानक परिसंपत्तियों की राशि	0.00
पुनर्गठन के अधीन उप-मानक परिसंपत्तियों की राशि	227.47

(ii)	Book values of SRs backed by NPAs sold by other banks / financial institution / non banking financial companies as underlying	0.00	0.00	0.00
	Provision held against (ii)	0.00	0.00	0.00
	Total (i) + (ii)	124.29	0.00	57.04

6e. Details of non-performing financial assets purchased/ sold from / to other banks.

A. Details of non-performing financial assets purchased:

(₹ in Crore)

Particulars		31.03.2019	31.03.2018
1	(a) No. of accounts purchased during the period	NIL	NIL
	(b) Aggregate outstanding	NIL	NIL
2	(a) Of these, number of accounts restructured during the period i.e. 01.04.2018 to 31.03.2019	NIL	NIL
	(b) Aggregate outstanding	NIL	NIL

B. Details of non-performing financial assets sold:

(₹ in Crore)

Particulars		31.03.2019	31.03.2018
1	No. of accounts sold during the period	NIL	NIL
2	Aggregate outstanding	NIL	NIL
3	Aggregate consideration received	NIL	NIL

6f. Provisions on Standard Assets

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Cumulative Balance (included under "Other Liabilities & Provisions" in Schedule 5 to the balance sheet)	2240.05	1849.04

6g. Disclosure relating to Resolution Plans implemented during the year in terms of RBI Circular DBR.No.BP. BC.101/21.04.048/2017-18 dated February 12, 2018:

(₹ in Crore)

Total amount of Loan assets subjected to restructuring	227.47
The amount of standard assets subjected to restructuring	0.00
The amount of Sub-standard assets subjected to restructuring	227.47

6ज. आरबीआई परिपत्र DBR-No-BP-BC-108/21.04.048 / 2017-18 दिनांक 06.06.2018 के अनुसार, बैंक ने 31 मार्च 2019 को मानक संपत्ति के रूप में रु. 1718.41 करोड़ की अग्रिम राशि को बरकरार रखा है। परिपत्र के प्रावधानों के अनुसार, बैंक ने इन खातों पर ब्याज को मान्यता नहीं दी है और ऐसे उधारकर्ताओं के संबंध में रु. 85.92 करोड़ का मानक प्रावधान बनाए हुए है।

आरबीआई परिपत्र संख्या DBR-No-BP-18 / 21.04.048 / 2018-19 दिनांक 1 जनवरी 2019 के अनुसार

अग्रिम-एमएसएमई क्षेत्र के पुनर्गठन पर, दि. 31.03.2019 को पुनर्गठित खातों का विवरण निम्नानुसार है:

(₹करोड़ में)

पुनर्गठित किए गए खातों की संख्या	राशि
13682	621.92

7. कारोबारी अनुपात

	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
i.	कार्यकारी निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय	6.44%	6.26 %
ii.	कार्यकारी निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर ब्याज आय	0.93%	1.16 %
iii.	कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन लाभ	1.63%	1.34 %
iv.	आस्तियों पर प्रतिफल	-1.25%	-1.60 %
v.	प्रति कर्मचारी कारोबार (जमा तथा अग्रिम)(रुपये करोड़ में)	16.80	14.74
vi.	प्रति कर्मचारी लाभ (रूपये करोड़ में)	-0.15	-0.17

नोट: वर्किंग फंड बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 27 के तहत फॉर्म एक्स में भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट की गई कुल परिसंपत्तियों (संचित घाटे के अलावा, यदि कोई हो) के मासिक औसत पर आधारित हैं

8. आस्ति- देयता प्रबन्धन

आस्तियों और देयताओं की कुछ मदों का परिपक्वता स्वरूप

(रुपये करोड़ में)

परिपक्वता स्वरूप	जमा राशियां	अग्रिम	निवेश (सकल)	उधार	विदेशी मुद्रा आस्तियां	विदेशी मुद्रा देयताएं
Day 1	15581.42	5522.96	0.00	1620.41	1877.75	337.25
	(14207.46)	(9619.30)	(0.00)	(2316.81)	(3431.72)	(3061.41)
2 days-7days	27254.65	4389.73	199.94	5712.86	1830.98	1915.32
	(19163.92)	(10154.16)	(231.65)	(10362.70)	(4263.89)	(1450.91)
8-14 दिन	19277.53	1818.32	49.90	3228.37	1094.98	626.87
	(17149.67)	(4275.03)	(670.79)	(6930.39)	(1993.59)	(2957.41)
15-30 दिन तक	34291.99	14050.62	159.75	3549.54	6453.23	3708.88
	(35559.87)	(20234.87)	(1906.76)	(1304.66)	(7845.40)	(8293.40)

6h. In accordance with RBI Circular DBR.No.BP.BC.108/21.04.048/2017-18 dated 06.06.2018, the bank has retained advances of ₹1718.41Crore as standard asset on 31st March 2019. In accordance with the provisions of the circular, the bank has not recognized interest on these accounts and is maintaining a standard provision of ₹85.92Crore in respect of such borrowers.

As per RBI Circular No. DBR.No.BP.18/21.04.048/2018-19 dated 1st January 2019 on restructuring of Advances-MSME sector, the details of restructured accounts as on 31.03.2019 are as under:

(₹ in Crore)

No. of Accounts Restructured	Amount
13682	621.92

7. Business Ratios

	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
i.	Interest Income as a percentage to Working Funds	6.44%	6.26 %
ii.	Non-Interest Income as a percentage to Working Funds	0.93%	1.16 %
iii.	Operating profit as a percentage to Working Funds	1.63%	1.34 %
iv.	Return on Assets	-1.25%	-1.60 %
v.	Business (Deposits plus advances) per employee (₹ in Crores)	16.80	14.74
vi.	Profit per employee (₹ in Crores)	-0.15	-0.17

Note: Working Funds are based on Monthly Average of total assets (excluding accumulated losses, if any) as reported to Reserve Bank of India in Form X under section 27 of the Banking Regulation Act, 1949.

8. Asset Liability Management

Maturity Pattern of certain item of Assets and Liabilities

(₹ in Crore)

Maturity Pattern	Deposits	Advances	Investments (gross)	Borrowings	Foreign Currency Assets	Foreign Currency Liabilities
Day 1	15581.42	5522.96	0.00	1620.41	1877.75	337.25
	(14207.46)	(9619.30)	(0.00)	(2316.81)	(3431.72)	(3061.41)
2 days-7days	27254.65	4389.73	199.94	5712.86	1830.98	1915.32
	(19163.92)	(10154.16)	(231.65)	(10362.70)	(4263.89)	(1450.91)
8-14 days	19277.53	1818.32	49.90	3228.37	1094.98	626.87
	(17149.67)	(4275.03)	(670.79)	(6930.39)	(1993.59)	(2957.41)
15-30 days	34291.99	14050.62	159.75	3549.54	6453.23	3708.88
	(35559.87)	(20234.87)	(1906.76)	(1304.66)	(7845.40)	(8293.40)

31 दिन से 2 माह तक	62444.16	8668.91	1535.79	2687.69	2508.72	5832.44
	(57258.55)	(9050.87)	(1323.04)	(5486.21)	(7341.91)	(11452.35)
2 माह से अधिक 3 माह तक	41374.17	6042.03	1277.16	1906.39	3000.66	5035.75
	(33803.33)	(20676.52)	(2682.28)	(4406.70)	(7741.63)	(10907.08)
3 माह से अधिक 6 माह तक	44521.01	15309.47	4061.04	414.30	3343.97	8346.82
	(48177.58)	(12592.39)	(3816.03)	(6071.39)	(19158.68)	(25555.34)
6 माह से अधिक 1 वर्ष तक	35847.97	22610.19	6193.80	755.63	7794.66	5083.94
	(53347.30)	(24390.51)	(6595.63)	(642.86)	(12729.48)	(5191.60)
1 वर्ष से अधिक 3 वर्ष तक	102881.25	236703.77	19143.70	1990.43	5347.21	4096.57
	(102147.91)	(189915.58)	(27603.42)	(3372.72)	(5457.09)	(2317.92)
3 वर्ष से अधिक 5 वर्ष तक	159324.86	54993.80	15234.47	2534.37	6834.52	5428.26
	(150145.81)	(43548.51)	(29102.42)	(1322.23)	(6209.62)	(4118.26)
5 वर्ष से अधिक	133231.13	88139.40	158269.81	14925.93	1958.62	1633.20
	(111264.79)	(89276.98)	(129478.07)	(18634.08)	(2284.06)	(3151.39)
कुल	**676030.14**	**458249.20**	**206125.36**	**39325.92**	**42045.30**	**42045.30**
	(642226.19)	**(433734.72)**	**(203410.09)**	**(60850.75)**	**(78457.07)**	**(78457.07)**

9. एक्सपोज़र्स

9.क स्थावर संपदा क्षेत्र को एक्सपोजर:

(रुपये करोड़ में)

श्रेणी		31.03.2019	31.03.2018
(अ)	प्रत्यक्ष एक्स्पोजर		
i.	आवासीय सम्पत्ति बंधक :		
	आवासीय सम्पत्ति, जो ऋणी द्वारा अधिकार में ली गई है या ली जायेगी या किराये पर दी गई है, बन्धक द्वारा पूर्णत: प्रतिभूत ऋण		
	रु. 20 लाख तक के वैयक्तिक आवासीय ऋण	22035.71	19558.77
	रु. 20 लाख से अधिक के वैयक्तिक आवासीय ऋण	40459.48	34871.95
	कुल-योग	**62495.19**	**54430.72**
ii.	ये ऋण वाणिज्यिक स्थावर संपदा पर बंधक के सृजन द्वारा सुरक्षित किए जायेंगे (इनमें कार्यालय का भवन, खुदरा कारोबार का स्थान, बहुउद्देश्य वाणिज्यिक परिसर, औद्योगिक अथवा गोदाम का स्थान, भूमि, उस पर किया गया विकास और निर्माण आदि शामिल होंगे।)		
	पूंजी आधारित	13898.21#	9765.10
	गैर पूंजी आधारित	581.91	577.99
	कुल-योग	**14480.12**	**10343.09**

31 days to 2 months	62444.16	8668.91	1535.79	2687.69	2508.72	5832.44
	(57258.55)	(9050.87)	(1323.04)	(5486.21)	(7341.91)	(11452.35)
Over 2 to 3 months	41374.17	6042.03	1277.16	1906.39	3000.66	5035.75
	(33803.33)	(20676.52)	(2682.28)	(4406.70)	(7741.63)	(10907.08)
Over 3 Months to 6 months	44521.01	15309.47	4061.04	414.30	3343.97	8346.82
	(48177.58)	(12592.39)	(3816.03)	(6071.39)	(19158.68)	(25555.34)
Over 6 Months to 1 year	35847.97	22610.19	6193.80	755.63	7794.66	5083.94
	(53347.30)	(24390.51)	(6595.63)	(642.86)	(12729.48)	(5191.60)
Over 1 Year to 3 Years	102881.25	236703.77	19143.70	1990.43	5347.21	4096.57
	(102147.91)	(189915.58)	(27603.42)	(3372.72)	(5457.09)	(2317.92)
Over 3 Years to 5 Years	159324.86	54993.80	15234.47	2534.37	6834.52	5428.26
	(150145.81)	(43548.51)	(29102.42)	(1322.23)	(6209.62)	(4118.26)
Over 5 Years	133231.13	88139.40	158269.81	14925.93	1958.62	1633.20
	(111264.79)	(89276.98)	(129478.07)	(18634.08)	(2284.06)	(3151.39)
Total	**676030.14**	**458249.20**	**206125.36**	**39325.92**	**42045.30**	**42045.30**
	(642226.19)	**(433734.72)**	**(203410.09)**	**(60850.75)**	**(78457.07)**	**(78457.07)**

9. Exposures:

9a. Exposure to Real Estate Sector:

(₹ in Crore)

Category		31.03.2019	31.03.2018
(A)	**Direct Exposure**		
i.	Residential Mortgages –		
	Lending fully secured by mortgages on residential property that is or will be occupied by the borrower or that is rented		
	Individual housing loans up to ₹20lakh	22035.71	19558.77
	Individual housing loans above ₹20lakh	40459.48	34871.95
	SUB-TOTAL	**62495.19**	**54430.72**
ii.	Commercial Real Estate – including NFB Limits		
	Lending secured by mortgages on Commercial Real Estates (office buildings, retail space, multi-purpose commercial premises, industrial or warehouse space, land acquisition, development and construction etc.)		
	Fund Based	13898.21#	9765.10
	Non Fund Based	581.91	577.99
	SUB-TOTAL	**14480.12**	**10343.09**

iii.	बंधक समर्थित प्रतिभूतियों (एम बी एस) और अन्य प्रतिभूत एक्सपोजर में निवेश –		
(a)	–आवासीय	5076.81	0.00
(b)	–वाणिज्यिक स्थावर संपदा	0.00	0.00
(आ)	**अप्रत्यक्ष एक्सपोज़र**		
	राष्ट्रीय आवास बैंक (एन एच बी) और आवास वित्त कम्पनियां (एच एफ सी) हेतु एफबी – एनएफबी एक्सपोज़र	17708.55	16941.31
	बैंक द्वारा आवास कम्पनियों एवं कॉर्पोरेशन में निवेश किया गया	5087.16	5525.88
	कुल योग	**22795.71**	**22467.19**
	स्थावर संपदा क्षेत्र को कुल ऋण	**104847.83**	**87241.00**

रु एक उधारकर्ता में जोखिम के संबंध में रु. 420.66 करोड़ शामिल हैं (निवेश सहित), जिसे आरबीआई के परिपत्र 3 DBOD.BP.BC.No.42 / 08.12.015 / 2009-10 दिनांक 9 सितंबर, 2009 के अनुसार आधारिक संरचना के रूप में भी माना जाता है

9.ख पूँजी बाजार को एक्स्पोजर

(रुपये करोड़ में)

विवरण		31.03.2019	31.03.2018
1.	इक्विटी शेयरों, परिवर्तनीय बंधपत्रें, परिवर्तनीय ऋण पत्रें और इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों के यूनिटों में प्रत्यक्ष निवेश जो निगमित ऋण की मूल निधि में ही एक मात्र निवेश नही है	3803.49	3864.75
2.	शेयरों (आईपीओ/ ईएसओपी सम्मिलित हैं) परिवर्तनीय बंधपत्रें, परिवर्तनीय ऋण पत्रें और इक्विटी उन्मुख म्युचुअल फंडों में निवेश के लिए व्यष्टियों को शेयरों/ बंध पत्रें/ ऋण पत्रें या अन्य प्रतिभूतियों की प्रतिभूति पर या अप्रतिभूत अग्रिम	1.71	2.64
3.	किसी अन्य प्रयोजन के लिए अग्रिम जहां शेयरों या परिवर्तनीय बंध पत्रों या परिवर्तनीय ऋण पत्रें या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों के यूनिटों को प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में रखा गया हो ।	25.30	25.19
4.	किसी अन्य प्रयोजन के लिए अग्रिम जहां शेयरों या परिवर्तनीय बांड, परिवर्तनीय डिबेंचर और इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों के यूनिटों की सम्पार्श्विक प्रतिभूति तक प्रतिभूति दी गई हो अर्थात् जहाँ परिवर्तनीय बॉण्ड / परिवर्तनीय ऋण पत्रें / इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों के यूनिटों से भिन्न प्राथमिक प्रतिभूति अग्रिमों को पूरी तरह कवर नही करती हैं ।	587.43	596.86

iii.	Investments in Mortgaged Backed Securities (MBS) and other securitized exposures –		
(a)	- Residential	5076.81	0.00
(b)	- Commercial Real Estate	0.00	0.00
(B)	**Indirect Exposure**		
	FB & NFB Exposure to National Housing Bank (NHB) & Housing Finance Companies (HFCs)	17708.55	16941.31
	Investments made by the Bank in Housing Companies & Corporations.	5087.16	5525.88
	Sub Total	**22795.71**	**22467.19**
	Total Exposure to Real Estate Sector	**104847.83**	**87241.00**

#Includes ₹420.66Crore in respect of exposure (including investment) in One borrower which is also considered as Infrastructure in line with paragraph 3 of RBI circular DBOD. BP.BC.No.42/08.12.015/2009-10 dated September 9, 2009.

9b. Exposure to Capital Market

(₹ in Crore)

Particulars		**31.03.2019**	**31.03.2018**
1.	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity oriented mutual funds the corpus of which is not exclusively invested in corporate debt.	3803.49	3864.75
2.	Advances against shares/bonds/ debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs) convertible bonds, convertible debentures, and units of equity oriented mutual funds.	1.71	2.64
3.	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security.	25.30	25.19
4.	Advances for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e. where the primary security other than shares/convertible bonds/convertible debentures/ units of equity oriented mutual funds does not fully cover the advances.	587.43	596.86

5.	स्टॉक ब्रोकरों को प्रतिभूत तथा अप्रतिभूत अग्रिम और स्टॉक ब्रोकरों तथा मार्केट मेकरों की ओर से दी गई गारंटियाँ	231.50	258.68
6.	संसाधनों के बढ़ने की संभावना में नयी कम्पनियों की इक्विटी के प्रति प्रवर्तकों के अंश को पूरा करने के लिए शेयरों/ बॉण्डों/ ऋण पत्रें या अन्य प्रतिभूतियों की प्रतिभूति पर या बिना प्रतिभूति के निगमित संस्थाओं को स्वीकृत किया गया ऋण	NIL	NIL
7.	संभावित इक्विटी प्रवाहों/ निर्गमों के प्रति कम्पनियों को पूरक ऋण	NIL	NIL
8.	शेयरों या परिवर्तनीय बंध पत्रें या परिवर्तनीय ऋण पत्रें या इक्विटी उन्मुख म्यूचुअल फंडों के यूनिटों के प्राइमरी इश्यू के सम्बन्ध में बैंकों द्वारा हामीदारी प्रतिबद्धताएं	NIL	NIL
9.	मार्जिन ट्रेडिग के लिए स्टॉक ब्रोकरों को वित्तपोषण	NIL	NIL
10.	उद्यम पूँजी निधियों (पंजीकृत और गैर पंजीकृत दोनों को दिए गए समस्त ऋण इक्विटी के समान ही माने जाएंगे और इसलिए पूंजी बाजार एक्सपोजर सीमा (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों) के अनुपालन के लिए स्वीकार किया जाएगा।	197.52	216.50
11.	म्यूचुअल फंड को अग्रिम	4003.13	5150.00
पूँजी बाज़ार को कुल एक्सपोजर		**8850.08**	**10114.62**

9.ग जोखिम श्रेणीवार देश सम्बन्धी एक्सपोजर

31.03.2019 को कुल निवल निधि एक्सपोज़र रू0 43412.20 करोड़ है । 31.12.2018 को बैंक की कुल आस्तियां रू0 747806.10 करोड़ है, जिसका 1% रू0 7478.06 करोड़ है । दो देशों हांगकांग और यूएई की कुल निवल निधि एक्सपोज़र की राशि क्रमशः रू0 8857.37 करोड़ और रू0 9495.27 करोड़ है जोकि 31.12.2018 को बैंक की कुल आस्तियों के 1% से अधिक है । अतः भा.रि.बैंक दिशा निर्देशों के अनुसार हांगकांग के लिए रू0 14.09 करोड़ और यूएई के लिए रू0 16.31 करोड़ का प्रावधान किया गया है । भारत निर्यात ऋण गारंटी निगम (ईसीजीसी) वर्गीकरण के अनुसार, हांगकांग देश नगण्य जोखिम श्रेणी अर्थात् ए1 और यूएई कम जोखिम श्रेणी अर्थात् ए2 में है।

(रू. करोड में)

जोखिम श्रेणी	**मार्च 2019 को एक्सपोजर (चालू वर्ष)**	**मार्च 2019 को रखा गया प्रावधान (चालू वर्ष)**	**मार्च 2018 को एक्सपोजर (शुद्ध गत वर्ष)**	**मार्च 2018 को रखा गया प्रावधान (गत वर्ष)**
नगण्य	29239.60	14.09	27583.73	13.07
कम	14159.50	16.31	21270.95	21.67

5.	Secured and unsecured advances to stock brokers and guarantees issued on behalf of stock brokers and market makers.	231.50	258.68
6.	Loans sanctioned to corporate against the security of shares/ bonds/debentures or other securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources.	NIL	NIL
7.	Bridge loans to companies against expected equity flows/ issues.	NIL	NIL
8.	Underwriting commitments taken up by the banks in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds.	NIL	NIL
9.	Financing to stock brokers for margin trading	NIL	NIL
10.	All exposures to Venture Capital funds (both registered and unregistered) will be deemed to be on par with equity and hence will be reckoned for compliance with the capital market exposures ceilings (both direct and indirect)	197.52	216.50
11.	Advances to Mutual Funds	4003.13	5150.00
Total Exposure to Capital Market		**8850.08**	**10114.62**

9c. Risk Category wise Country Exposure

Total Net Funded Exposure as on 31.03.2019 is ₹43412.20Crores. Total assets of the bank as on 31.12.2018 were ₹747806.10Crores, 1% of which comes to ₹7478.06Crore. Total net funded exposure of two countries namely Hongkong and UAE amounting to ₹8857.37Crore & ₹9495.27Crore respectively, is more than 1% of the total assets of the Bank as on 31.12.2018. In case, total net funded exposure of the bank on HongKong & UAE happens to be more than 1% of total assets as on 31.03.2019, provision of ₹14.09Crore for Hongkong and ₹16.31Crore for UAE has been made in terms of RBI guidelines. As per Export Credit Guarantee Corporation of India (ECGC) classification, HongKong is in the "Insignificant Risk Category" i.e. 'A1' and UAE is in the "Low Risk Category" i.e. 'A2'.

(₹ in Crore)

Risk Category	**Exposure (net) as at March 2019 (Current Year)**	**Provision held as at March 2019 (Current Year)**	**Exposure (net) as at March 2018 (Previous Year)**	**Provision held as at March 2018 (Previous Year)**
Insignificant	29239.60	14.09	27583.73	13.07
Low	14159.50	16.31	21270.95	21.67

सामान्य से कम	4.26	0.00	4.46	0.00
सामान्य	3.97	0.00	132.80	0.00
सामान्य से उच्च	4.88	0.00	0.76	0.00
उच्च	0.00	0.00	0.34	0.00
अति उच्च	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल	**43412.21**	**30.40**	**48993.04**	**34.74**

9.घ 31.03.2019 के अनुसार बैंक द्वारा एकल / समूह उधारकर्ता सीमा के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्देशित प्रूडेंशियल एक्सपोजर सीमा से अधिक होने वाले क्रेडिट एक्सपोजर के सम्बन्ध में बैंक का प्रकटीकरण

उन खातों का विवरण जहां बैंक 01.04.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान किसी भी ग्रुप अकाउंट्स और इंडिविजुअल बॉरोअर्स के संबंध में विवेकपूर्ण एक्सपोजर सीलिंग को पार कर गया है :-

1. भारतीय खाद्य निगम, 2. एचडीएफसी लिमिटेड, 3. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 4. रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि., 5. एयर इंडिया लिमिटेड, 6. जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, 7. सिडबी।

ऐसे 3 खाते जिनका दिनांक 31.03.2019 को एक्सपोजर प्रूडेंशियल सीलिंग कैपिटल फंड का 15% से अधिक है उसी के विवरण निम्नानुसार हैं

(राशि करोड़ में)

क्रम. सं.	उधारकर्ता का नाम	निर्धारित सीलिंग	एक्सपोजर (31.03.2019 को)	31.03.2018 को कैपिटल फंड का TE% (रु. 41680 करोड़)
1.	भारतीय खाद्य निगम	15%	8310.33	19.93%
2.	सिडबी	15%	7840.85	18.81%
3.	जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड	15%	6658.77	15.98%

9.ङ. अप्रतिभूत अग्रिम:

(रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
अप्रतिभूत अग्रिम	82229.92	63883.30
1. अग्रिमों की वह कुल राशि जिसके लिए अमूर्त आस्तियां जैसे अधिकारों, अनुज्ञप्तियों, प्राधिकारों आदि पर ऋण भार को "अप्रतिभूत अग्रिम" के अन्तर्गत अनुसूची 9 में शामिल किया गया है ।	3460.11	8247.72
2. अमूर्त क्लेक्टरल प्रतिभूतियों का अनुमानित मूल्य	4369.18	9621.89

10.ए. आरबीआई द्वारा लगाए गए जुर्मानों का प्रकटीकरण:

1. दिनांक 01.02.2019 को आरबीआई ने धनराशि के अंतिम उपयोग की निगरानी, अन्य बैंकों के साथ सूचनाओं के आदान-प्रदान और खातों के पुनर्गठन पर आरबीआई द्वारा जारी विभिन्न निर्देशों का पालन न करने पर 10.00 मिलियन (NIL) का मौद्रिक जुर्माना लगाया है।

Moderately Low	4.26	0.00	4.46	0.00
Moderate	3.97	0.00	132.80	0.00
Moderately High	4.88	0.00	0.76	0.00
High	0.00	0.00	0.34	0.00
Very high	0.00	0.00	0.00	0.00
Total	**43412.21**	**30.40**	**48993.04**	**34.74**

9d. Bank's Disclosure in respect of Credit Exposures where the same had exceeded the Prudential Exposure limits prescribed by RBI for Individual/Group Borrowers as on 31.03.2019

Details of accounts where Bank has exceeded prudential exposure ceilings in respect of any Group Accounts and Individuals Borrowers during the period 01.04.2018 to 31.03.2019 as below:-

1. Food Corporation of India, 2. HDFC Ltd, 3. Reliance Industries Ltd, 4. Reliance Jio Infocomm ltd, 5. Air India Ltd, 6. JSW Steel Ltd, 7. SIDBI.

However there are 3 accounts where exposure is exceeding the prudential ceiling i.e. 15 % of capital funds as on 31.03.2019, details of the same are as under:-

(₹ in Crore)

S. No.	Name of the Borrower	Prescribed Ceiling	Exposure (as on 31.03.2019)	TE as % of Capital Fund as on 31.03.2018 (₹41680Crore)
1.	Food Corporation of India	15%	8310.33	19.93%
2.	SIDBI	15%	7840.85	18.81%
3.	JSW Steel Ltd	15%	6658.77	15.98%

9e. Unsecured Advances:

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Unsecured Advance	82229.92	63883.30
1. Total amount of advances for which intangible securities such as charge over the rights, licenses, authority etc. has been included in Sch.9 under 'Unsecured Advances'	3460.11	8247.72
2. Estimated value of intangible collaterals	4369.18	9621.89

10.A. Disclosure of penalties imposed by the RBI:

1. RBI vide order dated 01.02.2019 has imposed a monetary penalty of ₹10.00million (NIL) on observance of non-compliance with various directions issued by RBI on monitoring of end use of funds, exchange of information with other banks and on restructuring of accounts.

2. दिनांक 25.02.2019 को आरबीआई ने स्विफ्ट से संबंधित परिचालन नियंत्रणों के कार्यान्वयन से संबंधित निर्देशों का अनुपालन न करने के पालन पर रू. 20.00 मिलियन (NIL) का मौद्रिक जुर्माना लगाया है।

(आरबीआई द्वारा बैंकिग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 46 (4) के प्रावधान के तहत(भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिग विनियमन अधिनियम, 1949 के आदेश, नियम या शर्त के तहत किसी भी अन्य आवश्यकताओं के साथ अधिनियम के किसी भी प्रावधान के उल्लंघन या गैर-अनुपालन के लिए जुर्माना लगाया गया।)

10.बी. एसजीएल प्रतिभूतियों में उछाल का प्रकटीकरण:

01.04.2018 से 31.03.2019 की अवधी के दौरान एसजीएल प्रतिभूतियों में उछाल का विवरण शून्य है (शून्य)

लेखा मानकों द्वारा अपेक्षित अन्य प्रकटीकरण

11. एएस-5 पूर्व-अवधि और लेखांकन नीति में परिवर्तन:

एएस-5 के अधीन पूर्व अवधि के आय / व्यय के कोई महत्वपूर्ण प्रकटीकरण अपेक्षित नही हैं ।

12. एएस-10 सम्पत्तियां, प्लांट और उपकरण

मार्च 2019 के अंत तक आस्तियों के प्रत्येक वर्ग के लिए किए गए कुल मूल्यह्रास का ब्यौरा

(रुपये करोड़ में)

आस्ति श्रेणी	**31.03.2019**	**31.03.2018**
परिसर	84.86	83.44
अन्य अचल आस्तियाँ	441.53	450.35
पट्टे वाली आस्तियाँ	0.00	0.00
कम्प्यूटर सार्फ़्टवेयर	51.63	42.38
जोड़	**578.02**	**576.17**

13. लेखा मानक- 9 राजस्व मान्यता

आय की कुछ मदों की मान्यता लेखा नीति संख्या 3 (5) के अनुसार वसूली आधार पर की जाती है । बहरहाल, उक्त आय नगण्य है ।

14. ए एस 11 : विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन

विदेशी मुद्रा परिवर्तन प्रारक्षित में उतार-चढ़ाव

(रुपये करोड़ में)

विवरण	**राशि (2018-19)**	**राशि (2017-18)**
प्रारंभिक शेष	344.87	342.64
01.04.18 से 31.03.19 की अवधि के दौरान जमा	155.40	47.89
01.04.18 से 31.03.19 के दौरान निकासी	157.14	45.66
इतिशेष	**343.13**	**344.87**

15. ए एस 15 - कर्मचारी लाभ :

AS-15(R) के अनुसार प्रकटीकरण:

लेखा मानक - 15 (संशोधित)के अनुसार रोजगार उपरान्त मिलने वाले फायदे की संक्षिप्त स्थिति को लाभ व हानि खाते और तुलनपत्र में निम्नवत् माना गया है:

2. RBI vide order dated 25.02.2019 has imposed a monetary penalty of ₹20.00million (NIL) on observance of non-compliances with directions related to implementation of SWIFT related operational controls.

[Penalties imposed by RBI under the provision of Section 46(4) of the Banking Regulation Act, 1949, for contraventions of any of the provisions of the Act or non-compliance with any other requirements of the Banking Regulation Act, 1949; order, rule or condition specified by Reserve Bank of India under the Act.]

10.B. Disclosure of Bouncing of SGL:

Particulars of Bouncing of SGL securities during the period 01.04.2018 to 31.03.2019 is NIL (NIL)

Other Disclosures required by Accounting Standards

11. AS -5 Prior Period and Change in Accounting Policy

There were no material prior period income/expenditure items requiring disclosure under AS–5.

12. AS- 10 Properties, Plant and Equipment.

Break-up of total depreciation for the year ended March, 2019 for each class of assets

(₹ in Crore)

Class of assets	**31.03.2019**	**31.03.2018**
Premises	84.86	83.44
Other fixed assets	441.53	450.35
Leased assets	0.00	0.00
Computer software	51.63	42.38
Total	**578.02**	**576.17**

13. AS- 9 Revenue Recognition:

Certain items of income are recognized on realization basis as per Accounting Policy No. 3(5). However, the said income is not considered to be material.

14. AS 11- Changes in foreign exchange rates:

Movement of foreign currency translation reserve

(₹ in Crore)

Particulars	**Amount (2018-19)**	**Amount (2017-18)**
Opening balance	344.87	342.64
Credited during the year 01.04.2018 to 31.03.2019	155.40	47.89
Withdrawn during the year 01.04.2018 to 31.03.2019	157.14	45.66
Closing Balance	**343.13**	**344.87**

15. AS 15 – Employees Benefits:

DISCLOSURE IN ACCORDANCE WITH AS-15(R):

In line with the accounting policy and as per the Accounting Standard – 15(R), the summarized position of employment benefits is as under:

ए. परिभाषित लाभ योजना

तालिका I प्रधान बीमांकिक मान्यता तथा इन मान्यताओं का आधार

बीमांकिक मान्यता	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
बट्टा दर	7.80%	7.89%	7.05%	7.97%	7.05%	7.97%
योजना आस्तियों के प्रतिफल की संभावित दर	7.80%	8.61%	7.05%	8.61%	-	-
वेतन में वृद्धि की दर	-	-	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
महंगाई वृद्धि दर में राहत	6.00%	6.50%	-	-	-	-
ह्रास दर	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

तालिका II- दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन

(सभी राशि रुपये करोड़ में)

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	अवधि की शुरूआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	26,124.78	22,859.81	3,302.92	2,930.07	1,887.38	1,477.52
जोड़ें	ब्याज लागत	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
जोड़ें:	चालू सेवा लागत	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
जोड़ें:	पूर्व सेवा लागत	-	-	-	253.45	-	-
घटाया	संदत्त लाभ	(1,592.10)	(1,349.99)	558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)
(ए)	दायित्वों पर बीमांकिक हानि/(लाभ) (संतुलनकारी आंकड़े)	904.81	2,272.58	133.03	29.19	19.16	533.06
	अवधि के अंत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38

तालिका III. योजना आस्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन

	विवरण	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	अवधि की शुरूआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	25,212.04	24,660.65	3,012.96	3,155.83	-	-
जोड़ें	योजना आस्तियों पर संभावित प्रतिफल	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
जोड़ें	कर्मचारियों द्वारा अंशदान	1,526.48	162.60	367.81	-	308.37	281.61
घटाया	संदत्त लाभ का भुगतान	(1,592.10)	(1,349.99)	(558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)

A. Defined benefit Plans

TABLE I - Principal Actuarial Assumptions and the basis of these assumptions

Actuarial Assumptions	PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
Discount Rate	7.80%	7.89%	7.05%	7.97%	7.05%	7.97%
Expected Return on Plan Assets	7.80%	8.61%	7.05%	8.61%	-	-
Rate of Escalation In salary	-	-	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
Dearness Relief Escalation Rate	6.00%	6.50%	-	-	-	-
Attrition Rate	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

TABLE II - Changes in Present value of the obligation

(ALL AMOUNTS IN CRORES)

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	Present value of Obligation at the beginning of period	26,124.78	22,859.81	3,302.92	2,930.07	1,887.38	1,477.52
Add:	Interest Cost	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
Add:	Current Service Cost	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
Add:	Past Service Cost	-	-	-	253.45	-	-
Less:	Benefits paid	(1,592.10)	(1,349.99)	558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)
(A)	Actuarial loss / (gain) on obligations (Balancing Figure)	904.81	2,272.58	133.03	29.19	19.16	533.06
	Present value of Obligation as at the end of the period	**27,743.93**	**26,124.78**	**3,282.54**	**3,302.92**	**1,844.42**	**1,887.38**

TABLE III - Changes in the FV of the Plan Assets

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	FAIR value of Plan Assets, at the beginning of period	25,212.04	24,660.65	3,012.96	3,155.83	-	-
Add:	Expected return on Plan assets	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
Add:	Contributions by Bank	1,526.48	162.60	367.81	-	308.37	281.61
Less:	Benefits Paid	(1,592.10)	(1,349.99)	(558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)

(ए)	दायित्वों पर बीमांकिक हानि/(लाभ) (संतुलनकारी आंकड़े)	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	-	-
	अवधि के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	**27,472.21**	**25,212.04**	**3,085.70**	**3,012.96**		

तालिका IV-योजना आस्तियों पर वास्तविक प्रतिफल

	विवरण	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	योजना आस्तियों पर संभावित प्रकिल	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
जोड़:	योजना आस्तियों पर बीमांकिक (हानि)/लाभ	336.56	(333.38)	23.02	(50.47)	-	-
	योजना आस्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	2,325.79	1,738.78	263.15	206.22	-	-

तालिका V-योजना आस्तियों पर वास्तविक प्रतिफल

विवरण	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
	31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
अवधि के लिए दायित्वों पर बीमांकिक (हानि)/लाभ	(904.81)	(2272.58)	(133.03)	(29.19)	(19.16)	(533.06)
अवधि के लिए योजना आस्तियों पर बीमांकिक (हानि)/लाभ	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	0	0
अवधि के लिए कुल लाभ/हानि	568.25	2605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
अवधि में मान्य बीमांकिक (लाभ) / हानि	**568.25**	**2605.96**	**110.00**	**79.66**	**19.16**	**533.06**
वर्ष के अंत में अमान्य बीमांकिक (लाभ)/हानि	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

तालिका VI - तुलनपत्र में मान्य राशि

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
	दायित्वों का वर्तमान मूल्य	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
घटाया	योजना आस्तियों का उचित मूल्य	27,472.21	(25,212.04)	3,085.70	3,012.96		-
	अन्तर	271.72	912.74	196.84	289.96	1,844.42	1,887.38
	अमान्य ट्राजिशनल देयतायें	-	-	-	-	-	-
घटाया	अमान्य गत सेवा लागत - निहित लाभ - आगे ले जाया गया	-	-	-	190.00*	-	-
	तुलनपत्र में मान्य देयताएं	271.72	912.74	196.84	99.96*	1,844.42	1,887.38

(B)	**Actuarial (loss) / gain on Plan Assets (Balancing Figure)**	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	-	-
	FAIR value of Plan Assets as at the end of the period	**27,472.21**	**25,212.04**	**3,085.70**	**3,012.96**	**-**	**-**

TABLE IV - Actual Return on Plan Assets

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
	Expected return on Plan Assets	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
Add:	Actuarial (loss) / gain on Plan Assets	336.56	(333.38)	23.02	(50.47)	-	-
	Actual Return on Plan Assets	**2,325.79**	**1,738.78**	**263.15**	**206.22**	-	-

TABLE V - Net Actuarial (Gain) / loss Recognized

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
	Actuarial gain / (loss) for the period - Obligations	(904.81)	(2272.58)	(133.03)	(29.19)	(19.16)	(533.06)
	Actuarial gain / (loss) for the period - Plan Assets	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	0	0
	Total (Gain) / Loss for he period	568.25	2605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
	Actuarial (gain) or loss recognised in the period	**568.25**	**2605.96**	**110.00**	**79.66**	**19.16**	**533.06**
	Unrecognised Actuarial (gain) / loss at the end of the year	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

TABLE VI - Amount recognised in Balance Sheet

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
	Present value of Obligation	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
Less	FAIR value of Plan Assets,	27,472.21	(25,212.04)	3,085.70	3,012.96	-	-
	Difference	271.72	912.74	196.84	289.96	1,844.42	1,887.38
	Unrecognised Transitional Liabilty	-	-	-	-	-	-
Less	Unrecognised Past Service cost - vested benefits - Carried Forward	-	-	-	190.00*	-	-
	Liability Recognised in the Balance Sheet	271.72	912.74	196.84	99.96*	1,844.42	1,887.38

	लेखा मानक - 15 (संशोधित) के पैरा 55 के अन्तर्गत नकारात्मक निर्धारित राशि	-	-	-	-	-	-
	भावी अंशदानों में कटौती और उपलब्ध भावी कटौती का वर्तमान मूल्य	-	-	-	-	-	-
	लेखा मानक - 15 (संशोधित) पैरा 59 (बी) के अन्तर्गत सीमा अनुसार मान्य आस्ति	-	-	-	-	-	-

तालिका VII- लाभ व हानि खाते में मान्य व्यय

	विवरण	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	चालू सेवा लागत	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
जोड़ा:	ब्याज लागत	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
घटाया	योजना आस्तियों पर संभावित प्रतिफल	(1,989.23)	(2,072.16)	(240.13)	(256.69)		-
जोड़ा:	वर्ष के दौरान मान्य शु) बीमांकित(लाभ) /अथवा हानि	568.25	2,605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
जोड़ा:	गत सेवा लागत-मान्य	-	-	190.00	63.45*		-
	लाभ व हानि खाते की विवरणी में मान्य व्यय चालू सेवा लागत	**885.46**	**2,876.18**	**464.69**	**325.72***	**265.42**	**691.47**

तालिका VIII- तुलनपत्र में मान्य होने वाली शुद्ध देयता में घट-बढ़

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	प्रारम्भिक शुद्ध देयता	912.74	(1,800.84)	99.96	(225.76)	1,887.38	1,477.52
जोड़ा:	व्यय	885.46	2,876.18	464.69	325.72*	265.42	691.47
घटाया	संदत्त अंशदान	(1,526.48)	(162.60)	(367.81)	-	(308.37)	(281.61)
	अंतिम शुद्ध देयता(चालू अवधि में तुलन-पत्र में मान्य देयता)	**271.72**	**912.74**	**196.84**	**99.96***	**1,844.42**	**1,887.38**

तालिका IX-वर्तमान अवधि के लिए राशि

	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
दायित्वों का वर्तमान मूल्य	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
योजना आस्तियों का उचित मूल्य	27,472.21	25,212.04	3,085.70	3,012.96	-	-
अमान्य गत सेवा लागत से पूर्व अधिशेष/(घाटा)	(271.72)	(912.74)	(196.84)	(289.96)	(1,844.42)	(1,887.38)

	Negative amount determined under Paragraph 55 of AS-15 (R)	-	-	-	-	-	-
	Present value of available refunds and reductions in future contributions	-	-	-	-	-	-
	Resulting asset as per Paragraph 59 (b) of AS-15 (R)	-	-	-	-	-	-

TABLE VII - Expense to be recognised in Profit and loss statement

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	Current Service Cost	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
Add:	Interest cost	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
Less:	Expected return on Plan assets	(1,989.23)	(2,072.16)	(240.13)	(256.69)	-	-
Add:	Net Actuarial (gain) / loss recognised in year	568.25	2,605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
Add:	Past Service Cost-Recognised	-	-	190.00	63.45*	-	-
	Expenses recognised in the statement of profit and loss	**885.46**	**2,876.18**	**464.69**	**325.72***	**265.42**	**691.47**

TABLE VIII- Movement in Net Liability to be recognised in Balance Sheet

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	Opening Net Liability	912.74	(1,800.84)	99.96	(225.76)	1,887.38	1,477.52
Add:	EXPENSE	885.46	2,876.18	464.69	325.72*	265.42	691.47
Less:	CONTRIBU-TIONS PAID	(1,526.48)	(162.60)	(367.81)	-	(308.37)	(281.61)
	Closing Net Liability (Liability recognised in B/S in current period)	**271.72**	**912.74**	**196.84**	**99.96***	**1,844.42**	**1,887.38**

TABLE IX -Amount for the current Period

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18	31.03.19	31.03.18
	Present value of Obligation	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
	FAIR value of Plan Assets	27,472.21	25,212.04	3,085.70	3,012.96	-	-
	Surplus / (Deficit) before unrecognised past service cost	(271.72)	(912.74)	(196.84)	(289.96)	(1,844.42)	(1,887.38)

योजना देयताओं में अनुभाविक समायोजन -(हानि)/लाभ	2,060.78	(122.81)	(9.91)	(145.02)	(24.86)	(616.21)
योजना आस्तियों में अनुभाविक समायोजन-(हानि)/लाभ	**(336.56)**	**(333.38)**	**(23.03)**	**(50.47)**	**-**	**-**

तालिका X-योजना आस्तियों की प्रमुख श्रेणियाँ (कुल योजना आस्तियों का प्रतिशत)

(प्रतिशत में)

विवरण	पेंशन		उपदान	
	31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	6.74%	8.66%	11.00%	14.05%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	26.59%	30.68%	26.00%	32.50%
उच्च किस्म के कॉर्पोरेट बॉण्ड	8.37%	10.58%	4.00%	8.25%
सूचीब) कम्पनियों के इक्विटी शेयर	0.26%	0.00%	0.00%	0.00%
संपत्ति	0.00%	0.00%	0.00%	0.00%
विशेष जमा योजनाएं	8.80%	0.00%	11.00%	0.00%
निर्गमकर्ता द्वारा चलाई गई निधियाँ	35.89%	37.62%	31.00%	30.05%
अन्य बैंक जमाराशियां और जमा प्रमाणपत्र (सीडी)	13.35%	12.46%	17.00%	15.15%
जोड़	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**

तालिका XI-आगामी वर्ष के दौरान एंटरप्राईज़ के अंशदान का श्रेष्ठतम अनुमान

	पेंशन (निधिक)		**उपदान (निधिक)**	
	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
आगामी वर्ष के दौरान बैंक का श्रेष्ठतम अंशदान का अनुमान	620.00	1600.00	190.00	300.00

तालिका XII अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ (गैर निधिक)

विवरण	**आकस्मिक छुट्टी सहित बीमारी की छुट्टी (गैर निधिक)**		**एलएफसी (गैर निधिक)**		**सिलवर जुबली बोनस (गैर निधिक)**	
	31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
दायित्व का वर्तमान मूल्य	73.92	63.39	211.59	201.41	8.06	13.52
संक्रमणशील देयता का प्रारम्भिक शेष	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान मान्य संक्रमणशील देयता	-	-	-	-	-	-
संक्रमणशील देयता का इतिशेष	-	-	-	-	-	-
तुलनपत्र में मान्य देयता	**73.92**	**63.39**	**211.59**	**201.41**	**8.06**	**13.52**

Experience Adjustments in Plan Liabilities -(loss) / Gain	2,060.78	(122.81)	(9.91)	(145.02)	(24.86)	(616.21)
Experience Adjustments in Plan Assets (loss) / gain	**(336.56)**	**(333.38)**	**(23.03)**	**(50.47)**	**-**	**-**

TABLE X -Major Categories of Plan Assets (as percentage of Total Plan Assets)

(In Percentage)

	PENSION		**GRATUITY**	
	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
Government Of India Securites	6.74%	8.66%	11.00%	14.05%
State Govt Securities	26.59%	30.68%	26.00%	32.50%
High Quality Corporate Bonds	8.37%	10.58%	4.00%	8.25%
Equity Shares of listed companies	0.26%	0.00%	0.00%	0.00%
Property	0.00%	0.00%	0.00%	0.00%
Special deposit scheme	8.80%	0.00%	11.00%	0.00%
Funds managed by Insurer	35.89%	37.62%	31.00%	30.05%
Other- Bank Deposits and CDs	13.35%	12.46%	17.00%	15.15%
TOTAL	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**

TABLE XI - ENTERPRISE'S BEST ESTIMATE OF CONTRIBUTION DURING NEXT YEAR

	PENSION (Funded)		**GRATUITY (Funded)**	
	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
Bank's best estimate of Contribution during next year	620.00	1600.00	190.00	300.00

TABLE XII- Other Long Term employee benefits (Unfunded)

Particulars	**Sick & Un Casual leave (Unfunded)**		**Leave Fare availed concession leave (unfunded)**		**Silver Jubiliee Bonus (unfunded)**	
	31.03.19	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**	**31.03.19**	**31.03.18**
Present Value of Obligation	73.92	63.39	211.59	201.41	8.06	13.52
Opening Balance of Transitional Liability	-	-	-	-	-	-
Transitional Liability recogized in the year	-	-	-	-	-	-
Closing Balance Of Transitional Liability	-	-	-	-	-	-
Liabity Recognized in balance Sheet	**73.92**	**63.39**	**211.59**	**201.41**	**8.06**	**13.52**

विवरण	धारणा का आधार
बट्टा दर	संशोधित दायित्वों की अनुमानित शर्तों के अनुरुप सरकारी बंध पत्रें (एबीआग्रएल द्वारा प्रकाशित) पर तुलनपत्र की तिथि को बाज़ार प्राप्तियों के अनुसार बट्टा दर निर्धारित की गयी है ।
योजना आस्तियों पर प्रतिफल की संभावित दर	यह माना जाता है कि संबंधित योजना परिसंपत्तियों पर पेंशन और उपदान प्रति वर्ष 7.80% और 7.05% होगा।
वेतनवृद्धि दर (एसईआर)	आईबीए द्वारा प्रदान किए गए व्यापक मार्गदर्शन के आधार पर, बैंक के लिए एसईआर 6% (मूल वेतन वृद्धि) 2.8% और डीए 6% प्रति वर्ष 6% लगभग वृद्धि के साथ कुल वृद्धि के साथ लिया गया है।)
ह्रास दर	पिछले अनुभव और स्वैच्छिक आहरण से संबंधित भविष्य के अनुभव के संदर्भ में ह्रास दर 1% निर्धारित की गयी है।

* RBI ने अपने पत्र DBR.No.BP.BC9730 / 21.04.18 / 2017-18 दिनांक 27 अप्रैल, 2018 के माध्यम से पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट 1972 के तहत 29.03.2018 से 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के साथ शुरू होने वाले चार तिमाहियों में बैंकों को ग्रेच्युटी सीमा में ₹10.00 लाख से रू. 20.00 लाख तक वृद्धि के कारण अतिरिक्त देयता का विकल्प दिया गया है। बैंक ने विकल्प का इस्तेमाल करते हुए 31 मार्च, 2018 की तिमाही के दौरान रू. 63.45 करोड़ का शुल्क लगाया और रू. 190.00 करोड़ का भुगतान किया। चालू वित्तीय वर्ष में 190.00 करोड़ रुपये की उक्त राशि को मान्यता दी गई है। तदनुसार, ग्रेच्युटी के लिए तुलनात्मक संख्या को तालिका VI, VII और VIII में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत सीमा तक समायोजित किया गया है।

परिभाषित अंशदान योजना:

बैंक ने अंशदान योजना परिभाषित की है जोकि 1.04.2010 को या उसके बाद ज्वाय्रन करने वाले सभी श्रेणियों के कर्मचारियों पर लागू होता है। यह योजना पेंशन फंड रेगुलेटरी व विकास प्राधिकरण के संरक्षण के अंतर्गत एनपीएस ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित है। एनपीएस के लिए राष्ट्रीय सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लि. को केन्द्रीय रिकार्ड कीपिंग एजेंसी नियुक्त किया गया है।

अंशदान का विवरण निम्नानुसार है: -

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान= ₹327.10 करोड़ (बैंक + कर्मचारी का योगदान)

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान = ₹285.45करोड़ (बैंक + कर्मचारी का योगदान)

16. 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु खंडवार सूचना

(राशि रुपए करोड़ में)

भाग क : कारोबार खंड			
क्र सं	**विवरण**	**समाप्त वर्ष** 31.03.2019 **(लेखापरीक्षित)**	**समाप्त वर्ष** 31.03.2018 **(लेखापरीक्षित)**
i.	**खंडवार राजस्व**		
	क) ट्रेज़री	17026.49	19101.90

Particulars	Basis of assumption
Discount Rate	Discount Rate has been determined by reference to market yields at the balance Sheet date on Government bonds (published by FBIL) of term consistent with currency and estimated term of the obligations.
Expected Rate of Return on Plan Assets	It is assumed that return on the plan assets pertaining to the pension and gratuity fund will be 7.80% and 7.05% pa respectively.
Salary Escalation Rate (SER)	Based on the broad guidance provided by IBA, SER for the bank has been taken at 6 % (Basic Pay increase of 2.8% and DA increase of 6% pa approx with overall salary escalation of 6% approx.)
Attrition Rate	Attrition rate is assumed at 1% taken with reference to past experience and expected future experience related to voluntary withdrawals.

* RBI vide its communication DBR.No.BP.BC.9730/21.04.18 /2017-18 dated April 27, 2018 has given the option to Banks to spread additional liability on account of enhancement in gratuity limits from ₹ 10.00 lakhs to ₹ 20.00 lakhs from 29.03.2018 under the Payment of Gratuity Act 1972, over four quarters beginning with the quarter ended March 31, 2018. The bank exercised the option and charged ₹ 63.45 crores during the quarter March 31, 2018 and deferred ₹ 190.00 crores to the ensuing financial year. The said amount of ₹ 190.00 crores has been recognized in the current financial year. Accordingly, the comparitive numbers for Gratuity has been adjusted to the extent permitted by RBI in Table VI, VII & VIII.

Defined Contribution Plans:-

“The Bank has Defined Contribution Plan applicable to all categories of employees joining the Bank on or after 01.04.2010. The scheme is managed by NPS trust under the aegis of the pension Fund Regulatory and Development Authority. National Securities Depository Limited has been appointed as the Central Record Keeping Agency for the NPS.

The details of contribution is as under:-

During the FY 2018-19 = ₹327.10Crores (Bank + Employee contribution)

During the FY 2017-18 = ₹285.45Crores (Bank + Employee contribution)

16. Segment reporting for the period ended 31st March 2019

(₹ in crore)

PART A: BUSINESS SEGMENTS			
Sl. No.	**Particulars**	**YEAR ENDED 31.03.2019 (Audited)**	**YEAR ENDED 31.03.2018 (Audited)**
i.	**Segment Revenue**		
	a) Treasury	17026.49	19101.90

	ख) कॉर्पोरेट/ होलसेल बैंकिग	21095.29	17196.42
	ग) रिटेल बैंकिग	19053.49	19078.07
	घ) अन्य बैंकिग परिचालन	1512.39	1500.24
	जोड़	**58687.66**	**56876.63**
ii.	**खंडवार परिणाम**		
	क) ट्रेज़री	3758.08	4474.83
	ख) कॉर्पोरेट/ होलसेल बैंकिग	-19392.93	-22337.09
	ग) रिटेल बैंकिग	1879.42	249.20
	घ) अन्य बैंकिग परिचालन	346.05	237.98
	जोड़	**-13409.38**	**-17375.08**
iii.	गैर आबंटित व्यय	1936.39	2200.00
iv.	परिचालन लाभ	12995.24	10294.20
v.	कर हेतु प्रावधान	-5370.28	-7292.26
vi.	असाधारण मदें	0.00	0.00
vii.	शुद्ध लाभ	-9975.49	-12282.82
अन्य सूचना			
viii.	**खंडवार आस्तियाँ**		
	क) ट्रेज़री	218172.99	232493.98
	ख)कॉर्पोरेट/ होलसेल बैंकिग	350775.93	336408.00
	ग) रिटेल बैंकिग	156586.00	153683.72
	घ) अन्य बैंकिग परिचालन	22974.81	22529.20
	उप जोड़	**748509.73**	**745114.90**
	ड) गैर आबंटित आस्तियाँ	26439.73	20715.20
	कुल आस्तियाँ	**774949.46**	**765830.10**
ix.	**खंडवार देयताएं**		
	क)ट्रेज़री	212823.19	226138.86
	ख) कॉर्पोरेट/ होलसेल बैंकिग	342174.59	327212.45
	ग) रिटेल बैंकिग	152746.37	149482.85
	घ)अन्य बैंकिग परिचालन	22411.44	21913.38
	उप जोड़	**730155.59**	**724747.54**
	ड़) गैर आबंटित देयताएं	6.74	8.26
	कुल देयताएं	**730162.33**	**724755.80**

	b) Corporate/Wholesale Banking	21095.29	17196.42
	c) Retail Banking	19053.49	19078.07
	d) Other Banking Operations	1512.39	1500.24
	Total	**58687.66**	**56876.63**
ii.	**Segment Results**		
	a) Treasury	3758.08	4474.83
	b)Corporate/Wholesale Banking	-19392.93	-22337.09
	c) Retail Banking	1879.42	249.20
	d) Other Banking Operations	346.05	237.98
	Total	**-13409.38**	**-17375.08**
iii.	Unallocated Expenses	1936.39	2200.00
iv.	Operating Profit	12995.24	10294.20
v.	Provision for Tax	-5370.28	-7292.26
vi.	Extraordinary Items	0.00	0.00
vii.	Net Profit	-9975.49	-12282.82
Other Information:			
viii.	**Segment Assets**		
	a)Treasury	218172.99	232493.98
	b)Corporate/Wholesale Banking	350775.93	336408.00
	c) Retail Banking	156586.00	153683.72
	d) Other Banking Operations	22974.81	22529.20
	Sub Total	**748509.73**	**745114.90**
	e) Unallocated Assets	26439.73	20715.20
	Total Assets	**774949.46**	**765830.10**
ix.	**Segment Liabilities**		
	a) Treasury	212823.19	226138.86
	b) Corporate/Wholesale Banking	342174.59	327212.45
	c) Retail Banking	152746.37	149482.85
	d) Other Banking Operations	22411.44	21913.38
	Sub Total	**730155.59**	**724747.54**
	e) Unallocated Liabilities	6.74	8.26
	Total Liabilities	**730162.33**	**724755.80**

भाग ख : भौगोलिक खंड

क्र. सं.	विवरण	समाप्त वर्ष	समाप्त वर्ष
		31.03.2019 (लेखापरीक्षित)	31.03.2018 (लेखापरीक्षित)
1. राजस्व			
	क) घरेलू	57034.78	54875.61
	ख) अंतर्राष्ट्रीय	1652.88	2001.02
	कुल	**58687.66**	**56876.63**
2.	आस्तियां		
	क) घरेलू	732904.16	687440.09
	ख) अंतर्राष्ट्रीय	42045.30	78390.01
	कुल	**774949.46**	**765830.10**

नोट :

1. खंडवार देयताओं को उनकी सम्बद्ध खंडवार आस्तियों के अनुपात में आबंटित किया गया है ।

2 पिछली अवधि के आंकड़ों की आवश्यकतानुसार पुनः समूहन/पुर्नवर्गीकरण किया गया है ताकि उन्हें तुलनीय बनाया जा सके ।

17. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी संशोधित लेखा मानक – 18 के अनुसार प्रकटीकरण

संबंधित पार्टियों के नाम तथा बैंक के साथ उनके संबंध

मुख्य प्रबंधन कार्मिक :

i) श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

ii) श्री के वी ब्रह्माजी राव, कार्यपालक निदेशक, 18.01.2019 तक रहे (निदेशक की अवधि समाप्त)

iii) श्री संजीव शरण, कार्यपालक निदेशक, 18.01.2019 तक रहे (निदेशक की अवधि समाप्त)

iv) श्री एल.वी.प्रभाकर, कार्यपालक निदेशक

v) श्री अज्ञेय कुमार आज़ाद, कार्यपालक निदेशक, दिनांक 22.01.2019 से कार्यरत

अनुषंगियां :

i) पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड

ii) पीएनबी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड्

iii) पीएनबी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्रा.लि.'

iv) पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड, यू.के.

v) ड्रुक पीएनबी बैंक लिमिटेड भूटान

*कंपनी को बंद करने के कदम उठाये जा रहे हैं, क्योंकि कंपनी द्वारा 14.02.2011 को लाइसेंस सरेंडर कर दिया गया है।

सहयोगी संस्थाएं

i) प्रिसिपल पीएनबी असेट मैनेजमेंट कम्पनी प्रा.लि. (स्टेक का विक्रय 24.08.2018 को कर दिया गया)

ii) प्रिसिपल ट्रस्टी कम्पनी प्रा.लि. (स्टेक का विक्रय 24.08.2019 को कर दिया गया)

iii) पीएनबी हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड

Part B – GEOGRAPHICAL SEGMENTS

Sl. No	Particulars	YEAR ENDED	YEAR ENDED
		31.03.2019 (Audited)	31.03.2018 (Audited)
1. Revenue			
	a) Domestic	57034.78	54875.61
	b) International	1652.88	2001.02
	Total	**58687.66**	**56876.63**
2. Assets			
	a) Domestic	732904.16	687440.09
	b) International	42045.30	78390.01
	Total	**774949.46**	**765830.10**

Note:

1. Segment Liabilities are distributed in the ratio of their respective Segment Assets.

2. Figures of the previous period have been re-grouped /re-classified wherever necessary to make them comparable.

17. Disclosure of Related Parties as per AS –18 issued by ICAI

Names of the related parties and their relationship with the Bank:

Key Management Personnel:

i) Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO

ii) Shri K. Veera Brahmaji Rao, Executive Director, Remained upto 18.01.2019 (ceased to be Director)

iii) Shri Sanjiv Saran, Executive Director, Remained upto 18.01.2019 (ceased to be Director)

iv) Shri Lingam Venkata Prabhakar, Executive Director,

v) Shri Agyey Kumar Azad, Executive Director, w.e.f. 22.01.2019

Subsidiaries:

i) PNB Gilts Ltd.

ii) PNB Investment Services Ltd.

iii) PNB Insurance Broking Pvt Ltd*.

iv) Punjab National Bank (International) Ltd., UK.

v) Druk PNB Bank Ltd, Bhutan.

*Steps are being taken for winding up of the company as the license has already been surrendered on 14.02.2011.

Associates:

i) Principal PNB Asset Management Company Pvt. Ltd (Stake sold on 24.08.2018)

ii) Principal Trustee Company Private Limited (Stake sold on 24.08.2018)

iii) PNB Housing Finance Ltd.

iv) पीएनबी मेटलाइफ इंडिया एंश्योरेंस कं. लि.

v) जेएससी (टेंगडी बैंक) अल्माती, कजाकि़स्तान

vi) मध्य बिहार ग्रामीण बैंक, पटना' 31.12.2018 तक

vii) दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, पटना' 01.01.2019 से प्रभावी

viii) सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, रोहतक

ix). हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक,मण्डी

x) पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला***

ixi. सर्व यूपी ग्रामीण बैंक, मेरठ

*मध्य बिहार ग्रामीण बैंक 31.12.2018 तक अस्तित्व में रहा।

**मध्य बिहार ग्रामीण बैंक के साथ बिहार ग्रामीण बैंक के समामेलन के बाद अधिसूचना सं 5014 दिनांक 21.12.2018 के माध्यम से दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक 01.01.2019 से अस्तित्व में आया।

***इसी प्रकार, पंजाब राज्य में, भारत सरकार की अधिसूचना सं. 5015 दिनांक 21.12.2018 के माध्यम से मालवा ग्रामीण बैंक और सतलुज ग्रामीण बैंक का समामेलन पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला के साथ 01.01.2019 को हुआ।

संयुक्त उद्यमः

i) एवरेस्ट बैंक लि., काठमांडू, नेपाल

iv) PNB Metlife India Insurance Company Ltd.

v) JSC (Tengri Bank) Almaty, Kazakhstan .

vi) Madhya Bihar Gramin Bank, Patna* up to 31.12.2018

vii) Dakshin Bihar Gramin Bank, Patna** w.e.f. 01.01.2019

viii) Sarva Haryana Gramin Bank, Rohtak.

ix) Himachal Pradesh Gramin Bank, Mandi.

x) Punjab Gramin Bank, Kapurthala***

xi) Sarva UP Gramin Bank, Meerut.

*Madhya Bihar Gramin bank remained in existence till 31.12.2018.

**After amalgamation of Bihar Gramin Bank with Madhya Bihar Gramin Bank vide Notification no. 5014 dated 21.12.2018, Dakshin Bihar Gramin Bank came into existence w.e.f. 01.01.2019.

***Similarly, In state of Punjab, Malwa Gramin Bank and Sutlej Gramin Bank got amalgamated with Punjab Gramin Bank, Kapurthala w.e.f. 01.01.2019 vide GOI notification no. 5015 dated 21.12.2018

Joint Venture:

i) Everest Bank Limited, Kathmandu, Nepal.

संबंधित पार्टियों के साथ लेन देन (रुपये लाखों में)

मदें/संबंधित पार्टी	मूल'' (स्वामित्व अथवा नियंत्रण के अनुसार)		अनुषंगियां ''		सहयोगी/संयुक्त उद्यम		मुख्य प्रबंधन कार्मिक		मुख्य प्रबंधन कार्मिक के रिश्तेदार		कुल	
	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि
पारिश्रमिक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	155.16	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	155.16	लागू नहीं
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	(149.15)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(149.15)	लागू नहीं
उधार	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	0	0	0	0	0	0	0	0
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
जमाराशि	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	374394.90	-	28.59	41.25	0.05	0.05	374423.54	41.30
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(186536.12)	-	(54.13)	(81.50)	(0.05)	(0.73)	(186590.30)	(82.23)
जमाराशियों का नियोजन	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-
अग्रिम	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	0	0	0	0	0	0	0	0
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
शेयर पूँजी में निवेश	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	88974.34	-	11.31	-	0.30	-	88985.95	-
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(93407.02)	_	(0.00)	-	(0.00)	-	(93407.02)	-
ऋण पत्रों में निवेश	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	-	-	-	-	-	
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	_	_	_	_	_	-	-
गैर निधिक प्रतिबद्धताएं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	_	_	--	--	--	--	--	--
ली गयी लीजिंग/एचपी व्यवस्था	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
दी गयी लीजिंग/एचपी व्यवस्था	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
अचल आस्तियों की खरीद	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
अचल आस्तियों की बिक्री	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
दी गयी लीजिंग/एचपी व्यवस्था	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
संदत्त ब्याज	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	5668.75	-	-	-	-	-	5668.75	-
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(4730.37)	_	_	_	_	_	(4730.37)	-
प्राप्त लाभांश	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	_	_	_	_	_	_	_	_
बैंक प्रभार	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	_	_	_	_	_	_	_	_
प्राप्त कमीशन	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	_	_	_	_	_	_	_	_
प्रबंधन संविदाएं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	_	_	_	_	_	_	_	_
प्राप्त लाभांश	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	7405.23	-	-	-	-	-	7405.23	--
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	--	_	-	-	-	-	--	-
बैंक प्रभार					_	_	_	_	_	_	_	_
प्राप्त कमीशन					_	_	_	_	_	_	_	_

''अनुषंगियों और कुछ सहयोगी संस्थाओं के साथ हुए लेनदेन का प्रकटीकरण लेखा मानक – 18 '' सम्बन्धित पार्टी प्रकटीकरण'' के पैरा 9 के मद्देनजर नहीं किया गया है जो राज्य द्वारा नियंत्रित उद्यमों को उनकी ऐसी अन्य सम्बन्धित पार्टियों से लेनदेन में से किसी से सम्बन्धित सूचना देने से छूट देता है जो राज्य द्वारा नियंत्रित हों ।

Transactions with Related Parties **(₹ in Lacs)**

Items/ Related Party	Parent** (as per ownership or control)		Subsidiaries**		Associates/ Joint ventures		Key Management Personnel		Relatives of Key Management Personnel		Total	
	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding
Remuneration	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	155.16	NA	NA	NA	155.16	NA
	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	(149.15)	NA	NA	NA	(149.15)	NA
Borrowings	N.A	N.A	N.A	N.A	0	0	0	0	0	0	0	0
	N.A	N.A	N.A	N.A	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
Deposits	N.A	N.A	N.A	N.A	374394.90	-	28.59	41.25	0.05	0.05	374423.54	41.30
	N.A	N.A	N.A	N.A	(186536.12)	-	(54.13)	(81.50)	(0.05)	(0.73)	(186590.30)	(82.23)
Placement of Deposits	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	-	-	-	-	-	-
	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	-	-	-	-	-	-
Advances	N.A	N.A	N.A	N.A	0	0	0	0	0	0	0	0
	N.A	N.A	N.A	N.A	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
Investments in share capital	N.A	N.A	N.A	N.A	88974.34	-	11.31	-	0.30	-	88985.95	-
	N.A	N.A	N.A	N.A	(93407.02)	_	(0.00)	-	(0.00)	-	(93407.02)	-
Investments in debentures	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	-	-	-	-	-	
	N.A	N.A	N.A	N.A	-	_	_	_	_	_	-	-
Non funded Commitments	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	--	--	--	--	--	--
Leasing/ HP arrangements availed	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Leasing/ HP arrangements provided	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Purchase of fixed assets	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sale of Fixed Assets	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Leasing/ HP arrangements availed	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Interest paid	N.A	N.A	N.A	N.A	5668.75	-	-	-	-	-	5668.75	-
	N.A	N.A	N.A	N.A	(4730.37)	_	_	_	_	_	(4730.37)	-
Interest received	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Receiving of Services	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Rendering of Services	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Management contracts	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Dividend received	N.A	N.A	N.A	N.A	7405.23	-	-	-	-	-	7405.23	--
	N.A	N.A	N.A	N.A	--	_	-	-	-	-	--	-
Bank Charges					_	_	_	_	_	_	_	_
Commission Received					–	–	–	–	–	–	–	–

**The transactions with the subsidiaries and certain associates have not been disclosed in view of para-9 of AS-18 'Related Party Disclosure', which exempts state controlled enterprises from making any disclosures pertaining to their transactions with other related parties, which are also state controlled.

18. लेखा मानक 19 : लीज का लेखा

वित्तीय और परिचालन लीज:

बैंक ने वित्तीय लीज के किसी भी लेनदेन में प्रवेश नहीं किया है। आपेरेटिंग लीज में मुख्य रूप से कार्यालय परिसर शामिल होते हैं, जो बैंक के विकल्प में नवीनीकृत होते हैं। आपेरेटिंग लीज पर ली गई आस्तियों के लिए लीज भुगतान को लाभ और हानि खाते में व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त है।

19. लेखा मानक 20 : प्रति शेयर अर्जन

क्र. सं.	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
क	ईपीएस-मूल /तनुकृत'(रुपये में) (गैर वार्षिकृत)	-30.94	- 55.39
ख	कर के पश्चात् गणक के रूप में उपयोग की गई राशि पर लाभ/हानि (रु0 हजार में)	-99754860	- 122828202
ग	शेयरों का अंकित मूल्य	₹2.00 each	₹2.00 each
घ	मूल्यवर्ग के रूप में उपयोग किए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	3223964730	2217358150

20. (i) लेखा मानक - 22 : आय पर करों के संबंध में लेखांकन

बैंक ने लेखा नीति संख्या 10 के अनुसार आस्थगित कर आस्तियों तथा देयताओं की पहचान की है जिसके प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं :

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	31.03.2019 की स्थिति	31.03.2018 की स्थिति
आस्थगित कर आस्तियाँ		
छुटी नकदीकरण के लिए प्रावधान	718.47	721.27
पेंशन व उपदान के लिए प्रावधान	163.71	350.50
धारा 43बी के अंतर्गत सांविधिक दयता	0.00	0.00
अशोध्य और संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	17852.67	11788.71
कर योग्य नुकसान (आगे ले जाया गया)	283.87	1364.31
जोड़	**19018.72**	**14224.79**
आस्थगित कर देयताएं		
अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास	-65.87	-6.85
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अंतर्गत कटौती	504.49	499.73
गैर उधार धोखाधड़ी (पी/एल में डेबिट नहीं किया गया लेकिन आईटीआर में दावा किया गया)	0.00	517.16
जोड़	**438.62**	**1010.04**
आस्थगित कर आस्तियाँ (शुद्ध)	**18580.10**	**13214.75**

18. **AS – 19 Accounting Of Lease**

Financial and Operating Lease:

The Bank has not entered into any transaction of Financial Lease. Operating Lease primarily comprises of office premises, which are renewal at the option of the Bank. Lease payment for assets taken on operating lease is recognized as an expense in the Profit and Loss Account.

19. **AS 20 - Earnings Per Share**

Sl. No.	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
A	EPS - Basic / Diluted (in ₹) (Non Annualized)	-30.94	- 55.39
B	Amount used as numerator Profit/(Loss) after tax (₹ in '000)	-99754860	- 122828202
C	Nominal value of share	₹2.00 each	₹2.00 each
D	Weighted average number of equity shares used as the denominator	3223964730	2217358150

20. **(i) AS 22- Accounting for taxes on Income**

The Bank has recognized deferred tax assets and liability as per accounting policy no. 10. Major components of which are set out below:

(₹ in Crores)

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Deferred Tax Assets		
Provision for Leave encashment	718.47	721.27
Provision for Pension & Gratuity	163.71	350.50
Statutory Liability u/s 43B	0.00	0.00
Provision for bad & doubtful debts	17852.67	11788.71
Taxable loss (carried forward)	283.87	1364.31
Total	**19018.72**	**14224.79**
Deferred Tax Liabilities		
Depreciation on fixed assets	-65.87	-6.85
Deduction u/s 36(1) (viii) of Income Tax Act 1961	504.49	499.73
Non Borrowal Fraud (not debited in P/L but claimed in ITR)	0.00	517.16
Total	**438.62**	**1010.04**
Deferred Tax Assets (Net)	**18580.10**	**13214.75**

वर्ष 2018-19 के लिए रुपये (रु.7113.72 करोड़) 5365.35 करोड़ की आस्थगित कर आस्तियाँ लाभ व हानि खाते में जमा की गई हैं ।

(ii) वर्तमान कर: वर्ष के दौरान बैंक ने वर्तमान कर कर के लिए लाभ और हानि खाते से रु.17.15 करोड़ (पिछले वर्ष रु.-71.15 करोड़) डेबिट किया है। भारत में वर्तमान कर की गणना विदेशी अधिकार क्षेत्र पर भुगतान किए गए करों के लिए उचित राहत लेने के बाद आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार की गई है।

21. लेखा मानक 23 : समेकित वित्तीय विवरणों में एसोसिएट्स में निवेशों के लिए लेखांकन

चूँकि बैंक की अपनी सहयोगी संस्थाओं में भागीदारी प्रकृति का निवेश है और बैंक को उनकी गतिविधियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने का अधिकार है, अत: बैंक की समेकित वित्तीय विवरणियों में ऐसे निवेशों को मान्यता दी गई है।

22. लेखा मानक 24 : परिचालन अवरुद्ध होना

दिनांक 01.04.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान बैंक ने अपनी किसी भी शाखा का परिचालन अवरुद्ध नहीं किया है जिसके परिणामस्वरूप देयताओं की शैडिंग और आस्तियों का भुगतान हुआ तथा किसी परिचालन को सम्पूर्ण रूप से समाप्त करने का ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है जिससे उक्त प्रभाव पड़े।

23. लेखा मानक 28 आस्तियों की अपसामान्यता

बैंक की आस्तियों में पर्याप्त हिस्सा वित्तीय आस्तियों का है जिनपर लेखा मानक 28 आस्तियों की अपसामान्यता लागू नहीं है । बैंक की राय में इन आस्तियों (जिन पर मानक लागू होता है) की उक्त मानक की शर्त के अधीन अपेक्षित पहचान के लिए 31.03.2019 को किसी महत्वपूर्ण सीमा तक अपसामान्यता नहीं है।

24 लेखा मानक 29 : प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियाँ :

i) देयताओं के लिए प्रावधानों में उतार-चढ़ाव'

(रुपये करोड़ में)

विवरण	**वेतन बकाया**	**कानूनी मामले/ आकस्मिकताएं**
1 अप्रैल, 2018 को शेष	362.59	25.70
	(7.10)	(24.36)
अवधि के दौरान उपलब्ध कराए गए	370.24	1.89
	(355.55)	(3.20)
अवधि के दौरान प्रयुक्त राशियां	0.00	0.00
	(0.06)	(0.28)
अवधि के दौरान रिवर्स	19.11	2.58
	(0.00)	(1.58)
31 मार्च 2019 को शेष	**713.72**	**25.01**
	(362.59)	**(25.70)**
बहिर्वाह / अनिश्चय का समय	वास्तविक भुगतान पर	निपटान/ क्रिस्टलाइजेशन पर बहिर्वाह
	(वास्तविक भुगतान पर)	(निपटान/ क्रिस्टलाइजेशन पर बहिर्वाह)

*अन्य के लिए प्रावधान को छोड़कर

The deferred tax assets ₹5365.35Crore for FY 2018-19 (₹ 7113.72Crore) is credited to Profit and Loss Account.

(ii) Current Tax: During the year the bank has debited to Profit & Loss Account ₹17.15Crores (Previous Year ₹-71.15Crores) on account of current tax. The current Tax in India has been calculated in accordance with the provisions of Income Tax Act 1961 after taking appropriate relief for taxes paid on foreign jurisdiction.

21. AS 23- Accounting for Investments in Associates in Consolidated financial Statements

Since Investments of the bank in its Associates are participative in nature and the Bank having the power to exercise significant influence on their activities, such Investments are recognized in the Consolidated Financial Statements of the Bank.

22. AS 24 - Discontinuing Operations

During the period from 01.04.2018 to 31.03.2019, the bank has not discontinued operations of any of its branches, which resulted in shedding of liability and realization of the assets and no decision has been finalized to discontinue an operation in its entirety which will have the above effect.

23. AS 28 – Impairment of Assets

A substantial portion of the bank's assets comprises 'financial assets' to which Accounting Standard 28 'Impairment of Assets' is Not Applicable. In the opinion of the bank, there is no impairment of its assets (to which the standard applies) to any material extent as at 31.03.2019 requiring recognition in terms of the said standard.

24. AS-29 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

i) Movement of provisions for liabilities*

(₹ in Crore)

Particulars	**Salary arrears**	**Legal cases/ contingencies**
Balance as at 1st April 2018	362.59	25.70
	(7.10)	(24.36)
Provided during the period	370.24	1.89
	(355.55)	(3.20)
Amounts used during the period	0.00	0.00
	(0.06)	(0.28)
Reversed during the period	19.11	2.58
	(0.00)	(1.58)
Balance as at 31.03.2019	**713.72**	**25.01**
	(362.59)	**(25.70)**
Timing of outflow/ uncertainties	On actual Payment	Outflow on settlement / crystallization
	(On actual Payment)	(Outflow on settlement / crystallization)

*Excluding provisions for others

ii) **आकस्मिक देयताओं पर अनुसूची - 12 देखें :**

क्रम संख्या (I), (II), (III), (IV), (V), (VI) की ऐसी देयताएं अदालत / पंचाट /अदालती समझौतों के निष्कर्षो, अपीलों की निपटान, मांगी जा रही राशि, संविदागत दायित्वों की शर्तों, सम्बध्द पार्टियों द्वारा की गयी माँगों पर क्रमशः आश्रित हैं ।

25. **लाभ व हानि खाते में व्यय शीर्ष के अन्तर्गत दर्शाये गये ''प्रावधान व आकस्मिकताएं'' का विवरण निम्नलिखित है :**

(रुपये करोड़ में)

विवरण			31.03.2019	31.03.2018
निवेशों पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान (शुद्ध)			1640.95	2027.15
अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान (शुद्ध)			24434.59	24452.73
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान			436.26	-1506.96
आयकर के लिए प्रावधान (एफबीटी और धनकर सहित)			-5370.28	-7292.26
अन्य प्रावधान और आकस्मिकताएं:			1829.21	4896.36
विवरण :	**31.03.2019**	**31.03.2018**		
स्टैण्डर्ड रिस्ट्रक्चर्ड	-196.40	-641.21		
एससी/आरसी को विक्रय	0.00	203.89		
बटे खाते में डाले गए और अन्य	2003.09	5382.68		
अर्सिल को विक्रय	54.60	0.00		
रिस्ट्रक्चर्ड सीडीआर-एफआईटीएल	-32.08	-49.00		
जोड़			**22970.73**	**22577.02**

26. **फ्लोटिंग प्रावधानों का विवरण निम्नलिखित है :**

(रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
प्रारम्भिक शेष	360.25	360.25
वर्ष के दौरान किए गए फ्लोटिंग प्रावधानों की राशि	NIL	NIL
वर्ष के दौरान आहरण द्वारा की गई कमी ड्रा डाऊन की राशि और उद्देश्य	NIL	NIL
इतिशेष	**360.25**	**360.25**

ii) Refer Schedule-12 on contingent liabilities

Such liabilities at S.No.(I), (II), (III), (IV), (V) & (VI) are dependent upon the outcome of Court / arbitration / out of court settlement, disposal of appeals, the amount being called up, terms of contractual obligations, devolvement and raising of demand by concerned parties, respectively.

25. **Break up of "Provisions and Contingencies" shown under the head Expenditure in Profit and Loss Account is as follows:**

(₹ in Crore)

Particulars			31.03.2019	31.03.2018
Provisions for depreciation on investment (net)			1640.95	2027.15
Provision towards NPAs (net)			24434.59	24452.73
Provision towards Standard Assets			436.26	-1506.96
Provision made towards Income Tax (including Fringe Benefit Tax & Wealth Tax)			-5370.28	-7292.26
Other Provision and Contingencies			1829.21	4896.36
Detail:	**31.03.2019**	**31.03.2018**		
Standard Restructured	-196.40	-641.21		
Sale to SC/ RC	0.00	203.89		
Written off & others	2003.09	5382.68		
Sale to Arcil	54.60	0.00		
Restructured CDR-FITL	-32.08	-49.00		
Total			**22970.73**	**22577.02**

26. Break-up of Floating Provisions is as follows:

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Opening balance	360.25	360.25
Quantum of floating provisions made during the year	NIL	NIL
Purpose and amount of draw down made during the year	NIL	NIL
Closing balance	**360.25**	**360.25**

27. प्रारक्षित निधि से राशि निकालना:

(रुपये करोड़ में)

क्रम सं	प्रारक्षित निधि	निकाली गग्र राशि	उद्देश्य
1	अन्य प्रारक्षित (ब्लोक्ड खाता)	शून्य	मार्च 2019 (01.04.2018 से 31.03.2019 तक) को समाप्त अवधि के दौरान इंटर ब्रांच क्रेडिट प्रविष्टियों के निमित्त, ब्लोक्ड और सामान्य आरक्षित को अंतरित कोई भी दावा प्राप्त नहीं हुआ है
2	पुनर्मूल्यन प्रारक्षित	101.59 (66.71)	आस्तियों के पुनर्मूल्यांकन अधिशेष को निपटाया गया और पुनर्मुल्यांकित हिस्से पर मूल्यह्रास को राजस्व आरक्षित को अंतरित किया गया
3.	सांविधिक आरक्षित	451.87 (0.00)	अतिरिक्त एटी1 बांड्स के लिए कूपन भुगतान

28. एटीएम से संबंधित ग्राहको की शिकायतों सहित बैंकिंग लोकपाल के अधिनिर्णयों क्रियांवित न करने के संबंध में प्रकटीकरण:

क. ग्राहक शिकायतें

	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
(क)	वर्ष के आरम्भ में लम्बित शिकायतों की संख्या	84099	15564
(ख)	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	1993427	1355483
(ग)	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	2046096	1286948
(घ)	वर्ष के अंत में लम्बित शिकायतों की संख्या	31430	84099

ख. बैंकिंग लोकपाल द्वारा दिए गए अधिनिर्णय:

	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
(क)	वर्ष के आरम्भ में लागू न किए गए अधिनिर्णयों की संख्या	2	शुन्य
(ख)	वर्ष के दौरान बैंकिंग लोकपाल द्वारा पारित अधिनिर्णयों की संख्या	7	3
(ग)	वर्ष के दौरान लागू किए गए अधिनिर्णयों की संख्या	4	1
(घ)	वर्ष के अंत में लागू न किए गए अधिनिर्णयों की संख्या''	4*	2

'पहले अवार्ड के मामले में, शिकायतकर्ता द्वारा अवार्ड को सहमति नहीं दी गई होई बीओ, योजना, 2006 के अनुसार, यह अवार्ड समाप्त हो जाएगा और उसका कोई प्रभाव नहीं होगा जब तक कि शिकायतकर्ता अवार्ड के प्राप्ति की तिथि से 30 दिनों के अंतर्गत बैंक में प्रस्तुत न करे, अवार्ड की सहमति का पत्र जिसमे पूर्ण व् अंतिम निपटान का दावा हो।

'' दुसरे मामले में जिसमे पिछले वर्षो में अपील फाईल की गई हो और वो अपील 31.03.2019 को बकाया हो तथा दो अन्य मामलो में वर्त्तमान वर्ष में अपील फाईल की गई हो।

27. **Draw Down from Reserves:**

(₹ in crore)

Sr. No.	Reserves	Amount drawn	Purpose
1	Other Reserves (Blocked Account)	NIL (NIL)	No claim has been received during the period ended March 2019 (01.04.2018 to 31.03.2019) against Inter Branch Credit entries, Blocked and transferred to General Reserve .
2	Revaluation reserves	101.59 (66.71)	Revaluation surplus of Assets disposed off and Depreciation on revalued portion transferred to Revenue Reserve.
3.	Statutory Reserve	451.87 (0.00)	Coupon Payment for Additional AT1 Bonds

28. **Disclosure of complaints and unimplemented awards of Banking Ombudsman including customer complaints pertaining to ATM.**

a. **Customer Complaints:-**

	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
(a)	No. of complaints pending at the beginning of the year	84099	15564
(b)	No. of complaints received during the year	1993427	1355483
(c)	No. of complaints redressed during the year	2046096	1286948
(d)	No. of complaints pending at the end of year	31430	84099

b. **Awards passed by the Banking Ombudsman:-**

	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
(a)	No. of unimplemented Awards at the beginning of the year	2	NIL
(b)	No. of Awards passed by the Banking Ombudsman during the year	7	3
(c)	No. of Awards implemented during the year	4	1
(d)	No. of unimplemented Awards at the end of year**	4*	2

*In case of 1 award acceptance of award not given by complainant. As per clause 12(8) of BO, scheme 2006, the award shall lapse and be of no effect unless the complainant furnishes to the bank within 30 days from the date of receipt of copy of the award, a letter of acceptance of the award in full and final settlement of the claim.

**In 2 cases in which appeals were filed in the earlier years, appeals are still pending as on 31.03.2019 and in 2 other cases appeals have been filed during the current year.

29. बैंक ने यूनाइटेड किंगडम में प्रूडेंसियल रेग्युलेशन अथोरिटी (पीआरए) को यू.के. स्थित अपनी अनुषंगी पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड के संबंध में एक चुकौती आश्वासन पत्र जारी किया है जिसमें इस बात का आश्वासन दिया गया था कि यदि पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड, यूके अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी न कर पाए तो बैंक उसे वित्तीय सहायता प्रदान करेगा ।

उक्त के अतिरिक्त बैंक द्वारा कोई आश्वासन पत्र जारी नहीं किया गया है अत:, आश्वासन पत्र के अंतर्गत कोई वित्तीय प्रतिबध्दता नहीं है।

यूके के रेगूलेटर, प्रूडेंशियल रेगूलेटरी अर्थोरिटी (पीआरए), ने दिनांक 02.09.2015 के पत्र के अनुसार बैंक को 'वाच लिस्ट' के अंतर्गत रखा है। परन्तु कोई विशेष पाबंदी या पैनल्टी नहीं है । पीएनबी ने 2 जून, 2017 को ताकि न्यूनतम नियामक पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में उक्त की सहायता के लिए यूएसडीलर 20 मिलियन की नई पूंजी दी है।

30. (i) बैंक द्वारा प्रारम्भ किए गए बैंक बीमा कारोबार के सम्बन्ध में प्रकटीकरण

(रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
वर्ष 31.03.2018/31.03.2019 समाप्त वर्ष के दौरान बैंक द्वारा किए गए बैंक एश्योरेंस कारोबार के संबंध में प्राप्त शुल्क/पारिश्रमिक का विवरण:		
(i) जीवन बीमा कारोबार	177.60	143.91
(ii) गैर जीवन बीमा कारोबार	51.44	35.71
(iii) म्युचुअल फंड कारोबार	3.43	6.44
जोड़	**232.47**	**186.06**

(ii) थर्ड पार्टी उत्पादों पर अर्जित कमीशन/प्रोत्साहन के संबंध में प्रकटीकरण:

(रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
अटल पेंशन योजना	1.84	0.43
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना	0.80	0.98
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	3.48	3.92
यूआईडीएआई-आधार	4.66	3.68

31. जमा राशियों, अग्रिमों, ऋण जोखिमों और अनर्जक आस्तियों का केन्द्रीकरण:

(क) जमा राशियों का केन्द्रीकरण:

(राशि रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
20 सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल जमा राशि	21810.32	31503.88
बैंक की कुल जमा राशि की तुलना में 20 सबसे बड़े जमाकर्ताओं की जमा राशि का %	3.23%	4.91%

29. The Bank has issued a Letter of Comfort to Prudential Regulation Authority (PRA), the regulator in United Kingdom, committing that the bank shall provide financial support to its subsidiary, Punjab National Bank (International) Ltd., UK so that it meets its financial commitments as and when they fall due.

Apart from the above, the Bank has not issued any Letter of Comfort and therefore there are no cumulative Financial obligations under Letter of Comfort.

The Prudential Regulatory Authority (PRA), regulator of UK, has vide its letter dated 02.09.2015 put the Bank under 'watch list'. There are no specific restrictions or penalties. PNB infused fresh capital of USD 20 million on 2nd June 2017 to help it to meet the minimum regulatory capital requirements.

30. (i) Disclosure in respect of Insurance Business undertaken by the bank:

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Details of fees/remuneration received in respect of Bancassurance Business undertaken by the bank during the year ended 31.03.2019/31.03.2018:		
(i) Life Insurance Business:	177.60	143.91
(ii) Non-life Insurance Business:	51.44	35.71
(iii) Mutual Fund Business	3.43	6.44
TOTAL	**232.47**	**186.06**

(ii) Disclosure in respect of Commission/Incentive earned on 3rd party Products:

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Atal Pension Yojna	1.84	0.43
Prime Minister Surakasha Bima Yojana	0.80	0.98
Prime Minister Jeevan Jyoti Bima Yojana	3.48	3.92
UIDAI-Aadhar	4.66	3.68

31. I. Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs:

(a) Concentration of Deposits:

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Total Deposits of twenty largest depositors	21810.32	31503.88
Percentage of Deposits of twenty largest depositors to Total Deposits of the bank	3.23%	4.91%

नोट: उपरोक्त जमा आंकड़ों में बैंक द्वारा रखी गई (इंटर बैंक) जमा शामिल नहीं है।

(ख) अग्रिमों का केन्द्रीकरण:

(राशि रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
20 सबसे बड़े ऋणियों/ग्राहकों के कुल अग्रिम	83649.35	93019.87
बैंक के ऋणियों/ग्राहकों के कुल अग्रिमों की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणियों/ग्राहकों के अग्रिमों का %	16.52%	19.73%

(ग) एक्सपोजर का केन्द्रीकरण:

(राशि रुपये करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
20 सबसे बड़े ऋणियों/ग्राहकों को दिया गया कुल एक्सपोजर	119894.72	103992.52
बैंक के कुल ऋण की तुलना में 20 सबसे बड़े ऋणियों/ग्राहकों को प्रदत्त एक्सपोजर का %	19.89%	17.56%

(घ) अनर्जक आस्तियों का केन्द्रीकरण:

(राशि रुपये करोड़ में)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
टॉप 4 एनपीए खातों में कुल ऋण	11820.57	14262.24

(ड) प्रावधानीकरण कवरेज अनुपात:

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
प्रावधानीकरण कवरेज अनुपात	74.50%	58.42%

II. क्षेत्रवार अग्रिम:

(राशि रुपये करोड़ में)

क्र. सं.	क्षेत्र	31.03.2019 तक			31.03.2018 तक		
		कुल बकाया अग्रिमें	सकल एनपीए	इन क्षेत्रोंमें कुल अग्रिमों मेंसे सकल एनपीए का प्रतिशत	कुल बकाया अग्रिमें	सकल एनपीए	इन क्षेत्रोंमें कुल अग्रिमों मेंसे सकल एनपीए का प्रतिशत
अ.	प्राथमिक क्षेत्र						
1.	कृषि एवं सहायक गतिविधियाँ	79827.14	11504.11	14.41	67838.47	8876.97	13.09
2.	प्राथमिक क्षेत्र के ऋणों के लिए पात्र औद्योगिक क्षेत्रों को अग्रीमें	19508.31	4247.54	21.77	68373.13	10951.11	16.02
3.	सेवाएं	59726.08	7657.92	12.82	13249.34	21.41	0.16
4.	व्यक्तिगत ऋण	16815.90	1140.99	6.79	15754.23	1142.63	7.25

Note: The above deposit figures not include (Inter Bank) deposit held by Bank.

(b) Concentration of Advances:

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Total Advances of twenty largest borrowers	83649.35	93019.87
Percentage of Advances of twenty largest borrowers to Total Advances of the bank	16.52%	19.73%

(c) Concentration of Exposures:

(₹in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Total Exposures of twenty largest borrowers/customers	119894.72	103992.52
Percentage of Exposures to twenty largest borrowers/customers to Total Exposures of the bank on borrowers/customers	19.89%	17.56%

(d) Concentration of NPAs:

(₹ in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Total Exposure to top four NPA accounts	11820.57	14262.24

(e) Provisioning Coverage Ratio:

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Provisioning Coverage Ratio	74.50%	58.42%

II. Sector-wise advances:

(₹ in Crore)

Sl. No.	Sector	As on 31.03.2019			As on 31.03.2018		
		Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	Outstanding Total Advances	Gross NPAs	Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
A	Priority Sector						
1.	Agriculture and allied activities	79827.14	11504.11	14.41	67838.47	8876.97	13.09
2.	Advances to industries sector eligible as priority sector lending	19508.31	4247.54	21.77	68373.13	10951.11	16.02
3.	Services	59726.08	7657.92	12.82	13249.34	21.41	0.16
4.	Personal loans	16815.90	1140.99	6.79	15754.23	1142.63	7.25

	उप-जोड़ (अ)	175877.43	24550.56	13.96	165215.17	20992.12	12.71
आ.	गैर प्राथमिक क्षेत्र						
1.	कृषि एवं सहायक गतिविधियाँ	20481.81	424.02	2.07	22170.24	1013.03	4.57
2.	इंडस्ट्री	122180.86	33100.20	27.09	76408.29	38094.03	49.86
3.	सेवाएं	125908.76	18600.22	14.77	160936.60	24794.42	15.41
4.	व्यक्तिगत ऋण	61745.44	1797.70	2.91	46566.30	1726.46	3.71
	उप-जोड़ (अ)	330316.87	53922.14	16.32	306081.43	65627.94	21.44
	कुलजोड़ (अ+आ)	506194.30	78472.70	15.50	471296.60	86620.05	18.38

III. अनर्जक आस्तियों में उतार-चढ़ाव:

(रु.करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
सकल अनर्जक आस्तियों की प्रारम्भिक अधिशेष	86620.05	55370.45
वर्ष के दौरान वृद्धि (नए एनपीए)	19904.11	44274.33
उप जोड़ (ए)	**106524.16**	**99644.78**
कमी :		
(i) अपग्रेडेशन	3633.29	1174.25
(ii) वसूली (अपग्रेड किए गए खातों से की गई वसूली को छोड़कर)	12164.91	4443.29
(iii) तकनीकी/प्रूडेंट राइट-ऑफ	12253.26	7407.19
(iv) उक्त (iii) को छोड़कर किया गया राइट-ऑफ	0.00	0.00
उप जोड़ (बी)	**28051.46**	**13024.73**
सकल अनर्जक आस्तियां इतिशेष (ए-बी)	**78472.70**	**86620.05**

तकनीकी राइट-ऑफ का विवरण और उस पर की गई वसूली:

(रु.करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
तकनीकी / प्रूडेंशियल लिखित बंद खातों का प्रारंभिक शेष	30466.44	23559.30
जोड़ें: वर्ष के दौरान तकनीकी / प्रूडेंशियल राइट-ऑफ	11557.57	7947.52
उप-कुल (ए)	**42024.01**	**31506.82**
कम: वर्ष के दौरान पिछले तकनीकी / विवेकपूर्ण लिखित-बंद खातों से की गई पुर्नप्राप्ति (बी)	2721.25	1040.38
समापन शेष (ए-बी)	**39302.76**	**30466.44**

IV. ओवरसीज आस्तियां एनपीए व राजस्व :

(रु.करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
कुल आस्तियां	42045.30	78390.01
कुल NPAs(सकल)	1883.36	2772.06
कुल राजस्व	**2070.60**	**2699.23**

	Sub-total (A)	**175877.43**	**24550.56**	**13.96**	**165215.17**	**20992.12**	**12.71**
B	**Non Priority Sector**						
1.	Agriculture and allied activities	20481.81	424.02	2.07	22170.24	1013.03	4.57
2.	Industry	122180.86	33100.20	27.09	76408.29	38094.03	49.86
3.	Services	125908.76	18600.22	14.77	160936.60	24794.42	15.41
4.	Personal loans	61745.44	1797.70	2.91	46566.30	1726.46	3.71
	Sub-total (B)	**330316.87**	**53922.14**	**16.32**	**306081.43**	**65627.94**	**21.44**
	Total (A+B)	**506194.30**	**78472.70**	**15.50**	**471296.60**	**86620.05**	**18.38**

III. Movement of NPAs: **(₹ in Crores)**

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Gross NPAs Opening balance	86620.05	55370.45
Additions (Fresh NPAs) during the year	19904.11	44274.33
Sub-total (A)	**106524.16**	**99644.78**
Less:		
(i) Up gradations	3633.29	1174.25
(ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	12164.91	4443.29
(iii) Technical /Prudent Write-offs	12253.26	7407.19
(iv) Write-offs other than those under (iii) above	0.00	0.00
Sub-total (B)	**28051.46**	**13024.73**
Gross NPAs Closing balance (A-B)	**78472.70**	**86620.05**

Detail of Technical write-offs and the recoveries made there on:

(₹ in Crores)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Opening balance of Technical / Prudential written-off accounts	30466.44	23559.30
Add : Technical / Prudential write-offs during the year	11557.57	7947.52
Sub-total (A)	**42024.01**	**31506.82**
Less : Recoveries made from previously technical / prudential written-off accounts during the year (B)	2721.25	1040.38
Closing Balance (A-B)	**39302.76**	**30466.44**

IV. Overseas Assets, NPAs and Revenue: **(₹ in Crores)**

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Total Assets	42045.30	78390.01
Total NPAs (Gross)	1883.36	2772.06
Total Revenue	**2070.60**	**2699.23**

V. 31.03.2019 तक बैंक द्वारा प्रायोजित ऑफ-शीट बैलेंस शीट एसपीवी (जिनका लेखांकन मानदण्डों के अनुसार समेकन अपेक्षित है) इस प्रकार है:

प्रायोजित SPV का नाम	
घरेलू	**विदेशी**
शून्य	शून्य

32. क्रेडिट कार्ड और डेबिटकार्ड के रिवॉर्ड पॉइंट्स

i) जब कभी पीएनबी ग्लोबल क्रेडिट कार्ड धारक अपने क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके खरीददारी करते हैं तो उन्हें रिवॉर्ड के अंक प्रदान किया जाता है। ये अंक उन्होंने व्यापारिक संस्था न पर क्रेडिट और डेबिट कार्ड का उपयोग करते समय जारी किए जाते हैं। कार्डधारक इन एकत्रित अंकों को रिडीम कर सकता है । रिवॉर्ड अंकों के कारण देय राशि को लाभ व हानि खाते में प्रभारित किया जाता है और दैनिक आधार पर विभिन्न् प्रावधान खाते में क्रेडिट किया जाता है क्योंकि यह राशि परिमाण योग्य होती है ।

बकाया रिवॉर्ड अंकों (क्रेडिट कार्ड) तथा उनके संबंध में किए गए प्रावधान की स्थिति निम्नलिखित है:

विवरण	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
बकाया शेष रिवॉर्ड अंक	287133554	216860962
इन अंकों के लिए किया गया प्रावधान (करोड़ में)	3.59	2.71

*क्रेडिट कार्ड के संबंध में रिवॉर्ड पॉइंट्स के प्रति 1 पॉइंट के लिए 0.50 का प्रावधान किया गया है। रिडेम्प्शन के पिछले चलन के आधार पर, पिछले वर्ष के अनुमानित आधार पर संचित रिवॉर्ड पॉइंट्स के@25% का प्रावधान किया गया है।

ii) **लॉयल्टी रिवॉर्ड अंक - डेबिट कार्ड से संबंधित बकाया रिवॉर्ड पॉइंट्स और उन पर प्रावधान की स्थिति इस प्रकार है:**

विवरण	31.03.2019 को	31.03.2018 को
बकाया शेष लॉयल्टी रिवॉर्ड पॉइंट	0	3089151271
रिवॉर्ड पॉइंटस के लिए किया गया प्रावधान (रु. करोड़ में)'	6.92**	11.69

लॉयल्टी रिवार्ड प्वापइंट में 1 पॉइंट्स के लिए रू. 0.25 का प्रावधान रखा गया है जिसे पिछले वर्ष की तरह अनुमानित आधार पर 15 प्रतिशत मूल्यांकित किया गया है।

लॉयल्टी प्रोग्राम के तहत उपचय दिनांक 01.08.2018 से प्रभावी हो गया है और सभी रिवॉर्ड पॉइंट दिनांक 30.09.2018 के बाद समाप्त हो गए हैं।

**प्रावधान की गई राशि, भुगतान से संबंधित है जिसे वेंडर के साथ एग्जिट मेनेजमेंट के एक भाग के रूप में लंबित कुछ डेटा एक्सट्रेक्शन गतिविधियों के कारण होल्ड रखा गया है। इसे सभी संबंधित गतिविधियों के पूरा होने के बाद ही इसे क्लियर किया जाएगा

V. Off-balance sheet SPVs sponsored by the Bank (which are required to be consolidated as per accounting norms) as on 31.03.2019 are as under:

Name of the SPV sponsored	
Domestic	**Overseas**
NIL	NIL

32. Reward Points of Credit Card & Debit Card

i) PNB Global Credit Cardholders are rewarded as and when they make purchases through usage of Credit Card. Reward Points are generated at the time of usage of Credit Card by Cardholder at merchant Establishment. Card holder can redeem the accumulated reward points. The amount payable on account of reward points is charged to Profit and Loss account and credited to Sundry Provision Account on daily basis.

Position of outstanding reward points and provision regarding Credit Cards is as under:

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Balance Reward Points outstanding	287133554	216860962
Provision held for these points (₹ in crore)*	3.59	2.71

*The provision held against Rewards points in respect of Credit Cards has been worked out at ₹ 0.50 for 1 point. Based on past trend of redemption, provision has been made @25% of accumulated Reward points on estimated basis as in the previous year.

ii) **Position of outstanding reward points and provision thereon regarding Loyalty Reward Points- Debit Cards is as under:**

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Balance of loyalty reward points	0	3089151271
Provision held against reward points (₹ in Crore)	6.92**	11.69

The provision held against Loyalty Reward Points has been worked at ₹.0.25 for 1 point. Which has further been valued at 15% on estimated basis as in previous year

The accrual under Loyalty Program has ceased with effect from 01.08.2018 and all reward points have been deemed expired after 30.09.2018.

** The provision amount held, pertains to payment that has been put on hold on account of certain data extraction activities pending as a part of the Exit Management with the Vendor. The same will be cleared once all the relevant activities have been completed.

33. प्रतिभूतिकरण से सम्बन्धित प्रकटीकरण

प्रतिभूति आस्तियों की बकाया राशि:

क्र. सं.			विवरण	सं./रु. करोड़ में
1			प्रतिभूतिकरण लेन-देनों के लिए बैंक द्वारा प्रयोजित एसपीवी की संख्या*	शून्य
2			बैंक द्वारा प्रयोजित एसपीवी की बहियों के अनुसार प्रतिभूत आस्तियों की कुल राशि	शून्य
3			तुलन पत्र की तिथि को एमआरआर की अनुपालना में बैंक द्वारा रोके गए ऋणों की कुल राशि	शून्य
	क)		ऑफ-बैलेंस शीट एक्सपोजर	
			आरंभिक कमी	
			अन्य	
	ख)		ऑफ-बैलेंस शीट एक्सपोजर	
			आरंभिक कमी	
			अन्य	
4			एमआरआर के अलावा प्रतिभूतिकरण लेन-देनों के लिए एक्सपोजर राशि	शून्य
	क).		ऑफ-बैलेंस शीट एक्सपोजर	
		i)	निजी प्रतिभूतिकरण का एक्सपोजर	
			आरंभिक कमी	
			अन्य	
		ii)	निजी प्रतिभूतिकरण का एक्सपोजर	
			आरंभिक कमी	
			अन्य	
	ख).		ऑफ-बैलेंस शीट एक्सपोजर	शून्य
		i)	निजी प्रतिभूतिकरण का एक्सपोजर	
			आरंभिक कमी	
			अन्य	
		ii)	निजी प्रतिभूतिकरण का एक्सपोजर	
			आरंभिक कमी	
			अन्य	

*केवल बकाया प्रतिभूतिकरण लेनदेन से संबंधित एसपीवी की रिपोर्ट की जा सकती है

34. क्रेडिट डिफाल्ट स्वैप

चूँकि बैंक सीडीएस संविदाओं के मूल्यशन हेतु कोई स्वामित्व मूल्यन मॉडल का उपयोग नहीं करता और यह काउंटर संविदा (ओटीसी) पर है, अत: मूल्य का निर्धारण गतिमान बाजार द्वारा होता है । अत: वर्तमान भारतीय रिजर्व बैंक की शर्तानुसार कोई प्रकटीकरण नहीं किया जाना है।

33. Disclosures relating to Securitization

OUTSTANDING AMOUNT OF SECURITISED ASSETS:

Sl. No			Particulars	No/ ₹. in crore
1.			No of SPVs sponsored by the bank for securitization transactions*	NIL
2.			Total amount of securitized assets as per books of the SPVs sponsored by the bank	NIL
3.			Total amount of exposures retained by the bank to comply with MRR as on the date of balance sheet	NIL
	a)		Off-balance sheet exposures	
			First loss	
			Others	
	b)		On-balance sheet exposures	
			First loss	
			Others	
4			Amount of exposures to securitization transactions other than MRR	NIL
	a)		Off-balance sheet exposures	
		i)	Exposure to own securitizations	
			First loss	
			Others	
		ii)	Exposure to third party securitizations	
			First loss	
			Others	
	b)		On-balance sheet exposures	NIL
		i)	Exposure to own securitizations	
			First loss	
			Others	
		ii)	Exposure to third party securitizations	
			First loss	
			Others	

*Only the SPVs relating to outstanding securitization transactions may be reported here

34. Credit Default Swaps

Since the Bank is not using any proprietary pricing model for pricing CDS contracts, and it is over the counter contract (OTC), the price is determined by the market dynamics. As such no disclosure is to be made in terms of extant RBI guidelines.

35. **जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि (डीईएएफ) को अंतरण :**

(राशि करोड़ रु में)

विवरण	31.03.2019 को	31.03.2018 को
डीईएएफ को अंतरित राशि का प्रारम्भिक शेष	1567.29	1196.33
जोड. अवधि के दौरान डीईएएफ को अंतरित की गई राशि	411.94	414.84
कमी. क्लेम के विरु) डीईएएफ द्वारा राशि की प्रतिपूर्ति	47.40	43.88
डीईएएफ* को अंतरित की गई राशि का अंतिम शेष	**1931.83**	**1567.29**

*वित्तीय विवरणी की अनुसूची 12 के अंतर्गत 'आकस्तिम देयताओं-अन्य' के तौर पर प्रदर्शित हुआ है।

36. **अरक्षित विदेशी करेंसी एक्स्पोजर (यूएफसीई):**

बैंक ने क्रेडिट में लगी करेंसी को नियंत्रित करने हेतु एक नीति बनाई है तथा इसे बैंक की वर्तमान क्रेडिट प्रबन्धन एवं जोखिम नीति में निम्नानुसार शामिल किया गया है:

आरबीआई ने अरक्षित विदेशी करेंसी एक्स्पोजर में पूंजी एवं प्रावधान आवश्यकताओं के सम्बन्ध में दिशानिर्देश दिए हैं कि तिमाही के अंत में वार्षिक ईबीआईडी के साथ बैंक करेंसी के अनुसार उधारकर्ताओं के खातों में अरक्षित विदेशी करेंसी एक्स्पोजर पर नियंत्रण रखेगा। खातों में 0 से 80 बीपीएस की श्रेणी तक के इंक्रीमेंटल प्रावधान, जो कि कुल क्रेडिट एक्स्पोजर एवं पूंजी की आवश्यकता, स्टैण्डर्ड आस्ति प्रावधान एवं पूंजी की आवश्यकता और सम्भवत: उससे होने वाली हानि के लिए उधारकर्ता को अपने खातों में वहन करना होगा । इस तरह के खातों में प्रावधान की आवश्यकतानुसार एक्स्पोजर्स के लिए बैंक एक अलग चार्ज बनाएगा, जिसकी लागत उधारकर्ता द्वारा वहन की जाएगी । बैंक की वित्तीय विवरणी में एक समुचित एक्स्पोजर बनाया जाएगा।ह

(राशि करोड़ रु में)

विवरण	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
31.03.2019 को आवश्यक कुल इंक्रीमेंटल प्रावधान	575.01	83.01
रखे गए इंक्रीमेंटल कैपिटल	997.82	283.34

37. **इंट्रा-ग्रुप एक्स्पोजर**

(राशि करोड़ रु में)

	विवरण	31.03.2019	31.03.2018
क	इंट्रा-ग्रुप एक्स्पोजर की कुल राशि	5810.28	3112.10
ख	शीर्ष 20 इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर की कुल राशि (14 इकाईयां)	5810.28	3112.10
ग	उधारकर्ताओं/ग्राहकों पर बैंक के कुल एक्स्पोजर में से इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर का प्रतिशत	0.96%	0.53%
घ	इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर पर लिमिट का उल्लंघन का व्यौरा एवं रेगुलेटरी एक्शन, (यदि कोई हो	शून्य	शून्य

35. **Transfers to Depositor Education and Awareness Fund (DEAF):**

(₹ in Crore)

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Opening balance of amount transferred to DEAF	1567.29	1196.33
Add : Amounts transferred to DEAF during the period	411.94	414.84
Less : Amounts reimbursed by DEAF towards claims	47.40	43.88
Closing balance of amounts transferred to DEAF*	**1931.83**	**1567.29**

*Reflected as "Contingent Liability - Others, items for which the bank is contingently liable" under Schedule 12 of the financial statements.

36. **Unhedged Foreign Currency Exposure (UFCE):**

The Bank has framed a policy to manage currency induced credit risk and has been incorporated in current bank's Credit Management & Risk Policy as follows:

"In terms of RBI guidelines, the Bank monitors the currency wise Un-hedged Foreign Currency Exposure in the books of borrowers at quarter ends along-with the Annualized Earnings before Interest & Depreciation (EBID). The incremental provision (ranging from 0 to 80 bps on total credit exposure, over and above the standard asset provisioning) and capital requirement will depend on likely loss (due to foreign currency fluctuation), that borrowers may face due to their un-hedged forex exposure in their books. Bank maintains separate charge and provisioning requirement on account of such exposures which may impact the cost to the borrowers. Appropriate disclosures in the financial statements of the bank shall also be made."

(₹ in Crore)

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Total Incremental Provision required as on 31.03.2019	575.01	83.01
Incremental capital held	997.82	283.34

37. **Intra-Group Exposures**

(₹ in Crore)

	Particulars	31.03.2019	31.03.2018
a)	Total amount of intra-group exposures	5810.28	3112.10
b)	Total amount of top-20 intra group exposures (14 entities)	5810.28	3112.10
c)	Percentage of intra-group exposures to total exposure of the Bank on borrower/ customers	0.96%	0.53%
d)	Details of breach of limits on intra-group exposures and regulatory action, if any	NIL	NIL

38. चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर)

चलनिधि कवरेज अनुपात पर गुणात्मक प्रकटीकरण

बैंक ने 1 जनवरी, 2015 से चलनिधि कवरेज अनुपात पर आरबीआई के दिशानिर्देशों को क्रियांवयन किया है।

एलसीआर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंक के पास पर्याप्त मात्र में उच्च गुणवत्ता पूर्ण चलनिधि आस्तियां रहे जिससे कि चलनिधि स्ट्रेस सिनारियो के अंतर्गत 30 कैलेण्डर दिनों के लिए चलनिधि आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए इसे बिना उसके मूल्य को हानि पहुचांते हुए आसानी से नकदी में परिवर्तित किया जा सके।

एलसीआर के दो घटक है:

i. उच्च गुणवत्ता पूर्ण चलनिधि आस्तियों के स्टॉक का मूल्य -द न्यूमरेटर।

ii. कुल शुद्ध नकदी प्रवाह: 30 कैलैण्डर दिनों के लिए स्ट्रेस सिनारियो में कुल अनुमानित नकदी ऑउटफ्लो माईनस कुल अनुमानित नकदी इनफ्लो - द डिनोमिनेटर ।

एलसीआर की परिभाषा:

उच्च गुणवतापूर्ण चलनिधि आस्तियों का स्टाक (HQLAs)- ≥ 100%
अगले 30 कैलेण्डर दिनों से अधिक कुल शुद्ध नकदी बाह्य प्रवाह

नीचे दिए न्यूनतम आवश्यक स्तर की टाईम लाईन के साथ बैंक पर एलसीआर की आवश्यकता एक बाध्यता बन गई है:

	1 जन, 2015	1 जन, 2016	1 जन, 2017	1 जन, 2018	**1 जन, 2019**
न्यूनतम एलसीआर	60%	70%	80%	90%	**100%**

चतुर्थ तिमाही वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए, 100% विनियामक अपेक्षाओं के अनुसार एलसीआर के प्रति समेकित स्तर पर दैनिक औसत एलसीआर 121.27% (दैनिक ओबजर्वेशन के साधारण औसत पर आधारित) रहा।

बैंक के एलसीआर का मुख्य घटक पर्याप्त उच्च गुणवत्ता पूर्ण चलनिधि आस्तियां हैं (एचक्यूसएलए) जिससे हर समय बैंक की चलनिधि आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके तथा खुदरा एवं छोटे कारोबारी ग्राहकों को बुनियादी फंडिग की जा सके । दिनांक 31.03.2019 तक बैंक के कुल जमा पोर्टफोलियो का लाभ 67.51% अंशदान खुदरा तथा छोटे कारोबार का है जिससे 5/10% का लो रन आफ फैक्टर आकर्षित होता है।

उच्च गुणवत्ता पूर्ण चल आस्ति की संरचना (एचक्यूएलए)

स्तर 1 व स्तर 2 आस्तियां एचक्यूएलए में समाविष्ट हैं। स्तर 2 आस्तियां उनकी बाजार क्षमता और कीमत अस्थिरता को ध्यान में रखते हुए स्तर2ए एवं स्तर2बी में विभाजित की गयी हैं।

स्तर 1 - आस्तियां वे आस्तियां हैं जो उच्चप्रवाही हैं। 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही के लिए स्तर 1 आस्तियों में कैश इन हैंड, सीआरआर का अधिक होना, एसएलआर से अधिक सरकारी प्रतिभूतियाँ, एमएसएफ व एफएएलएलसीआर के अतिरिक्त सावरेन प्रतिभूतियाँ जिनका मूल्य रु.115635.14 करोड है। (दैनिक ओबजर्वेशन के साधारण औसत पर आधारित)

स्तर 2ए व 2बी वे आस्तियां हैं जो न्यून प्रवाही हैं और उनकी भार राशि रस. 6896.33 करोड़ (दैनिक ओबजर्वेशन के साधारण औसत पर आधारित) पर आ गयी है 31.03.2019 को समाप्त तिमाही के दौरान दैनिक ओबजर्वेशन औसत एचक्यूएलए का ब्रेक अप निम्नानुसार दिया गया है:

38. **Liquidity Coverage Ratio (LCR)**

QUALITATIVE DISCLOSURE ON LIQUIDITY COVERAGE RATIO

The bank has implemented RBI guidelines on Liquidity Coverage Ratio (LCR) from 1st January 2015.

The LCR standard aims to ensure that a bank maintains an adequate level of unencumbered High Quality Liquid Assets (HQLAs) that can be readily converted into cash at little/no loss of value to meet its liquidity needs for a 30 calendar day time horizon under a liquidity stress scenario

LCR has two components:

i. The value of the stock of High Quality Liquid Assets (HQLA)–The Numerator.

ii. Total Net Cash Outflows: Total expected cash outflows minus Total expected cash inflows, in stress scenario, for the subsequent 30 calendar days - The denominator.

Definition of LCR:

Stock of high quality liquid assets (HQLAs) ≥ 100%
Total net cash outflows over the next 30 calendar days

The LCR requirement has become binding on the banks with the following minimum required level as per the time-line given below:

	Jan 1, 2015	Jan 1, 2016	Jan 1, 2017	Jan 1, 2018	**Jan 1, 2019**
Minimum LCR	60%	70%	80%	90%	**100%**

For Q4 FY'2018-19, the daily average LCR was 121.27% (based on simple average of daily observations) at consolidated level, as against the regulatory requirement of 100%.

The main drivers of LCR of the bank are High Quality Liquid Assets (HQLAs) to meet liquidity needs of the bank at all times and basic funding from retail and small business customers. The retail and small business customer's contribute about 67.51% of total deposit portfolio of the bank which attracts low run-off factor of 5/10% as on 31.03.2019.

Composition of High Quality Liquid Assets (HQLA)

HQLAs comprises of Level 1 and Level 2 assets. Level 2 assets are further divided into Level 2A and Level 2B assets, keeping in view their marketability and price volatility.

Level-1assets are those assets which are highly liquid. For quarter ended March 31, 2019, the Level-1 asset of the bank includes Cash in Hand, Excess CRR, Government Securities in excess of minimum SLR, Marketable securities issued or guaranteed by foreign sovereign, MSF and FALLCR totalling to Rs. 115635.14 cr (based on simple average of daily observations).

Level-2A & 2B assets are those assets which are less liquid and their weighted amount comes to Rs. 6896.33 cr (based on simple average of daily observations). Break-up of daily observation Average HQLA during quarter ended March 31, 2019 is given hereunder:

उच्च गुणवता तरल सम्पत्ति (एचक्यूएलए)	एचक्यूएलए को योगदान औसतन %
स्तर 1 आस्तियां	
कैश इन हैण्ड	1.35%
अतिरिक्त सीआरआर शेष	0.94%
न्यूनतम एसएलआर आवश्यकताओं के अतिरिक्त सरकारी प्रतिभूतियाँ	12.88%
अनिवार्य एसएलआर आवश्यकताओं के अंतर्गत सरकारी प्रतिभूतियाँ एमएसएफ के अंतर्गत आरबीआई द्वारा वृद्धि की अनुमति (वर्तमान में एनडीटीएल का 2 प्रतिशत की वृद्धि)	10.39%
बेसल II मानकृत एप्रोच के अंतर्गत 0% जोखिम भार वाली विदेशी स्वायतों द्वारा जारी या गारंटी दी गई बाजारी प्रतिभूतियाँ	1.27%
चलनिधि कवरेज अनुपात के लिए उपलब्ध चलनिधि को सुविधा - एफएलएसीआरआर (वर्तमान में एलडीटीएल के 13% की वृद्धि)	67.54%
कुल स्तर 1 आस्तियाँ	**94.37%**
कुल स्तर 2ए आस्तियाँ	**5.09%**
कुल स्तर 2बी आस्तियाँ	**0.54%**
एचक्यूएलए का कुल स्टाक	**100.00%**

निधीयन स्रोतों का संकेन्द्रण

इस मैट्रिक में उन निधियों के स्रोतों जिनका आहरण चलनिधि जोखिमों के अधीन है, शामिल है। इसका उद्देश्य प्रत्येक महत्वपूर्ण प्रतिपक्ष और प्रत्येक महत्वपूर्ण उत्पाद/लिखत से अपेक्षित इसके निधीयन की निगरानी के निगरानी द्वारा बैंक के निधीयन संकेन्द्रण को व्यक्त करना है, भारतीय बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार महत्वपूर्ण प्रतिपक्ष/लिखत/उत्पाद को एकल प्रतिपक्ष लिखत/उत्पाद या बैंक के कुल दायित्व का 1% से अधिक दायित्व वाले प्रतिपक्षी से जुडे या सम्बद्ध समूह के रुप में परिभाषित किया गया है।

31 मार्च, 2019 को बडे जमाकर्ताओं द्वारा मोबलाइज कुल जमाएं बैंक की कुल देयताओं का 0.47% थी। 31 मार्च,19 को शीर्ष 20 जमाकर्ताओं का योगदान 3.02% मात्र है। महत्वपूर्ण उत्पाद/लिखत में, बचत निधि, करेंट डिपाजिट, जमा का प्रमाणपत्र और अंतर बैंक जमा वितपोषण जो कि विस्तृत रुप से फैला हुआ है बैंक के लिए संकेन्द्रण जोखिम को सृजित नहीं कर सकता।

डेरिवेटिव एक्स्पोजर

बैंक के पास डेरिवेटिव्ज में कम एक्स्पोजर है, जो कि चलनिधि तरलता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नही डालता है।

करेंसी का मिलान ना होना

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, मुद्रा महत्वपूर्ण मानी जाती है यदि उस मुद्रा की कुलदेयता बैंक की कुलदेयता का 5 प्रतिशत या इससे अधिक है। हमारे मामले में, इस मानक पर केवल USD (बैंक की कुल देयताओं का 8.27%) आती है जिसका एलसीआर होरिजन में कुल बाह्यप्रवाह पर प्रभाव प्रबंधित किया जा सकता है क्योंकि बैंक के तुलन पत्र के आकार को देखते हुए इसका प्रभाव बहुत ही कम है।

समूह की इकाइयों के बीच तरलता प्रबंधन और अंत:क्रिया के केंद्रीकरण की डिग्री

समूह इकाइयां स्वयं तरलता का प्रबंधन कर रही हैं। बैंक ने तनाव की अवधि में समूह की तरलता की आवश्यकता का ध्यान रखने के लिए एक समूह-व्यापी आकस्मिक निधि योजना बनाई है।

High Quality Liquid Assets (HQLAs)	Average %age contribution to HQLA
Level 1 Assets	
Cash in hand	**1.35%**
Excess CRR balance	**0.94%**
Government Securities in excess of minimum SLR requirement	**12.88%**
Government securities within the mandatory SLR requirement, to the extent allowed by RBI under MSF (presently to the extent of 2 per cent of NDTL)	**10.39%**
Marketable securities issued or guaranteed by foreign sovereigns having 0% risk-weight under Basel II Standardized Approach	**1.27%**
Facility to avail Liquidity for Liquidity Coverage Ratio – FALLCR (presently to the extent of 13 per cent of NDTL)	**67.54%**
Total Level 1 Assets	**94.37%**
Total Level 2A Assets	**5.09%**
Total Level 2B Assets	**0.54%**
Total Stock of HQLAs	**100.00%**

Concentration of Funding Sources

This metric includes those sources of funding, whose withdrawal could trigger liquidity risks. It aims to address the funding concentration of bank by monitoring its funding requirement from each significant counterparty and each significant product/ instrument. As per RBI guidelines, a "significant counterparty/ Instrument/product" is defined as a single counterparty/ Instrument/product or group of connected or affiliated counter-parties accounting in aggregate for more than 1% of the bank's total liabilities.

Total deposits mobilized from significant counterparty(s) were 0.47% of total liabilities of the Bank as at March 31, 2019. Top 20 depositors of the bank constitute 3.02% of bank's total liability as at March 31, 2019. The significant product/ instrument includes Saving Fund, Current deposit, Core Term Deposit, and Inter-bank term deposit, the funding from which are widely spread and cannot create concentration risk for the bank.

Derivative exposure

The bank has low exposure in derivatives having negligible impact on its liquidity position.

Currency Mismatch

As per RBI guidelines, a currency is considered as “significant” if the aggregate liabilities denominated in that currency amount to 5 per cent or more of the bank's total liabilities. In our case, only USD (8.27% of bank's total liabilities) falls in this criteria whose impact on total outflows in LCR horizon can be managed easily as the impact is not large considering the size of balance sheet of the bank.

Degree of centralization of liquidity management and interaction between group's units

The group entities are managing liquidity on their own. However, the bank has put in place a group-wide contingency funding plan to take care of liquidity requirement of the group as a whole in the stress period.

तरलता कवरेज अनुपात पर मात्रात्मक प्रकटीकरण

(रु. करोड मे)

		मार्च 19 को समाप्त तिमाही		दिसम्बर 18 को समाप्त तिमाही		सितम्बर 18 को समाप्त तिमाही		जून 18 को समाप्त तिमाही		समाप्त तिमाही	
		कुल अनिर्धारित मूल्य (औसत)*	कुल अनिर्धारित मूल्य (औसत)*	कुल अनिर्धारित मूल्य (औसत)*	कुल अनिर्धारित मूल्य (औसत)*	कुल अनिर्धारित मूल्य (औसत)*	कुल अनिर्धारित मूल्य (औसत)*	कुल अनिर्धारित मूल्य (औसत)*	कुल अनिधरित मूल्य (औसत)*	कुल अनिधरित मूल्य (औसत)*	कुल अनिधरित मूल्य (औसत)*
	दैनिक जांच की साधारण औसत के आधार पर	65 डाटा प्वाइंट		60 डाटा प्वाइंट		63 डाटा प्वाइंट		65 डाटा प्वाइंट		62 डाटा प्वाइंट	
उच्च गुणवत्ता तरल संपत्ति											
1	कुल उच्च गुणवत्ता तरल संपत्ति (HQLA)		122531.48		124466.47		120704.02		109208.02		106677.96
कैश आउटफ्लो											
2	छोटे व्यवसाय के ग्राहकों से खुदरा जमा और जमा जिनमें से	451098.07	42106.57	441454.04	41197.00	436055.94	40670.30	440107.53	40991.07	434951.58	40534.79
(i)	स्थिर जमा	60064.71	3003.24	58968.15	2948.41	58705.91	2935.30	60393.59	3019.68	59207.24	2960.36
(ii)	कम स्थिर जमा	391033.36	39103.34	382485.89	38248.59	377350.03	37735.00	379713.94	37971.39	375744.34	37574.43
3	असुरक्षित थोक धन, जिनमें से:	132227.46	73011.88	123799.98	64405.01	129230.56	67777.66	136429.00	71218.09	138572.48	74355.27
(i)	आपरेशनल जमा (सभी प्रतिपक्षों)			0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(ii)	गैर परिचालन जमा (सभी प्रतिपक्षों)	132227.46	73011.88	123799.98	64405.01	129230.56	67777.66	136429.00	71218.09	138572.48	74355.27
(iii)	असुरक्षित ऋण			0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	सुरक्षित थोक वित्त पोज़ण										0.00
5	अतिरिक्त आवश्यकताओं, जिनमें से	79937.34	6095.16	6183.91	739.31	14209.01	12304.31	20077.73	18547.10	31061.64	25308.57
(i)	व्युत्पन्न जोखिम और अन्य जमानत के आवश्यकताओं से संबंधित बहिर्वाह	80.81	80.81	148.36	148.36	12057.48	12057.48	18364.25	18364.25	24653.56	24653.56
(ii)	ऋण उत्पादों पर धन की हानि से संबंधित बहिर्वाह	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(iii)	क्रेडिट और तरलता की सुविधाये	79856.53	6014.35	6035.55	590.95	2151.53	246.83	1713.48	182.85	6408.08	655.00
6	अन्य संविदात्मक दायित्वों के वित्त पोज़ण	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7	अन्य आकस्मिक वित्त पोज़ण के दायित्व	60590.00	1817.71	140236.10	5672.01	149356.70	6073.30	146776.66	5853.81	147388.47	5691.84
8	कुल कैश आउटफ्लो		123031.32		112013.33		126825.57		136610.07		145890.47
नकदी प्रवाह											
9	सुरक्षित ऋण (जैसे रेपो रिवर्स)	3561.61	0.00	4837.59	0.00	8613.58	0	5167.10	0.00	0	0
10	पूरी तरह से प्रदर्शन कर जोखिम से अंतर्वाह	18689.32	15458.22	22268.57	18441.21	25635.67	22525.92	21445.59	18592.99	18530.27	16240.58
11	अन्य नकदी प्रवाह	6531.49	6531.49	3469.59	3469.59	22410.17	22410.17	25242.65	25242.65	33742.32	33742.32
12	कुल नकदी प्रवाह	28782.43	21989.71	30575.75	21910.80	56659.42	44936.09	51855.34	43835.64	52272.60	49982.90
13	कुल HQLA		122531.48		124466.47		120704.02		109208.02		106677.96
14	कुल नेट नकद बहिर्वाह		101041.61		90102.53		81889.48		92774.43		95907.57
15	चलनिधि कवरेज अनुपात (%)		121.27		138.14		147.40		117.71		111.23

जैसा कि प्रबंधन द्वारा संकलित और प्रमाणित किया गया है और लेखा परीक्षकों द्वारा भरोसा (Relied) किया गया है।

QUANTITATIVE DISCLOSURE ON LIQUIDITY COVERAGE RATIO

(Rs. in Crore)

		Quarter ended Mar'19		Quarter ended Dec'18		Quarter ended Sep'18		Quarter ended June'18		Quarter ended Mar'18	
		Total Unweighted Value (average)*	**Total Weighted Value (average)**	**Total Unweighted Value (average)**	**Total Weighted Value (average)**	**Total Unweighted Value (average)**	**Total Weighted Value (average)**	**Total Unweighted Value (average)**	**Total Weighted Value (average)**	**Total Unweighted Value (average)**	**Total Weighted Value (average)**
Based on the simple average of daily observations		**65 Data Points**		**60 Data Points**		**63 data Points**		**65 Data Points**		**62 Data Points**	
High Quality Liquid Assets											
1	Total High Quality Liquid Assets (HQLA)		122531.48		124466.47		120704.02		109208.02		106677.96
	Cash Outflows										
2	Retail deposits and deposits from small business	451098.07	42106.57	441454.04	41197.00	436055.94	40670.30	440107.53	40991.07	434951.58	40534.79
(i)	Stable deposits	60064.71	3003.24	58968.15	2948.41	58705.91	2935.30	60393.59	3019.68	59207.24	2960.36
(ii)	Less stable deposits	391033.36	39103.34	382485.89	38248.59	377350.03	37735.00	379713.94	37971.39	375744.34	37574.43
3	Unsecured wholesale funding, of which:	132227.46	73011.88	123799.98	64405.01	129230.56	67777.66	136429.00	71218.09	138572.48	74355.27
(i)	Operational deposits (all counterparties)			0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(ii)	Non-operational deposits (all counterparties)	132227.46	73011.88	123799.98	64405.01	129230.56	67777.66	136429.00	71218.09	138572.48	74355.27
(iii)	Unsecured debt			0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	Secured wholesale funding										0.00
5	Additional requirements, of which	79937.34	6095.16	6183.91	739.31	14209.01	12304.31	20077.73	18547.10	31061.64	25308.57
(i)	Outflows related to derivative exposures and other	80.81	80.81	148.36	148.36	12057.48	12057.48	18364.25	18364.25	24653.56	24653.56
(ii)	Outflows related to loss of funding on debt products	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(iii)	Credit and liquidity facilities	79856.53	6014.35	6035.55	590.95	2151.53	246.83	1713.48	182.85	6408.08	655.00
6	Other contractual funding obligations	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7	Other contingent funding obligations	60590.00	1817.71	140236.10	5672.01	149356.70	6073.30	146776.66	5853.81	147388.47	5691.84
8	Total Cash Outflows		123031.32		112013.33		126825.57		136610.07		145890.47
	Cash Inflows										
9	Secured lending (e.g. reverse repos)	3561.61	0.00	4837.59	0.00	8613.58	0	5167.10	0.00	0	0
10	Inflows from fully performing exposures	18689.32	15458.22	22268.57	18441.21	25635.67	22525.92	21445.59	18592.99	18530.27	16240.58
11	Other cash inflows	6531.49	6531.49	3469.59	3469.59	22410.17	22410.17	25242.65	25242.65	33742.32	33742.32
12	Total Cash Inflows	28782.43	21989.71	30575.75	21910.80	56659.42	44936.09	51855.34	43835.64	52272.60	49982.90
13	TOTAL HQLA		122531.48		124466.47		120704.02		109208.02		106677.96
14	Total Net Cash Outflows		101041.61		90102.53		81889.48		92774.43		95907.57
15	Liquidity Coverage Ratio (%)		121.27		138.14		147.40		117.71		111.23

As compiled and certified by the Management and relied upon by the Auditors.

39. अन्य टिप्पणियां

ए. I. आरबीआई के दिशानिर्देशानुसार, बैंक ने पांच वर्ष से अधिक की अंतः शाखा प्रविष्टियों को राशि को अवरुद्ध खाते में अंतरित करने का कार्य किया है। तदनुसार, रु.2.72 करोड़ की राशि (समायोजन के बाद की निवल राशि) को अनुसूची-5 में "अन्य देयताएं - अन्य" शीर्षक के अन्तर्गत अलग से शामिल किया गया है।

II. अंतर शाखा ऋण प्रविष्टि, अवरुद्ध और सामान्य रिज़र्व को अंतरित के विरुद्ध मार्च 2019 में समाप्त अवधि (01.04.2018 से 31.03.2019 तक) के दौरान कोई दावा प्राप्त नही हुआ है।

बी. परिसर सहित:-

I. परिसर सहित रु.2.52 करोड़ (शुद्ध मूल्यहास) (लागत ₹ 815 करोड़) की राशि की संपत्तियां स्वत्व विलेख के पंजीकरण की प्रतीक्षा कर रही है।

II. परिसर सहित रु.40.93 करोड़ की पूंजीगत कार्य चालू है।

III. लीजहोल्ड संपत्ति हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण के पास जमा किया गया ₹ 5.29 करोड़ का परिवर्तन शुल्क पूंजीकृत है, और कन्वर्जन शुल्क के विरुद्ध रु. 22.85 करोड़, कन्वेक्शन डीड के निष्पादन के लिए रु.73.26 लाख के ई-स्टांपिग डीडीए को जमा किए गए, फ्री होल्ड डीड डीडीए में निष्पादन के लिए लंबित है।

IV. संपत्ति हेतु हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण हुडा को भुगतान किया गया रु.1.95 करोड़ का विस्तार शुल्क, पालिसी के अनुसार पूंजीकृत है भूखंड पर निर्माण शुरू होना अभी बाकी है।

सी. वित्तीय वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही के लिए पुनरीक्षित भाग पर मूल्यह्रास:रु.16.18 करोड़ मूल्यह्रास शुल्क और वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान लिया गया कुल मूल्यह्रास शुल्क रु. 64.73 करोड़ है।

डी. विभिन्न मूल्यांकन वर्षों के लिए कर मांगों में बैंक द्वारा विभाग/भुगतान द्वारा समायोजित विवादित राशि सहित अन्य आस्तियों के तहत प्रदर्शित होने के स्रोत पर कटौती किए गए गए अग्रिम/कर में कर भुगतान शामिल है। ₹267.52 करोड़ (पिछले वर्ष रु.1260.92 करोड़) की विवादित आयकर मांग के संबंध में कोई प्रावधान आवश्यक नही समझ गया है क्योंकि बैंक की राय, इन मुद्दों पर विशेषज्ञ की राय और/अथवा बैंक की अपीलों पर हुए निर्णय के अनुसमर्थन के अनुसार किए गए परिवर्धन/अस्वीकृतियां धारणीय नही है।

ई. बैंक ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अचल संपत्तियों (अनुसूची 10 का हिस्सा) का पुनर्मूल्यांकन नही किया है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 के बैलेंस शीट पर कोई प्रभाव नही है।

एफ. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान की गई खरीद हेतु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में दिए गए दिशानिर्देशों का पालन किया गया है और अधिनियम के अनुसार समय पर विक्रेताओं को भुगतान किया गया है। चूंकि भुगतान में कोई देरी नही हुई थी, इसलिए वित्तीय वर्ष 2018-19 में कोई दंड ब्याज नही लगाया गया है।

जी. पूंजी आवश्यकता को पूरा करने हेतु पात्र ऋण उपकरणों के अतिरिक्त बैंक द्वारा जारी प्रतिभूति रहित, बांड्स के लिए विनियम 52(4) के प्रावधानों के संदर्भ में, सेबी (सूचीबद्ध दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के अंतर्गत जानकारी। (मार्च 2019 को समाप्त वर्ष)

39. Other Notes

a. I. As per RBI guidelines, the Bank has worked out the amount of inter Branch Credit entries outstanding for more than Five years to be transferred to Blocked Account. Accordingly, a sum of ₹2.72Crores (net of adjustments since carried out) has been included under "Other Liabilities-others" in Schedule-5.

II. No claim has been received during the period ended March 2019 (01.04.2018 to 31.03.2019) against Inter Branch Credit entries, Blocked and transferred to General Reserve.

b. Premises includes:-

I. Premises includes properties amounting to ₹2.52Crore (Net of Depreciation) {Cost ₹8.15Crore} are awaiting registration of title deeds.

II.Premises includes Capital work in progress of ₹40.93Crore.

III. A conversion fee of ₹5.29Crore deposited with Delhi Development Authority for a leasehold property is capitalized and ₹22.85Crores deposited with DDA against conversion fee, E-stamping of ₹73.26Lacs for execution of conveyance deed, free hold deed is pending for execution at DDA.

IV. An extension fee of ₹1.95Crore paid to Haryana Urban Development Authority (HUDA) for a property is capitalized as per policy, construction on the plot is yet to be started.

c. Depreciation on Revalued Portion:₹16.18Crore depreciation charged for Q-4 FY 2018-19 and Total depreciation charged during FY 2018-19 is ₹64.73Crore.

d. Tax Paid in advance/Tax deducted at source appearing under Other Assets includes disputed amount adjusted by the department/paid by the Bank in respect tax demands for various assessment years.

No provision is considered necessary in respect of disputed Income Tax demands of ₹267.52Crore (previous year ₹1260.92Crore) as in the bank's view, duly supported by expert opinion and/or decision in bank's own appeals on same issues, additions / disallowances made are not sustainable.

e. Bank has not revalued Immovable properties (forming part of Schedule 10) during the current Financial Year. As such there is no impact on Balance sheet for current FY 2018-19.

f. The guidelines given in Micro, Small and Medium Enterprises Development Act 2006 have been complied with for purchases made during the Financial Year 2018-2019 and payments have been made to the Vendors in time as per Act. Since there had been no delay in payment, so no penal interest has been paid in FY 2018-19.

g. Information under SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, in terms of the provisions of Regulation 52(4) for unsecured bonds issued by bank excluding Debt instruments eligible for meeting capital requirement: (Year ended March 2019)

क.सं	पीएनबी बांड्स सीरीज	आईएसआईए	ब्याज भुगतान की तिथि	उक्त भुगतान किया गया या नही	रेटिंग आईसीआरए	रेटिंग सीएआरई	रेटिंग इंडिया रेटिंग	रेटिंग क्रिसिल	टिप्पणी
1	दीर्घावधि बाण्ड (उधार) सीरिज I (8.23%)	INE 160A 08068	11.02.2019	भुगतान	NA	AA	AA+	AA+	शुन्य
2	दीर्घावधि बाण्ड (उधार) सीरिज II (8.35 %)	INE 160A 08084	25.03.2019	भुगतान	AA-	AA	NA	AA+	शुन्य

एच. आरबीआई पत्र सं. डीबीआर.न.बीपी.13018/21.04.048/2015-16 दिनांक 12.04.2016 और बीपीसी.7201/21.04.132/2017-18 दिनांक 08.02.2018 की अनुपालना में, बैंक ने पंजाब राज्य सरकार द्वारा लिए गए पुनर्गठित खाद्य ऋण अग्रिम के संबंध में, दिनांक 31.03.2019 तक रु.1310.55 करोड़ के मौजूदा बकाया के 5% अर्थात रु.65.53 करोड़ का प्रावधान किया है।

आई. आरबीआई परिपत्र सं. आरबीआई/2015-16/376 डीबीआर.न.बीपी. बीसी.92/21.04.048/2015-16 दिनांक 18.04.2016 के अनुसार प्रावधानीकरण मानकों में संशोधन के कारण धोखाधड़ी खातों से संबंधित प्रावधान:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान दर्ज किए गए मामलों/ खातों की संख्या वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान प्रतिवेदित धोखाधड़ी में शामिल राशि	वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान प्रावधान की मात्र	गैर-परिशोधित प्रावधान वर्ष के अंत में 'अन्य रिजर्व' से डेबिट
उधारी	118*	5896.82	5787.08	662.31
गैर-उधारी धोखाधड़ी	98	6.37	1533.11	0.00
कुल	**216**	**5903.19**	**7320.19**	**662.31**

*खातों की कुल संख्या 453

जे. प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्रम सं.	पीएसएलसी के प्रकार	वर्ष के दौरान खरीदा गया पीएसएलसी	वर्ष के दौरान विक्रय किया गया पीएसएलसी
1	कृषि	0.00	0.00
2	लघु एवं मार्जिनल कृषक	0.00	0.00
3	माइक्रो एंटरप्राइजिज	0.00	0.00
4	सामान्य	0.00	5465.00
	कुल	**0.00**	**5465.00**

के "अनुसुचित वाणिज्यिक बैंकों (क्षेत्रिय ग्रामीण बैंकों के अतिरिक्त), बीमाकर्ता/बीमा कंपनियों और गैर-बैंकिग वित्तीय कंपनियों हेतु आईएनडी एएस, केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमओसी) द्वारा प्रेस विज्ञप्ति दिनांक 18 जनवरी 2016 के माध्यम से जारी किए गए। आईएनडी एएस एमसीए की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2018-19 से बैंक पर लागू था, जिसे आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति (2017-18/2642)

Sl. No.	PNB BONDS SERIES	ISIN NO.	DATE OF PAYMENT OF INTEREST	Whether the same has been paid or not	Rating ICRA	Rating CARE	Rating India Rating	Rating CRISIL	Remark
1	Long Term Bonds (Borrowing) series I (8.23 %)	INE 160A 08068	11.02.2019	Paid	NA	AA	AA+	AA+	NIL
2	Long Term Bonds (Borrowing) series II (8.35 %)	INE 160A 08084	25.03.2019	Paid	AA-	AA	NA	AA+	NIL

h. In compliance of RBI letter no. DBR NO.BP.13018/ 21.04.048/ 2015-16 dated 12.04.2016 and BPC.7201/ 21.04.132/ 2017-18 dated 08.02.2018, Bank has made a provision of ₹65.53Crore being 5 % of the existing outstanding of ₹1310.55Crore as on 31.03.2019 in respect of restructured Food Credit advance availed by State Government of Punjab.

i. Provisioning pertaining to fraud accounts due to amendment in provisioning norms as per RBI Circular no. RBI/2015-16/376 DBR.No.BP.BC.92/21.04.048/2015-16 dated 18.04.2016:

Category	No. of Cases/ accounts reported during the FY 2018-19	Amount involved in fraud reported during the FY 2018-19	Quantum of provision during the FY 2018-19	Quantum of unamortized provision debited from 'other reserve' as at the end of the year
Borrowal	118*	5896.82	5787.08	662.31
Non-Borrowal Frauds	98	6.37	1533.11	0.00
Total	**216**	**5903.19**	**7320.19**	**662.31**

*Total number of accounts are 453

J. Details of Priority Sector Lending Certificate (PSLCs)

(₹ in Crores)

Sr. No.	Types of PSLCs	PSLC bought during the year	PSLC sold during the year
1	Agriculture	0.00	0.00
2	Small and Marginal Farmers	0.00	0.00
3	Micro Enterprises	0.00	0.00
4	General	0.00	5465.00
	TOTAL	**0.00**	**5465.00**

k "IND AS roadmap for scheduled commercial banks (excluding regional rural banks), insurers/insurance companies and non-banking financial companies (NBFCs) was issued by Union Ministry of Corporate Affairs (MCA) through press release dated 18 January 2016. IND AS was applicable to the Bank in accordance with the MCA press release from financial year 2018-19 which was deferred to financial year 2019-20 vide RBI's Press Release (2017-18/2642) dated 5 April 2018. RBI has further deferred implementation of IND AS till further notice

dिनांक 5 अप्रैल 2018 को वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए स्थगित कर दिया गया था। आरबीआई ने आईएनडी एएस के कार्यान्वयन को तब तक के लिए टाल दिया है जब तक कि उसके परिपत्र संख्या DBR.BP.BC. 29/21.07.001/2018-19 दिनांक 22.03.2019 को रद्द न कर दिया जाए। तथापि, बैंक ने वित्तीय वर्ष 2016-17 से आईएनडी एएस (भारतीय लेखांकन मानक) के कार्यान्वयन की प्रक्रिया शुरू की है।

कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी हेतु कार्यकारी निदेशक की अध्यक्षता वाली एक संचालन समिति जिसमे बैंक के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रें के महाप्रबंधक भी शामिल है, का गठन किया गया है। बैंक के पास कार्यान्वयन के लिए एक योजनाबद्ध रणनीति है और इस कार्य में काफी प्रगति हुई है। चालू लेखांकन ढांचे और आईएनडी एएस के बीच असमानताओं की पहचान करने के लिए बैंक ने निदानकारी अध्ययन पूरा किया है। इस निदानकारी अध्ययन के आधार पर बैंक ने प्रभाव का परिमाण निर्धारित किया है और सितंबर 2016 को समाप्त हुई छमाही के लिए प्रोफार्मा वित्तीय विवरण दायर किया है तथा जून 2017 में समाप्त तिमाही में भारतीय रिज़र्व बैंक को दायर किया था। जून 2018 को समाप्त तिमाही से, बैंक हर तिमाही में आईएनडीएएस वित्तीय विवरणों के प्रोफार्मा का संकलन कर रहा है और अपनी आवश्यकता के अनुसार आरबीआई को प्रस्तुत कर रहा है। बैंक अब कोर बैंकिंग प्रणाली में आवश्यक परिवर्तनों का आकलन कर रहा है और पहले से ही अपेक्षित ऋण हानि मॉडल तैयार करने की शुरुआत कर चुका है। इसलिए बैंक आईएनडी एस ट्रांजिशन के लिए ओपनिंग बैलेंस शीट को तैयार करने की शुरुआत करेगा।

एल. वर्ष के दौरान, बैंक ने सेबी के प्रावधानों (कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स रेगुलेशन, 2009) के अनुसार निम्नलिखित इक्विटी शेयरों का अधिमान्य आवंटन किया है, जिसके लिए विवरण निम्नानुसार हैं: -

शेयरधारक के नाम	इक्विटी शेयर की सं.-रु. 2 प्रति के अंकित मूल्य	प्रति शेयर इश्यु प्राइज (राशि रु.में)	राशि (रु. करोड़ में)
भारत सरकार	312993219	89.97	2,816.00
भारत सरकार	638190364	85.10	5431.00
भारत सरकार	802063535	73.66	5908.00

एम. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान बैंक ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रति शेयर रु.69.93 प्रति शेयर (रु.17.93 प्रति शेयर की छूट सहित) प्रीमियम पर PNB&ESPS के तहत बैंक के कर्मचारियों को रु.2.00 प्रति 90226683 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं और सेबी (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ) विनियम, 2014 के अनुसार शेयरधारकों को समय-समय पर संशोधित किया गया। इस खाते में बैंक द्वारा प्राप्त कुल राशि रु.649.00 करोड़ है जिसमें इक्विटी पूंजी के रूप में रु.18.04 करोड़ और प्रीमियम के रूप में रु. 630.96 करोड़ शामिल हैं।

एन. आरबीआई ने अपने परिपत्र दिनांक 2 अप्रैल 2018 तथा 15 जून 2018 के माध्यम से बैंकों को तिमाही के लिए एएफएस और एचएफटी निवेश पर बाजार हानि के निशान को चिह्नित करने के विकल्प की अनुमति दी है, जो कि समान रूप से तिमाही के साथ शुरू होने वाले चार तिमाहियों में जो नुकसान हुआ है। तदनुसार, बैंक ने विकल्प का लाभ उठाया है और वर्ष के दौरान लाभ और हानि खाते में रु.1208.71 करोड़ का शुल्क लिया है और 31 मार्च 2019 को कोई असंबद्ध शेष नही है।

vide its Circular no DBR.BP.BC.No. 29/21.07.001/2018-19 dated 22.03.2019. However, the Bank had commenced the process of IND AS (Indian Accounting Standards) implementation since financial year 2016-17.

A steering committee headed by the Executive Director and comprising of General Managers from various cross functional areas of the Bank to monitor the progress of the implementation is formed. The Bank has a well-planned strategy for Ind AS implementation and has made substantial progress in this exercise. The Bank has completed a diagnostic study to identify the differences between the current accounting framework and IND AS. Based on this diagnostic study, the Bank has quantified the impact and filed the pro-forma financial statements for the half year ended September 2016 and quarter ended June 2017 with the Reserve Bank of India. From the quarter ended June 2018, Bank is compiling the proforma Ind AS Financial Statements every quarter and submitting to RBI as per their requirement. Bank is now assessing the changes, wherever required in the core banking system and has already initiated formulation of Expected Credit Loss Models. Hence, the Bank will implement Ind AS once the transition date is conveyed by RBI. ”

l. During the year, the bank has made preferential allotment of following equity shares in accordance with the provisions of SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements Regulations, 2009), for which details are as under:-

Name of the Shareholder	No. of equity shares- Face Value of ₹2 each	Issue Price per share (Amt in ₹)	Amount (₹. in Crore)
Govt. of India	312993219	89.97	2,816.00
Govt. of India	638190364	85.10	5431.00
Govt. of India	802063535	73.66	5908.00

m. During the Financial Year 2018-19 the bank has allotted 90226683 equity shares of ₹2.00 each to the Employees of the Bank under PNB-ESPS at a premium of ₹69.93 per share (including discount of ₹17.98 per share) as approved by the Board and the shareholders in terms of the SEBI (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014, as amended from time to time. The total amount received by the bank on this account is ₹649.00 crores which includes ₹18.04Crores as equity capital and ₹630.96Crores as premium.

n. RBI vide its circular dated April 2, 2018 and June 15, 2018 has permitted banks an option to spread Mark to Market (MTM) loss on AFS and HFT investment for the quarters stated therein equally over four quarters commencing with the quarter in which the loss is incurred. Accordingly, the bank has availed the option and charged ₹1208.71Crores to the Profit & Loss account during the year and there is no unamortised balance as on 31st March 2019.

ओ. लेखांकन नीति में परिवर्तन:

1. एनपीआई डिबेंचर और वरीयता शेयरों के मूल्यांकन में महत्वपूर्ण लेखा नीतियों में परिवर्तन के परिणामस्वरूप रु 60.00 करोड़ का उच्च मूल्यह्रास होगा।
2. विक्रय/डिस्पोज़ आस्तियों और आस्तियों के नए परिवर्धन पर मूल्यह्रास पर लेखांकन नीति में परिवर्तन के कारण कोई मटेरियल प्रभाव नही है।

पी. दिवालिया एवं धनशोधन अक्षमता सलहता (आईबीसी) के प्रावधानों के तहत खातों को कवर करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के परीपत्र सं DBR-No-BP-15199/21.04.04 /2016-17 दिनांक 23 जून, 2017 और DBR-No-BP-1908/21.04.048/2017-18 दिनांक 28 अगस्त, 2017 के अनुसार बैंक 31 मार्च 2019 को कुल रु.11940.15 करोड़ के प्रावधान (कुल बकाया का 84.63%) सहित वर्ष 31 मार्च 2019 की समाप्ति के दौरान उक्त खातों में रु.433.93 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान रखता है।

क्यू. वर्ष 2017-18 के दौरान रत्न और आभूषण क्षेत्र के कुछ खातों में ब्रैडी हाउस शाखा मुंबई में धोखाधड़ी का पता चलने के संबंध में वर्ष के दौरान बैंक ने रु.7167.31करोड़ (एक्सचेंज अस्थिरता सहित) का शेष प्रावधान किया है।

आर. वर्ष के दौरान रिपोर्ट किए गए धोखाधड़ी के संबंध में प्रावधान करने हेतु बैंक ने रु.2647.85 करोड़ की व्यवस्था की है जिसकी आरबीआई के परिपत्र सं.DBR No-BP-BC-92/21.04.048/2015-16 दिनांक 18.04.2016 के अनुसार उपलब्ध विकल्प के संदर्भ में रु.1052.78 करोड़ के अतिरिक्त प्रावधान की आवश्यकता पडी। तदनुसार ₹390.38 करोड़ को लाभ हानि खाते को चार्ज तथा रु.662.40 करोड़ को उचंत व डेफर्ड को आने वाले तिमाहियों में समायोजित किया गया ।

एस. वेतन संशोधन पर प्रस्तावित द्विदलीय समझौते के अनुसार (नवंबर 2017 से प्रभावी होने के कारण),अनुमानित आधार पर वेतन संशोधन की तिमाही के दौरान रु.123.21 करोड़ की राशि प्रदान की गई है। (संचयी प्रावधान(रु.713.71 करोड़)।

टी. भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र सं. DBR-BP-BC-No-50 / 21.06.201// 2016-17 दिनांक 2 फरवरी, 2017 के संबंध में बैंक ने सांविधिक रिजर्वज़ की डेबिटिंग द्वारा रु. 451.87 करोड़ के अतिरिक्त टियर -1 बांड पर ब्याज का भुगतान किया है।

यू. द इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया द्वारा जारी एकाउंटिंग स्टेंडर्ड 22 "आय पर कर के लिए लेखांकन" के अनुसार भविष्य की कर योग्य आय की उपलब्धता की समीक्षा और निश्चितता के आधार पर, बैंक ने तिमाही के लिए रु.2440.90 करोड़ और 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए रु. 5365.35 करोड़ के शुद्ध आस्थगित कर आस्तियों को को मान्यता दी है।

40. 1. जहां भी आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुन: समूहित/ पुन: व्यवस्थित/ पुन: वर्गीकृत किए गए हैं।
2. कोष्ठक में जहां भी आंकडें दिए गए हैं (मद संख्या 15 को छोड़कर: एएस 15 - कर्मचारी लाभ) पिछले वर्ष से संबंधित हैं।
3. मद संख्या 15 में कोष्ठक में दिए गए आंकड़े: एएस 15-कर्मचारी लाभ नेगेटिव है।

o. Changes in accounting policy:

1. The Impact due to change in Significant Accounting Policies in valuation of NPI Debentures and Preference shares would result in a higher depreciation of ₹60.00Crore.
2. There is no material impact due to change in accounting policy on Depreciation on fresh additions to assets and assets sold/disposed off.

p. As per RBI Letter no. DBR.No.BP.15199/ 21.04.048/2016-17 dated 23rd June, 2017and letter no DBR.No.BP.1908/ 21.04.048/2017-18 dated 28th August, 2017 for the accounts covered under the provisions of Insolvency and Bankruptcy code (IBC), the bank is holding total provision of ₹11940.15Crores as on 31st March 2019 (84.63% of total outstanding) including additional provision of ₹433.93 crores in said accounts made during the year ended on March 31, 2019.

q. During the year Bank has made remaining provision of ₹7167.31Crores (including exchange fluctuation) in respect of Fraud detected at Brady House Branch Mumbai in certain accounts of Gems & Jewellery Sector during 2017-18.

r The Bank has availed dispensation for deferment of provision in respect of frauds reported during the year of ₹2647.85Crores requiring additional provision of ₹1052.78Crores in terms of option available as per RBI circular no DBR No.BP.BC.92/21.04.048/2015-16 dated 18.04.2016.Accordingly an amount of ₹390.38Crores has been charged to profit and loss account and an amount of ₹662.40Crores have been charged to reserves & deferred for adjustment in subsequent quarters.

s. Pursuant to the proposed bipartite agreement on wage revision (due with effect from November 2017), a sum of Rs 123.21 crore has been provided during the quarter towards wage revision on estimated basis. (Cumulative provision; ₹713.71Crores).

t. In terms of RBI Circular No.DBR.BP.BC. No.50/21.06.201/2016-17 dated 2nd February, 2017 the Bank has made payment of Interest on Additional Tier -1 Bonds of ₹451.87Crore by debiting Statutory Reserves.

u. Based on the review and certainty of availability of future taxable income,the bank has recognised net Deferred Tax Assets of ₹2440.90Crores for the quarter and ₹5365.35Crores for the year ended 31stMarch, 2019in accordance with Accounting Standard-22, "Accounting for Taxes on Income" issued by The Institute of Chartered Accountants of India.

40. 1. Figures of the previous year have been regrouped / rearranged / reclassified wherever necessary.
2. Figures in the bracket wherever given (except Item no. 15: AS 15 – Employees Benefits) relates to previous year.
3. Figures given in the bracket in Item No. 15: AS 15 – Employees Benefits are in negative.

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के तुलनपत्र के साथ संलग्न नकदी प्रवाह विवरण-पत्र
CASH FLOW STATEMENT ANNEXED TO THE BALANCE SHEET FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2019

(INR '000)

	विवरण Particulars		2018-19	2017-18
अ. A.	परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह **Cash Flow from Operating Activities**			
(I)	कर के पश्चात् शुद्ध घाटा **Net Loss after Tax**		**(9,97,54,860)**	**(12,28,28,203)**
	जोड़िए : कर के लिए प्रावधान (आस्थगित कर का शुद्ध) Add Provision for Tax (net of deferred tax)		(5,37,02,756)	(7,29,22,570)
	कर से पूर्व घाटा **Loss before tax**	(i)	**(15,34,57,616)**	**(19,57,50,773)**
(ii)	निम्नलिखित के लिए समायोजन: **Adjustment for :**			
	अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास Depreciation on Fixed Assets		57,80,240	57,61,673
	घटाइए : प्रारक्षित निधि से आहरित राशि Less : Amount drawn from Reserve		(45,18,740)	-
	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान Provisions for non performing assets		24,43,45,783	24,45,27,342
	मानक आस्तियों पर प्रावधान Provision on Standard Assets		23,98,648	(2,14,81,783)
	निवेशों (शुद्ध) पर मूल्यह्रास/ (निर्मोचन), बट्टा खाता, प्रावधान Depreciation/ (Release), Write off, Provision on Investments (net)		1,64,09,460	2,02,71,464
	अन्य प्रावधान (शुद्ध) Other Provisions (net)		3,83,18,775	5,53,97,956
	अनुषंगी / अन्य से लाभांश (निवेश कार्यकलाप) Dividend from Subsidiary / Others (Investing Activity)		(14,88,016)	(7,83,929)
	बॉण्डों से ब्याज (वित्तीय कार्यकलाप) Interest on Bonds (Financing Activity)		1,15,23,864	1,80,71,046
	अचल आस्तियों की बिक्री से लाभ/ हानि (शुद्ध) Profit / Loss on sale of Fixed Assets (net)		(1,83,720)	(25,934)
	परिचालन आस्तियों व देयताओं में परिवर्तनों से पूर्व परिचालन लाभ **Operating Profit before Changes in Operating Assets and Liabilities**	(ii) (i+ii)	**31,25,86,292** **15,91,28,677**	**32,17,37,835** **12,59,87,062**
(iii)	**परिचालन आस्तियों व देयताओं में शुद्ध परिवर्तन के लिए समायोजन** **Adjustment for net change in Operating Assets and Liabilities**			
	निवेशों में कमी / (वृद्धि) Decrease / (Increase) in Investments		(3,46,66,855)	(14,89,09,395)
	अग्रिमों में कमी / (वृद्धि) Decrease / (Increase) in Advances		(49,61,13,680)	(37,86,06,459)

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के तुलनपत्र के साथ संलग्न नकदी प्रवाह विवरण-पत्र
CASH FLOW STATEMENT ANNEXED TO THE BALANCE SHEET FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2019

(INR '000)

	अन्य आस्तियों में कमी / (वृद्धि) Decrease / (Increase) in Other Assets		73,08,699	(6,75,98,088)
	जमाराशियों में वृद्धि / (कमी) Increase / (Decrease) in Deposits		33,80,39,442	20,52,21,755
	उधारों में वृद्धि / (कमी) Increase / (Decrease) in Borrowings		(19,30,43,329)	21,29,74,126
	अन्य देयताओं व प्रावधानों में वृद्धि / (कमी) Increase / (Decrease) in Other Liabilities & Provisions		(8,99,69,906)	7,85,74,121
		(iii)	(46,84,45,629)	(9,83,43,940)
	परिचालनों से उत्पन्न नकदी **Cash generated from Operations**	**(i+ii+iii)**	**(30,93,16,952)**	**2,76,43,122**
	प्रदत्त कर (वापसी का शुद्ध) Tax Paid (net of refund)		(41,26,884)	(1,75,26,209)
	परिचालन कार्यकलापों से शुद्ध नकदी **Net Cash used in Operating Activities**	**(अ) (A)**	**(31,34,43,837)**	**1,01,16,913**
आ. B.	**निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह (प्रयुक्त) Cash flow from (used in) Investing Activities**			
	अचल आस्तियों की खरीद (बिक्री का शुद्ध) Purchase of Fixed Assets (net of Sales)		(43,46,290)	(64,96,527)
	अनुषंगियों/ संयुक्त उद्यमों/ क्षे.ग्रा. बैंकों से प्राप्त लाभांश Dividend recd from Subsidiaries / JV / RRBs		14,88,016	7,83,929
	अनुषंगियों/ संयुक्त उद्यमों/ क्षे.ग्रा. बैंकों में निवेश Investment in Subsidaries / JV / RRBs		2,54,580	(71,67,490)
	निवेश कार्यकलापों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी **Net Cash used in investing Activities**	**(आ) (B)**	**(26,03,694.00)**	**(1,28,80,088)**
इ. C.	**वित्तीयन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह (प्रयुक्त) Cash flow from (used in) Financing Activities**			
	शेयर पूँजी जारी करना (प्रीमियम सहित) Issue of Share Capital (incl. Premium)		14,80,36,772	10,42,37,786
	जारी बॉण्डों का (मोचन) (टीयर-I व टीयर-II) Issued(Redemption) of Bonds (Tier I & Tier II)		(2,22,05,000)	(1,21,00,000)
	बॉण्डों पर प्रदत्त ब्याज (टीयर-I व टीयर-II) Interest paid on Bonds (Tier I & Tier II)		(1,15,23,864)	(1,80,71,046)
	लाभांश का भुगतान (लाभांश पर कर सहित) Payments of Dividends (incl.tax on Dividend)		-	-
	वित्तीयन कार्यकलापों से शुद्ध नकदी **Net Cash from Financing Activities**	**(इ) (C)**	**11,43,07,908**	**7,40,66,740**
ई D	**नकदी तथा नकदी तुल्यों में शुद्ध परिवर्तन** **Net Change in Cash and Cash Equivalents**	**(अ+आ+इ) (A+B+C)**	**(20,17,39,623)**	**7,13,03,565**
	वर्ष के आरम्भ में नकदी तथा नकदी तुल्य **Cash and Cash Equivalents at the beginning of the year**			

नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष Cash and Balances with Reserve Bank of India	28,78,90,324		25,20,99,957	
बैंकों के पास शेष और मांग राशि व अल्प सूचना Balances with Banks & Money at Call & Short Notice	66,67,29,711	**95,46,20,035**	63,12,16,513	**88,33,16,470**
वर्ष के अंत में नकदी तथा नकदी तुल्य **Cash and Cash Equivalents at the end of the year**				
नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष Cash and Balances with Reserve Bank of India	32,12,91,338		28,78,90,324	
बैंकों के पास शेष और मांग राशि व अल्प सूचना Balances with Banks & Money at Call & Short Notice	43,15,89,074	**75,28,80,412**	66,67,29,711	**95,46,20,035**
		(20,17,39,623)		**7,13,03,565**

टिप्पणियाँ :

1 प्रदत्त प्रत्यक्ष करों (वापसी का शुद्ध) को परिचालन कार्यकलापों से उद्भूत माना गया है तथा इन्हें निवेश तथा वित्तीयन कार्यकलापों के मध्य विभक्त नहीं किया गया है।

2 माइन्स में दिए गए सभी आंकड़े 'नकदी बाह्य प्रवाह' दर्शाते हैं ।

Notes :-

1 Direct taxes paid (net of refund) are treated as arising from operating activities and are not bifurcated between investing and financing activities.

2 All figures in minus represents "Cash Out Flow"

पी के वार्ष्णेय
P K VARSHNEY
मुख्य प्रबन्धक
CHIEF MANAGER

एस के जैन
S K JAIN
उप महाप्रबन्धक
DY. GENERAL MANAGER

पी के शर्मा
P K SHARMA
महाप्रबन्धक
GENERAL MANAGER

ए के आजाद
A K AZAD
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

एल वी प्रभाकर
L V PRABHAKAR
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

डॉ. आर के यदुवंशी
DR R K YADUVANSHI
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
MANAGING DIRECTOR & C.E.O.

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
अध्यक्ष
CHAIRMAN

डॉ रबी एन मिश्रा
Dr. RABI N. MISHRA
निदेशक
DIRECTOR

महेश बाबू गुप्ता
MAHESH BABOO GUPTA
निदेशक
DIRECTOR

संजय वर्मा
SANJAY VERMA
निदेशक
DIRECTOR

डॉ. आशा भंडारकर
Dr. ASHA BHANDARKER
निदेशक
DIRECTOR

As per our report of even date

कृते जी एस माथुर एंड कम्पनी
For G S Mathur & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 008744एन
FRN 008744N

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
सदस्य सं. 091007
M No.091007

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
For MKPS & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 302014ई
FRN 302014E

(संजय कुमार परीदा)
साझेदार
(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
सदस्य सं. 504222
M No.504222

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
For HDSG & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 002871एन
FRN 002871N

(दलबीर सिंह गुलाटी)
साझेदार
(Dalbir Singh Gulati)
Partner
सदस्य सं. 081024
M No.081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
For M K Aggarwal & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 001411एन
FRN 001411N

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
(M K Aggarwal)
Partner
एम नं. 14956
M No.14956

कृते ए जॉन मोरिस एंड कं.
For A John Moris & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 007220एस
FRN 007220S

(जी. कुमार)
साझेदार
(G. Kumar)
Partner
एम. नं. 023082
M.No.023082

दिनांक : 28.05.2019
Date : 28.05.2019
स्थान : नई दिल्ली
Place : New Delhi

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों का प्रतिवेदन

पंजाब नैशनल बैंक के सदस्यों के लिए

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों के लेखा परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

1. हमने पंजाब नैशनल बैंक के वित्तीय विवरणियों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2019 के तुलन पत्र और लाभ व हानि खाते तथा तत्संबंधी समाप्त वर्ष के नकदी प्रवाह विवरण तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सार एवं अन्य विवेचनात्मक सूचना सम्मिलित है इसमें उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए हमारे द्वारा लेखा परीक्षित 20 शाखाओं और सांविधिक शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित 3861 शाखाओं का रिटर्न शामिल है। हमारे द्वारा ऑडिट की गई और अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा ऑडिट की गई शाखाओं का चयन बैंक द्वारा लेखा परीक्षा के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया है । तुलन पत्र में, लाभ व हानि विवरणी खाते में और नकद प्रवाह विवरणी में 3109 शाखाओं और 116 बैंक के अन्य कार्यालय की रिटर्न भी सम्मिलित हैं जो ऑडिट के विषयाधीन नहीं थी। इन गैर लेखा परीक्षित शाखाओं और कार्यालयों के खातों के अग्रिमों में 5.38 प्रतिशत, जमाराशियों में 23.65 प्रतिशत, ब्याज आय में 6.98 प्रतिशत तथा ब्याज व्यय में 22.48 प्रतिशत अंश है। उक्त के आधार पर :

2. हमारी राय में और हमारी जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण बैंक के लिए अपेक्षित तरीके से बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (अधिनियम) द्वारा आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं और आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं और :

   ए) 31 मार्च, 2019 तक की बैंक की स्थिति के तुलन पत्र के मामले में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है।

   बी) उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाते के मामले में सही हानि शेष प्रदान करता है। तथा

   सी) उस वर्ष को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण के मामले में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है ।

अभिमत का आधार

3. हमने इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टड एकाउंटेन्ट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) द्वारा लेखा परीक्षा पर जारी मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा की है । उन मानकों के तहत हमारी ज़िम्मेदारियाँ आगे हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ खंड में वर्णित किया गया है। भारत में वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार हम बैंक से स्वतंत्र हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है । हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

4. मुख्य लेखा परीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। हमने अपनी रिपोर्ट में बताए जाने वाले लेखा-परीक्षा मामलों के रूप में निम्न मामलों को वर्णित किया है। सम्पूर्ण वित्तीय विवरणों की हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के सन्दर्भ में और उस पर हमारा अभिमत बनाने में इन मामलों को दर्शाया गया है

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of Punjab National Bank

Report on Audit of the Standalone Financial Statements

Opinion

1. We have audited the financial statements of the Punjab National Bank which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2019, and the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended and notes to financial statements including a summary of significant accounting policies and other explanatory information, in which are included returns for year ended on that date of 20 branches audited by us and 3861 branches audited by statutory branch auditors. The branches audited by us and those audited by other auditors have been selected by the Bank in accordance with the guidelines issued to the Bank by the Reserve Bank of India. Also included in the Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement are the returns from 3109 branches and 116 other offices of the bank which have not been subjected to audit. These unaudited branches account for 5.38 percent of advances, 23.65 per cent of deposits, 6.98 per cent of interest income and 22.48 percent of interest expenses. Based on above :

2. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Banking Regulation Act, 1949 (the 'Act') in the manner so required for bank and are in conformity with accounting principles generally accepted in India and give:

   a) true and fair view in case of the Balance sheet, of the state of affairs of the Bank as at 31st March, 2019;

   b) true balance of loss in case of Profit and Loss Account for the year ended on that date; and

   c) true and fair view in case of Cash Flow Statement for the year ended on that date.

Basis for Opinion

3. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements' section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the code of ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India together with ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements in India, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the code of ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Key Audit Matters

4. Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters. We have determined the matters described below to be the key audit matters to be communicated in our report.

मुख्य लेखा-परीक्षा मामले	लेखा-परीक्षा में कैसे हमारे मामले को दर्शाया गया है।
अग्रिम-वर्गीकरण और प्रावधानीकरण (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 9 का संदर्भ लें, लेखा नीति संख्या 5 के साथ पढ़ें) अग्रिमों को अर्जक और अनर्जक अग्रिमों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार इसका प्रावधानीकरण किया गया है। वर्गीकरण और प्रावधानीकरण बैंक के आईटी सॉफ्टवेयर लैडर द्वारा किया जाता है जो कोर बैकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) से सभी आवश्यक डेटा लाता है। विवेकपूर्ण मानदंडों के तहत एनपीए के प्रावधानीकरण की सीमा मुख्य रूप से इसके काल प्रभावन और पूर्वाधिकार प्रतिभूति की वसूली योग्यता पर आधारित है। विवेकपूर्ण मानदंडों के किसी भी अनुचित उपयोग या प्रतिभूति के गलत मूल्य निर्धारण की स्थिति में, क्योंकि प्रतिभूति के मूल्य निर्धारण में उच्च स्तर का अनुमान और मूल्यांकन होता है, अग्रिमों का वहन मूल्य व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से वस्तुत: गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है, और वित्तीय विवरणों में अग्रिमों की राशि अर्थात कुल आस्तियों का 59.13% के महत्व को देखते हुए अग्रिमों का वर्गीकरण और इसके प्रावधानीकरण को हमारी लेखा-परीक्षा में मुख्य लेखा परीक्षा मामला माना गया है।	हमारी लेखापरीक्षा पद्धति में आस्तियों के वर्गीकरण और इसके प्रावधानीकरण के संबंध में बैंक के सॉफ्टवेयर, परिपत्र, दिशा-निर्देश और भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेश और बैंक के आंतरिक निर्देश और प्रक्रियाओं को सम्मिलित किया गया और निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया गया। -अग्रिमों से संबंधित आय की पहचान, आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण के संबंध में प्रासंगिक आरबीआई के दिशानिर्देशों का पालन करने में बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन किया गया और समझा गया। इन्हें ने डिजाइन और कार्यान्वयन के साथ-साथ प्रासंगिक नियंत्रणों के संचालनात्मक प्रभावशीलता की जाँच की, जिसमें अग्रिमों से संबंधित आय पहचान, आस्ति वर्गीकरण और प्रावधान के संबंध में मैनुअल प्रक्रिया के संयोजन की जांच भी शामिल है को पुन: जांचा गया। किसी भी अग्रिम खाते में अतिदेय, असंतोषजनक आचरण या कमी का पता लगाने के लिए बड़े और दबावग्रस्त अग्रिमों की जांच के आधार पर प्रलेखनों, परिचालन/प्रदर्शन और अग्रिम खातों की निगरानी की समीक्षा की गई, हमारे द्वारा लेखा-परीक्षित शाखाओं/संबंधित प्रभागों के संबंध में आरबीआई के विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार वर्गीकरण की जांच एवं शाखा सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखाओं के संबंध में, हमने उनकी रिपोर्टों पर भरोसा किया है। इसके अतिरिक्त हमने टेस्ट चेक के आधार पर किसी प्रतिकूल विशेषताओं / टिप्पणियों वाले अग्रिमों का पता लगाने के लिए ऋण लेखा-परीक्षा, निरीक्षण लेखा-परीक्षा, जोखिम आधारित आंतरिक लेखा-परीक्षा, समवर्ती लेखा-परीक्षा, नियामक लेखा-परीक्षा की रिपोर्टों की समीक्षा की है और सीबीएस / लैडर से जारी रिपोर्ट की समीक्षा की। **हमारे परिणाम:** लेनदेन के महत्व को देखते हुए हमारी लेखा-परीक्षा प्रक्रिया के परिणामो को पर्याप्त और संतोषजनक माना गया।

Key Audit Matters	**How our matter was addressed in the audit**
Advances – classification and provisioning (Refer Schedule 9 to the financial statements, read with the Accounting Policy No.5) The advances are classified as performing and non-performing advances (NPA) and provisioning thereon is made in accordance with the prudential norms as prescribed by the Reserve Bank of India (RBI). The classification and provisioning is done by the Bank's IT software Ladder which imports all the required data from Core Banking Solution (CBS). The extent of provisioning of NPA under the prudential norms are mainly based on its ageing and recoverability of the underlined security. In the event of any improper application of the prudential norms or consideration of the incorrect value of the security, as the valuation of the security involves high degree of estimation and judgement, the carrying value of the advances could be materially misstated either individually or collectively, and in view of the significance of the amount of advances in the financial statements i.e.59.13 % of total assets, the classification of the advances and provisioning thereon has been considered as Key Audit Matter in our audit.	Our audit approach included an understanding of the Bank's software, circulars, guidelines and directives of the Reserve Bank of India and the Bank's internal instructions and procedures in respect of the assets classification and its provisioning and adopted the following audit procedures: - Evaluated and understood the Bank's internal control system in adhering to the Relevant RBI guidelines regarding income recognition, asset classification and provisioning pertaining to advances. - Test checked the design and implementation as well as operational effectiveness of relevant controls, including involvement of manual process in relation to income recognition, asset classification and provisioning pertaining to advances - Reviewed the documentations, operations / performance and monitoring of the advance accounts, on test check basis of the large and stressed advances, to ascertain any overdue, unsatisfactory conduct or weakness in any advance account, examination of classification as per prudential norms of the RBI, in respect of the branches / relevant divisions audited by us. In respect of the branches audited by the branch statutory auditors, we have placed reliance on their reports. Further we have reviewed on test check basis the reports of the credit audit, inspection audit, risk based internal audit, concurrent audit, regulatory audit to ascertain the advances having any adverse features / comments, and reviewed the reports generated from CBS/ Ladder. Our Results: The results of our audit process were observed to be adequate and satisfactory considering the materiality of the transactions.

<u>निवेश – मूल्यांकन, और गैर-निष्पादित निवेश के लिए पहचान एवं प्रावधान</u> (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 8 का संदर्भ लें, लेखा नीति संख्या 4 को पढ़ें) बैंक के निवेश पोर्टफोलियो में सरकारी प्रतिभूतियां, बांड्स, डिबेंचर, शेयरों, प्रतिभूति की रसीद और अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां के निवेश शामिल है, जिन्हें परिपक्व होने वाली, बिक्री के लिए उपलब्ध और व्यापार के लिए आयोजित होने वाली इन तीन श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। निवेशों का मूल्यांकन, गैर-निष्पादित निवेशों (एनपीआई) की पहचान और अनुकूल गैर-मान्यता आय और उस पर प्रावधान करना, आरबीआई के संबंधित परिपत्रों/दिशानिर्देशों/ निर्देशों के अनुसार किया जाता है। उपरोक्त प्रतिभूति के प्रत्येक श्रेणी (प्रकार) का मूल्यांकन आरबीआई द्वारा जारी परिपत्रों और निर्देशों में निर्धारित पद्धति के अनुसार किया जाना है, जिसमें एफबीआईएल दरें, बीएसई/एनएसई द्वारा उद्धृत दरें, गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरण, म्यूचुअल फंड के मामले में एनएवी (NAV) और प्रतिभूति रसीदें आदि जैसे विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़े/ सूचना का संग्रह शामिल है। कुछ निवेश मूल्यांकन पद्धतियों पर आधारित होते हैं जिनमें अंतर्निहित धारणाओं सहित सांख्यिकीय मॉडल, वित्तीय विवरणों पर आधारित मूल्यांकन के लिए मूल्य का निर्धारण आदि शामिल होते हैं। इसलिए, इन निवेशों के मूल्यांकन के लिए निर्धारित की गई कीमत सही द्योतक नहीं हो सकती, लेकिन आज तक के निवेशों का एक निष्पक्ष निर्धारण हो सकता है। इसलिए निवेश के मूल्यांकन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और आगे वित्तीय विवरणों (अर्थात कुल संपत्ति का 26.08%) में निवेश की राशि के महत्व को देखते हुए, उक्त को हमारे लेखा परीक्षा में मुख्य लेखा परीक्षा का मामला माना गया है।	भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों/ निर्देशों के संदर्भ सहित निवेश के प्रति हमारे लेखा परीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रण की रचना, कार्यान्वयन, परिचालन प्रभाव का परीक्षण एवं समीक्षा शामिल की गई है और गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान, वर्गीकरण, मूल्यांकन से संबंधित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं, निवेशों से संबंधित प्रावधान/अवमूल्यन भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार है। – हमने इन निवेशों का उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया की समीक्षा और मूल्यांकन की गई है। – निवेश के चयनित नमूने के लिए (प्रतिभूति की प्रकृति के आधार पर निवेश की सभी श्रेणियों को कवर करते हुए) हमने आरबीआई मास्टर परिपत्रों और निर्देशों के साथ सटिकता और अनुपालन का परीक्षण किया है। – हमने एनपीआई की पहचान, और आय के अनुकूल परिवर्तन और प्रावधान के निर्माण की प्रक्रिया का आंकलन और मूल्यांकन किया। <u>हमारे परिणाम:</u> लेनदेन के महत्व को देखते हुए हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रिया के परिणाम उचित और संतोषजनक पाए गए।

<u>Investments – valuation, and identification and provisioning for Non-Performing Investments</u> (Refer Schedule 8 to the financial statements, read with the Accounting Policy No.4) Investment portfolio of the bank comprises of Investments in Government Securities, Bonds, Debentures, Shares, Security Receipts and other Approved Securities which are classified under three categories, Held to Maturity, Available for Sale and Held for Trade. Valuation of Investments, identification of Non-performing Investments (NPI) and the corresponding non-recognition of income and provision thereon, is carried out in accordance with the relevant circulars / guidelines / directions of RBI. The valuation of each category (type) of aforesaid security is to be carried out as per the methodology prescribed in circulars and directives issued by the RBI which involves collection of data/ information from various sources such as FBIL rates, rates quoted on BSE/ NSE, financial statements of unlisted companies, NAV in case of mutual funds & security receipts etc. Certain investments are based on the valuation methodologies that include statistical models with inherent assumptions, assessment of price for valuation based on financial statements etc. Hence, the price discovered for the valuation of these Investments may not be the true representative but only a fair assessment of the Investments as on date. Hence the valuation of Investments requires special attention and further in view of the significance of the amount of Investments in the financial statements i.e. 26.08% of total assets), the same has been considered as Key Audit Matter in our audit.	Our audit approach towards Investments with reference to the RBI circulars / directives included the review and testing of the design, implementation, operating effectiveness of internal controls and audit procedures in relation to valuation, classification, identification of Non-Performing Investments, provisioning / depreciation related to Investments as per RBI guidelines - We reviewed and evaluated the process adopted for collection of information from various sources for determining fair value of these investments. - For selected sample of investments (covering all categories of investments based on nature of security) we tested accuracy and compliance with the RBI Master circulars and directions. - We assessed and evaluated the process of identification of NPIs, and corresponding reversal of income and creation of provision. <u>Our Results:</u> The results of our audit process were observed to be adequate and satisfactory considering the materiality.

वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षको की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

5. बैंक का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में कॉरपोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट शामिल है (लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षको की रिपोर्ट शामिल नहीं है), जिसे हमने इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तिथि से पूर्व ही प्राप्त कर लिया था और निदेशकों की रिपोर्ट, अनुलग्नक सहित, यदि कोई हो, जिसे हमें उस तिथि के बाद उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

वित्तीय विवरणों पर हमारा अभिमत बेसल III के तहत अन्य जानकारी और पिलर 3 प्रकटीकरण को कवर नहीं करना है और हमने इस पर किसी भी तरह का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं किया है और न ही करेंगे।

वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी उपरोक्त चिन्हित की गई अन्य सूचना को पढ़ना है और ऐसा करते समय ध्यान देना है कि क्या वित्तीय विवरणों के साथ दी गई अन्य सूचना या लेखा परीक्षा में प्राप्त हमारा ज्ञान वस्तुत: असंगत है, या अन्यथा वस्तुत: गलत तथ्य प्रस्तुत किया हुआ दिखाई देता है।

यदि, हमने उस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तिथि से पूर्व प्राप्त की गई अन्य सूचना के आधार पर कार्य किया है, तो हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य सूचना के तथ्य गलत दिए गए है, हमें उक्त तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमें इस संबंध मे कुछ रिपोर्ट नही करना है।

जब हम निदेशकों की रिपोर्ट पढ़ते हैं, अनुलग्नक सहित, यदि कोई है, तो, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई तथ्य गलत है, तो हमें इस मामले को उन लोगो को सूचित करना होगा जिन्हें अधिकार प्रभारित किया गया है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और अधिकार प्रभारित व्यक्तियों की जिम्मेदारियाँ

6. बैंक के निदेशक मंडल इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार हैं जो आमतौर पर भारत में स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बैंक के वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानको, और बैकिग विनियमन अधिनियम, 1949 के अनुच्छेद 29 के प्रावधानों एवं समय-समय पर भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए परिपत्रों और दिशानिर्देशों को शामिल किया गया हैं। इस जिम्मेदारी में बैंक की अस्तियों की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने और उसका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव (उचित लेखांकन नीतियों का चयन और आवेदन निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैं) और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का रखरखाव, डिजाइन, कार्यान्वयन, जो लेखांकन के रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और गलत कथन, चाहे धोखाधड़ी या चूक के कारण हो, से मुक्त हैं, भी शामिल है ।

वित्तीय विवरणों की तैयारी में, बैंक की गोईंग कन्सर्न क्षमता के आंकलन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है प्रकटीकरण, जैसा लागू हो, गोईंग कन्सन से संबंधित मामलों और लेखांकन के आधार गोईंग कन्सन के आधार

Information Other than the Financial Statements and Auditor's Report thereon

5. The Bank's Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the Corporate Governance Report (but does not include the financial statements and our auditor's report thereon), which we obtained prior to the date of this auditor's report, and Directors' Report, including annexures, if any, thereon, which is expected to be made available to us after that date.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and Pillar 3 disclosure under Basel III and we do not and will not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information identified above and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained in the audit, or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed on the other information that we obtained prior to the date of this auditor's report, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

When we read the Directors' Report, including annexure, if any, thereon, if we conclude that there is a material misstatement therein, we are required to communicate the matter to those charged with governance.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for the Standalone Financial Statements

6. The Bank's Board of Directors is responsible with respect to the preparation of these standalone financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Bank in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI, and provisions of Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and circulars and guidelines issued by the Reserve Bank of India ('RBI') from time to time. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related

का उपयोग करना जब तक प्रबंधन न तो बैंक को लीक्वीडेट करने या परिचालन को रोकने का इरादा नहीं रखता हो या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प न रहे ।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व

7. हमारा उद्देश्य इस संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या संपूर्ण रूप से वित्तीय विवरण भौतिक दुर्व्यवहार से मुक्त हैं, चाहे वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी करने के लिए हो जिसमें हमारी सम्मति भी शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नही है कि आश्वासन द्वारा किया गया लेखापरीक्षा सदैव मौजूद होने पर किसी सामग्री के गलत होने का पता लगाएगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकता है और महत्वपूर्ण माना जाएगा यदि, व्यक्तिगत या समग्र रूप से, वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने के लिए यथोचित अपेक्षा की जा सकती है।

एसए के अनुसार एक लेखापरीक्षा के खंड के रूप में, हम व्यवसायी निर्णय लेते हैं और पूरे लेखापरीक्षण में व्यवसायी संदेहवाद को बनाए रखते हैं। साथ ही हम:

- वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरणी के जोखिमें पहचानें और उनका आकलन करें, क्या वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण है, इन जोखिमों के लिए उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिज़ाइन करें और कार्रवाई करें, तथा लेखापरीक्षा प्रमाण प्राप्त करें जो हमारे विचार को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण गलत विवरणी का पता न लगने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की अभिभाविता शामिल हो सकती है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों एवं संबंधित प्रकटीकरण की तर्कशीलता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन संबंधी विषय के आधार पर प्रबंधन की उपयुक्तता के निष्कर्ष के आधार पर तथा, प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्यों के आधार पर, क्या कोई ऐसी घटना या परिस्थितियों से संबंधित महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद है जो बैंक की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह कायम कर सकती है जो निरंतर एक गोईंग कर्न्सन का विषय है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासों पर ध्यान आकर्षित करना होगा या यदि इस तरह के खुलासे हमारी राय को संशोधित करने में अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थितियों से बैंक के लिए गोईंग कर्न्सन रहने से रोकने का कारण बन सकता है।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना एवं सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन तथा घटनाओं को इस तरह से दर्शाते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करते हैं।

हम शासन द्वारा प्रभारित अन्य मामलों से भी संपर्क कर रहे हैं, लेखापरीक्षा का योजनाबद्ध विस्तार तथा महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों को शामिल किया गया हो जो लेखापरीक्षा के दौरान पहचानी गई हों।

हमने इन लोगों को भी एक बयान के साथ अधिकार प्रदान किया है कि

to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

7. Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAS, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the bank to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

जिन्होने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ पालन किया है, और उन सभी संबंधो तथा अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जिन्हें हमारी स्वतंत्रता को मानता है के लिए उचित माना जा सकता है, और संबंधित सुरक्षा उपाय जहां भी लागू हो।

शासन के साथ आरोपित मामलों से संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्व रखते थे और इसलिए वे प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन इस मामले के संबंध में कोई सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं करते या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हमने यह पाया हैं कि हमारी रिपोर्ट के किसी मामले का संचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणामों के फलस्वरूप सार्वजनिक हित का लाभ उठाने हेतु यथोचित उम्मीद की जाएगी।

अन्य मामले

8. हमने बैंक के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों सहित 3861 शाखाओं के वित्तीय विवरण/सूचना का लेखापरीक्षण नहीं किया है, जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी दिनांक 31 मार्च 2019 तक रु.379370.38 करोड़ की कुल आस्तियों को दर्शाता है तथा उस तिथि को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष हेतु रु.21751.57 के कुल राजस्व जो दर्शाता है, जैसा कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में पाया गया है। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/सूचनाओं का लेखापरीक्षण शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया, जिनकी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत की गई है, और अब तक हमारे विचार में यह शाखाओं के संबंध में शामिल जमाराशियों तथा प्रकटीकरण से संबंधित है, यह पूरी तरह से शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

इस मामले के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

9. बैकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अनुसार तुलन पत्र एवं लाभ और हानि खाता तैयार किया गया है।

10. उक्त 5 से 7 पैराग्राफ में इंगित लेखापरीक्षा की सीमाओं के अधीन और बैकिंग कंपनियों (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 के आवश्यकतानुसार है और इसके अतिरिक्त आवश्यक प्रकटीकरण की सीमाओं के अधीन भी है, हम रिपोर्ट करते हैं:

ए. हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सर्वोत्तम है, हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए आवश्यक थे और उन्हें संतोषजनक पाया है।

बी. बैंक का लेन-देन, जो हमारे संज्ञान में आया है, बैंक की शक्तियों के भीतर हुआ है।

सी. ए बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणों को हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए पर्याप्त पाया गया है।

11. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

ए. हमारी राय में, विधि द्वारा अपेक्षित खाता-बहियों को बैंक द्वारा अब तक यथोचित रूप से रखा गया हैं, जैसाकि यह हमारी उन पुस्तकों की जांच से प्रकट होता है और हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए पर्याप्त उचित विवरण हमारे द्वारा विजिट नही की गई शाखाओं से प्राप्त किया गया है।

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Other Matter

8. We did not audit the financial statements / information of 3861 branches included in the standalone financial statements of the Bank whose financial statements / financial information reflect total assets of Rs. 379370.38 crores as at 31st March 2019 and total revenue of Rs. 21751.57 for the year ended on that date, as considered in the standalone financial statements. The financial statements / information of these branches have been audited by the branch auditors whose reports have been furnished to us, and in our opinion in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of branches, is based solely on the report of such branch auditors.

Our opinion is not modified in respect of this matter.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

9. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949:

10. Subject to the limitations of the audit indicated in paragraphs 5 to 7 above and as required by the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, and subject also to the limitations of disclosure required therein, we report that:

    a. We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory;

    b. The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank; and

    c. The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit.

11. We further report that:

    a. in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as it appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from branches not visited by us;

बी. इस रिपोर्ट द्वारा दी गई तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता और नकदी प्रवाह का विवरण, खाते की पुस्तकों के साथ और हमारे द्वारा दौरा नही की गई शाखाओं से प्राप्त विवरण के साथ हैं।

सी. बैकिग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अंतर्गत बैंक के शाखा लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखा कार्यालयों के खातों की रिपोर्ट हमें भेज दी गई है और और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे साथ ठीक से प्रस्तुत हुए हैं: और

डी. हमारी राय में, तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता और नकदी प्रवाह का विवरण लागू लेखांकन मानकों का उस सीमा तक अनुपालन करता है जब तक कि वे आरबीआई द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों के साथ असंगत नहीं होते ।

कृते जी एस माथुर एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन 008744एन

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
सदस्य सं. 091007

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएन 302014ई

(संजय कुमार परिदा)
साझेदार
सदस्य सं. 504222

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
एफआरएन 002871एन

(दलबीर सिह गुलाटी)
साझेदार
सदस्य सं.081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन 001411एन

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
सदस्य सं.14956

कृते ए जॉन मोरिस एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन 007220एस

(जी. कुमार)
साझेदार
सदस्य सं.023082

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 28 मई, 2019

b. the Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Statement of Cash Flows dealt with by this report are in agreement with the books of account and with the returns received from the branches not visited by us;

c. the reports on the accounts of the branch offices audited by branch auditors of the Bank under section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 have been sent to us and have been properly dealt with by us in preparing this report; and

d. In our opinion, the Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Statement of Cash Flows comply with the applicable accounting standards, to the extent they are not inconsistent with the accounting policies prescribed by RBI.

For G S Mathur & Co.
Chartered Accountants
Frn 008744N

(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
M.no. 091007

For MKPS & Associates.
Chartered Accountants
Frn 302014E

(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
M.no. 504222

For HDSG & Associates
Chartered Accountants
Frn 002871N

(Dalbir Singh Gulati)
Partner
M.no. 081024

For M K Aggarwal & Co.
Chartered Accountants
Frn 001411N

(M K Aggarwal)
Partner
M.no. 14956

For A John Moris & Co.
Chartered Accountants
Frn 007220S

(G Kumar)
Partner
M.no. 023082

Place: New Delhi
Date: May 28, 2019

समेकित वित्तीय विवरण

Consolidated Financial Statement

पंजाब नैशनल बैंक का 31 मार्च 2019 की स्थिति के अनुसार समेकित तुलन-पत्र
CONSOLIDATED BALANCE SHEET OF PUNJAB NATIONAL BANK AS ON 31ST MARCH '2019

(₹ करोड़ में)
(₹ in crore)

पूँजी और देयताएं **CAPITAL & LIABILITIES**	अनुसूची **Schedule**	31.03.2019 को **As on 31.03.19**	31.03.2018 को **As on 31.03.18**
पूँजी Capital	1	920.81	552.11
प्रारक्षित निधियाँ और अधिशेष की री-ग्रुपिंग की गई Reserves & Surplus Regrouping done	2	44276.70	40965.19
अल्पांश हित Minority Interest	2A	320.62	308.53
जमाराशियाँ Deposits	3	681874.18	648439.01
उधार Borrowings	4	46827.97	65329.66
अन्य देयताएं और प्रावधानों की री-ग्रुपिंग की गई Other Liabilities and Provisions Regrouping done	5	15045.51	21933.57
जोड़ TOTAL		**789265.79**	**777528.07**
आस्तियाँ ASSETS			
भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकदी और जमा शेष Cash and Balances with Reserve Bank of India	6	32338.32	29028.91
बैंकों के पास जमा शेष और माँग तथा अल्प सूचना पर प्राप्य धन Balances with Banks & Money at call & short notice	7	44957.65	68459.24
निवेश Investments	8	209723.00	204418.68
ऋण और अग्रिम Loans & Advances	9	462416.23	438825.78
अचल आस्तियाँ Fixed Assets	10	6247.58	6370.99
अन्य आस्तियाँ Other Assets	11	33583.01	30424.47
जोड़ TOTAL		**789265.79**	**777528.07**
आकस्मिक देयताएं Contingent Liabilities	12	307895.89	308790.20
उगाही बिल Bills for Collection		27866.28	27898.25

पी के वार्ष्णेय P K VARSHNEY मुख्य प्रबन्धक CHIEF MANAGER	**एस के जैन S K JAIN उप महाप्रबन्धक DY. GENERAL MANAGER**	**पी के शर्मा P K SHARMA महाप्रबन्धक GENERAL MANAGER**
ए के आजाद A K AZAD कार्यपालक निदेशक EXECUTIVE DIRECTOR	**एल वी प्रभाकर L V PRABHAKAR कार्यपालक निदेशक EXECUTIVE DIRECTOR**	**डॉ. आर के यदुवंशी DR R K YADUVANSHI कार्यपालक निदेशक EXECUTIVE DIRECTOR**

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
MANAGING DIRECTOR & C.E.O.

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
अध्यक्ष
CHAIRMAN

डॉ रबी एन मिश्रा
Dr. RABI N. MISHRA
निदेशक
DIRECTOR

महेश बाबू गुप्ता
MAHESH BABOO GUPTA
निदेशक
DIRECTOR

संजय वर्मा
SANJAY VERMA
निदेशक
DIRECTOR

डॉ. आशा भंडारकर
Dr. ASHA BHANDARKER
निदेशक
DIRECTOR

कृते जी एस माथुर एंड कम्पनी
For G S Mathur & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 008744एन
FRN 008744N

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
सदस्य सं. 091007
M No.091007

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
For MKPS & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 302014ई
FRN 302014E

(संजय कुमार परीदा)
साझेदार
(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
सदस्य सं. 504222
M **No.504222**

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
For HDSG & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 002871एन
FRN 002871N

(दलबीर सिंह गुलाटी)
साझेदार
(Dalbir Singh Gulati)
Partner
सदस्य सं. 081024
M No.081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
For M K Aggarwal & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 001411एन
FRN 001411N

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
(M K Aggarwal)
Partner
एम नं. 14956
M No.14956

कृते ए जॉन मोरिस एंड कं.
For A John Moris & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 007220एस
FRN 007220S

(जी. कुमार)
साझेदार
(G. Kumar)
Partner
एम. नं. 023082
M.No.023082

दिनांक : 28/05/2019
Date : 28/05/2019
स्थान : नई दिल्ली
Place : New Delhi

पंजाब नैशनल बैंक का 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का समेकित लाभ व हानि लेखा
CONSOLIDATED PROFIT & LOSS ACCOUNT OF PUNJAB NATIONAL BANK FOR THE PERIOD ENDED 31ST MARCH '2019

(₹ करोड़ में)
(₹ in crore)

	अनुसूची Schedule	31.03.2019 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.19	31.03.2018 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.18
I. आय INCOME			
अर्जित आय Interest earned	13	52147.14	48724.85
अन्य आय Other Income	14	7367.38	8883.34
जोड़ TOTAL		**59514.53**	**57608.19**
II. व्यय EXPENDITURE			
खर्च किया गया ब्याज Interest expended	15	34655.66	33530.39
परिचालन खर्च Operating expenses	16	11689.26	13642.59
प्रावधान और आकस्मिकताएँ Provisions and Contingencies		23196.01	23019.55
जोड़ TOTAL		**69540.93**	**70192.53**
अल्पांश हित से पूर्व मूल व सहायक संस्थाओं का वर्ष के लिए समेकित शुद्ध लाभ Consolidated Net Profit for the year of the parent & subsidiaries before Minority Interest		-10026.41	(12,584.34)
घटाएं : अल्पांश हित Less : Minority Interest		20.09	2.10
अल्पांश हित से पश्चात मूल व सहायक संस्थाओं का वर्ष के लिए समेकित शुद्ध लाभ Consolidated Net Profit for the year of the parent & subsidiaries after Minority Interest		-10046.49	(12,586.44)
सहायक संस्थाओं में अर्जन का अंश (शुद्ध) Share of earnings in Associates (net)	17	476.39	473.07
वर्ष के लिए समूह का समेकित शुद्ध लाभ Consolidated Net Profit for the year attributable to the group		-9570.11	(12,113.37)
जोड़ें : समूह का आगे लाया गया समेकित लाभ Add : Brought forward consolidated profit attributable to the group		206.00	219.84
जोड़ें : प्रारक्षित पूँजी से अंतरित Add: Transferred from Capital Reserve		0.00	0.00
विनियोजन के लिए उपलब्ध लाभ Profit available for Appropriation		**-9364.11**	**(11,893.53)**

पंजाब नैशनल बैंक का 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष का समेकित लाभ व हानि लेखा
CONSOLIDATED PROFIT & LOSS ACCOUNT OF PUNJAB NATIONAL BANK FOR THE PERIOD ENDED 31ST MARCH '2019

(₹ करोड़ में)
(₹ in crore)

	अनुसूची Schedule	31.03.2019 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.19	31.03.2018 को समाप्त वर्ष Year Ended 31.03.18
विनियोजन APPROPRIATIONS			
प्रारक्षित निधियों को अंतरण (शुद्ध) Transfer to Reserves (Net) :			
सार्वधिक प्रारक्षित निधि Statutory Reserve		29.49	20.64
पूँजी प्रारक्षित निधि - अन्य Capital Reserve - Others		86.13	1028.24
विनिमय घट - बढ़ प्रारक्षित निधि Exchange Fluctuation Reserve		0.35	0.00
अन्य प्रारक्षित निधि Revenue & Other Reserve		-134.31	(13,307.75)
आयकर के अनुसार विशेष प्रारक्षित निधि Special Reserve as per Income Tax		0.00	0.27
लाभांश कर सहित लाभांश Dividend Including Dividend Tax			
2018-19 के लिए प्रस्तावित लाभांश Proposed Dividend for 2018-19		30.01	61.97
अंतरिम लाभांश Interim Dividend		0.00	0.00
निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व Corporate Social Responsibility		0.00	0.00
लाभांश पर कर हेतु प्रावधान से अंतरित शेष Balance transfer from provision for tax on Dividend		0.00	0.00
समेकित तुलन-पत्र में ले जाया गया जमा शेष Balance carried over to consolidated Balance Sheet		-9375.78	303.10
		-9364.11	**(11,893.53)**
प्रति शेयर अर्जन (₹ में) वार्षिकीकृत Earnings per Share (In Rs.) Annualised		**(29.68)**	**(54.63)**
लेखा नीतियां तथा लेखा टिप्पणियां Accounting Policy & Notes on Accounts	18		

पी के वार्ष्णेय **P K VARSHNEY** **मुख्य प्रबन्धक** **CHIEF MANAGER**	**एस के जैन** **S K JAIN** **उप महाप्रबन्धक** **DY. GENERAL MANAGER**	**पी के शर्मा** **P K SHARMA** **महाप्रबन्धक** **GENERAL MANAGER**
ए के आजाद **A K AZAD** **कार्यपालक निदेशक** **EXECUTIVE DIRECTOR**	**एल वी प्रभाकर** **L V PRABHAKAR** **कार्यपालक निदेशक** **EXECUTIVE DIRECTOR**	**डॉ. आर के यदुवंशी** **DR R K YADUVANSHI** **कार्यपालक निदेशक** **EXECUTIVE DIRECTOR**

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
MANAGING DIRECTOR & C.E.O.

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
अध्यक्ष
CHAIRMAN

डॉ रबी एन मिश्रा
Dr. RABI N. MISHRA
निदेशक
DIRECTOR

महेश बाबू गुप्ता
MAHESH BABOO GUPTA
निदेशक
DIRECTOR

संजय वर्मा
SANJAY VERMA
निदेशक
DIRECTOR

डॉ. आशा भंडारकर
Dr. ASHA BHANDARKER
निदेशक
DIRECTOR

कृते जी एस माथुर एंड कम्पनी
For G S Mathur & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 008744एन
FRN 008744N

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
For MKPS & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 302014ई
FRN 302014E

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
For HDSG & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 002871एन
FRN 002871N

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
सदस्य सं. 091007
M No.091007

(संजय कुमार परीदा)
साझेदार
(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
सदस्य सं. 504222
M No.504222

(दलबीर सिंह गुलाटी)
साझेदार
(Dalbir Singh Gulati)
Partner
सदस्य सं. 081024
M No.081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
For M K Aggarwal & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 001411एन
FRN 001411N

कृते ए जॉन मोरिस एंड कं.
For A John Moris & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 007220एस
FRN 007220S

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
(M K Aggarwal)
Partner
एम नं. 14956
M No.14956

(जी. कुमार)
साझेदार
(G. Kumar)
Partner
एम. नं. 023082
M.No.023082

दिनांक : 28/05/2019
Date : 28/05/2019
स्थान : नई दिल्ली
Place : New Delhi

समेकित खातों की अनुसूची (पंजाब नैशनल बैंक)

SCHEDULES TO THE CONSOLIDATED ACCOUNTS (PUNJAB NATIONAL BANK)

अनुसूची-1 पूँजी
SCHEDULE 1 - CAPITAL

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
प्राधिकृत पूँजी Authorised Capital प्रत्येक ₹ 2 के 15,00,00,00,000 इक्विटी शेयर (1500,00,00,000 Equity shares of ₹ 2 each)	3000.00	3000.00
जारी तथा अभिदत्त Issued & Subscribed प्रत्येक रु.2/- के 460,40,47,028 (पिछले वर्ष 276,05,73,227) इक्विटी शेयर {460,40,47,028 (Previous year 276,05,73,227) Equity Shares of ₹ 2 each}	920.81	552.11
प्रदत्त Paid up प्रत्येक रु. 2/- के 460,40,47,028 (पिछले वर्ष 276,05,73,227) इक्विटी शेयर {460,40,47,028 (Previous year 276,05,73,227) Equity Shares of ₹ 2 each}	920.81	552.11
इनमें 2/- रु. प्रति इक्विटी शेयर के केन्द्रीय सरकार द्वारा धारित 347,16,92,263 इक्विटी शेयर शामिल है। (Includes equity shares of 3471692263 ₹ 2 each held by Central Government)		
जोड **TOTAL**	**920.81**	**552.11**

अनुसूची 2 - प्रारक्षित निधियाँ और अधिशेष
SCHEDULE 2 - RESERVES & SURPLUS

(रुपये करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I. **सांविधिक प्रारक्षित निधियाँ** **Statutory Reserve**				
प्रारम्भिक शेष Opening Balance	10212.49		10288.68	
वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	29.52		20.64	
जोड़े/(घटाएं): वर्ष के दौरान समायोजन Add/(Less) : Adjustment during the year	-463.89	**9778.12**	-96.83	**10212.49**
II. **पूंजीगत प्रारक्षित निधियाँ** **Capital Reserve**				
क) पुनर्मूल्यन प्रारक्षित निधियाँ a) Revaluation Reserve				
प्रारम्भिक शेष Opening Balance	3683.82		3750.53	

	31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18	
वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	101.59		66.71	
जोड़े/घटाएं: वर्ष के दौरान समायोजन Add/(Less) : Adjustment during the year	0.00		0.00	
(सम्पति के पुर्नमूल्यन भाग पर मूल्यहृास के कारण) (being Depreciation on revalued portion of Property)		**3582.23**		**3683.82**
ख) b. अन्य Others				
प्रारम्भिक शेष Opening Balance	2924.11		1982.27	
वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	86.13		941.84	
		3010.23		**2924.11**
अ. A. समेकन पर पूंजी प्रारक्षित निधि (शुद्ध) Capital Reserve on consolidation (Net)		**66.53**		**66.53**
III. राजस्व तथा अन्य प्रारक्षित निधियाँ Revenue and Other Reserve				
क) निवेश घटबढ़ प्रारक्षित निधि a. Investment Fluctuation Reserve				
प्रारम्भिक शेष Opening Balance	417.18		433.52	
वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	0.00		-16.34	
घटाएं: लाभ व हानि खाते को अंतरित Less: Trf to P & L Account	0.00		0.00	
		417.18		**417.18**
ख) b. अन्य प्रारक्षित निधि Other Reserve				
प्रारम्भिक शेष Opening Balance	-189.92		12554.81	
वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	2.73		833.16	
घटाएं: विशेष प्रारक्षित को अंतरित Less: Transferred to Special Reserve	-101.59		0.00	
घटाएं: पिछले वर्षों से सम्बन्ध समायोजन Less: Adjustment related to Prior years	796.07		13307.75	
घटाएं: संक्रमण देयता (ए एस-15) Less: Transistory Liability (AS-15)	0.00		0.00	
घटाएं: अंत: अवरूद्ध खातों के लिए भुगतान Less: Payment for Interblocked accounts	0.00		0.00	
जोड़े/(घटाएं): वर्ष के दौरान समायोजन Add/(Less) : Adjustment during the year	0.00		90.18	
		-881.67		**170.39**
ग) c. विनिमय घटबढ़ प्रारक्षित निधि Exchange Fluctuation Reserve				
प्रारम्भिक शेष Opening Balance	614.63		606.22	

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19			31.03.18 को As on 31.03.18
	जोड़ें : वर्ष के दौरान वृद्धि(शुद्ध) Add: Addition during the year (Net)	0.35		2.49	
	जोड़े/(घटाएं): वर्ष के दौरान समायोजन Add/(Less) : Adjustment during the year	50.59		5.92	
			665.57		**614.63**
IV.	**शेयर प्रीमियम** **Share Premium**				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	21109.26		10749.86	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	14447.48		10297.26	
	जोड़े/(घटाएं): वर्ष के दौरान समायोजन Add/(Less) : Adjustment during the year	-6.13		62.15	
			35550.62		**21109.26**
V.	**विशेष प्रारक्षित निधि** **Special Reserve**				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	1463.66		1463.66	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	0.00		0.00	
	अन्य प्रारक्षित निधियों से अंतरित Transfer from other reserve	0.00		0.00	
	जोड़े/घटाएं: वर्ष के दौरान समायोजन Add/(Less) : Adjustment during the year	0.00		0.00	
			1463.66		**1463.66**
VI.	**विदेशी मुद्रा अंतरण प्रारक्षित निधि** **Foreign Currency Translation Reserve**				
	प्रारम्भिक शेष Opening Balance	0.00		0.00	
	वर्ष के दौरान वृद्धि Addition during the year	0.00		0.00	
	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during the year	0.00		0.00	
			0.00		**0.00**
VII.	**लाभ-हानि खाते में शेष** **Balance in Profit & Loss Account**		**-9375.78**		**303.10**
	I,II,,III,IV,V,VI, VII का जोड़ Total I,II,,III,IV,V,VI, VII		**44276.70**		**40965.18**

अनुसूची 2अ - अल्पांश हित
Schedule 2A - Minority Interest

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
उस तारीख को अल्पांश हित जब मूल तथा सहायक संस्था का सम्बन्ध अस्तित्व में आया **Minority Interest at the date on which the parent subsidiary relationship came into existence**	149.25	149.25
परवर्ती वृद्धि Subsequent increase	171.36	159.28
तुलन पत्र की तारीख को अल्पांश हित **Minority Interest at the date of balance sheet**	**320.62**	**308.53**

अनुसूची 3 – जमाराशियाँ
SCHEDULE 3 - DEPOSITS

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
A. I माँग जमा राशियाँ DEMAND DEPOSITS				
(i) बैंकों से (i) From Banks	1706.12		1593.92	
(ii) अन्य से (ii) From Others	43719.41		39826.02	
		45425.53		**41419.93**
II बचत बैंक जमा राशियाँ SAVINGS BANK DEPOSITS		**241978.40**		**224272.14**
III मीयादी जमा राशियाँ TERM DEPOSITS				
(i) बैंकों से (i) From Banks	38501.35		52362.06	
(ii) अन्य से (ii) From Others	355968.90		330384.88	
		394470.25		**382746.94**
I, II व III का जोड़ TOTAL of I, II, III		**681874.18**		**648439.01**
B. (i) भारत से स्थित शाखाओं की जमा राशियां (i) Deposits of branches In India		654245.46		599960.66
(ii) भारत में बाहर स्थित शाखाओं की जमा राशियाँ (iii) Deposits of branches outside India		27628.72		48478.35
आ I व II का जोड़ TOTAL of i, ii		**681874.18**		**648439.01**

अनुसूची 4 – उधार
SCHEDULE 4 - BORROWINGS

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I. **भारत में उधार Borrowings in India**		
(i) भारतीय रिजर्व बैंक से (i) Reserve Bank of India	4460.24	18379.31
(ii) अन्य बैंकों से (ii) Other Banks	4394.19	5370.29
(iii) अन्य संस्थाओं और एजेंसियों (iii) Other Institutions and Agencies	13192.10	5388.69
(iv) बॉण्ड (टीयर-I, टीयर-II, गौण ऋण सहित) (iv) Bonds (including Tier-I, Tier-II, Subordinated Debts	13568.73	15783.26
(v) दीर्घावधि इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉण्ड (v) Long Term Infrastructure Bonds	2800.00	2800.00

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
II.	**भारत से बाहर उधार** **Borrowings Outside India**	8412.71	17608.12
	I, II का जोड़ **TOTAL of I, II**	**46827.97**	**65329.66**
	उपर्युक्त I एवं II में शामिल प्रतिभूत उधार Secured Borrowings included in I & II above	8329.13	16606.00

अनुसूची 5 - अन्य देयताएं और प्रावधान

SCHEDULE 5 - OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	देय बिल Bills payable	2046.49	2433.07
II.	अंत कार्यालय समायोजन (शुद्ध) Inter-office adjustments (net)	5.32	2.70
III.	उपचित ब्याज Interest accrued	1763.73	1876.13
IV.	अन्य (प्रावधानों सहित) Others (including Provisions)	11229.97	17621.66
	I, II, III, IV का जोड़ **TOTAL OF I, II, III, IV**	**15045.51**	**21933.56**

अनुसूची 6 - नकदी और भारतीय रिजर्व बैंक के पास शेष

SCHEDULE 6 - CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I.	हाथ मे नकदी (विदेशी मुद्रा करेंसी नोटों सहित) Cash in hand (including Foreign Currency Notes)		1866.58		2120.25
II.	भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष Balance with Reserve Bank of India				
	(i) चालू खाते में (i) in Current account	30471.74		26908.65	
	(ii) अन्य खातों में (ii) in Other Accounts	0.00		0.00	
			30471.74		26908.65
	I, II का जोड़ **TOTAL Of I, II**		32338.32		29028.91

अनुसूची 7 – बैंकों के पास जमाशेष तथा माँग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन
SCHEDULE 7- BALANCES WITH BANKS & MONEY AT CALL & SHORT NOTICE

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I. भारत में In India				
(i) बैंकों के पास जमा शेष (i) Balance with Banks:				
(क) चालू खातों में (a) In Current accounts	86.37		629.27	
(ख) अन्य जमा खातों में (b) In Other Deposit accounts	19045.98		9780.01	
		19132.35		**10409.28**
(ii) माँग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन (ii) Money at Call and Short Notice:				
(क) बैंको के पास (a) with Banks	1410.76		584.24	
(ख) अन्य संस्थाओं पास (b) with Other Institutions	12200.00		29054.06	
		13610.76		**29638.30**
जोड़ (i और ii) TOTAL (i & ii)		**32743.11**		**40047.58**
II. भारत से बाहर Outside India				
(i) चालू खातों में (i) In Current accounts	1588.87		2175.66	
(ii) अन्य जमा खातों में (ii) In Other Deposit accounts	10625.67		25673.54	
(iii) माँग और अल्प सूचना पर प्राप्य धन (iii) Money at Call & Short Notice	0.00		562.45	
जोड़ TOTAL		**12214.54**		**28411.66**
समग्र जोड़ (I और II) GRAND TOTAL (I & II)		**44957.65**		**68459.24**

अनुसूची 8 – निवेश
SCHEDULE 8 - INVESTMENTS

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I. भारत में निवेश Investments in India in		
(i) सरकारी प्रतिभूतियां (i) Government Securities	167812.87	156026.49
(ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां (ii) Other approved securities	110.09	146.48
(iii) शेयर (iii) Shares	3678.84	4361.20

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
	(iv) ऋण पत्र और बॉण्ड (iv) Debentures and Bonds	29769.13	31937.33
	(v) सहायक संस्थाओं में निवेश (इक्विटी पद्धति पर) (v) Investment in Associates (on equity method)	946.54	992.33
	(vi) अन्य (vi) Others	2535.30	4626.79
	(यूटीआई और उसके यूनिट-64 में प्रारम्भिक पूँजी) (Initial Capital in UTI and its units- 64 : (विभिन्न म्यूचुअल फंड व वाणिज्यिक पत्र आदि में) (Various Mutual Funds & Commercial Paper etc.)		
	I का जोड़ **TOTAL of I**	**204852.76**	**198090.62**
II.	**भारत से बाहर निवेश** **Investments outside India**		
	(i) सरकारी प्रतिभूतियां (i) Government Securities	1345.20	2475.37
	(ii) सहायक संस्थाओं में निवेश (इक्विटी पद्धति पर) (ii) Investment in Associates (on equity method)	870.70	866.18
	(iii) अन्य निवेश (iii) Other investments	2654.34	2986.51
	II का जोड़ **TOTAL of II**	**4870.24**	**6328.06**
III.	**भारत में निवेश** **Investments in India**		
	I) निवेशों का सकल मूल्य I) Gross value of Investments	208849.92	201214.42
	ii) घटाएं : मूल्यह्रास के लिए प्रावधानों का जोड़ ii) Less: Aggregate of Provisions for Depreciation	3997.16	3123.81
	iii) शुद्ध निवेश iii) Net Investment	**204852.76**	**198090.62**
IV.	**भारत से बाहर निवेश** **Investments outside India**		
	I) निवेशों का सकल मूल्य I) Gross value of Investments	4888.58	6346.69
	ii) घटाएं : मूल्यह्रास के लिए प्रावधानों का जोड़ ii) Less: Aggregate of Provisions for Depreciation	18.34	18.62
	iii) शुद्ध निवेश iii) Net Investments	**4870.24**	**6328.06**
	(I), (II) का कुल जोड़ **GRAND TOTAL of (I), (II)**	**209723.00**	**204418.68**

अनुसूची 9 - अग्रिम
SCHEDULE 9 - ADVANCES

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
अ. A.	i) खरीदे और भुनाये गये बिल i) Bills Purchased and discounted	2138.99	20623.38
	ii) नकद उधार, ओवरड्राफ्ट और माँग पर देय ऋण ii) Cash Credits, overdrafts and loans repayable on demand	287464.85	279815.80
	iii) मीयादी ऋण iii) Term Loans	172812.39	138386.61
	जोड़ **Total**	**462416.23**	**438825.78**
आ. B.	i) मूर्त आस्तियों द्वारा प्रतिभूत i) Secured by Tangible Assets (इनमें बही ऋणों पर दिए गये अग्रिम शामिल हैं) (including advances against book debts)	378483.59	360744.74
	ii) बैंक/सरकार की गारंटी द्वारा प्रतिभूत ii) Covered by Bank/Govt.Guarantees	2249.72	13025.88
	iii) अप्रतिभूत iii) Unsecured	81682.92	65055.16
	जोड़ **Total**	**462416.23**	**438825.78**
ग. C.	(I) भारत में अग्रिम (I) Advances in India		
	i) प्राथमिकता क्षेत्र i) Priority Sector	162888.74	156285.12
	ii) सार्वजनिक क्षेत्र ii) Public Sector	51769.76	38987.68
	iii) बैंक iii) Banks	421.31	1024.24
	iv) अन्य iv) Others	227903.85	198056.93
	जोड़ **Total**	**442983.66**	**394353.97**
ग. C.	(II) भारत से बाहर अग्रिम (II) Advances outside India		
	i) बैंक से प्राप्य i) Due from banks	7200.64	27027.96
	ii) अन्य से प्राप्य ii) Due from others		
	(क) खरीदे और भुनाए गये बिल (a) Bills purchased & discounted	93.54	496.83
	(ख) मीयादी ऋण (b) Term Loans	6441.38	7161.09
	(ग) अन्य (c) Others	5697.01	9785.93
	जोड़ Total	**19432.57**	**44471.81**
	ग (I) व ग (II) का कुल जोड़ **GRAND TOTAL of C (I) & C (II)**	**462416.23**	**438825.78**

अनुसूची 10 - अचल आस्तियाँ
SCHEDULE 10 - FIXED ASSETS

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I.	**परिसर** (भूमि सहित) **Premises (including Land)**				
	-वर्ष की 1 अप्रैल की लागत पर -At cost as on 1st April of the year	5566.98		5545.69	
	-वर्ष के दौरान वृद्धि -Additions during the year	0.00		21.29	
	घटाएं : वर्ष के दौरान कटौतियाँ Less :Deductions during the year	27.20		0.52	
	-पूनर्मूल्यन -Revaluation	0.00		0.00	
	घटाएं : तिथि की मूल्यह्रास Less :Depreciation to date	678.17		593.27	
			4861.61		**4973.19**
II.	**अन्य अचल आस्तियाँ** (फर्नीचर और फ़िक्सर सहित) **Other Fixed Assets** (including furniture & fixtures)				
	-वर्ष की 1 अप्रैल की लागत पर -At cost as on 1st April of the year	4658.84		4113.07	
	-विनिमय दर के घटबढ़ के कारण पुनर्मूल्यांकन -Revaluation due to exchange rate fluctuation	0.00		0.00	
	-वर्ष के दौरान वृद्धि -Additions during the year	438.14		586.30	
	घटाएं : वर्ष के दौरान कटौतियाँ Less: Deductions during the year	275.52		68.11	
	घटाएं : तिथि को मूल्यह्रास Less:Depreciation to date	3608.69		3327.99	
			1212.77		**1303.26**
III.	**कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर** **Computer Software**				
	-वर्ष के 1 अप्रैल की लागत पर -At cost as on 1st April of the year	456.69		384.34	
	-विनिमय दर के घट बढ़ के कारण पूर्नमूल्यांकन -Revaluation due to exchange rate fluctuation	0.00		0.00	
	-वर्ष के दौरान वृद्धि -Additions during the year	132.00		63.22	
	-वर्ष के दौरान कटौतियाँ -Deductions during the year	0.06		0.01	
	घटाएं : तिथि को परिशोधित Less: Amortised to date	415.52		353.01	
			173.12		**94.54**
IV.	**पट्टेवाली आस्तियाँ** **Leased Assets**				
	-वर्ष की 1 अप्रैल की लागत पर -At cost as on 1st April of the year	29.31		29.31	
	-वर्ष के दौरान वृद्धि -Additions during the year	0.09		0.00	
	-वर्ष के दौरान कटौतियाँ -Deductions during the year	3.62		3.62	
	घटाएं : तिथि को परिशोधित Less : Depreciation to date	25.69		25.68	
			0.09		**0.00**
I, II, III, IV का जोड़ **TOTAL OF I, II, III, IV**			**6247.58**		**6370.99**

अनुसूची 11- अन्य आस्तियाँ
SCHEDULE 11 - OTHER ASSETS

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	उपचित ब्याज Interest accrued	5263.43	5232.54
II.	अग्रिम अदा किया गया कर/स्रोत पर काटा गया कर (प्रावधानों का शुद्ध) Tax paid in advance/tax deducted at source (net of provisions)	3230.72	2851.65
III.	लेखन - सामग्री और स्टाम्प Stationery and Stamps	8.65	10.82
IV.	दावों के निपटान के प्राप्य गैर-बैकिंग आस्तियाँ Non Banking assets acquired in satisfaction of claims	107.41	112.24
V.	आस्थगित का आस्तियाँ (शुद्ध) Deferred Tax asset (net)	18631.29	13213.14
VI.	अन्य Others	6341.53	9004.08
	I, II, III, IV, V, VI का जोड़ **TOTAL of I, II, III, IV, V, VI**	**33583.02**	**30424.47**

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

अनुसूची 12-आकस्मिक देयताएं
SCHEDULE 12 - CONTINGENT LIABILITIES

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	(i) बैंक(समूह) के खिलाफ ऐसे दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया है। (i) Claims against the Bank(Group) not acknowledged as debts	603.77	321.17
I.	(ii) अपीलों, संदर्भो आदि के अधीन विवादित आय कर व ब्याज कर माँगें (ii) Disputed income tax and interest tax demands under appeal, references, etc.	267.52	1260.92
II.	आंशिक रूप से प्रदत्त निवेशों के लिए देयताए Liability for partly paid investments	33.99	13.13
III.	बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयताएं Liability on account of outstanding forward exchange contracts	244955.98	226576.41
IV.	ग्राहकों की ओर से दी गयी गारटियां Guarantees given on behalf of constituents		
	(क) भारत में (a) In India	39532.20	39998.62
	(ख) भारत से बाहर (b) Outside India	2602.31	10011.98
V.	स्वीकृतियां, पृष्ठांकन और अन्य दायित्व Acceptance, Endorsements and Other obligations	17398.98	27055.94
VI.	ऐसी अन्य मदें जिनके लिए बैंक (समूह) आकस्मिक रूप से ज़िम्मेदार है Other items for which the Bank (Group) is contingently liable	2501.14	3552.02
	I, II, III, IV, V, VI का जोड़ **TOTAL of I, II, III, IV, V, VI**	**307895.89**	**308790.19**

अनुसूची 13-अर्जित ब्याज और लाभांश
SCHEDULE 13 - INTEREST AND DIVIDENDS EARNED

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	अग्रिमों/बट्टा/बिलों पर ब्याज Interest/discount on Advances/Bills	35416.49	32549.21
II.	निवेशों से आय Income on Investments	14621.85	13978.71
III.	भारतीय रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष और अन्य अंतः बैंक निधियों पर ब्याज Intt on balances with Reserve Bank of India & other inter-bank funds	1937.19	2013.40
IV.	अन्य Others	171.60	183.54
	I, II, III, IV का जोड़ TOTAL of I, II, III, IV	**52147.14**	**48724.85**

अनुसूची 14 - अन्य आय
SCHEDULE 14 - OTHER INCOME

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I.	कमीशन, विनिमय और दलाली Commission, Exchange & Brokerage		**2823.31**		**2810.27**
II.	भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री से लाभ Profit on sale of land, buildings and other assets	18.73		2.86	
	घटाएं: भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री से हानि Less : Loss on sale of land, buildings and other assets	0.35	**18.37**	0.25	**2.60**
III.	विदेशी मुद्रा विनिमय लेन-देन से लाभ Profit on Exchange Transaction	922.86		1318.75	
	घटाएं : विदेशी मुद्रा विनिमय लेन-देन से हानि Less:Loss on Exchange Transaction	435.44	**487.42**	533.03	**785.72**
IV.	निवेशों की बिक्री से लाभ Profit on sale of Investments	1128.66		3340.61	
	घटाएं : निवेशों की बिक्री से हानि Less:Loss on sale of investments	57.73	**1070.93**	87.66	**3252.95**
V.	विविध आय Miscellaneous Income		**2967.36**		**2031.80**
I, II, III, IV, V, VI का जोड़ TOTAL of I, II, III, IV, V, VI			**7367.38**		**8883.34**

अनुसूची 15 - खर्च किया गया ब्याज
SCHEDULE 15 - INTEREST EXPENDED

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
I.	जमाराशियों पर ब्याज Interest on Deposits	32320.78	30583.84
II.	भारतीय रिज़र्व बैंक/अंतर-बैंक उधारों पर ब्याज Interest on Reserve Bank of India/ inter-bank borrowings	535.04	588.25
III.	अन्य Others	1799.84	2358.29
	I, II, III का जोड़ **TOTAL of I, II, III**	**34655.66**	**33530.39**

अनुसूची 16 -परिचालन व्यय
SCHEDULE 16 - OPERATING EXPENSES

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

			31.03.19 को As on 31.03.19		31.03.18 को As on 31.03.18
I.	कर्मचारियों को भुगतान और उसके लिए प्रावधान Payment to and provisions for employees		7047.54		9242.37
II.	किराया, कर और बिजली Rent, Taxes and Lighting		777.37		748.33
III.	मुद्रण और लेखन - सामग्री Printing & Stationery		86.22		92.47
IV.	विज्ञापन और प्रचार Advertisement & Publicity		47.19		48.01
V.	बैंक की संपत्ति पर मूल्यह्रास Depreciation on bank's property	584.01		581.03	
	घटाएं: पुनर्मूल्यन प्रारक्षित निधि के साथ समायोजित Less: Adjusted with Revaluation Reserve	0.00		0.00	
			584.01		**581.03**
VI.	निदेशकों की फ़ीस, भत्ते और खर्च Directors' Fees, allowances and expenses		1.69		1.79
VII.	लेखा-परीक्षकों की फ़ीस और खर्च (अनुषंगियों के सांविधिक लेखापरीक्षकों तथा शाखा के लेखापरीक्षकों की फ़ीस और खर्च सहित) Auditors' fees and expenses (including statutory auditor of subsidiaries, branch auditors' fees & expenses)		70.25		78.15
VIII.	विधि प्रभार Law charges		130.11		86.61
IX.	डाक, तार, टेलीफ़ोन इत्यादि। Postage,Telegrams,Telephones, etc.		211.50		173.42
X.	मरम्मत और रख-रखाव Repairs & Maintenance		286.61		266.38

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

		31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
XI.	बीमा Insurance	682.15	642.91
XII.	अन्य व्यय Other expenditure	1764.62	1681.11
	I से XII का जोड़ **TOTAL of I to XII**	**11689.26**	**13642.59**

अनुसूची -17 सहायक संस्थाओं में अर्जन/हानि का हिस्सा
SCHEDULE 17 - SHARE OF EARNINGS/LOSS IN ASSOCIATES

(₹ करोड में) (₹ in Crore)

	31.03.19 को As on 31.03.19	31.03.18 को As on 31.03.18
(क) भारत में सहायक संस्थाओं में अर्जनों का हिस्सा (a) Share of Earnings in Associates in India	425.29	426.49
(ख) भारत के बाहर सहायक संस्थाओं में अर्जनों का हिस्सा (b) Share of Earnings in Associates outside India	51.10	46.58
जोड़ (क एवं ख) **TOTAL of (a & b)**	**476.39**	**473.07**

पंजाब नैशनल बैंक

अनुसूची - 18 समेकित वित्तीय विवरण - 31.03.2019

प्रमुख लेखा विधि संबंधी नीतियां और लेखों पर टिप्पणियाँ

प्रमुख लेखा विधि संबंधी नीतियां

1. **लेखे तैयार करने का आधार**

समेकित वित्तीय विवरण पत्र परम्परागत लागत के आधार पर तैयार किये गये हैं तथा समस्त महत्वपूर्ण दृष्टियो से भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों (जीएएपी) के अनुरूप हैं, जिनमें लागू सांविधिक प्रावधान, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित विनियामक मानदण्ड, समय समय पर जारी परिपत्र तथा दिशानिर्देश, बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट 1949, कम्पनी एक्ट, 2013, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानदण्ड (एएस) तथा ज्ञापन व भारत में बैंकिंग उद्योग में मौजूदा प्रथाएं भी शामिल हैं।

विदेशी कार्यालयों के सम्बन्ध में उन देशों में लागू सांविधिक प्रावधानों और प्रथाओं का पालन किया गया है।

उपचय अवधारणा के साथ वित्तीय विवरणियों को कार्यशील संस्था के आधार पर तैयार किया गया है तथा लेखांकन नीतियां पर निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई करते रहना चाहिए जब तक उसका अन्यथा उल्लेख न हो ।

अनुमानों का उपयोग

समेकित वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के लिए प्रबन्धन को रिपोर्टिंग अवधि के लिए आस्तियों व देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) उस स्थिति की वित्तीय विवरणियों में सूचित राशियों तथा सूचित आय व व्यय की राशियों में अनुमानों और मान्यताओं पर विचार करना अपेक्षित है। प्रबन्धन का मानना है कि वित्तीय विवरणियों को तैयार करने में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और औचित्यपूर्ण है।

भविष्य के परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमानों और वास्तुविक परिणामों के बीच अंतर को उस अवधि के परिणामों में दिखाया/कार्यान्वित किया जाता है।

अनुमानित लेखांकन में कोई संसाधन जब तक अन्य था उल्लिखित नहीं किया जाए, वर्तमान व भावी अवधियों के प्रत्यासशित प्रभावों में दृष्टिगोचर होते हैं।

2. **समेकन प्रक्रिया**

अनुषंगियाँ :

i) पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड
ii) पीएनबी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड़
iii) पीएनबी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड*
iv) पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड, यू.के
v) ड्रुक पीएनबी बैंक लिमिटेड, भूटान

*कंपनी को समाप्त करने के कदम उठाये जा रहे हैं क्योंकि कम्पनी ने दिनांक 14.02.2011 को लाइसेंस पहले ही वापिस कर दिया है।

PUNJAB NATIONAL BANK

SCHEDULE 18 - CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENT 31.03.2019

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **BASIS OF PREPARATION:**

The consolidated financial statements have been prepared on historical cost basis and conform, in all material aspects, to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in India, unless otherwise stated, encompassing applicable statutory provisions, regulatory norms prescribed by Reserve Bank of India (RBI), circulars and guidelines issued by RBI from time to time, Banking Regulation Act 1949, Companies Act, 2013, Accounting Standards (AS) and pronouncements issued by The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and prevailing practices in Banking industry in India.

In respect of foreign entities, statutory provisions and practices prevailing in respective foreign countries are complied with except as specified elsewhere.

The financial statements have been prepared on going concern basis with accrual concept and in accordance with the accounting policies and practices consistently followed unless otherwise stated.

Use of Estimates

The preparation of consolidated financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amounts of assets and liabilities (including contingent liabilities) as on date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

Future results could differ from these estimates.

Difference between the actual results and estimates is recognized in the period in which the results are known / materialized.

Any revision to the accounting estimates is recognised prospectively in the current and future periods unless otherwise stated.

2. **CONSOLIDATION PROCEDURES:**

Subsidiaries:

i) PNB Gilts Ltd.
ii) PNB Investment Services Ltd.
iii) PNB Insurance Broking Pvt Ltd*.
iv) Punjab National Bank (International) Ltd., UK.
v) Druk PNB Bank Ltd, Bhutan.

*Steps are being taken for winding up of the company as the license has already been surrendered on 14.02.2011.

सहयोगी संस्थाएं:

i) प्रिंसिपल पीएनबी असेट मैनेजमेंट कम्पनी प्रा.लि. (24.08.2018 को स्टेक की बिक्री की गई)

ii) प्रिंसिपल ट्रस्टी कम्पनी प्रा.लि. (24.08.2018 को स्टेक की बिक्री की गई)

iii) पीएनबी हाउसिंग फाईनेंस लि.

iv) पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी लि.

v) जेएससी (टेंगरी बैंक) अल्माती, कजाखिस्तान

vi) मध्य बिहार ग्रामीण बैंक, पटना* 31.12.2018 तक

vii) दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, पटना** 01.01.2019 से

viii) सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, रोहतक

ix) हिमाचल ग्रामीण बैंक, मण्डी

x) पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला***

xi) सर्व यूपी ग्रामीण बैंक, मेरठ

*मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक 31.12.2018 तक विद्यमान रहा।

**अधिसूचना स०. 5014 दि: 21.12.2018 के अंतर्गत बिहार ग्रामीण बैंक के मध्य बिहार ग्रामीण बैंक के साथ एकीकरण के पश्चात दि: 01.01.2019 को दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक अस्तित्व में आया

***इसी तरह से पंजाब राज्य में, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या 5015 दि: 21.12.2018 के अनुसार दिनांक 01.01.2019 को मालवा ग्रामीण बैंक और सतलुज ग्रामीण बैंक का एकीकरण हुआ।

संयुक्त उपक्रम:

i) एवरेस्ट बैंक लि., काठमांडू, नेपाल

2.1 समूह (ऊपर दिए गए विवरण के अनुसार 5 अनुषंगियां और 8 सहयोगी संस्थाएं और 1 संयुक्त उपक्रम सम्मिलित हैं) के समेकित वित्तीय विवरण-पत्र निम्नलिखित के आधार पर तैयार किए गए हैं :

i) पंजाब नैशनल बैंक (मूल/बैंक) के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण-पत्र

ii) लेखा मानक 21 के अनुसार, मूल बैंक की सम्बन्धित मदों के साथ सहयोगियों की मदों को अर्थात् आस्तियों, देयताओं, आय तथा व्ययों को परस्पर पंक्ति दर पंक्ति एकत्रित करते हुए तथा अंतर समूह लेनदेनों, उनके सम्बन्धित लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत् लेखापरीक्षित प्राप्त आँकड़ों के आधार पर वसूल न हुए लाभ / हानि को हटाने के पश्चात् तथा जहाँ कहीं जरूरी था वहां समान लेखांकन नीतियों के अनुरूप आवश्यक समायोजन करने के पश्चात् तैयार किए गए हैं। अनुषंगी कम्पनियों के वित्तीय विवरण-पत्र प्रमुख बैंक की रिपोर्टिंग तिथि अर्थात् 31 मार्च, 2019 को ही तैयार किए गए।

iii) विदेशी अनुषंगी के विदेशी मुद्रा अंतरण निम्नवत किए गए हैं :

(ए) आय व व्यय - वर्ष के दौरान उपलब्ध भारित औसत दरों पर

(बी) आस्तियाँ व देयताएं - वर्ष के अंत की दरों पर

विदेशी मुद्रा अंतरण के परिणामस्वरूप आय अंतर को चाहे वह लाभ

Associates:

i) Principal PNB Asset Management Company Pvt. Ltd (Stake sold on 24.08.2018)

ii) Principal Trustee Company Private Limited (Stake sold on 24.08.2018)

iii) PNB Housing Finance Ltd.

iv) PNB Metlife India Insurance Company Ltd.

v) JSC (Tengri Bank) Almaty, Kazakhstan .

vi) Madhya Bihar Gramin Bank, Patna* up to 31.12.2018

vii) Dakshin Bihar Gramin Bank, Patna** w.e.f. 01.01.2019

viii) Sarva Haryana Gramin Bank, Rohtak.

ix) Himachal Pradesh Gramin Bank, Mandi.

x) Punjab Gramin Bank, Kapurthala***.

xi) Sarva UP Gramin Bank, Meerut.

*Madhya Bihar Gramin bank remained in existence till 31.12.2018.

**After amalgamation of Bihar Gramin Bank with Madhya Bihar Gramin Bank vide Notification no. 5014 dated 21.12.2018, Dakshin Bihar Gramin Bank came into existence w.e.f. 01.01.2019.

***Similarly, In state of Punjab, Malwa Gramin Bank and Sutlej Gramin Bank got amalgamated with Punjab Gramin Bank, Kapurthala w.e.f. 01.01.2019 vide GOI notification no. 5015 dated 21.12.2018

Joint Venture:

(i) Everest Bank Limited, Kathmandu, Nepal.

2.1 Consolidated financial statements of the Group (comprising of 5 Subsidiaries, 8 Associates and 1 Joint Venture as per detail given above) have been prepared on the basis of:

i) Audited financial statements of Punjab National Bank (Parent/the Bank),

ii) As per AS 21, Line by line aggregation of like items of assets, liabilities, income and expenses of subsidiaries with the respective item of the Parent after eliminating material intra-group balances/transactions, unrealized profit/losses and making necessary adjustments, wherever required, to conform to uniform accounting policies, based on data received from these subsidiaries duly audited by their respective auditors/Un-audited certified by their management. The financial statements of the subsidiaries are drawn up to the same reporting date as that of Parent i.e. 31st March 2019.

iii) Foreign currency translation of overseas subsidiaries has been done as under:

(a) Income and Expenditure – at weighted average rates prevailing during the year

(b) Assets and Liabilities - at the year-end rates

The resultant foreign currency translation difference,

अथवा हानि हो, प्रारक्षितियों और अधिशेष के अधीन सम्मिलित किया गया है।

iv) जहां वोटिंग पावर में समूह का 20% और इससे अधिक अंश है, वहां सहायक संस्थाओं में निवेशों का लेखांकन भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा-मानक - 23 की शर्तानुसार इक्विटी पद्धति द्वारा किया गया है।

v) मूल बैंक और अनुषंगियों और सहायक संस्थाओं द्वारा अपनायी गई लेखांकन नीति की भिन्नताओं के प्रभाव से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी की अनुपस्थिति में, कोई समाधान नहीं किया गया है। इसी प्रकार मूल बैंक / उसकी समेकित अनुषंगियों, उसकी सहायक संस्थाओं के बीच हुए लेनदेनों के परिणामस्वरूप वसूली न हुए लाभ और हानि तथा अनुषंगियों और सहायक संस्थाओं में बैंक के हित की सीमा तक नहीं हटाए गए हैं। इन अनुषंगियों और सहायक संस्थाओं से प्राप्त वित्तीय विवरण पत्र इन समेकित विवरण पत्रों में उनके सम्मिलित होने के लिए एकल आधार बनते हैं। ये अनुमान वास्तविक स्थिति से भिन्न हो सकते हैं।

2.2 अनुषंगी कम्पनियों में इसके निवेश के समूह की लागत तथा अनुषंगियों में इक्विटी के समूह के भाग के बीच के अंतर को वित्तीय विवरण-पत्र में ख्याति / पूँजी प्रारक्षित निधि माना गया है।

2.3 समेकित अनुषंगी की शुद्ध आस्तियों में अल्पांश हित में निम्नलिखित शामिल हैं।

क) अनुषंगी में जिस तिथि को निवेश किया गया है उस तिथि को अल्पांश हित को देय इक्विटी की राशि, तथा

ख) मूल बैंक तथा अनुषंगी के मध्य संबंध बनने की तारीख से इक्विटी शेयर के संचालनों में अल्पांश का हिस्सा।

प्रमुख बैंक द्वारा अपनाई गई प्रमुख लेखांकन नीतियां

3. राजस्व मान्यता

3.1 आय/ व्यय (पैरा 3.5 में संदर्भित मदों से भिन्न) को सामान्यत: उपचय आधार पर लेखांकित किया जाता है ।

3.2 अग्रिमों को मिलाकर गैर अनर्जक आस्तियों (एनपीए), आय और निवेश जो वसूली से प्राप्त किए जाते हों, भारतीय रिजर्व बैंक/विदेशी कार्यालयों के मामले में संबंधित देशों के विनियम को (जिसे इसके पश्चात समेकित रूप से विनियामक प्राधिकारी संदर्भित किया जाएगा) द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार है।

3.3 अनर्जक अग्रिम खातों की वसूलियाँ (वसूली कार्रवाई के मोड/स्थिति/स्टेज की परवाह किये बगैर) निम्नलिखित प्राथमिकता क्रम में विनियोजित की जाती है :-

क) वसूली हेतु उपचित व्यय/फुटकर खर्च(पहले उंचती देयों में रिकार्ड किये गये)

ख) प्रमुख अनियमिततायें अर्थात् खाते में बकाया

ग) ब्याज अनियमितताओं/उपचित ब्याज के प्रति

whether gain or loss, has been included under Reserves and Surplus - Foreign Currency Translation Reserve.

iv) Investments in associates, where the group holds 20% or more of the voting power, have been accounted for using the equity method in terms of Accounting Standard – 23issued by The Institute of Chartered Accountants of India.

v) In the absence of full information regarding impact of differences in accounting policies followed by the Parent, subsidiaries and associates, no adjustments have been carried out. In the like manner, unrealized profits and losses resulting from transactions between the Parent , the subsidiaries and associates, if any, to the extent of the Parent's interest in the subsidiaries and associates have not been eliminated .Financial statements received from these subsidiaries and associates form the sole basis for their incorporation in these Consolidated Financial Statements.

2.2 The difference between cost to the Group of its investment in the subsidiaries and the group's portion of the equity of the subsidiaries is recognized as Goodwill/Capital Reserve.

2.3. Minority interest in the net assets of consolidated subsidiaries consists of:

a) The amount of equity attributable to the minority at the date on which investments in a subsidiary is made; and

b) The minority share of movements in equity since date of parent-subsidiary relationship came into existence.

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES FOLLOWED BY THE PARENT.

3. REVENUE RECOGNITION

3.1 Income & expenditure (other than items referred to in paragraph 3.5) are generally accounted for on accrual basis.

3.2 Income from Non-Performing Assets (NPAs), comprising of advances, and investments, is recognised upon realisation, as per the prudential norms prescribed by the RBI/ respective country regulators in the case of foreign offices (hereafter collectively referred to as Regulatory Authorities).

3.3 Recoveries in NPA accounts (irrespective of the mode / status / stage of recovery actions) are appropriated in the following order of priority : -

a) Expenditure/out of pocket expenses incurred for recovery (earlier recorded in memorandum dues);

b) Principal irregularities i.e. NPA outstanding in the account.

c) Towards the interest irregularities/accrued interest.

3.4 एनपीए की बिक्री, भारतीय रिजर्व बैंक और पैरा 5.3 के अंतर्गत प्रकटीकरण के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार लेखांकित किया जाता है।

3.5 कमीशन, (सरकारी कारोबार पर कमीशन को छोड़कर)/और अतिदेय बिलों पर ब्याज, विनिमय, लॉकर किराए, मर्चेंट बैंकिंग लेनदेनों से प्राप्त आय और लाभांश आय ट्रेडिंग के रूप में नामित रूपया डेरिवेटिव्स पर आय वसूली पर और बीमा दावों को निपटान पर लेखांकित किया जाता है।

3.6 सूट फाइल खातों के मामले में संबंधित कानूनी और अन्य खर्चे लाभ - हानि खाते से प्रभारित किये जाते हैं और इसकी वसूली होने पर इस तरह के उद्देश्यों के लिए गणना की जाती है।

3.7 आयकर के रिफंडों पर ब्याज के रूप में प्राप्त आय को संबंधित प्राधिकारियों द्वारा पारित आदेश के वर्ष में रेंखाकिंत किया जाता है।

3.8 ऑपरेटिंग लीज पर ली गई आस्तियों के लिए वृद्धि लागत सहित लीज का भुगतान लीज अवधि के उपर आईसीएआई द्वारा जारी एएस 19 (लीजेस) के अनुसार लाभ-हानि खाते में लिया जाता है।

3.9 डेबिट/क्रेडिट कार्डो पर रिवार्ड प्वाइंट के लिए प्रावधान प्रत्येक श्रेणी में संचित बकाया प्वाइंटों पर आधारित है।

3.10 परिपक्व हो चुकी मियादी जमा राशियों का भुगतान न हुआ हो तथा उनका दावा न किया गया हो तो उन पर बचत खाते की दर से ब्याज लगाया जाता है।

3.11 लाभांश (अंतरिम लाभांश को छोड़कर) प्राप्त करने का अधिकार जब और जब सम्भव हो लाभांश की प्राप्ति होगी।

4 निवेश

4.1 प्रतिभूतियों में लेनदेन ''निपटान तिथि'' को दर्ज किया जाता है।

4.2 निवेशों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के फॉर्म ए में यथानिर्दिष्ट छह श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

4.3 भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देशों के अनुरूप निवेशों को ''परिपक्वता तक रखे गए'', ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' तथा ''व्यापार हेतु रखे गए'' श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

ए.) बैंक द्वारा परिपक्वता तक रखे जाने की मंशा से अर्जित प्रतिभूतियों को 'परिपक्वता तक रखी गई' श्रेणी में रखा गया है।

बी) बैंक द्वारा अल्पावधि के मूल्य / ब्याज दर प्रवृत्तियों का लाभ उठाते हुए व्यापार हेतु रखे जाने की मंशा से अर्जित प्रतिभूतियों को ''व्यापार हेतु रखे गए'' निवेशों में वर्गीकृत किया गया है।

सी) जो प्रतिभूतियां उपर्युक्त दोनों श्रेणियों में नहीं आतीं उन्हें ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' श्रेणी के अधीन वर्गीकृत किया गया है।

4.4 अनुषंगियों, संयुक्त उपक्रमों और सहयोगी संस्थाओं में निवेश को एचटीएम के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

4.5 एक श्रेणी से दूसरी श्रेणी में प्रतिभूतियों के अंतरण, अंतरण की तिथि को अधिग्रहण लागत / बही मूल्य / बाजार मूल्य, जो भी कम हो, पर किया गया है । यदि ऐसे अंतरण पर कोई मूल्यह्रास हो तो उसके लिए पूरा प्रावधान किया गया है।

हालांकि एएसएफ श्रेणी को एचटीएम श्रेणी से प्रतिभूतियों का अंतरण बुक वैल्यूप पर किया जाता है । अंतरण के पश्चाएत ये प्रतिभूतियां तुरंत

3.4 The sale of NPA is accounted as per guidelines prescribed by RBI and as disclosed under Para 5.3.

3.5 Commission (excluding on Government Business), interest on overdue bills, exchange, locker rent, income from merchant banking transactions and Income on Rupee Derivatives designated as “Trading” are accounted for on realization and insurance claims are accounted for on settlement.

3.6 In case of suit filed accounts, related legal and other expenses incurred are charged to Profit & Loss Account and on recovery the same are accounted for as such.

3.7 Income from interest on refund of income tax is accounted for in the year the order is passed by the concerned authority.

3.8 Lease payments including cost escalation for assets taken on operating lease are recognised in the Profit and Loss Account over the lease term in accordance with the AS 19 (Leases) issued by ICAI.

3.9 Provision for Reward Points on Credit cards is made based on the accumulated outstanding points in each category.

3.10 Interest on unpaid and unclaimed matured term deposits is accounted for at savings bank rate.

3.11 Dividend (excluding Interim Dividend) is accounted for as and when the right to receive the dividend is established.

4. INVESTMENTS

4.1 The transactions in Securities are recorded on “Settlement Date”.

4.2 Investments are classified into six categories as stipulated in form A of the third schedule to the Banking Regulation Act, 1949.

4.3 Investments have been categorized into "Held to Maturity", "Available for Sale" and "Held for Trading" in terms of RBI guidelines as under:

(a) Securities acquired by the Bank with an intention to hold till maturity are classified under "Held to Maturity".

(b) The securities acquired by the Bank with an intention to trade by taking advantages of short-term price/ interest rate movements are classified under “Held for Trading”.

(c) The securities, which do not fall within the above two categories, are classified under "Available for Sale"

4.4 Investments in subsidiaries, joint ventures and associates are classified as HTM.

4.5 Transfer of securities from one category to another is carried out at the lower of acquisition cost/ book value/ market value on the date of transfer. The depreciation, if any, on such transfer is fully provided for.

However, transfer of securities from HTM category to AFS category is carried out on book value. After

पुनर्मूल्यांकित होती है और परिणामस्व रूप मूल्यह्रास, यदि कोई है, प्रदान किया जाता है।

एक निवेश अपनी खरीददारी के समय ही एचटीएम, एचएफटी या एएफएस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और विभिन्न श्रेणियों के बीच तत्संबंधी शिफ्टिंग विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप किया जाता है।

4.6 किसी निवेश की अधिग्रहण लागत निर्धारित करने में:

क) प्रतिभूतियों के अधिग्रहण के सम्बन्ध में संदत्त दलाली, कमीशन, प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) इत्यादि राजस्व व्ययों के रूप में मानी गयी है और इसे अग्रिम और लागत से बाहर रखा गया है।

ख) प्रतिभूतियों के अधिग्रहण/बिक्री की तारीख तक अर्जित ब्याज अर्थात् छूट अवधि के लिए ब्याज अधिग्रहण लागत/बिक्री के विचार से बाहर रखा गया है और इसकी गणना अर्जित ब्याज में की गई है न कि देय खाते में।

ग) निवेशों की सभी श्रेणियों के लिए लागत का निर्धारण औसत लागत पद्धति के आधार पर किया गया है।

4.7 भारतीय रिजर्व बैंक / एफआईएमएमडीए के दिशानिर्देशानुसार, निवेश का मूल्यन निम्नलिखित आधार पर किया जाता है:

परिपक्वता तक रखे गए :

i) ''परिपक्वता तक रखे गये'' श्रेणी के अधीन निवेशों को अर्जन लागत पर लिया जाता है।

जहाँ कहीं अंकित मूल्य/प्रतिदान मूल्य से बही मूल्य अधिक हो तो प्रीमियम को परिपक्वता की शेष अवधि के लिए लगातार लाभ के आधार पर परिशोधित किया जाता है । निवेशों पर आय शीर्ष के अंतर्गत आय के विरूद्ध ऐसे प्रीमियम का परिशोधन समायोजित किया जाता है।

ii) अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों / सहयोगियों में अस्थायी निवेश से भिन्न प्रत्येक व्यक्तिगत निवेशों की प्रकृति में किये गये निवेश का मूल्यन रखरखाव में से ह्रास हटाकर अर्जन लागत पर किया जाता है।

iii) प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेशों का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया जाता है।

iv) उद्यम पूंजी में निवेशों का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया जाता है।

v) एचटीएम श्रेणी में रखे गए इक्विटी शेयर का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया जाता है।

बिक्री हेतु उपलब्ध और व्यापार हेतु रखे गये :

क)	सरकारी प्रतिभूतियां	
	I) केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	फाईनेंशियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) और फिक्सड इंकम मनी मार्किट एण्ड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफआईएमएमडीए) द्वारा यथा प्रकाशित बाजार मूल्यों/परिपक्वता पर
	II) राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	एफआईएमएमडीए/ भारतीय रिजर्व बैंक के मार्ग निर्देशों के अनुसार उपयुक्त परिपक्वता प्राप्ति आधार पर

transfer, these securities are immediately revalued and resultant depreciation, if any, is provided.

An investment is classified as HTM, HFT or AFS at the time of its purchase and subsequent shifting amongst categories is done in conformity with regulatory guidelines.

4.6 In determining acquisition cost of an investment

a. Brokerage, commission, Securities Transaction Tax (STT) etc. paid in connection with acquisition of securities are treated as revenue expenses upfront and excluded from cost.

b. Interest accrued up to the date of acquisition/sale of securities i.e. broken- period interest is excluded from the acquisition cost/sale consideration and the same is accounted in interest accrued but not due account.

c. Cost is determined on the weighted average cost method for all categories of investments.

4.7 Investments are valued as per RBI/FIMMDA guidelines, on the following basis:

Held to Maturity

i) Investments under "Held to Maturity "category are carried at acquisition cost.

Wherever the book value is higher than the face value/redemption value, the premium is amortized over the remaining period to maturity on straight line basis. Such amortisation of premium is reflected in Interest Earned under the head " Income on investments" as a deduction.

ii) Investments in subsidiaries/joint ventures/associates are valued at carrying cost less diminution, other than temporary in nature for each investment individually.

iii) Investments in sponsored regional rural banks are valued at carrying cost.

iv) Investment in Venture Capital is valued at carrying cost.

v) Equity shares held in HTM category are valued at carrying cost.

Available for Sale and Held for Trading

a)	Govt. Securities	
	I) Central Govt. Securities	At market prices/YTM as published by Fixed Income Money Market and Derivatives Association of India (FIMMDA) & Financial Benchmark India Pvt. Ltd (FBIL).
	II) State Govt. Securities	On appropriate yield to maturity basis as per FIMMDA/RBI guidelines.

ख)	केंद्रीय / राज्य सरकारों द्वारा गारंटीशुदा प्रतिभूतियां, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बाण्ड (अग्रिमों की प्रकृति के नहीं)	एफआईएमएमडीए/ भारतीय रिजर्व बैंक मार्ग निर्देशों के अनुसार उपयुक्त परिपक्वता प्राप्ति आधार पर
ग)	ट्रेजरी बिल	लागत पर
घ)	इक्विटी शेयर	यदि कोट किया गया हो तो बाजार मूल्य पर अन्यथा नवीनतम तुलन-पत्र (जो एक वर्ष से पुराना न हो) के अनुसार शेयरों के ब्रेक-अप मूल्य पर, अन्यथा प्रति कंपनी रु1/-
ड़)	अधिमान शेयर	यदि कोट किया गया हो तो बाजार मूल्य पर अन्यथा भारतीय रिजर्व बैंक/ एफआईएमएमडीए मार्गनिर्देशों के अनुसार उपयुक्त परिपक्वता पर किंतु प्रतिदान मूल्य से अधिक नही
च)	बंधपत्र और डिबेंचर (अग्रिमों की प्रकृति के नहीं)	यदि कोट किया गया हो तो बाजार मूल्य पर अन्यथा भारतीय रिजर्व बैंक /एफआईएमएमडीए मार्गनिर्देशों के अनुसार, उपयुक्त परिपक्वता प्रतिफल पर
छ)	म्यूचुअल फण्डों के यूनिट	यदि कोट किया गया हो तो स्टॉक एक्सचेंज के भाव के अनुसार; यदि कोट न किया गया हो, तो पुनर्खरीद मूल्य/एनएवी पर
ज)	वाणिज्यिक पेपर	रखाव लागत पर
झ)	जमा प्रमाणपत्र	रखाव लागत पर
ञ)	एआरसीआईएल की प्रतिभूति रसीदें	एआरसीआईएल द्वारा की गई घोषणा के अनुसार आस्ति के शुद्ध आस्ति मूल्य पर
ट)	उद्यम पूँजी निधियाँ	उद्यम पूँजी निधियों द्वारा की गई घोषणा के अनुसार आस्ति के शुद्ध आस्ति मूल्य (एनएवी) पर
ठ)	अन्य निवेश	लागत में मूल्य ह्रास को घटकार रखाव लागत पर

बिक्री हेतु उपलब्ध तथा व्यापार हेतु रखे गए वर्ग में उपर्युक्त मूल्यांकन प्रत्येक स्क्रिप के लिए अलग अलग तिमाही आधार पर किया जाता है तथा प्रत्येक वर्गीकरण के लिए मूल्यह्रास / वृद्धि जोड़ी जाती हैं । यदि शुद्ध मूल्यह्रास है तो प्रत्येक वर्गीकरण के लिए प्रावधान किया जाता है जबकि शुद्ध वृद्धि नहीं दर्शायी जाती। मूल्यह्रास के लिए प्रावधान पर व्यक्तिगत प्रतिभूति का बही मूल्य बाजार हेतु चिहिन्त करने के पश्चात अपरिवर्तित रहती है।

4.8 भारतीय रिजर्व बैंक के एनपीआई वर्गीकरण के विवेकी मानदंडों के अनुरूप निवेशों पर उपयुक्त प्रावधानीकरण तथा आय अमान्यीकरण लागू किये जाते हैं। अग्रिमों के रूप में अनर्जक प्रतिभूतियों के संबंध में मूल्यह्रास/ प्रावधान अन्य अर्जक प्रतिभूतियों के संबंध में वृद्धि के समक्ष समंजन सैट ऑफ नहीं किया गया है।

एक ईकाई द्वारा प्राप्त की गई क्रेडिट सुविधा यदि बैंक की बही में एनपीए है तो उसी ईकाई द्वारा जारी प्रतिभूतियों में कोई भी निवेश इसके विपरीत भी एनपीआई के रूप में माना जाएगा। फिर भी एनपीआई अधिमानी शेयरों के संबंध में जहां लाभांश का भुगतान नहीं किया जाता वहां क्रेडिट सुविधा को एनपीए नहीं माना जाएगा।

b)	Securities guaranteed by Central / State Government, PSU Bonds (not in the nature of advances)	On appropriate yield to maturity basis as per FIMMDA/RBI guidelines
c)	Treasury Bills	At carrying cost
d)	Equity shares	At market price, if quoted, otherwise at break up value of the Shares as per latest Balance Sheet (not more than one year old), otherwise at Re.1 per company
e)	Preference shares	At market price, if quoted or on appropriate yield to maturity basis not exceeding redemption value as per RBI/ FIMMDA guidelines.
f)	Bonds and debentures (not in the nature of advances)	At market price, if quoted, or on appropriate yield to maturity basis as per RBI/ FIMMDA guidelines.
g)	Units of mutual funds	As per stock exchange quotation, if quoted; at repurchase price/NAV, if unquoted
h)	Commercial Paper	At carrying cost
i)	Certificate of Deposits	At carrying cost
j)	Security receipts of ARCIL	At net asset value of the asset as declared by ARCIL
k)	Venture Capital Funds	At net asset value (NAV) declared by the VCF
l)	Other Investments	At carrying cost less diminution in value

The above valuation in category of Available for Sale and Held for Trading is done scrip wise on quarterly basis and depreciation/appreciation is aggregated for each classification. Net depreciation for each classification, if any, is provided for while net appreciation is ignored. On provision for depreciation, the book value of the individual security remains unchanged after marking to market.

4.8 Investments are subject to appropriate provisioning/ de-recognition of income, in line with the prudential norms of Reserve Bank of India for NPI classification. The depreciation/provision in respect of non-performing securities is not set off against the appreciation in respect of the other performing securities.

If any credit facility availed by an entity is NPA in the books of the Bank, investment in any of the securities issued by the same entity would also be treated as NPI and vice versa. However, in respect of NPI preference share where the dividend is not paid, the corresponding credit facility is not treated as NPA.

4.9 किसी भी श्रेणी के निवेशों की बिक्री से हुए लाभ / हानि को लाभ व हानि खाते में ले जाया जाता है किंतु 'परिपक्वता हेतु रखे गये' श्रेणी के निवेशों की बिक्री से हुए लाभ के मामले में उसके बराबर की राशि (साविधिक रिजर्व को स्थानांतरित निवल कर और अपेक्षित राशि) 'पूंजी प्रारक्षित निधि' खाते में विनियोजित की जाती है।

4.10 वापस खरीद व्यवस्था के अन्तर्गत पुन:खरीदी / पुन: बेची गयी प्रतिभूतियों को उनकी मूल लागत पर हिसाब में लिया जाता है।

4.11 रेपो/रिवर्स रेपो के तहत बेची और खरीदी गई प्रतिभूतियों की संपार्श्विक उधार एवं उधार लेनदेन के अंतर्गत अभिव्यक्त की जाती है। हालाँकि, प्रतिभूतियों को सामान्य आउटराईट बिक्री/खरीद लेनदेन के मामले में अंतरित की जाती है और प्रतिभूतियों की ऐसी आवाजाही रेपो/रिवर्स रेपो खातों और प्रति प्रविष्टियों के प्रयोग करके परिलक्षित की जाती है। उक्त प्रविष्टियां परिपक्वता तिथि पर रिवर्स कर दी जाती है। लागत और राजस्व की गणना ब्याज व्यय/आय जैसा मामला हो, उसी के आधार पर की जाती है। रेपो खाते में शेष राशि को अनुसूची 4 (उधार के रूप में) के तहत वर्गीकृत किया गया है और रिवर्स रेपो खाते में शेष राशि अनुसूची 7 (बैंकों का बकाया और मनी एट कॉल और लघु सूचना पर) के तहत वर्गीकृत की गई है। यह आरबीआई के एलएएफ पर भी लागू होती है।

4.12 व्यापार अथवा प्रतिरक्षा के प्रयोजन से व्युत्पन्न (डेरिवेटिव्स) लेन-देन किये गये हैं । व्यापारिक लेन-देन बाजार मूल्य पर है। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार अदलाबदली की विभिन्न श्रेणियों का निम्नवत् मूल्यन किया गया है :

हैज स्वैप

ब्याज दर अदला-बदली जो ब्याज वाहक आस्ति अथवा देयता की प्रतिरक्षा करती है, को उपचय आधार पर लेखांकित किया जाता है, किसी आस्ति अथवा देयता के साथ अभिहित अदलाबदली को छोड़कर जो वित्तीय विवरणी में बाजार मूल्य अथवा कम कीमत पर लिया जाता है।

विनिमय की समाप्ति पर लाभ व हानियों की विनिमय के न्यूनतर बकाया संविदागत जीवन अथवा आस्ति/देयता की शेष अवधि पर मान्यता दी जाती है।

ट्रेडिंग स्वैप

व्यापारिक अदलाबदली का लेन देन वित्तीय विवरणियों में रिकार्ड किए गए परिवर्तनों सहित बाजार मूल्य की तुलना में चिह्नित किया जाता है।

व्यापारिक उद्देशयों के लिए प्रविष्ट किए गए विनिमय व्यापार डेरीवेटिव्सस एक्सचेंज द्वारा दी गई दरों के आधार पर प्रचलित ब्याज दर पर मूल्यांकित किया जाता है और प्राप्त लाभों एवं हानियों को लाभ व हानि खाते में लिया जाता है।

4.13 **विदेशी मुद्रा विकल्प**

अन्य बैंक के साथ बैक टू बैक कान्ट्रेक्ट के रूप में बैंक द्वारा किया गया विदेशी मुद्रा विकल्प बाजार मूल्य पर नहीं है, क्योंकि इसमें बाजार जोखिम नहीं है।

प्राप्त प्रीमियम को देयता के रूप में रखा गया है और परिपक्वता/निरस्तीकरण पर लाभ व हानि खाते में अन्तरित किया गया है ।

5. ऋण/अग्रिम और इसके लिए प्रावधान:

5.1 अग्रिमों का वर्गीकरण अर्जक और अनर्जक आस्तियों के रूप में किया जाता है और उनके लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार प्रावधान किया जाता है ।

4.9 Profit or loss on sale of investments in any category is taken to Profit and Loss account but, in case of profit on sale of investments in "Held to Maturity" category, an equivalent amount (net of taxes and amount required to be transferred to Statutory Reserve) is appropriated to "Capital Reserve Account"

4.10 Securities repurchased/resold under buy back arrangement are accounted for at original cost.

4.11 The securities sold and purchased under Repo/Reverse Repo are accounted as Collateralized lending and borrowing transactions. However, securities are transferred as in the case of normal outright sale/purchase transactions and such movement of securities is reflected using the Repo/ Reverse Repo Accounts and Contra entries. The above entries are reversed on the date of maturity. Costs and revenues are accounted as interest expenditure/income, as the case may be. Balance in Repo Account is classified under schedule 4 (Borrowings) and balance in Reverse Repo Account is classified under Schedule7 (Balance with Banks and Money at Call & Short Notice).The same is also applicable to LAF with RBI.

4.12 The derivatives transactions are undertaken for trading or hedging purposes. Trading transactions are marked to market. As per RBI guidelines, different categories of swaps are valued as under:

Hedge Swaps

Interest rate swaps with hedge interest bearing asset or liability are accounted for on accrual basis except the swaps designated with an asset or liability that are carried at market value or lower of cost in the financial statement.

Gain or losses on the termination of swaps are recognized over the shorter of the remaining contractual life of the swap or the remaining life of the asset/ liabilities.

Trading Swaps

Trading swap transactions are marked to market with changes recorded in the financial statements.

Exchange Traded Derivatives entered into for trading purposes are valued at prevailing market rates based on rates given by the Exchange and the resultant gains and losses are recognized in the Profit and Loss Account.

4.13 **Foreign currency options**

Foreign currency options written by the bank with a back-to-back contract with another bank are not marked to market since there is no market risk.

Premium received is held as a liability and transferred to the Profit and Loss Account on maturity/cancellation.

5. LOANS / ADVANCES AND PROVISIONS THEREON:

5.1 Advances are classified as performing and non-performing assets; provisions are made in accordance with prudential norms prescribed by RBI.

5.1 (ए) अग्रिमों को उधारकर्तावार स्टैण्डर्ड, सब स्टैण्डर्ड, संदेहास्पेद एवं हानि आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

5.1 (बी) अग्रिम विशिष्ट ऋण हानि प्रावधानों, पुनर्गठित अग्रिमों की उचित मूल्य में कमी के लिए प्रावधान के निवल को कहा जाता है।

5.2 विदेशी कार्यालयों के संबंध में ऋणों एवं अग्रिमों का वर्गीकरण और एनपीए के लिए प्रावधान स्थानीय विनियमों या भा.रि.बैंक के मानकों जो भी अधिक शक्तिशाली हो, के अनुसार किया गया है।

ओवरसीज शाखाओं में हुए ऋण एवं अग्रिमों जो वसूली के रिकार्ड के अलावा अन्य कारणों के लिए होस्ट कंट्री विनियमों के अनुसार क्षति के रूप में चिन्हित हैं, किंतु जिसे भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार स्टैन्डर्ड हैं, होस्टर कंट्री में मौजूदा बकाया राशि को एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

5.3 बेची गई वित्तीय आस्तियों को निम्नलिखित रूप में पहचाना गया:

क. एससी/आरसी को बेची गई वित्तीय आस्तियों की बिक्री हेतु

i) यदि एससी/आरसी को बिक्री निवल बही मूल्य (एनबीवी) से नीचे की कीमत पर की गई है (अर्थात बही मूल्य से कम प्रावधान किया गया) तो उस वर्ष कमी के लाभ व हानि खाते से कमी को डेबिट करना चाहिए। बैंक एनपीए की बिक्री पर अर्थात् जब बिक्री निवल बही मूल्य से कम कीमत पर की गई हो तो पाई गई कमी हेतु प्रतिचक्रीय/फ्लोटिंग प्रावधान भी कर सकता है।

ii) यदि बिक्री निवल बही मूल्य की अपेक्षा उच्च मूल्य पर की गई है, तो बैंक इस वर्ष इसके लाभ व हानि खातों में प्राप्त राशि में से एनपीए की बिक्री या अतिरिक्त प्रावधान वापस ले सकता है। तथापि, बैंक अतिरिक्त प्रावधान (जब बिक्री निवल बही मूल्य की अपेक्षा उच्च मूल्य पर की गई है) एनपीए की बिक्री तभी निकाली जा सकती है, जब प्राप्ति केवल नकदी (प्रारम्भिक प्रतिफल और/ अथवा एसआर/पीटीसी की छूट के माध्यम से आस्तियों की नकदी की अपेक्षा उच्च है। आगे अतिरिक्त/ प्रावधान का निरसन आस्ति के एनबीवी पर प्राप्त अतिरिक्त नकदी के प्रभाव तक सीमित होगी।

ख. अन्य बैंक/एनबीएफसी/एफआई इत्यादि को बिक्री की गई वित्तीय आस्तियों की बिक्री हेतु

i) निवल बही मूल्य (एनबीवी) से कम कीमत पर बिक्री करने के मामले में अर्थात् बही मूल्य से कम प्रावधान करने पर कमी को उस वर्ष लाभ व हानि खातों से डेबिट करना चाहिए।

ii) निवल बही मूल्यों (एनबीवी) की अपेक्षा उच्च मूल्य पर बिक्री के मामले में अर्थात् बही मूल्य से कम प्रावधान करने पर, अतिरिक्त प्रावधान वापस नहीं किया जाएगा किंतु अन्य गैर निष्पादित वित्तीय परिसम्पत्तियों की बिक्री खातों और कमी/हानि पाए जाने पर उसका उपयोग किया जाएगा।

5.4 पुनर्गठित आस्तियां :

अग्रिमों के पुनर्गठन/पुनर्सूचीबद्ध के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देशों के अनुसार प्रावधान किया जाता है । पुनर्गठित खाते के उचित मूल्य में कमी के लिए आवश्यक प्रावधान किया गया है।

5.1 (a) Advances are classified: Standard, Sub Standard, Doubtful and Loss assets borrower wise.

5.1 (b) Advances are stated net of specific loan loss provisions, provision for diminution in fair value of restructured advances.

5.2 In respect of foreign offices, the classification of loans and advances and provisions for NPAs are made as per the local regulations or as per the norms of RBI, whichever is more stringent.

Loans and advances held at the overseas branches that are identified as impaired as per host country regulations for reasons other than record of recovery, but which are standard as per the extant RBI guidelines, are classified as NPAs to the extent of amount outstanding in the host country.

5.3 Financial Assets sold are recognized as under:

(a) For Sale of financial assets sold to SCs/RCs

(i) If the sale to SCs/RCs is at a price below the Net Book Value (NBV), (i.e. Book Value less provisions held), the shortfall should be debited to the Profit & Loss account of that year. Bank can also use countercyclical / floating provisions for meeting the shortfall on sale of NPAs i.e when the sale is at a price below the NBV.

(ii) If the sale is for a value higher than the NBV, Bank can reverse the excess provision on sale of NPAs to its profit and loss account in the year, the amounts are received. However, Bank can reverse excess provision (when the sale is for a value higher than the NBV) arising out of sale of NPAs, only when the cash received (by way of initial consideration and/ or redemption of SRs/ PTCs) is higher than the NBV of the asset. Further, reversal of excess provision will be limited to the extent to which cash received exceeds the NBV of the asset.

(b) *For Sale of financial assets sold to Other Banks/ NBFCs/FIs etc.*

(i) In case the sale is at a price below the Net Book Value (NBV) i.e. Book Value less provision held, the shortfall should be debited to the Profit & Loss A/c of that year.

(ii) In case the sale is for a value higher than the Net Book Value (NBV) i.e. Book Value less provision held, the excess provision shall not be reversed but will be utilized to meet the shortfall / loss on account of sale of other Non Performing Financial Assets.

5.4 Restructured Assets

For restructured/rescheduled advances, provisions are made in accordance with guidelines issued by RBI from time to time. Necessary provision for diminution in the fair value of a restructured account is made.

बैंक एक पुनर्गठित खाता उसे मानता है जहां बैंक ने उधारकर्ताओं की वित्तीय कठिनाईयों से संबंधित आर्थिक और विधिक कारणों हेतु उधारकर्ता को रियायत दिया है। पुनर्गठन में सामान्यतया अग्रिमों/ प्रतिभूतियों की शर्तों में संशोधन शामिल होगा जिसमें अन्य के अलावा पुनर्भुगतान अवधि/ पुनर्भुगतान राशि/किश्तों की राशि/ ब्याज की दर/ क्रेडिट सुविधाओं के ऊपर पुन: पैसा लगाना/ अतिरिक्त ऋण सुविधा की स्वीकृति//मौजूदा क्रेडिट सीमाओं में वृद्धि/ समझौता जहां निपटारे की राशि के भुगतान के लिए तीन महीने से अधिक समय हो गया हो। पुनर्गठित खाते बैंक द्वारा केवल पुनर्गठन पैकेज के अनुमोदन और कार्यान्वयन के पश्चात् ही इस तरह वर्गीकृत किया जाता है।

मानक खाते एनपीए के रूप में वर्गीकृत किये गए है एवं बैंक द्वारा पुनर्गठन पर उसी श्रेणी में बनाए गए एनपीए खाते केवल तभी अपग्रेड किए जाते हैं जब खाते में सभी बकाया ऋण / सुविधाएं 'निर्दिष्ट अवधि' के दौरान 'संतोषजनक प्रदर्शन' प्रदर्शित करती हैं (अर्थात, उधारकर्ता इकाई से सम्बंधित भुगतान कभी भी बकाया न हो)

'निर्दिष्ट अवधि' का मतलब है कि संकल्प योजना (आरपी) के कार्यान्वयन की तिथि से लेकर उस तिथि तक की अवधि जब संकल्प योजना के अनुसार बकाया मूलधन का कम से कम 20 प्रतिशत और पुनर्गठन के हिस्से के रूप में स्वीकृत ब्याज पूंजीकरण यदि है, चुकाया जाता हो। बशर्ते निर्दिष्ट अवधि संकल्प योजना की शर्तों के तहत अधिस्थगन की सबसे लंबी अवधि के साथ क्रेडिट सुविधा पर ब्याज या प्रिंसिपल (जो भी बाद में हो) के पहले भुगतान के शुरू होने से एक वर्ष पहले समाप्त नहीं हो सकती है।

बड़े खातों के लिए (अर्थात ऐसे खाते जहां उधारदाताओं का कुल जोखिम 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक है) अपग्रेड करने एवं नियम अनुसार बनाने तथा संतोषजनक कार्यनिष्पादन के प्रतिपादन के अतिरिक्त बैंक ऋण रेटिंग के उद्देश्य से रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत सीआरए द्वारा निर्धारित अवधि के अंत तक उधारकर्ताओं की ऋण सुविधाएं भी निवेश ग्रेड (BBB- या बेहतर) के रूप में आंकी जाएंगी। जबकि रु.500 करोड़ और उससे अधिक के कुल जोखिम वाले खातों को दो रेटिंगों की आवश्यकता होगी, रु.500 करोड़ से कम वाले खातों को एक रेटिंग की आवश्यकता होगी। यदि रेटिंग सीआरए की आवश्यक संख्या से अधिक प्राप्त की जाती हैं, तो ऐसी सभी रेटिंग अपग्रेड करने एवं नियमानुसार करने के लिए निवेश ग्रेड होगी।

यदि निर्दिष्ट अवधि के दौरान खाते द्वारा संतोषजनक प्रदर्शन प्रदर्शित नहीं किया जाता है, तो तत्काल इस खाते को, पुनर्गठन से पहले मौजूद पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार पुन: वर्गीकृत किया जाता है। ऐसे खातों के लिए भविष्य में अपग्रेड होना उसके एक नए संकल्प योजना के कार्यान्वयन एवं उसके संतोषजनक प्रदर्शन के ऊपर निर्भर होगा।

5.5 एनपीए पर वर्गीकृत प्रावधानों के अतिरिक्त, सामान्य प्रावधान भी भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार स्टेंडर्ड आस्तियों के लिए किया गया है। ये प्रावधान तुलन-पत्र की अनुसूची 5 में ''अन्य देयताएं व प्रावधान - अन्य'' शीर्षक के अंतर्गत प्रदर्शित किया जाता है और नेट एनपीए होने पर विचार नहीं किया जाता है।

5.6 भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार गैर निष्पादित अग्रिमों के लिए किए गए त्वतरित प्रावधान जिसे बैंक द्वारा पूर्व में एसएमए -2 श्रेणी के अंतर्गत सैन्ट्रल रिपोजिटरी ऑफ इंफार्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट (सीआरआईएलसी) को विशेष वर्णित खाते में रिपोर्ट नहीं किया जाता था।

The bank considered a restructured account as one where the bank, for economic or legal reasons relating to the borrower's financial difficulty, grants concessions to the borrower. Restructuring would normally involve modification of terms of the advances / securities, which would generally include, among others, alteration of repayment period / repayable amount / the amount of installments / rate of interest / roll over of credit facilities / sanction of additional credit facility / enhancement of existing credit limits / compromise settlements where time for payment of settlement amount exceeds three months. Restructured accounts are classified as such by the Bank only upon approval and implementation of the restructuring package.

Standard accounts classified as NPA and NPA accounts retained in the same category on restructuring by the bank are upgraded only when all the outstanding loan / facilities in the account demonstrate 'satisfactory performance' (i.e., the payments in respect of borrower entity are not in default at any point of time) during the 'specified period'

'Specified period' means the period from the date of implementation of Resolution plan (RP) up to the date by which at least 20 percent of the outstanding principal debt as per the RP and interest capitalization sanctioned as part of the restructuring, if any, is repaid. Provided that the specified period cannot end before one year from the commencement of the first payment of interest or principal (whichever is later) on the credit facility with longest period of moratorium under the terms of RP.

For the large accounts (i.e., accounts where the aggregate exposure of lenders is Rs 100 crore and above) to qualify for an upgrade, in addition to demonstration of satisfactory performance, the credit facilities of the borrower shall also be rated as investment grade (BBB- or better) as at the end of the 'specified period' by CRAs accredited by the Reserve Bank for the purpose of bank loan ratings. While accounts with aggregate exposure of Rs 500 crore and above shall require two ratings, those below Rs 500crore shall require one rating. If the ratings are obtained from more than the required number of CRAs, all such ratings shall be investment grade to qualify for an upgrade.

In case satisfactory performance during the specified period is not demonstrated, the accounts , immediately on such default, are reclassified as per the repayment schedule that existed before the restructuring. Any future upgrade for such accounts would be contingent on implementation of a fresh RP and demonstration of satisfactory performance thereafter.

5.5 In addition to the specific provision on NPAs, general provisions are also made for standard assets as per extant RBI Guidelines. These provisions are reflected in Schedule 5 of the Balance Sheet under the head "Other Liabilities & Provisions – Others" and are not considered for arriving at the Net NPAs.

5.6 In accordance with RBI guidelines, accelerated provision is made on non-performing advances which were not earlier reported by the Bank as Special Mention Account under "SMA-2" category to Central Repository of Information on Large Credits (CRILC).

5.7 पूर्व वर्षों में बट्टे खाते ऋणों के विरूद्ध वसूल की गई राशि और प्रावधानों को उधारकर्ता की वर्तमान स्थिति के परिप्रेक्ष्य में विचार करना आवश्यक नहीं समझा गया है और इसे लाभ-हानि खाते में लिया जाता है।

5.8 कंट्री एक्सपोज़र के लिए प्रावधान

आस्ति वर्गीकरण स्थिति के अनुसार किए गए विशिष्ट प्रावधानों के अतिरिक्त किसी देश के एक्सपोजरों (अपने देश के अलावा अन्य) के लिए भी प्रावधान किया गया है। देशों को सात जोखिम श्रेणियों अर्थात् निरर्थक, कम, मध्यम, उच्च, बहुत उच्च, प्रतिबंधित और ऑफ क्रेडिट में वर्गीकृत किया गया है और प्रावधान भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया है । प्रत्येक देश के मामले में यदि बैंक का देश एक्सपोजर (निवल) कुल वित्त पोषित आस्तियों की 1% से अधिक नहीं है तो ऐसे कंट्री एक्सपोजर में कोई प्रावधान नहीं किया जाता है। प्रावधान तुलन पत्र की अनुसूची 5 में 'अन्य देयताएं एवं प्रावधान 'अन्य'' के अंतर्गत प्रदर्शित किया जाता है।

5.9 भारतीय कॉपोरेट की अनुषंगियों को स्टेप डाउन के एक्स्पोजर को स्टैंडर्ड आस्ति बनाने के विरुद्ध 2% का एक अतिरिक्त प्रावधान (सभी ओवरसीज एक्सपोजरों पर लागू कंट्री जोखिम के अतिरिक्त) को ढांचे में कम्प्लैक्सिटी होने से उत्पन्न अतिरिक्त जोखिम को कवर करने के लिए, भारतीय कम्पनी को विभिन्न ज्यूरिडिक्शंस में अलग अलग इंटरमिडियरी संस्थाओं के स्थान पर बनाया गया है। इस प्रकार, बैंक अधिक राजनैतिक व रेगुलेटरी जोखिम के लिए एक्पोज हो जाएगा। (आरबीआई परि. RBI/2015-16/279 DBR-IBD-BC No- 68/23-37-001/2015-16 dated 31-12-2015).के अनुसार)।

6. संपत्ति, संयंत्र, और उपकरण

6.1 जिन परिसरों का पुनर्मूल्यन हो चुका है उन्हें छोड़कर संपत्ति, संयंत्र, और उपकरण को उनकी परम्परागत लागत पर दिखाया जाता है और पुनर्मूल्यन पर हुई वृद्धि को पुनर्मूल्यन प्रारक्षित निधि में जमा किया जाता है और पुनर्मूल्यन राशि में आरोप्य बढ़ता हुआ मूल्यह्रास उसमें से कम कर दिया जाता है।

6.2 सॉफ्टवेयर को पूंजीकृत कर अमूर्त ऑस्तियों के साथ जोड़ दिया गया है।

6.3 खरीददारी की लागत सहित सभी खर्चे जैसे साइट तैयारी, इंस्टॉलेशन लागत, पंजीकरण के समय तक आस्ति पर खर्च की गयी व्यवसायिक फीस लागत में शामिल है। आस्तियों पर खर्च किए गए परिवर्ती खर्चे केवल तभी पूंजीकृत किए जाते हैं जब ऐसी आस्तियों या उनकी कार्यक्षमता से भविष्य के लाभ में वृद्धि होती है।

6.4 मूल्यह्रास

क. आस्तियों (जहां कीमत अलग न की जा सकती हो वहाँ भूमि सहित) कम्प्यूटरों को छोड़कर जहां इसकी गणना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित दर पर सीधी रेखा पद्धति पर किया जाता है, को छोड़कर, पर मूल्यह्रास के लिये प्रावधान आस्ति की प्रत्याशित आयु के आधार पर सीधी रेखा पद्धति के अनुसार किया जाता है।

ख ऐसी आस्तियों पर मूल्यह्रास निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया गया है

5.7 Amounts recovered against debts written-off in earlier years and provisions no longer considered necessary in the context of the current status of the borrower are recognised in the profit and loss account.

5.8 Provision for Country Exposure:

In addition to the specific provisions held according to the asset classification status, provisions are also made for individual country exposures (other than the home country). Countries are categorized into seven risk categories, namely, insignificant, low, moderately Low, moderate, moderately high, high & very high and provisioning made as per extant RBI guidelines. If the country exposure (net) of the Bank in respect of each country does not exceed 1% of the total funded assets, no provision is maintained on such country exposures. The provision is reflected in Schedule 5 of the Balance Sheet under the "Other liabilities & Provisions – Others".

5.9 An additional provision of 2% (in addition to country risk provision that is applicable to all overseas exposures) against standard assets representing all exposures to step down subsidiaries of Indian Corporates has been made to cover the additional risk arising from complexity in the structure, location of different intermediary entities in different jurisdictions exposing the Indian Company, and hence the Bank, to a greater political and regulatory risk. (As per RBI Cir.No. RBI/2015.16/279 DBR.IBD.BC No. 68/23.37.001/2015-16 dated 31.12.2015).

6. PROPERTY, PLANT & EQUIPMENT

6.1 Property, Plant & Equipment are stated at historical cost less accumulated depreciation/amortisation, wherever applicable, except those premises, which have been revalued. The appreciation on revaluation is credited to revaluation reserve and incremental depreciation attributable to the revalued amount is deducted there from.

6.2 Software is capitalized and clubbed under Intangible assets.

6.3 Cost includes cost of purchase and all expenditure such as site preparation, installation costs and professional fees incurred on the asset till the time of capitalization. Subsequent expenditure/s incurred on the assets are capitalised only when it increases the future benefits from such assets or their functioning capability.

6.4 DEPRECIATION

A Depreciation on assets (including land where value is not separable) is provided on straight-line method based on estimated life of the asset, except in respect of computers where it is calculated on the straight-line method, at the rates prescribed by RBI.

B. Depreciation on assets has been provided at the rates furnished below:-

विवरण	मूल्यह्रास की दर
फ्रीहोल्ड संपत्ति	
भूमि	शून्य
निर्माण लागत पर प्रदान की जाने वाली मूल्यह्रास दर जहां भूमि की लागत को अलग किया जाता है और कुल लागत पर जहां भूमि की लागत सुनिश्चित नहीं की जा सकती और उसे अलग नहीं किया जा सकता है	2.5% (40 वर्ष सीधी रेखा पद्धति या शेष जीवन जो भी कम हो)
बेमियादी पट्टे पर ली गई भूमि जहां पट्टे की अवधि का उल्लेख नहीं है	शून्य
पट्टे पर ली गई भूमि जहाँ पट्टे की अवधि का उल्लेख है	पट्टे की अवधि पर
भवन	
फ्री होल्ड और पट्टे की अवधि 40 वर्ष से अधिक है	2.50%
पट्टे वाली भूमि पर निर्मित जहाँ पट्टे की अवधि 40 वर्ष से कम है पट्टे की अवधि पर	पट्टे की अवधि पर
पूर्ववर्ती न्यू नेदुंगडी बैंक लि. से अर्जित निर्मित आस्तियाँ	4%
फर्नीचर और फिक्सचर्स - स्टील वस्तुएं	5%
फर्नीचर और फिक्सचर्स - लकड़ी की वस्तुएं	10%
गद्दे	20%
मोबाइल फोन उपकरण	33.33%
मशीनरी, बिजली की और विविध वस्तुएं	15%
मोटर-कारें एवं साईकलें	15%
कंप्यूटर, एटीएम और संबंधित वस्तुएं लैप टॉप, आईपैड	33.33%
कम्प्यूटर एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर - अमूर्त आस्तियाँ	
रुपये 25,000/- तक	राजस्व में प्रभारित
अन्य	20.00%
ईएनबीआई संपत्तियां	चूंकि 25 वर्ष बीत गए हैं, हमने पीएनबी संपत्तियों के मामलों में वही प्रणाली अपनाई है।

ग. बैंक के अपने स्वामित्व परिसरों के अतिरिक्त इतर आस्तियों के नए एडिशन पर जिन आस्तियों को उपयोग में लाया जा रहा है मूल्यह्रास की दर उसी दिन से प्रदान की जाती है और वर्ष के दौरान बेची गई/निपटान की गई आस्तियों के मामले में जिस तारीख तक इसे बेचा/निपटान किया जाता है अर्थात दैनिक आधार पर मूल्यह्रास की दर प्रदान की जाती है।

Particulars	Rate of Depreciation
Freehold Properties	
Land	NIL
Depreciation to be provided on Construction Cost where the land cost is segregated and on total cost where the land cost is not ascertainable and cannot be segregated	2.5% (40 years Straight Line Method or remaining life which ever is lower)
Land acquired on perpetual lease where no lease period is mentioned	Nil
Land acquired on lease where lease period is mentioned	Over lease period
Building	
• Constructed on free hold land and on leased land, where lease period is above 40 years	2.50%
• Constructed on leased land where lease period is below 40 years.	Over lease period
Built-up Assets taken over from erstwhile Nedungadi Bank Ltd	4.00%
Furniture and fixtures-Steel articles	5.00%
Furniture and fixtures-wooden articles	10.00%
Mattresses	20.00%
Mobile Phone Instruments	33.33%
Machinery, electrical and miscellaneous articles	15.00%
Motor cars and cycles	15.00%
Computers, ATMs and related items, laptop, i pad	33.33%
Computer Application Software – Intangible Assets	
- Up to Rs. 25,000	Charged to Revenue
- Others	20.00%
ENBI Properties	Since 25 years have already passed, we will adopt the same method as in case of PNB properties

C. Depreciation on fresh additions to assets other than bank's own premises is provided from the day in which the assets are put to use and in the case of assets sold/disposed off during the year, up to the date in which it is sold/ disposed off i.e daily basis.

घ. बैंक के अंत में मौजूद बैंक के अपने स्वामित्व कें परिसरों पर मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिये प्रभारित किया गया है। निर्माण लागत को तभी मूल्यूवह्रास किया जाता है जब भवन सभी प्रकार से पूरा हो जाता है। जहां भूमि और भवन की लागत का अलग से पता नहीं लगाया जा सकता है, वहां मूल्याह्रास दर पर भवन पर लागू समग्र लागत पर प्रदान की जाती है।

ड. पट्टाधारित परिसरों के संबंध में, पट्टा प्रीमियम यदि कोई है, पट्टे की संपूर्ण अवधि पर परिशोधित है और पट्टा किराया संबंधित वर्षों में प्रभारित किया जाता है।

च. पुनर्मूल्यन आस्तियों के मूल्यह्रास की दर पुनर्मूल्यांकन के समय मूल्यांकन की गई आस्तियों के शेष उपयोगी जीवन के आधार पर निश्चित की जाती है।

7. आस्तियों की अपसामान्यता

आस्तियों की लागत क्षमता में आंतरिक/बाह्य तथ्यों के आधार पर कोई अपसामान्यता दिखाई पड़ती है तो प्रत्येक तुलनपत्र तिथि को समीक्षित किया जाता है।

एक अपसामान्यप हानि तभी मानी जाती है जहां कही एक आस्ति की रखाव लागत इसकी वसूली राशि से ज्यादा होती है । वसूली योग्य राशि आस्ति की निवल बिक्री कीमत और उपयोगिता मूल्य से ज्यादा होती है। उपयोगिता मूल्य के निर्धारण में, अनुमानित भावी नकदी प्रवाह कर पूर्व छूट दर में प्रयुक्त उसके वर्तमान मूल्य को घटाया जाता है जो उस समय धन के वर्तमान बाजार निर्धारण और आस्ति के वर्गीकृत जोखिमों को दर्शाता है।

अपसामान्यता के पश्चारत, यदि कोई है, मूल्यह्रास से पूर्ण आस्ति पर इसके शेष उपयोगी जीवन के संशोधित रखाव लागत पर प्रदान किया जाता है।

पूर्व में हुई असामान्यता हानि परिस्थितियों में परिवर्तन के आधर पर बढ़ती या प्रतिवर्तित होती है।

हालांकि, प्रतिर्वतन के पश्चात रखाव मूल्य उस मूल्यत से ऊपर नहीं बढ़ता है जिसमें यदि कोई असामान्यता नहीं हुई है तो सामान्यता मूल्यलह्रास प्रभारित करके किया जाना है।

8. कर्मचारी फायदे

- **भविष्य निधि**

भविष्य निधि एक सुपरिभाषित अंशदान योजना है क्योंकि बैंक पूर्व निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है। बैंक का दायित्व ऐसे निश्चित अंशदान तक सीमित है। ये अंशदान लाभ व हानि खाते में चार्ज किए जाते हैं।

- **उपदान**

उपदान देयता एक सुपरिभाषित लाभ दायित्व है और बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर दिया जाता है। यह योजना बैंक द्वारा वित्त पोषित की जाती है और एक अलग ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है।

- **पेंशन**

पेंशन देयता एक सुपरिभाषित लाभ दायित्व है और बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर दी जाती है। यह योजना बैंक द्वारा वित्त पोषित की जाती है और एक अलग ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है।

बैंक ने एक नई पेंशन योजना (एनपीएस) का परिचालन किया है यह

D. The depreciation on bank's own premises existing at the close of the year is charged for full year. The construction cost is depreciated only when the building is complete in all respects. Where the cost of land and building cannot be separately ascertained, depreciation is provided on the composite cost, at the rate applicable to buildings.

E. In respect of leasehold premises, the lease premium, if any, is amortised over the period of lease and the lease rent is charged in the respective year(s).

F. The Revalued assets is depreciated over the balance useful life of the asset as assessed at the time of revaluation.

7. IMPAIRMENT OF ASSETS

The carrying costs of assets are reviewed at each Balance Sheet date if there is any indication of impairment based on internal/external factors.

An impairment loss is recognized wherever the carrying cost of an asset exceeds its recoverable amount. The recoverable amount is the greater of the assets net selling price and value in use. In assessing value in use, the estimated future cash flows are discounted to their present value using a pre-tax discount rate that reflects current market assessments of the time value of money and risks specific to the asset.

After impairment, if any, depreciation is provided on the revised carrying cost of the asset over its remaining useful life.

A previously recognized impairment loss is increased or reversed depending on changes in circumstances.

However, the carrying value after reversal is not increased beyond the carrying value that would have prevailed by charging usual depreciation if there was no impairment.

8. EMPLOYMENT BENEFITS

- **PROVIDENT FUND:**

Provident fund is a defined contribution scheme as the Bank pays fixed contribution at pre-determined rates. The obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contribution is charged to Profit & Loss A/c.

- **GRATUITY:**

Gratuity liability is a defined benefit obligation and is provided for on the basis of an actuarial valuation. The scheme is funded by the bank and is managed by a separate trust.

- **PENSION:**

Pension liability is a defined benefit obligation and is provided for on the basis of an actuarial valuation. The scheme is funded by the bank and is managed by a separate trust.

The Bank operates a New Pension Scheme (NPS) for all

उन सभी अधिकारी/कर्मचारी जिन्होने 01.04.2010 के बाद बैंक ज्वाईन किया हो, के लिए है। योजना के अनुसार, पात्र कर्मचारी अपनी बेसिक वेतन प्लस डीए का 10% का योगदान, बैंक से मैचिंग योगदान सहित् देते है । सम्बन्धित कर्मचारी का पूर्णरजिस्ट्रेशन प्रणाली लम्बित है उनका योगदान रखा गया है। इन वार्षिक योगदान को बैंक पहचान करता है तथा सम्बन्धित वर्ष के लिए उस पर ब्याज, व्यय के तौर पर देता है। स्थायी रिटायरमेंट खाता संख्या (पीआरएएन) रसीद प्राप्त होने पर समेकित योगदान राशि को एनपीएस ट्रस्ट में अंतरित कर दिया जाता है।

- **क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियां**

उपचित क्षतिपूर्ति अनुपस्थितियां जैसे अर्जित छुट्टियाँ और बीमारी की छुट्टियाँ (अप्रयुक्त आकस्मिक छुट्टियों सहित) बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर दी जाती हैं।

- **अन्य कर्मचारी लाभ**

अन्य कर्मचारी लाभ जैसे छुट्टी किराया रियायत, सिल्वर जुबली अवार्ड, मेडिकल फायदे इत्यादि बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर दिए जाते हैं। जहां तक विदेश स्थित शाखाओं और कार्यालयों का संबंध है प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों को दिए गए लाभों के अलावा अन्य सभी लाभ उन देशों में लागू कानूनों के अनुसार मूल्योंकित और लेखांकित किए गए हैं।

9. विदेशी मुद्रा से संबंधित लेनदेन और शेषों का परिवर्तन:

विदेशी विनिमय में शामिल लेनदेन एएस 11 ''विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन का प्रभाव'' के अनुसार लेखांकित किए जाते हैं ।

9.1 पूर्ववर्ती लंदन शाखाओं के अग्रिमों को छोड़कर, जिनका भारत में अंतरण की तिथि को लागू विनिमय दरों के आधार पर परिवर्तन किया जाता है, भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (फेडाई) के मार्गनिर्देशन के अनुसार तुलन पत्र तिथि पर विनिमय दरों के आधार पर मौद्रिक आस्तियों तथा देयताओं, गारंटियों, स्वीकृतियों, पृष्ठांकनों व अन्य दायित्वों को प्रारंभिक रूप से कल्पित दर पर दर्ज किया जाता है और समतुल्य भारतीय रुपये में परिवर्तित किया जाता है।

9.2 अचल आस्तियों जिसे एतिहासिक दर पर ले जाया जाता है, से अन्य गैर मौद्रिक मदों को लेन-देन की तिथि को प्रभावी विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है।

9.3 बकाया वायदा विनिमय स्पॉट व अग्रेषित संविदाओं को भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ के स्पॉट/अग्रेषित दर पर तुलन पत्र तिथि पर अधिसूचित विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है और फलस्वरूप मूल्यांकन पर हुए लाभ/ हानि को लाभ व हानि खाते में दिखाया जाता है।

विदेशी विनिमय स्पॉट / फार्वड कंट्रेक्ट/डील्स (मर्चेट व इंटर बैंक), जो कि ट्रेडिंग व मर्चट हैज के लिए प्रयोग नहीं किए जाते हैं तथा तुलन पत्र की तिथि पर बकाया होते हैं, विनिमय लाभ पर पुनर्मूल्यांकन प्रभाव को हटाने के लिए लेखा बन्दी पर फीदाई (एफईडीएआई) स्पॉट/ फार्वर्ड दर से रिवर्स पुनः मूल्यांकित होते है। इस तरह के फार्वड विनिमय करार के आत्मसात से उत्पन्न प्रीमियम अथवा छूट करार के समयावधि में ब्याज

officers/ employees joining the Bank on or after 01.04.2010. As per the scheme, the covered employees contribute 10% of their basic pay plus dearness allowance to the scheme together with a matching contribution from the Bank. Pending completion of the registration procedures of the employees concerned, these contributions are retained. The Bank recognizes such annual contributions as an expense in the year to which they relate. Upon the receipt of the Permanent Retirement Account Number (PRAN), the consolidated contribution amounts are transferred to the NPS Trust.

- **COMPENSATED ABSENCES:**

Accumulating compensated absences such as Privilege Leave (PL) and Sick Leave (including unavailed casual leave) are provided for based on actuarial valuation.

- **OTHER EMPLOYEE BENEFITS**:

Other Employee Benefits such as Leave Fare Concession (LFC), Silver Jubilee Award, etc. are provided for based on actuarial valuation.

In respect of overseas branches and offices, the benefits in respect of employees other than those on deputation are valued and accounted for as per laws prevailing in the respective countries.

9. TRANSLATION OF FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS & BALANCES:

Transactions involving foreign exchange are accounted for in accordance with AS 11, “The Effect of Changes in Foreign Exchange Rates”.

9.1 Except advances of erstwhile London branches which are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of parking in India, all other monetary assets and liabilities, guarantees, acceptances, endorsements and other obligations are translated in Indian Rupee equivalent at the exchange rates prevailing as on the Balance Sheet date as per Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) guidelines.

9.2 Non-monetary items other than fixed assets which are carried at historical cost are translated at exchange rate prevailing on the date of transaction.

9.3 Outstanding Forward exchange spot and forward contracts are translated as on the Balance Sheet date at the rates notified by FEDAI and the resultant gain/loss on translation is taken to Profit & Loss Account.

Foreign exchange spot/forward contracts/deals (Merchant and Inter-bank) which are not intended for trading/Merchant Hedge and are outstanding on the Balance Sheet date, are reverse re-valued at the closing FEDAI spot/forward rate in order to remove revaluation effect on exchange profit. The premium or discount arising at the inception of such a forward exchange contract is amortised as interest expense or

व्यय या आय के रूप में परिशोधित किए गए है।

9.4 आय तथा व्यय की मदें लेन-देन की तारीख को प्रचलित विदेशी विनिमय दर पर परिवर्तित की जाती हैं।

मौद्रिक मदों के निपटान पर उनसे भिन्न दरों पर उत्पन्न विनिमय अंतर जिस पर वे शुरूआत में दर्ज किए गए थे, उस अवधि के लिए वे उत्पन्न आय या व्यतय के रूप में माने जाते हैं।

भावी मुद्रा व्यापार में खुली स्थिति के विनिमय दरों में परिवर्तन के कारण खाते में लाभ/हानि दैनिक आधार पर विनिमय समाशोधन गृहों के साथ निपटाए जाते हैं और ऐसे लाभ/हानि को लाभ व हानि खाते में लिया जाता है।

9.5 विदेश स्थित शाखाएं / अपतटीय बैंकिंग इकाइयां :

i विदेश स्थित शाखाओं और अपतटीय बैंकिंग यूनिटों के परिचालनों को ''गैर समाकलित विदेशी परिचालनों'' में वर्गीकृत किया गया है और विदेश में प्रतिनिधि कार्यालयों के परिचालनों को ''समाकलित विदेशी परिचालनों'' के रूप में वर्गीकृत किया गया है ।

ii समाकलित विदेश परिचालनों के विदेशी मुद्रा लेनदेनों को और गैर समाकलित विदेशी परिचालनों को लेखांकन मानक - 11 में दिए गए निर्धारण के अनुसार हिसाब में लिया जाता है।

iii गैर समाकलित परिचालनों पर विनिमय घटबढ़ के लाभ / हानि को विनिमय घट-बढ़ प्रारक्षित निधि में जमा / नामे किया जाता है।

10. आय पर कर

आयकर व्यय बैंक द्वारा किए गए वर्तमान कर तथा डेफार्ड कर व्यय् की कुल राशि होता है । आयकर एक्ट, 1961 तथा एकाउंटिंग स्टैंडर्ड 22 के प्रावधानों के अनुसार ही वर्तमान कर व्यय तथा डेफर्ड कर व्यय की गणना होती है। विदेश में स्थित कार्यालयों पर भुगतान किए गए करों को शामिल करने के बाद आय पर कर के लिए एकाउंटिंग की जाती है जो कि सम्बन्धित ज्यूरिडिक्शन के कर नियमों पर आधारित होते हैं।

वर्ष के दौरान डेफर्ड कर आस्ति या देयताओं में परिवर्तनो का समायोजन और आगे ले जाए गई हानि होता है। डेफर्ड कर आस्ति व देयता, वर्तमान वर्ष के लिए एकाउंटिंग आय और करयोग्य आय के बीच के समय अंतराल के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए पहचान की जाती है। डेफर्ड कर आस्ति व देयता की गणना कर की दर तथा कर नियमों का प्रयोग, जो कि तुलन पत्र तिथि में एनएक्टिड या वास्तविक एनएक्टिव किया गया हो, किया जाता है। डेफर्ड कर आस्ति व देयता में परिवर्तन का प्रभाव लाभ व हानि खातों में दिखाई देता है। डेफर्ड कर आस्ति को पहचाना जाता है तथा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर पुन: एसेस्स्ड किया जाता है, जो प्रबन्धन की जजमेंट पर आधारित होती है जैसे कि उनकी रियलाईजेशन प्रमाणत/वर्चुअली निश्चित हो।

11. प्रति शेयर पर आय

बैंक की प्रति शेयर आधारभूत आय रिपोर्ट आईसीएआई द्वारा जारी 'प्रति शेयर पर आय' और एएस 20 के अनुसार होती है। बेसिक आय प्रति शेयर की गणना वर्ष के लिए विशेषकर ईक्विटी शेयरधारकों को टैक्स के बाद शुद्ध लाभ को वर्ष के बकाया ईक्विटी शेयर की औसतन संख्या

income over the life of the contract.

9.4 Income and expenditure items are accounted for at the exchange rate prevailing on the date of transaction.

Exchange differences arising on the settlement of monetary items at rates different from those at which they were initially recorded are recognised as income or as expense in the period in which they arise.

Gains/Losses on account of changes in exchange rates of open position in currency futures trades are settled with the exchange clearing house on daily basis and such gains/losses are recognised in the Profit and Loss Account.

9.5 Offices outside India / Offshore Banking Units:

i Operations of foreign branches and off shore banking unit are classified as "Non-integral foreign operations" and operations of representative offices abroad are classified as "integral foreign operations"

ii Foreign currency transactions of integral foreign operations and non-integral foreign operations are accounted for as prescribed by AS-11.

iii Exchange Fluctuation resulting into Profit / loss of non-integral operations is credited /debited to Exchange Fluctuation Reserve.

10. TAXES ON INCOME

Income tax expense is the aggregate amount of current tax and deferred tax expense incurred by the Bank. The current tax expense and deferred tax expense are determined in accordance with the provisions of the Income Tax Act, 1961 and as per Accounting Standard 22 - Accounting for Taxes on Income respectively after taking into account taxes paid at the foreign offices, which are based on the tax laws of respective jurisdictions.

Deferred Tax adjustments comprises of changes in the deferred tax assets or liabilities during the year. Deferred tax assets and liabilities are recognised by considering the impact of timing differences between taxable income and accounting income for the current year, and carry forward losses. Deferred tax assets and liabilities are measured using tax rates and tax laws that have been enacted or substantively enacted at the balance sheet date. The impact of changes in deferred tax assets and liabilities is recognised in the profit and loss account. Deferred tax assets are recognised and re-assessed at each reporting date, based upon management's judgment as to whether their realisation is considered as reasonably/virtually certain.

11. Earnings per Share:

The Bank reports basic and diluted earnings per share in accordance with AS 20 -'Earnings per Share' issued by the ICAI. Basic Earnings per Share are computed by dividing the Net Profit after Tax for the year attributable

से भाग करके प्राप्त की जाती है।

12. **प्रावधान, आकस्मिक देयतायें तथा आकस्मिक आस्तियाँ**

- एएस 29 के अनुसार 'चार्टड एकाउटेंड संस्थान द्वारा जारी प्रावधान, आकस्मिक देयतायें तथा आकस्मिक आस्तियाँ, बैंक इनके प्रावधान की पहचान केवल तभी करता है जब पूर्व घटना के परिणामस्वरुप वर्तमान दायित्व हो तथा जिसके परिणामत: संसाधनों का सम्भावित आउटफ्लो हो जो दायित्व को निपटाने के लिए आर्थिक लाभ के लिए आवश्यक हो तथा जब दायित्व की विश्वसनीय राशि अनुमानित की जा सकती हो।
- वितीय विवरणी में आकस्मिक देयताओं की पहचान नहीं होती है।

13. **बुलियन ट्रांजेक्शन :**

बैंक बुलियन का आयात करता है जिसमें ग्राहकों को बेचने के लिए एक करार पर आधारित बहुमूल्य मेटल बार शामिल है। आयात बैक टू बैक पर विशेष रुप से आधारित है तथा ग्राहक को उसका मूल्य सप्लायर द्वारा अंकित मूल्य पर देना होता है। इन बुलियन ट्रांजेक्शनों में बैंक शुल्क अर्जित करता है। शुल्क को कमीशन आय के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। बैंक गोल्ड को जमा व उस पर ऋण देता है जिसे ब्याज व्यय/आय की तरह व्याज भुगतान मामले के आधार पर क्लासीफाईड जमाराशि / उधार की तरह पेशकश किया जाता है।

14 **खंडवार रिपोर्टिंग**

बैंक, आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार तथा आईसीएआई द्वारा जारी एकाउंटिंग स्टैंडर्ड 17 की अनुपालना में बिजनेस खंडों की पहचान प्राथमिक रिपोर्टिंग खंड तथा भौगोलिक खंड को सेकेंडरी रिपोर्टिंग खंड के रुप में करता है।

15 दिनांक 7 अप्रैल, 2016 को आरबीआई सर्कुलर FIDD-CO-Plan-BC-23/04-09-01/2015-16 के अनुसार बैंक, पीएसएलसी को विक्रय या क्रय कर प्राथमिकता क्षेत्र के पोर्टफोलियो में ट्रेड करता है। इन लेनदेन में जोखिमों या ऋण आस्तियों का कोई हस्तांतरण नहीं है। पीएसएलसी की खरीद के लिए भुगतान किया गया शुल्क 'व्यय' के रूप में माना जाता है और पीएसएलसी की बिक्री से प्राप्त शुल्क को 'अन्य आय' के रूप में माना जाता है।

to equity shareholders by the weighted average number of equity shares outstanding for the year.

12. **Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets:**

- In conformity with AS 29, "Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets", issued by the Institute of Chartered Accountants of India, the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, and would result in a probable outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation, and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.
- Contingent Assets are not recognised in the financial statements.

13 **Bullion Transactions:**

The Bank imports bullion including precious metal bars on a consignment basis for selling to its customers. The imports are typically on a back-to-back basis and are priced to the customer based on price quoted by the supplier. The Bank earns a fee on such bullion transactions. The fee is classified under commission income. The Bank also accepts deposits and lends gold, which is treated as deposits/advances as the case may be with the interest paid / received classified as interest expense/income.

14 **Segment Reporting**

The Bank recognizes the Business segment as the Primary reporting segment and Geographical segment as the Secondary reporting segment, in accordance with the RBI guidelines and in compliance with the Accounting Standard 17 issued by ICAI.

15 The Bank, in accordance with RBI Circular FIDD.CO.Plan. BC.23/ 04.09.01/2015-16 dated April 7, 2016, trades in Priority Sector portfolio by selling or buying PSLC. There is no transfer of risks or loan assets in these transactions. The fee paid for purchase of the PSLC is treated as an 'Expense' and the Fee received from sale of PSLCs is treated as 'Other Income'

लेखों पर टिप्पणियां

1. 05 सहायक, 08 सहयोगी एवं 01 संयुक्त उद्यम (जो पंजाब नेशनल बैंक के साथ, पैरेंट, समूह का गठन करते हैं), समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों में जिन अनुषंगियों पर विचार किया गया है, वे निम्नलिखित हैं :

(% में)

	अनुषंगी कंपनी का नाम	कहाँ गठित हुई	निम्नलिखित तिथियों को धारित प्रतिशत मताधिकार	
			31.03.2019	31.03.2018
1.	पीएनबी गिल्टस लिमिटेड*	भारत	74.07	74.07
2.	पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड$	यू.के.	100.00	100.00
3.	पीएनबी इनवेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड	भारत	100.00	100.00
4.	ड्रक पीएनबी बैंक लि.	भूटान	51.00	51.00
5.	पीएनबी बीमा ब्रोकिंग प्रा. लि.* भारत	भारत	81.00	81.00

* इन कार्यालयों के वित्तीय विवरण पत्र कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा अनुपूरक लेखा-परीक्षा पूरी होने और उनकी रिपोर्ट की प्राप्ति के अध्यधीन हैं।

$ पीएनबी समूह के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करते समय गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय कार्रवाई की गई है।

कंपनी को समाप्त करने के कदम उठाये जा रहे हैं क्योंकि कम्पनी ने दिनांक 14.02.2011 को लाइसेंस पहले ही वापिस कर दिया है ।

2. समेकित वित्तीय विवरण पत्रों के लिए निम्नलिखित सहयोगी संस्थाओं/संयुक्त उद्यम पर विचार किया गया है:

(% में)

	सहयोगी संस्थाओं/संयुक्त उद्यमों के नाम	जिस देश में गठित हुई	निम्नलिखित तिथियों को स्वामित्व का प्रतिशत	
			31.03.2019	31.03.2018
1.	मध्य बिहार ग्रामीण बैंक, पटना* 31.12.2018 तक	भारत	0.00	35.00
2.	दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक पटना** 01.01.2019 से	भारत	35.00	0.00
3.	सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, रोहतक	भारत	35.00	35.00
4.	हिमाचल ग्रामीण बैंक, मंडी	भूटान	35.00	35.00
5.	पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला ***	भारत	35.00	35.00
6.	सर्व यूपी ग्रामीण बैंक, मेरठ	भारत	35.00	35.00
7.	प्रिंसिपल पीएनबी एसेट मैनेजमेंट क.प्रा.लि. (24.08. 2018 को स्टेक बिक्री)	भारत	0.00	21.38
8.	प्रिंसिपल ट्रस्टी क.प्रा. लि..(24.08.2018 को स्टेक बिक्री)	भारत	0.00	30.00
9.	पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लि.#	भारत	30.00	30.00
10.	जेएससी (टेंगरी बैंक), एल्माटी, कज़ाखिस्तान	कज़ाखिस्तान	41.64	49.00
11.	पीएनबी हाउसिंग फाईनेंस लि.	भारत	32.79	32.96
12.	एवरेस्ट बैंक लिमिटेड (संयुक्त उपक्रम)	नेपाल	20.03	20.03

NOTES TO ACCOUNTS

1. The 05 Subsidiaries, 08 Associates and 01 Joint Venture (which along with Punjab National Bank, the parent, constitute the Group) are considered in the preparation of the consolidated financial statements are as under:

(in %)

	Name of the Subsidiary Company	Country of incorporation	% Voting power held as at	
			31.03.2019	31.03.2018
1.	PNB Gilts Limited*	India	74.07	74.07
2.	Punjab National Bank (International) Ltd$.	United Kingdom	100.00	100.00
3.	PNB Investment Services Ltd.	India	100.00	100.00
4.	Druk PNB Bank Ltd.	Bhutan	51.00	51.00
5.	PNB Insurance Broking Pvt Ltd*#	India	81.00	81.00

* The financial statements of these companies are subject to Statutory Audit and Audit by the Comptroller & Auditor General of India, under the Companies Act, 2013 and receipt of their report.

$ Un-audited Financials have been taken while preparing consolidated financial statements of PNB group.

#Steps are being taken for winding up of the company as the license has already been surrendered on 14.02.2011.

2. Associates / Joint Venture considered in consolidated financial statements are as under:

(in %)

	Name of the Associate/Joint Venture	Country of incorporation	Proportion of ownership percentage as at	
			31.03.2019	31.03.2018
1.	Madhya Bihar Gramin Bank, Patna* up to 31.12.2018	India	0.00	35.00
2.	Dakshin Bihar Gramin Bank, Patna** w.e.f. 01.01.2019	India	35.00	0.00
3.	Sarva Haryana Gramin Bank, Rohtak	India	35.00	35.00
4.	Himachal Pradesh Gramin Bank, Mandi.	India	35.00	35.00
5.	Punjab Gramin Bank, Kapurthala***	India	35.00	35.00
6.	Sarva UP Gramin Bank, Meerut.	India	35.00	35.00
7	Principal PNB Asset Management Co. Pvt. Ltd. (Stake sold on 24.08.2018)	India	0.00	21.38
8.	Principal Trustee Co. Pvt. Ltd. (Stake sold on 24.08.2018)	India	0.00	30.00
9.	PNB Metlife India Insurance Company Ltd #	India	30.00	30.00
10.	JSC (Tengri Bank), Almaty, Kazakhstan	Kazakhastan	41.64	49.00
11	PNB Housing Finance Limited	India	32.79	32.96
12	Everest Bank Ltd. (Joint Venture)	Nepal	20.03	20.03

*मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक 31.12.2018 तक विद्यमान रहा।

**अधिसूचना संख्या 5014 दि:21.12.2018 के अंतर्गत बिहार ग्रामीण बैंक को मध्य बिहार ग्रामीण के साथ एकीकरण के पश्चात दि: 01.01.2019 को दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक अस्तित्व में आया।

#पीएनबी द्वारा पीएनबी मेटलाईफ में 30% की स्टेक प्राप्त की है जो नगण्य है जैसे कि ब्रैंड इक्विटी रु.700.00 जो नगण्य है।

नोट: बैंक ने लेन-देन को पूर्ण कर लिया है और अपनी सम्पूर्ण स्टेक को प्रिंसिपल ग्रुप के पक्ष में दि:24.08.2018 (28.08.2018 को समाप्त) को मुख्य पीएनबी एस्सेट प्रबन्धन क.प्र.लि. व् प्रिंसिपल ट्रस्टी क.लि. को ऑफलोड कर दिया।

फुट नोटस् :

2.1 एवरेस्ट बैंक लिमिटेड का लेखांकन वर्ष हमारे बैंक से भिन्न है।

2.2 वर्ष 2018-19 के लिए निम्नलिखित सहयोगी कम्पनियों से प्राप्त गैर लेखा-परीक्षित वित्तीय विवरण पत्रों के आधार पर लेखों में बैंक के शेयर के विषय में विचार किया गया है।

क. प्रिंसिपल पीएनबी असेट मैनेजमेंट कम्पनी प्रा.लि. .(24.08.2018 को स्टेक बिक्री)

ख. प्रिंसिपल ट्रस्टी कम्पनी प्रा.लि. .(24.08.2018 को स्टेक बिक्री)

ग. मध्य बिहार ग्रामीन बैंक, पटना* 31.12.2018 तक

घ. दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, पटना को 01.01.2019

ड. सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, रोहतक

च. हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, मंडी

छ. पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला

ज. सर्व यूपी ग्रामीण बैंक, मेरठ

झ. एवरेस्ट बैंक लि. नेपाल (संयुक्त उपक्रम)

*मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक 31.12.2018 तक विद्यमान रहा।

**अधिसूचना संख्या 5014 दि:21.12.2018 के अंतर्गत बिहार ग्रामीण बैंक को मध्य बिहार ग्रामीण के साथ एकीकरण के पश्चात दि:01.01.2019 को दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक अस्तित्व में आया।

***इसी तरह पंजाब राज्य में, भारत सरकार की अधिसूचना सख्या 5015 दि: 21.12.2018 के अनुसार दि: 01.01.2019 को मालवा ग्रामीण बैंक सतलुज ग्रामीण बैंक का एकीकरण हुआ।

2.3 पूँजी प्रारक्षित निधि /साख का विवरण निम्नलिखित है :-

(रु. करोड़ में)

विवरण	31.03.2019 की स्थिति	31.03.2018 की स्थिति
साख	0.24	0.24
पूँजी प्रारक्षित निधि	66.77	66.77
साख (शुद्ध)	0.00	0.00
समेकन पर पूंजी प्रारक्षित निधि	66.53	66.53

*Madhya Bihar Gramin bank remained in existence till 31.12.2018.

**After amalgamation of Bihar Gramin Bank with Madhya Bihar Gramin Bank vide Notification no. 5014 dated 21.12.2018, Dakshin Bihar Gramin Bank came into existence w.e.f. 01.01.2019.

***Similarly, In state of Punjab, Malwa Gramin Bank and Sutlej Gramin Bank got amalgamated with Punjab Gramin Bank, Kapurthala w.e.f. 01.01.2019 vide GOI notification no. 5015 dated 21.12.2018

#PNB has acquired 30% stake in PNB Metlife at negligible consideration i.e. ₹700.00 as brand Equity

Note: Bank has completed the transaction and offloaded its entire stake in Principle PNB Asset Management Co Pvt Ltd and Principle Trustee Co. Pvt. Ltd in favour of Principal group on 24.08.2018 (Closed on 28.08.2018)

Footnotes:

2.1 Everest Bank Ltd. follows accounting year different from that of the Parent.

2.2 The bank's share in the following Associates/Joint Venture has been considered in the accounts on the basis of un-audited financial statements received for the year 2018-19:-

1. Principal PNB Asset Management Company Pvt. Ltd. (Stake sold on 24.08.2018)
2. Principal Trustee Company Private Limited. (Stake sold on 24.08.2018)
3. JSC (Tengri Bank) Almaty, Kazakhstan .
4. Madhya Bihar Gramin Bank, Patna* up to 31.12.2018
5. Dakshin Bihar Gramin Bank, Patna** w.e.f. 01.01.2019
6. Sarva Haryana Gramin Bank, Rohtak
7. Himachal Pradesh Gramin Bank, Mandi
8. Punjab Gramin Bank, Kapurthala***
9. Sarva UP Gramin Bank, Meerut.
10. Everest Bank Limited, Nepal (Joint Venture)

*Madhya Bihar Gramin bank remained in existence till 31.12.2018.

**After amalgamation of Bihar Gramin Bank with Madhya Bihar Gramin Bank vide Notification no. 5014 dated 21.12.2018, Dakshin Bihar Gramin Bank came into existence w.e.f. 01.01.2019.

***Similarly, In state of Punjab, Malwa Gramin Bank and Sutlej Gramin Bank got amalgamated with Punjab Gramin Bank, Kapurthala w.e.f. 01.01.2019 vide GOI notification no. 5015 dated 21.12.2018

2.3 The break-up of Capital Reserve/Goodwill is as follows:

(₹ in Crore)

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Goodwill	0.24	0.24
Capital Reserves	66.77	66.77
Goodwill (Net)	0.00	0.00
Capital Reserve on Consolidation	66.53	66.53

2.4 **बेमियादी बंधपत्र/गौण उधारों के रूप में क्रमशः टीयर-I और टीयर-II पूँजी निम्नवत् जुटाई है।**

(रु. करोड़ में)

विवरण	31.03.2019 को	31.03.2018 को
वर्ष के दौरान लोअर टीयर-II पूँजी के रूप में जुटाई गई गौण ऋण की राशि	0.00	0.00
वर्ष के दौरान अपर टीयर-II पूँजी के रूप में जुटाई गई गौण ऋण की राशि	0.00	0.00
वर्ष के दौरान टीयर-I पूँजी के रूप में जुटाई गई बेमियादी बंधपत्रों की राशि	0.00	1500.00

3. **बैंक समूह की पूँजी पर्याप्तता अनुपात (बेसल-III के आधार पर) निम्नलिखित है :**

विवरण	बेसल-III	
	31.03.2019	31.03.2018
सामान्य0 इक्विटी टीयर I पूंजी अनुपात (%) (बेसल III)	6.52	6.48
टीयर-1 पूंजी अनुपात (%) (बेसल III)	7.85	7.69
टीयर-2 पूंजी अनुपात (%) (बेसल III)	2.28	2.13
कुल पूंजी अनुपात (सीआरएआर)(%) (बेसल III)	10.13	9.82

4. **लेखा मानकों द्वारा अपेक्षित प्रकटीकरण**

4.1 **लेखा मानक-5 पूर्व अवधि और लेखांकन नीति में परिवर्तन**

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-5 के अधीन कोई महत्वपूर्ण पूर्व-अवधि आय/व्यय का प्रकटीकरण अपेक्षित नहीं हैं। पिछले वर्ष में अनुपालित की गई किसी लेखांकन नीति में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

4.2 **लेखा मानक 6 : मूल्यह्रास लेखा विधि**

वर्ष में आस्तियों के प्रत्येक वर्ग के लिए किए गए मूल्यह्रास का ब्यौरा

(रू करोड़ में)

विवरण (आस्ति श्रेणी)	31.03.2019 को समाप्त वर्ष	31.03.2018 को समाप्त वर्ष
परिसर	85.00	83.59
अन्य अचल आस्तियां	445.27	453.91
पट्टे वाली आस्तियां	0.00	0.00
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	53.26	43.85
जोड़	**583.53**	**581.35**

4.3 **लेखा मानक 9 : राजस्व पहचान**

जिस आय को वसूली के आधार पर लेखांकित किया गया है उसे महत्वपूर्ण नहीं माना गया है।

4.4 **लेखा मानक 11 विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन :**

विदेशी विनिमय उतार चढ़ाव निधि की घटबढ़ :

(रू. करोड़ में)

विवरण	31.03.2019	31.03.2018
प्रारंभिक शेष	615.18	609.99
वर्ष के दौरान जमा	208.25	50.85
वर्ष के दौरान आहरित	157.14	45.66
समाप्ति शेष	666.29	615.18

2.4 **Perpetual bonds/sub-ordinated debt raised as Tier I and Tier II Capital:**

(₹. in Crore)

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Amount of sub-ordinated debt raised as Lower Tier-II Capital during the year	0.00	0.00
Amount of sub-ordinated debt raised as Upper Tier-II Capital during the year	0.00	0.00
Amount of perpetual bonds raised as Tier-I Capital during the year	0.00	1500.00

3. **The capital adequacy ratio (as per Basel III) of the bank group is as under:**

Particulars	Basel III	
	31.03.2019	31.03.2018
Common equity Tier 1 Capital ratio (%) (Basel- III)	6.52	6.48
Tier 1 Capital ratio (%) (Basel- III)	7.85	7.69
Tier 2 Capital ratio (%) (Basel- III)	2.28	2.13
Total Capital ratio (CRAR) (%) (Basel- III)	10.13	9.82

4. **Disclosures required by Accounting Standards**

4.1 **AS 5 - Prior Period and Change in Accounting Policy**.

There were no material prior period Income/Expenditure items requiring disclosure under AS-5 issued by The Institute of Chartered Accountants of India. There is no change in any accounting policy followed in the previous year.

4.2 **AS 6 - Depreciation accounting**

-Break-up of total depreciation for the year for each class of assets

(₹in Crore)

Particulars (Class of Assets)	Year ended 31.03.2019	Year ended 31.03.2018
Premises	85.00	83.59
Other fixed assets	445.27	453.91
Leased assets	0.00	0.00
Computer software	53.26	43.85
Total	**583.53**	**581.35**

4.3 **AS 9 - Revenue Recognition**

The income which has been accounted for on realization basis is not considered to be material.

4.4 **AS 11- Changes in foreign exchange rates:**

Movement of Exchange Fluctuation Reserve

(₹. in Crore)

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Opening Balance	615.18	609.99
Credited during the year	208.25	50.85
Withdrawn during the year	157.14	45.66
Closing Balance	666.29	615.18

4.5 ए एस 15 - कर्मचारी लाभ (मूल कम्पनी):

लेखा मानक - 15 (संशोधित) के अनुसार प्रकटीकरण

लेखा नीति के अनुरूप तथा लेखा मानक-15 (संशोधित)के अनुसार रोजगार उपरान्त मिलने वाले फायदे की संक्षिप्त स्थिति को लाभ व हानि खाते और तुलनपत्र में निम्नवत् माना गया है:

ए. परिभाषित लाभ योजना

तालिका । - प्रधान बीमांकिक मान्यता तथा इन मान्यताओं का आधार

बीमांकिक मान्यता	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
बट्टा दर	7.80%	7.89%	7.05%	7.97%	7.05%	7.97%
योजना आस्तियों के प्रतिफल की संभावित दर	7.80%	8.61%	7.05%	8.61%	-	-
वेतन में वृद्धि की दर	-	-	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
महंगाई वृद्धि दर में राहत	6.00%	6.50%	-	-	-	-
ह्रास दर	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

तालिका ॥- दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन

(सभी राशि रुपये करोड़ में)

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	अवधि की शुरूआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	26,124.78	22,859.81	3,302.92	2,930.07	1,887.38	1,477.52
जोड़ें:	ब्याज लागत	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
जोड़ें:	चालू सेवा लागत	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
जोड़ें:	पूर्व सेवा लागत		-	-	253.45	-	-
घटाया	संदत्त लाभ	(1,592.10)	(1,349.99)	(558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)
(ए)	दायित्वों पर बीमांकिक हानि/(लाभ) (संतुलनकारी आंकड़े)	904.81	2,272.58	133.03	29.19	19.16	533.06
	अवधि के अंत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	**27,743.93**	**26,124.78**	**3,282.54**	**3,302.92**	1,844.42	1,887.38

तालिका ।॥- योजना आस्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	अवधि की शुरूआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	25,212.04	24,660.65	3,012.96	3,155.83	-	-
जोड़ें:	योजना आस्तियों पर संभावित प्रतिफल	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
जोड़ें:	बैंक द्वारा अंशदान	1,526.48	162.60	367.81	-	308.37	281.61
घटाया	संदत्त लाभ का भुगतान	(1,592.10)	(1,349.99)	(558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)
(बी)	दायित्वों पर बीमांकिक हानि/(लाभ) (संतुलनकारी आंकड़े)	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	-	-
	अवधि के अंत में योजना आस्तियों का उचित मूल्य	**27,472.21**	**25,212.04**	**3,085.70**	**3,012.96**	-	-

4.5 AS 15 – Employees Benefits (Parent Company):

DISCLOSURE IN ACCORDANCE WITH AS-15(R):

In line with the accounting policy and as per the Accounting Standard – 15(R), the summarized position of employment benefits is as under:

A. Defined benefit Plans

TABLE I - Principal Actuarial Assumptions and the basis of these assumptions

Actuarial Assumptions	PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
Discount Rate	7.80%	7.89%	7.05%	7.97%	7.05%	7.97%
Expected Return on Plan Assets	7.80%	8.61%	7.05%	8.61%	-	-
Rate of Escalation In salary	-	-	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
Dearness Relief Escalation Rate	6.00%	6.50%	-	-	-	-
Attrition Rate	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

TABLE II - Changes in Present value of the obligation

(ALL AMOUNTS IN CRORES)

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	Present value of Obligation at the beginning of period	26,124.78	22,859.81	3,302.92	2,930.07	1,887.38	1,477.52
Add:	Interest Cost	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
Add:	Current Service Cost	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
Add:	Past Service Cost	-	-	-	253.45	-	-
Less:	Benefits paid	(1,592.10)	(1,349.99)	(558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)
(A)	Actuarial loss / (gain) on obligations (Balancing Figure)	904.81	2,272.58	133.03	29.19	19.16	533.06
	Present value of Obligation as at the end of the period	**27,743.93**	**26,124.78**	**3,282.54**	**3,302.92**	1,844.42	1,887.38

TABLE III - Changes in the FV of the Plan Assets

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	FAIR value of Plan Assets, at the beginning of period	25,212.04	24,660.65	3,012.96	3,155.83	-	-
Add:	Expected return on Plan assets	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
Add:	Contributions by Bank	1,526.48	162.60	367.81	-	308.37	281.61
Less:	Benefits Paid	(1,592.10)	(1,349.99)	(558.23)	(349.09)	(308.37)	(281.61)
(B)	Actuarial (loss) / gain on Plan Assets (Balancing Figure)	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	-	-
	FAIR value of Plan Assets as at the end of the period	**27,472.21**	**25,212.04**	**3,085.70**	**3,012.96**	-	-

तालिका IV- योजना आस्तियों पर वास्तविक प्रतिफल

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	योजना आस्तियों पर संभावित प्रतिफल	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
जोड़:	योजना आस्तियों पर बीमांकिक (हानि)/लाभ	336.56	(333.38)	23.02	(50.47)	-	-
	योजना आस्तियों पर वास्तविक प्रतिफल	**2,325.79**	**1,738.78**	**263.15**	**206.22**	-	-

तालिका V- मान्य शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/हानि

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	अवधि के लिए दायित्वों पर बीमांकिक (हानि)/ लाभ	(904.81)	(2272.58)	(133.03)	(29.19)	(19.16)	(533.06)
	अवधि के लिए योजना आस्तियों पर बीमांकिक (हानि)/लाभ	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	0	0
	अवधि के लिए कुल लाभ/हानि	568.25	2605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
	अवधि में मान्य शुद्ध बीमांकिक (लाभ) / हानि	**568.25**	**2605.96**	**110.00**	**79.66**	**19.16**	**533.06**
	वर्ष के अंत में अमान्य बीमांकिक (लाभ)/हानि	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

तालिका VI- तुलनपत्र में मान्य राशि :

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	दायित्वों का वर्तमान मूल्य	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
घटाया	योजना आस्तियों का उचित मूल्य	27,472.21	(25,212.04)	3,085.70	3,012.96		-
	अन्तर	271.72	912.74	196.84	289.96	1,844.42	1,887.38
	अमान्य ट्राजिश्नल देयतायें	-	-	-	-	-	-
घटाया	अमान्य गत सेवा लागत – निहित लाभ – आगे ले जाया गया	-	-	-	190.00*	-	-
	तुलनपत्र में मान्य देयताएं	271.72	912.74	196.84	99.96*	1,844.42	1,887.38
	लेखा मानक – 15 (संशोधित) के पैरा 55 के अन्तर्गत नकारात्मक निर्धारित राशि	-	-	-	-	-	-
	भावी अंशदानों में कटौती और उपलब्ध भावी कटौती का वर्तमान मूल्य	-	-	-	-	-	-
	लेखा मानक – 15 (संशोधित) पैरा 59 (बी) के अन्तर्गत सीमा अनुसार मान्य आस्ति	-	-	-	-	-	-

TABLE IV - Actual Return on Plan Assets

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	Expected return on Plan Assets	1,989.23	2,072.16	240.13	256.69	-	-
Add:	Actuarial (loss) / gain on Plan Assets	336.56	(333.38)	23.02	(50.47)	-	-
	Actual Return on Plan Assets	**2,325.79**	**1,738.78**	**263.15**	**206.22**	-	-

TABLE V - Net Actuarial (Gain) / loss Recognized

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	Actuarial gain / (loss) for the period - Obligations	(904.81)	(2272.58)	(133.03)	(29.19)	(19.16)	(533.06)
	Actuarial gain / (loss) for the period - Plan Assets	336.56	(333.38)	23.03	(50.47)	0	0
	Total (Gain) / Loss for he period	568.25	2605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
	Actuarial (gain) or loss recognised in the period	**568.25**	**2605.96**	**110.00**	**79.66**	**19.16**	**533.06**
	Unrecognised Actuarial (gain) / loss at the end of the year	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

TABLE VI - Amount recognised in Balance Sheet

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	Present value of Obligation	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
Less	FAIR value of Plan Assets,	27,472.21	(25,212.04)	3,085.70	3,012.96	-	-
	Difference	271.72	912.74	196.84	289.96	1,844.42	1,887.38
	Unrecognised Transitional Liability	-	-	-	-	-	-
Less	Unrecognised Past Service cost - vested benefits - Carried Forward	-	-	-	190.00*	-	-
	Liability Recognised in the Balance Sheet	271.72	912.74	196.84	99.96*	1,844.42	1,887.38
	Negative amount determined under Paragraph 55 of AS-15 (R)	-	-	-	-	-	-
	Present value of available refunds and reductions in future contributions	-	-	-	-	-	-
	Resulting asset as per Paragraph 59 (b) of AS-15 (R)	-	-	-	-	-	-

तालिका VII- लाभ व हानि खाते में मान्य व्यय?

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
	चालू सेवा लागत	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
जोड़ाः	ब्याज लागत	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
घटाया	योजना आस्तियों पर संभावित प्रतिफल	(1,989.23)	(2,072.16)	(240.13)	(256.69)	-	-
जोड़ाः	वर्ष के दौरान मान्य शुद्ध बीमांकित (लाभ) / अथवा हानि	568.25	2,605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
जोड़ाः	गत सेवा लागत-मान्य	-	-	190.00	63.45*	-	-
	लाभ व हानि खाते की विवरणी में मान्य व्यय	**885.46**	**2,876.18**	**464.69**	**325.72***	**265.42**	**691.47**

तालिका VIII- तुलनपत्र में मान्य होने वाली शुद्ध देयता में घट-बढ़

		पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
		31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
	प्रारम्भिक शुद्ध देयता	912.74	(1,800.84)	99.96	(225.76)	1,887.38	1,477.52
जोड़ाः	व्यय	885.46	2,876.18	464.69	325.72*	265.42	691.47
घटाया	संदत्त अंशदान	(1,526.48)	(162.60)	(367.81)	-	(308.37)	(281.61)
	अंतिम शुद्ध देयता (चालू अवधि में तुलन-पत्र में मान्य देयता)	271.72	912.74	196.84	99.96*	1,844.42	1,887.38

तालिका IX- वर्तमान अवधि के लिए राशि

	पेंशन		उपदान		छुट्टी नकदीकरण	
	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
दायित्वों का वर्तमान मूल्य	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
योजना आस्तियों का उचित मूल्य	27,472.21	25,212.04	3,085.70	3,012.96	-	-
अमान्य गत सेवा लागत से पूर्व अधिशेष/(घाटा)	(271.72)	(912.74)	(196.84)	(289.96)	(1,844.42)	(1,887.38)
योजना देयताओं में अनुभाविक समायोजन -(हानि)/लाभ	2,060.78	(122.81)	(9.91)	(145.02)	(24.86)	(616.21)
योजना आस्तियों में अनुभाविक समायोजन- (हानि)/लाभ	**(336.56)**	**(333.38)**	**(23.03)**	**(50.47)**	**-**	**-**

तालिका X- योजना आस्तियों की प्रमुख श्रेणियाँ (कुल योजना आस्तियों का प्रतिशत)

(प्रतिशत में)

	पेंशन		उपदान	
	31.03.2019	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	6.74%	8.66%	11.00%	14.05%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	26.59%	30.68%	26.00%	32.50%
उच्च किस्म के कॉर्पोरेट खाण्ड	8.37%	10.58%	4.00%	8.25%
सूचीबद्ध कम्पनियों के इक्विटी शेयर	0.26%	0.00%	0.00%	0.00%
संपत्ति	0.00%	0.00%	0.00%	0.00%
विशेष जमा योजनाएं	8.80%	0.00%	11.00%	0.00%
निर्गमकर्ता द्वारा चलाई गई गई	35.89%	37.62%	31.00%	30.05%
अन्य बैंक जमाराशियां और जमा प्रमाणपत्र (सीडी)	13.35%	12.46%	17.00%	15.15%
जोड़	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**

TABLE VII - Expense to be recognised in Profit and loss statement

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	Current Service Cost	245.20	556.50	141.58	236.22	95.84	59.90
Add:	Interest cost	2,061.25	1,785.88	263.24	203.08	150.42	98.52
Less:	Expected return on Plan assets	(1,989.23)	(2,072.16)	(240.13)	(256.69)	-	-
Add:	Net Actuarial (gain) / loss recognised in year	568.25	2,605.96	110.00	79.66	19.16	533.06
Add:	Past Service Cost-Recognised	-	-	190.00	63.45*	-	-
	Expenses recognised in the statement of profit and loss	**885.46**	**2,876.18**	**464.69**	**325.72***	**265.42**	**691.47**

TABLE VIII- Movement in Net Liability to be recognised in Balance Sheet

		PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
		31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
	Opening Net Liability	912.74	(1,800.84)	99.96	(225.76)	1,887.38	1,477.52
Add:	EXPENSE	885.46	2,876.18	464.69	325.72*	265.42	691.47
Less:	CONTRIBUTIONS PAID	(1,526.48)	(162.60)	(367.81)	-	(308.37)	(281.61)
	Closing Net Liability (Liability recognised in B/S in current period)	271.72	912.74	196.84	99.96*	1,844.42	1,887.38

TABLE IX -Amount for the current Period

	PENSION		GRATUITY		LEAVE ENCASHMENT	
	31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
Present value of Obligation	27,743.93	26,124.78	3,282.54	3,302.92	1,844.42	1,887.38
FAIR value of Plan Assets	27,472.21	25,212.04	3,085.70	3,012.96	-	-
Surplus / (Deficit) before unrecognised past service cost	(271.72)	(912.74)	(196.84)	(289.96)	(1,844.42)	(1,887.38)
Experience Adjustments in Plan Liabilities -(loss) / Gain	2,060.78	(122.81)	(9.91)	(145.02)	(24.86)	(616.21)
Experience Adjustments in Plan Assets (loss) / gain	**(336.56)**	**(333.38)**	**(23.03)**	**(50.47)**	**-**	**-**

TABLE X -Major Categories of Plan Assets (as percentage of Total Plan Assets)

(In Percentage)

	PENSION		GRATUITY	
	31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
Government Of India Securities	6.74%	8.66%	11.00%	14.05%
State Govt Securities	26.59%	30.68%	26.00%	32.50%
High Quality Corporate Bonds	8.37%	10.58%	4.00%	8.25%
Equity Shares of listed companies	0.26%	0.00%	0.00%	0.00%
Property	0.00%	0.00%	0.00%	0.00%
Special deposit scheme	8.80%	0.00%	11.00%	0.00%
Funds managed by Insurer	35.89%	37.62%	31.00%	30.05%
Other- Bank Deposits and CDs	13.35%	12.46%	17.00%	15.15%
TOTAL	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**	**100.00%**

तालिका XI- आगामी वर्ष के दौरान एंटरप्राईज़ के अंशदान का श्रेष्ठतम अनुमान

विवरण	पेंशन (निधिक)		उपदान (निधिक)	
	31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
आगामी वर्ष के दौरान बैंक का श्रेष्ठतम अंशदान का अनुमान	620.00	1600.00	190.00	300.00

तालिका XII- अन्य दीर्घावधि कर्मचारी लाभ (गैर निधिक)

	आकस्मिक छुटी सहित बीमारी की छुट्टी (गैर निधिक)		**एलएफसी (गैर निधिक)**		**सिलवर जुबली बोनस (गैर निधिक)**	
	31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
दायित्व का वर्तमान मूल्य	73.92	63.39	211.59	201.41	8.06	13.52
संक्रमणशील देयता का प्रारम्भिक शेष	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान मान्य संक्रमणशील देयता	-	-	-	-	-	-
संक्रमणशील देयता का इतिशेष	-	-	-	-	-	-
तुलनपत्र में मान्य देयता	**73.92**	**63.39**	**211.59**	**201.41**	**8.06**	**13.52**

	धारणा का आधार
बट्टा दर	संशोधित दायित्वों की अनुमानित शर्तों के अनुरुप सरकारी बंध पत्रों (एफबीआईएल द्वारा प्रकाशित) पर तुलन पत्र की तिथि को बाज़ार प्राप्तियों के अनुसार बटा दर निर्धारित की गयी है।
योजना आस्तियों पर प्रतिफल की संभावित दर	यह माना जाता है कि संबंधित योजना परिसंपत्तियों पर पेंशन और उपदान प्रति वर्ष 7.80% और 7.05% होगा।
वेतनवृद्धि दर (एसईआर)	आईबीए द्वारा प्रदान किए गए व्यापक मार्गदर्शन के आधार पर, बैंक के लिए एसईआर 6%(मूल वेतन वृद्धि 2.8% और डीए 6%प्रति वर्ष 6% लगभग वृद्धि के साथ कुल वृद्धि के साथ लिया गया है।)
ह्रास दर	पिछले अनुभव और स्वैच्छिक आहरण से संबंधित भविष्य के अनुभव के संदर्भ में ह्रास दर 1% निर्धारित की गयी है।

- भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने सप्रेषण डीबीआरेन.बीपी.बीसी 9.730/21.04.18/2017/18 दि:27.04.18 के माध्यम से बैंकों को 31 मार्च,2018 को समाप्त तिमाही के साथ शुरु होने वाले चार तिमाहियों में ग्रैज्युईटी अधिनियम 1972 के भुगतान के तहत 29.03.2018 से ग्रैच्युईटी सीमा रु.10.00 लाख से बढाकर रु.20.00 लाख बढाने के कारण अतिरिक्त देयता प्रसारित करने का विकल्प दिया है। बैंक ने इस विकल्प का उपयोग किया है और 31.03.2018 को तिमाही के दौरान 63.45 करोड का प्रभार लगाया है और आगामी वित्तीय वर्ष के बाद की तीन तिमाही में रु.190.00 करोड रुपये विलबित कर दिया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में रु. 190 करोड़ की राशि को मान्यतादीगई है। आरबीआई द्वारा अनुमति प्राप्त गैच्युईटी के लिए तुलनात्मक सख्या को तालिका vi, vii - viii में समायोजित किया है।

परिभाषित अंशदान योजना :

"बैंक ने अंशदान योजना परिभाषित की है जोकि 1.04.2010 को या उसके बाद ज्वाईन करने वाले सभी श्रेणी के कर्मचारियों पर लागू होता है । यह योजना पेंशन फंड रेगूलेटरी व विकास प्राधिकरण के अंतर्गत एनपीएस ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित है । एनपीएस के लिए राष्ट्रीय सिक्योरिटी डिपाजिटरी लि. को केन्द्रीय रिकार्ड कीलपग एजेंसी नियुक्त किया गया है ।

योगदान का विवरण इस प्रकार है:

वि.वर्ष 2018-19 के दौरान = रु.327.10 करोड (बैंक + कर्मचारी योगदान)

वि.वर्ष 2017-18 के दौरान = रु.285.45 करोड (बैंक + कर्मचारी योगदान)

TABLE XI -ENTERPRISE'S BEST ESTIMATE OF CONTRIBUTION DURING NEXT YEAR

	Pension (Funded)		Gratuity (Funded)	
	31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
Bank's best estimate of Contribution during next year	620.00	1600.00	190.00	300.00

TABLE XII- Other Long Term employee benefits (Unfunded)

Particulars	**Sick Leave & Un availed Casual leave (Unfunded)**		**Leave Fare concession (unfunded)**		**Silver Jubiliee Bonus (unfunded)**	
	31.03.2019	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**	**31.03.2019**	**31.03.2018**
Present Value of Obligation	73.92	63.39	211.59	201.41	8.06	13.52
Opening Balance of Transitional Liability	-	-	-	-	-	-
Transitional Liability recogized in the year	-	-	-	-	-	-
Closing Balance Of Transitional Liability	-	-	-	-	-	-
Liabity Recognized in balance Sheet	73.92	63.39	211.59	201.41	8.06	13.52

Particulars	**Basis of assumption**
Discount Rate	Discount Rate has been determined by reference to market yields at the balance Sheet date on Government bonds (published by FBIL) of term consistent with currency and estimated term of the obligations.
Expected Rate of Return on Plan Assets	It is assumed that return on the plan assets pertaining to the pension and gratuity fund will be 7.80% and 7.05% pa respectively.
Salary Escalation Rate (SER)	Based on the broad guidance provided by IBA, SER for the bank has been taken at 6 % (Basic Pay increase of 2.8% and DA increase of 6% pa approx with overall salary escalation of 6% approx.)
Attrition Rate	Attrition rate is assumed at 1% taken with reference to past experience and expected future experience related to voluntary withdrawals.

* RBI vide its communication DBR.No.BP.BC.9730/21.04.18/2017-18 dated April 27, 2018 has given the option to Banks to spread additional liability on account of enhancement in gratuity limits from ₹ 10.00 lakhs to ₹ 20.00 lakhs from 29.03.2018 under the Payment of Gratuity Act 1972, over four quarters beginning with the quarter ended March 31, 2018. The bank exercised the option and charged ₹ 63.45 crores during the quarter March 31, 2018 and deferred ₹ 190.00 crores to the ensuing financial year. The said amount of ₹ 190.00 crores has been recognized in the current financial year. Accordingly, the comparitive numbers for Gratuity has been adjusted to the extent permitted by RBI in Table VI, VII & VIII.

Defined Contribution Plans:-

"The Bank has Defined Contribution Plan applicable to all categories of employees joining the Bank on or after 01.04.2010. The scheme is managed by NPS trust under the aegis of the pension Fund Regulatory and Development Authority. National Securities Depository Limited has been appointed as the Central Record Keeping Agency for the NPS.

The details of contribution is as under:-

During the FY 2018-19 = ₹ 327.10Crores (Bank + Employee contribution)

During the FY 2017-18 = ₹ 285.45Crores (Bank + Employee contribution)

4.6 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए खंडवार रिपार्टिंग

(रु. करोड़ में)

क्र.सं.		विवरण	31.03.19 को समाप्त वर्ष (लेखापरीक्षित) (समेकित)	31.03.2018 को समाप्त वर्ष (लेखा परीक्षित) (समेकित)
i.		**खंडवार राजस्व**		
	क)	ट्रेजरी	17533.09	19528.32
	ख)	कारपोरेट/होलसेल बैकिंग	21375.94	17470.91
	ग)	रिटेल बैकिंग	19131.31	19093.23
	घ)	अन्य बैकिंग परिचालन	1474.19	1515.73
		जोड़	**59514.53**	**57608.19**
ii.		**खंडवार परिणाम**		
	क)	ट्रेजरी	3756.95	4473.14
	ख)	कारपोरेट/होलसेल बैकिंग	-19461.96	- 22241.25
	ग)	रिटेल बैकिंग	1958.91	328.61
	घ)	अन्य बैकिंग परिचालन	319.72	223.36
		जोड़	**-13426.38**	**-17216.14**
iii.		गैर आबंटित व्यय	1938.38	2630.00
iv.		परिचालन लाभ	13169.61	10432.21
v.		कर हेतु प्रावधान	-5338.35	-7261.81
vi.		असाधारण मदें	0.00	0.00
vii.		सहायक संस्थाओं में शेयरों का अर्जन (शुद्ध)	476.39	473.07
viii.		अल्पांश हित	20.09	2.10
ix.		शुद्ध लाभ	-9570.11	-12113.36
		अन्य सूचना		
x.		**खंडवार आस्तियाँ**		
	क)	ट्रेज़री	227591.25	239290.09
	ख)	कारपोरेट/होलसेल बैकिंग	354072.72	340959.65
	ग)	रिटेल बैकिंग	157416.98	154556.98
	घ)	अन्य बैकिंग परिचालन	23745.41	22006.15
		उप जोड़	**762826.36**	**756812.87**
	ङ)	गैर आबंटित आस्तियाँ	26439.73	20715.20
		कुल आस्तियाँ	**789265.79**	**777528.07**
xi.		खंडवार देयताएं		
	क)	ट्रेज़री	219708.00	230834.55
	ख)	कारपोरेट/होलसेल बैकिंग	344380.09	329447.47
	ग)	रिटेल बैकिंग	156921.18	155029.25
	घ)	अन्य बैंलकग परिचालन उप जोड़	22708.17	20675.79
		कुल देयताएं	**743717.44**	**735987.06**
	ङ)	गैर आबंटित देयताएं	350.84	23.71
		कुल देयताएं	**744068.28**	**736010.77**

4.6 SEGMENT REPORTING FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

(₹. in Crore)

Sl. No.		Particulars	Year Ended 31.03.2019 (Audited) (Consolidated)	Year Ended 31.03.2018 (Audited) (Consolidated)
i.		**Segment Revenue**		
	a)	Treasury	17533.09	19528.32
	b)	Corporate/Wholesale Banking	21375.94	17470.91
	c)	Retail Banking	19131.31	19093.23
	d)	Other Banking Operations	1474.19	1515.73
		Total	**59514.53**	**57608.19**
ii.		**Segment Results**		
	a)	Treasury	3756.95	4473.14
	b)	Corporate/Wholesale Banking	-19461.96	- 22241.25
	c)	Retail Banking	1958.91	328.61
	d)	Other Banking Operations	319.72	223.36
		Total	**-13426.38**	**-17216.14**
iii.		Unallocated Expenses	1938.38	2630.00
iv.		Operating Profit	13169.61	10432.21
v.		Provision for Tax	-5338.35	-7261.81
vi.		Extraordinary Items	0.00	0.00
vii.		Share of Earnings in Associates (Net)	476.39	473.07
viii.		Minority Interest	20.09	2.10
ix.		Net Profit	-9570.11	-12113.36
		Other Information:		
x.		**Segment Assets**		
	a)	Treasury	227591.25	239290.09
	b)	Corporate/Wholesale Banking	354072.72	340959.65
	c)	Retail Banking	157416.98	154556.98
	d)	Other Banking Operations	23745.41	22006.15
		Sub Total	**762826.36**	**756812.87**
	e)	Unallocated Assets	26439.73	20715.20
		Total Assets	**789265.79**	**777528.07**
xi.		Segment Liabilities		
	a)	Treasury	219708.00	230834.55
	b)	Corporate/Wholesale Banking	344380.09	329447.47
	c)	Retail Banking	156921.18	155029.25
	d)	Other Banking Operations	22708.17	20675.79
		Sub Total	**743717.44**	**735987.06**
	e)	Unallocated Liabilities	350.84	23.71
		Total Liabilities	**744068.28**	**736010.77**

भाग ख भौगोलिक खंड

क्रम सं.	विवरण		समाप्त वर्ष 31.03.2019 (लेखापरीक्षित) (समेकित)	समाप्त वर्ष 31.03.2018 (लेखापरीक्षित) (समेकित)
1.	राजस्व			
	क	घरेलू	57433.98	55236.47
	ख	अंतर्राष्ट्रीय	2080.55	2371.72
	कुल		**59514.53**	**57608.19**
2.	आस्तियां			
	क	घरेलू	738744.59	690234.03
	ख	अंतर्राष्ट्रीय	50521.20	87294.04
	कुल		**789265.79**	**777528.07**

नोट

1. खंडवार देयताएं उनकी संबंधित खंड आस्तियों के अनुपात में वितरित की गई हैं ।
2. जहां कहीं आवश्यक समझा गया है पिछली अवधि के आंकड़ों को तुलनीय बनाने के लिए पुन: समूहन/पुन: श्रेणीबद्ध किया गया है।

4.7 भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक - 18 के अनुसार प्रकटीकरण - मूल कम्पनी

संबंधित पार्टियों के नाम तथा बैंक के साथ उनके संबंध

मुख्य प्रबंधन कार्मिक :

i) श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
ii) श्री के वी ब्रह्माजी राव, कार्यपालक निदेशक 18.01.2019 तक रहे (निदेशक की अवधि समाप्त)
iii) श्री संजीव शरण्, कार्यपालक निदेशक 18.01.2019 तक रहे (निदेशक की अवधि समाप्त)
iv) श्री एल. वी. प्रभाकर, कार्यपालक निदेशक
v) श्री अज्ञेय कुमार आजाद, कार्यपालक निदेशक, 22.01.2019 से

अनुषंगियाँ :

i) पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड
ii) पीएनबी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड.
iii) पीएनबी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्र. लि.*
iv) पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड, यू.के
v) ड्रक पीएनबी बैंक लिमिटेड, भूटान

*कम्पनी को समाप्त करने सम्बन्धी कार्रवाई की जा रही है क्योंकि 14.02.2011 से इसका लाईसेंस सरेंडर हो चुका है।

सहयोगी संस्थाएं

i) प्रिंसिपल पीएनबी असेट मैनेजमेंट कम्पनी प्रा.लि. (स्टेक का विक्रय 24.08.2018 को कर दिया गया)
ii) प्रिंसिपल ट्रस्टी कम्पनी प्रा.लि. (स्टेक का विक्रय 24.08.2018 को कर दिया गया)
iii) पीएनबी हाऊसिग फाइनेंस लिमिटेड
iv) पीएनबी मेटलाइफ इंडिया एंश्योरेंस कं. लि.
v) जेएससी (टेंगडी बैंक) अल्माती, कजाकिस्तान
vi) मध्य बिहार ग्रामीण बैंक, पटना* 31.12.2018 तक
vii) दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, पटना** 01.01.2019 से प्रभावी
viii) सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, रोहतक
ix) हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक,मण्डी
x) पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला ***
xi) सर्व यूपी ग्रामीण बैंक, मेरठ

* मध्य बिहार ग्रामीण बैंक 31.12.2018 तक अस्तित्व में रहा।
** मध्य बिहार ग्रामीण बैंक के साथ बिहार ग्रामीण बैंक के समामेलन के बाद अधिसूचना सं 5014 दिनांक 21.12.2018 के माध्यम से दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक 01.01.2019 से अस्तित्व में आया।
*** इसी प्रकार, पंजाब राज्य में, भारत सरकार की अधिसूचना सं. 5015 दिनांक 21.12. 2018 के माध्यम से मालवा ग्रामीण बैंक और सतलुज ग्रामीण बैंक का समामेलन पंजाब ग्रामीण बैंक, कपूरथला के साथ 01.01.2019 को हुआ है।

संयुक्त उपक्रम

i) एवरेस्ट बैंक लि., काठमांडू, नेपाल

Part B – GEOGRAPHIC SEGMENTS

Sl. No.	Particulars		Year Ended 31.03.2019 (Audited) (Consolidated)	Year Ended 31.03.2018 (Audited) (Consolidated)
1.	Revenue			
	a)	Domestic	57433.98	55236.47
	b)	International	2080.55	2371.72
	Total		**59514.53**	**57608.19**
2.	Assets			
	a)	Domestic	738744.59	690234.03
	b)	International	50521.20	87294.04
	Total		**789265.79**	**777528.07**

Note

1. Segment Liabilities are distributed in the ratio of their respective Segment Assets.
2. Figures of the previous period have been re-grouped / re-classified wherever necessary to make them comparable.

4.7 Disclosure of Related Parties as per AS –18 issued by ICAI - Parent Company

Names of the related parties and their relationship with the Bank:

Key Management Personnel:

i) Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO
ii) Shri K. Veera Brahmaji Rao, Executive Director, Remined upto 18.01.2019 (ceased to be Director)
iii) Shri Sanjiv Saran, Executive Director, Remained upto 18.01.2019 (ceased to be Director)
iv) Shri Lingam Venkata Prabhakar, Executive Director,
v) Shri Agyey Kumar Azad, Executive Director, w.e.f. 22.01.2019

Subsidiaries:

i) PNB Gilts Ltd.
ii) PNB Investment Services Ltd.
iii) PNB Insurance Broking Pvt Ltd*.
iv) Punjab National Bank (International) Ltd., UK.
v) Druk PNB Bank Ltd, Bhutan.

*Steps are being taken for winding up of the company as the license has already been surrendered on 14.02.2011.

Associates:

i) Principal PNB Asset Management Company Pvt. Ltd (Stake sold on 24.08.2018)
ii) Principal Trustee Company Private Limited (Stake sold on 24.08.2018)
iii) PNB Housing Finance Ltd.
iv) PNB Metlife India Insurance Company Ltd.
v) JSC (Tengri Bank) Almaty, Kazakhstan .
vi) Madhya Bihar Gramin Bank, Patna* up to 31.12.2018
vii) Dakshin Bihar Gramin Bank, Patna** w.e.f. 01.01.2019
viii) Sarva Haryana Gramin Bank, Rohtak.
ix) Himachal Pradesh Gramin Bank, Mandi.
x) Punjab Gramin Bank, Kapurthala***
xi) Sarva UP Gramin Bank, Meerut.

* Madhya Bihar Gramin bank remained in existence till 31.12.2018.
** After amalgamation of Bihar Gramin Bank with Madhya Bihar Gramin Bank vide Notification no. 5014 dated 21.12.2018, Dakshin Bihar Gramin Bank came into existence w.e.f. 01.01.2019.
*** Similarly, In state of Punjab, Malwa Gramin Bank and Sutlej Gramin Bank got amalgamated with Punjab Gramin Bank, Kapurthala w.e.f. 01.01.2019 vide GOI notification no. 5015 dated 21.12.2018

Joint Venture:

i) Everest Bank Limited, Kathmandu, Nepal.

संबंधित पार्टियों से लेन-देन'

(रु. लाख में)

मदें/संबंधित पार्टी	मूल** (स्वामित्व अथवा नियंत्रण के अनुसार)		अनुषंगियां **		सहयोगी/संयुक्त उद्यम		मुख्य प्रबंधन कार्मिक		मुख्य प्रबंधन कार्मिक के रिश्तेदार		कुल	
	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि	2018-19	अधिकतम बकाया राशि
पारिश्रमिक	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	155.16	NA	NA	NA	155.16	NA
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	(149.15)	NA	NA	NA	(149.15)	NA
उधार	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	0	0	0	0	0	0	0	0
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
जमाराशि	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	374394.90	-	28.59	41.25	0.05	0.05	374423.54	41.30
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(186536.12)	-	(54.13)	(81.50)	(0.05)	(0.73)	(186590.30)	(82.23)
जमाराशियों का नियोजन	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-
अग्रिम	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	0	0	0	0	0	0	0	0
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
शेयर पूँजी में निवेश	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	88974.34	-	11.31	-	0.30	-	88985.95	-
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(93407.02)	–	(0.00)	–	(0.00)	–	(93407.02)	-
ऋण पत्रों में निवेश	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	-	-	-	-	-	
	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	–	–	–	–	–	-	-
गैर निधिक प्रतिबद्धताएं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	–	–	--	--	--	--	--	--
लीज़िग लीलजग/एचपी व्यवस्था	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
दी गयी लीज़िग/एचपी व्यवस्था	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
अचल आस्तियों की खरीद	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
अचल आस्तियों की बिक्री	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
दी गयी लीज़िग/एचपी व्यवस्था	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
संदत्त ब्याज	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	5668.75	-	-	-	-	-	5668.75	-
	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	(4730.37)	–	–	–	–	–	(4730.37)	-
प्राप्त ब्याज	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	–	–	–	–	–	–	–	–
सेवाएं प्राप्त करना	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	–	–	–	–	–	–	–	–
सेवाएं प्रदान करना	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	–	–	–	–	–	–	–	–
प्रबन्धन संविदाएं	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-						
	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	–	–	–	–	–	–	–	–
लाभांश प्राप्त	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	7405.23	-	-	-	-	-	7405.23	--
	लागू नही	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	--	–	-	-	-	-	--	-
बैंक प्रभार					–	–	–	–	–	–	–	–
प्राप्त कमीशन					–	–	–	–	–	–	–	–

**अनुषंगियों और कुछ सहयोगी संस्थाओं के साथ हुए लेनदेन का प्रकटीकरण लेखा मानक - 18 ''सम्बन्धित पार्टी प्रकटीकरण'' के पैरा 9 के मद्देनजर नहीं किया गया है जो राज्य द्वारा नियंत्रित उद्यमों को उनकी ऐसी अन्य सम्बन्धित पार्टियों से लेनदेन में से किसी से सम्बन्धित सूचना देने से छूट देता है जो राज्य द्वारा नियंत्रित हों ।

Transactions with Related Parties

(₹ in Lacs)

Items/ Related Party	Parent** (as per ownership or control)		Subsidiaries**		Associates/ Joint ventures		Key Management Personnel		Relatives of Key Management Personnel		Total	
	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding	2018-19	Maximum amount outstanding
Remuneration	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	155.16	NA	NA	NA	155.16	NA
	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	(149.15)	NA	NA	NA	(149.15)	NA
Borrowings	N.A	N.A	N.A	N.A	0	0	0	0	0	0	0	0
	N.A	N.A	N.A	N.A	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
Deposits	N.A	N.A	N.A	N.A	374394.90	-	28.59	41.25	0.05	0.05	374423.54	41.30
	N.A	N.A	N.A	N.A	(186536.12)	-	(54.13)	(81.50)	(0.05)	(0.73)	(186590.30)	(82.23)
Placement of Deposits	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	-	-	-	-	-	-
	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	-	-	-	-	-	-
Advances	N.A	N.A	N.A	N.A	0	0	0	0	0	0	0	0
	N.A	N.A	N.A	N.A	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
Investments in share capital	N.A	N.A	N.A	N.A	88974.34	-	11.31	-	0.30	-	88985.95	-
	N.A	N.A	N.A	N.A	(93407.02)	_	(0.00)	_	(0.00)	_	(93407.02)	-
Investments in debentures	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-	-	-	-	-	-	
	N.A	N.A	N.A	N.A	-	_	_	_	_	_	-	-
Non funded Commitments	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	--	--	--	--	--	--
Leasing/ HP arrangements availed	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Leasing/ HP arrangements provided	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Purchase of fixed assets	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sale of Fixed Assets	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Leasing/ HP arrangements availed	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Interest paid	N.A	N.A	N.A	N.A	5668.75	-	-	-	-	-	5668.75	-
	N.A	N.A	N.A	N.A	(4730.37)	_	_	_	_	_	(4730.37)	-
Interest received	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Receiving of Services	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Rendering of Services	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Management contracts	N.A	N.A	N.A	N.A	-	-						
	N.A	N.A	N.A	N.A	_	_	_	_	_	_	_	_
Dividend received	N.A	N.A	N.A	N.A	7405.23	-	-	-	-	-	7405.23	--
	N.A	N.A	N.A	N.A	--	_	-	-	-	-	--	-
Bank Charges					–	–	–	–	–	–	–	–
Commission Received					–	–	–	–	–	–	–	–

**The transactions with the subsidiaries and certain associates have not been disclosed in view of para-9 of AS-18 ‘Related Party Disclosure’, which exempts state controlled enterprises from making any disclosures pertaining to their transactions with other related parties, which are also state controlled.

4.8 लेखा मानक 20 : प्रति शेयर अर्जन

(रु0 करोड़ में)

विवरण		31.03.2019 को	31.03.2018 को
प्रति शेयर अर्जन	बेसिक	-29.68	-54.71
	डाल्यूटिड	-29.68	-54.71
कर के पश्चात् अंश न्यूमरेटर के रूप में उपयोग की गई राशि (रु0 करोड़ में)		-9570.11	-12130.06
शेयरों का अंकित मूल्य		₹2.00 प्रत्येक	₹2.00 प्रत्येक
हर डिनोमिनेटर के रूप में उपयोग किए गए इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या		3223964730	2217358150

4.9 आस्थगित कर आस्तियों तथा देयताओं के प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं:

(रु0 करोड़ में)

विवरण	31.03.2019 की स्थिति	31.03.2018 की स्थिति
आस्थगित कर आस्तियाँ		
अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	17693.66	11582.65
छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान	719.29	721.93
पेंशन व उपदान के लिए प्रावधान	164.76	350.50
धारा 43 बी के अन्तर्गत सांविधिक देयता	11.80	0.02
अन्य	285.01	1735.57
जोड़	**18874.52**	**14390.67**
आस्थगित कर देयताएं		
अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास	-65.87	-6.85
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1) viii के अंतर्गत कटौती	504.49	499.73
अन्य	0.00	517.16
जोड़	**438.62**	**1010.04**
आस्थगित कर आस्तियां/(देयता) शुद्ध	**18435.90**	**13380.63**

4.10 लेखा मानक 28 : आस्तियों का अनर्जन (इम्पेयरमेंट)

बैंक की आस्तियों में पर्याप्त हिस्सा वित्तीय आस्तियों का है जिनपर लेखा मानक 28 ''आास्तियों का अनर्जन'' लागू नही है। बैंक की राय में इसकी आस्तियों (जिन पर मानक लागू होता है) की उक्त मानक की शर्त के अधीन अपेक्षित पहचान के लिये

4.8. AS 20 - Earnings Per Share

(₹. in Crore)

Particulars		As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Earnings per Share	Basic	-29.68	-54.71
	Diluted	-29.68	-54.71
Amount used as numerator Profit after tax (Rs. In Crore)		-9570.11	-12130.06
Nominal value of shares		₹2.00 each	₹2.00 each
Weighted average number of equity shares used as the denominator		3223964730	2217358150

4.9 Major components of deferred tax assets and liability are set out below:

(₹. in Crore)

Particulars	As on 31.03.2019	As on 31.03.2018
Deferred Tax Assets		
Provision for bad & doubtful debts	17693.66	11582.65
Provision for leave encashment	719.29	721.93
Provision for Pension & Gratuity	164.76	350.50
Statutory Liabilities u/s 43B	11.80	0.02
Others	285.01	1735.57
Total	**18874.52**	**14390.67**
Deferred Tax Liabilities		
Depreciation on fixed assets	-65.87	-6.85
Deduction u/s 36(1)(viii)of Income- tax Act,1961	504.49	499.73
Others	0.00	517.16
Total	**438.62**	**1010.04**
Deferred Tax Assets/ (Liability) – Net	**18435.90**	**13380.63**

4.10 AS 28 - Impairment of Assets

A substantial portion of the bank's assets comprise of 'financial assets' to which Accounting Standard 28 'Impairment of Assets' is not applicable. In the opinion of the bank, there is no impairment of its assets (to which the standard applies) to any material extent as at 31st March 2019 requiring recognition in terms of the said standard.

31 मार्च 2019 को किसी महत्वपूर्ण सीमा तक अनर्जक नही है।

4.11 लेखा मानक 29 : प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक आस्तियां :

i- देयताओं के लिए प्रावधानों में घट-बढ़*

(रु. करोड़ में)

विवरण	**वेतन समझौते की बातचीत के अन्तर्गत वेतन बकाया**	**कानूनी मामले/ आकस्मिकताएँ**
1 अप्रैल, 2018 को शेष	362.59 (7.10)	25.70 (24.36)
अवधि के दौरान उपलब्ध कराया गया	370.24 (355.55)	1.89 (3.20)
अवधि के दौरान प्रयुक्त राशियां	0.00 (0.06)	0.00 (0.28)
अवधि के दौरान पलटी गयी राशि	19.11 (0.00)	2.58 (1.58)
31 मार्च, 2019 को शेष	**713.72 (362.59)**	**25.01 (25.70)**
बहिर्गमन / अनिश्चितता का समय	वास्तविक भुगतान पर (वास्तविक भुगतान पर)	निपटान/क्रिस्टलीकरण पर बहिर्गमन (निपटान/ क्रिस्टलीकरण पर बहिर्गमन)

*अन्य के लिए प्रावधान को छोड़कर

ii- लाभ व हानि खाते में व्यय शीर्ष के अन्तर्गत दिखाए गए ''प्रावधानों व आकस्मिकताओं'' का विवरण निम्नलिखित है:

(रु. करोड़ में)

विवरण	**31.03.2019 को समाप्त वर्ष**	**31.03.2018 को समाप्त वर्ष**
निवेश पर मूल्यह्रास के लिए प्रावधान	1628.80	2065.65
अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान	24623.65	24847.68
अनर्जक आस्तियों के लिए "फलोटिंग प्रावधान (भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रावधानीकरण मानदण्डों से अधिक)	0.00	0.00
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	440.95	-1507.47
आयकर के लिए किया गया प्रावधान (एफ बी टी तथा संपदाकर सहित)	-5343.90	-7264.36
अन्य प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	1830.79	4897.23
जोड़	**23180.29**	**23038.73**

4.12 **फलोटिंग प्रावधानों का ब्रेक अप निम्नलिखित है :**

(रु. करोड़ में)

विवरण	**31.03.2019**	**31.03.2018**
प्रारम्भिक शेष	360.25	360.25
वर्ष के दौरान किये गये फलोटिंग प्रावधान की मात्रा	0.00	0.00
वर्ष के दौरान आहरित राशि का उद्देश्य	0.00	0.00
अन्तिम शेष	360.25	360.25

4.11 AS 29 - Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

i. Movement of provisions for liabilities *

(₹. in Crore)

Particulars	**Salary arrears under negotiation**	**Legal cases/ contingencies**
Balance as at 1st April 2018	362.59 (7.10)	25.70 (24.36)
Provided during the year	370.24 (355.55)	1.89 (3.20)
Amounts used during the year	0.00 (0.06)	0.00 (0.28)
Reversed during the year	19.11 (0.00)	2.58 (1.58)
Balance as at 31st March 2019	**713.72 (362.59)**	**25.01 (25.70)**
Timing of outflow/uncertainties	On actual Payment (On actual Payment)	Outflow on settlement / crystallization (Outflow on settlement / crystallization)

* Excluding provisions for others

ii. Break-up of "Provisions and Contingencies" shown under the head Expenditure in Profit and Loss Account is as follows:

(₹. in Crore)

Particulars	**Year ended 31.03.2019**	**Year ended 31.03.2018**
Provisions for depreciation on investment	1628.80	2065.65
Provision towards NPAs	24623.65	24847.68
Floating provisions for NPAs (over and above RBI provisioning norms)	0.00	0.00
Provision towards Standard Assets	440.95	-1507.47
Provision made towards Income-tax (including FBT & Wealth Tax)	-5343.90	-7264.36
Other Provisions & Contingencies	1830.79	4897.23
Total	**23180.29**	**23038.73**

4.12 Break-up of Floating Provisions is as follows :

(₹. in Crore

Particulars	31.03.2019	31.03.2018
Opening balance	360.25	360.25
Quantum of floating provisions made during the year	0.00	0.00
Purpose and amount of draw down made during the year	0.00	0.00
Closing balance	360.25	360.25

4.13 आकस्मिक देयताओं पर अनुसूची 12 देखें

ऐसी देयताएं न्यायालय / पंचाट / न्यायालय से बाहर समझौतों, अपीलों के निपटान तथा माँगी गयी राशि, संविदागत दायित्वों की शर्तों संब) पार्टियों द्वारा की गयी तथा उठायी गयी माँगों पर क्रमश: आधारित हैं। ऐसे मामलों में कोई प्रतिपूर्ति प्रत्याशित नहीं है।

4.14 बैंक के यूनाइटेड किंगडम में नियंत्रक प्रूडेंसियल विनायमक प्राधिकरण (पीआरए) को यू.के.स्थित अपनी अनुषंगी पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड के संबंध में एक चुकौती आश्वासन पत्र जारी किया है जिसमें इस बात का आश्वासन दिया गया है कि यदि पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनैशनल) लिमिटेड, यूके अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी न कर पाया तो बैंक उसे वित्तीय सहायता प्रदान करेगा ।

उपरोक्त के अतिरिक्त बैंक ने कोई चुकौती आश्वासन पत्र जारी नहीं किया है अत: चुकौती आश्वासन पत्र के तहत संचयी वित्तीय दायित्व नही है ।

यूनाइटेड किंगडम में नियंत्रक प्रूडेंसियल विनायमक प्राधिकरण (पीआरए) ने अपने पत्र दिनांक 02.09.2015 के द्वारा बैंक को वाच सूचीबद्ध में रखा गया है। यहाँ पर काई विशिष्ट प्रतिबन्ध या दण्ड नही है । 02.06.2017 को पीएनबी ने न्यूनतम् विनियामक पूंजी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए 20 मिलियन यूएस डी की नई पूंजी का समावेश किया है।

5. अन्य टिप्पणियां

ए. वर्ष के दौरान, सेबी (पूंजी एवं प्रकटीकरण अपेक्षायें विनियमन, 2009) के प्रावधानों के अनुसार निम्नलिखित इक्विटी शेयर्स को अधिमान्य आबंटन किया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:

शेयरधारक का नाम	प्रत्येक इक्विटी शेयर की रु.2/- फेसवैल्यू	प्रति शेयर जारी मूल्य (राशि रु. में)	राशि (रु. करोड में)
भारत सरकार	312993219	89.97	2,816.00
भारत सरकार	638190364	85.10	5431.00
भारत सरकार	802063535	73.66	5908.00

बी. बैंक ने वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान सेबी विनियम 2009, समय समय पर यथा संशोधित सेबी (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ) विनियमन, 2014 की शर्तानुसार मंडल द्वारा यथा निर्धारित रु.2/- प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले अधिमान्य: आधार पर रु.69.93 प्रति शेयर(रु.17.98 प्रति शेयर छूट के साथ) के प्रीमियम पर 90226683 इक्विटी शेयर बैंक के कर्मचारियों को आबंटित किए गए। बैंक को कुल रु.649.00 करोड प्राप्त हुए जिसमें रु.18.04 करोड इक्विटी पूंजी और रु.630.96 करोड प्रीमियम के रुप में है।

सी. वर्ष के दौरान समेकित वित्तीय विवरणी की समीक्षा करने पर, बैंक ने पिछले वर्ष की समेकित वित्तीय विवरणी को रि-कास्ट और रि-एडजस्ट् किया परिणामस्वरुप रु.1466.84 करोड को निवेश, रिजर्व और अल्पांश ब्याज से समायोजित किया गया।

6. 1. जहां भी आवश्यक हुआ, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुन: समूहित/ पुन: व्यवस्थित/ पुन: वर्गीकृत किए गए हैं।

2. जहाँ भी आंकडे प्रकोष्ठ (नोट्स टू एकाउंट के मद स 0.4.5- एएस. 15- कर्मचारी लाभ (मूल कम्पनी)) में दिए गए है वे पिछले वर्ष से सम्बन्धित हैं।

3. जो आंकडे नोट्स टू एकाउंट के मद स0.4.5- एएस.15- कर्मचारी लाभ (मूल कम्पनी) में दिए गए है वे नकारात्मक है।

4.13 Refer Schedule-12 on Contingent Liabilities

Such liabilities are dependent upon the outcome of Court/arbitration/out of court settlement, disposal of appeals, and the amount being called up, terms of contractual obligations, devolvement and raising of demand by concerned parties, respectively. No reimbursement is expected in such cases.

4.14 The Bank has issued a Letter of Comfort to Prudential Regulation Authority (PRA), the regulator in United Kingdom, committing that the bank shall provide financial support to its subsidiary, Punjab National Bank (International) Ltd., UK so that it meets its financial commitments as and when they fall due.

Apart from the above, the Bank has not issued any Letter of Comfort and therefore there are no cumulative Financial obligations under Letter of Comfort.

The Prudential Regulatory Authority (PRA), regulator of UK, has vide its letter dated 02.09.2015 put the Bank under 'watch list'. There are no specific restrictions or penalties. PNB infused fresh capital of USD 20 million on 2nd June 2017 to help it to meet the minimum regulatory capital requirements.

5.Other Notes

a. During the year, the bank has made preferential allotment of following equity shares in accordance with the provisions of SEBI (Issue of Capital and Disclosure Requirements Regulations, 2009), for which details are as under :-

Name of the Shareholder	No. of equity shares-Face Value of ₹ 2 each	Issue Price per share (Amt in ₹)	Amount (₹. in Crore)
Govt. of India	312993219	89.97	2,816.00
Govt. of India	638190364	85.10	5431.00
Govt. of India	802063535	73.66	5908.00

b. During the Financial Year 2018-19 the bank has allotted 90226683 equity shares of ₹ 2.00 each to the Employees of the Bank under PNB-ESPS at a premium of ₹ 69.93 per share (including discount of ₹ 17.98 per share) as approved by the Board and the shareholders in terms of the SEBI (Share Based Employee Benefits) Regulations, 2014, as amended from time to time. The total amount received by the bank on this account is ₹ 649.00 Crores which includes ₹ 18.04 Crores as equity capital and ₹ 630.96 Crores as premium.

c. During the year on review of consolidated financial statement bank has re-casted and readjusted the previous year figures of Consolidated financial statement thereby an amount of ₹ 1466.84 Crores have been adjusted mainly from investment, Reserves and minority interest.

6. 1. Figures of the previous year have been regrouped / rearranged / reclassified wherever necessary.

2. Figures in the bracket wherever given [(except in Notes to Accounts Item no. 4.5 - AS 15–Employees Benefits (Parent Company)] relates to previous year.

3. Figures given in the bracket in Notes to Accounts Item No. 4.5 - AS 15–Employees Benefits (Parent Company) are in negative.

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के समेकित तुलनपत्र के साथ संलग्न समेकित नकदी प्रवाह विवरण-पत्र

CONSOLIDATED CASH FLOW STATEMENT ANNEXED TO THE CONSOLIDATED BALANCE SHEET FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2019

(आंकड़े ₹ करोड़ में) (Figures ₹ in Crore)

			2018-19	2017-18
	विवरण Particulars			
A.	परिचालन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह **Cash Flow from/(used in) Operating Activities**			
(I)	कर के पश्चात् शुद्ध हानि **Net Loss after Tax**		(10,026.41)	(12,584.34)
	जोड़िए : सहयोगियों में शेयरों का अर्जन Add: Share of earning in Associates		476.39	473.07
	अल्पांश ब्याज से पूर्व शुद्ध हानि **Net Loss before Minority Interest**		**(9,550.02)**	**(12,111.27)**
	जोड़िए : कर के लिए प्रावधान (आस्थगित कर का शुद्ध) Add: Provision for Tax (Net of deferred tax)		(5,338.35)	(7,261.81)
	कर से पूर्व हानि **Loss before Taxes**	(i)	**(14,888.37)**	**(19,373.08)**
(ii)	निम्नलिखित के लिए समायोजन: **Adjustment for :**			
	अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास Depreciation on fixed assets		584.01	581.03
	घटाइए : पुनर्मूल्यांकन प्रारक्षित निधि से आहरित राशि Less : Amount drawn from Revaluation Reserve		-	-
	अनर्जक आस्तियों के लिए प्रावधान Provision for Non-performing assets		24,630.38	24,851.54
	प्रारक्षित निधि से ट्रॉस्फर Transfer from reserve		(434.37)	-
	मानक आस्तियों पर प्रावधान Provision on Standard Assets		205.74	(2,187.45)
	एसोसिएट मे शेयरो का अर्जन Share of earning in Associates		(476.39)	(473.07)
	निवेशों (शुद्ध) पर प्रावधान Provision on Investments (net)		1,640.33	2,030.71
	अन्य प्रावधान (शुद्ध) Other Provisions (net)		3,865.91	1,210.43
	अनुषंगी / अन्य से लाभांश (निवेश कार्यकलाप) Dividend from Subsidiary / Others (Investing Activity)		(148.82)	(139.53)
	बॉण्डों से ब्याज (वित्तीय कार्यकलाप) Interest on Bonds (Financing Activity)		(1,152.39)	1,807.10
	अचल आस्तियों की बिक्री से लाभ/ हानि (शुद्ध) Profit / (Loss) on sale of Fixed Assets (net)		(18.37)	(2.60)
		(ii)	**28,696.03**	**27,678.15**
	परिचालन आस्तियों व देयताओं में परिवर्तनों से पूर्व परिचालन लाभ **Operating Profit before Changes in Operating Assets and Liabilities**	**(i+ii)**	**13,807.66**	**8,305.06**

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के समेकित तुलनपत्र के साथ संलग्न समेकित नकदी प्रवाह विवरण-पत्र
CONSOLIDATED CASH FLOW STATEMENT ANNEXED TO THE CONSOLIDATED BALANCE SHEET FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2019

(आंकड़े ₹ करोड़ में) (Figures ₹ in Crore)

			2018-19	2017-18
(iii)	परिचालन आस्तियों व देयताओं में शुद्ध परिवर्तन के लिए समायोजन **Adjustment for net change in Operating Assets and Liabilities**			
	निवेशों में कमी / (वृद्धि) Decrease / (Increase) in Investments		(6,985.92)	(15,352.94)
	अग्रिमों में कमी / (वृद्धि) Decrease / (Increase) in Advances		(48,883.12)	(39,446.83)
	अन्य आस्तियों में कमी / (वृद्धि) Decrease / (Increase) in Other Assets		158.97	(1,732.40)
	जमाराशियों में वृद्धि / (कमी) Increase / (Decrease) in Deposits		33,435.17	18,788.15
	उधारों में वृद्धि / (कमी) Increase / (Decrease) in Borrowings		(16,287.16)	23,206.04
	अन्य देयताओं व प्रावधानों में वृद्धि / (कमी) Increase / (Decrease) in Other Liabilities & Provisions		(8,963.29)	6,272.76
		(iii)	**(47,525.35)**	**(8,265.22)**
	परिचालनों से उत्पन्न नकदी Cash generated from Operations	**(i+ii+iii)**	**(33,717.69)**	**39.84**
	प्रदत्त कर (वापसी का शुद्ध) Tax Paid (net of refund)		(440.28)	(1,781.98)
	परिचालन कार्यकलापों से शुद्ध नकदी **Net Cash used in Operating Activities**	**(A)**	**(34,157.97)**	**(1,742.14)**
B.	निवेश कार्यकलापों से नकदी प्रवाह/(प्रयुक्त) **Cash Flow from/(used in) Investing Activities**			
	अचल आस्तियों की खरीद (बिक्री का शुद्ध) Purchase of Fixed Assets (net of Sales)		(441.69)	(651.66)
	अनुषंगियों/ संयुक्त उद्यमों/ क्षे.ग्रा. बैंकों से प्राप्त लाभांश Dividend recd from Subsidiaries / JV / RRBs		148.82	139.53
	अनुषंगियों/ संयुक्त उद्यमों/ क्षे.ग्रा. बैंकों में निवेश/(अनिवेश) Investment (Disinvestment) in Subsidaries / JV / RRBs		517.65	903.78
	अन्य निवेश Other Investments		-	-
	निवेश कार्यकलापों में प्रयुक्त शुद्ध नकदी **Net Cash used in investing Activities**	**(B)**	**224.79**	**391.66**
C.	वित्तीयन कार्यकलापों से नकदी प्रवाह (प्रयुक्त) **Cash Flow from /(used in)Financing Activities**			
	शेयर पूँजी जारी करना (प्रीमियम सहित) Issue of share capital (incl Share Premium)		14,810.06	10,485.93
	जारी/बॉण्डों का (मोचन) (टीयर-I व टीयर-II) Issue/(Redemption) of Bonds (Tier I & Tier II)		(2,214.53)	(1,212.38)
	बॉण्डों पर प्रदत्त ब्याज (टीयर-I व टीयर-II) Interest paid on Bonds(Tier I,II)		1,152.39	(1,807.10)
	लाभांश का भुगतान (लाभांश पर कर सहित) Payments of Dividends (incl tax on Dividend)		(6.91)	(6.91)

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के समेकित तुलनपत्र के साथ संलग्न समेकित नकदी प्रवाह विवरण-पत्र
CONSOLIDATED CASH FLOW STATEMENT ANNEXED TO THE CONSOLIDATED BALANCE SHEET FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2019

(आंकड़े ₹ करोड़ में) (Figures ₹ in Crore)

				2018-19		2017-18
	वित्तीयन कार्यकलापों से शुद्ध नकदी **Net Cash used in Financing Activities**	**(C)**		**13,741.01**		**7,459.54**
डी D	नकदी तथा नकदी तुल्यों में शुद्ध परिवर्तन **Net Change in Cash and Cash Equivalents**	**(A+B+C)**		**(20,192.18)**		**6,109.05**
	नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष Cash and Balances with Reserve Bank of India	29,028.91			25410.36	
	बैंकों के पास शेष और माँग व अल्प सूचना पर प्राप्य धन Balances with Banks & Money at Call & Short Notice	68,459.24		97,488.15	65968.73	**91,379.09**
	वर्ष के अंत में नकदी तथा नकदी तुल्य **Cash and Cash Equivalents at the end of the year**					
	नकदी और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष Cash and Balances with Reserve Bank of India	32,338.32			29,028.91	
	बैंकों के पास शेष और माँग राशि व अल्प सूचना Balances with Banks & Money at Call & Short Notice	44,957.65		**77,295.97**	68,459.24	**97,488.15**
				(20,192.18)		**6,109.05**

टिप्पणियाँ :

1 प्रदत्त प्रत्यक्ष करों (वापसी का शुद्ध) को परिचालन कार्यकलापों से उद्भूत माना गया है तथा इन्हें निवेश तथा वित्तीयन कार्यकलापों के मध्य विभक्त नहीं किया गया है।

2 माइनस में दिए गए सभी आंकड़े 'नकदी बाह्य प्रवाह' दर्शाते हैं।

Notes :-

1 Direct taxes paid (net of refund) are treated as arising from operating activities and are not bifurcated between investing and financing activities.

2 All figures in minus represents "Cash Out Flow"

पी के वार्ष्णेय
P K VARSHNEY
मुख्य प्रबन्धक
CHIEF MANAGER

एस के जैन
S K JAIN
उप महाप्रबन्धक
DY. GENERAL MANAGER

पी के शर्मा
P K SHARMA
महाप्रबन्धक
GENERAL MANAGER

ए के आजाद
A K AZAD
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

एल वी प्रभाकर
L V PRABHAKAR
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

डॉ. आर के यदुवंशी
DR R K YADUVANSHI
कार्यपालक निदेशक
EXECUTIVE DIRECTOR

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
MANAGING DIRECTOR & C.E.O.

सुनील मेहता
SUNIL MEHTA
अध्यक्ष
CHAIRMAN

डॉ रबी एन मिश्रा
Dr. RABI N. MISHRA
निदेशक
DIRECTOR

महेश बाबू गुप्ता
MAHESH BABOO GUPTA
निदेशक
DIRECTOR

संजय वर्मा
SANJAY VERMA
निदेशक
DIRECTOR

डॉ. आशा भंडारकर
Dr. ASHA BHANDARKER
निदेशक
DIRECTOR

As per our report of even date

कृते जी एस माथुर एंड कम्पनी
For G S Mathur & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 008744एन
FRN 008744N

कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स
For MKPS & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 302014ई
FRN 302014E

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
For HDSG & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 002871एन
FRN 002871N

(राजीव कुमार वधावन)
साझेदार
(Rajiv Kumar Wadhawan)
Partner
सदस्य सं. 091007
M No.091007

(संजय कुमार परीदा)
साझेदार
(Sanjaya Kumar Parida)
Partner
सदस्य सं. 504222
M **No.504222**

(दलबीर सिंह गुलाटी)
साझेदार
(Dalbir Singh Gulati)
Partner
सदस्य सं. 081024
M No.081024

कृते एम के अग्रवाल एंड कं.
For M K Aggarwal & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 001411एन
FRN 001411N

कृते ए जॉन मोरिस एंड कं.
For A John Moris & Co.
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
एफआरएन 007220एस
FRN 007220S

(एम के अग्रवाल)
साझेदार
(M K Aggarwal)
Partner
एम नं. 14956
M No.14956

(जी. कुमार)
साझेदार
(G. Kumar)
Partner
एम. नं. 023082
M.No.023082

दिनांक : 28/05/2019
Date : 28/05/2019
स्थान : नई दिल्ली
Place : New Delhi

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों का प्रतिवेदन

पंजाब नैशनल बैंक के सदस्यों के लिए

समेकित वित्तीय विवरणियों की लेखा-परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

1. हमने 31 मार्च 2019 को पंजाब नैशनल बैंक, इसकी अनुषंगियों, सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यम (सामूहिक रूप से पीएनबी समूह के रूप में जाना जाता है) का संलग्न समेकित तुलन पत्र, इसके अलावा उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अनुलग्न समेकित लाभ और हानि खाते और समेकित नकदी प्रवाह विवरणी और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी के सार की लेखा परीक्षा की है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं :
   i) हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट दिनांक 28 मई, 2019 के माध्यम से हमारे द्वारा लेखा परीक्षा किए गए पंजाब नैशनल बैंक (द बैंक) के लेखा परीक्षित खाते।
   ii) अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा 2 अनुषंगियों और 2 सहायक कंपनियों के लेखा परीक्षित खाते और
   iii) 3 अनुषंगियों, 6 सहायक कंपनियों और 1 संयुक्त उद्यम के गैर लेखा परीक्षित खाते।
2. हमारी राय में और हमारी जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण बैंक के लिए अपेक्षित तरीके से बैकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (अधिनियम) द्वारा आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं और आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं और :
   ए) 31 मार्च, 2019 तक की बैंक की स्थिति के तुलन पत्र के मामले में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है;
   बी) उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाते के मामले में सही हानि शेष प्रदान करता है;
   सी) उस वर्ष को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण के मामले में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है;

अभिमत का आधार

3. हमने इंस्टिटयूट ऑफ चार्टड एकाउंटेन्ट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) द्वारा लेखा परीक्षा पर जारी मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा की है । उन मानकों के तहत हमारी ज़िम्मेदारियाँ आगे हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियाँ खंड में वर्णित किया गया है। भारत में वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ इंस्टिटयूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार हम बैंक से स्वतंत्र हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है । हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

प्रमुख लेखा परीक्षा मामले

4. मुख्य लेखा परीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। हमने अपनी रिपोर्ट में बताए जाने वाले लेखा-परीक्षा मामलों के रूप में निम्न मामलों को वर्णित किया है। सम्पूर्ण वित्तीय विवरणों की हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के सन्दर्भ में और उस पर हमारा अभिमत बनाने में इन मामलों को दर्शाया गया है

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of Punjab National Bank

Report on Audit of the Consolidated Financial Statements

Opinion

1. We have audited the attached Consolidated Balance Sheet of Punjab National Bank, its subsidiaries, associates and Joint Venture (collectively known as PNB Group) as at 31st March 2019, the Consolidated Profit and Loss Account and the Consolidated Cash Flow Statement for the year ended on that date and a summary of significant accounting policies and other explanatory information annexed thereto, in which the following are incorporated:
   i) Audited accounts of Punjab National Bank (The Bank), audited by us, vide our audit report dated May 28, 2019,
   ii) Audited accounts of 2 Subsidiaries and 2 associates, audited by other auditors and
   iii) Unaudited accounts of 3 Subsidiaries, 6 Associates and 1 Joint Venture.
2. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Banking Regulation Act, 1949 (the 'Act') in the manner so required for bank and are in conformity with accounting principles generally accepted in India and give:
   a) true and fair view in case of the Balance sheet, of the state of affairs of the Bank as at 31st March, 2019;
   b) true balance of loss in Profit and Loss Account for the year ended on that date; and
   c) true and fair view in case of Cash Flow Statement for the year ended on that date.

Basis for Opinion

3. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements' section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the code of ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India together with ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements in India, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the code of ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Key Audit Matters

4. Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters. We have determined the matters described below to be the key audit matters to be communicated in our report.

मुख्य लेखा-परीक्षा मामले	लेखा-परीक्षा में कैसे हमारे मामले को दर्शाया गया है।
अग्रिम-वर्गीकरण और प्रावधानीकरण (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 9 का संदर्भ लें, लेखा नीति संख्या 5 के साथ पढ़ें) अग्रिमों को अर्जक और अनर्जक अग्रिमों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार इसका प्रावधानीकरण किया गया है। वर्गीकरण और प्रावधानीकरण बैंक के आईटी सॉफ्टवेयर लैडर द्वारा किया जाता है जो कोर बैकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) से सभी आवश्यक डेटा लाता है। विवेकपूर्ण मानदंडों के तहत एनपीए के प्रावधानीकरण की सीमा मुख्य रूप से इसके काल प्रभावन और पूर्वाधिकार प्रतिभूति की वसूली योग्यता पर आधारित है। विवेकपूर्ण मानदंडों के किसी भी अनुचित उपयोग या प्रतिभूति के गलत मूल्य निर्धारण की स्थिति में, क्योंकि प्रतिभूति के मूल्य निर्धारण में उच्च स्तर का अनुमान और मूल्यांकन होता है, अग्रिमों का वहन मूल्य व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से वस्तुतः गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है, और वित्तीय विवरणों में अग्रिमों की राशि अर्थात कुल आस्तियों का 59.13% के महत्व को देखते हुए अग्रिमों का वर्गीकरण और इसके प्रावधानीकरण को हमारी लेखा-परीक्षा में मुख्य लेखा परीक्षा मामला माना गया है।	हमारी लेखापरीक्षा पद्धति में आस्तियों के वर्गीकरण और इसके प्रावधानीकरण के संबंध में बैंक के सॉफ्टवेयर, परिपत्र, दिशा-निर्देश और भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेश और बैंक के आंतरिक निर्देश और प्रक्रियायों को सम्मिलित किया गया और निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को अपनाया गया। -अग्रिमों से संबंधित आय की पहचान, आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण के संबंध में प्रासंगिक आरबीआई के दिशानिर्देशों का पालन करने में बैंक की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का मूल्यांकन किया गया और समझा गया। इन्हें ने डिजाइन और कार्यान्वयन के साथ-साथ प्रासंगिक नियंत्रणों के संचालनात्मक प्रभावशीलता की जाँच की, जिसमें अग्रिमों से संबंधित आय पहचान, आस्ति वर्गीकरण और प्रावधान के संबंध में मैनुअल प्रक्रिया के संयोजन की जांच भी शामिल है को पुनः जांचा गया। किसी भी अग्रिम खाते में अतिदेय, असंतोषजनक आचरण या कमी का पता लगाने के लिए बड़े और दबावग्रस्त अग्रिमों की जांच के आधार पर प्रलेखनों, परिचालन/प्रदर्शन और अग्रिम खातों की निगरानी की समीक्षा की गई, हमारे द्वारा लेखा-परीक्षित शाखाओं/संबंधित प्रभागों के संबंध में आरबीआई के विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार वर्गीकरण की जांच एवं शाखा सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखाओं के संबंध में, हमने उनकी रिपोर्टों पर भरोसा किया है। इसके अतिरिक्त हमने टेस्ट चेक के आधार पर किसी प्रतिकूल विशेषताओं / टिप्पणियों वाले अग्रिमों का पता लगाने के लिए ऋण लेखा-परीक्षा, निरीक्षण लेखा-परीक्षा, जोखिम आधारित आंतरिक लेखा-परीक्षा, समवर्ती लेखा-परीक्षा, नियामक लेखा-परीक्षा की रिपोर्टों की समीक्षा की है और सीबीएस / लैडर से जारी रिपोर्ट की समीक्षा की। हमारे परिणाम: लेनदेन के महत्व को देखते हुए हमारी लेखा-परीक्षा प्रक्रिया के परिणामो को पर्याप्त और संतोषजनक माना गया।

Key Audit Matters	How our matter was addressed in the audit
Advances – classification and provisioning (Refer Schedule 9 to the financial statements, read with the Accounting Policy No.5) The advances are classified as performing and non-performing advances (NPA) and provisioning thereon is made in accordance with the prudential norms as prescribed by the Reserve Bank of India (RBI). The classification and provisioning is done by the Bank's IT software Ladder which imports all the required data from Core Banking Solution (CBS). The extent of provisioning of NPA under the prudential norms are mainly based on its ageing and recoverability of the underlined security. In the event of any improper application of the prudential norms or consideration of the incorrect value of the security, as the valuation of the security involves high degree of estimation and judgement, the carrying value of the advances could be materially misstated either individually or collectively, and in view of the significance of the amount of advances in the financial statements i.e.59.13 % of total assets, the classification of the advances and provisioning thereon has been considered as Key Audit Matter in our audit.	Our audit approach included an understanding of the Bank's software, circulars, guidelines and directives of the Reserve Bank of India and the Bank's internal instructions and procedures in respect of the assets classification and its provisioning and adopted the following audit procedures: - Evaluated and understood the Bank's internal control system in adhering to the Relevant RBI guidelines regarding income recognition, asset classification and provisioning pertaining to advances. - Test checked the design and implementation as well as operational effectiveness of relevant controls, including involvement of manual process in relation to income recognition, asset classification and provisioning pertaining to advances - Reviewed the documentations, operations / performance and monitoring of the advance accounts, on test check basis of the large and stressed advances, to ascertain any overdue, unsatisfactory conduct or weakness in any advance account, examination of classification as per prudential norms of the RBI, in respect of the branches / relevant divisions audited by us. In respect of the branches audited by the branch statutory auditors, we have placed reliance on their reports. Further we have reviewed on test check basis the reports of the credit audit, inspection audit, risk based internal audit, concurrent audit, regulatory audit to ascertain the advances having any adverse features / comments, and reviewed the reports generated from CBS/ Ladder. Our Results: The results of our audit process were observed to be adequate and satisfactory considering the materiality of the transactions.

<u>निवेश – मूल्यांकन, और गैर-निष्पादित निवेश के लिए पहचान एवं प्रावधान</u> (वित्तीय विवरणों की अनुसूची 8 का संदर्भ लें, लेखा नीति संख्या 4 को पढ़ें) बैंक के निवेश पोर्टफोलियो में सरकारी प्रतिभूतियां, बांड्स, डिबेंचर, शेयरों, प्रतिभूति की रसीद और अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियां के निवेश शामिल है, जिन्हें परिपक्व होने वाली, बिक्री के लिए उपलब्ध और व्यापार के लिए आयोजित होने वाली इन तीन श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। निवेशों का मूल्यांकन, गैर-निष्पादित निवेशों (एनपीआई) की पहचान और अनुकूल गैर-मान्यता आय और उस पर प्रावधान करना, आरबीआई के संबंधित परिपत्रों/दिशानिर्देशों/निर्देशों के अनुसार किया जाता है। उपरोक्त प्रतिभूति के प्रत्येक श्रेणी (प्रकार) का मूल्यांकन आरबीआई द्वारा जारी परिपत्रों और निर्देशों में निर्धारित पद्धति के अनुसार किया जाना है, जिसमें एफबीआईएल दरें, बीएसई/एनएसई द्वारा उद्धृत दरें, गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरण, म्यूचुअल फंड के मामले में एनएवी (NAV) और प्रतिभूति रसीदें आदि जैसे विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़े/ सूचना का संग्रह शामिल है। कुछ निवेश मूल्यांकन पद्धतियों पर आधारित होते हैं जिनमें अंतर्निहित धारणाओं सहित सांख्यिकीय मॉडल, वित्तीय विवरणों पर आधारित मूल्यांकन के लिए मूल्य का निर्धारण आदि शामिल होते हैं। इसलिए, इन निवेशों के मूल्यांकन के लिए निर्धारित की गई कीमत सही द्योतक नहीं हो सकती, लेकिन आज तक के निवेशों का एक निष्पक्ष निर्धारण हो सकता है। इसलिए निवेश के मूल्यांकन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और आगे वित्तीय विवरणों (अर्थात कुल संपत्ति का 26.08%) में निवेश की राशि के महत्व को देखते हुए, उक्त को हमारे लेखा परीक्षा में मुख्य लेखा परीक्षा का मामला माना गया है।	भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्रों/ निर्देशों के संदर्भ सहित निवेश के प्रति हमारे लेखा परीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रण की रचना, कार्यान्वयन, परिचालन प्रभाव का परीक्षण एवं समीक्षा शामिल की गई है और गैर-निष्पादित निवेशों की पहचान, वर्गीकरण, मूल्यांकन से संबंधित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं, निवेशों से संबंधित प्रावधान/अवमूल्यन भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार है। – हमने इन निवेशों का उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया की समीक्षा और मूल्यांकन की गई है। – निवेश के चयनित नमूने के लिए (प्रतिभूति की प्रकृति के आधार पर निवेश की सभी श्रेणियों को कवर करते हुए) हमने आरबीआई मास्टर परिपत्रों और निर्देशों के साथ सटिकता और अनुपालन का परीक्षण किया है। – हमने एनपीआई की पहचान, और आय के अनुकूल परिवर्तन और प्रावधान के निर्माण की प्रक्रिया का आंकलन और मूल्यांकन किया। <u>हमारे परिणाम:</u> लेनदेन के महत्व को देखते हुए हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रिया के परिणाम उचित और संतोषजनक पाए गए।

<u>Investments – valuation, and identification and provisioning for Non-Performing Investments</u> (Refer Schedule 8 to the financial statements, read with the Accounting Policy No.4) Investment portfolio of the bank comprises of Investments in Government Securities, Bonds, Debentures, Shares, Security Receipts and other Approved Securities which are classified under three categories, Held to Maturity, Available for Sale and Held for Trade. Valuation of Investments, identification of Non-performing Investments (NPI) and the corresponding non-recognition of income and provision thereon, is carried out in accordance with the relevant circulars / guidelines / directions of RBI. The valuation of each category (type) of aforesaid security is to be carried out as per the methodology prescribed in circulars and directives issued by the RBI which involves collection of data/ information from various sources such as FBIL rates, rates quoted on BSE/ NSE, financial statements of unlisted companies, NAV in case of mutual funds & security receipts etc. Certain investments are based on the valuation methodologies that include statistical models with inherent assumptions, assessment of price for valuation based on financial statements etc. Hence, the price discovered for the valuation of these Investments may not be the true representative but only a fair assessment of the Investments as on date. Hence the valuation of Investments requires special attention and further in view of the significance of the amount of Investments in the financial statements i.e. 26.08% of total assets), the same has been considered as Key Audit Matter in our audit.	Our audit approach towards Investments with reference to the RBI circulars / directives included the review and testing of the design, implementation, operating effectiveness of internal controls and audit procedures in relation to valuation, classification, identification of Non-Performing Investments, provisioning / depreciation related to Investments as per RBI guidelines - We reviewed and evaluated the process adopted for collection of information from various sources for determining fair value of these investments. - For selected sample of investments (covering all categories of investments based on nature of security) we tested accuracy and compliance with the RBI Master circulars and directions. - We assessed and evaluated the process of identification of NPIs, and corresponding reversal of income and creation of provision. <u>Our Results:</u> The results of our audit process were observed to be adequate and satisfactory considering the materiality.

वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षको की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

5. बैंक का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में कॉरपोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट शामिल है (लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षको की रिपोर्ट शामिल नहीं है), जिसे हमने इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तिथि से पूर्व ही प्राप्त कर लिया था और निदेशकों की रिपोर्ट, अनुलग्नक सहित, यदि कोई हो, जिसे हमें उस तिथि के बाद उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

वित्तीय विवरणों पर हमारा अभिमत बेसल **III** के तहत अन्य जानकारी और पिलर 3 प्रकटीकरण को कवर नहीं करना है और हमने इस पर किसी भी तरह का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं किया है और न ही करेंगे।

वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी उपरोक्त चिन्हित की गई अन्य सूचना को पढ़ना है और ऐसा करते समय ध्यान देना है कि क्या वित्तीय विवरणों के साथ दी गई अन्य सूचना या लेखा परीक्षा में प्राप्त हमारा ज्ञान वस्तुत: असंगत है, या अन्यथा वस्तुत: गलत तथ्य प्रस्तुत किया हुआ दिखाई देता है।

यदि, हमने उस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तिथि से पूर्व प्राप्त की गई अन्य सूचना के आधार पर कार्य किया है, तो हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य सूचना के तथ्य गलत दिए गए है, हमें उक्त तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमें इस संबंध मे कुछ रिपोर्ट नही करना है।

जब हम निदेशकों की रिपोर्ट पढ़ते हैं, अनुलग्नक सहित, यदि कोई है, तो, यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई तथ्य गलत है, तो हमें इस मामले को उन लोगो को सूचित करना होगा जिन्हें अधिकार प्रभारित किया गया है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और अधिकार प्रभारित व्यक्तियों की जिम्मेदारियाँ

6. बैंक के निदेशक मंडल इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार हैं जो आमतौर पर भारत में स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बैंक के वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नकदी प्रवाह के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानको, और बैकिग विनियमन अधिनियम, 1949 के अनुच्छेद 29 के प्रावधानों एवं समय-समय पर भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए परिपत्रों और दिशानिर्देशों को शामिल किया गया हैं। इस जिम्मेदारी में बैंक की अस्तियों की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने और उसका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव (उचित लेखांकन नीतियों का चयन और आवेदन निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैं) और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का रखरखाव, डिजाइन, कार्यान्वयन, जो लेखांकन के रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और गलत कथन, चाहे धोखाधड़ी या चूक के कारण हो, से मुक्त हैं, भी शामिल है ।

वित्तीय विवरणों की तैयारी में, बैंक की गोईंग कन्सर्न क्षमता के आंकलन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है प्रकटीकरण, जैसा लागू हो, गोईंग कन्सन से संबंधित मामलों और लेखांकन के आधार गोईंग कन्सन के आधार

Information Other than the Financial Statements and Auditor’s Report thereon

5. The Bank’s Board of Directors is responsible for the other information. The other information comprises the Corporate Governance Report (but does not include the financial statements and our auditor’s report thereon), which we obtained prior to the date of this auditor’s report, and Directors’ Report, including annexures, if any, thereon, which is expected to be made available to us after that date.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and Pillar 3 disclosure under Basel III and we do not and will not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information identified above and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained in the audit, or otherwise appears to be materially misstated.

If, based on the work we have performed on the other information that we obtained prior to the date of this auditor’s report, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

When we read the Directors’ Report, including annexure, if any, thereon, if we conclude that there is a material misstatement therein, we are required to communicate the matter to those charged with governance.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for the Consolidated Financial Statements

6. The Bank’s Board of Directors is responsible with respect to the preparation of these Consolidated financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Bank in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI, and provisions of Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and circulars and guidelines issued by the Reserve Bank of India (‘RBI’) from time to time. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank’s ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of

का उपयोग करना जब तक प्रबंधन न तो बैंक को लीक्वीडेट करने या परिचालन को रोकने का इरादा नहीं रखता हो या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प न रहे ।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व

7. हमारा उद्देश्य इस संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या संपूर्ण रूप से वित्तीय विवरण भौतिक दुर्व्यवहार से मुक्त हैं, चाहे वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी करने के लिए हो जिसमें हमारी सम्मति भी शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नही है कि आश्वासन द्वारा किया गया लेखापरीक्षा सदैव मौजूद होने पर किसी सामग्री के गलत होने का पता लगाएगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकता है और महत्वपूर्ण माना जाएगा यदि, व्यक्तिगत या समग्र रूप से, वे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने के लिए यथोचित अपेक्षा की जा सकती है।

एसए के अनुसार एक लेखापरीक्षा के खंड के रूप में, हम व्यवसायी निर्णय लेते हैं और पूरे लेखापरीक्षण में व्यवसायी संदेहवाद को बनाए रखते हैं। साथ ही हम:

- वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरणी के जोखिमों पहचानें और उनका आकलन करें, क्या वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण है, इन जोखिमों के लिए उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिज़ाइन करें और कार्रवाई करें, तथा लेखापरीक्षा प्रमाण प्राप्त करें जो हमारे विचार को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण गलत विवरणी का पता न लगने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले जोखिम से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण की अभिभाविता शामिल हो सकती है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों एवं संबंधित प्रकटीकरण की तर्कशीलता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन संबंधी विषय के आधार पर प्रबंधन की उपयुक्तता के निष्कर्ष के आधार पर तथा, प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्यों के आधार पर, क्या कोई ऐसी घटना या परिस्थितियों से संबंधित महत्वपूर्ण अनिश्चितता मौजूद है जो बैंक की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह कायम कर सकती है जो निरंतर एक गोईंग कन्सर्न का विषय है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासों पर ध्यान आकर्षित करना होगा या यदि इस तरह के खुलासे हमारी राय को संशोधित करने में अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थितियों से बैंक के लिए गोईंग कन्सर्न रहने से रोकने का कारण बन सकता है।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना एवं सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन तथा घटनाओं को इस तरह से दर्शाते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करते हैं।

हम शासन द्वारा प्रभारित अन्य मामलों से भी संपर्क कर रहे हैं, लेखापरीक्षा का योजनाबद्ध विस्तार तथा महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों को शामिल किया गया हो जो लेखापरीक्षा के दौरान पहचानी गई हों।

हमने इन लोगों को भी एक बयान के साथ अधिकार प्रदान किया है कि

accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

7. Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the bank to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant

जिन्होने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ पालन किया है, और उन सभी संबंधो तथा अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जिन्हें हमारी स्वतंत्रता को मानता है के लिए उचित माना जा सकता है, और संबंधित सुरक्षा उपाय जहां भी लागू हो।

शासन के साथ आरोपित मामलों से संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों को निर्धारित करते हैं जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्व रखते थे और इसलिए वे प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन इस मामले के संबंध में कोई सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं करते या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हमने यह पाया हैं कि हमारी रिपोर्ट के किसी मामले का संचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणामों के फलस्वरूप सार्वजनिक हित का लाभ उठाने हेतु यथोचित उम्मीद की जाएगी।

अन्य मामले

8. हमने अनुषंगियों अर्थात् (i) पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड (ii) पीएनबी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (iii) पंजाब नैशनल बैंक (इंटरनेशनल) लिमिटेड (iv) पीएनबी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज लिमिटेड और (v) ड्रक पीएनबी बैंक लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा नही की है। जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च 2019 तक कुल रु 17813.66 करोड़ की आस्तियों और वर्ष समाप्ति हेतु रु. 898.80 करोड़ के कुल राजस्व को दर्शाती है। पीएनबी इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड, पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड और पीएनबी (इंटरनेशनल) लिमिटेड, लंदन को छोड़कर इन वित्तीय विवरणों और अन्य वित्तीय जानकारी का उनके संबंधित लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा किया गया है, जिनकी रिपोर्ट हमें दी गई है और हमारी राय पूरी तरह से लेखापरीक्षकों के पूर्वकथित रिपोर्टों पर आधारित है।

इस मामले के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

9. बैकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अनुसार तुलन पत्र एवं लाभ और हानि खाता तैयार किया गया है।

10. उक्त 5 से 7 पैराग्राफ में इंगित लेखापरीक्षा की सीमाओं के अधीन और बैकिंग कंपनियों (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 के आवश्यकतानुसार है और इसके अतिरिक्त आवश्यक प्रकटीकरण की सीमाओं के अधीन भी है, हम रिपोर्ट करते हैं:

ए. हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सर्वोत्तम है, हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए आवश्यक थे और उन्हें संतोषजनक पाया है।

बी. बैंक का लेन-देन, जो हमारे संज्ञान में आया है, बैंक की शक्तियों के भीतर हुआ है।

सी. ए बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त विवरणों को हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए पर्याप्त पाया गया है।

11. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

ए. हमारी राय में, विधि द्वारा अपेक्षित खाता-बहियों को बैंक द्वारा अब तक यथोचित रूप से रखा गया हैं, जैसाकि यह हमारी उन पुस्तकों की जांच से प्रकट होता है और हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए पर्याप्त उचित विवरण हमारे द्वारा विजिट नही की गई शाखाओं से प्राप्त किया गया है।

ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Other Matter

8. We did not audit the financial Statements of subsidiaries viz. (i)PNB Gilts Limited (ii) PNB Insurance Broking Pvt. Ltd. (iii) Punjab National Bank (International) Ltd. (iv) PNB Investment Services Limited & (v) Druk PNB Bank Ltd. whose financial Statement reflect total assets of Rs. 17,813.66 crore as at 31 st March 2019 and total revenues of Rs. 898.80 crore, for the year ended. These financial statements and other financial information excluding PNB Insurance Broking Pvt. Ltd., PNB Gilts Ltd. and PNB (International) Limited, London have been audited by their respective auditors whose reports have been furnished to us and our opinion is based solely on the reports of the said auditors.

Our opinion is not modified in respect of this matter.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

9. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949;

10. Subject to the limitations of the audit indicated in paragraphs 5 to 7 above and as required by the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980, and subject also to the limitations of disclosure required therein, we report that:

a. We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory;

b. The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank; and

c. The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit.

11. We further report that:

a. in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as it appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from branches not visited by us;

बी. इस रिपोर्ट द्वारा दी गई तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता और नकदी प्रवाह का विवरण, खाते की पुस्तकों के साथ और हमारे द्वारा दौरा नही की गई शाखाओं से प्राप्त विवरण के साथ हैं।

सी. बैकिग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अंतर्गत बैंक के शाखा लेखा-परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित शाखा कार्यालयों के खातों की रिपोर्ट हमें भेज दी गई है और और इस रिपोर्ट को तैयार करने में हमारे साथ ठीक से प्रस्तुत हुए हैं: और

डी. हमारी राय में, तुलन पत्र, लाभ एवं हानि खाता और नकदी प्रवाह का विवरण लागू लेखांकन मानकों का उस सीमा तक अनुपालन करता है जब तक कि वे आरबीआई द्वारा निर्धारित लेखांकन नीतियों के साथ असंगत नहीं होते ।

कृते जी एस माथुर एंड कंपनी सनदी लेखाकार एफआरएन 008744एन	कृते एमकेपीएस एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार एफआरएन 302014ई	कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार एफआरएन 002871एन
(राजीव कुमार वधावन) साझेदार सदस्य सं. 091007	(संजय कुमार परिदा) साझेदार सदस्य सं. 504222	(दलबीर सिह गुलाटी) साझेदार सदस्य सं.081024
कृते एम के अग्रवाल एंड कम्पनी सनदी लेखाकार एफआरएन 001411एन	कृते ए जॉन मोरिस एंड कम्पनी सनदी लेखाकार एफआरएन 007220एस	
(एम के अग्रवाल) साझेदार सदस्य सं.14956	(जी. कुमार) साझेदार सदस्य सं.023082	

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 28 मई, 2019

b. the Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Statement of Cash Flows dealt with by this report are in agreement with the books of account and with the returns received from the branches not visited by us;

c. the reports on the accounts of the branch offices audited by branch auditors of the Bank under section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 have been sent to us and have been properly dealt with by us in preparing this report; and

d. In our opinion, the Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Statement of Cash Flows comply with the applicable accounting standards, to the extent they are not inconsistent with the accounting policies prescribed by RBI.

For G S Mathur & Co. Chartered Accountants Frn 008744N	For MKPS & Associates. Chartered Accountants Frn 302014E	For HDSG & Associates Chartered Accountants Frn 002871N
(Rajiv Kumar Wadhawan) Partner M.no. 091007	(Sanjaya Kumar Parida) Partner M.no. 504222	(Dalbir Singh Gulati) Partner M.no. 081024
For M K Aggarwal & Co. Chartered Accountants Frn 001411N	For A John Moris & Co. Chartered Accountants Frn 007220S	
(M K Aggarwal) Partner M.no. 14956	(G Kumar) Partner M.no. 023082	

Place: New Delhi
Date: May 28, 2019

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !

punjab national bank ...the name you can BANK upon !

प्रधान कार्यालय: प्लॉट संख्या 4, सेक्टर- 10, द्वारका, नई दिल्ली, 110075

फार्म- ''बी''

प्रॉक्सी फार्म
(शेयरधारक द्वारा भरा और हस्ताक्षर किया जाए)

रजिस्टर्ड फोलियो नं. (मूर्त शेयरों के लिए)	
डीपीआईडी सं. ग्राहक आईडी सं. (यदि अमूर्त रुप में)	
शेयरों की संख्या	

मैं/हम--------------------------------निवासी-- पंजाब नैशनल बैंक के शेयरधारक होने के नाते एतदद्वारा ---------------------------- के निवासी श्री/श्रीमती ------------------------------------ को अथवा उनके उपस्थित न हो सकने पर -------------------------- के निवासी श्री/श्रीमती ---------------------------- को 12 जुलाई, 2019 को शुक्रवार, प्रात: 10.00 बजे बैंक के शेयरधारकों की वार्षिक आम बैठक में जो पंजाब नैशनल बैंक के मल्टीपर्पज हॉल, प्रधान कार्यालय, प्लाट सं. 4, सेक्टर -10, द्वारका, नई दिल्ली- 110075 में आयोजित होगी तथा उसके स्थगित होने पर मेरी/हमारी ओर से मेरे/हमारे लिए मत देने के लिए प्रॉक्सी नियुक्त करता हूं/करते हैं ।

वर्ष 2019 के --------मास की ----- तारीख को हस्ताक्षरित

प्रॉक्सी के हस्ताक्षर ______________________________

कृपया रसीदी टिकट चिपकाएं

एकल/प्रथम शेयरधारक के हस्ताक्षर

प्रॉक्सी फॉर्म पर हस्ताक्षर करने एवं प्रस्तुत करने हेतु अनुदेश

1. कोई भी प्राक्सी दस्तावेज़ तब तक वैध नही होगा जब तक:

   क. व्यक्तिगत शेयरधारक के मामले में उसके द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे या विधिवत् लिखित रुप में अधिकृत अर्टानी हस्ताक्षर करेगा ।

   ख. संयुक्त धारकों के मामले में सदस्यों के रजिस्टर में प्रथम नाम के शेयरधारक द्वारा या उसके द्वारा लिखित रुप से अधिकृत अर्टानी द्वारा हस्ताक्षर किये जाएंगें ।

   ग. निगमित निकाय के मामले में उसके अधिकारी द्वारा सामान्य मोहर, यदि हो, तो लगाकर इन्हें हस्ताक्षरित एवं निष्पादित किया जाएगा या अन्यथा लिखित रुप से विधिवत् अधिकृत अर्टानी द्वारा हस्ताक्षर किये जायेगें ।

   घ. फार्म बी में होंगे और विधिवत् रूप से स्टाम्प होंगे ।

2. प्रॉक्सी दस्तावेज़ जिस पर शेयरधारक द्वारा अंगूठे का निशान लगाया गया है, तभी वैध माना जाएगा जब उसे किसी जज, मैजिस्ट्रेट, रजिस्ट्रार या उप रजिस्ट्रार

पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक !

punjab national bank
...the name you can BANK upon !

Head Office: Plot No.4, Sector-10, Dwarka, New Delhi – 110 075

FORM 'B'

FORM OF PROXY
(To be filled in and signed by the shareholder)

Regd. Folio No. (If not Dematerialised)	
DPID No. - Client ID No. (If Dematerialised)	
No of shares.	

I/We, ________________________________resident/s of _______________________ in the district of _______________________in the state of _______________________ being a shareholder/s of Punjab National Bank, hereby appoint Shri/Smt. ________________________resident of ____________________ _______________in the district of ___________________ in the state of __________________________ or failing him/her, Shri/Smt.______________________________ resident of ______________________ _______________________________in the district of___________________________ in the state of ____________________________ as my/our proxy to vote for me/us and on my/our behalf at the Annual General Meeting of the shareholders of the Bank to be held on Friday, the 12th July, 2019 at 10.00 a.m., at Multipurpose Hall of Punjab National Bank, Head Office, Plot No.4, Sector-10, Dwarka, New Delhi – 110075 and at any adjournment thereof.

Signed this_______day of ____________2019.

Signature of the Proxy _______________________

Revenue Stamp

Signature of sole/first holder

INSTRUCTIONS FOR SIGNING AND LODGING THE PROXY FORM

1. No instrument of proxy shall be valid unless,
   a. in case of an individual shareholder, it is signed by him/her or by his/her attorney duly authorised in writing,
   b. in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the Register of Shareholders or by his/her attorney duly authorised in writing,
   c. in the case of a body corporate, it is signed by its officer and executed under its Common Seal, if any, or otherwise signed by its attorney duly authorised in writing.
   d. shall be in the Form B and duly stamped.
2. An instrument of proxy, in which the thumb impression of the shareholder is affixed, will be valid provided it is attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or any other Government Gazetted Officer or an officer of Punjab National Bank.

एसोरेंस द्वारा या किसी अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी द्वारा या पंजाब नैशनल बैंक के किसी अधिकारी द्वारा अधिप्रमाणित किया गया हो ।

3. प्रॉक्सी फार्म के साथ नोटरी पब्लिक या एक मजिस्ट्रेट द्वारा प्रमाणित उक्त मुख्तारनामे या प्राधिकार पत्र की हस्ताक्षरित प्रति को पंजाब नैशनल बैंक, प्रधान कार्यालय, प्लाट सं. 4, सेक्टर -10, द्वारका, नई दिल्ली- 110075 के पास वार्षिक आम बैठक की तिथि से अधिकतम 4 दिन पहले 06 जुलाई, 2019 शनिवार, सायं 5.00 बजे तक जमा करवा दिया जाए ।

4. यदि संबंधित मुख्तारनामा पंजाब नैशनल बैंक या इसके शेयर अंतरण एजेंट के साथ पहले से ही पंजीकृत है, तो मुख्तारनामे की पंजीकरण संख्या तथा ऐसे पंजीकरण की तिथि का उल्लेख किया जाए ।

5. बैंक के पास जमा प्रॉक्सी दस्तावेज अंतिम व अपरिवर्तनीय होगा ।

6. वैकल्पिक रुप में, दो गारंटरों के पक्ष में की गई एक दस्तावेज की प्रॉक्सी के मामले में, एक से ज्यादा फार्म को निष्पादित नहीं किया जाए।

7. जिस शेयरधारक ने प्रॉक्सी का दस्तावेज़ निष्पादित किया हो वह बैठक में उस दस्तावेज़ से सम्बद्ध वोट देने का पात्र नहीं होगा ।

8. इस प्रकार नियुक्त प्रॉक्सी को बैठक में बोलने का अधिकार नहीं होगा । ऐसे में प्रॉक्सी प्रदाता की ओर से उपस्थित हो सकेगा और वोट दे सकेगा।

9. पंजाब नैशनल बैंक के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को वैधानिक रूप से प्राधिकृत या प्रॉक्सीधारक नियुक्त नहीं किया जा सकता ।

3. The proxy together with:

   a. the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or

   b. a copy of that power of attorney or authority, certified by a Notary Public or a Magistrate, should be deposited at the Finance Division, Share Department, Punjab National Bank, Head Office: Plot No.4, Sector-10, Dwarka, New Delhi – 110 075 not later than FOUR DAYS before the date of the Annual General Meeting, i.e. on or before closing hours i.e. 5.00 p.m. of Saturday, 06th July, 2019.

4. In case the relevant power of attorney is already registered with Punjab National Bank or its Share Transfer Agent, the registration number of the power of attorney and the date of such registration may be mentioned.

5. An instrument of proxy deposited with the Bank shall be irrevocable and final.

6. In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.

7. The shareholder who has executed an instrument of proxy shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.

8. The proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting but such proxy can attend & vote on behalf of the grantor.

9. No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of Punjab National Bank.

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !
punjab national bank ...the name you can BANK upon !

प्रधान कार्यालय : प्लॉट संख्या 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली, 110075
HEAD OFFICE: Plot No. 4, Sector 10, Dwarka, New Delhi 110075

वार्षिक आम बैठक, शुक्रवार, 12 जुलाई, 2019 समय प्रात: 10.00 बजे
ANNUAL GENERAL MEETING, FRIDAY, 12th July, 2019 AT 10.00 A.M.

पंजाब नैशनल बैंक प्रधान कार्यालय: प्लॉट संख्या 4, सैक्टर 10, द्वारका नई दिल्ली-110075
AT PNB HEAD OFFICE, PLOT NO. 4, SECTOR 10, DWARKA, NEW DELHI 110075

उपस्थिति पर्ची / ATTENDANCE SLIP

(उपस्थिति के पंजीकरण के समय सुपुर्द करने हेतु)
(To be surrendered at the time of registration of attendance)

नाम स्पष्ट अक्षरों में (सदस्य/प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधि) NAME IN BLOCK LETTERS (Member/Proxy/Authorised Representative)	पंजीकृत फोलियो/डीपीआईडी/ग्राहक आईडी सं. REGD.FOLIO/DPID & CLIENT ID No.	शेयरों की संख्या Number of Shares

शेयरधारक/प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर
Signature of Shareholder/Proxy/Authorised Representative

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !
punjab national bank ...the name you can BANK upon !

प्रधान कार्यालय : प्लॉट संख्या 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली, 110075
HEAD OFFICE: Plot No. 4, Sector 10, Dwarka, New Delhi 110075

वार्षिक आम बैठक, शुक्रवार, 12 जुलाई, 2019 समय प्रात: 10.00 बजे
ANNUAL GENERAL MEETING, FRIDAY, 12th July, 2019 AT 10.00 A.M.

प्रवेश पास / ENTRY PASS

(बैठक के दौरान अपने पास रखना है)
(To be retained throughout the meeting)

नाम स्पष्ट अक्षरों में (सदस्य/प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधि) NAME IN BLOCK LETTERS (Member/Proxy/Authorised Representative)	पंजीकृत फोलियो/डीपीआईडी/ग्राहक आईडी स. REGD.FOLIO/DPID & CLIENT ID No.	शेयरों की संख्या Number of Shares

शेयरधारक/प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर
Signature of Shareholder/Proxy/Authorised Representative

बैठक हॉल में प्रवेश के लिए शेयरधारकों/प्रॉक्सीधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे इस उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पास को बैठक कक्ष में उपस्थिति के समय विधिवत् हस्ताक्षर करके प्रस्तुत करें । प्रवेश पास वाला भाग शेयरधारकों/प्रॉक्सीधारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों को लौटा दिया जाएगा, जिसे उन्हें बैठक समाप्त होने तक अपने पास रखना चाहिए । किसी भी परिस्थिति में, कोई भी डुप्लीकेट उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पास जारी नहीं किया जाएगा।

Shareholders/Proxy holders/Authorised Representatives are requested to produce Attendance-slip-cum-Entry pass duly signed, for admission to the meeting hall. The Entry pass portion will be handed back to the shareholders/Proxy holders/Authorised Representatives, who should retain it till the conclusion of the meeting. Under no circumstances, any duplicate Attendance slip-cum-Entry pass will be issued.

NOTES

NOTES

श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पंजाब नैशनल बैंक, केरल के माननीय मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन को बाढ़ पुनर्वास निधि हेतु ₹ 5.00 करोड़ का चेक प्रदान करते हुए।

Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO Punjab National Bank presenting the cheque of ₹ 5.00 crore to Shri Pinarayi Vijayan, Hon'ble Chief Minister of Kerala for Flood Rehabilitation Fund.

श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पंजाब नैशनल बैंक, बैंक के 125 वें स्थापना दिवस पर 'भारत के वीर' के लिए श्री एम एस भाटिया, आई जी (एडीएम) सीआरपीएफ को चेक प्रदान करते हुए।

Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO Punjab National Bank presenting a cheque to Shri M.S.Bhatia, IG (ADM) CRPF for 'BHARAT KE VEER' on 125th Foundation Day of the Bank.

पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

Head Office : Plot No. 4, Sector-10, Dwarka, New Delhi - 110075

pnbindia www.pnbindia.in